Mरत की राजपंत्र The Gazette of India

शाधिकार से प्रकाशित १७६८:५४६६ हा ४७१५०६:११

सं• 39]

नई विश्ली, शनिचार, सितम्बर 28, 1985 (आश्विन 6, 1907)

No. 39) NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 28, 1985 (ASHVINA 6, 1907)

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संस्था दी जाती है **विश्वते कि यह अलग संस्थान के कप में रखा जा सके** (Separate paging in given to thin Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III- खण्ड 1

[PART IN SECTION 1]

उच्च न्यांमालयों, नियम्बरु और नहाते ब्रापरीक्ष**ड़, संघ लोक लेखा** आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अभीन कार्याचर्यों द्वारा **कारी की गई** अधिचूचनाएं

(Notifications issued by the High Charts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय पृलिस भ्रनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1985

सं० 18/8/85-प्रशार्ध — ग्रांध्र प्रवेश पुलिस के निरीक्षक श्री सी० बी० सुधाकर राव को दिनांक 1 जून, 1985 (भ्रपराह्म) से प्रथम बृष्टांत में एक वर्ष के लिए केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति पर उप-पुलिस भ्रमीक्षक (प्रशिक्षक) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं 18/13/85-प्रणा०-II — प्रांध्र प्रदेश हैदराबाद के अध्यानार विरोधी ब्यूरो के पुलिस निरीक्षक श्री बी० वासुदेव रेड्डी को दिनांक 27 जून, 1985 (पूर्वाह्म) प्रथम दृष्टांत में एक वर्ष के लिए केन्द्रीय गुष्तचर प्रशिक्षण स्कूल हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति पर उप-पुलिस ग्रधीक्षक (प्रशिक्षक) के पद पर नियक्त किया जाता है।

एस०के० मलिक महानिदेशक

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ंकेन्द्रीय भ्रन्वेषण क्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 2 सितम्बर 1985

सं एस - 169/68 प्रशा > 5--श्री एस ० एन ० मुखर्जी का 2-1-1985 (पूर्वाह्म) से राष्ट्रीय ताप शक्ति निगम लि० (नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन लि॰) में स्थाई रूप म समाहृत हो जाने पर 1-1-1985 (अपराह्म) से उनका केन्द्रीय अन्वेषण क्यूरो में पुलिस उपाधीक्षक के स्थायी पद पर पुन-ग्रहणाधिकार समाप्त हो गया था।

सं० एस० /6/73-प्रशासन-5—सेंट्रल बैंक प्राफ इण्डिया, चण्डीगढ़ से प्रस्थावर्सन होने पर. श्री एस० के० भटनागर, पुलिस उपाधीक्षक, के० श्र० ब्यूरों ने 16 जुलाई, 1985 पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रन्वेचण ब्यूरों में, उसी पद पर, कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० 1-27/81-सी० एफ० एस० एल०/7321—केन्द्रीम भन्नेवण व्युरो को सूचना संख्या 1-27-81- सी०एफ०एस०एस० केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगशाला के दिनांक 14-5-1984 के कम में राष्ट्रपति, केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक डा० एम० के० लहरी (झूट भ्रमिज्ञापक) को 1-7-1984 (पूर्वाल्ल) से सी० बी० भ्राई० नई दिल्ली को केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक भ्रधिकारी (ग्रेष्ट-) (झूठ भ्रमिज्ञापक) के पद पर तदर्थ आधार पर 30-9-1985 तक भ्रीर या पद के स्थाई रूप से भरने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

श्चार० एस० नागपाल प्रशासकीय भधिकारी/सी०बी०श्चाई० (ई०) महानिवेशालय के० रि० पु० बल नई विल्ली, दिनांक 30 अगस्त 1985

सं० श्रो० दो-925/72-स्था०(के०रि० पु० बल)— भारत सरकार ने श्री सुनील कपूर, सहायक कमांडेन्ट के० रि० पु० बल का इस्तीफा दिनांक 29-9-1984 से मंजूर किया है। तदनुसार उक्त ग्रधिकारी को इस फोर्स की गणना से दिनांक 29-9-84 से निकाल दिया जाता है।

सं० डी० एक-13/85 स्थापना-1—श्री जे० पी० दुवे कमाडिन्ट, 26 बटालियन, के० रि० पु० बल, की सेवाएं विनांक 25-7-85 (श्रपराह्म) से लोक सभा सिचवालय, नई दिल्ली को वाच एण्ड वार्ड श्रधिकारी के पद पर नियुक्ति होने से डेपुटेशन श्राधार पर सौंपी जाती है।

सं० डी०-एक-22/85 स्थापना-1 भाग 2—केम्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित ग्रधिकारियों की सेवाएं उनके नामों के भागे वर्शायी गयी तिथियों से, विशेष रक्षक ग्रुप (मंत्रिमंडल सिवालय) भारत सरकार नई दिल्ली को डेपुटेशन ग्राधार पर सौंपी जाती हैं:—

- 2. श्री भन्तोनी थरकन, . . . 31 7-85 सहा०कमां० 62 बटा० के० रि० पु० बल। (अपराह्म)
- 3. श्री एस० पी० सिंह, . . . 31-7-84 जि०ए० डी० जनरल महानिदेशालय, के० (ग्रपराह्म) रि०पु० बल, नई दिल्ली।
- 4. श्री ए० के० त्यागी, : . 10-8-85 पुलिस उपाधीक्षक, (ग्रपराह्म) के० रि० पु० बल, ग्रुप केन्द्र बनतलाब, जम्मू।

सं० श्रो० दो० 2006/85-स्थापना—महानिदेशक, के० रि०पु० बल ने डा० एस० शिद्धार्थ राव को दिनांक 6-6-85 (पूर्वान्ह) से केवल 3 माह के लिए या उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक किनिष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहवें नियुक्त किया है।

दिनांक 3 सितम्बर 1985

सं० घो० दो-1486/80-स्था० (के० रि० पु० बल)—केन्द्रीय घौ० सुरक्षा बल में पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति फलस्वरूप श्री डी० एम० मिश्रा, घाई० पी० एस० (उड़ीसा-1952) ने विनांक 31-8-85 पूर्वाह्न को पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय) के० रि० पु० बल एवं पुलिस महानिदेशक के० रि० पु० बल का घतिरिक्त कार्यभार त्याग विया ।

2. श्री श्रो० पी० भूटानी श्राई० पी० एस० (उ• प्र० 1952) महानिवेशक, श्राई० टी० बी० पी० ने पुलिस महा- निवेशक के॰ रि॰ पु॰ बल का भ्रतिरिक्त कार्यभार दिनांक 31-8-85 (पूर्वाह्न) से संभाला।

दिनांक 4 सितम्बर 1985

सं० एफ०-8/3/85-स्था०—-राष्ट्रपति जी ने डा० एम० एन० जयप्रकाश जी० डी० ग्रो० ग्रेड-1 (सहायक कमान्डेंन्ट) के० रि० पु० बल का त्यागपत्र दिनांक 31-8-85 से सहर्ष स्वीकार किया।

सं० भ्रो० दो-2046/85 स्थापना—महानिदेशक, कें० रि० पु० बल ने डा० वी० पी० नारंग को दिनांक 21-8-85 (पूर्वाह्न) से कें० रि० पु० बल में केंबल 3 माह के लिए, भ्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक तवर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

ए० झार० महापति सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्द्रीय श्रीचोगिक सुरक्षा वल

नई विल्ली-110003, विनांक 03 सितम्बर, 1985

सं० ई०-16013(1)/6/83-कार्मिक-1—मपने राज्य संबर्ग में प्रस्यावर्तित होने पर श्री एम० के० राजू भा० पु० से० (यू० पी०: 65) में 31 मगस्त, 1985 के श्रपराह्म से उप महानिरीक्षक (ब्यवस्था) केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल मुक्यालय, नई दिल्ली के पद पर कार्यमार छोड दिया ।

> हु० अपठनीय महानिदेशक/के० भ्रो० सु० व०

वित्त मंत्रालय ग्राधिक कार्य विभाग वैंक नोट मुद्रणालय,

देवास,-4550003 विनांक 4 सितम्बर 1985

नस्ती सं० बी० एन० पी०/सी०/57/85—कार्यालय महा लेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम म० प्र० खालियर के धनुभाग प्रधिकारी श्री बी० धार० चौधरी को विनाक 28-8-85 (पूर्वाह्म) से 27-8-86 (ध्रपराह्म) तक बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में प्रशासन ग्रधिकारी के पद पर ग्रति-निमुक्ति पर नियुक्त किया जाता है।

> मु० **वै० चार** महाप्रबन्धक

भारतीय छेखा परीक्षा तथा लेखा विमाग कार्यालय: निवेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य मई दिस्ली 110002, विनांक 6 सिसम्बर 1985

मं० प्रकारत 1/का० आ० सं० 239—इस कार्यासय के एक स्थाई केखा परीका अधिकारी श्री एस०के० जैंन वार्धक्य आयू प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप 30 सितम्बर, 1985 अपराह्मको भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे। उमकी जन्म तिथि 8 सितम्बर, 1927 है।

सं । प्रशासन / का । आं । सं । 240 — इस कार्यालय के एक स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी श्री डी । पी । देवपुण वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप 30 सितम्बर 1985 अपराह्म को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो नार्थों । उनकी जन्म तिथि 20 सितम्बर, 1927 है ।

हस्साक्षर ग्रपठनीय उप निदेशक, लेखा परीका (प्रकासन)

महालेखाकार का कार्यालय, भांघ्र प्रदेश

हैदराबाद, दिमांक 5 सितम्बर, 1985

सं अशा ०-1/8-132/85-86/87—श्री एस० परमशिवन, श्री टी० एस० देवराजन श्रीर श्री पी० कोटेश्वरराव-1, लेखा परीक्षा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय (लेखा-परीक्षा) आ० प्र० हैंदराबाद से दिनांक 31-8-85 अपराह्म को सेवा निवृत्त हुए।

सं० प्रणा० I/8-132/85-86/86-87—महालेखाकार महोदया (लेखापरीक्षा) आंघ्र प्रदेश, हैदराबाद ने सह्यं निम्न लिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारियों के रूप में 840-40-1000-द० अ० 40-1200 ६० वेतनमान में उनके कार्यभार प्रहण करने की तारीख से प्रभावी अगले आदेशों तक पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के लिए दिये गये आदेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, ग्रीर आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाग्रों के परिणामों के अधीन माने जायेंगे।

उन्हें चाहिए कि वे अथना विकल्प भारत सरकार का० ज्ञा॰ सं० एफ॰/7/1/80-स्थापना पी०टी० 1 दिनांक 26-9-81 की शर्तों के अनुसार प्रवोक्षति की तारीख सेएक महीने के अन्दर दें।

नाम	पद ग्रहण	की तारीख
 श्री बी० राम ह्या . श्री ए म० पी० बी० एल० शर्मा 	38-8-85 30-8-85	(पूर्वाह्स) (पूर्वाह्स)
 श्री बी० श्रीराम मूर्ती . 	30-885 29-8-85	(अपराह्न) (अपराह्न)

ह० ग्रपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन) कार्यालय **महालेखा**कार (**ले**० प०)

बम्बई-400020, दिनांक 28 अगस्त, 1985

क० सं प्रशासन-1/ले ० प०/सामान्य/स० ले ० प० अ०/2 (1)/7—महालेखाकार महोदय ने निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के समक्ष निखी गयी तिथियों से प्रभाव, पुन: नावेश जारी होने तक, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (वर्ग समूह-च-राजपित) पद पर, सहर्ष नियुक्त किया है:—

ऋ०सं०	नाम			० अ० पद पर की तिचि
1. श्री र्स	ो० के० पदभनाभन	Ŧ	10-6-85	(पूर्वाह्न)
2. श्रीए	स० एस० मेनन		16-5-85	(पूर्वास्त्र)
3. श्री इ	। • एम • डापरे		16-5-85	(पूर्वाह्र)

विनांक 29 अगस्त, 1985

क कर्त प्रशान 1/लि प०/सामान्य/लि प० अ०/1(1)/ ठ—महालेखाकार महोदय ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखि गई तिथिमों से प्रभावी, पुनः आदेश जारी होने तक, लेखा परीक्षा अधिकारी पद पर, सहुर्व निययुक्त किया है।

ऋ०सं०	नाम	से० प० अ० नियुक्ति की	
1. %	गी एन० डी० वं डीं त	2-8-85	(अपराह्न)
2. %	गि वी० एन० नरग ुंदकर	2-8-85	(पूर्वाह्म)
3. 8	श्री की० आर० दातार	2-8-85	(पूर्वाह्म)
4. 8	शीएस० डी० कुलकर्णी	5-8-85	(पूर्वाह्स)

दिमांक 3 सितम्बर, 1985

सं० प्र०-1/नि० प०/सामान्य/स० ने० प० अ०/2(1)/9—इस कार्यालय के अधि सूचना स० प्रशा०/1/नि० प०/सामान्य/स० ने० प० अ०/2(1)/9 दिनां ता 14-1-1985 में आशोधन के कारण, यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री बाई० आर० रंगारी, जिनका नाम ऋ० सं०-2 पर दिखाया गया था, कार्यकारी सहायक लेखा परीक्षा अधि कारी से पद पर, महालेखाकार (ने० प०) महाराष्ट्र, बम्बई के कार्यालय में, पूर्वाल 24-7-1984 से, अन्य आदेश जारी होने तक, नियुक्त किये गये हैं।

पी० के० राम**वन्द्रन** ब० उप० महालेखाकार /प्रशा० कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा नई विल्ली-110001, विनांक 6 सितम्बर 1985

सं० 2555 ए/प्रशासन/130/82-84--निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवायें, नई दिल्ली, निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारियों को उनके नाम के समक्ष प्रकित तिथि से स्थानापन्न लेखा परीक्षा प्रधिकारी के रूप में, प्रगले प्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं:--

有 0	सं० नाम एव पदनाम	कार्यालय जहां नियुक्ति की गई है	नियुक्ति की	तिथि
	सर्वश्री			_
1.	एस० एस० गुप्ता सहायक लेखा परीक्षा भ्रधिकारी	•	31-7-19	85
2.	पी० सी० मिद्रा सहायक लेखा परीक्षा भ्रधिकारी	संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं (पूर्वी कमान पटना ।		85
3	. डी० एन० पन्त सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारी	उपनिवेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं (उत्तरी कमाम), जम्मू ।	31-7-19	985
4	. के० ए० दिवालिया सहायक लेखा परीका म्रधिकारी		22-7-1	985
5	 के० सेयूसाधवन सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी 	संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा (ग्रायुध फैक्टरी), कानपुर।	2 2- 7-	1985

भगवानशरण तायल, संयुक्त निदेशक_

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली, दिमांक 2 सितम्बर 1985

सं० प्रणा०-1/1183/1/ -- इस विभाग की दिनांक 16-6-1983 की प्रधिसूचना सं० प्रणा० J/1183/1/ के सन्दर्भ में जो लेखा प्रधिकारियों के भारतीय रक्षा लेखा सिवा के नियमित संवर्ग के कनिष्ठ समयमान (मान 700-1300) में स्थानायस रूप में कार्य करते रहने के लिये तदर्थ श्राधार पर प्रत्येक के नाम के समक्ष लिखी अगली सविध तथा बाद में उनकी सेवा निवृति तक की तारीख

तक ऐसा करने की श्रमुमित दिये जाने के सम्बन्ध में है। राष्ट्रपति, निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को उत्पर बताई गई सेवा के उक्त मान में नियमित श्राधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, उनके नामों के समक्ष दर्शाई गई तारीखों से श्रब सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

ऋ० सं० भ्रधिकारी का नाम	नियुक्ति की तारी ख
सर्वश्री	
1. एस० भागीरथन	28-01-85
2. एल० डी० गम्भीर	28-01-85
3. के० एल० माकिन	28-01-85
4. मन मोहन सिंह	28-01-85

सं० प्रणा० I/141.9/4/जि० 1---निम्नलिखित ग्रिधि कारियों की, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्रुप 'ए' के कनिष्ठ समयमान में प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीखों से पुष्टि कर दी गई हैं ---

ऋ सं० नाम	पुष्टि की ता रीख
1. कु० एस० वीना पनीकर	01-09-1984
 श्री उमंग मोहन कु० मधुलिका प्रसाद 	01-09-1984 01-09-1984
 अप चतुःसका प्रसाद श्री दिनेश चन्द्र सिंह नेगी 	13-12-1984
5. श्री टी० एस० कृपानिधि	01-09-1984
 श्रीमती संहिता कर श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा 	01-09-1984 $04-01-1985$
 श्री गुर सरूप सूद 	31-12-1984
 श्री प्रशान्त नारायन सुकुल श्री पी० सी० व्याकसियामा 	03-12-1984 01-09-1984
11. श्री डब्ल्यू० एल० हेन्गणिग	18-12-1984

ए० के० घोष, रक्षा लेखा भ्रपर महानियन्त्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय भारतीय ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा ग्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 2 मितम्बर, 1985

सं० 3/जी/85—वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री पी० एस० नारायणस्वामी, कार्यशाला प्रबन्धक (मौलिक एवम् स्थाई फोरमैन), दिनांक 30 जून, 1985 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

दिन्तंक 3 सिसम्बर, 1985

सं० 32/जी/85—न्वार्धनय निवृति ग्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष), बी पी० बी० घोष, उप महानिवेशक स्तर—I विनांक 31 बीं ग्रगस्त, 1985 (ग्रपराह्त) से सेवा निवृत्त हुए।

> वी॰ के॰ मेहता, उप महानिदेशक स्थापना

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियम्त्रक, श्रायात एवं निर्यात का कार्यालय नर्षे दिल्ली, दिनांक 28 श्रगस्त, 1985 श्रायात एवंम निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

सं० 6/1178/77 प्रशासन (राज०)—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात के कार्यालय (केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र) नई दिल्ली में श्री डी० एस० मोंगिया, सहायक मुख्य नियंत्रक, सेवा निवृत्ति की श्रायु पूरी कर लेके पर, 31-7-85 के श्रायराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

> शंकर चन्द, उप मुख्य नियंक्षक, श्रायात एवं निर्यात कृते मुख्य नियंज्ञक

वाणिज्य भौर पूर्ति मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग) कार्यालय विकास ग्रायुक्त कॉडला मुक्त ब्यापार क्षेत्र

गौधीधाम-370230, दिनांक 29 मगस्त, 1985

सं० मु०क्षे/प्रणा०/7/2/79/13979:—विकास प्रायुक्त, कांग्रला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम (कच्छ), श्री टी० एस० ए० पिलाई, मूल्यांकन ग्रधिकारी, मद्रास जकात कार्यालय मद्रास, को विक्त मंत्रालय के ज्ञापन संख्या 10(24)/60-ई III दिनांक 4-5-1961 के ग्राधार पर मूल्यांकन ग्रधिकारी के पद पर, जिसका वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-ई० बी-40-1200 है, प्रतिनियुक्ति की कहीं पर 20-8-1985 के पूर्वाह्म से एक साल के लिये नियुक्त करते हैं।

टी० सी० ए० रंगादुराई, विकास ध्रायुक्त, कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र

(बस्त्र विभाग) . वस्त्र धायुक्त का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 29 श्रगस्त, 1985

सं० ई० एस० टी 1-37(9)/85/3563—राष्ट्रपित महोषय, श्री बी० बी० वर्मा, तदर्थ सलाहकार (६६), वस्त्र

आयुक्त का कार्यालय को दिनांक 22 मई, 1985 से आगले आदेशों तक निदेशक (एन० टी०) की श्रेणी से स्थानान्तरण पर नियमित वरिष्ठ प्रवर्तन अधिकारी के रूप में इसी कार्यालय में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० राममूर्ति, वस्त्र ग्रायुक्त

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालयः
(नागरिक पूर्ति विभाग)
वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 29 ग्रगस्त, 1985

सं० ए- 11013/1/79-स्था०—इस निदेशालय की 23 फरवरी, 1985 की इसी संख्या की भ्रधिसूचना के कम में नागरिक पूर्ति विभाग में स्थानापन्न वरिष्ठ हिन्दी भ्रनुवादक श्री पी० एस० रावत की वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपयें के वैतनमान में सहायक निवेशक (राजभाषा) के पद पर की गई नियुक्ति को पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ भ्राधार पर 1-1-1985 (पूर्वाह्न) से 21-8-1985 (भ्रपराह्न) तक और जारी रखा गया है।

के० एम० साहनी, मुख्य निदेशक

उद्योग मंत्रालय

श्रौद्योगिक विकास विभाग

विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-11, दिनांक 28 श्रगस्त, 1985

सं० 12(452)/64-प्रणासन (राज०)---राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना के ग्रधीन लघु उद्योग विस्तार केन्द्र, बटाला के सहायक निदेशक, ग्रेड-- (धातु कर्म) श्री बी० एस० लाल को निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 जुलाई, 1985 (ग्रपराह्न) से, सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की श्रनुमित देते हैं।

दिनांक 2 सितम्बर, 1985

सं० 12(212)/61-प्रशासन (राज०)--राष्ट्रपति, सेवा निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के निदेशक, ग्रेंड-I (धातु कर्म) श्री जे० एन० भक्त, को दिनांक 30 जून, 1985 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवत्त होने की श्रनमति देते हैं। विनांक 3 सितम्बर, 1985

सं० ए-19018(177)/85-प्रशासन (राज०)--राष्ट्रपति, लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिकी) श्री पी० सी० बंसल के दिनांक 13 मई, 1985 को निधन होने की सखेद घोषणा करते हैं।

> सी० सी० राय, उप निवेशक (प्रशासन)

इस्पात, खान श्रौर कोयला मंत्रालय (इस्पात विभाग)

लोहा भौर इस्पात नियंत्रण

कलकता-20, विनांक 3 सितम्बर 1985

सं० ई-I-12(69)/85—म्ब्रधिविषता की म्रायु प्राप्त करने पर श्री पी० एल० मण्डल, सहायक लोहा भीर इस्पात नियंत्रक ने दिनांक 31-8-1985 के म्रपराह्म से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> सनत कुमार सिन्हा, उप लोहा श्रौर इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-700016, दिनांक 4 सितम्बर, 1985

सं० 8906 बी०/ए-19012(1-डी०पी०) /84-19 ए०---महानिदेशक, श्री डी० पुरुषतमन को सहायक भू-वैज्ञानिक के रूप में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रू० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650--30-740-35-810-व० रो०--35-880-40-1000- द० रो0-40 1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में स्थागामी ग्रादेश होंने तक 17-6-1985 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 8881 बी/ए-32013(प्रणा प्रधि०)/85/19ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भू
भैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित प्रधीक्षकों को प्रणासनिक
प्रधिकारी के रूप में, उसी विभाग में नियमानुसार 65030-740-35-810-द0 रो० -35-880-40-1000द०रो०40-1200 द० के वैतनमान के वेतन पर, स्थाई क्षमता में
प्रागामी प्रादेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि
से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

(पूर्वाह्न)

1. श्री इन्द्रजीत राम

16-7-1985

2. श्री चन्द्रवली प्रसाद

16-7-1985

श्रमित कुशारी, निदेशक (कार्मिक) भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 4 सितम्बर, 1985

सं० ए-19011(27)/84—स्था० ए० पी०/पी०:— निवर्तन की श्रायु पूर्ण कर सेवा निवृत्त होने पर श्री यू० एन० सरकार, मुख्य खनन भू विज्ञानी (तदर्थ) को 1 सितम्बर 1985 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो के कार्यभार से मुक्त कर विया गया है और तबनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

पी० पी० बादी, प्रशासन घधिकारी कृते महानियंत्रक

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

सं० ए-19012(214)/85-स्था० ए--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एस० बी० रमनन, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) को बिनांक 14 प्रगस्त, 1985 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक खनन भूविज्ञानी के पद पर ग्रगामी ग्रादेश तक पवोन्नति प्रदान की गई है।

जी० सी० शर्मा, सहायक प्रशासन ग्रिधकारी कृते महानियंत्रक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई विस्ली, विनांक 26 घगस्त, 1985

सं० 1/9/85—महानिवेशक, आकाशवाणी, निम्न-लिखित प्रधान लिपिकों/लेखाकारों/वरिष्ठ स्टोर कीपरों को उनके प्रत्येंक के नाम के सामने लिखी तारीखों से धगले धादेशों तक 650-30-740-35-880-६० रो०-40-960 रुपये के वेतनमान में नियमित आधार पर प्रशासन धाधकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क सं अधान लिपिक/ केन्द्र जहां पर पदोस्तित प्रशासन ।
लेखाकार वरिष्ठ के बाद प्रशासन अधि- अधिकारी के
स्टोरकीपर का नाम कारी के रूप में तैनात रूप में नियुएवं उनकी तनाती किये गये हैं कित की तारी ख

1 2	3	4
(1) श्री एस० एस		
भार० मनजानयु	लु म्राकाशवाणी, पटना	25-7-85
(2) श्रीके० एस ०	वर्सीकर प्राकाशवाणी, प्रहमदायाद	(भपराह्म) 1=8–85

 उपर्युक्त क्यिक्सियों ने कालम 4 में प्रत्येक के आगे लिखी तिथियों को प्रशासन अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

> मोहन फ्रांसिस, प्रशासन उप निदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रगस्त 1985

सं० 17/17/85-एस० चार०-पदोन्नित होने के परिणाम-स्वरूप निम्निखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों ने ग्रस्थाई क्षमता में भाकाणवाणी श्रीर दूरदर्शन के विभिन्न केन्द्रों/कार्यालयों में प्रत्येक के नाम के भ्रागे लिखी तारीख से भ्रगले भ्रादेशों तक सहायक इंजीनियर के पद का कार्यभार संभाल लिया है:---

कसं० नाम	केन्द्र कार्मालय	कार्यभार संभालने की तारीख
1. श्री एम० ग्रमलथस	उ० ग० प्रे०, स्नाकाश वाणी, स्रवाडी, मज्ञास	(पूर्वाह्म)
2. श्री बी० सी० सिंह	• •	10-6-85
3. श्री एस० वी० भ्रय्यर	उ० ग० प्रे० म्नाकाश- वाणी, मलैप्पी	9-7-85
4. श्रीजी० एस० मायु	र टी० वी० भार० सी, मंसूरी	30-5- 8 5

दिनोक 26 श्रगस्त 1985 शुद्धि पत्न

सं 0 17/31/85-एस-4:--इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 12 जुलाई, 1985 के आंशिक संशोधन में, क्रम संख्या 17 पर श्री डी० भटनागर के नाम के आग लिखे केन्द्र/कार्यालय का नाम "एम० सी० दूरदर्शन, बिलासपुर के स्क्रान पर एल० पी० टी, टी० बी० आर० सी० बिलास पुर पढ़ा जाये।

बी० एस० जैन, प्रशासन उपनिदेशक कृतें महानिदेशक

फिल्म प्रभाग

सूचना ग्रीर प्रसारण मंत्रालय

बम्बई-400026, दिनांक 3 सितम्बर, 1985

सं 17/59/49-ई-1-श्री जी के डी नाग ने झपने कार्य के निवर्तन की श्रायु पूरी कर लेने के फलस्वरूप फिल्म प्रभाग, लखनऊ के शाखा प्रबन्धक के पद का कार्य भार 31 जुलाई, 1985 के ध्रपराह्म से छोड़ दिया।

> न० ना० शर्मा, प्रशासकीय श्रधिकारी कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर, 1985

सं० ए 12026/2/85-प्रणासन-1--राष्ट्रपति जी ने श्रीमती देवी मुखर्जी, सहायक सिषव (पी० एफ० ए०) को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में 13 श्रगस्त, 1985 (पूर्वाह्न) से तथा श्रागामी श्रादेशों तक पूर्णतथा तदर्थ श्राधार पर सहायक महानिदेशक (पी० एफ० ए०) के पद पर नियुक्त किया है।

पी० के० घई, उप निदेशक प्रशासन (सी०एण्ड की०)

परमाणु ऊर्जा विभाग

कय भ्रौर भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 3 श्रगस्त 1985

सं० क मां नि/41/5/85-प्रशा० 6162--परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय थ्रौर भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई सहायक लेखापाल श्री सी० एस० मेनन, को इसी निदेशालय में दिनांक 8-5-1985 (पूर्वाह्न) से 7-8-1985 (ग्रपराह्न) तक 650-30-740-35-880-द रो०-960 सपये के वेतनमान में सहायक लेखा श्रिधकारी के पद पर तदर्ब श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

पी० गोपालन, प्रशासन श्रधिकारी

निर्माण एवं सेवा वर्ग

बम्बई-400094, दिनांक 4 सितम्बर 1985

सं० सी० एवं एस० जी०/ए2(6)/5437—िनिदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु उर्जा विभाग श्री के० करनन, ग्रस्थाई वैज्ञानिक ग्रिधकारी सहायक 'सी' भारी पानी संयंत्र (कोटा) को निर्माण एवं सेवा वर्ग में श्रस्थाई वैज्ञानिङ इंजीनिर ग्रेड 'एस बी,के पद पर रू० 650—30—740—35—810— घ०रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के वेतन मान में दिनांक 12—8—1985 (पूर्वाह्र) से ग्रागे ग्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं।

सं० सी एवं एस० जी०/ए/2/16/5438:——निदेशक, निर्माण एवं सेव। वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री ए० डी० पाटणकर, ग्रनुभाग ग्रिधकारी (लेखा) मध्य रेलवे, को एतद्दद्वार। निर्माण एवं सेवा वर्ग में सहायक लेखा ग्रधिकारी के रूप में दिनांक 1 ग्रगस्त, 1985 में फिलहाल 2 वर्ष के लिए प्रतिनियुक्त करते हैं।

> डी० एन० शेंट्टी, प्रशासन ग्रधिकारी-2

नाभिकीय ईधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762 दिनांक 28 श्रगस्त, 1985

सं० नाई० स/का० प्र०भ/0703/1628—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या ना ई० स०/का प्र०भ०/704/1059, दिनांक 21 मई, 1985 के कम में सहायक लेखाकार श्री चु० रा० प्रभाकरन की ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ भाधार पर नियुक्ति को दिनांक 22-11-1985 पर्यन्त भथवा श्रागामी आदेशों पर्यन्त-इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, श्रागे बढ़ाया जाता है।

जी० जी० कुलकर्णी, (कार्मि एवं प्रजासन) प्रबन्धक

रिएक्टर धनुसन्धान केन्द्र कलपानकम, दिनांक 8 धगस्त 1985

सं० ए० 32023/1/85-श्रार०/429—निदेशक, रिएक्टर धनुसन्धान केन्द्र इस अनुसन्धान केन्द्र के श्रस्थाई उप श्रधिकारी श्री विधान बिहारी रे को इसी केन्द्र में 8-7-1985 से 7-12-1985 तक की श्रवधि के लिये तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री एस० रायण्या, केन्द्र श्रधिकारी के स्थान पर की गई है जो प्रशिक्षण के लिये गये हैं।

कुमारी एस० गोपाल कृष्णन प्रणासनिक ग्रधिकारी

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 29 ग्रगस्त 1985

सं० ए० 32013/14/84-स्था० I—-राष्ट्रपति, श्री श्रार० सी० गुप्ता, वैज्ञानिक श्रधिकारी को दिनांक 20 श्रगस्त, 1985 (पूर्वाह्न) से भीर श्रन्य भादेण होने तक विरिद्ध वैज्ञानिक श्रधिकारी के ग्रेड (वेतनमान 1100-50-1600 रुपये) में नियमित साधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 ग्रगस्त, 1985

सं० ए० 32013/13/82—स्था० I:——इस कार्यालय के दिनांक 8 ध्रप्रैल, 1985 की स्रिधसूचना सं० ए० 32013/13/82—ई०— के कम में, राष्ट्रपति, श्री एम० सिन्हा की निदेशक, श्रिमान क्षेत्र के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को दिनांक

15-8-1985 से 30-11-1985 तक की प्रविध के लिया पद के नियमित भाधार पर भरे जाने की तारीश तक, इनमें से जी भी पहले हो, बढ़ाने का प्रमुमोदन करते हैं।

सं० ए० 32013/17/82—स्था० I:—इस कार्यालय के दिनांक 17 नवम्बर, 1984 की भिक्षसूचना सं० ए० 32013/17/82 ई०—1 के कम में, राष्ट्रपति, श्री जे० एन मुखर्जी की उप निदेशक (विनियम एवं सूचना) के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 21-4-85 से भ्रागे छः मास की भविष्य (22-4-85 से 21-10-85 तक) के लिये या पद के नियमित भाधार पर भरे जाने की तारीख तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने का भ्रमुमोदन करते हैं।

जै० सी० गर्ग, संयुक्त निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क भ्रौर सीमा शुल्क समाहुर्तालय

बड़ोदरा, दिनांक 29 अगस्त, 1985

सं० 7/1985:—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क झौर सीमा शुल्क (सांख्यिकी झनुभाग) मुख्यालय, बड़ोदरा के श्री एस० पी० जाधव, वरिष्ठ झधीक्षक (वर्ग "क") विकि 27-8-1985 को 58 वर्ष के ही गये हैं। तवनुसार, वे दिनांक 31-8-1985 के प्रपराह्म में निवर्तन पेंजन पर सेवा निवृत्त होंगे।

ग्ररविन्द सिन्हा, समाइर्ता

केन्द्रीय जल प्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1985

सं० ए-19012/1101/85-स्था०---पांच इस आयोग की अधिस्चना सं० ए० 19012/1101/7 कें-स्था० पांच दिनांक 13 जून, 1985 का अधिक्रमण करते द्रुए अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री सुरेश कुमार मृतरेजा अभिक्ष्म सहायक, को केन्द्रीय जल आयोग श्री सुरेश कुमार मृतरेजा अभिक्ष्म सहायक, को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त महायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (सिविल/मकैनिकल) के पव पर रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 18-5-85 (पूर्वाह्म) से एक वर्ष के लिये तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी घरोरा, ग्रनर कविन निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रगस्त 1985

सं० 1/350/69—ई० सी०—9—इस विभाग के सङ्घायक वास्तुक श्री एम० एम० एल० शर्मा वार्धक्य की श्रायु प्राप्त करने पर 31 श्रगस्त, 1985 (श्रपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त होते हैं।

पृथ्वी पाल सिंह, प्रशासन उप निदेशक उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विभि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार, का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 ग्रीर मैसर्स जनधर्म प्रकाशन लिमिटेड के विषय में।

खालियर निौक 5 सितम्बर 1985

सं० 1782/पी० एस/सी० पी०/125—कम्पनी श्रध-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनु-सरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० जनधर्म प्रकाशन लिमिटेड भोपाल (म०प्र०) का नाम ब्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त किम्पनी विघटित हो गई है।

> वाई० एम० देवलीकर, कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रवेश, ग्वालियर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 अगस्त 1985

श्रीर जिसकी सं० खेती जमीन जो बीरार में स्थित , ता० वसई सर्वे तं० 23 में स्थित है (श्रीर इसमे उपायक अनुसूची मंश्रीर पूर्ण, रूप में विषय है), रिनिट्री हिनी अधि हारी के हार्यालय, सब्दिर्शिट्र वाई हिस्सा नं० 4 रिनिट्री हरण अधिनियम 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्त्विक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर उधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जगदीश भास्कर राएत श्रीर अन्य मङलाई, ता० वसई

(अन्तरक)

 श्री बी० जी० वतर्क ग्रौर अन्य पोस्ट तरखाड ता० वसई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वम्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-जी/84/85-86 जो मर्न 85 को सब जिस्ट्राए वसई के दफ्तर में लिखा गया है ।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) ःअर्जभ रेंज, पूना

तारीख्रा 26-8-1985 मोहर:

प्ररूप आहु : ती. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाबकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिमांक 29 अगस्त 1985

निर्देश सं० 37जी/85-86—मिनः, मुझे, अनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका उवित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

श्रीए जिसकी संब्प्लाट नंब 29, सर्वेब 295/ए/1/1ए/29की पंचवटी में नासिक है, तथा जो नासिक में स्थित है (फ्रींर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रांश पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, मारिक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985 कां पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के अध्यक्षान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का बाजार मृल्य, उत्तको इत्यमान प्रतिफल **ध**रयमान प्रतिफल के प**नाह** प्रतिकास से यभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिस्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल , निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निष्;
- कतः अव, जक्त अभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मों, मीं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री कमलाबाई प्रभाकर टकले, मंगला बंगला, ग्रीम ह्वीब होटेल हम्बिक रोड़ नासिक (अन्सरक)
- मैसर्स एम० के० पाटिया एण्ड सन्स
 त्रिमूर्ती अपार्टमेंटस, शिवाजी पथ, कल्याण जिला—थाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर गंपत्ति शं हित्ब्यः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्र्ची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि० 37-जी/27/85-86 जो सब रिजस्ट्रार नासिक आफिस में, मई 85 को लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जभ रोंज, प्रमा

तारीख : 297871985

प्रकार बार्ड, टी. एन्. एस् न्याननननन

बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन त्यमा

नाउत् वरकार

अर्जनरेंज, पूना

पूजा, विमांक 29 अगस्त 1985

निर्देश सं० 37जी/1122/84-85---यतः मुझे, अनिल कुमार,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकान्ती को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 703/1-102, कसबा नासिक, ता० नासिक है, तथा जो नासिक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार नासिक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख अग्रील, 1985

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार शृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से दिधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि सिकत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की वायब, अक्त विभिन्न के बुधीन केंद्र दोने की वत्रक के शायरण में कमी करने या उससे बच्चे में सुविध्य के सिए; ब्रीट/वा
- (ण) ऐसी किसी जाय या । कसा ध्रुष या बन्य आसित्यों का, जिन्ह भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर बोधनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा या किया जाना नाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

जतः नग, उत्तत नाँधनियम की धारा 269-ग के जनुसरण ने, मैं, उत्तत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें बधीन निम्निनिद्वित व्यक्तियों, वर्षात् क्र— श्री मौला शंभी कांत पाटणकर
 1029, वी सदाधिव पेठ पूना-30

(अन्तरक)

2 श्री होमन्त केणवराव वाघ वाघ गला, गगापुर रोड़, नासिक जिला—नासिक (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में वियो जा सकरें।

स्यक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वही अर्थ क्षांगा, जो उस अध्याय में विका स्याही।

अनुसूघी

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 37जी/1122/84-85 जो: अप्रैल 85 को सब रिजस्ट्रार नासिक के दफ्तर में लिखा गया है

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्**त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीखा : 29-8-1985

प्रकृष भाइ .टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज, पूना

पूना, दिनांक 29 अगस्त 1985

निर्देश सं० 37 जी/23/84-86—यतः, मूझे, अनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी खुली जगह जो पंचपाख में स्थित सर्वे नं० 349, हिस्सानं० 5, (पार्ट) सी०नं० 1077ता० ग्रीर जिला—शाम है, तथा जो थाना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबक अनसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजाड़ी वर्ता अधिकारी के कार्यालय, सर्वे-रेजिस्ट्रोर थाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति संपत्ति का उणित गाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित और अंतरिक (अंतरितियों) के शिष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत: कत, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ं— कुमारी इरने श्रांबी डीकुना श्रांर अन्य चरईएों विल्लनं० 3, चरई थाना

(अन्तरक)

2. श्री दीप सिंह कुलकर्णी श्रौप श्रन्य मोसेफ साटिल डी कुमा, जोविला नं० 3 चाटी थाना (अन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना क्रे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत क० 37-जी/23/85-86 जी अप्रैल 85 को सब रिजस्ट्रार थाना के आफिस में लखा गया है।

> ग्रमिल कुमार यशम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रोंज, पुना

तारीख : 29-8-1985

प्ररूप आई .टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 29 अगस्त 1985

निर्देश सं० 37- **६६**/10348/85-6—श्रतः, मूझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मी ० टी ० एस० नं० 389/बी, भवनी पेठ पूना-2 (क्षेत्रफल 6380 ची ० फूट) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इसे में उपाबद्ध अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्री-कर्ना अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जभ रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

करं पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः असं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स ननेका प्रपोटर्स एण्ड बिल्डर्स 549, गुरुवार पेठ पूना-2

(अन्तरक)

2 श्री घनशामल सी० जैन, 740 भवनी पेठ, चूड़ामन तालीम, पूना

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

जैसा कि स्ट्रिकिन कि० 37 ई ई/10348/84-85 जो फरवरी, 85 महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज; पूना के दफ्तरलिखा गया है।

> अनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (लिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख : 29-8-1985

मोहर 🖫

प्रारूप आर्इ.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जम रेंज, पूना

पुना, दिनांक 22 अगस्ता 985

निर्देश सं० 37-जी/92/85-86--ग्रनः, मुझे, अनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'त्रमत अधिनियस' कक्का गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1 00,000 / - रत. से अधिक हैं। भ्रौर जिनकी सं० ज्लाध नं० 18, 19, 20, सर्वे नं० 57-ए एच० नं० 15, 20, 21 और सर्वे नं०/57 बी विराप, ता० वसई जिला थाना (क्षेत्रफल 1756 चौं० मीटर्स), है, तथा जो थाना में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), प्रजिस्ट्रक्सी अधिकारी के कार्यालय, सब र्जिस्ट्रार वसई में र्जिस्ट्रीकरण अधियम, 1908 (1098 का 16) के अधीनं, तारीख मई, 1985 को पूर्वे क्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्परित का उचित बाजार मुख्य, असके क्रथमान प्रतिकाल से, एति स्वयमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पावा गवा प्रति-फेस, निम्निसित उद्दोश्य सं सक्त अन्तरण विविध में शास्त्र-

> (क) बन्तद्रम ने हुई किती बाव की वाबत्, उपत शिधियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीम/या

विक रूप से कथित नहीं किया पना 🕊 :----

(स) एंसी किसी आय या किसी भन था कम्ब जास्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम; या भंनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तीरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया चाना चरिहर दा जियाने में सविधा के तिया।

अतः अवं, उक्त अभिनियमं की धारा 269-गंके अनुसरण में, मैं, शक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अभीग, निव्यत्वितित व्यक्तियों, वर्षात् ⊯ः 1. श्री बालजी काला टान्क वीरर (ई) ता० वसई जिला—थाना

(असरक्)

2. श्री नन्दलाल आर० गुप्ता श्रौर अन्य दुबे चौल, तूलीनजी ता० वसई जिला—थाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

हासत सम्परित के शर्जन के राज्यनथ में कोई भी शास्त्रीय g--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 चिन् की बचीच ना वत्यम्बन्धी म्यचित्रकों नद स्वना की दामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी कन्य स्थावत द्वारा कथाहस्साक्षरी के वास निसंकत में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रेजिस्ट्रिकित ऋ० 37-जी/71/85-86 जो मई 85 को सब रजिस्ट्रार वसई के आफिस में दाखिल किया गया है।

> अतिल कुमार प्तनम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

तारीख: 22-8-985

THE STATE OF STATE OF

शायकर शिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीत स्थान

नाइत चडकाड

कार्यासय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेज, पूना

पूना, विभांक 21 अगस्त 1985

निर्देश सं037-जी/71/85-86—यतः, मुझे, अनिल कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- राज्ये में सधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाप्ट नं० 24, सर्वे नं०30, 31 (पी) श्रौर 35 (पार्ट) विलेज नवधर(ई) ता० वसई जिला थाना है, तथा जो थामा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वॉणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय, सब रिन्स्ट्राप्ट वसई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पृथितित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए बार्ड/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या जस्म आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा खेलिए।

कतः कव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिखिट व्यक्तियों अर्थात् सं—— श्रीमती मंजुलाबेन मारूजी विकमानी
 लाजपत निवास, जवाहरलाल नेहरू रोड़,
मल्द डब्ब्यू) बम्बई

(अनारक)

2. मैसर्स गायती कन्सट्रक्शन कम्पनी 17/31, गायती इन्डस्ट्रियल इस्टेट, नवधर बसई (ई), जिला—-थाना

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के पिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को बस्कन्थ में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्पत्नीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया हैं।

जनसंची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37-जी/71/85-86 जो अप्रेल, 85 को सब रजिस्ट्रार बसई के दफ्तर दाखिल किरागया है।

> अतिल कूमार सक्षम प्राधिकारी स**हायक धायकर आयुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीखा : 21-8-1985

मोहरु 🖫

ब्रक्त बार्ब . की. एक प्रश्ने न व न न ००

जायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-क (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

भावांसय, सहायक जायकर शास्त्रतः (निरीक्तण्) ग्रजैन र्रेंश, पुना

पूना, विनांक 26 अगस्त 1985 निर्देश सं० 37-जी/60/85-86-अतः, मुझे, अनिल कुमार,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतसे इतके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीव सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकीसं० नासिक कोन्रापरेटिय हाटिका सोसायटी ट्रोम्बक रोड़ सर्वे नं० 728, 1 से 10 एण्ड 13वी 25-ए प्लाट नं० 158-ए, नासिक है, तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के नार्यालय, सब रिजस्कार नासिक में रिजस्ट्रीकरण प्रधित्यम, 1908 (1908 वा 16) के प्रधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त समपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्क विक क्य से कथित नहीं किया नया हैं

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाव की बावस, उक्स मीधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के खबित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविवा के किए; बोह्र/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कंद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया थवा या किया जाना चाहिए का, कियाने में सृविधा व जिए शा

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण बं, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----3—256 GI|85

- श्री रामदास लक्षमण ठाकरे

 राजा बाहादुर बाड़ा, नासिङ म्युनिसपलिटी के पास नासिक
 (भ्रन्तरक)
- 2. रमेश व्ही० देवी द्वाराग०एम० इंटरप्राइजेस, ब्लाक नं० 75 पाश मंदिर सोसाइटी कालेजरोड, नासिक

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुखना जारी करके प्रकॅक्त सम्बक्ति के कर्जन के जिल कार्ववाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , को और पूर्वों का विध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राग्त,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उपक जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा क्या है।

नम्स्या

जैसा कि रजिस्ट्री रेत क० 37 जी/60/85-86 जो मई 85 को सब रजिस्ट्रार नासिक के ग्राफिस में वाखिल रिया गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भाय∜र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

सारींख 26-8-985

प्रकल बाह्". टी. एन. एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक कायकर वास्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 श्रगस्त 1985

निर्देश सं०37-जी/75/85-86-जतः, मुझे, अनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िण्से इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 4, सर्वे नं० 7 पार्ट 3 से 5 और 17 (पार्ट) 11 और 12 है, तथा में जो वंशई स्थित हैं (और इससे उपाबंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित्र हैं), रिजिस्ट्रींशरी अधिशारी के कार्यालय, सब रिजिस्ट्रींश वंशई में शिक्स्ट्रींशरण अधिनियम, 1908 (1908 एए 16)के अधीन, नारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है अरेर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्दोश्य से उक्त अंतरण शिक्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जलारण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; बॉर/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्तारा प्रकट नहीं किया गया था या किया क्षिणाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए.

जत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग्व के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन: निम्नलि**वित व्यक्तियाँ, अर्थात**:---- मैं नर्स प्रादिनाथ बिल्डर्स क्षे०टी० चेम्बर्स, बत्तई (डब्ल्यू) पहला मंजला स्टेशन रोड़, जि० थाना

(अन्तरक)

 मैसर्स भ्रमर ज्योत बिल्डर्स एस०टी० स्टेन्ड के पाम, वसईरोड़, जिला, थाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वार्शन :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर प्रकृतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जैसा कि रिजस्ट्री रत मे ऋ० 37-जी/75/85-86- जो अप्रैल 85 को सुसब रिजस्ट्रार वसई के श्राफस में लिखा गया है।

भिनल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

तारींख · 22-8-85 मोहर · प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक कापकर वायुक्त (जिरीक्षण)

धर्जन रेंज पुना

पूना, विनांक 22 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 37-ईई/751/85-86-अत', मुझे, अनिल कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ौर जिन्नकीं सं प्लाह नं० 81, 82 एण्ड 83, आठवी मंजिल विधानीं माऊंटहींप, प्लाह नं० 68, सेक्टर 16, बस् है नया धम्ब हैं (क्षेत्रफल 2315 चौ०फुट) हैं, तथा जो नई धम्ब हैं स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूचीं ने और पूर्ण कर ने वणित हैं), रिजस्ट्रीं तर्ती अधिकारीं कि नार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन, रेंज में रिजस्ट्रीं तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन, तारीख जून, 1985

- (क) अन्तरण से हुं इं िकसी बाय का बायत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथः, उधतः अधिनियमं की भारा 269-गं के अगुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैनर्स विधानीं इत प्रा० लि०,
 1006, रहेजा लेन्टर 214, निमनपाईंट बम्बई (अन्तरक)
- श्री यणबीर जिह पाल सिंह माक और अन्य श्री धनस रोड़ 12/13, श्राशींवीद बिल्डिंग, गोवंडी रोड़, बम्बई

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हालेगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसुची

जैसा कि रजिस्ट्रीं हंत क० 37-ईई/751/85 86 जो 22-8-85 को सहाय रु आय एर आयुक्त निरीक्षण धर्ज न रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रज, पूना

तारींख : 22-8-85

प्रकप बाइं.टी.एन.एस,------

बायकार बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहस्रयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, विनाक 22 श्रगस्त 1985

निर्वेश सं० 37-ईईन/752/85-86-अतः, मुझे, अनिल कुमार, शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 71, 72 और 73 विधानी माउट व्हींब से पहचाना जाता है प्लाट नं० 68, सेक्टर नं० (क्षेत्रफल 2319 चौ० फुट) है, तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद प्रानुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणा है), रिल्स्ट्रीं ति प्रधिवारीं के वार्यालय, सहायक प्रायक्त प्रायुक्त निरीक्षण प्रार्जन रेंज, में रिजस्ट्रींवरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून 1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे मह निक्ताब करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साबार कृता, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे अपमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जोर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया स्थाप प्रतिफल, निम्नतिकित उद्वेष्य से उक्त अंतरण किचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया बया है है—

- (क) अन्तरण से हुद्दं किता जान की नानक, उपनय विभिन्नित के सभीन कह योगे के जन्तद्व के वामित्व में कभी करने या उच्चे नमने में कृषिया के मिए; वॉफ्/बा
- (क) ऐसी किसी अप या फिसी धन या नन्त जास्तिशे को, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, वा वय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के किय;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की जनुसरज कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिविद्य व्यक्तियों, अधीत ह—

- 1. मैसस विवानी इन प्रा० लि॰ 1006, रहेजा सेन्टर, 214, निरमन प्वाईट धम्धई (धन्तरक)
- श्री कुलबीर सिंह कृपाल सिंह मकाब
 श्री सावन स्टोर्स, 12/13, श्राशिवाद बिल्डिंग गोवंडी रोड, चेम्ब्र, बम्बर्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाह्मेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी स्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्क स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितत्रद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास निचित में किए जा सकरेंगे।

स्वकाकरण र— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक गया हैं।

and the

जैसा कि रजिट्री शत क० 37-ई ई/752/85-86 जो जून 85 को सहायक आकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तरमें लिखा गया है।

> भनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भजैन रज, पूना

तारींख : 22-8-85 मोहर: प्रकृष काहाँ, की. एकं., एकं.) ----

श्री पेक्षण स्वामी ।

(भरतर ह)

2. श्रीमति भार०कांतियतो

(ब्रन्त(स्ती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बचीन स्वता

भारत धरकार

कार्यासय, सहायक जायक र नायुक्त (निर्दाक्षण)

भ्रजन रेंज-I, मद्रास मद्रास, विनांक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं०1/दिसम्बर 84---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

जायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इससे इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

ग्रीर जिलकी सं 59/1-की कोडम्बाक्सम मादापैठ रोड़ है, तथा
जो वडपलिन-मदास-26 में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद्ध मनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रे/कर्ती श्रीधकारी के कार्यालय,
कोडम्बाब्क समा लेख सं 3278/84 में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम.
1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 16 दिसम्बर, 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह श्रीतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिवत उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिविद्य वे कार्यक्त करने का स्वाह के बार स्वाह करने कार्यकर स्वाह करने कार्यकर स्वाह करने कार्यकर स्वाह करने स्वाह करने कार्यकर स्वाह करने सिविद्य कार्यकर स्वाह करने कार्यकर स्वाह करने सिविद्य कार्यकर स्वाह करने सिविद्य कार्यकर स्वाह कार्यकर सिविद्य कार्यकर सिविद्य कार्यकर सिविद्य कार्यकर स्वाह कार्यकर सिविद्य कार्यकर सिविद्य

- (क) वंतरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त विध-निवस की वधीन कर दोने के बन्तरफ के दावित्व में कनी करने वा उच्छे ब्यूने में बृश्विधा के किए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) व्ये अधीत, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कर्यवाहियां करता हुं।

सबस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की वविध, यो भी वविद्या में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वाराः
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास सिवित में किए या सकें ने।

स्वाधिकरण ह—इसमें प्रयुक्त बन्दों और वर्षों का, वो उनक विधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाविष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं क्र

वन्स्ची

भूमि धौर भकान---नं० 59/1-क्षी,कोडम्बाक्कम---शैदापैठ रोड़, बडपर्ला सवास-26

> एम॰ सामुबेल संसम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायकत (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

सारीख : 8-8-1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुव्या

भारत प्रकार

कार्याक्षय, बहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 8 घगस्त 1985

निर्देश स० 2/दिसम्बर-84—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित माजार मूल्य 1,90,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 2, 4 कास स्ट्रीट, ट्रस्टपुरम है, तथा जो मद्रास-24 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रून से विजत है), रिजस्ट्रीवर्ती प्रधिकारी के व्यक्तिय, कोडम्बाकरमङ्क सं० 3303/84 भारतीय में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 दिसम्बर, 1984 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के स्पित्व पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उच्चवस्य से उचत अन्तरण निचित्व में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्), जन्तरण से हुई किसी जाय की वाक्त, उन्नत विध-नियम को अभीन कर देने के बन्तरक की वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भने या बन्य बास्तियाँ की जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धनकर बिधिनयम, या धनकर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया विधा या किया बाना बाहिए था, छिपाने में बुक्तिया के लिए;

बरः, जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) कों अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1. श्रो आर० एम० याकः प्पर्यंदिठ. यार

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्रं एम० के० मीरान पा
 - (2) श्रं। बसरत महमद्

(भन्तरिती)

को वह सूचना वारी कारके पूर्वोंक्त संपत्ति के वर्षन के सिद् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए जा सकोंगे।

स्यक्योकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो उच्क जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होया को उस अध्याय में दिया यवा है।

जगुलुची

भूमि और मकान--2, 4 कास स्ट्रीट, ट्रस्ठपुरम , मद्रास-24 काअम्बाक्तम, लेख सं० 3303/84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 8-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 श्रगस्त 1985 निर्देश सं० 6/दितम्बर/84/-भार-2--श्रतः, सुद्ये श्रीमती एम० ामुबेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम'कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिलकी सं० 6, एस० वी० नागरित्तनम्माल हालोनी है, तथा जो कोडम्बाक्यम शैदापेठ में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्ट्रिं ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्यम लेख सं० 3308/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 16 दिसम्बर, 1984

को प्रवेशित संपरित के उभित बाजार म्ल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने ला कारण है कि यथाप्रवेशित संपरित का उभित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौ वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण ते हुई किती बाब की बाबत, उक्त वीधीनवस के बधीन कर दोने के बन्तरक के वावित्य में कभी कारने मा उत्तरे बचने में सुविधा के सिष्; थीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया वावा वाहिए अर्थ, क्विनों में सुविधा औं सिए:

वतः वन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में उवत अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रामता कनकाम्बुजम श्रार श्रन्यो

(भ्रन्तरक)

2. श्री/मती मीनाक्षी मणिमारन्की पावर एजेट एम० के० मुख्याय मुद्दलियार

(भन्तरिस*ी*)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इन्दर सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्वं लेगी व्यक्तियों वृष्ट स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि अमे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करे व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के विश्व क्यावर सम्पत्ति में हित- के प्रस् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस् निकित में किए का बकों में।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

मूमि भौर म हान--- 6 एम० वी० नागरित्तनम्माल कालनी, कोडम्बाक हम, शैदापेठ ।

> एम० सःसृवेल सक्षम प्राधि सरी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निर्दक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखा: 8-8-985

मोधर :

प्रकप आईं्टी एन एस ्राज्यन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भाष्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त '(निरीक्षण)' ग्रर्जन' रेंज-II, मन्नास

मद्रास, दिनांक 7 प्रगस्त 1985

निदेश सं० 9/दिसम्बर-85--अतः, मृद्ये, श्रीमती एम०

सामुबेल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० 14, श्रार० के० द्विष्णभुगम शाले के० के० नगर है तथा जो मद्रास-78 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण का से विणा है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधानरी के जार्यालय कोडम्बाक्तमलेख सं० 3343/84 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनयम, 1908 ('1908 का 16) के श्रिशीन, तारीख दिसम्बर, 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वरमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि गशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वरमान श्रीतफल से, ऐसे द्वरमान श्रीतफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तम पामा गमा श्रीतफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे इचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के सिए;

अतः शव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हो, और, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हरू 1. अरं बी० के० कृष्णमूर्ति

(प्रन्तरक)

2. श्री एम० के० संक्षेत्रा

(**म**न्तरि**त**े)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया सूक करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

भूमि भीर महान---14, म्रार० के० वण्नुगम पाँसै के० के० नगर मद्रास-78 कोडम्टाक्कम लेख सं० 3343/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निराक्षण) भर्जन रेंज-II, मन्नास

तारीख: 7-8-985

प्रस्प बार्ष: टी. एन. एस.-----

भायकर [।] दिशियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-भ के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालस्त, स्प्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज $-I^{I}$, मदास

मद्रास, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० 10/दिसम्बर 84--- ग्राप्त: मुझे, श्रीत्मती। एम० सामुबेल,

आयकर अभिनिःस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके व्यक्तार 'उन्हें अधिनयस' कहा गया हैं), की भारा 269-स के वर्धान सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- र . ई अधिक हैं

भौर जिसकी सं बलाक 7 टी एस नं 21 (1) सम्रदी स्ट्रीट है, जो कोडम्बिलकम गांव, मद्रास 26 में स्थित हैं (भौर इससे उाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विंत है), रिजस्ट्रीट्सी प्रधिकारी के कार्यास्यम कोडम्बाक्यम केद सं 3364/84 में भारतीय रिजर्ट्रीट्रण भधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, 16 विसम्बर 84

को पूर्वोक्त सम्प्रीत के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर मान प्रतिफल से एसे प्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत स प्रीधक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) वं बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रयाप्रतिफल निम्नलिखित उद्देषय से उक्ष अन्तरण जिल्हा में बारुविक क्य में कर्पन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्भ नं हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर वोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बीर/भा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूरिया के लिए;

(1) भी एस॰ राजू चेट्टियार,

(मन्दरक)

(2) श्री वी० वी० कुण्णा राव, भौरठी, सरसुवा

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्षन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाषा होती हो, वे भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के रज्यपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हिताब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरों के पास सिसिय में किये जा संकी ।

पनुसुची

भूमि भ्रोर मकान-ब्लाक 7, टो० एस० नं० 21, कोडम्बाक्कम गाँव, 1 सन्नधि स्ट्रॉट मद्रास 26 कोडम्बाक्कम केंद्र सं• 3364/84।

> (एम॰ सामुबेल) स्वाम प्राधि हारी सहायक प्राथकर प्रायुक्त (निराक्षण) प्राप्त रेंज-II, महास

वारी**ख**: 8--8--85

प्रकृप बार्ड. टी. एव. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 15/दिसम्बर 84--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

चायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हो दिस्थातक अध्यात किसका भिन्न प्राधान प्रत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 313/3 पट्टा नं० 415/ डोर नं० 68, सरप्रसृति स्ट्रीट है, जो तिस्वल्लुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री∴र्ती श्रीधार्ता के लायिलिय, मद्रास उत्तर लेख सं० 3312/84 में भारतीय रजिस्ट्रीत ण श्रीधानयम, 1908 (1908 ला 16) के श्रधीन, तारीख धिसम्बर 1984.

को पूर्वोजत सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम के दरवमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोजत सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एरो स्थ्यमान प्रतिफल सा पन्तद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नितियित उच्चेष्य से उच्च अन्वरण किकत सं निम्तियत उच्चेष्य से उच्च अन्वरण किकत से निम्तियत उच्चेष्य से उच्च अन्वरण किकत से निम्तियत उच्चेष्य से उच्च सम्बर्ण किकत से निम्तियत स्था की सिम्त महीं किया गया है :—

- (का) अन्तरण संहुई किसी आय को बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अक्तरक के दायित्य मी कमी करने या उसमें अचने भी सुविधा के लिए; बीर/या
- (में किसी अस ए किस) घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने कें सविधा के सिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के चन्सरण को. मैं उपल अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रो एम० सन्तानम भीर 4 ग्रन्य

(मन्तरक)

(2) श्री पी० मंगीलाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्माच्यीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाजित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है की

अनुसूची

भूमि श्रीर मकान-शार० एस० नं० 313/3,68 सत्य-मूर्ति स्ट्राट तिक्वल्लूर मझास नार्थ लेखा सं० 3312/841

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधि गरी सहायक भायकर भायुक्त (निर्दाक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्राख

तार्≀ख : 8—8--85

प्ररूप बार्च . टी . एन . एस . -----

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की मधीन स्थाना

भारत सरकार फार्यात्त्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देश मं० 19/दिसम्बर 84---प्रतः सुप्ते, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ला संग्रह संग्रह एस० नं० 4810 श्रार० एस० नं० 41 डोर नं० 12 बंग्ल है, जो न्यू नं० 13 हिबबुल्ला रोड मद्रास 17 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ श्रनुसूची में भीर पूर्ण का स वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, टां० नगर लेख सं० 1436/84 में भारतीय रिजस्ट्राकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रयीन, नारीख दिसम्बर 1984,

को पूर्विकत सम्परित को उधित बाबार मूल्य से कम को क्रवमान प्रितिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्विकत सम्पत्ति का उधित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जान की, बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुविधा स्टेसिक्ट;

सतः सक, स्थल अविनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की जुपभारा (1) हे सभीन, भिन्निसिश्व स्थितियों, सर्थांत है--- (1) मसर्स कृष्णवेणो एन्टरप्राइसेस को० पार्टनसं एम० सुधाकर ग्रीर ग्रन्थ

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा मोतिलाल नहार

(मन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुंबारा;
- (क) इतस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति इ्वारा अधोहस्ताक्षरी के जंक लिखित में किए जा सकरें।

स्पंच्डीकरण :----इसमें प्रमृक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होक को उस अध्याय में दिया नया है:

THE REAL PROPERTY.

भूमि—टी० एस० नं० 4810 आर० एस० नं० 41, टी० नगर लेख सं० 1436/84 टी० नगर।

> एम० नामुवेल सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रामकर श्रायुवन, (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-II, मद्राब

तारीख: 8-8-85 ·

मोहरः

दिसम्बर 1984

मक्प मार्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-II, महास

मद्रास, दिनांक 7 श्रगस्त 1985

निदेश सं० 27/विज्ञम्बर **84--म**न: मु**मे**, श्रीमती एम० सामवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधिण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

को पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उच्त अन्तरण कि विश्व स्थान पर्या है हम्मा स्थान में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हम्मा

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावस, उच्छ अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक औ यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (†) के अधीम, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीस :--- (1) श्रोमती जे॰ शिगारि धम्माल

(मन्दरक)

(2) श्रो एस० धनन्तनारायणन

(मन्दरियो)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के तिथ कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्पाक्षरी के पास विविद्य में किये वा सकरें।

स्पब्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त श्रम्यां और पदौ का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

धनुषुषी

भूमि भौर मकान 27, मोतिलाल स्ट्रीट टी॰ भार मद्रास-17, मद्रास नार्थ (उत्तर) लेख सं॰ 1417/84।

> एम॰ सामुवेस सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भायुक्त (निरोक्षण) पर्यंच रेंज-11, प्रवास

तारीख: 7-8-85

कोहर 🗈

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

. कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 धनस्त 1985

निदेश सं० 28/दितम्बर/1984—-श्रतः मृझे, श्रीमती एम० सामवेल

बायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के वधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 155 मन्यान्यम गांव श्री-पेरम्बुदूर है तथा जो चेंगलपठ में स्थित है (भीर इससे उपाबब प्रमुखों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधानरों के कार्यालय, मद्रास नार्ष (लेख सं० 3462/ 84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान ताराख दिसम्बर, 1984

को पूर्विक्त संपर्ति के स्थित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों के सम्मतित का स्थित बाजार शृक्य, उसके स्थमान प्रतिक से एसे स्थमान प्रतिक के स्थाप के सिंद स्थमान प्रतिक के स्थाप एसे संसरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिक का , निम्नोसिक उद्देष्य से उसत संत्रण विविद्य में भारतिक क्या से स्थित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) प्रेसी किसी जाव या किसी भन या जन्य जास्तियां का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम 1922 कि 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्र्यांचनाचे जन्तिरिती ह्वारा भक्ट नहीं किया स्था था या किया जाना शाहिए चा, किया ने वृत्यिभा के लिए;

वतः अवः, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, वर्धात् :— (1) श्री के० मुहम्मद ईषाक ।

(भन्तरक)

(2) प्रोक्तेसर एस॰ षाकुल हमीय भीर भन्य। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यसाहियां सूक्त करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में दर्शहैं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि माद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त क्यित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत जीभीनवम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा थो उस अध्यास में दिना गया हैं॥

वन्स्ची

भूमि—155 मालम्बलम गांव, श्रीपेरम्बुदूर मद्रास चैंगमपठ तालुक मद्रास नार्थ (लेख सं० 3463/84) ।

> एम० सामुवेल सञ्जम प्राधिकारी सहायक धायकर भायुक्त (निराक्षण) धर्जम रेंज-2, महास

तारींच : 8-8-1985

मोहर 🗅

प्रकप बाहें. टी, एन. एत.-----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्वना

भारत परकाड

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० 35/विषम्बर/84—अतः मुझा, श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं आे एम नं 30/1, डी एस नं 97 पुलियूर गांय है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इस न उपाब उ श्रानुस्ता में और पूर्ग का में वॉगा है), रिगस्ट्रास्ती श्रिधिकारों के जार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल (लेख सं 1174/84) में रिजस्ट्राकरण श्रीविनियम, 1908 (1908 का 16) के भवान साराख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने के आरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य हु सके दृश्यमान प्रतिफक्त सं एसे दृश्यमान प्रतिफक्त का पन्त्रह अतिहात सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए त्य पाया ग्या प्रतिफक्त निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण कि सिएत्य पाया ग्या प्रतिफक्त निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण कि सिएत्य पाया ग्या प्रतिफक्त निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण कि सिएत्य में वास्तिक क्य सं किथ्त नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिद्ध; आर्/ना
- (च) ऐसी किसी बाव या किसी थन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के सिहु,

मतः वन, उक्त विधिनयम की भारा 259-ग के क्रव्युसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो वं (० वं (० शर्मा।

(मन्तरक)

(2) श्रोमता सुवनितखल्ला नारायणन ग्रौर्रेष्ट्रभ्य । (ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप् :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी हु है 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पत्नीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के बध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वही अर्थ होगा. जो उस बध्याय में विया गया है।

अन्त्र्यी

मूमि श्रौर महान--डी० एस० नं० 97, बलाक नं० 12, प्लाट नं० 143, पुलियूरगीत्र, मद्रास । मद्रास सेन्द्रल (लेख सं० 1174/84) ।

> एम॰ सामुवेल, समाम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-11 सप्रास

दिनांक: 8-8-1985

मोहर 🛚

प्रकार बाह्". टॉ. एन. एवं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आयकर आयक्क (निरक्षिण) स्रजैन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985 निर्देश सं० 36/दिसम्बर 84---श्रतः मुझे श्री/मित एम० साम्बेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करने का कारण हैं कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित बाजार 100,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 553, 42, मृत्तियाल नाययन स्ट्रांट पुरक्षवाक्यम है जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य के विणित है) रिजिस्ट्रायती श्रीविकारी के दार्यालय पुरक्षवाक्तम लेख सं० 2078/84 में भारताय रिजिस्ट्रोकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीशोन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिश्वित उच्चरेय से उचत अन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जा'भानयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; जौर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अंक्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्कत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त बीधीनयन की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमति शांति देवी भीर बद्राज जैन

(भ्रन्तरकः)

2. श्री एस० पार्थसारती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो जम अध्याय में विया गया हैं।

भ्रनुसूची

भूमि ग्रोर मकान 42, मुस्तियाल नायकनपुरशवाक्कम मद्रास-7 पुरशवाक्कम छेख सं० 2078/84

> एम सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजैन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 8-8-85

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

वासकर विवित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास मद्राप्त, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 38/दिसःचर 84--धतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार विश्वास 1,00,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संग्राप प्रस्त विश्वास हैं (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रायती अधिहारी के लायलिय, पुरस्तवस्थम छेख संग्री 2114/84 में भारताय रिजस्ट्रावरण अधियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसस्बर 1984,

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मूळे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वित सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रवयमान प्रतिफल से, एसे रवयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब मामा गया प्रतिफल निम्निसित उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि सिस्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) जनसरण से हुन्द किसी आग की बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जनसरक खे कृपित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा जे लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

वतः वयः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं के वनुसरणं को, में उभत विधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमां, अर्थात् :---

1. कुनारी मेरी जानठ जेम्स

(भन्दरक)

2. दी पेंडी कोस्टल मिशन

(भग्तरिती)

को मह स्थान जारी करके प्यॉक्त सम्पत्ति के मर्जन की अप कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वधि को भी सबिध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील तैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, की उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-बेरका रोड मद्रास-10 म्नार० एस० नं० 2953/ 14, व 2953/5 पुरशवाकम लेख सं० 2114/84

> एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रज-II, महास

दिनांक : 8-8-85

मोह्यर :

प्रकृप बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर जिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से वधील स्वाम

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनौक 8 प्रगस्त 1985

निर्वेश सं० 48/विसम्बर/84---मतः मुझे, श्रीमती एम॰ साम्बेल,

वावकर विभिन्निया, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रवाह 'उनत विभिन्निया' कहा गया हैं), की भाषा 269-वा के वभीन स्काम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मास, जिसका उच्चित कावार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 6, V स्ट्रीट, डा॰ तिरूपूर्ति नगर है तथा जो मद्रास-34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूर्या में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता मिश्रकारों के कार्यालय, भौसन्डलैट्स, लेख सं० 578/84 में रजिस्ट्रीकरण मिश्रितयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनौंक दिसम्बर, 1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिपत बाबार मूक्य से कम के बद्दमान इतिकत को सिए मंतरित की नई है और मुक्ते वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का क्या, एसे दृष्यमान प्रतिफल का क्या हितकत से श्रीक है और वंतरक (बंतरकों) और वंतरिकी

(बंतरितियाँ) के बीच एसे कंतरण के सिए तम पावा क्या प्रति-कल निम्मसिवित उद्वेश्य से उक्त बंतरण सिधित में बक्त-

विकारूप से कथित नहीं किया गया 💕 :----

- (क) नंतरण से हुन्दें किसी नाय की बाबत, उन्तर भौगित्यत्र को क्ष्मीण कार दोने के बंदायक के दायित्व ने कामी कारने वा उनके नक्ष्म में कृषिका के जिए; नरिश्या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या जन्म जास्तियों कर्त, जिन्हों भारतीय भागकार अधिनित्रका, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनित्रका, का भन्न-कार अधिनित्रका, 1957 (1957 का 27) के धन्तकारको अंकरिती दकारा ९% ट नहीं किया का भा वा किसा बाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के विद्यु;

कत: जय, उन्तर बाँधनियम की भारा 269-ग के अनुसरण माँ, भाँ धवत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नीवि**विध व्यक्तियों, वर्धाद**ः—

4-256 GI|85

श्री पी० वेंकठाचलम्।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजा रितनम् विट्ठल ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्थान्याधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यवितयों में सं किसी व्यवित ध्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- के पास किसित में किए जा सकेंगे।

वन्स्ची

भूमि भीर मजात-6, V स्ट्रोट, डा० तिरूप्ति नगर, मब्रास-34 । याँसम्डलैटस, शेख नं० 578/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, मद्रास

दिनौंक : 8-8-1985

योहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

शायकर नाभितिसन, 1961 (1961 का 43) की भास 269-व (1) में सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-Ц, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 8 ब्रगस्त 1985

निर्देश सं० 49/दित०, 84/रेंज-II----श्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल,

भागकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्स अभिनियम' कहा बया हैं), की भारा 269-च के अधान सक्षम प्राधिकारी का बहु विकास कारमं का कारभ हैं कि स्थानर सन्मित्त, विस्तवा स्थानर वाजार मृत्य, 1,00,000/- रा. से जिथिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 26, 17, स्ट्रंट, लेख एिया, नुगम्बाववम् हैं जो मद्रात-34 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण लगसे वर्णित हैं) रिजिस्ट्राकर्ता श्रीक्ष कारों के कार्यालय पौसन्डलेट्स, लेख सं० 549/84 में रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908'(1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक दिसम्बर, 1984 का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स अम के उपप्रतान प्रतिकास संगित की उचित का जिवत अज्ञार मृत्य, उसके स्थानन प्रतिकास सं, एमें स्थानन श्रीतकल का पन्सह प्रतिचात से अधिक हैं और अन्यसन श्रीतकल का पन्सह प्रतिचात से अधिक हैं और अन्यसन श्रीतकल का पन्सह प्रतिचात से अधिक हैं और अन्यसन श्रीतकल का पन्सह प्रतिचात से अधिक हैं और अन्यसन की निम्मसिवित उद्देष्य से अक्त कन्तरण कि निम्मसिवत नहीं किया ववा हैं।

- (क) अस्तरण से हुई किसी शास की शासपा, तस्त अभिनिक्त के अभीन कर दोने के अन्तरण जे खेक्कि को कभी करने का सकते अलग का सुधिका के किस; बीक्त/का
- (थ) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय बाय-कर जीधीनवस, 1922 (1922 को 11) वा उबता अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवासनार्थ अन्यौरती हुमारा प्रकट नहीं दिला स्था था वा किया जाना भाहिए था, छिनान ग्रां

जब: जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा 11) के जभीत, निम्मिसियित व्यक्तियों, अभीत;—

श्री टी० वी० कृष्णामृति।

(धन्तरक)

श्रीमती भार० भरस्वती।

(अन्तरिती)

का यह भूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई बामीप :----

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की धामील से 30 दिन की सर्वीं आ भी नवीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ।
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा क्याहिस्ताक्षारी के पास ितिकत में किए वा सकोंगे:

स्वयाधिरण :---इसमे अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

मन्त्र्यी

भूमि भौर मकान 26, II, स्ट्रीट, लेख एरिया, नृगम्बाक्यम् भक्रास-34, थौसन्डलेठ्स, लख सं० 549/84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी स**हायक भा**यकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -II, मद्रास

दिनौंक 8-8-1985 मोहर: प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 49ए/विसम्बर/84---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बरबात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह निरुवात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- फ. से निधक है

श्रीर जिसकी सं० 3, पुराना नं० 7, ओ० एस० नं० 96 श्रजीस मुल्म है, जो 9वीं स्ट्रीट, नुंगस्वाक्तम्, यौंसन्डलैठ्स, मद्राप में स्थित है (श्रीर इन्ते उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णिन है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, यौदन्डलैंड्स, लेख सं० 579/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौक दिसम्बर, 1984 को पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के दूरनमान प्रतिकृत के लिए अंतरित की गई है और मृक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरवमान प्रतिकृत सं, ऐसे दूरवमान प्रतिकृत का पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिकृत स्थ से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से सुद्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरफ के दावित्थ में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के जिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अभीत् :--- 1 श्रीके० बी० मारियम् बी० स्रौर स्रन्य ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० वेलायुदम,

(अन्तरिती)

को नह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिह कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नत सम्बन्धि को नर्धन की सम्बन्ध को काई भी जाक्षोप :----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध मा तत्संबंधी क्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियों में से किशी क्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितं-बच्च किसी जन्य स्थापत ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान—श्रार० एस० नं० 44/1, श्रो० एस० नं० 96, नृंगम्बा्मकम्, थौसन्ड लैठ्स , मद्रारा-6, थौसन्डलैठ्स लेख सं० 579/84।

एम० सामुवेस सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्रा

दिनौक: 8-8-1985

प्रकृप भार^कु टी. एम. एस. *****

1. श्री इयनाब पी० एस० एम० बुहारी

(मग्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

थी सी॰ शेरवराज।

(घग्तरिर्ता)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निद्वाक्षक)

धर्जं नरेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निर्धेंग सं० 50/दिसम्बर, 1984—यतः, मुझे, श्रीमती एम॰ साम् देल.

नाचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद् 'उक्त अधिनियम' सहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार भूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 44, नुंगरुवानकम, गाँव है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, धौसन्डलैंट्स, लेख सं० 567/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908का 16) के श्रिधीन दिनौंक दिस्यूबर, 1984

मां प्रेंति। सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से सम में दरयमान शांति छह है लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विक्वास करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उक्ष्म दरमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिभाव से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण जिचित में बास्टिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) वितरण से हुई किसी बाय की बायत, खका क्षेप्रियम के अधीन कर दोने के बंतरक खें वाधित्य में कर्ण करने का उससे कचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या रिक्या अना जाहिए था, रिक्याने या जीवाश के किए।

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-व को, अनुभूषण मों, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिकत व्यक्तियों, सर्थात् :---- ती वह शुक्रमा वादी करके पूर्वांमध सम्माल के नर्वन के निकर कार्ववाहिया युक्र करता हुं ।

क्का कम्परिएं के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 विन की सबिध र रत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शाराः
- (च) श्रस स्थान के राजपन मा प्रकाशन की धारीय व 45 विन के भीतर अस्य स्थापर सन्धिंश में हित्तसर्थ किसी सन्य व्यक्ति इवारा अधोहरताक्षरों के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः - इतने प्रमुक्त क्षेत्रों नीर प्रवा का, को उक्क आर्थितिन के बन्धान 20-के मां परिभाविष ही, वहीं मर्थ होंगा नो उस अध्यास मी दिया क्या है।

वर्ष्या

भूमि नुगम्बानकम् गोष रोड, भारः एसः नं 508, कोर नं 144, भीसन्डलैठ्स, शेख सं 567/84।

> श्रीमती एय॰ सामृश्य सक्षम प्राधिकारी स्हायक सायकर मायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज- सक्षाय-ह

दिनाक: 8-8-1986

बोहर :

प्रस्म माई, टी. एन. एस व -----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

धर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, विनौक 8 मगस्त 1985

निर्देश सं० 68/दिसम्बर/84--- अतः मुझे, श्रीमती एम॰ सामुबेस,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भार 269-स के अधीन सक्षम शाधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिन्नकी सं० टी० एप्प० नं० 8, सैंट नं० 47 है, तथा जो कोवश्वत् र नें स्थित है (स्रोर इपले उपावद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय कोवश्वत् र, लेख सं० 5498 से 5501 तक रिजस्ट्रीकरण सिक्षानियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनौंक विसम्बर 1984.

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पश्कष्ट प्रतिशाज से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पामा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तर्शन से हुए किसी आग की यागत, उनस स्थितियम के सभीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या सबसे क्याने के स्थित्या के निष्; बॉर/या
- [क] एसे किती जाम या किती थन वा अस्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट महीं किया भया था या किया काना वाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए !

बसः वयः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) कों सभीन, निम्नजिकित काबितयों, सभीत्:— 1. श्री सी वी वेणुगंताल ग्रीर प्रन्य ।

(भन्तरक)

2. श्री प्रार० गोविन्द स्वामी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी रूप्यके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस धे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा,
- (व) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण : इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

मूमि भीर मकान—टी० एस० नं० 8/1364/1ए, हिस्सा, सैट नं० 47, कोयम्बत्तूर, टाउन, कोयम्बत्तूर, लेख सं० 5498, 5501/84

> एम० सामुवेस सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरोक्षण) घर्जंच रेंज- , मद्रास

विनौक: 8-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-क (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राप्त, दिनोक 8 अगस्त 1985

निर्वेष सं० 73/दित्त०/84---अतः मझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभिक्ष बाजार सूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

घीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 10/557, डोर नं० 2/57 से 61 तक, पाप्पानयकन पालयम् है, जो कोयम्बत्त्र टाउन में स्थित है (ग्रीर इसी उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिविद्धी वर्ता अधिकारी क कार्यानय, कोयम्बत्त्र, लेख सं० 5255/84 में रिजिस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां रु दिसम्बर, 84

को पूर्विता संस्पत्ति को उचित बाजार मूल्य है कर कै दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और बहु विश्वास करने का कारण हो कि यथापुर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) को वीन एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नतिकत उद्घरों से उकत अन्तरण कि कि कर्ति में साक्तिक के से किया गया है हम्म

- (का) जन्माद्रण से हुई किसी बाय की बायब सजल विध-भियस की अभीन कर पर्ट के अन्तरक के तायित्व में अभी करने या उनमें अभने में सुविधा के भिष्ठ; बीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बक्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1972 का 11) या तक्त प्रधिनियम, 1922 का 21) या तक्त प्रधिनियम, या धन कर किया का 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बस्ध बर्च, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के बन्धरम भी. भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की नपासर। (1) से बाधीस, निम्मीनिवित व्यक्तिस्थों, राधीस :---- श्री पी० एस० रंगराजन ग्रीर अन्य

(भ्रन्तर्∌)

2. श्री एस० कन्दस्वामी भीर अन्य

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कावसोहिया करता हूं।

क्का सम्पत्ति के वर्षन के कम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वमा कै राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विभ की अमित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सर्वीध, बो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों के
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन को शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यूथ किसी अन्य स्थायत युवारा अभोहस्ताकारी के पास तिस्थित में किए जा सकान।

स्वकाकरणः -- इतुर्भे प्रयुक्त कन्यों और पद्यों का, भी उन्त विधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्यास में दिया ध्या है।

अनुस्ची

भूमि फ्रीर महात-टी० एस० नं० 10/557, डोर नं० 2/57 से 61 तह, पाष्पानायशन पालयम् कीयम्बस्र कोयम्बत्र, लेख सं० 5255/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 8-8-1985

प्ररूप नाइ. दी. एन. एस.----

बायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की अपन 269-भ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासम्, सहायक स्रायकार वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० 75/दिस० 84/---अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार अख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 7/15, 16, 17, न्यू टी० एस०नं० 8/1364/5 है, जो षण्मुगा थियेटर रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (श्रोर इससे उपाब अनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर, लेख सं० 5191/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक विसम्बर, 1984

क्यं पृशिक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विद्यास क को का कारण है कि यथापूर्विक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल को बन्दह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच बन्तरण को लिए तय पाया ग्रेम प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अम्सरभ सं शुर्ध किसी साथ की बावत उपत अधि-विषय की अभीत कर दोने की जन्दारक की सावित्व की भागी करने का सकसे भागों को सावित्या को लिस्ते; करेद-/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजनार्थ अस्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिन्छ की सुनिया असिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) े अधीय, निम्नलिखित क्यन्तियों, अर्थात :--- श्रीमती समूरबाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० लक्ष्मी ।

(अन्तरिती)

को संह स्थान बारी करके प्वॉक्स सम्मित्त के वर्षन के सिष् कार्यवाहियों शुरू करता हुं।

उच्छ कम्परित के अर्थन के सम्भाग में कोई भी बाखेर :--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की अनीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नयीच, को भी वयीच वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (इ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारत की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी क्या व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास जिल्हात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमों प्रयुक्त शब्दों अरिपदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा है।

अनुस्ची

भूमि श्रीर मकान-टी० एस० नं० 7/15, 16, 17, स्यूटी० एस० नं० 8/1364/5, षण्मुगा विशेष्टरा रोड, कोयम्बत्त्र, कोयम्बत्त्र, कोयम्बत्त्र, संबंध सं० 5191/84:

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 8-8-1985

THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE PERSON

आयकार अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की थाछ 269-च (1) की सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II,

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त, 1985

निदेश सं० 89/दितम्बर, 84---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रींर जिसकी सं० वेल्जनूर गांव, सिंगानल्लू रहै, जो कोयम्बत्तूर में स्थित है (श्रांर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र्जिस्ट्री इर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिंगानल्लूर, लेख सं० 2457 से 2461 तक, भीर 2463 से 2493 सक, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

करे पूर्वे क्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यंक्त संपत्ति का उणित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बौज एसे अन्तरण के लिए उय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निलिश्त में बास्तिवक कप से किथत महीं किया गया है ***

- (क) कन्तरण से हुद्दं किसी जाय की वाक्स, क्यस अधिनियम के अधीन कर दोने के बस्तरक वी दापित्व में कमी करने या खबसे वचने में सृविधा ने निस्तृ; सर्वेद/वा

बत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ण के बनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा [1] के बधीन निम्नतिसित व्यक्तियों कर्षात् :----

 श्री कान्तीश्वरन, भीर अन्यों पावर एजेन्ट, कान्तीश्वरन ।

(अन्सरक)

2. वी शक्टि को-आपरेटिव, हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड, नं०सी०बी०ई०/एच०एस०जी० 13 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वयत नम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येष :---

- (क) इस स्वाया के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 विन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविश्व मो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्षभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे:

स्पष्टीकरण:— इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

भूमि एस० नं० 533/2, वेकतन्र गांव सिंगातस्तूर, सेख सं० 2457 से 2461 तक, भीर 2463 से 2493 तक।

> एम० सामुवेल धक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जमर्जेज-11, मद्रास

दिमोक 8-8-1985 मोहर : जंकन काही, टी. एन. एवं. ------

बावकर अधिमिन्न, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारव चंद्रकार

कार्याजन, रहायक जानकर बाग्यक (विश्विक)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त, 1985

निदेश सं० 94/दिस०, 84--अत:, मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवे इसकें इसकें परकाल 'उकत मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के स्थीन, सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारन हैं कि स्थानर ग्रंथित, जिनका स्थित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं पेरियनेगमम, पोल्लाच्ची है, जो पोल्लाच्यी में स्थित है (और इससे उपावस जनसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेगमम लेख सं 644, 645, 646/84 में रिजस्ट्री करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के द्रश्यात शिषक से विषय मन्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के द्रश्यात शिषक से विषय मन्ति को प्रश्निक संपत्ति का उचित बाबार स्था है और मृत्य वह नियमक करने का कारण है कि संपाय में से संपत्ति का उचित बाबार स्था, त्यारे एक्समान प्रतिकार में, एरेंगे क्या मान प्रतिकार का पंत्र प्रतिकार में अधिक है और तत्वप्रक (स्थारवर्ग) और अधिरित (अन्तिरितियाँ) के धीय एक्से अध्याप के जिए तब पावा क्या प्रतिकार, विकासित उच्चेक्स में क्या द्यार्ग प्रतिकार में विकास कर में का विवास में क्या द्यारा प्रतिकार का विवास क्या प्रतिकार, विकास कर में का विवास में क्या द्यारा है क्या द्यारा विवास में वासानिक कर में का वासा क्या प्रतिकार का विवास कर में का वासा कर माल कर में का वासा कर माल का वासा कर में का वासा का वासा कर में का वासा कर में का वासा कर में का वासा कर में का वासा का वासा कर में का वासा का वासा का वासा कर में का वासा का वा

- (क) तस्यरक में हुए किसी बाग की कराइ कार्य सींपरिक्ष के शबीब कर दोने ने कराइक की दायित्व में कमी करने वा उससे बचने भी सुनिधा के सिए: बॉड/बा
- (क) एसी किमी भाग या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिम्हों भारतीय वाज-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उरक्ष अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था जिनाने में सुनिया के सिक:

ातः जन, उक्त विधिनिक्य की धारा 269-ण के जन्तरण मं, में उक्त विधिनिक्य की धारा 269-ण की उपधारा (1) ले अधीतः जिल्लीमिकत व्यक्तिवाँ, वर्जात् २०० 6---256 GI|85 श्री किन्तका परमण्डिरी, अस्मन कोइल,
 श्री एस० चक्रपानी ग्रांर अरंगावलरकल।

(अन्तरक)

2. श्री के० वी० कंदस्वामी।

(अन्तरिती)

को रह क्षमा बारी करके पूर्णेक्स सभारत के नर्पन के विष् कार्यवाहिनां गुरु कथता हूं।

उक्त सम्मरित के वर्षन के सम्मरभ में कोई भी नाओर :----

- (क) इस सूचना के सम्पन्न में प्रकासन की तारीय में 45 विश् की स्वीच मा तत्त्वश्यक्षी स्वीचतयों पर सूचना की बाजीय में 30 दिन की स्वीच, यो भी सम्बीच बाद में स्वाच्य होती हो, से भीतर प्रवेतिस स्वीचस्वों में से किसी स्वीचत द्यारा;
- (ज) इस क्षमा के समप्त में प्रकायन की तारीज से 45 विज के बीचर उक्त स्थावर सम्मतित में हितबहुध विजयी अन्य आविक द्वारा नमोहत्ताकारी के नाज सिचित में किए अहरतीयो।

हमाधीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्धों नौर पदों का, थो उनत अधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस नध्याय में दिया गया ही।

प्रनुसुधी

भूमि पेरियनेगमम् पोल्लाच्ची, तालुक, लेख सं० 644, 645, 646/84 नेगमम्।

एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आ**बुक्त** (निरीक्षण) अर्जनरोज-II, मद्रास

दिनांक: 8-8-1985

प्रारूप आहें.टी.एन.एस.

माबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-∏ मद्रा⊟,

मद्रास, दिनांक 23 जुलाई, 1985

निदेश सं० 1/दिसम्बर, 84/रेंज- Π ---अतः मञ्जे श्रीमती एम० सामुबेल

ण्यकर निर्मानयम, 1961 (१७६1 का 43) हिंचने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त वीमीनयम' कहा नमा हैं), की भारा 269-क को वभीन सफान प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कहत्व हैं कि स्वावर इंपीटन, विश्वका स्वित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से विभिक्ष हैं

श्रीर जिसकी सं० एडयम कुप्पम् गांव, 8.37 एक्से है, जो है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसुची में श्रीर

पूर्ण रूप से र्वाणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरूघोरूर लेख मं० 2403/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के क्यमान इतिकल के निए कन्दरित की गई है और मुफ्ते वह विकास खरने का करण है कि स्वास्त्रोंकत संपरित का समित नाजार ब्रुक्त, उसके क्यमान प्रतिकल से, होते क्यमान प्रतिकल का बन्दह पश्चित से अधिक, है और अन्सरक (अंबरकार) और जंखिरती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-क्षम निम्नीनियत उद्योग्य से उन्दर अन्तरण जिल्ति में बाहत-विक क्ष्य से किन्त नहीं किया न्या है प्र---

- (क) अन्तरभ से हुई जिन्दी बान और नावस, उपक्ष अभिनित्रम के जभीत कर योगे के अन्तरक के दानिस्त में कही करने या अवने अन्ते में क्षिश के विष्यु; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कच्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय अति कर अधिनियम, 1925 (1922 कर 11) था अजत अधिनियम, रा भन्तिर अधिनियम, रा भन्तिर अधिनियम, १९५७ (1957 को २७) को प्रयोधनार्थ अस्तिरिक्ति व्यारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाता चाहिए था कियाने से स्वित्य के स्वित्य के स्वित्य के स्वित्य के स्वित्य के स्वत्य के

अलं. अवं, स्वर्त विधिनियम की भारा 269-व कं, वन्तरण भी, मीं उक्त विधिनियम की पास 269-च की उपधारा (1) को विधीन निमनितिस्त स्विक्तयों अर्थात हि—- 1. श्री एप० लक्ष्मणन, श्रीर अन्यों।

(अन्तर्भः)

2. श्रीमती आए० विजयलक्ष्मी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाणी करको पूर्वोक्त सम्वरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निलित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि 8037 एकर्स, भूमि एडयनकुषम् गांव तिरुषोरूर, ले॰ सं 2403//17-1-84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, मद्रास

दिमांक: 23-7-85

प्ररूप आह्∵. टी. एन. एस ु------

बार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) की अधीन स्थाना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीकाक) श्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्राय, दिनाँक 23 जुलाई, 1985

निद्देश मं० 55।विनम्बर, 84,रेंज--ाI--ग्रनः मुझे,श्रीमती'एम० नामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 769-ए के अधिन सक्षम आध्यार्थ कर यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जी एप नं 559, सैंट नं 3, टी एस नं 17/5 हिस्सा नं 1565 7वां कास भागतीं पार्क रोड, हैं, जो कोरम्बलूर में स्थित हैं (ओर इतले उपायं अमुसूची में और जो पूर्ण स्प में विश्वत हैं) रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के शायी थि, कोर्यम्बलूर, लेख सं 4758/89 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के शायी थि, कोर्यम्बलूर, लेख सं 4758/89 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी कि एथीन दिधां दिखम्बर, 84 की पूर्वीकत सम्पीत की उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को ग्रिक्त बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को ग्रिक्त सम्पीत का उचित बाजार मुल्य, उसके स्वयमान प्रतिकार स्थाप से स्थापन प्रतिकार स्थाप से स्थापन प्रतिकार स्थापन से स्थापन प्रतिकार स्थापन से स्थापन प्रतिकार स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन से स्थापन प्रतिकार स्थापन स्थाप

- करने का कारन है कि स्थापूर्वीकत सम्यक्ति का उचित बाजार भून्य, उसके रूबसाल प्रतिभाग ग, एस रूबसान प्रतिभक्त का क्रमा प्रात्यक एक्सा है आप बन्तरक (अन्तरका) और अतिरिती क्रमाणितियों) के जीव एस लॅसरण के लिए तर पास भूमा प्रतिभक्त, निम्निकिस उद्भाष्य से उसत संतरण निषित् से बास्तिक रूप से कथित नृष्टी किया गया है
 - (क) अध्ययम ग्रेड्ड किसी नाम की नामका, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के नामित्य मा कामी करना था उक्क से अभा में गुनिका के लिए; क्षीमानः
 - (ख) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय कारकार विधिनयम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम या भरकार विधिनियम 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ बंदिरिसी एवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना नाहिए था कियाने में सावधा की लिए,

अत: अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मी, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् हि—-

6. श्री पीं० ए० मात्यु ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एन० षण्मुग सुन्दरम्।

(भ्रन्त रतीं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोड़ें भी शासीप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की कारीब से 45 बिन की अविभ सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्थान की तत्सील से 30 दिन की अविभ जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र की प्रकाशन की तारील हा 4.5 विकास की बार स्टिश्च कर क्योंस्ट की विद्यान बहुध किसी अन्य स्विक्त हुवारा, अधोहस्ताक्षरी औ पास निस्तित की विकास का सकते हैं।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मां का, जो उक्त विश्व-नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं . है, वहीं वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि और महान टी॰ एस॰ नं॰ 12/52, हिस्सा डोर नं॰ 15/65, जे-4 7वा कास, भारती पार्क रोड, नेलुगुपालयम, गांव, कोयम्बतूर। कोयम्बसूर, लेख सं॰ 4758/84।

> एम० सामुवे**ल** मक्षम प्राधिकारी हायक स्रायकर स्रायु**क्त** (निरीक्षण) स्रजैंन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 23 7-1985

माहर 🖫

THE RESERVE AND ADDRESS.

मायक<u>र</u> निभानियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) **ने नभीन कुल्**ना

SIEG TYPIC

कार्यक्ष , बद्दावक वायकर वायक (विश्विक्य) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 23 जुलाई, 1985

निदेश सं० 59/दिसम्बर, 84/रेंज-II, ;⊸ग्रत मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परकरत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारत 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह निर्धास करने का कारण है कि स्थानर बज्जित, विश्वका उन्तिस वासार मूक्त 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी बंबटीं एसंव 373/2, 374/1, रामनाथपुरम जो कोयम्बत्तूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के धार्यालय कोयम्बत्तूर, लेख संव 5522/84 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य वे कन के स्वयंत्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और दुन्ने वह दिल्लाव करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त संपरित का बचित वास्तर मूल्य, उस्कें क्रयमान प्रतिफल से, एवं क्रयमान प्रतिक्रय का संस्थ् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) केंद्र अन्वरित्वी (अन्तरिक्ति) के बीच एसे अन्तरण के सिद्द का शब्द बना इति-फल विक्तिशिवत स्वारंत से स्वत बनारण हैं केंद्रिक में बाक्तिक इन वे कथित नहीं निका का है इ---

- (क) मन्बद्रण वं शुर्ध दिलाति वाक् की वाव्यक्त, समस् वरिवादिक के वर्षीन कर को के वन्यक्त की वादित्व में काली कारणे वा अवयो कालों के वादित्या की जिल्हा; सरि/का
- (व) एको किसी बास या किसी धन या बच्च सास्तियों को, जिन्हीं साइतीय सान्कर स्थितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मुख्यियम, वा धन-कड निधीत्यम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोगार्थ बन्दिती द्वाय प्रकट नहीं किया क्या या वा दिला जाना जाहिए था, द्विजाने में समिशा में किया

थत अन्य सन्त निमिनियम की भारा 269-न भी अनुसूद्ध में,, जनत बहुँधनियम को भारा 269-न को उपधाद्ध (1) के अभीन, निम्मृतिषिक स्मृतिर्थों, नर्भात ८--- 1. श्री श्रार० जे० बरीठो और श्रन्यों।

(श्रन्तरक्)

2. श्रीमती शक्ति।

(अन्तरिती)

को यह सुज्ञा कारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिये कार्यवाहिक करता हूं।

उच्य बन्दित के वर्षन के बन्धन्य में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीक से 30 दिन की अविधि, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुगारा;
- (व) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींत से 45 दिन के भीतर उपत स्थानर सम्पत्ति में हिलबहुध् सिक्सी व्यव व्यक्ति इनाइट अथोहस्ताक्षरी के पास सिवाह में किए वा क्योंने।

स्पन्दीकरण:--- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा औ उत्त अध्याय में दिमा जवाहै।

वर्त्त्वी

भूमि और मकान एस० नं० 373/2, और 374/1, रामनाभपुरम, कोयम्बसूर, तालुक, कोयम्बसूर लेख सं० 5522/84

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

विनांक 23-7-1985 मो**ह**र ग्र प्रकार साहे दो, एन, एस, क्या

नानकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीत कुळना

शारत बरकार

कार्यातव, तहावक वावकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , मद्रास मद्रास, दिनांक 23 जुलाई, 1985

निदेश सं० 62/दिसम्बर, 84/रेंज-II--- प्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसर्वे इसर्वे पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की बाक्य 269-ख के अभीन संक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मूक्व 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी मं० रामनाथपुरम, गांव टी एस० नं० 10/ 1756, है, तथा जो कीयम्बत् रटाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है (रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बत् र, लेख सं० 5557/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्स संपर्ति के उचित बाजार बुल्य से कम के स्थामान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई ड़ै और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दरयमान प्रतिकल से एके दरयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच एके बंधरण के लिए तम पाया गवा प्रतिकल निकालिक रूप से कथित उद्देश से उक्त बंतरण निकाल में वास्सविक रूप से कथित नहीं किया वस है:—

- (क) जनसरण वे हुई किसी नाम की बावत , स्थत वीधीनवन के वधीन कर दोने के बन्तरक को वाबित्व में क्रमी करने या उसते वच्ने में तुविधा के सिष्¦ औड∕वा
- (क) ऐती किसी नान ना किसी पन या नान वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नान-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) मा उनत निधिनयम, मा धनकर निधिनयम, मा धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीय-नार्थ कर्यारखी दुनार जुकंट नहीं किना नेना था या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिए;

नतः ननं, उन्त नाभिनिननं की भाष 269-न के अनुबरकं में, में, उन्त जिथिनियमं की भाष 269-मं की उपभाष (1) के अधीन, निम्नतिबित व्यक्तियों, अभित्ः ः—

- 6. श्री एस० सुन्दरराज और एस० रगुनायन,।(ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती एम ग्राण्डाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोच्छ सम्पत्ति के अर्थन के निस् कार्यवाहियां करता हुए।

अथव सम्मत्तिः के अर्थन के तंबंध में कोई भी आक्षोप हु---

- (क) इव त्यना के रायपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध मा तत्तम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील वे 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में संभाष्य होती हो, के दीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंशाय;
- (व) इंग्र बूचना के रायदण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थापत इंगरा अभोहत्ताक्षरी के पास सिविय में किए का सकेंचे।

स्वयद्वीकरण: -- इक्न प्रमुक्त सन्दों मोर पद्यों का, जो सन्द जीवीनयन के अध्याद 20-क में परिभाष्टिय है नहीं अर्थ होना जो उत जध्याम में दिका गया है:

गरकारी

भूमि और नकान रामनाथपुरम, गाँव टी॰ एस॰ नं॰ 10/1756/ 16 बी, कोयस्बलूर टाउन, कोयस्बलूर लेख सं 5557/84

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सद्दायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक 23-7-1985 मोहुर : प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास, मद्राम, दिनाः 23 जुलाई, 1985

निदेश सं० 63/दि स्वर, 84/रेंग-II - अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिस्सास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं संव टींव एसव नंव 2418, टींव एसव वार्ड नंव 7, बनाए नव 32, त्यागराया न्यू स्ट्रींट, जो संव 3, कोयम्बन्त्र में स्थित हैं (और इपसे उपाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) पिज्दित्ती प्रधि गरी के गर्यात्य कोयम्बन्त्र, लेख संव 5570/84 में रिजिस्ट्रीएरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधील दिनों हिरस्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्प्रीत के उचित बाजार मूल्य संकम के दश्यमान बर्न्ता रत की गहु-लिए मुक्ते यह विषयास करन **य**ः⊺ कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके छ्रयमान प्रदिक्तल से, एसे स्प्यभान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं नौर अंतरकः (अंतरकाँ) और जंतरिती (अंतरितियाँ) की भीक एंसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिकास, निम्नलिश्वित ब्रह्माचेत्र से उक्त अन्तरण निवित में धास्तविक रूप से कवित्र प्रहर्ति किया भवा 🗗 🦫 —

- (क) अस्तरण से हुई किसी शाव की बावल, उक्त जिम्हीतमन के अभीत कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कनी करने या उससे वचने में बुविधा दानित्य के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गमा का वा किया जाना जातिए जा, जियाने में सुविधा के सिहर;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों अर्थात् :— 1. श्रीं वीं० कन्दसामि ।

(ग्रन्तरक)

 श्री िशार दौलतराम, और श्रीचन्द और श्री दौलतराम के पुत्र ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कर्जन के निह्य कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति को अर्थन के संबंध के कोई भी आक्षेप हं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्जीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीत से 4.5 जिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- व्यथ किसी जन्द व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वत में किए जा सम्पत्ते ।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पर्दों का, जो उसत अहिंपीनयम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गजा है।

मन्सूची

मूमि और महान टी० ए १० तं० 2418/टी० एस० वार्ड तं० 7, ब्लाक तं० 32,त्यानराया,त्यू स्ट्रीट, तं० 3,कीयम्बत्र-1, कोयम्बत्र, लेख सं० 5570/84

> एम० नामुबेल सक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास-6

विनोक 23-7-1985

प्रस्य बार्ड र टी. एम्, एस. -----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 मा 43) जी भारा 269-व (1) के वभीन सुचना

पहल राजह

कार्याक्य, सहायक मायकर नामुक्त (हैनरीक्सण)

ग्रर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जुलाई, 1985

निदेश सं० 64/दिसम्बर, 84/रेंज-II---श्रत मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

बागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किये इसके इसके परवात् 'उनत निधिनियम' कहा क्या हैं), की बारा 269-च के निधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारफ के कि स्थाप र सम्बद्धित, विश्वका उचित् बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

और जिसकी सं० टी० एस० नं ، 6/76, मुल्लिवन स्ट्रीट, जो कोयम्बत्तर में स्थित है (और इतसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रींकर्ती ग्रधिकारीं के कार्यालय; कोयम्बत्त्र, लेख सं० 5593/84 में रजिस्ट्रींकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांव दिमम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्बत्ति को उचित्र बाजार बुस्व से तक को उस्त्रमान निए अन्तिरत करी नद् हु प्रतिकल िक्कार[®] मुक्ते वह कररत का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके उस्वमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच हुसे अन्तरण के लिए तब पाथा गवा प्रतिकल, निम्नि सिंखत उद्देश्य से उनत जन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया 🗗 🖫 🛶

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उकर अधिनियम के वर्षीय कर बेने के अंतरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और∕शा
- (ख) एंसी किसी अब का फिसी भन वा बन्स कास्तियों करों, जिन्हीं भारतीय उपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धरोप्रमार्थ अंतरिती दवाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा औं किछ:

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-घ को, अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, क्याँत् :--

1. श्रीं एम नेंगडलामि और दूसरे।

(म्रन्तरक)

7. श्री बी० एत० वेंकटरामन, और अन्यों।

(ग्रन्तिरती)

को यह बुचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यपाहिन्तं करता हुने।

रवंद सम्मरिष् में वर्षन में सम्बन्ध में कोई भी नासंप हिल्ल

- (क) इस स्वाम के प्रवादन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की बर्बीय मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृष्यना की दानील से 30 दिन की द्वीय, को भी बर्बीय वाद में स्वाम्य होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय स्वाप्त;
- (व) इव स्थला के राज्यक में प्रकाशन की तार्तीय है 45 दिन के मीलर उच्छा स्थानह सम्मत्ति में हितनक्ष किसी मन्य किसी कार्य क्यांकित द्वारा अधोहस्ताकारी के वास निवास में किए जा सकतें।

स्पृष्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त वर्ष्टों लौड पक्षों का, हो उपस विधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गमा है।

भूमि और मकान सुल्लिवन स्ट्रीट, कोयम्बत्तूर, टाउन; कोयम्बत्तूर, लेख सं० 5593/84

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्रास-6

दिनांक 23-7-1985 मोहर

प्रकार विश्व². जी. हमा: दुला: «सम्पन्नन

मालकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-न में नभीन स्नुनन्त भारत वस्त्राहर

भागांत्रम, बङ्गामक नामांत्रस्य शालुकत (निरोधान)

भ्रजंन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 23 जुलाई, 1985

निर्देश सं० 67/दिसम्बर, 84—म्बतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर निर्मायन, 1961 (1961 का 43) (कियो इसमें इसके प्रकार जिन्न की भी भाक 269-व में निर्माय समान प्राधिकारों की, वह विस्थात करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विसका उचित प्राचार भूरन 1,00,000/- रा. वे विविध है

और जिसकी सं ० एस० नं० 10/1,718, रामनाथ पुरम, है जो कोयम्बत्तूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से चिंगत है) रिजस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कौयम्बस्तूर, लेख सं० 5637/84 में रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक विसम्बर, 1984

1908 (1908 को 16) के प्रधान विनास विसम्बर, 1984 की पूर्वोक्त सम्मित के उपनत बाबार बूच्य से कवा के अवकात प्रतिफल के सिए अन्तिरत को गई है और जूने वह जिल्लास अपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का छिनत बाबार नृश्य, उत्तर्भ अपमान प्रतिफल से ऐसे अवभान प्रतिफल ना पंत्रह प्रतिसत से अधिक है और जंतरका (जंतरका) और अंतरिकी (जन्तिरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण में विश् तब पाया नका प्रतिफल निवासित पहुंचरेंच के उपना बन्तरण में विश् तब पाया नका प्रतिफल निवासित पहुंचरेंच के उपना बन्तरण में विश् ति में बार्य से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वे कुर्श किन्द्री कावः की बालतः, अवदा नियम के अवीन कुद दोने के अदिका के कार्यका में करी करों मा करती अवने में कुन्याका के कुन्यका श्रीका
- (क) होती किली बाव वा किली भन वा जन्म . जारिककों की जिन्हों भारतीय जायकर जीभीनवज , 1922 (1922 का 11) वा अक्त व्यक्षिण्यक , का भनकर जभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया जाना चाहिए आ, किनाने में सुनैवभा के विकास

जतः वस, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उक्शास्त (1) के बर्धान, निम्नोलिक्त क्विक्तवों, अभीतृ ह—— 6. श्रींमती बै० स्टेल्ला ।

(भ्रात्नरक)

2. श्रीमती घार० मालतीं

(भ्रन्तरिती)

को। यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के महोन के लिए कर्मनाहिको करता हुई।

क्या सम्मत्ति के नर्मन के तत्वन्थ में सोर्क् भी नामने :---

- (क्क) इस कुनना में राज्यक में प्रकावन की तारीकं से 45 दिन की बन्धि या तस्सम्बन्धी क्वित्तयों, पर सूक्तना की तामीन से 30 दिन की बन्धि, को भी अवधि बाद में समाप्त होता हो,, से भीतर पूर्वीकत क्वीक्त में से फिसी क्यक्ति स्थापा;
- (व) इक क्लान के राज्यम में मकाशन की तारीय से 45 वित के शीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बच्च व्यक्ति द्वारा नशीहस्ताक्षरी में नात निवित में किए वा तकेंगे।

प्रनुसूची

भूमि रामनाथपुरम, टाउन कोयम्बत्र, एम० नं० 10/1, 718, औं० एस० नं० 42, कोयम्बत्र, लेख सं० 5637/84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिः गरीं स**हायक भ्राय**कर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-ग्री, मद्रास

दिसांक : 23-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूपः, बार्द्धः टी., एन्यु एसकः -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के संधीन स्थना

बाह्रत् स्रकात्र

कार्यालय, महायक बायकर आय्क्स (निरोक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 23 जुलाई 1985

निर्देश संठ० 83 विसम्बर—84/रेज—II— मतः, मुझे, श्रीमतः एम० सामुधेल, बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) विसे इसके

इसके परवात् 'तस्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षत्र प्राभिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थाप सम्मत्ति, किनका बण्ति बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

भौर जिसको सं० संगनूर गाँव, एस० एफ० नं० 160-ए/ 2-बो/161-ए हिस्सा है जो मब्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञ है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रीधनारी के कार्यालय गांधीपुरम लेख सं० 4579/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, सारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की वर्द हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते, एसे क्यमान प्रतिफल का वन्तर प्रतिफल का वन्तर प्रतिकत से विभक्त हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निक्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण निक्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण निक्नलिकित व

- (क) बंगरण से हार कियी बाय की वाबन, तकन करिपनियम के क्षीन कार दोने की बन्तरक के दारित्व में कामी कारने वा उससे सचने मां सुविधा के लिए; शहर/बा
- (स) एंसी किसी जास या किसी थए एा बन्य बास्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर किमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27' के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भाषा या किया जाना काहिए का छिपाये के भ्विषा के सिए;

मतः मतः, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) भे अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7—256 GI|85

1. श्री जी० वेंकटाचलम श्रीर श्रन्थों।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स शक्ति मुख्यन द्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, (एम॰ दी॰) एस॰ वी॰ श्रादमुगम्। (श्रनिरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन् के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यदित दुशाह;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

विकास के अध्याय 20-क में परिकार अर्थ विकास के अध्याय 20-क में परिकार अर्थ है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विकास विकास कीं।

मन्स्पी

भूमि भीर मकान-संगन्र गाँव, एस० एक० नं० 160-ए/2-बो/161-ए/1-ए हिस्सा, कोयञ्बतूर तालुक गांधीपुरम, नेख सं० 4579/84।

> एम० सामुवेल सजम प्राधिकारी स**हायक भायकर श्रा**युक्त (निरोक्षण) स्रजैन रेंज-II, मन्नास

सा**रीख: 23-**7-1985

प्रकृत बाह्". टी. एन. एक्......

आवकर मीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन क्चना

<u>un-la participa de la companya de l</u>

भारत ब्युकार

कार्यालय, सहायक आयकर नागुन्त (निरीक्षण) मद्रास-II, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 23 जुलाई 1985

निर्देश सं० 84/दिनम्बर-84/रेंज-II--अतः, मुझे, श्रीमती एम० नामुबेल,

बावकर निर्मित्वम, 1961 (1961 को 43) विसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त निर्मित्यम' क्या नवा है, की चार 269-क के निर्मित सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूक्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी॰ एप० नं० 12/122, सेठ नं० 5, डोर नं० 43, संगनूर गाँव है, जो गाँधोपुरम कीयम्बतूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, गाँधीपुरम लेख सं० 4636/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख विसम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रवमान प्रतिफल का पंद्रश्च बित्तत से अभिक है और बन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के पीच एगें अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्दर्भण्य से उक्त बन्तरण लिखत में रास्तिबिक क्यं में क्यित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधियान के उसी कार्य या उसमें अधने में स्विधा के लिए; बौर/या
- (ख) ध्रेसी किसी आय या किसी धन या कत्य श्रास्तियों हो, जिन्हों भारतीय श्राय-कर विधिनियम, 1922 है; 922 का 11) या उक्त विधिनियम, सा धन-कर विधिनियम, सा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतिरती देवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के नियः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा /1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- 1. श्री जार्ज तामस ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सी० रंगनाथन और दामोदरन।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपर्तित के अर्जन के संजय में कांड्र भी माक्षप :---

- (क) इस धूमना में राज्यत्र में प्रकाशन की शरिब से 45 बिन की अविधि या सरमम्बन्धी व्यक्तियों पर बूमना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी बब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर मम्पिट में हिलबस्थ किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में थिए जा सकारा

स्वारिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उत्वर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु विक्र होगा, जो उस अध्याय में विद्या गढा ही।

वन्सकी

भूमि ग्रीर मकान—43, टी० एस० नं० 12/122, संगनूर गाँव, गाँधीपुरम, कीयम्बतूर, गाँधीपुरम लेख सं० 4636/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 23-7-1985

प्ररूप भाई: टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन स्वा

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज $-{
m II}$, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 22 जुलाई 1985

निदेश सं० 88/दिसम्बर 84/रेंज्— Π —-प्रतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित्र बाजार मूल्ब 1.,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी मं० कृषि खेती एस० एफ० नं० 158, 163, 164, 156 भीर 157 है, जो उधिलिपालयम गाँव, कायम्बतूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिंगानल्लूर तालुक लेख सं० 2509/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

न्ते पूर्वाक्त समपति के उचित वाजार मूल्य से काम के कायमाम शितकाल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्कार की का गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि अथापुनिकार संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके उत्थान प्रतिकाल से एसे उत्थान प्रतिकास का पान्त्र प्रतिकाल से प्रतिकाल की कारण की तिकास का पान्त्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्भित्यों) से बीच एसे अन्तर्भ के लिए तम पाना गना प्रतिकाल, निम्नसिवित उद्देश्य से उच्छ अम्तर्भ निवित विविद्य से अच्या का है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दाबित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूजिधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीतः, निम्नालिकित व्यक्तियों, अर्थातः :---

1 श्रीमतो बीमा श्रार दूसरे।

(ग्रन्तरक)

2 श्री पी० एल० सुब्बैया

(भन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृथींक्स संपरित के अर्जन के सिष्ट् कार्यनाहियां गुरू करता हुं।

उक्ट सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्यप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निचित्र में किए जा सकोंगे

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पर्यों का, जो जनत अधिनियम के अध्याख 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि खेती:—एस० एफ० नं० 158, 163, 164, 154 व 157 उधिलियालयम गाँव, कोयम्बतूर गाँव— मिंगानल्लूर लेख मं० 2509/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 22-7-1985

प्रकृषा वार्षे .टी.एन .एस ...------

असम्बन्धर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सभीन स्वता

मारत सरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्रास

मदास, दिनौंक 23 जुलाई 1985

निर्देश सं० 95/दिसस्बर 84/रेंज-II--मतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर मांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भाष 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका श्रीचत वाचार सून्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जितको सं० भूमि सर्वे नं० 931, 932/1-सी, 932/3, 935, 937/1 2-ए, 2-बी है जो, श्रीनैमलै में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण इप्प से वॉणत है), रिजस्ट्राकर्ता ग्रिधिकारी के कार्याक्य, श्रानैमले लेख सं० 1422/84 में रिजस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख विसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम स्थमान गितफल के निए अन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विश्वास करने कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत के अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया श्या विकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) उन्तरण ने हुन्द किसी बान की बावक, करत सिंधतियम के नधीन कार दोने के जन्महरू के बाजिरव भी कारी कारने या अससे व्याने में बुविशा के लिए; जरि/सा
- (था) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 ी 922 की 11) या उनत अधिनियम, बा जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसक्त मं, में, नक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- भी के० गोविंद राजु हिुयार भीर मन्यों। (भन्तरक)

भी एम० भवणाचलम भौर भन्यों।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां करता हुई।

बक्त सम्पत्ति को कर्णन को सन्वन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के रायपण में प्रकाशन की शारीय थे 45 दिन की अविध वा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के मीटर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबक्ष किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्तास्नरी के पाव विविधा में किए था सकेंगे।

स्मायश्विरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पीरिशाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वन्स्यी

मूमि कृषि सर्वे नं० 931, 932/1-सी, 9323-935, 937/1, 2-ए, 2-यो, ग्रानैमलै लेख सं० 1422/84 84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सक्षायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, महास

तारीच: 25-7-1985

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.------

बायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यास्त्र सद्रायक जायकर जायकत (निरक्षिण) अर्जेन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 22 जुलाई 1985

निदेश सं० 101/दिसस्बर-84/रेंज-2-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुहेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं .क स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिक बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं भूमि उद्घी-श्रार एस नं 3953/ 2-बी-1-ए 1-ए-1 है, जो उदगमंण्डलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूनो में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री गर्ती श्रिधि गरी के कार्यालय, उदगमंण्डलम लेख सं 1013/84 में रिजस्ट्रोकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसस्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिष्फल को लिए अन्तरित की गई है होर मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुद्द किसी काय की वाबस, उक्त अभिनियत के अधीन कार दोने के अंतरक के वासित्व में कमी कारने या उससे वजने में सुविधा के जिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

जरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण बें, यें उक्षर अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) बैं अधीर, निम्बक्तिका व्यक्तियों, अथात : -

- 1. श्री भी० ओ० वाप्शेरी भ्रोर श्रन्यों। (श्रन्तरक)
- 2. मेसर्स अब्राइब्रस ट्रेडसं प्राइवेट लिमिटेड। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के नियः कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनक सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के बैं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की ताभील से 30 दिन की अविधि, जो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास गया है।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ जन्म अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो इस अध्याय श्री विया गया हैं।

धनु सूची

भूमि 3.05 एक्सं घार० एस० नं० 3953/2-बी 1-ए, 1-ए1, ऊट्टी, उद्यगमण्डलम लेख सं० 1013/84

> एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर द्यायुक्त (निरोक्षण) भजंन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 22-7-1985

मोह्रर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याराय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 2, मद्रास मद्राप, दिनौंक 2'3 जुलाई 1985

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रुठ. से अधिक है

मीर जिनको सं० ठौन सर्वे नं० 4, पोल्लाच्यो है, जो तिरूपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप में विंगत है), रिजस्ट्रोंकर्ता श्रीधकारी के कार्याख्य, पोल्लाय्च्वो लेख सं० 2521/84 में रिजस्ट्रीकरण भिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दितम्बर 1984

को पूर्विति शम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वाँकत संपित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय शया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त दन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रीधनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी ग्राय या किसी भन या अन्य जास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः मभ, उनत अधिनिशम की धारा 269-घ के अनुसरण म. में. उसत अभिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— श्री द्यार० वेलुच्चामि गौडर।

(स्रन्तरक)

मेससं नागप्य चेट्टियार।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिधा गया है।

वन्सुची

भूमि—टी० एस० 25/1, 25/2, 25/5, 16/4 पोल्लाच्ची—गस्पा पोल्लाय्च्ची टीन सर्वे वार्ड नं० 4, तिह-प्युर पोल्लाच्ची—लेख सं० 2521/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्णन रें**ज**-2, महास

तारीख: 23~7-1985

प्रस्थ बाह्री, दी. एवं, एस. + -- -

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्**ध**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

भ्रजीन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 23 जुलाई 1985

निदेश सं० 114/दिसम्बर 84/रेंज-II--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 571/1—11.44—3/4 एक्स वी० चाय गार्डन है, जो जगतला गाँव (श्ररुवंगाडु) नीलगिरीस में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कूनूर—लेख सं० 1735/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास अरने का कारण है कि यथापृशेंक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रांध-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्तिक अप से कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) सन्तरण सं हुए किसी थाय की बलाव उक्त सिक-नियम के संजीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए, सीत/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिसँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भूब-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का का श्राटा का श्रिपा वा स्विकः वे आए:

भतः सथ. उपत सीर्विषयम की भारा 269-म के बनुसर्थ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 6. श्री ग्रार० सम्पतलाल जैन।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो टी॰ बालन श्रीर टी॰ साम्राजा।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त उम्मोंक के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उबत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थात्रर संपन्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधाहस्ताक्षरी के पार सिक्ति में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

भूमि—आर० एस० नं० 571/1—11.44-3/4 एकसं ठी चाय जगनाला गाँव, श्रष्ठवंकत्रु नोलगिरीस कूनूर—लेख सं० 1735/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 23-7-1985

मांहर 🖫

प्रस्प बाइं.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 23 जुलाई 1985

निदेश सं० 119/विसम्बर 84—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुदेल,

चायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्वाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि खेते;—0.73 सेन्ट्स है तथा जो तिरुपुर में रियत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय तिरुपुर—लेख सं० 2517/84 से 2520 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के धीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया । तिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धाम्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- र्ह्ण) जन्तरण से हुई किसी बाय की वावतः, उक्त बिधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दक्ते में सविधा बैसिए;
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, दिलाने में स्विका वी सिए:

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ते, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री एम० नजन्ता मैनेजिंग डायरेक्टर धनलक्ष्मी मिल्स (मन्दरक)
- 2. श्री एन० राजन श्रीर श्रन्यों।

(प्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत् संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए-इत्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अधे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पन्सूषी

कृषि खेती--0.73 सेंट्स, तिष्णुर-लेख सं॰ 2517/ 84 से 2520/84 तक।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 23-7-1985

मोहर 🖫

स्कृत वार्षः, टी. एप., एच., क्रान्यान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के संभीत समा

भारत बरकार

कार्यालयः सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज--II मद्रास

मद्रास, दिनाँक 23 जुलाई 1985

निदेश सं० 129/विसम्बर 84/रेंज-II---अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 15, चेंगलपट्ट-37, श्रत्तिमाँयेरिपेठ पिलल-पट्टु, बजार स्ट्रीट है तथा जो लेख सं० 998/84 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पिल्लपेठ चेंगलपठ डिस्ट्रिक्ट में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख विसम्बर 1984

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख विसम्बर 1984 को प्रवेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दिख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विकास करने का कारण है कि यथापृषोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एंसे दृष्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल लिमनितित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उपत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे वचमे में सुविधा के लिए: सरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

जतः अय, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन ः—8 —-256 GI|85

ा. श्रीमती टी० रुक्मणी सूजाता

(ग्रन्तरक)

2. श्री मेट्टपालयम मृनुसामि मुदली ।

(भन्तरिती)

को श्रष्ट सूचना जारी करके पृथानित सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

बबल कुन्ना रह के वर्षन के बन्नान में कीई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील के 45 विभ के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निवित में किए या शकनी।

स्पक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया क्या है।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान—श्रक्तिमाँयेरिपेट्टै 15, बाजार स्ट्रीट, पिल्लिपट्ट चेंगलपट्ट, पिल्लिपट्ट (चेंगलपट्टु) ।

एम० सामुवेल नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखा: 23-7-1985

प्रक्ष भाष्युः ही . एव . एव . .-----

भायकर भौधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारत 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत् ब्युकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 23 जुलाई 1985

निदेश सं० 186/विसम्बर 84/रेंज-II---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवा इसके इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित वाचार वृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० 62, एल्लै श्रम्मन कोइल स्ट्रीट है जो, बेस्ट माम्बलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में टी० नगर लेख स० 1522/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख विसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान शितफल के जिए जन्तरित की गई है जोर जुले वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत वे विधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तर्यित्यों) के बीच एसे अन्तरण के विष् दृष्ट बाबा अभा प्रविकत, निम्निजिदित उद्दृष्टिय से अक्त अन्तरण विधिक में नास्त्रीयक रूप से अवित नहीं विश्वा क्या है है---

- (क) जन्तरभ से हुइ किथी जाय की वानत, उन्त विभिन्न के स्थीन कर दोने में अन्तरक से दावित्य में क्शी करने या उत्तवें ज्यमें में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) इंसी कियी थान वा कियी यम वा कम्यु आहिस्त्रकों का, जिल्हा भारतीय अध-स्मर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या समय अधिनियम, स्मर्थनिक विश्वित्रका, स्मर्थनिक विश्वित्रका, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा. खिपानें में प्रियो के सिक्ट;

बत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनूसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चे ब्रोन, निम्निसिक व्यक्तियों वर्षात :--- 1. श्री कण्णन् नामुडू

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० राधाकृष्णन्

(ग्रन्तरिती)

को बहु शृष्या बारी करके प्राॉक्ट सम्पृत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्वत सम्बद्धि के सर्वत के सम्बन्ध में कोई भी बालेप:--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिव की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर क्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी स्थावन ब्याराः
- (ब) इत सूचना को राज्यत्त्र भें प्रकासन की तारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवब्ध किती कम्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताकारी को पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उनक् जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका स्वाहैं 8

अनुसूची

भूमि—62, एल्लै ग्रम्मन् कोइल स्ट्रीट, वेस्ट माम्बलम् टी॰ नगर लेख सं॰ 1522/84 मद्रास।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मब्रास

तारीख: 23-7-1985

मोहरु 🔅

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 23 जुलाई 1985

निवेश सं ० 51/दिसम्बर-84/रेंज- 1--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० कृतियमुत्तूर गाँव, एस० नं० 61/2 है, जो कोयम्बत्तूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर लेख सं० 4965/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री ए० मरुतायलम्

(ग्रन्तरक)

2. श्री ए० मेय्यप्पन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनु सूची

भूमि भौर मकान-लेख सं० 4965/84 की शक्ल में दी हुई सम्पत्ति कोयम्बत्त्र लेख सं० 4965।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मन्नास

तारीख: 23-7-1985

प्रकृष बाह्य, टाँ, एन्, एक्,-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-म (1) के नभीन सूचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार नामुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 जुलाई 1985

निवेश सं० 65/दिसम्बर-84/रेंज-Ц-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० श्री रामनाथपुरम गांव, टी० एस० नं० 10/2, 919/2 है जो, कोयम्बसूर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 5600/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि मुक्तपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल बा पन्द्र प्रतिकृत से अभिक है और अन्तर्क (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्त्रितिया) के बीच एसे अन्तर्क के लिए त्य वावा ग्वा प्रतिफल निम्निज्ञित उद्देशमा से उच्त अन्तर्क मिचित में वास्तिक कम से कर्मित नहीं किया ब्या है है—

- (क) बन्तरम वे शुर्व कियों बाद की बादत, अवत गीव्यवित्र के ब्रमीन केंद्र दोने के बन्तरक के बाह्निस्य में कभी करने वा उब्बे ब्यने में सुविधा के विष: बाह्र/वा
- (ब) ऐसी किसी जाब या किसी भून या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजवार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्लिंग्से में सुनिया के सिए;

बतः जब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण ब, म, उबत अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) ब अधीन, निम्नजिखित कार्यक्तकों, अर्थात्य--- 1. श्री एम० सुब्रमणियन् भीर अन्यों।

(अन्तरक)

 मेसर्स इञ्जैन्ट्रोनिक्स एण्ड कंट्रोल कार्पोरेशन पार्टनर्स—टी० एन० शिवकुमार धौर रगोस्तम राव (अन्तरिती)

की यह सूचना धारीं करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्णन के लिए कार्यनाहियां करता हुए।

उक्त सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच बं 45 विन की कविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पष सूचना की समीज से 30 दिन की अवधि. जो भी अवधि नाथ में समाप्त होती हां, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बबुध किसी जन्म न्यक्ति द्वारा ज्योहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कित्यः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्नियम् के अध्याय 20-क में गरिभाषित हाँ, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हाँ।

अनुसूची

भूमि-श्रीरामनाथपुरम गांव टी० एस० नं० 10/919/2 2, कोयम्बतूर लेख सं० 5600/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 23-7-1985

मुक्त बाद् , टी. एद . एक , न्यान्य व्यान

शायकर श्रीभृतियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में स्थीन सूचना

बाइट चडका

कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जुलाई 1985

निवेश सं० 76/दिसम्बर 84/रेंज- --अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवे इसके प्रथात् 'उकत निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- फ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डोर नं० 27, 29-पूरव सम्बन्दम रोड, हैं जो कोयम्बतूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर, लेख सं० 5166/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

की वृशेषित सम्बन्ति के उषित वाजार मूस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारफ है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित वाजार मूख्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पत्तक्ष प्रक्रियत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और क्ष्यित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिफल, निम्निचित अव्ववस्य से, क्ष्यत अन्तरम् लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया जवा है है—

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी भाग की बाबत, अबस अधि-भिषम की अधीन कर देने के अन्तरक के दारित्व में क्रमी करने वा उत्तरे वजने में सुविधा के किए; बार्/वा
- (व) ऐसी किसी भाग या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था, जिल्पाने में कृषिभा के तिहुह

बढा कवा, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की बन्बहरू मीं, मीं उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को बधीय, निम्मतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ध-- 1. श्रीमती टी० वी० पार्वती अम्माल।

(अन्सरक)

2. मेसर्स वैठ० रोज बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सन्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्क बुम्हित् के वर्षन के बुम्बरूप में कोई भी नाक्षेप्:--

- (क) इस त्या की राजपूत्र में प्रकाशन की तारीय की 45 दिन की जन्मि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जन्मि, को भी जन्मि नाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुकता क राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविट हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया। गया हाँ।

भ्रनुसूची

भूमि और मकान-27, 29 ईस्ट सम्बन्दम रोड कोम्बसूर-कोयम्बत्र लेख सं० 5166/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 23-7-1985

मोहर 🛎

शिक्ष कार्ड^{*}, ट\ , एवं , एकं , ============

बावकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-व् (1) के वृधीन सूचना

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 23 जलाई 1985

मिदेश सं० 96/दिसम्बर $-84/\overline{t}$ ज-II—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विखे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित् बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसवकी सं० उडुमलपेठ है, जो तिष्णुर में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडुमलपेठ लेख सं० 2857 व 2858/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वों कत सम्मिति के स्थित बाबार मूम्य से कम के क्यांश्र प्रतिफल को सिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि स्थापूर्वों कत सम्मित कम सीचत बाबार बून्य उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल कम पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बाज एसे अन्तरण की लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरक विश्वित में शास्त्रीक क्ष्म से कियत नहीं किया गया हैं:--

- (क) ब्रुन्दुन् वं शुर्थ कियाँ बाव की बाव्य जनक नीधनियम में जभीन कर दोने के अन्तरक को वायित्क में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सविधा के सिक्ट्स

मतः वथ उपत अधिनियम की धारा 269-ग के जन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कं जधीन, निक्निचित व्यक्तियों, अर्थात %——

- 1. श्री माणियम् श्रीर श्री एम० विजयशामा।
 - (अन्तरक)
- 2. श्री वी० कन्द्र कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के [िंक्यू कार्यवाहियां करता हूं।

अक्ट सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोप 之---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी वविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान सिवित में किए वा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त किश्वित्यम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

अनुसूची

भूमि—तेनपुदिनात्तम् गांव, उडुमलै, तिरुप्पूर उ**डु**मलपेठ, लेख सं० 2857 व 2858/84।

> एम० सामुबेस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶II, मद्रास

तारीख: 23-7-1985

प्रकल आहें . दो . एस . एस . ------------

भायकर् अधिनिथम, ;961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन खुषना

शाह्य करका

कार्यास्य, सहायक वायकार जायका (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 जुलाई 1985 104/दिसम्बर-84/रेंज-II- अत निदेश सं० मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (**विसे इस**में इसको पश्चात् 'चक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक **है**

ग्रीर जिसकी सं० $15/\overline{3}$, वण्णारपेठ आर एस**० नं०** 4221/2 सी॰, वण्णारपेठ में जो, ऊट्टी है स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदगमण्डलम लेख सं० 1036/84 में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर 1984 को पर्वोक्त संपक्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, ऐसे क्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बंतारितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम, निम्नीसवित उव्योद्य से उक्त बन्तरण सिवित में वास्तविक क्य से कथित नहीं जिल्हा नया है :--

- (कि) जन्तरण सं**हुर्दकिश्वी** जाय की बाबत, उक्स जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दरिक्ष में कमी करने या अधरों क्यने में वृशिया के जिए: बॉर्ड्स्या
- (बा) एशी किसी भाग या किसी धन मा अन्य वास्तियाँ को चिन्हीं भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या **धनकर वी**धनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने ही समिधा के सिए;

नत: मब, उक्क विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसन्दर्ग में, जै, रफ्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री एस० उण्णीकृष्णन ।

(अन्तरक)

2. श्री के० मधन्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्विकत सम्पत्ति को अर्जन को लिए। कार्यवाहिया शुरू करता हुई।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ध--

- (क) इस इल्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनभिया तत्सम्बन्धी स्थक्तियों पर सूचनाक्षीतामील से 30 दिन की बर्वीय. वो भी मंबरिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत म्पनितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्मित्स में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगें।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, विभिन्तियम, के बभ्याय 20-क में परिभाषित ही. अही कर्य होगा, जो उस कथाय में विया गया

अनुसूची

भृमि ग्रीर मकान बण्णारपेठ⊸~आर० एस० नं० 4221/2-सी॰, डोर नं॰ 15/जे॰ ऊट्टी टाउन उद्गमण्डलम लेख सं० 1036/84।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

सारीख: 23-7-1985

त्रकप नार्च .टॉ. एस. एस. .------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-भ (1) ने नभीन सूचना

भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मब्रास मब्रास, दिनांक 23 जुलाई 1985

निदेश सं० 105/दिसम्लर 84/रेंज-11--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्य प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० वीरलपट्टी गांव, पोल्लाय्यी तालुक है जो तिरुप्पुर में स्थित है (श्राँग इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाय्यी लेख सं० 2346/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कथ्रण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से.,

एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से विधिक है और बंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिनिखत उद्विषय से स्वस्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं क्या है —

- (क) अन्तरण से हुई किसा आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरेनी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निहा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अन्करण जों, मीं, अक्त अधिनियम की धारा 269-्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री कन्दसाम गींडर श्रीर महलसाम।

(अन्तरक)

ै. श्री के० नष्टराज गौंडर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पद्ग सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

भनुसूची

भूमि—-वीरलपटि गांव---पोल्लायी हिप्पुर पोल्लाय्यी लेख सं० 2346/84।

> श्रीमितएम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 23-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की थाए 269-व (1) के अधीन स्वना

1. श्री एन० दुईसामि।

(अन्तरक)

2. श्री ए० के० नटराजन्।

(अन्तरिती)

पारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बावक्ट (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दर्नाक 23 जुलाई 1985

तिदेश सं० 120/दिसम्बर 84/रेज-2--जतः-- मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पर्वेचात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया है), ही धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह निष्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहत से अधिक है

श्रौर जसकी सं० 9, वार्ड नं० लक्ष्मीतगर तो द्विनापय गांव सी सी-21 है जो टी० एस० नं० 1158/1/28/2 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुष्पुर लेख सं० 2543/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास अरने का कारण ही कि प्रथापृत्रोक्त संपत्ति का नामार शाजार पृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तर्ण हो लिए त्य गुन्ना गया प्रतिफल, निम्मनिस्तित उस्टोब्स में अस्तर्ण निस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तवाय में हुड़ी विद्यासी बाक की कासल, अवस्थ अधिनियाण को अधीन साम दाने के सन्तवास को दासित्व मीं कमी कारने भर समागे क्याने भी पालिका के लिए; बॉर सा/
- ेक) ऐसी किसी बाध या किसी धन म अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सविधा के लिए;

का यह सूचना कारी कारके प्वक्ति तपरित के बचन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

तक्त मण्यात्स के बजन के संबंध में कोई भी आओप :---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, भी भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, भें भीतर पूर्नीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना क राजपत्र मो प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति: इनारा अपोहस्ताकारी का पाक निक्रित मो किए जा सकारी।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मां का, भो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में भीरभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा की।

and the

भूमि श्रीर मकाल—1-सी०, टी० एस० नं० 1158/1/28/2, नं० 8623, 9 वार्ड, लक्ष्मीनगर तोट्टिपालयम् तिरुपुर—लेख सं० 2543/841

एम० गामवेल सक्षम प्राधि जारी सहायक आयङ्गर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख: 23-7-1985

to the state of th

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्राय, दिनांक 23 जुलाई 1985

निदेश सं० 122/दिसम्बर $-84/\overline{t}$ ज-1—अतः मुझे, श्रीमती एम० रामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

यौर जिसकी सं० डोर नं० 1-बी० (1) मंगलम रोड, विश्वतामि गोंडर ले आउट हैं, जो पल्लडम तिरुणुर में स्थित हैं (श्रीर इसने उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्री इती अधि तारी के जार्यालय, विष्णुर लेख सं० 1951/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित हाजार मृत्य से कम के दश्यमान पतिफल को लिए अन्तरित की वहाँ हैं तौर मभ्छे यह विश्वास हरने का कारण हैं कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित हाजार ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का निद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त नियम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविशा के लिए; अरेर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मों. में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) से अधीतः, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्धातः:— श्री ए० एप० सीमलुन्दरम् ।

(अन्तरक)

2. श्री ए० रविच्वन्द्रन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त हांती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावार;
- (ख) इस स्वना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

भूमि ग्रीर मकात ——डोर तं० 1—बी० (1) मंगलम रोड चिन्नस्वामी गौंडर ले आउट प्रवडम—तिकप्पुर तिरूप्पुर लेख सं० 1951/841

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी यहाय ५ आयहर जायुक्ट (निरीक्षण) अर्जन रोज~2, मद्रास

हारीख: 23-7-1985

प्रकार, आई. डी. एत. एस. -----

मायक्त्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० 25/दिसम्बर--84/रेंज--2--अह: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नर्म्यात्त, प्रिसात उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

र्मार जिलकी सं० 79, महलत, पोझण मुदली स्ट्रीट है, जो दिल्लीकेत में स्थित है (म्रोए इसते उपाबद्ध अनसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है), की जी जी जिल्ली की की उपाबस महात नार्थ लेख सं० 3368/84 में भारतीय रिक्ट्री जरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

की प्लाक्त सम्पत्ति के अभि आजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गए हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सक प्रवेक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दरसमान प्रतिकाल से एसे दरसमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनते अन्तरण लिखत में वास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बाबत, उक्त बीधीनयम क अथीन कर दोने के अन्तरक के द्रीयत्व में केशों करने या उससे बचने में सुविधा है लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

कतः वब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुबरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अभौन, निम्नीलिखन व्यक्तियों, अधारा :— 1. श्री एस० एम० सैयद मोहिद्दीन ।

(अन्तरक)

2. श्री एस० कुमार (2) वासुदेवन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (फ) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी राविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (सं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में लिए जा सकरी।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

भूमि श्रोर मकान 79, मल्लान पोन्नप्प मुदली स्ट्रीट ट्रिप्लीकेन आर० एस० नं० 1056—ट्रिप्लीकेन लेख सं० 3368/84।

> एम० सामवेल सक्षम प्राधिका^पः सहायक आयक्षर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज–2, मद्रास

तारीखा: 7-8-1985

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आथकर आयृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दितांक 7 अगस्त 1985

तिदेश सं० 133/दिसम्बर $-84/\overline{t}$ $\pi - 2-3\pi$: मुझै, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. में अधिक है

स्रोर जिनकी सं० 2. 3 मेईन रोड, सीतम्मा कालोनी, है, जो काल्बार पेठ, मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधि— कारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रेज लेख सं० 1159/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीप, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:
- रें, उक्त शिक्षिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यनण अधीन, निम्नेलिक्षित व्यक्तित्वों, अर्थात :---

- श्रीमती ती० मुगीला ग्रोर टी० आए० चोक्कलिंगम । (अन्तरक)
- श्रीमती कोमलम् मुकुन्दन । (अन्हारिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में 'कोई' भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दित की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि श्रोर मंशात —-2, III मेइन स्ट्रीट, सीतम्मा कालानी, आल्बारपेठ, मद्राप्त सेंट्रल लेख सं० 1159/84

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2 मद्रास

नारीख: 7-8-1985

प्रकृष बाह् . ही . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरौक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिशांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० 136/दिसम्बर-84/रेज-2--अत: मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात (उपत अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 8, बिग स्ट्रीट में तथा जो मद्रास-10 में स्थित है (प्रोप इसक उनावद्ध अनसूवी में प्रोप पूर्ण रूप से विगा है), रिवाड़ी जो प्रधिकारी के कार्यान्य, मद्राम सेंद्रल लेख मं० 1180/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पारी ख दिसम्बर 1984

का पृथांक्स सपित के उप्यात कालार मून्य म तम वे रश्यम में प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापूर्योक्त संपीत्त का उण्वत बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह परिपात से अधिक ही और मन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए दम पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यंश्य से उसत अन्तरण निकास में आरमित भी जालनिक रूप में की यत नहीं कि या गया ही —

- (क) जन्तरुण स श्रृष्ट किसी बाय को दाबता, उक्त अधि-र्नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक की दायित्व में कसी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए; वरि/व्या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या कत्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1972 को 1) या उपन अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1977 को 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा श्रवः प्रहीं किया प्रयासी या किया जाना चाहिए था, । अपाने में मुल्लिमा के सिए:

अतः क्षयः उवतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसद्गणं में, मैं, उत्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :----

1. श्रीमती रुक्मणी भारायणसामि।

(अन्तर्क)

2. श्री रियास समाद।

(अन्दर्शिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त रम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद यो समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्विधित में किए अस्सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., बही अर्थ होगर का उस अध्याय में दिवा गया है।

मन्स्यी

भूमि श्रौर मकान--8, बिग स्ट्रीट, मद्रास-10 मद्रास सैट्रल लेख मं० 1180/84।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-8-1985

प्ररूप आद्दी.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1985

जिदेश सं० 140/दिमम्बर 84/रोज-2-अतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल,

जायकर व्यक्तिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स वो वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लाट—डोर सं० 8, कन्तूरी एस्टेट, मद्रास—86 है तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावज अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप में बणित है), रिजर्म्ट्री क्रिं अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रेल लेख सं० 1192/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तरिख दिसम्बर 1984

को पृथिति सम्परित के जीवत बाबार मृत्य से कम के क्रयभान शितफल के लिए अन्तरित को गई है बीर मृझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का जियत बाबार मृत्य, उठके क्रयमान प्रतिकत से एसे क्रयमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है बीर एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया अवा प्रतिकत, निम्नलिसित उद्देश्य से जक्त अन्तरण निर्वित्त में नास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क्क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिका के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्धार में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (१) के अधिन, निम्हीलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मै० दि यूनाइटेड तीलगिरि एस्डेट्स कं० लिमिटेड। (अन्तरक)
- 2. मैं ० दूस्ट प्रोपर्टीज डेबलपमेंट कं० प्रा० लिं०। (अन्तरिती)

को यह त्याना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हिसब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

रूप्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्युकी

फ्लैट— 8 कस्तूरी एस्टेट, मद्रास—86, मद्रास सेंट्रल, लेख सं \circ 1192/84।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

रीख: 7-8-1985

अस्य अपूर्व हो **एन. एस.** -----

बाधकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-6 (1) ले विधीय स्वाना

भाग सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज--2, मद्राम मद्रास, दिनांक अगस्त 1985

निदेश सं० 143/दिसम्बर 84/रेंज-2--अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं असमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसता अचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रु. स आधक ह और जिसकी सं० डोर नं० 209, आर० एस० नं० 69/1, 87/1 व 67/73 लाइ-इट्स रोड है, जो मद्राम में स्थित है (और इसमे उगाबड़ अनुतुनों में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मद्रास मेन्ट्रल लेख सं० 1215/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर को प्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान शितफल के लिए अंतरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके क्ययमन प्रतिफल से एसे श्रम्यमन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिगंतगां) के नीच एस अन्तरण के लिए स्थ पाया गया इतिफल, निम्नलिखित सद्दोदय में उक्त अन्तरण लिखिल में गास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है।

- (क) अल्लारण से ब्रुट्ट किसी बाय की बावश. प्रकल अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा जबसे बचने में समिधा जीतिया बारि/मा
- (क) एसी किसी बाव या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर शिक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण के, मैं. अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अभाग, निम्नानिष्कित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1. श्रीमर्ता पोबलता देवी

(अन्तरक)

2. श्रीमती लिल्ली स्वामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

संबत सम्पत्ति को कर्जात को नम्बन्ध में करेड़ी भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत सामाना होता हो, के भीतर पूर्वीकत
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए मार्किंग

स्पद्धीकरण: -- इसमा प्रमुक्त कार्ने तील पद्धी का, जा उत्तर अरिधानयम के अर्थाण 20-क मी परिभाषित है, यही अर्थ होंगा, जो उस अर्थाय में दिशा मगा है।

अनस चौ

प्लाट---209, लाइटट्रस रोड, (अभी अन्ने षडमुखम रोड, मद्रास, मद्रास सेन्ट्रल, लेख सं० 1 215/84।

> एम० सा ल सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-8-1985

मोहर 🕚

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० 144/दिसम्बर्-84/रेंज-2---अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 9-ए०, प्लाट नं० 11-बी० व 11-सी० मररेस गेट रोड़, बीनस कालोनी, है, जो मद्रास-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपत्बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रन लेख सं० 1217/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, नसने दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गयर प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन,, निस्मिलिकिए स्विक्तयों, अर्थात :— 1. श्रीमती ए० हेमवती।

(अन्तरक)

 श्री स्थामसुन्दर गोएन्का श्रीर अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचरा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से क 45 दिन के भीतर एकत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्वत शब्दो और पदों का, जो उसत अधिनयमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

भूमि ग्रीर मकान—न्यू डोर नं० 9--ए०, मररेस गेट रोड़, वीनस कालोनी, मद्रास—18, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 1217/84।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहाय हा अवकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीखा: 7-8-1985

प्रकव बाइ. टी, एव. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भवोन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक बायकर बायकत (गिरीक्रण)

मद्रात निर्माष्ठ 7 प्रगस्त 1985 प्रजीत रेंज 2 मद्राप्त

िदेग सं० 145/दि (म्बर 84/रेंज 2--श्रत मुझे श्रीमतीं एम० रामवेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्च 269-व के अधीन नक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका स्वित वाकार स्वक्व 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

औं जिपकी सं० 31 रहा चेट्ट स्ट्रींट रायपेट्टा जो मद्रास 4 में स्थित है (औं इं उपाणद अ्सूवीं में और पूर्ण रूप से विणित है, रिजिय्ट्री सी अधि । रीं के ार्या म मद्रास सेंट्रेल लेख सं० 1220/84 में भारतीय रिजिस्ट्री एण अिनि म, 1908 (1908 को 16) के अधीन तारी खेदि स्वर 1984

कर प्रविक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य स कम के इक्यमाम प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि संभाषुकोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजाइ भूम्ब, उसके इक्यमान प्रतिफाल स, एस इक्यमान प्रतिफाल का क्लाइ प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अर्लरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम मया प्रतिफाल निस्तिसित उद्देष्य से च त अंतरण विश्वित में जास्तीयक अप स कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ने हुई फिली बाब की वावन उक्त अधिन नियम के अधीन कर दोने के बन्तरफ के शांवित्य में कमी करने ना उससे नचने में सर्विधा की सिए: सर्दिशा
- (क) एसी किसी नाव या किसी वन वा नम्ब नास्तियाँ का जिल्हां भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या वन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनाथ नन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया वा ना किया नाता वाहिए था, जियाने वा सूर्णिया वे सिक्ष;

वर्षः वय प्रवस विधिनियम की धारा 269-न के वस्त्रपत्र वी, वी, नावस विधिनियम की धारा 269-व की प्रवधारा (1) वे सभीर निम्नतिविद्य व्यक्तियों, स्वांद् क्लान् 10---256 CIISS श्री दनन्त्रथन, राजेन्द्रन, नवीन और श्रीमती टी॰ एक्सिस्मी।

(भ्रन्जितीं)

2. श्री चम्पालास जैन

को यह सचना चारी कारके पृथींकत सम्परित के वर्षन के शिष्ट कार्यनाहियां करता हुं।

अन्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी वालोप झ->

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वै 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि शव में समाप्त होती हो, को भीतर प्रोंक्ज व्यक्तिसमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस ब्राचन के राज्यान में प्रकाशन की नारीन के 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किनी अन्य स्थावत व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए वा ककोगे।

स्वक्दीकरण: ----इक्सें प्रयुक्त करतों भीर पर्यों का, जो उक्त अधि-निक्क के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सहां कर्थ हांगा, को उस अध्याय में विया गया हैं।

जन्मू ची

भूषि और म भारतं० 24, नाम नं० 31, रहा चेट्टी स्ट्रींट, रायपेट्रा सद्वारा, मद्रारा सेंट्रेंड, लेज सं० 1220/84।

> एम० ामुबेल सक्षम प्रक्षि ारी सहायक झायवर झायुका (िरीक्षण) क्रजैन रेंज-2, मद्रास्

वारीखः ७ व १०४६ सोदरः प्रारूप आई . टा . एन . एस . ------

ाः श्रींमर्तां शाती उटा 🔠 ।

2. श्रीं एम० ए२० मणि।

(इस्ट्रिंग्स्)

(इ.स्..ि.सी.)

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

प्रजीत रेंज 2 मद्रात

मद्र: ,िनांक 7 श्रगरत 1985

निर्देत सं ० 150/ि ६६४: 84/रेंज 11----श्रतः मृझे श्रीमती एम० भन्देल,

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और ति की सं० 37 फस्ट काउ स्ट्रीट स्तूरी बाय नगर अखाता है जो मद्रान 20 में स्थित है (और इ.स. उपायस में और पूर्ण रूप के राणित है) पिर्टी ती क्रिंगिरी के बायी है, 'डांग ले : सं० 3372/69 में भगती है जिस्त्री करण शिक्तिम, 1908 (1908 जा 16) के अधीर तरिख दि स्थर 1969

को पूर्व जिंत सम्पत्ति के उषित साजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और सुभे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अक्ष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स अक्त अन्तरण कि खिल में वास्तिवक रूप स कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम क अधीन कर दोन के अतरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचन में सुविधा के लिए; आदि/शा
- (का) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बस्य ब्रास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, बा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रयाबनार्थ कतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. क्रियाने में सुविधा के किए;

अंत: अंब, उक्त विधिनियम की धारा 260-ग के करसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के व्यक्ति, निम्नांसिक्त व्यक्तियों, अर्थात :—

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य क्टक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मष्टिकरण.---इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदौं की, जो उक्त अधिनियम, को अभ्याय 2⊕क में परिभाषित हाँ, वहां अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अमुस्ची

मूपि और मात्राल-पाटनं० 37 फस्ट कास स्ट्रींट इस्तूरी बाथ नगर--श्रडनार मद्रात 20, श्रडनार लेख सं० 3372/841

> एम० राम्**रू**ल रक्षम प्रकितारी सहास : द्वायात रायुक्ता (दिक्षिण) क्रजेत रेजे २ , मद्रास

तारींन: 7 8 1985

महिर

प्रकप बाई . टी . एन : एख . ------

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 2, महात

पदा ।, दनां : 7 भगस्य, 1985

िर्देश सं 156 /दि:स्व: 84/रेंज ,---अतः । मुझे, श्रीमतीं एम० ाम्देल

बाबकर बांधानियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसक पश्चाश् 'जबत बांधानगम कहा नया है'), का धारा 269-स क सभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृज्य 100,000/- रा. स वाधिक है

और जि.की सं० 22, ा: मोहमद स्ट्रीट चेताव मद्रात 5 है, जा मद्रात में स्थित है (आरा इ सं उपाबद्ध में आरापूर्ण रूप संधर्णितहै), रिनस्ट्रिं,र्ता अति तर्रा के यार्याय द्रियिनेन लेज सं० 857/64 सें भारताय रजिस्ट्रा रण श्रीकिम, 1908 (1908 .ग. 16) कंत्रजां। तारांज दि स्वर 1984

का प्वान्त सम्पात्त क उचित बाबार मृत्य त कम क अपनान को प्रतिकल के लिए बन्ता रत गर्इ मुझ यह विश्वास

करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उत्तक दश्यमान श्रीतफल स, एस दश्यमान श्रीतफल का पन्त्रह प्रोतचत स बाधक हा बार बतरक (बतरका) बार बतारती (अन्तार।तया) के बाच एक अन्तरण के लिए तय गाया नया शिवफल, निम्नोनाचत उद्देश्य सं उक्त बन्तरण निवित व बास्तावक रूप स काथत नहां किया गया है :---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाव की बावत, दक्त वाधानयम क वधीन कर दन क बन्तरण क ब्रायित्व मा कमा करन या उसव वचन या ब्राविधा क विष्, बार/वा
- (का) एसी फिसी बाब वा किसी थन वा जन्य बास्सियों का, चिन्ह भारतीय बाद-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) **या उन्तः वा**धानवेस, वा धन-करः वाधानयम, 1957 (1957 का 27) 🖚 प्रमाजनार्थ बन्तर्रती दुवारा प्रकट नहा किया क्या था वा किया बाना चाहिए था, छिपान म स्विधा क लिए;

बत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के कन्सरण में, में, उक्त वीधीनवम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधान, जिम्लाकोवत व्यक्तिको, वावात ४---

 श्रीतती पोत्रम्ना : और एं पोक्तुस्टामी। (अन्तर:)

2. श्रींमतीं नू ज़्राः बेतम।

(भ्रन्तिती)

का वह मुखना बारों करके प्रशिक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

वनत रम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की जनभि वा तत्माननभी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, को श्री अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सच्ता के राजपत्र में प्रकारत की तारीचं वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बब्ध किसी बन्व व्यक्ति द्वारा, अधःहस्ताक्षरी व पास निवित में किए जा सकते हैं।

स्पन्धीकरणः---इसमे प्रणक्त बन्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियम के बध्याम 20-क मे परिभाष्त हैं ागा, ना उस व वाब व दिवा नवा

बन् सूची

भूनि और म.ा। न्यूनं० 22, ता मोत्महर्स्ट्रींट, चेत: मद्राः 5, धिन्दिः - लेख सं० 85:/841

> एम० ाम्बेल सक्षम त्रावि .ारीं सहाय : माप : र भायुक्त (िराक्षण) श्रर्जन रेंज 2, मद्रात

तारींख : 7-8-.985 महर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस: -----

आयकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रारः, दिनावः 7 ग्रगस्त 1985

िर्देश मं० 16./दिसम्बद 84/रेंज 2 -⊸श्रत मुझे, श्रीरत रमार २९मेटेल:

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर रूपात्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जि की सं० 64, ल चर्च रोड़, शार० एट० नं० 1652/2, 1652/4 है, जो भद्रार में स्थित है (और इस्ते उराबद्ध में और पूर्ण रूप से रिणित है), रिट्रिट्री ति शिंध्वारी के बार्या है, वैदापार लेख सं० 1604/84 में भारतीय रिस्ट्री वरण शिंकिम, 1908 (1908 ता 16) के श्रश्रीत तारीख तारीख दि स्था: 1984

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरिक को गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्त उद्वेदेय से उक्त अन्तरण सिवित में शास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुकिथा का प्रलए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या बन्ब बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, में, उक्ष्म अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधान, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :— ाः श्री घटनाडी सीनानम् ।

(भन्तर ३)

2. श्री एन० ताणु।

(भग्तिसी)

को यह सृष्मा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुः

अक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीकां से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी शविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः ----इसमें प्रय्वक्ष शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उत्त अध्याय में विमा गया है।

नन्त्रची

मूमि 64, लं उचर्च रोड़, मद्रास, मैरापूर, लेखसं० 160-/891

> एस० राष्ट्रेल सक्षम प्राधिः गरीं सहायदा सायवार कायुक्तः (िर्द कण) सर्जन रोजाः , सद्रास

तारीख: 781985

बच्च बाई. टी. एन्. एत. ----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

ज्ञारवं वरकार

भारा 269-म (1) के बंधीन सूचना

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

सहाय : आव : र आयुक्त (िर्दक्षण) अर्ज : रेंज 2, मद्रात

मद्रस दिनक 7 अगस्य 1965

बायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख को अधीन सक्षत्र प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बातार मृत्य 1,00,000/- रा. से बिधिक है

और जि.की सं० 5, डोट नं० 33वें सी तिरूवगडम् स्ट्रीट हैं, तथा जो भद्रा: 28 सें स्थित है (और इ.स उपाबड अनुसूर्चा भें और रूप से वर्णित है), पिन्ट्रिति श्रवितारी के तर्पित मैंतपूर पूर्ण लें देसं० 160व/89 में किस्ट्रीक्षण श्रविताम, 1908 (1908 के 16) के अवीं तत्तरीख दित्सवर 1984

को वृत्रोंक्त सम्पत्ति को विचित बाजार मृत्य से कम को क्ष्यमान अतिकास के लिए सन्तिरित को नहें हैं और स्का बहु विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्वत्ति को जीवत बाजार वृत्य, उसक दश्यमान प्रतिकाल स एम क्ष्यमान प्रतिकाल का वन्त्रह प्रतिकात स निधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितिकार) के बीच एतं अन्तरण के लिए त्य वाया गवा प्रतिकाल, निम्निनिक्त उद्दश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिकाल, निम्निनिक्त उद्दश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिकाल कप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अम्लरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दन के अन्तरक वी दाविष्य में कमी सरने यो उद्यव वचन में वृष्टिभा के खिए; और/वा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यहां आ या किया जाना चाहिए था, खिपान में श्रीवश्व के सिए;

बक्तः बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वन्सरण वीं, वी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निस्त्रीलियत व्यक्तियों, क√त् ;;— 6. श्रीमती क्रिन्द्रा और अन्यों।

(भग्तरक)

7. श्री एतः दिश्वताथन्।

(प्रस्तिती)

को यह स्वना चारी करके पृथाँक्ष सम्पत्ति के वर्जन के जिल कार्यवाद्वियां शुरू करता हूं।

व्यक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजधात्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि वा तत्सवधी अवस्तियों पर सूचना की तात्रील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हों, के शीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वापा;
- (व) इव क्षता के राज्यत में त्रकावन की वारीय हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर तस्थात्त में दिलवद्य किवी बन्द स्थानत द्वारा, स्थाहत्याक्षरी के
 वाव निविद्य में किए वा स्थापे ।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विश्वित हैं, नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहां अर्थ डागा. जा उस अध्याय में दिया नयः हैं।

पनुमूची

भूमि और म.गा पाट नं० 5, डोर नं० 33सी० तिरूपेंगडम् स्ट्रीट महा (-28। मैं गपूर लेज सं० 1606) 84।

> एम० ाभुवेल सक्षम प्राधि ारी सहाय : ग्राय :र ग्रायुक्त (िर्राक्षण) ग्रर्जन रोज-2, महास

तारीखः 7 8-1985 मोहर् धरूप बार्च. टी. **ए**व. एक.------

शायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन त्वना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निर्दाक्तण) प्रजीत रेज 2, महास

मद्रास, दिनांक 7 धगस्त 1985

िर्हेंग सं० 169/दिसः बर 84/रेज II—श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

बाबकर श्रीभानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् उत्तर अधिनियम' कहा गमा है), की धाद 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास के रत का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,00/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट श्रार्थी ग्रारिनेड—नं० 14, 11 फ्लोर नं० 86 है, जो डा० राजाज्यान राड़ मनापूर, मजस-4 में स्थित है (और इससे उपायद्ध श्रनु ची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीहर्ता ग्राजिकारी के जायालय मलापूर, लेख सं० 1638,84 में जारती । रिजिस्ट्रीहरा ग्राजिन म, 1908 (1908 का 16) के ज्ञीन तरीज किसजर 1984

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रातफल के लिए अन्तारत का गई हु आर मूक्क यह विश्वास करन का कारण हा के यथापूर्वाकत सपान्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रातशत सं भाषक है और अंतरक (अंबरका) और अन्तारता (अन्तारात्या) के बीच एस अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से ब्लत अंतरण जाबाद में बास्ताबक रूप संकाबित सहा किया गया है ——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय को बाबस, उपस बीधानयम के बधान का दम के अन्तरक के द्यायरण संक्ष्मी करने या उससे बचन मं सुविधा के चिए, बार/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियां का जिन्ह भारतीय नायकर नाभानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नाभानयम, वा धव-कर नाभानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मा सावधा स निष्:

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :—- श्री पी० डी० सन्तत हुमत्स्त्।

(ग्रजरक)

2 श्रीमती एम० टी० तं.मनी।

(भन्तरिती)

का यह त्रका जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहिया करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी बाझेप :---

- (क) इन सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इव सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिख्ति में किए आ सकतें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनयम, के अध्याय 20-क मे परि-भाषित ही, यही अर्थ हाना, जा उस अध्याव में दिया गया ही।

अनुसूची

प्लाट नं० 14-86, डा राधाकुःगन भौज, मलापूर, म्रास-4 मलापूर लेख सं० 1638/84।

> एमः पानुनेल सतम गाजिनारी सहायक प्रत्यकर प्रायुक्त (विशिक्षण) सर्जन टेंन II, महास

तारीख: 7-8-1985

□:·

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्थना

धारत संरक्षार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, म[्]स

म उस, िनांक, 7 श्रगस्त 1985

निर्रेश सं० 170/िसम्बर 84/रेंज-11--धतः मुझे अभि.गी ्म∍ सःनृबेल

साथकर श्रीभानस्था, 1961 (1961 का 43) (जिसे एसझे इसके प्रथात 'उक्त सिंभनियम' स्ट्रा गया हैं), की भारा 269-क के संभीन सक्ष्य प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्थाति, जितका उचित सामार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और िसकी सं० 19, राजा स्ट्रीट ब्राइन रोड़, मास प्लाट नं० 23 है, जो पुराना नं० 2/27 मास में स्थित है (और इसने जााबड़ अपुस्ति में और एर्ग बाने की एर्ग है। (भीर प्रिया के काम बम में बाद लेख सं० 1645/84 में भारतीय रिस्ट्री रण अपिताम, 1908 (1908 का 16) के अपीत, तारीख सिस्बर 1984

को प्नांसत सम्पत्ति के उचित बाजार मून वे कम के स्वयमान बानफन का निए सत्ति का गई है गाँउ मुझे यह बिज्यान करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार राज्य बसक द्रम्भमान प्रतिफाल से एस क्यमान प्रतिफाल का पन्दह बातकत से अधिक है और जन्तरक (जंतरकों) और बत्तरिती (कल्पारानगर) के बीच एस सम्बद्ध के लिए नव बाबा बवा पेतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में गम्मावक नय म काथत नहां किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनंत्रम के अभीन कर दन के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे रूपने में सुविधा को लिए; बॉर/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या बन्य ब्राम्भियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बवा था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में ब्रिकिश के सिए।

अतः अवः उक्त अभिनियम का धारा 269-ग के जनसरण में मैं, उक्त विधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा. (1) के क्रांगिन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्री हयत बाषा।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती एम० लक्ष्मी।

(भन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सृजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्तित क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकारणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पद्यों का, श्री उपक अभिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

भूमि और मकान डोर नं 19 राजा स्ट्रीट ब्राडिस रोड़ भैमद्रास--लापूर--लेख सं 1645/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधि ारो सहातक म्रायकर भ्रायुक्त (निराक्षण) मर्जन रोंदार, मद्रास

तार्**ख**ः 7-81985

इक्स बाई. टी. एन. एत. -----

बाथकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर मायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग्र 🏋 महाज

मद्रास, दिनांक 7 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० 178/दितम्बर 84/रें:-II-- मतः मुझ **अ**ंभतः एम. सामुबेल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 260-स के अधीन सकाम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का **क्षत्र∘क है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य** 1,00,000/- रह में अ^{मि}धक है भीर जितिकी संबद्धि खेत'-51 रेन्ट्रा 146 , इन्सन्बन्हाम् गांत्र गौथप पालू ∴है, जो जिंगना डिप्ट्रिक्ट में ास्था है प्रौर इसो उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्गित है) रा स्ट्र' ति श्रिष्टा र के ायलिय ग्रंडार लेख पं० 3288, 3289, 3299/84 में भारताय एरिस्ट्र एए। श्रक्षिनियम, 1908 (1908 ा 16) के भाषान, तर्ख दिसम्बर 1984 को प्यक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के रायमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (जतरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति~ क्रम, निम्नमिनित उद्धवन से उथल अन्तरण जिल्लिक में नास्ड-ोंबक रूप से क**ियत नहीं किया नवाह":---**-

- (क) धन्याणका में हुन्हें किसी बाय की बानत तक्का बिध-रियस के बचीन कर दोने के बच्चरक के दाजिएक में कसी करने या सकते बचने में बुविचा के दिनों; बार या/
- (क) एती किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों का. जिन्ह भारतीय बायकर बांधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनयम, या भन-अन्य आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासन्यम, गम्मिन विवास प्रकार नहीं किया गया भा का वा किया जाना चाहिए था, विवास से बुंबिशा है सिए;

बस बब, उक्त बीधिन्यम की धारा 269-ग खे. बन्नरण वें. में, उक्त बीधानयम की धारा 269-व की उपधारा (1) वें बधीन, किल्लिकिन स्वक्तिमां, बर्बास क्ल्य श्रा रामजा सुक्रमणियन्।

(भन्तरक)

2. श्री सत्यंद के० पा० भीर भन्य।

(भन्दर्दातः)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाह्या गुरू करता हूं।

ब कर तम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना चै राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के। अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की संविध, वो भी सर्विध बाद में समाप्त हाती हो के भीतर प्वोक्ष स्थान्तयों में स फिसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क्षे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपिता में हित-क्इथ किसी जन्म स्थित ब्वारा, वधाइस्ताक्षरी के पास लिखित ने किए वा सकेंगे।

स्वच्दीकरण:—इसमें प्रयक्त करूरों और पढ़ों का, को उनक विधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाविष्ठ हैं वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

कृषि खेती—पर्वे नं 15—146, इनाम्बाक् म् गांव, शैदापेठ नालू चेंनलगठ डिस्ट्रिक्ट झडथार लेख सं 3288, 3289, 3290/84।

> एम साभुवेल सक्षम प्राधि ारा सहायक मायकर मायुक्त (ानर क्षण) मर्जन रेंन्सी, मद्रास

तारीकः: 7-8-1986

मोहर ः

प्ररूप बार्ड, टी. एन, एस. -----

1. श्री सी० रामनाथन् श्रीर श्रन्य।

(मन्तरक)

2. श्री एस० मनोहरत् भ्रौर भ्रन्य।

(भ्रन्तरितो)

नाथकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन मुख्या

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जासकार शायुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज Π , मद्रास

मद्रास,।दनांक 8 श्रगस्त 1985

(नर्वेण सं० 10 6^l दियः वर $8 \, t^{l-2}$ त Π प्रा. नुप्री भीमती एमसामुबेल

मानकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित नाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० टो० एस० वार्ड नं० 3 एम० एस० मस्निर स्ट्रीट टो० एस० नं० 253 है, जो पोल्लाय्यों में स्थित है (भीर इससे उपावज अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीयता प्रिक्षकारी के कार्यालय पोल्लाय्यी लेख सं० 2388/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल से शम्ह प्रसिश्चत से निधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण मिचित में वास्तिक रूप से किएत नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बादत, उक्त विभिन्नियम के बभीन कर बोने के बन्तरक के धावित्व में कनी करणे वा उत्तरे बचने में सुविधा के सिष्; बॉर/वा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय वायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रविभाग जन्म जन्म जाना जाहिए था, किया में सुविधा से निए;

वतः चन, उक्त निधिनियमं की भारा 269-ए के नमुसरण ने, भी, उक्त निधिनियमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) के नभीन, निम्ननिजीवत स्थिनियमों, सभीत है—-- को यह सूचना पारी करके पूजीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत संपर्तित के वर्षन के तर्बंध में कोई भी वास्तेय :---

- (क) इत त्या के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की संवीध या तत्संगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की नवधि, वो भी असिथ बाद में बनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर संपति मेर्क हितबेंच्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के वास सिवित में किए वा सक्ति।

स्पक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्यों का, यो उक्त अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

वनुसूची

भूमि ग्रौर मकान टी० एस० वार्ड 3, एस० एस० मन्दिर स्ट्रीट पोल्लाय्यी, पोल्लाय्यी लेख सं० 2388/84।

> एम० सामुबल सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायक**र श्राय्क्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज्रा, मद्रास

तारीख: 8-8-1985

मोहर:

11-256GI/85

प्ररूप आई. टी. एन. एस.,-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यानय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- 2, मद्रास

मद्रास, धिनांक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 151/दिसम्बर 84/रेंज-11--ग्रतः भुझे, श्रीमर्ताः एम० साम्बेल,

जायकर जिथीनयमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उन्त जिथीनयम' कहा गया है), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जितका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 37, में इन रोड़, गांधीनगर है, जो म्राडयार मद्रास 26 में स्थित है (और इससे उपायद में और पूर्ण से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय मडयार लेख सं० 3398/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रांथीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार जूल्य से कान के क्लानाल प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और नुके यह निश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूक्य, उत्तक क्लानाल प्रतिपाल से, एसे क्रयमान प्रतिपाल के पन्त्रह प्रतिपात से जिथक है और अंतरिक (अंतरिकों) को अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्निलित उक्षेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत महीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के बारिस्क में कभी करने या उक्कसे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ब) एंती किती जाय या किसी धन ना अन्य अस्तियों की, सिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिएपने में सुविधा से निया।

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती बी० आर० मृति अन्य।

(मन्तरक)

2. श्री एम० चंदर।

(भन्तरिती)

को सङ्ग सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिकां सुरू करता हुं।

ब क्य बंबीय में क्यंत के बंबंध में कोई भी वासंब हु---

- (व) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीस से 45 दिन की नविध या तत्संशंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30-दिन की नविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति क्यारा;
- (क), इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितकक्ष किश्वी जन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यीकरण:---इसमें प्रकृत्य जन्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, कही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया नवा हों।

मन्स्ची

ब्लाट नं० 37 11 मैंन, रोड़ गांधीनगर मद्रास-20 घडयार छेख सं० 3398/84।

> श्रीमतिएम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारा सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, मद्रास

तारीख: 8-8-1985

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एत.-----

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालम्, सहायक आयकर आयक्त (निरौक्षण) श्चर्णन रेंज-II मद्रास,

मद्रास, दिनांक 8 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० 160/दिसम्बर/84- --- ग्रतः मुझे श्रीमती सामुबेल

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम्' कहा गया है), की भारा 269- ख के जभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अभिक है

भ्रौर जिसकी सं ० प्लाट 3/4 ग्रमसु स्ट्रीट है, जो सान्तोम् में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मैलापूर लेख सं० 1657 84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके अपरमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरिसियों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित कें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, निवस के अधीन कर बने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिख्ः नौर/वा
- (क) ऐती किती आभ या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना जाहिए भा, क्रिपाने में सुविधा केलिए;

वतः अव, उक्त वीधीनयम की भारा 269-ग के वनुतरण में, में, उपत अधिनियम की भारा 269- व की उपभारा (1) के अभीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :---

1. श्री प्रार्० गोविन्द।

(मन्तरक)

2. श्री एस० पी० शास्ती।

(अन्तरिती)

को यह नुवना जारी करको पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन को लिख कार्यगाह्यां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीक** से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविभि. जो भी अविधि बाद में सभाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बनारा:
- (**व**) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विंग के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में **हितवक्ष** किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुवत सब्बों और पदों का, जो उदसा अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दरिभाषित हैं, वही अर्थहोगा जो उस अभ्याय में विका गया है।

भनुसूची

प्लाट नं 3/4, ग्रन्तु स्ट्रोट सान्तोम् मद्रास मलापूर लेख सं॰ 1657/84।

> एम० प्रामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रज-II, मद्रास

तारी**ब**: 8-8-1985

प्र**प्य बार्ड**् टी. एन. ए**स**्------ध

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कई भारा 269-न (1) ने नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक बायकर बायकः (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1985

निवेश सं० 161/दिस/84' → अत मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, शायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सम्भाग प्राधिकारी को यह विश्वात करने का अपरा है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या ग्रारं एसं नं 3586/3, 3586/10, 3585/11, 3585/4, वारन रोड हैं, जो मैलापुर, मद्रास-4 सें स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में और पूर्ण रूप से वॉलन है), रिनस्ट्रीहर्ता ग्रिश्चिहारों के कार्यालय, मैलापुर, लेख सं 1658/84 में भारतीय रिजस्ट्रीवरण ग्रिश्चित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिश्चीन, तारीख दिसम्बर, 1984।

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के रश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की यह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रब्य्यमान प्रतिफल ते, एसे रब्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उच्त कन्तरण निवित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाव की बावत, अक्त बिधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिन्दें को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-भ के अनुसरण क्रं∵, सं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) श्री सी० राममोहन

(भन्तरक)

2. श्री ए० सहस्त्र मामन एम० दी० हाण्डलूमस कारपोरेशन जे० एण्ड के० सरकार, जम्मू। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिद् कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनधि, को भीं अधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा स्कोंगे।

स्पक्तिकरणः--इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदौं का, जो सन्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्विंग वस है।

श्रनुसूची

भूमि और मकान--धार० एस० नं० 3586/3, 358610, 3586/11, 3586/4, 8, वारन रोड, मैलापुर, मद्रास 4 मैलापुर लेख सं० 1658/84।

एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , मद्रास

तारी**च**ं 8--8-1985 मोहर प्रकल बाह् , टी. पुरा, पुरा, क्लान्य का

आवकर गीधीनयम,, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन सुम्ता

भारत सतकार

कार्यसन, सहायक जानकर नायुक्त (निरीक्रण)

प्रजंन रेज-II महास

मद्रास, विनांक 8 मगस्त, 1985

सं० 162/दिसम्बर/84'---ग्रत' मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० झार० एस० नं० 631/3, न्यू नं० 14 बालाजीं नगर, स्ट्रींट हैं, जो राय पेठा, मद्रास-19 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, लेख सं० 1660/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिपक्ष के निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिपक्ष से, एसे स्थमान प्रतिपक्ष का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और सन्तरक (मन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया स्था प्रतिपक्ष, निम्नसिचित उच्चेष्य से उत्तर अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के विधित्व में कमी करने वा उद्धर्स वचने में सुविधा के लिए; नौर/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती धुनारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना लुलीहुए था, खिनाने में सुविधा के निष्धः

कत अब, उक्त अभिनियम को भारा 269-ग की अनुसरण वं, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित स्पक्तियों, अर्थात :---के अभीन, निम्निलिखित स्पक्तियों, अर्थात् :--- श्री सैयद बचीर ग्रहमद।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती तसनीम रोकुया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ष) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सर्फोंगे।

स्थव्यक्रिकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्धां आरि पद्यों का, जो उक्क्ष अधिनिवम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस वध्याव में दिया गया हैं।

नमुसुची

भूमि ब्रार० एस० नं० 631/3, हिस्सा बाला जा नगर 11 स्ट्रीट, रायपेठा, मद्रास-19 मैलापुर लेख सं० 1660/84।

> एम० सामुवेल, मक्षम प्राधिकारी अहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-II महास

ता**रीख : 8-8-198**5

मोहर '

हरू बार' ही एक द्व अन्यस्थान

1. श्री बी० कृष्ण कुमार

(भन्तरक)

2. भीमती सस्य बामा पार्थसारती।

(मन्तरितीं)

नायकर मिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

नारत वरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिक)

श्चर्जन रेंज- मन्नास

मद्रास, दिनांक 8 भ्रगस्त, 1984

सं ० 164/दिसम्बर/84'--श्रतः मुझे, श्रींमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सभय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकीं संख्या ग्रार० एस० न० 1832 मैलापुर है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाध्य में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्ती ग्रिधिटारीं के वार्यालय मैलापुर, लेख सं 1695/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1984।

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के क्रममान् कृतिफल के लिए बन्तिहित की गई है और मुक्ते गई विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार नृज्य, असके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतर्रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाग मेमा प्रतिफल निम्नुशिक्ति उद्देशस्य से उक्त अंतरण सिविज्ञ में वास्तिवक क्ष्म से कृषित नहीं किया गया है दे—

- (क) ब्युह्त में हुई किसी बाय की बावक, उन्ध वीप्तियम् के ब्यीन कट दने के ब्युह्त के वादित्य में कमी करने ना उससे बचने में सुन्या के सिए: बॉर/मा
- (थ) ऐसे किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर बीधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रवासनार्थ बन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया या वा किया नाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-श के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (!) के अधीन, निम्नीलीक्तर व्यक्तियों, अर्थात् :--- को बहु बुचना चारी कुनुके पूर्वोच्य वृत्युष्टि के वृत्यं न के सिह्य कार्यनाहियां कुक कुरुता हुं।

उन्ह हम्मरित के भूषीन के सम्बन्ध में कोई भी नामीप ह

- (क) इस बुज्या के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को बी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (थ) इस स्वाम के स्वापन में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद सिवित में किए या सकोंगे।

स्वकारिकरण :----इसमाँ प्रयुक्त केव्यों और पदों का, को उक्त जिथिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा को उस जध्याय में दिया वर्षा ही।

मन्स्ची

भूमि और मकान घार० एस० नं० 1832 मैलापुर महास मैलापुर लेख संमै 1695/84।

> एम सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1^I मद्वास

तारी**यः 8~8**-1985 मोहर 3 त्रक्य वार्च . टी . एम . एस . -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269-प (1) के बभीन स्थान

मारत चर्चार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-JI मद्रास

मब्रास, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

सं० 177/विसम्बर/84:--श्रत मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

जलकर जीभीनयभ, 1961 (1961 का 43) (रैजर्ब कार्में इक्क परपाव 'रम्स अधिनयम' कहा वक ही, की भारा 269-व के जवीन सभाग जाधिकारी को, वह विस्थान करने जा कारण ही कि स्थानर सम्बद्धि, जिसका उर्विक बाजार मूख्य 1,00,000/-रु. से जीधक है

और जिसकीं संख्या प्लाट न 166, मृत्तुपांडियन श्रविन्यू है, जो सन्तोष मद्रास 4 में स्थिमे हैं (और इससे उपाद्धद्में और पूर्ण रूप में चिंगत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारीं के कार्यालय, श्रह्मार, लेख सं० 3279/84 में भारतीय रिजस्ट्रीं करण श्रधिनियम, 1908 य (190के का 16) के श्रधींन, तारीख दिसम्बर 1984

को कुर्जेन्स कनाति के जीवत यावार मृत्य से कन के दफ्तनात प्रीवक्त के नित्र अंतरिक की नई है और सूखे यह विद्यास क्षमते का नार्य है कि यथायूर्वेषत वस्यति का उचित वाजार कुवा, उपके क्षयमान प्रीवक्त से, एसे क्षयमान प्रीवक्त के कुवा प्रीतक्त से निधक है और नन्तरक (शत्करकों) गौर इंकिस्ति (अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे मन्तरण के निरु तम पापा वया प्रतिकत, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त मन्तरण निवित् में शस्तिक रूप से क्रीयत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण चे हुइ किया बाय की बावत, उक्त अधिनयम के जभीत कर दोने की जन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उससे बलने में स्विधा के लिए; बॉड/या
- (क) एती किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या भन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ नन्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिन में सुविधा के निक्श।

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के बनुसरण वा, वा, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) खंजभी को निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् ड—- 1. श्रींमतीं लता रामकृष्णन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एन० शांतिलाल।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी अरके पूर्वीक्त सम्मिक के अर्थन के लिए कार्वनाहियां कारता हुए।

उन्त तम्बरित के वर्षन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की ताशी सं 45 विन की जनिय या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 विन की अविधि, जो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ज़) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की टारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति बवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में जिल्ला का यहीया।

स्यक्ष्य किरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बों भीर पदों का, जो उक्त निधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं बहुी अर्थ झोगा जो उस अध्यास में विभागवा हैं।

RY GOL

भूमि 166, नेक नगर, कोटि वास्क्रम गांव, ग्रडयार, लेंब सं० 3279/84:

> एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II मद्रास

तारीखं : 8-8-1985 मोहर : प्रक्य कार्' टी. एन्. एस ,-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन सुम्ता

भारत बुरक्द

कार्यालय , सहायक अध्यक्तर नाम्यक (निरोक्तक)

प्रजेन रेंज-II मद्रास

मद्रास, विनांक 8 ग्रगस्त, 1985

सं ० 180/दिसम्बर/84'---श्रत मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धियाँ इसमें इसके परणात उक्त बीधिनियम कहा गया हाँ) की धारी 269-च में सधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000-रा. में अधिक हाँ

और जिसकी संख्या एस० नं० 261/बी/2सी, पट्टा नं० 236 नं० 2, ओट्रेरीं बण्डलूर हैं, जो चेंगलपेट में स्थित हैं (और इससे उपाधद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रींकर्सा अधिकारी के वार्यालय, ताम्बरम लेख सं० 7772/84 में भारतीय रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1984

की पूर्वोवस सम्परिस के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवस संपरित का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और बन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के सिए तब पाया गवा प्रतिफाल निम्निसिचन उपयोग से उच्च बन्तरण निम्निसिचन उपयोग से उच्च बन्तरण निम्निसिचन उपयोग से अस्तर वास्तरिक स्प से किया गया है जन्म

- (क) अन्तरभ स हुद्दं भिन्नी बाद कर बादस, जनक ब्रीधीनयम् के जभीत कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कनी करने या उससे क्वने में स्विधा के किए; बर्टिश्वा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आफितयों को, जिन्हों भारतीय सायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वसा वा का किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तर्व म, मैं. उदत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (*) के अधीत, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती रामम्माल और मन्य।

(मन्तरक)

2. मैसर्स पदमा केमिकल्स प्राइवेट डायरेक्टर कृष्णमूर्ति राज लिमिटेड।

(म्रन्तरिती)

को क्यू कृष्णमा पास्टी कारके पृथ्मीचर वंपरित के वर्षम् के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अबद् कन्त्रीय के वृषीन के संबंध में कोई भी शाक्षेत् :---

- (क) इस बुक्ता के स्वाप्त में प्रकाशन की तारीय से 45 हिंदा की वक्षीय वा तरसम्बन्धी म्यन्तियों पर सूचना की शाबीय से 30 दिन की नवीय, यो भी अव्योध बाद में बनाय होती हो, से भीदर प्रवेतिस म्यक्तियों में से किसी म्यक्ति स्वाप्त;
- (क) इस क्षमा के राज्यम में प्रकारण की तारीय में 45 दिन के शीवज्ञ स्थाय स्थायज्ञ स्थारित में दिनसम्थ किसी स्था व्यक्ति द्वारा सभोहत्तास्थी के पार सिवित में ब्रिक्ट का सकेंगे।

स्तव्यक्तित्वः — इसम् प्रवृत्तः सन्द्रो शरि पद्यों का, यो अवस्त अधिनियम, के सभ्याय 20-क में प्रेरशायिक्ष ही, यही सर्थ होता, यो उस्त संख्याक में दिशा मुना ही।

बनुकुची

कृषि खेती नं० 2, ग्राष्ट्रिरी बेण्डलूर गांव चगल पठ,ज ताम्बरमं शेख सं० 7772/84।

> एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी सहाबक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख · 8-8-19\$5 मोहर: प्ररूप बाइ[‡], टी. एन. एस.,-----

अन्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त, 1985

निर्देश सं० 183/दिसम्बर/84:—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी संख्या 24, बजने मन्दिर स्ट्रीट, है, जो नन्द-म्बाक्कम, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, आलन्दुर, लेख सं० 3773/84) दिसम्बर 84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण, अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, टारीख दिसम्बर, 1984

कां पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरयमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वान्तिक रूप स कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की आवत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर आफिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्यारा प्रकट रहां विश्वा गया ना बाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वस्, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारः (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान् ह—
12—256 GI|85

1. श्रीमती प्रभा चक्रवर्ती।

(अन्हरक्र)

2. श्री अभे बाद्रा।

(श्रन्दरितः)।

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पया हैं।

अनुसूची

भूमि 24, बजन कोइल स्ट्रीप्ट, नंदम्बाक्कम मद्रास, लेख सं० 3773/84।

एम० साम्बेल, सञ्जम प्राञ्जितरी भड़ायह आयहर प्रापुत्त (निरक्षण) अर्जन रोज-II मद्राप

तारीख: 7--8-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

मारत तरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्राम

मद्रास, दिनांद 8 अगस्ट 1985

सं० 190/दिसम्बर/84:—अः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ४सके पर्भार जिसे अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,009/- रु. से अधिक है

ग्रींग जिनकी सं 17, बाल्मीकी ग्ट्रीज टी० नगर, मद्रास् 17 है, जो में न्थित है (श्रीर इस्ते उनाबद श्रनुमुक्ती में श्रीर पूर्ण कर ने बर्णित है), रजिस्ट्रीजर्नी अधिकारी के कार्यात्मय टी० नगर, लेख मं० 1558/84 में भारतीय रजिस्ट्रीजरण अधिनियम, 1908 (1908 द्या 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत सं रिधक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया जिंतफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बतरण निषित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है....

- (क) अन्तरण म हुर्भ किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अतरक के दायित्व मों कभी करने ये उससे बच्छे में सुविधा के सिए; बौर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या ज्या जाना आहिए था, कियाने या स्विभा के लिए;

अतः अवः. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-

- श्री एम० एस० जानकिराम श्रीर अन्य। (अन्तरक)
- 2. श्री वै० वबीर श्रीर जमीला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथिकत सम्भत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किये का सर्वेगे।

स्पद्योक्षरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दी और पदों का, वो उक्त शक्तिप्रयम के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा वो उस अभ्याय में विवा

मन्स्ची

भूमि ख्रोर महात 17 बाल्मीकि स्ट्रीट, टी तगर मद्रास-17 टी नगर, लेख सं० 1158/84।

> एम० सामुबेल, सञ्जम प्राबि जारी सहायक आयुक्त विरीक्षण) प्रजैत रेंक-1] मद्रास

दारी**ख**: 8-8-1985

प्रस्य बाइ ं टी. एन. एन. -----

कायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजि 🌃 मद्रास

मद्रास, दिनां क 8 अगस्त 1985

सं० 192/दिसम्ब^{ः (}84:—अतः मूझे, श्रीमती एम० सामवेल.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जित्तकी सं० टी० एस० नं० 4810, आर० एम० नं० 41 डीर नं० 12 दी न्यू नं० 13 है, जी हिस्सुला रोड, मद्रास 17 में स्थित है (प्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूर्ची में ग्रीर पूर्ण क्य से क्षणित है), जीतरही उत्ती अधिकारी के जार्यालय, टी नगर, लेख सं० 1437/84 भे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिन्त्यम, 1908 (1908 का 16) क अधीन, दिसम्बर, 1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोवत सत्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसं दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया भ्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय कर्त बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक बो दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा हे लिए; बीर/बा
- (स) ऐसी किसी आय हा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आय-आर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानयम. या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पेकट नहीं किया गया भा या किया जाता गाहिए :, १९७० म मृत्यधा के लिए;

भत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं उक्त नाचानयप्र की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैसर्स कृष्णावेणी एन्टरप्राइयेस की पार्टपर श्री एम सुधाकर और अन्य।

(अन्तरक)

 श्रीमती चन्द्रा बाय और चन्द्र कुमारी। (अन्तरिती)

को यह तृत्रना बारा करके प्राक्त संपक्ति क वर्षक के लिए कार्यकाहिया करता है।

बक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख है 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमा दद सूचना जी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरा के पास किस में किए का स्केंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अनुसूची

भूमि टी एस० नं० 4810 आर० एस० नं० 41 डोर नं० 12बी, न्यू नं० 13, ह्यिबुल्ला रोड मद्रास 17 टी नगर, लेख सं० 1437/84।

> एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज II मद्रास

तारीख: 8-8-1985

महिर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास तारीख 8 अगस्त 1985

निर्देण सं० 200/दिसम्बर 84/रेंज Ⅱ:—अतः मुझे, श्रीमती एम० रामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

र्थार जिसकी संख्या टी० एस० न० 8482/ए है जो टी नगर में स्थित हैं (प्रार इससे उपाबद्ध भ्रमुसूचो में ब्रार पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय टी नगर लेख सं० 1467/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक एप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री बी० गे० मार्डी फ्रांर 6 अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री ए० बालवेला युधम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यदित द्वारा ऊधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि श्रीर मङाल टी० एस० नं० 8482/ए टी० नगर टी० नगर लेख सं० 1467/84 ।

एम० सामुबेल मझन प्रावि हारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज II, मद्रास

तारीख: 8-8-1985

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्राम

मद्रास, दिगांक 8 अगस्य 1985

निर्देश सं० 201/दिसम्बर/84:--अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ५२ चात 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के क्षीन सक्षक्त पाधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नंपीत जिसका उचित्र बाजार मूल्य

1,00,000/- ਦਾ. ਜੋ अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 6, दिला स्ट्रीट, एक्सटेन्यन टी० नगर है, जो मद्राम-17 में स्थित है। (ग्रीर इसमे उपाबद श्रदुसूची में। ग्रीर पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिरारी के कार्यालय टी० नगर लेखसं० 1471/84 में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984

वा पूर्विकः संस्थित के जीवत बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ६ कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मुल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल गे, एमि दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकल ये अधिक हो और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलीखत उद्दोश्य स उक्त अन्तरण लिखित मो वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (कः) अंतरण स हुई किसी आय की बाबत, अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) एसो किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-बर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सविधाक लिए।

कत: अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण ै, में, उर्वत आंधानियम की बारा 269-ंघ की उपधारा (1) ै अधीन, रिम्हिशंख्य व्यक्तियों, अर्थात् :-

- ा. श्रीमती पी० आर॰ विजय लक्ष्मी ग्रांर दूसरे। (अन्तरक)
 - 2. श्री कें अार् वी० आचार्या ग्रीर श्री वी० श्याम (अन्तरिती)

कां यह सचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो ,के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस गचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-यद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे- यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और सकान 6 दिला स्टीट, एक्वटेन्यत टी० नगर मद्रास 17 टी० नगर, लेख मं० 1471/841

> एम० सामुबेत, ाजम प्राधिकारी, सहायक आयक्त आयक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज 🎛 मद्रास

तारीख: 8-8-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

1. श्री एम० एस० सम्बन्धप्पा।

(ग्रन्तरक)

2. एस० चन्द्रा और भ्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 ग्रगस्त, 1985

निर्देश सं० 203/दिसम्बर/84:—-ग्रत मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी संख्या 44, स्वामीनायकन स्ट्रीट, है, जो चिन्ता-द्विपेट, मद्रास-2 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्याक्षय टी नगर मद्रा 17 लेख सं० 1478/84 में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान कितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने दा उममे बबने में मुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीर जिम्मीनिकात व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौरमकान -44, सियमनायकन स्ट्रीट, चिन्ता-द्रिपेट, मद्रास 2, टी नगर मद्रास 17 लेख मं० 1478/84।

> एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी सहायकक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 7-8-1985

मोहर 🤁

प्ररूप आह्रा टी एन एस ु------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्जन रेग-II, सद्रास

मद्राम, दिन/क 8 धगस्त 1985

सं० 204/दिसम्बर्/84:—-श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हुँ

ग्रौर जिसकी संख्या 5 न्यू, नं० 4/2, डीनियन, स्ट्रीट, मद्रास 17 है, जो टी नगर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधदारी के कार्यालय, टी नगर, लेख सं० 1380/84 में भारतीय रिजस्ट्री कर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय टी० नगर, लेख सं- 1486/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरम्र श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मृत्य से कम के धर्यमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार रूत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुड़ी किसी आय की बाबत, उक्त जिंधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती सी० सरोजिनी राव।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती स्रन्जना देवी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाम्लेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे,

स्पष्टीकरणः— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर मकान न्यू नं० 7/2 न्यू नं० 72 दानियल स्ट्रीट, मद्रास-17 टी नगर लेख सं० 1486/84।

्म० सामुबेल,, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, मद्रास

तारोख: 8-8-1985

प्रस्प गाइ. टी. एन. एस.-----

बाधकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्राम

मद्राम, दिनांक 7 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० 206/दिसम्बर/84:—-श्रत मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

बायकार लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके पहलात 'लक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 9. हिबंबुल्ला रोड, टी० नगर, है, जो मद्रास 17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण स्था से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, टी नगर, मद्रास-17 लेख सं० 1467/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, $1908 \cdot (1908$ का 16) के ग्रिधीन तारीख (दसम्बर 1984

का प्रशिक्त सम्मिता के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक्त के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और जंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया परिकल, निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक कप से किथान नहीं किया गया है डिल्ल

- (क) अन्तरण स हुइं किसी बाब की बाबस, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के सिए; और/वा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के लिए:

सतः अब उत्कत अधिनियम की धारा 269-ए के बनुसरण मों, मीं, उक्त राधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के बधीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधीत है—

1. श्री के० चऋवर्ती।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती गीता गणेशन श्रौर राजगोपालन। (श्रन्तरिती)

को गृह सूचना सारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन को बबधि या तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, अर्थ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीशर प्रविकत व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस मूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकीं।

स्वयद्योकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिभियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस सभ्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान नं० 9, हिबब्ल्ना रोड, टी नगर मद्रास 17 टी नगर मद्रास-17 लेख सं० 467/84।

एम० भामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 11, मद्रास

तारीख: 7−8~1985

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**घ के अधीन** सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० 215/दिसम्बर/दिसम्बर 84 रेंज 11:—म्रत मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः आजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 31, हिस्सा 1 बिलुप्पुरम है, जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कर्यालय, बिलुप्परम लेख सं० 2014/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृख्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण, के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) इसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)। के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--13--256 GI|85

1. श्रीमती मीनाल श्रीर शांति।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती गुरू लक्ष्मी श्रौर के० लता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोधन्त सम्पत्ति के आर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोर्ছ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि श्रौर मकान विलुप्पुरम टौन कामराजर स्ट्रीट बिलुप्पुरम लेख सं० 2015 श्रौर 2016/84 .

एम० सामुझेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग्र) श्रर्जन रेंज I^I, मद्रास

तारीख: 8-8-1985

प्रकथ बाइ .टी.एन.एस. -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशका)

धर्जन रेंज∐ मद्राम

मद्रास, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० 219/विसम्बर/84:—-श्रत मुझे, श्रीमती एम० संम्वेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या तंजावूर है, जो रामनाथपुरम में स्थित है (स्रोर इससे उपावक्ष में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ला स्रधिकारी के कार्यालय करूतहान्कृटी लेख मंज्य 1358/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम के इत्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, उथके क्रयबान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रक्रिप्त का निकल का बनक प्रतिस्तित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एंडे जंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-क्रम निम्मिसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्रय से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण संहुद्दं निस्ती साथंकी अखत, उक्त अभिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायिस्य में क्यी करने वा उत्तते वयने में सुविधा के सिए; करें/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन वह अन्या जास्तिकों की जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवस्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए।

कतः अब उनतः अधिनियम कौ भारा 269-ग को अनुसरक में, में, उनते अधिनियम कौ भारा 269-ण की उपभारा (1) को नाभीन, निम्नलिसित व्यक्तिकों अर्थात् :--- 1. श्री एम० जोमफ नाडार।

(भ्रन्तरक)

 दक्षिग्र रेलवे रेलवे वर्कर्स कोग्रापरेटिय सोमाइटी लि० की प्रेंसीडेन्ट।
 श्री टी० ग्रार० सम्पत।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वासीय 💝

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध साथ में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्क किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए था तकोंगे।

स्वक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त गध्यों और पर्यों का, जो उनक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गणा हैं।

मन्यू पी

कृषि खेती रामनाथ पूरम बहुम तंजाव्र कस्तद्रान्कुडी लेख मं० 1358/84'

> एम० पामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज II, मद्रास

तारीख: 3--8-1985

प्ररूप वार्च.टी.एन.एस.-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजा।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1985

निदेश सं० 221/दिसम्बर/84---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या लेख सं० 1951, 1952, 1953/84 की शेक्सल में दी हुई सम्पत्ति है, जो स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध में स्रौर पूर्ण रूप में वर्षित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी के कार्यालय, कन्डलूर लेख सं० 1951, 1952, 1953/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय । शावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या कम्ब आस्तिर्वा को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीतः :— 1. श्रीमती घनभाग्यम श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री नरेश गोण्डर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

भूमि लेख सं॰ 1951, 1952 श्रौर 1953/84 की शेक्सल में दी हुई सम्पत्ति—कडलर।

> एम० सामुबेल; सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रोज 11, मद्रास

तारीख: 8-8-1985

माहर :

प्रकार वार्<u>ष्ट्री.श्ल.युव.</u>------

1. श्री के० आर० पुरूषोतमन।

(अन्तरक)

2. श्री एम० सामियप्पन भौर श्रीमती एस० इन्द्रा।

(अन्तरिती)

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-भ (1) के बचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर वायुक्त (निरंपेकार्ज)

अर्जन रेंज 11, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1985

निदेश सं० 222/दिसम्बर/84:—अत मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/-रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कस्पा पट्ट कोट्टे स्त्री निवासपुरम है, जे। तन्जावूर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, पट्ट कोटे लेख सं० 776/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्दितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाना गया प्रतिफ स्नीम्निजिचित उद्योच्य से उच्त अन्तरण विश्वित वे नास्तिक स्थ से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी आप की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) घेबी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर समिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निभानियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में बुविधा के निए;

श्रतः अप, अन्त श्रीपणियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में अपरा सीपनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के स्थीतः, निश्मशिविक व्यक्तिकर्यों, संपत्ति ४को यह सूचना जारी करंको पूर्वोक्त सम्पक्ति को अर्जन के लिए। कार्चनाहियां सूक्त करता हुई ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सैवंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के उजपन में प्रकाशन की टारीच सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सर्वाभ, जो शी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त स्मीक्तवों में से किसी व्यक्ति वृकाय;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है। 45 विन को भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त ख़ब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुन वर्ष होगा जो उस अध्याय में विका गया ही।

क्यूप्र

भूमि श्रौर मकान--कस्पा पहु वकोट्टे श्रीनिवास पुरम तन्जावूर, पहुर्दु कोटे (लेख सं० 776/84)।

> एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक,आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज II, मद्रास

तारीख: 8-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्वेश सं० 224/दिसम्बर/84:--अत मुझे, श्रीमती एम० सामृत्रेल,

वाबकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उपत विधिनियम' कहा गया हूँ), की भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या टी० एम० नं० 82 आर० एस० नं० 216, तिल्लौनाठार स्ट्रीट है, जो कुरु सुप्पम पांडिचेरी 12 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी लेख सं० 2966/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाचार मृस्य से कथ के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके करवमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिसत से निधक है और अंतरक (अंतरकों) बार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच क्से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित, बबुवरेस से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण संहुई किती आप की बाबक, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने वा उत्तवे वचने में सुविधा के तिह; और/वा
- (क) एंदी कि वी नाम ना कि ती भन ना नन्य नास्तियों की जिन्हें भारतीन नायकर निभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भनकर निभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं कि या गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

नतः सब्ध, उन्तं विभिनियमं की भारा 269-गं के अनुबारण कों, कों, उन्तं अभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) को सभीत्र, निम्मतिद्वित व्यक्तियों हो सभीत् क्रम्म 1. श्रीमती गारबठ तिलगा।

(अन्तरक)

 श्री जगीर सिंह रैयार बै पवर एजेंन्ट प्रैबात एम० पोडार।

(अन्तरिती

को बहु बुबना नारीं करके पूर्णेक्त सम्महित के वर्षन के सि। कार्यवाहिकों करता हूं।

उक्त सम्बद्धि के नर्वन के संबंध में कोई भी बाधोप ः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 15 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकागे।

ज्यच्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त ख्रव्यों और पवां का जा उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

मन्स्ची

भूमि ग्रौर मकान—निल्लै नाडार स्ट्रीट, पांडिचेरी 12 पांडिचेरी लेख सं० 2966/84।

> एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज II मद्रास

तारीख: 8-8-1985 **बोडर**ा प्रकल् बार्ड , बी , १म् , एस् ,------

नामकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जमीन सुमृता

भारत सरकार

कार्बासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II मद्राम

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1985

निदेश सं० 226/दिसम्बर/85:---अत मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या श्रीलगारठ कम्यूण सरम गांव, वेंकटनगर एक्सठन्याम है जो पांडिवेरी में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण का ने विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावद्य, श्रीमुगरैति ख लेख मं० 2563/74 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत सं को विष् अति के कि प्रतिकल को पन्त्रह प्रतिशत सं को विष ह और अतरक (अतरकों) और के कि एस अंसरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल विन्नितिबल उद्वरिय सं उक्त अतरण सिंधित ब बास्त्विक रूप से के थित नहीं किया ग्या है ---

- (क) मुख्यरण ने हुए दिख्यी नाथ की बावत, उत्परः विधिनित्त्व के अभीत कर दोने के बन्दारक के वाक्तिय में कनी करणे या उत्तवे वृष्ये में शूथिया के सिए: कोंद्र/वा
- (च) इंसी किसी अाव था किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहियं था, फिपान में स्विधा के सिहः

जता जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण की, मी, उक्त जिथिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्मीलिसित काजितमों, जबात :---

- 1. श्रीमती के० सुगुणा ग्रांर गी० राममूर्ति। (अन्तरक)
- 2. श्री आए० रामनाथन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्पोत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्परित के बर्जन के माजान्य मां केंग्रेड भी बाह्मेप

- (क) इस स्थान के राजधान मा प्रकाशन की सारांच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यवित द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपन मा प्रकाशन को तारीण स 45 दिन की भीतर उक्त स्थाधन गम्पलित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास् लिखिश मो किस जा सकरें।

स्वक्रीकरणः ----इसमें प्रयूपत अध्या और पदो का, को उपत अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित की, वही अधे हाना, को उस अध्याय में दिवा श्या है।

अम्**भूभ**

भूमि श्रीर मकान—श्रोलगारठ कम्यून मारम गांव, वेंकट नगर, एक्सटेन्गन पांडिचेरी श्रोगूगर लेख सं० 2563/84)।

> एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज II महास

तारीख: 8-8-1985

प्रकृष बाड . टी एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 289-4 (1) के बचीन स्थाप

भारत सरकार

आर्यासय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1985

निदेश सं ० 227/दिसम्बर/84:--अत मुझे, श्रीमती एम० साम् वेल,

शासकर शिधिनियम, 196? (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पिन, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 70, सामियप्पा नगर है, जो तिरूनुरै पण्डी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरूहरैप्पूण्डी, लेख सं० 1710/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और 'या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों का, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिला जाना नाहिए था, जिलाई में मृनिथा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-क के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— 1. श्री अप्पात्त्रमुदीलियार।

(अन्तरक)

2. श्री आर० नारायणन अय्यर।

(अन्तरिती)

श्री वह सूचना चारी करके नुवाँकत सम्पृतित के वर्जन के शिवध कार्यनाहियां करता हुं।

जनस सम्मृतिस के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकासन की ताड़ीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रविध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्यारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहूथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा संपत्त विधीनयम, के बुध्याय 20-क में प्रिभाष्टि, ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया ्या है।

ग्रन्यूची

भूमि और मकान--70, सामियप्पानगर, तिरूत्रैप्पूण्डी, तिरूत्रैप्पूण्डी, लेख सं० 1710/84।

एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 8-8-1985

प्रारूप आर्ड्ड.टी.एन.एस.

आध्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

सं॰ 230,विसम्बर, 84---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या टीं॰ एस॰ नं॰ 36, गणपति पुरम 30 है तथा जो ईरोड में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वॉणत हैं), रजिस्ट्रींकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड लेख सं॰ 256,84 में रजिस्ट्रींकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यभान प्रति-कल से एसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत ते अधिक है और अतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितवों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उब्बदेय से अक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आसत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के एसए; और/बा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के जिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— 1º श्री वी० राजेन्द्र और ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

2. श्री धार० माणिक्यम।

(ग्रन्तरिती)

की बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बद्धी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसुची

भूमि और मकान--गणपित पुरम वीक्षी कुरूंगल पालयम टी० एस० नं० 36 ईरोड, लेख मं० 256,84 ।

> एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-II, मद्रास

सारीख: 8-8-1985

मोहर ः

ब्रह्म् बाह्". टी. एन् **एस्**. ------

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के बभीन बूचना

बारत सहस्वर

भायां लग, सहायक भायकर **गायकर (निर्दाक्षण)** ग्रर्जन रेंज-11, भन्नास

मद्रास, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

सं० 238 दिसम्बर, 84--श्रतः मुझे, श्रीमती एम०

साम् वेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उट्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकीं संख्या टीं॰ एम॰ नं॰ 1457, 1, 1456 गोपाल समुद्रम, है, जो मन्नारगुडि में स्थित है और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारीं के कार्यालय, गन्नारगुडीं लेख सं॰ 2386, 84 में रजिस्ट्रीं- करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधींन, तारीख दिसम्बर, 1984

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य सं कम के दब्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिख्वास कारने का कारण है कि ग्रथण बॉक्टन संपत्ति का संचित बाजार बुल्य, उसके दब्यमान प्रतिफाल सं, एसे दब्यमान प्रतिफाल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्रम निम्निसित उद्योक से उन्त अन्तरण किविक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुए जिल्ली जान की वावध उनक जीव-गियम के बचीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य हो कमी करने वा उसके ब्लाने में सुविधा के विष्ठ; नीड़/वा
- (क) एसी किसी जाव वा किसी थन वा जन्य जास्तिनी कां, जिन्हों भारतीय जायकार जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोगनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा वे विका

- श्री गांबिन्द शामि कोतार और उनके पुत्र। (श्रन्तरक)
- 2 श्री भ्रार० एस० इत्तिरपति चेट्टियार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्क्षः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समात इंडी इंड के भीतर पृथांकर व्यक्तियों में से विक्षी व्यक्ति बवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित्र विषय किसी कर्य स्थानित बुनाय अभोहस्ताक्षरी के
 पास लिक्निकत में क्रिय जा सकति।

स्पथ्धिकरण ----इसमी प्रयुक्त शब्दी और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अधि तोता का उस अध्याय मी दिया। क्या है।

वन्स्या

भूमि और मशान दक्षिण गलीं, वार्ड 1 ब्लाक नं० 2, टीं० एस० नं० 1456 गोपाल समुदम मशारगुडीं, मन्नारगुडीं लेख सं० 2386,84 ।

> एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-11, मद्रास

तारीख: 8-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरौक्षण) झर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 9 भ्रगस्त, 1985

सं 181/दिसम्बर, 84, रेंज-II---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम सामुवेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिते इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं संख्या 8, श्रय्यानचेरी 4 एक्से और 84 है, जो सेन्ट्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रींकृत्ती श्रधिकारीं के कार्यालय, ताम्बरम लेख सं० 8189, 8190, 8191, 84, 8230 से 8235, 84 8291 से 8292/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधींन, तारीख दिसम्बर, 1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उपित बाबार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एने अश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसत उद्योध्य से उसते अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से क्थित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की जाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री पदम चन्द सम्दारिया और रिव्यू चन्द सम्दारिया (श्रन्तरक)
- दी शास्त्री भवन स्टाफ हाउम सैठ और वेलफेयर सोसायटीं मद्रास-6।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारौ करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस गृक्षना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींग।

स्मण्डिकरण:—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एस० नं० 116-8, श्रय्यनचेरी 1 एकर और 35 सेन्ट्म ताम्बरम् लेख सं० 8189, 8190, 8191/84 8230 से 8235, 8291, 8292/84।

> एम सामुधेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज ा ः

तारीख : 9-8-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सीं०/एषय्/दिल्लीं/6/84-85'---ग्रतः मझे, एस० के० शर्मा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- का से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 50 जो कि मेबला महाराज पुर में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली भारतीय श्रायकर अधिनियम 1908 (1908 का 16 के श्रिधीन तारीख 1-12-1984)

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया भया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- श्रीमती प्रभा दरगान पत्नी हरी पाल दरगान' श्रीमती नीरा दरगान पत्नी श्री यशपाल दरगान निवासी 17 बीं, राजिन्दर पार्क, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- मैसर्स देहलीं प्रेस पव प्रकाणन प्रा० लि० बजरिये
 एसोिएयेणन सैकेटरीं श्री राकेण नाथ
 पुत्र विश्व नाथ
 निषासी ए- 3, अण्डेबालान इस्टेट,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि ती व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रन<u>ु</u>सूची

सम्पत्ति प्लाप्ट नं० 50 जो कि मेवला महाराजपुर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीं संख्या 1131 दिनांक 1-12-1984 पर दिया है।

> एम० के० सर्मा, लक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

विनांक · 12~ 8~1985

प्रकप आई.टी.एन.एस.------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

नारव सरकार

कार्यात्तय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 ग्रगस्त, 1985

सं० आई० ए०सी०/एक्यू/सोनीपत/99/84-85--- श्रतः मुझे, एल० के० शर्मा,

बास्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-द के अधीन सहाम प्राधिकारों को दि विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या मकान जो गीता कालोनी सोनीपत में स्थित है (श्रीर इनमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यान्य सोनीपत में भारतीय प्रशायकर अधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनांक विसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विकास करने का कारण है कि यथायुक्तिका सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीख एसे अन्तरण के निए इस पामा गया प्रतिकान, निम्नतिश्वित उद्वोदय से उस्त अन्वरण सिश्वत में गास्तिशक कम से क्षिण नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबब, धवेच बढिशियन के सुधीय कर दोने की स्वादक की बाबिश्य में कामी कारने का सब्बे म्चने में कृषिका के आह: अप/मा
- (थ) एसी किथी नाम ना किसी भण ना सम्य शास्तियों का, जिन्ह भारतीय जान-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, ना भन-कर अधिनियम, ना भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृष्टी किया गया भा ना किया जाना भाषिए था, जिनाने में सुनिया में नित्र.

कतः श्रवः, उकतः अधिनियमं की भारा 269-ग के अन्तरक को, मी, उकत अधिनियमं की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री म्रात्म प्रकाश पुत्र सिध् राम, निवासी गीता कालोनी, सोनीपत ।

(श्रन्तरक)

 श्री सुभाष चन्द्र पुत्र श्री लाल चन्द्र निवासी गन्नौर।

(मन्तरिती)

कां यह क्षता बारी कारके प्रांक्ति कर्णन के रूपन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत संवरित के अर्थन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में सम्बद्ध होती हुए, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्युध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किदित में किए का सकते!

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त ध्रम्यों और वर्षों का, को उसक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ामा है।

वग्सची

सम्पत्ति मकान जो गीता कालोती सोनीपत में स्थित हैं जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्द्री कर्ना के कार्यालय सोनीपत में रजिस्द्री संख्या 3892 दिसम्बर 84 पर दिया है।

> एस० के० शर्मा मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-रोहतक

विनांक: 9-8-1985

प्रकृप कार्यः टी. एन. एकः ५ - -

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज रोहतक

गोहतक, दिनांक 9 ग्रगस्स 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी ०/एक्यू/फरीदाबाद/10/84-85:--

श्रत: मुझे, एस० के० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित राजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट सेक्टर 16 फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनांक 12-12-1984।

को पृत्रों विस संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण हूं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए दय पाबा गया प्रतिकत, निम्निसिश्त उद्देश्य से उक्त कन्तरण मिणित में अस्तिक हम से शरीपत नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए। और/वा
- (का) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में गृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) के वे अधीन, निम्निलिखितं व्यक्तियों. अर्थात् :---

1. श्री श्रार० श्रार० भरेजा पुत्र श्री श्रार० के० भरेजा फिनवासी म० न० 24 सैक्टर 16, फरीदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री छोटू राम पुन्न श्री जाटू राम निवासी 3 जी 197 टाउन शिप फरीदाबाद। (अन्तरिती)

को यह स्थना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील है 30 दिन की अविध, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में विश्मी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपथ मा प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास नाभन प जिल्ला का नाम स्थान

स्थब्दीकरणः ——इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदाँ का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यहा अब्द हाना का छन अव्याय में दिया गया हैं।

नग्युकी

सम्पत्ति प्लाट जो कि सैक्टर 16 में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री संख्या 1861 दिनांक 12-12-1984 पर दिया है।

> एस० के० शर्मा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज रोहतक

दिनांक: 9-8-1985

पुक्रम् बाद् . टी. एन् . एष् . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीकाण)

भ्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 ध्रगस्त, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/जीव/20/84-85:--- श्र स् मुझे, एस० के० शर्मा,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या भूमि 4 कनाल 5 मरला तथा जो जीद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जींद में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन, दिनांक 19 दिसम्बर, 1984।

को पूर्नों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकाल से, एसे स्वयमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तृतिक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्दरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कट दोने के अन्तारक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; आर्थिया
- ्ष) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिटी द्वारा प्रकट वहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इं अधीव, विज्ञतिचित व्यक्तियों, कुणीत् हे— श्रीमती लाजबन्ती पुत्री प्यारे लाल रूबी पुत्री प्यारे लाल मित्तल द्वारा प्यारे लाल चैरिटेबल ट्रस्ट, जींद।

(भ्रन्तरक)

2 श्री राजिन्दर पाल पुत्र नोहर चन्द, सतिबन्दर पाल पुत्र श्री मदन लाल निवासी जींद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६---

- (क) इस त्यान के राजपन में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 दिव की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी स्वातितायों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी सबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वृत्तितायों में से किसी स्वतिस ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकीगे।

स्थाक्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

वनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 कनाल 5 मरले जो कि जींद में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्री कर्त्ता के कार्यालय जींद में रजिस्ट्री संख्या 4088 दिनांक 19-12-1984 पर दिया है।

> एस० के० शर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज रोहतक

दिनांक: 9-8-1985

मोहर 🕹

प्रकल् बाह्",टो. एन्. एस ,------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

नारत तरकार

कायां जया, सहायक गायकर गायुक्त (निर्दाक्तिक)

श्चर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 श्रगस्त, 1985

शायकर शिंशित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी संख्या भूमि 8 कनाल गांव सिवाह में स्थित है (श्रोर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रतिकारी के कार्यालय पानीपत में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन दिनांक 30 दिसम्बर, 1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे छ्र्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिष्ठत से प्रथिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल , निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर शिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में समिश के लिए:

सत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, गैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह——

- श्री सरदारा सिंह पुत्र माङा पुत्र घासी निवासी ग्राम शिकाह तहसील पानीपत।
 (श्रन्तरक)
- 2. श्री विनित खन्ना पुत्न श्री रिजन्द्र कृष्ण खन्ना पुत्न श्री राधा कृष्ण खन्ना निवासी कृष्ण पुरा, तहसील पानीपत। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्बर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
 - इस सुपना के राज्यत में प्रकाशन की तारीस क 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त जिमित्रम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं.

जन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 8 कनाल जो कि ग्राम शिकाह में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजम्ट्री कर्ता के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्री संख्या 4750 दिनांक 30~12-1984 पर दिया है।

> एस० के० शर्माः मक्षम प्राधिकारी, सहायक ब्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रजन रेंज, रोहतक

दिनोक: 13-8-1985

मोहर 🛭

प्रकृत् भार्षः टी. एन्. एक् , ------

भाधकर श्रीधीनयस, 1961 (1961 का 43) की भाषा भारा 269-भ (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आधकार आयुक्त (भिर**ीक्षण)** श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 श्रगस्त, 1985

सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू श्रम्बाला/114/84-85:---श्रतः मुझे, एस० के० शर्मा,

आयकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, प्रिसका उचित बातार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 375/375 ए० बी० मी तथा श्रम्बाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधकारी के कार्यालय श्रम्बाल। भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 19 विसम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मून्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विद्वास करने करने का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्मित्त का उचित वाजार ब्रुव्य, उसके क्रममान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतररती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया शितफ न निम्मितिकात उद्वोचय से उन्तर अन्तरण निम्मितिकात उद्वोचय से उन्तर अन्तरण निम्मितिकात में वास्तिक करने से कींचत नहीं किया गया है है—

- (क) बंधपण से हुई किसी नाम की बावत, स्थव विश्वतिवृत् के संबीप कर दोने के बंतदक से शिवत्य में कती करने वा उत्तरे वचने में गृतिभा के सिहा; और/शा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नदा ं या किया जाना चाहिए था, खिपाने में हांबका के लिए;

ब्द्र ब्ह, ब्या बॉथीन्यम की धारा 269-य के अनुसरभ को, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्त व्यक्तियों, नर्थात :--- श्रीमती प्रीतम कौर विधवा दलजीत सिंह गुरमीत कौर पुत्नी श्री चतर सिंह निवासी --6 ग्रादर्श नगर, माङल (टाउन), ग्रम्बाला शहर।

(भ्रन्सरक

2. श्रीमती सुलक्षणा रानी जन पत्नी मुभाष चन्द जैन, प्रवीण कुमार जैन पुत्र राज कुमार, कुल भूषण जैन पुत्र दर्शन लाल पुत्र प्यारे लाल जैन हर्षद जैन पुत्र दर्शन लाल जैन निवासी श्रवाज मण्डी निकट पुराना डाकखाना, गणेश भवन, श्रम्बाला शहर।

(श्रन्तरिती)

का वह सुवना धारी काइके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्का कुम्परित के कर्पन के सम्बन्ध में केरड़ें भी बाक्षेप :---

- (क) इत त्यान के रायपण में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन की बनीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्यान की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी बनीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उपत स्थायर सम्पत्ति में दिक्ष वृद्ध किसी बच्च व्यक्ति इवारा, नभोहस्ताक्षरी के पास विवित के विक्षेत्र सकींगे।

रन्यां करण: — इसमें प्रमुक्त सन्दों जौर पदों का, जो उक्त विजित्त के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अप होगा को उस स्थाय में दिवा क्या हैं।

बर्दरी

सम्पत्ति मकान तं० 375/375 ए० बी० सी० 380 वर्ग गज जो कि देव समाज कालेज रोड, श्रम्बाला पर स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्री कर्त्ता के कार्यालय में रिजस्ट्री संख्या 6697 दिनांक 19-12-1984 पर दिया है।

एस० के० शर्मा, मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनोक: 9-8-1985

प्रकृप बाइ .टी. एन. एस. ------

बाधकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निर्देशक)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/करनाल/139/84-85---यत:, मुझे, एस०के० शर्मा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं शाप नं अVII/668 करनाल है, तथा ओ करनाल में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल है रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 17 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और कन्तरक (बन्तरका) बार बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ४—

- (क) अन्तरण सं हुद्दं किसी नाय की नावत, उन्त नक्षिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्द बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के किए;

 श्री तीर्थ सिंह पुत्र थी ज्ञान चन्दल सत राम निवासी—मि न० सी०-225 चार चमन फरनास पाहर

(अन्तरक)

2. सर्वश्री राम लाल पुत्र दरवारी राम पुत्र बूटा राम, श्रमर जीत दर्गन लाल पुत्रगण श्री राम लाल पुत्र श्री दरबारी लाल निवासी—वाबा मलक बाजार, नकोदर जिला जालंधर (पंजाब)

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी की पास विविद्या में किए पा सकोंगे।

स्पन्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसू वी

सम्पत्ति दुकान नं० 17/668 जो ि पुराना सराफा बाजार करनाल में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्री सं० 7076 दिनांक 17-12-84 पर दिया है।

> एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, रोहतक

तारीख: 13-8-1985

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भर्जन रेंज-2 रोहतक

रोहतकः, दिनांक 9 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/565/84-85—श्रतः मुझे, एम०के० शर्मा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार्ट् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ए में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिष्वार करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी हाउस नं० 203 और, 500 तथा जो सेक्टर अखंन स्टेट है, तथा जो गुड़गांच में स्थित है ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांच में रिजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 दिसम्बर, 1984

की 16) के अधान, ताराख 12 दिसम्बर, 1984 को पूर्वो कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयप्रान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वे कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,,ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंत-रितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया है:---

> अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी कारने या उपसे वचने में सुविधा के लिए; बरि/बा

> एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्थिभा के स्थिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिसमों, अर्थात :—

- 1. मेजर एल० सी० खुराना पुत्र आर० डी० खुराना निवासी—के०एम० 12कविनगरगाजियाबाद (यू०पी०) (अन्तरक)
- 2. चबेदार मेजर चमन लाल आनन्द पुत्र श्री राम लुभाया निवासी---189-बी न्यू कालोनी गुडगांव (अन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके प्योक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्से वंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबएध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों आँ.र पदां का, जो उम्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मन सूची

सम्पत्ति म० न० 2039 जो कि सेक्टर 4 अरबन इस्टेट में 500 वर्ग गण का स्थित है। जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ती के लायलिब गुड़गांव में रिजस्ट्री सं० 6733 विनांक 12-12-84 पर दिया है।

एस० के० **शर्मा** सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 9-8-1985

प्रथम भारती हो । पुन्न पुन्न विकास

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

शार्ज व्यक्ता

कारालिय, महायक आयकार अध्यक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 1 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गांव/ 568/84-85---यत:, मुझे, एस० के० शर्मा,

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसवें इसकें परचात् जिल्त विभिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-व के वभीन सभम श्रीभकारी की वह विस्तास करने का धारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्थ 1,00000/- क. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ह हाउस नं ० 69 आ र०, तथा जो गुड़ गांव में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता आक्षिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में राजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन, तारीख 13 दिसम्बर, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रपिफल का पन्तह प्रोतिक से बिधक है जार अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिक्ति उद्देष्यों से उक्त अन्तरण निवित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविचा के सिए; बार/या
- (क) एकी किसी आय या किसी का वा क्या वास्तिकों सार किसी आय या किसी का वा क्या वास्तिकों सार किसी का वा किसी का 1922 (1922 का 11) वा उन्त विकास का विकास वा वास्तिका वा वास्तिका वा वास्तिका वास्तिका वास्तिका वास्तिका वास्तिका वास्तिका वास्तिका वासिका वासिका

वतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कै वनुसरण औ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निनिवित व्यक्तियों, वर्धोत् के

- सनवा नुनगन कुनार, अतिन कुनार, अध्विनी कुमार पुतान लक्ष्मण दास मैन्दीरत्ता, निवासी-डी-22, विजय नगर, दिल्ली (अन्तरक)
- श्री प्रशोक कुमार मालिक पुत्र श्री मतवाल चन्द निवासी----68 न्यू कालोनी गुड़गांव (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथानित संपरित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुन्।

वक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेंप:---

- (क) इब त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब वे 45 विश्व की वय्षि वा तत्त्वस्वस्थी व्यक्तिकों पर व्यक्ति की तामील से 30 दिन की वविधा, को भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियकों में से किसी स्पनित हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुंच किसी बन्य स्थित द्वारा वभोहस्ताकरी के बाद निविक्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रम्यनी

सम्पत्ति मकान नं० 69-अ।र न्यू शालोनी गुड़गांव में स्थित है जिसकः अधिक विवरण राजस्ट्रीकर्ता में कार्यालय गुड़गांव में राजस्ट्री सं० 1760 दिनांक 13-12-84 पर दिया है ।

> एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, रोहतक

बारीज्यः: 9-8-1985

मोइर

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.~~~~

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक दिनांक 1 अगस्त 1985

निर्देश सं अवर्ष ए० सी । एक्यू । फरीवाबाद 9 64-85-यतः, मृक्षे, एस० के० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाबार भून्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मकान नं 1ए | 86 जोकि एन आई टीं है, सथा जो फरीदाबाद में स्थित है के श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूणं रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता 'अधिकारी के कार्यालय, फरीद बद के रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 के का 16) के अधीन, तारीख 10 दिसम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के रश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तर श्रीत का सं अधिक ही और अन्तरित (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त बन्तरण निम्नलिख में श्रीतफल रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उक्त श्रीधितयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाधित्व मों कभी कारने या उससे वचने में सुविधा से किए; जॉर/वा
- (क) एसे किसी कार का किसी धन या बन्य बास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 फे प्रयोजना अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, क्ष्म्याने बैं स्विधा के सिए;

अत: अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के, बनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिमित व्यक्तियां, अभीत :---- 1. श्री मदन लाल पुत्र नरायणदास निवासी--फरीदाबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुगीला कुमारी, सतीश कुमार, गगन कुमार नियासी-5-म/61 एन० अई० टी० फरीदाबाद (अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्यन कार्यवाहियां गुरू करता हो।

ब क्स सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षर के जन्म सिवित में किसे या सकने।

स्वच्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यगसंची

सम्पत्तिमकान नं ए/86 एन० श्राई० टी० फरीदाबाद है स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रकर्ती के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री सं० 1814 दिनोक 10-12-984 पर दिया है।

> एस० के० गर्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

वारीव : 9-8-198\$:

योहर :

प्रकप आइ.डी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्देण ग्रा० ाई० ए० सी०/एक्यू/फरीदाबाद/22/84-85---यतः, मुझे, एस० के० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी ० प्लाट न० वी-19 है, तथा जो न्यू टाऊन शिप, फरीद बाद में स्थित है (और इसते उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि ारी के कार्यालय, फरीदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 दिसन्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पावा गया श्रीतिक का, निम्निनिचित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण सिचित में बास्तिवृद्ध क्य से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमृत्तरण बै. मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ■ पक्षीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थोच :---

- 1. श्रीमिति वन्ती पत्नी श्री परस राम पुत्र श्री काला राम निवासी---1-ई-38 न्यू टाऊन शिप फरीदाबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्रीचन्द्र शेखर शर्मा पुत्र श्री शकर लाल शर्मा निवासी---3-ए-28 न्यू टाऊन शिप फरीदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों उर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में पौरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्**ची**

सम्पत्ति प्लाट न० बी-49 जो कि फरीदाबाद में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री सं० 2397 दिनांक 26-12-1984 पर दिशा है

> एस० के० गर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक धाकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रज, रोहतक

तारीख : 19-8-985

प्रकथ बाह्". टी. एन. एरा.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहसक

रोहत ः, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/सोनीपत/97/84-85---यतः, मुझे, एस० के० शर्मा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पद्यात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विक्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जियका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- सः सं अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० 1165, स० 14 , तथा जो सोनीपत में स्थित है (और संय उपायद्ध प्रत्मुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्शा श्रविकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का शंक्रह प्रतिरुत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकां) सार अनंतरिती (अंतरितयां) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरम स हुए किसी आप की बांस्ट, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा क लिए; भार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का । कहा अर्थाव आव-कार अधिनियम : 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया श्राना चाहिए था, क्रियानं में स्थिभा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिशिव व्यक्तियों, अधीव ध---

CONTROL OF THE CONTRO श्री मोहन लास खुराना पुत्र राम स्वरूप, मरीन डीं॰ इजिनिंग श्राफीसर हिन्दुस्तान मरीन टूल्स फैक्टरी पिजीर (हरियाणा)

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती नीलम ग्रानन्द पत्नी श्री केदार नाथ ग्रानन्द, श्री सन्त राम. किदार नाथ निवासी---39 हाऊसिंग कालोनी फेस न० 1 सोनीपत । (भन्तरिती)

क्री बहु बुज्बा जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यबाहिया करता 📢

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**व** सं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ब्बिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ड च्या त्या भा स**ाकासी व्यक्ति व्यास**;
- (क) इ.स. स्पना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किन्द् जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ष द्वारेगा को उस मध्याय में दिया भया भूता

बन्यची

समिति अकान मं० 1165 से एटर प्रोतीयत में स्थित है जिसकः प्रजिक विवरण "रनिस्त्रीकर्जा के हार्यालय सौतीपत में रजिस्ट्री मं० 3884 दिनांक दिसम्बर, दिया है।

> एस० के० भर्मा सक्षम प्राधिकारी यहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, **रोह**तक

सारी**ख** : 9-8-1985

प्रकथ बाह्र टी एन एस .----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६०-७ (1) के अधीन सचना

भारत शरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज, रोहतक

रोष्ठतक, दिनांक 9 अगस्त 1985

निर्वेश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/म्बाला/260/84-85— यतः मुझे, एस० के० शर्मा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्तम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रह- से अधिक है

और जिसकी स॰ गाप न॰ 5222 है, नथा जो ग्रम्वाला में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकत ग्रधिका के कार्यालय, ग्रम्बाला में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रवीन, तारीख 14 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दानें के अंतरक की दायित्व में कामी कारन या प्रस्ते क्वरण मा शृधिकथा के निए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 को 27 जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भी, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री छाणा राम धर्माय ट्रस्ट रिजम्ब सरालिया वैश हिन्दी महाजनी स्कूल शाहपुर तहुब विज्ञा छम्बाला द्वारा श्रीमति अभिकाषी पुत्र श्री राम प्रसाद श्रानरेरी सकेटरी ट्रस्ट वा श्री श्रमर चन्द्र पुत्र श्री मुन्शो राम, ट्रस्टी निवासी—देव समाज रोड़, श्रम्बाला शहर

(ग्रन्तरक)

2. मससं रेन्द्र साष्ट्रिफिक वर्क्स, गृष्ड् मडी, श्रपोजिट जैन मन्दिर, श्रम्बाला छावनी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी कारके पृवक्ति सम्पत्ति के बर्जन के किए क सवाहिंग: केरता हो।

रक्त । भारता के अजन के सम्बन्ध मा कोड़ों में। आक्षप :---

- (क) रस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति साम में के किया को स्वीवन व्यक्ति स्वीवन
- (स) इस सूचना को राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीधरणः - इशमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहाँ अर्थ होगे जो उप अध्याय में दिया

श्रनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 5222 जो कि दो मंजिली श्रम्बाला छावनी में स्थित है जिसका श्रिक्ष विवरण रिजरट्री कर्ता के कार्यालय श्रम्बाला में रिजस्ट्री सं० 6559 विनांक 14-12-1984 पर दिया है।

> एस० के० शर्मा संजम प्राधिकारी सहायक भ्रायंकर भ्रायुक्त निरीक्षण) सर्वन रेज, रोहतक

तारीख: 9-8-985

मोहर 🚜

प्रकप आहे.टी.एन्.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, तहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्देश सं आई० ए० सी०/एक्यू०/मरनाल/144/84-85— यतः, मुझे, एस० के० भर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उरित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संव शाप नंव 11/511 है, तथा जो करनाल में स्थित है (और इसमें उपावद अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधि ारी के कार्यालय, करनाल में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारिख 21विस बर, 1984

का पृथित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्शांच अरमें का कारण है कि यथापृशिंकत संपरित का उचित बाजार बृत्य, उसके द्र्यमान प्रतिकाल से एंसं द्रयमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रवाप्तिकल, निम्निलिक उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिवित् में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है है——

- (क) अंशरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने की बन्तरण क शायित्व में कमी करने या उससे वचने में शुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाप या किसी थन या नन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के निए;

बत. बब, उक्त बाधानयम की धारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त बाधानियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधान, निम्मालिकित व्यक्तियों, अथात के-- 1. श्री हरबन्स सिंह पुत्र दिवान सिंह

निवासी—एल-275 माडल टाउन, करनाल
(ग्रन्तरः)

सर्वश्री लाहोरी लाल पुत्र सुन्दर दास जेगोपाल कंवल
नारायण गित्र नारायण प्रताप लाहरी लाल
निवासी—53—54 मोहतला, मसबान कपूरयला
(पंजाब)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारी का तै 45 दिन की अविधि या तत्सं अंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवें किट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरंगे।

स्माक्षतीकरण :---इसमें प्रयुक्त खट्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

सम्पत्ति बुकान नं० 11/511 जो भिषीड़ा बाजार करनाल में स्थित है जिसका अधिज विषरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल हुरजिस्ट्री सं०7128 विनांक 21-12-84 पर दिया है।

> एस० के**० गर्मा** सक्षम प्राधिकारी सहायक जाकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रो**हतक**

तारीख: 9-8-1985

प्रकृष आहे. टी. एन एच

भागवंदर **संधितियम, 1961 (1961 का 43) की** भाग 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

ार्यालयः, सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्देश म० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/सोनीपत/108/84-85— यत:, मुझे, एस० के० शर्मा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का करण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार स्थ्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० भूमि 28 कनाल मरला है, तथा जो बाहल गढ़ में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मोनीपत पंजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर्ग 184

क्षं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य हं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कश्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के वंश्वह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निश्वत में शस्ति-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संदूष किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारमें या उसस उचने में सुविधा किन्तर, वीर/यः
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, रिजन्ह भारतीय आय-कर ब्राधीनयम, 1922 (1922 की 11) या उसत् अभिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा किया

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्तः अधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) व ४-शनः निम्म्नलिखितः व्यक्तियों, संगति ६— 16—256CI/85

- सर्वश्री लक्ष्मी नारायण पुत्र छोटू ाम पुत्र तुलसी दास, निवासी—-69 / पी० स्टेट कालोनी, सेक्टर-14, सोनीपत । (ग्रन्तरक)
- 2. मर्बधी रिवन्द्र कुमार सरीन, गुरेन्द्र कुमार सरीन, कौणल कुमार सरीन, पुतानधी राम सहाय निव सी--ओ-11, इडस्ट्रियल एरिया, मोनीपत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारिकरको पृथोंकित सम्परित के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हु।

उब्त सर्पात्त के अजीन के गुजध में काई भी बाक्षण ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन है भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विष् ने। सकेंगे।

स्वष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सची

सम्पत्ति भूमि 28 कनाल 4 मरलेजो भिबहलगढ़ में स्थित है जिसका श्रीधक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के रार्यालय सानीपत में रिजस्ट्री सुरु 4189 दिसम्बर, 1984 में दिया है ।

> एस० के० णर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, रोहतक

तारीख: 9-8-985

प्रकृप आह. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्देण स० श्रार्थः ए.सी०/एक्यू० फरीदाबाद/21/84-85— यत:, मुझे, एस० के० र्मा,

-त्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० बी प्लाट जी-49, तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प मे विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फरीदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 दिसम्बर, 19854

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषिस बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशान से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अंतरण लिखित में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे स्थाने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसं शय या किसी धन या अन्य आस्त्रियां की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण मो, नी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) ते अधीन, िस्विमित व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. श्रीमती राजवन्ती पत्नी परस राम निवासी—ग्राई०/38 एन० ग्राई ० टी० फरीदाबाद (श्रन्नारक)
- डा० वीना गुप्ता पत्नी डा० एम० यू० गुप्ता 'निवासी--- भ्राप्च-60 बी०पी० फरीदाबाद । (ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट न० जी-49, 264 वर्ग गज जो कि फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय फरीदाबाद में रजिस्ट्री सं० 2396 दिनां है 26-12-1984 पर दिया है।

> एस० के० गर्भा सक्षम प्राधिकारी महायक प्राप्तकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, रोहतक

तारीख : 9-8-1985

प्ररूप आई, टी. एन. एस. -----

बाधकार बांधानयम, 1961 (1961 का 43) की बाधकार 269-म (1) के बाधीन समाना .

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आषकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी० /एक्यू०/सोनीपत/ 98/84-85---यतः, मुझे, एस० के० शर्मा,

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क्य कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी स ई-342 यूनिट तथा जो सोनीपत में स्थित है (और इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख़ दिसम्बर, 1984

नवं प्वोंक्त संपत्ति के उण्यत काकार मृत्य से कम के क्रायाम प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई हां और मुक्के यह विश्वास करने का कारण हो कि सभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उण्यत वाकार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकास से, एसे स्थमान प्रतिकास का पंतह प्रतिकास में अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास के लिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में धास्त विक रूप से कारित कर से कार्यक नहीं भिराण गया है?

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वायत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा खेलिए; बॉर/सा
- (ख) एंसी किसी आम या किसी धन या रूव आस्त्यां करें, जिल्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाडिए था स्थिनने में सुविधा के लिए;

अतः जर, अथरः विभिनियमं की धारा 269-ग के अनुरूपण पा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जयधारा (1) के विधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, वर्षात् के

- मैंसर्स पापुलर एतेमल वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड ई-34, इंडस्थिल एरिया सोनीपत द्वारा एन० के० चुग लिक्वीडिटर 157-ए ब्लाक, श्रनाज मन्डी सिरमा। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स ग्ररोमा कलर्ज प्रा० लि० बर्जारएश्री रिवन्द्र सेठ डाइरेक्टर इडस्ट्रियल एरिया सोनीपत । (ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब अ 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, भो और वक्षि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दितववृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया कथा है।

अनुसूची

सम्पत्ति फैंक्टरी ई-34 इंडस्ट्रियल यूनिट **मोनीप**त में स्थित है जिसका ग्रश्विक जिवरण रिजस्ट्रकर्ता **के कार्यालय** सोगीपत में रिजस्ट्री मुठ 3891 दिसम्बर 84 में दिया है।

> एस० के० गर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्राकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज, रोहतक

दिनांक : 9-8-1985

मोहर 🙎

प्रारूप बाई .टी . एवं .एस . ------

बायकार अधिनियंग, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत त्ररकार

कार्यासय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/जीन्द/101/84-85--यत:, मुझे, एस० के० शर्मा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णास करते बा का कारण है कि स्थाबर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी भूमि 28 कनाल 5 मरला, था जो गुलाब नगर में स्थित है (और में उपायद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 12 दिसम्बर, 1984

कां पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त संपति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिक कम से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) कल्यारच चे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनयम की अधीन कर यंत्रे को बन्तरक के शायिरच में कसी करने या उक्त से सचने में सुविधा वी निष्; जीर/वा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को चिन्हें धरसीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा व सिष्;

जतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री पवन कुमार पुत्र बलवन्त राय, निवासी—जगाधरी मैंस्बर झरहन्त को-प्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाटी गुलाबनगर, तहसील जगाधरी (अन्तरक)

. An are mess aras alma a c

 श्ररहन्त को-श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसा तहसील जगाधरी

(ग्रन्तरिती)

च्छे ब्यु ब्याबारी करके प्रांक्त सम्मरिस क अजन के रिकार कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्यना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर गुर्वेका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा,
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दिकिरणः--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 28 कनाल 5 मरले जोकि गुलाब नगर में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में रिजस्ट्री सं०53/39 दिनांक 12-12-84 पर दिया है।

> एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 9-8-1985

शक्षेत्र वार्षे . टी ऐंग एमं .-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के कभीन सुचना

गारत चरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जागुक्त (निरीक्षण)

अर्थामर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 अगस्त 1985 निर्देण सं० धाई० ए० मी०/एक्यू०/गुङ्गांव/560/84-85---यत:, मुझे, एस० के० धर्मा,

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ. के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, गह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य.

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संव हाउस नव 1052 है, तथा जो गुड़गांव में स्थित
ई (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजन है),
रिजस्ट्रीकर्ता आधकारी के जार्यालय, गुड़गांव में रिजस्ट्रीकरण
4 दिसम्बर, 1984

की पूर्वेक्स सम्पत्ति के उच्चित्र बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित के गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण संबुद्ध किसी बाय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्वित्य में कमी करने मा उन्नसे बचने में स्विधा सै जिस्; और/या
- (च) एसी किसी बाग या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना धाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

जंतः अब. उत्तर विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण माँ. माँ तक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के प्रण्या, निस्तिखिल व्यक्तियाँ, अभाते अन शि गोक यादव पुत्र जे० एन० सिंह, निवासी—एस० 370 ग्रेटरकॅलाश भाग-2 नई दिल्ल (अन्तरक) श्रीमित कान्ता यादव पन्नी मेजर जनरल एम० एल० यादव द्वारा एम० जी० ए० ओ० सी० दिल्ली (अन्तरिती)

का बृह सूचना कररी कारकं प्राक्त संपत्ति कं अवन के क्रिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विव की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गुभना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाध्त होती हो. के भीता प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थाकीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सबक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में जिया गया है।

नन्त्वी

म्पत्तिम० नं० 1052 जो कि गेक्टर 14 में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजिस्ट्री इर्ता कार्यालय गुड़गांव में रिजिस्ट्री सं० 6628 दिनांक 4-12-84 पर दिया है।

> एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आकर आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

तारीखा : 9-8-985

महिर:

प्ररूप आहर्, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक

्रोहतक, दिनांक 9 अगस्त 1985 मं० आई० ए० सी०/एक्य०/सोनीपत/107/१

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/मोनीपन/107/84-85— यतः, मृक्षे, एस० ये० धर्मा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00°000/- रा. से अधिक हैं

ब्यौर जिसकी सं० भूमि 123 कनाल 3 मरले है, तथा जो झुण्ड पुरा में स्थित है (ब्यौर इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण क्लप से वर्णित है), रिजिल्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984 (महीना)

को पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्ध यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निशिक्त उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्तै नियम के अधीन कर बेने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भगकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अथित् :--- ाः श्रीमति सरस्वती देवी पत्नी श्री फूल चन्द, सोनीपत द्वारा फुल चन्द जनरल एटोनी

(अन्तरक)

 श्री देवराज पुत्र बोधा राम निवासी झुण्डपुर जिला—सोनीपत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 123 कनाल 3 मरले जो कि झुण्ड पुरा में स्थित है विका अधिक विवरण रजिस्ट्रीक्ती के कायिलय सोनीवन में रजिस्टी संब 4184 दिलांक दिसम्बर में दिया है।

> एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

सारीख : 9-8-1985

माहर 🥫

प्ररूप आई .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेज, रोहसक

रोहतक, दनांक 9 अगस्त 1985

निर्देश सं० श्राष्ठी०ए०मी०/एक्सू०/फरीदाबःद/ 1 1/84-85---श्रतः, मुझे, एस० ইং০ শর্মাঃ

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण ही कि स्थाता महाति. जिल्हा उपिय बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीप जिन्नकी सं० 5ए/48 है था जो फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप ने विणित है). रिजस्ट्री इत अधिकारी के कार्यालय, फरीदाबाद में रिजस्ट्री-अरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21 दिसम्बर, 1984

का प्रवासित सम्पत्ति के उचित साजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिपत्त के लिए प्रस्तिति की गई है भीर मुझे यह दिश्व करने का कारण ही कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उपलत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकृत ने, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र अ प्रतिशत ने भिष्ठ है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिः (मन्तरितियों) क बीच हेरे यस्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, अन्तरिलिय ने हेश्य से अन्त भन्तरण मिलस में बाजाबिक अप से हिल्स नहीं किया समा है :----

> (क) अन्तरण संहुद्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरकः के दायित्व मा कसी करने या उसस बचन मो सुविधा के लिए; शर्रिया

ा किसी णय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर अधिनियम, या अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अधावनाथ अन्तिरिसं (कार) प्रकट नहीं अवा नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नर्भक्षा के निय;

जतः सदः, उक्तं विधिनियमं की धारा 269-ए क जनसरण मं, में उक्तं विधिनियमं को धारा 269-ए को उपधारा (1) के अधीर, जिस्सिलिसिल व्यक्तियों, वधाति क्ष्यान

- श्री महापाल पुत्र श्री राम लाल निवासी—- 5ए 48 त्यू टाउन शिप फरीदाबाद (अन्दरक)
- श्रीमती शकुन्तला देवो पत्नी श्री मिठ्राम कपूर पुत्र श्री तारा चन्द कपूर, निवासी—- 5-पी- 3, त्यू टाउन णिप, फरीदाबाद (अन्तरिती)

को **यह सूचना जा**री करके गुनीयर सम्पोत्त के **अजेन के लिए** कार्यशासियों करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के लर्जन के संबंध में कोई भी काश्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस पे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृजना की हागीत से 30 दिन की अनिधि, जो भी अविधि बाद में समाप्य हांती हों, के भीतर पृत्रेक्सि व्यक्तियों में सुकियी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस स्थान क राजपत्र में प्रकाशन को तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास का किस्ता का सक्तीं।

स्थान्द्रीकरणः — इसम प्रयुक्त शन्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्मत्ति प्लाट नं० 5-ए-48 रक्तबा 240 वर्ग गज. जो कि करोदम्बाद में शियत हैं। जिसका अधिक विवरण र्याजस्ट्रीकर्ता के हार्यालय, फरीदाबाद में र्यायस्ट्री सं० 2323 दिनांक 21-12-84 पर दिया है ।

> ्स०के० णर्मा यक्षम प्राधिकारी सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, रोहतक

हारीख : 9-8-1985

प्ररूप आहू^र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानरः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहनक

रोहतक, दिनोक 9 अगस्त 1985

निर्देशसं० आई०ए०नी०/एक्यू०/गुड़गांव/561/84-85— यतः, मुझे, एस० के० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी मं० हाउस नं० 467 सैक्टर 14, घरबन इस्टेट है, तथा जो गुड़गांव में स्थित है (घ्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में घ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी ब 4 दिसम्रब, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एोर अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दब्शय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक एप से किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के चिए;

अतः ४व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकालिकत व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. **श्रीबी**ं डीं॰ ध[्]न पुब टोपन हास निवासी 1/92 सरोजिनी नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री प्रवीन कुमार शिष्क पृत्र श्री राम किणन विणिष्ट श्रीमती रेखा विणिष्ट पत्नी प्रवीन कुमार विशिष्ट विवासी गांव व पोस्ट आफिय चरत गढ़ जिला ऊना (हिमाचल प्रदेश)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ·(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे.हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

सम्पत्ति मकात नं० 467, नेक्टर 14 अरगा ईन्डेट में 350 वर्ग गज का है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 6632 दिलांक 4-12-84 पर दिया है।

> एस० के० शर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोंज, रोहत ह

दिनांक 9-8-1985 मोहरः प्राक्तप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काशीलय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहन ह

रोहनक, दिनांक 9 अगस्त 1985

निर्दोश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/हिसार/78/84र85— यतः, मझे, एस० के० शर्माः,

वायसर जारेशनियम, 1961 (1961 मन 43) (जिस इससे इसके प्रचास प्रक्त अधिविषय के क्षा प्रचास है, की भारा 269-व के अभीष सक्षम नाजिकारी को वह विकास करने का आरण है कि स्थान र सम्बद्ध है विकास उपाय क्षा करने का अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप तं० 176 है, तथा जो हिसार में स्थित है (श्रीर इमरो उपाबज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री उर्ना अधि अरी के सार्यालय, हिसार में रिजस्ट्रीकरण अधिपियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक 3 दिसम्बर, 1984

का, प्रतिकार, वपारित को वर्णकत बाबार कृष्य से का की स्वस्थात प्रतिकाल के लिए जंतरित को गई है जीर कृष्णे वह विश्वास करने का भारण की कि स्थापनित को स्थापन के का भारण की कि स्थापनित के स्थापन के का स्थापन की का प्रतिकाल के किए तम् श्री का प्रतिकाल के किए तम् श्री के किए तम् की किया का है है——

- (अ) रायरण से हुई फिर्ची आब की बाबस, उक्स भिक्षितिश्व की बधीन कर दोने के अन्सरका की बार्धिया में कभी करने वा उसमें बचने में सुनिया के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी फिसी अाय या किसी भन या अन्य गास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा राज्य प्रतिशियम, 1957 (1957 का 27 अ प्रश्निवास अंधिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण ला मा ने एक नाम चाहिए था. खियाने में स्वित्य रह किस

 गर्बश्री राम प्रयाद, सीना राम पुत्रान बाला राम पुत्र श्री बुध राम, भगवान दास पुत्र रोणन लाल पुत्र श्री बाल। राम

निवासी गण--काठ मण्डी, हिसार ।

(अन्तरक)

श्रीमती रागरानी पत्नी विजय कुमार पुत्र चिरंजी लाल अग्रवाल, श्रीमती देवकी देवी पत्नी सुरेश कुमार पुत्र चिरंजी लाल अग्रवाल, निवासी गण दुकान नं० 34 मण्डी आदमपुर. जिला हिसार।

(अन्तरिती)

करें मह्र**ाग पारी करके प्रवेक्ति सम्मत्ति के वर्जन के लिए** कार्यकाहियां श्रकरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकायम की तारमेंचा में प्रश्न की जमीश या तत्वंचकः व्यक्तिकों प्रश्न सूचका की वालील के 30 किंग की व्यक्तिंग, को की वालीय कर में समान्य होती हो., में भीतर क्षिका व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इंग्लिंग;
- (वा) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारींच के 25 दिन के भीतर उन्दर स्थावद सम्पत्ति में हिस्त-वद्ध किसी व्यक्ति द्वास, व्यक्तिशास्त्री के सब किस्तिय में निष्ण का सबीचे।

काक्षरीमाज्ञान :---इक्कॉ प्रमुक्त संख्यों कीर वर्षों का, को जबस अधिनियम, से सभाय 20-का में परिभावित ही, बहुई मर्थ होगेः को उस मध्याय में विका रूप ही।

अन्स्ची

सम्पत्ति दुकान नं० 176 जो कि अताज नण्डी हिसार में ्रियन है जिन्हा अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिनार में रजिस्ट्री सं० 4108 दिनांक 3-12-84 पर दिया है।

> एम० के० णर्मा सक्षम प्राधिकारी पहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, रोहनक

दिनांक 9-8-1985 मोरा .

इक्ष्य बाह्रीत कीत एक्त पुक्त न्यान

बायकर ज्यिनियम, 1961 (1961 का 43) की पास्

बाह्य ब्रह्मा

कार्यातय, सहायक जायकर भायकर (मिरीक्षण)

श्रर्जनरें ज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 28 श्रगमत 1985

निवेश सं० टी॰श्रार-12/ 85-86/ एस॰ एम॰ 1036 शाई॰ ए॰ सी॰/एक्सू॰/ ज-1,क्लकत्ता—श्रत: मृझे, एस॰ के॰ बनर्जी,

धायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'उक्त किंपिनयम' कहा गया हैं), की वारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परितः, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 53 है, तथा जो मईद श्राशिर ग्रस्ती एवेन्यू, कलव ना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रार०ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, (1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के अकित बाकार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का कृष्य, उसके द्रयमान प्रतिफल को क्ष्यूर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अम्तरिती (अम्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के सिए तथ काया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अंतरण मिलिकत में बास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उसमे उचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिभाने में सविधा के लिए:

अतः कत, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें- भें-, उक्त अभिनियम की धारा-269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितिसित व्यक्तियों, अर्थान ह—

(1) श्री रजीन्द्र नाथ दत्त एवं मोहन मुख्ती दक्षा।

(ग्रन्तरक

(2) हातिनो एस्टेट प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर्के पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन् के लिए निए कार्यवाहियां करता हूं।

रक्त सम्मत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप एन

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 विन की अविभ या तत्त्रव्यी व्यक्तिमों पर स्वना की ताजील से 30 दिन की जबिंग, जो औी व्यक्ति बाद में तजाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास:
- (क) इस सूचना के राखपत्र मं प्रकाशित की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डि्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया भूसा हैं।

अमुसुची

53 सर्हद ग्रांशिर ग्रंभी एवेन्यू, कलकत्ता में प्रब स्थित 27, काठा 2 छिटाँक एवं 8 वर्गफिट ग्रायतन जमीन के उपर मकान जो रिजस्ट्रार ग्रंब एसुरेन्सेस के दक्तर में, डीड सं०-I-15186 के ग्रंनुसार 15-12-1984 तारीख में रिजस्ट्री हुग्रा।

एम० के० वनर्जी शक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकता

दिनांक: 28--8--1985

मोहर 🦿

म्बन्द बाहु है ही है हुई हुई कुन्यकार क

नायकर निधृतियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-प (1) में नधीन मूजना

भारत् व्यक्त् कार्यातन, सद्दायक वास्कर वायुक्त (निप्रीक्स)

म्रर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 28 ग्रगस्त, 1985

निदेश सं० टी० श्रार०-1485-86/एस०एल 1037/श्राई०ए०सी०/एक्यू० श्रार०-I/कलकत्ता— श्रतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मून्य 1,00,000/- रु. से मिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 258 है, तथा जो लेनिन सर्राण, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रार०ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 22-12-1984,

को पूर्विकत सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रावमान प्रतिफाल के निए अन्तरित की गई है कि मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बीच अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के जिए क्व श्वास से अस्तर अन्तरक विषय के सिक्तर के

- (क) अन्तरण तं शुर्थ किली आय की वासत, अन्तर विभिन्निय के अधीन कर दोने के अन्तरक कं राज्यित को कती करने वा उसते वचने के कृतिथा के जिए; जीट्र/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ्र आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर कृषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया बाता था, जियाने में सुविधा के लिए,

अतः अवः, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) काली दुर्गा इस्टेट।

(अन्तरक)

(2) सुजाना एन्टरप्राईजेंस ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुपना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति भी वर्षन के कि कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त कमस्ति के वर्षण में तम्बन्ध में कोई भी बाक्षप 🛶

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकासन की तारीचा वें 45 दिन की अमिध या तत्संबंधी स्थितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अन्विध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब छै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वाय अभोहस्ताक्षरी के पाड़ सिवित में किए जा सकोंगे।

रचकाकिरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को जनक जिभिनियम, के जभ्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं जर्थ होंगा को उस अभ्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

258 विनिन सर्गण, कलकत्ता में अब स्थित मकान का पहला तल्ला में 6,63 बर्ग फिट श्रायतन का रूम नं० 2, जो रिजस्ट्रार अब एसुरेन्सेम के दफ्तर में डीड नं०1-25559 के अनुसार 1 22-12-1984 तारीख में रिजस्ट्री हुआ है।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरेज-1, कलकक्षा

वारीख: 28-8-1985

THE TRUE WALLES

आप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) चे वचीन पुडना

भारत सहस्राह

कार्यालय , स्वायक वायकार बायक्क (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, कलफत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 24 श्रगस्त 1985

निदेश सं० टी०श्रार०-16/85-86/एम०एल० 1038/श्राई० ए० सी०/एमयू०रेंज-1, कलकत्ता—श्रातः मुझे, एस० के० वनजी, भागकर अध्यानग्रम, 1961 (196) का 43) (जिए उत्तर इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व के वधीन सभग प्रतिभक्तारी की यह विकास करने के कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका अधित ग्राह्म करने कि नारण हैं के स्वावर सम्पत्ति, जिसका अधित ग्राह्म करने कि 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 58 है तथा जो रतन सरकार गार्ड सर्ट्रेट कलकत्ता-7 में स्थित है (भीर इससे उपाबन्न अनुसूची में भ्रार पर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्राप्० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-12-1984;

को पूर्वोक्त सम्मिक्त के विश्वत बाजार मूल्य से कम को हम्हराहर प्रतिफल के लिए बंसरित की गई है और मुम्हें यह विश्वत अवस्थित करने का कार्ण है कि स्थाप्योंक्त सम्मित्त को उपित अवस्थ मृत्य, उसके द्रस्थमान प्रतिफल से एक अवस्थ विश्वत का रूपे मृत्य, असके द्रस्थमान प्रतिफल से एक अवस्थ विश्वत का रूपे (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तब विश्व अध्याप प्रतिकास, निम्निसिन्द उन्नदेश से उस्त अध्याप विश्वीसक वे वास्त्यिक स्व से क्षित नहीं किया प्रश्नी क्रिक

- (क) वंतरण से हुई किसी आय की वायता, उक्त अर्थिक निवस के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व को क्री किसी के विस्तु की किसी के निस्तु विस्तु की किसी के निस्तु विस्तु की किसी के निस्तु विस्तु की स्वाप्त की निस्तु की स्वाप्त की निस्तु की स्वाप्त की स्
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अभ्य कांश्रियों की जिन्हों भारतीय धायकर अधिनियंत्र, १०१० (1922 को 11) या उक्त अधिनियंत्र, १०१० विकास कर अधिनियंत्र, १९७७ (१९७७ विकास वित

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) श्रीमत्ति पानबाई पाँटोडिया।

(अन्तरक)

(2) श्री राधेश्याम अग्रवाल एवं श्रीमति विवेती देवी ग्रग्रवाल ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु कुकना बाही करके पूर्वकित सम्पार, के अर्थन के ितर कार्यकान्य हो करता हो.

सकत एक्परित के अर्चन के सरकरन है। उत्तर रहे बालक

- (क) इस सुचना के राज्यक में प्रकाशन की सारीख क 45 विन की अविधि या तत्सम्याणी व्यक्तियों पर भूणना की सामील से 30 विश्व को अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हुत्सी हो।, के भीतर प्रकेश श्वविसामी में से किसी क्यों कर १ विश्व
- (क) इस स्थान को राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए का स्कोंने।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों बार पद्म का, या उक्त अधिनियम के अध्यस्य 20-क या प्रशिक्षाचित हाँ, वहीं अर्थ हाँगा जो जस अध्यस का विका भया है।

अमुसूची

58 रतन गार्डन स्ट्रीट, कलकत्ता-7, में श्रव स्थित श्रंशत : वार तल्ला एवं श्रंशत: पाँच तल्ला मकान, 4 काठा 2 छिटाक एवं 42 वर्ग फिट श्रायतन जगह जो राजिस्ट्रार श्रव एसुरेन्सेस के दफ्तर में डीड नं०-I-15694 के श्रनुमार 26-12-1984 तारीख में रिजिस्ट्री हुशा है।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रें ज-1, कलकत्ता

तारीख: 24-8-1985

मोहर

प्रका भार ती . एन . एस . -----

क्षायकर व्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत बरकार

कायां सथ, सहायक जामकर जाकुकत (किसीका) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनाँक 24 ग्रगमन, 1985 निदेश सं० सी०ए० 105 ए/85-86/एस० एल 1039 श्राई० ए०सी०/ एक्यू० ग्रार-J/कलकत्ता—— श्रतः भुझे, एस०के० बनर्जी.

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतर्जे इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गना हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह निकास करने का कारण है कि स्थानर तम्पत्ति, जिसका उक्ति गकार मूला 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी लं ० 62बी ० है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी ०, श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-12-1984,

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य वे कान के जानाना प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते बहु विकास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उपके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकास का पन्द्रह् प्रिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पासा गया। प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित के वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आंध की, बाधत, उक्का अधिनियप के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन वा अस्य आस्तिवों को जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उ**पधारा (1) के अधीम, निम्म**िनीयुत व्यक्तियों, अर्थात् 8—** (1) श्री पूरण जी दुदानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति श्रार० एम० बायिजा।

(ग्रन्तरिती)

का बहु तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिल् जनक सम्मतिः के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इत ब्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्वाना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी जनीश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सक¹गे।

स्पन्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्क अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

62 बी० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रव स्थित 'नीलम एपार्ट-मेंटस में प्लाट नं० 2, जि० जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रंज-2, कलकत्ता के पास सीरियल नं० सी०ए० 205 ए के श्रनुसार 7-12-1984 तारीख में रजिस्ट्री हुमा है।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-2, कलकत्ता

तारी**ख**ः 24-8-1985

प्रकार वार्ड. टी. एम ् एस : ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकाउ

कार्यासय, तहायक जायकर बाव्यत (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 ग्रगस्त 1985

निदेण मं० ए० भी । 109/85 · 86/मीरियल 1040--न्नाई० ए० सी०/एक्य आर-I/कलकत्ता अतः मृत्ते, एस० के बनर्जी, वायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मन्य 1,00,000 र. से प्रधिनः है

और जिसकी सं० 28, है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता 26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती भ्रधिकारी के कार्यालय सी० प० भाई० ए० सी० प० भर्जन रेंज-2 कलकत्ता में रजिस्टी-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 28 दिसम्बर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के अभित बाजार मुख्य से कम के धरयमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वायत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके क्रयमान प्रतिफर्तसे, एसे क्रयमान प्रतिफल कां पम्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाॅ) और अंत÷ रिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त वंतरण मिचित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त किंपिनियम के अभीन कर दोने के अंतरफ के रामिस्य में क्षमी कारने या उससे बचने में सुविधा की निराप: गरीग/का
- 🐿) एोमी फिली आय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ का. जिन्हीं भारतीय भाषकर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या **उक्त विधितियक्ष, या** भवकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया नया था बा किया जाना चाहिए था फिपाने में सुविधा के निष्;

बतः जब, उक्त विधिनियम की भार। 269-ग के बनुतरम मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) 🛊 क्यीक निस्तिलिक्ति स्विक्तमाँ, **म्यान्ध**---

- (1) महम्मद णहिद तथा अन्याय (माइनर) जिसका पिता शेख महम्मद ग्राब्धास (ग्रन्तरकः)
- (2) कलकत्ता म्नेडिट कारपारशन लिमिटेड । (भ्रन्तरिती)

को यह त्यमा बारी करके प्राम्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कड़ता 🚛 ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विम की समित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की मनभि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स श्योक्तयां में स किसी स्पक्ति बुवारा;
- (ब) इब स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीखड़ उक्त स्थालर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्तित दुवारा बभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्रीकरण:---इसमा प्रयुक्त जन्दों और पर्वो का, जो उक्त मधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हों, बहुरी अब हुएंग को उस अध्याय में विया ुद्धाः 🗱 🕡

श्रनुसूची

24 पार्क स्टिट कलकत्ता 26 में श्रवस्थित पार्क सेन्टर चिल्डिंग में 2300 वर्ग फिट श्रायतन का ग्राफिस रूप नं० B डी० जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर भ्राय्क्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज - 2 के पात सिरियल नं० सि० फ० 209 के अनुसार 18 दिसम्बर 1984 दिनांक में रिजस्ट्री हम्रा।

> एस० भे० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक 14-8-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. अ-------

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक्ष आयकर आमक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० सीं० ए० 11 4/85-86/सीरियल 1041 आई० ए० सी० एक्पू आ. I/कलकत्ता—प्रतः मुझे, एस० कै० बनर्जी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख वो अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकों सं० 33 ए है तथा जो चौरंगों रोड़ कलकत्ता 16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता ग्रधिकारीं के कार्यालय सीं० ए० ग्राई० ए० सि० ग्रर्जन रेंज -2 कलकत्ता सें रजिस्ट्रींकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 22 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण किचित में बास्तविक रूप से किचल नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, नक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा डेलिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम. 1922 की 11) या उक्त अधिनियम. या धन-राष्ट्रियों नियम. (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन: निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुदर्शन कुमार जालान एवं श्रीमतीं मिनाक्षी जालान

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स सि॰ ग्राई॰ प्राईवेट लिमिटेड (ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गवा है।

वन्स्ची

33ए चौरंगीं रोड़, कलकत्ता में अवस्थित, मकान चैंटर्जी इन्ट्रनेशनल सेन्टर" का 22 तल्ला में प्लाट नं० ए 2 जो सेक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज —I कलकत्ता के पास सिरियल नं० सि० ए० 2214 के अनुसार 22 दिसम्बर 1984 दिनांक में रजिस्ट्रीं हुआ।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I कलकत्ता

दिनांक: 14-8-1985

मोहर '

प्रकल् कार्यं , की , एक , क्यू ,-वर्टन

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-व (1) के बचीर स्वया

STAN GEARS

कार्यात्वन, बङ्गानुक भाषकार नानुका (रिक्टीवान)

श्चर्जन रेंज-1 कल≆त्ता कलकत्ता दिनांक 14 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ए० सीं० 115/85-86/सीरियल 1042 आई० ए० सी०/एक्यू आर-1/कलकत्ता—अतः मुझे एस० के० बनर्जी बावकर करियनियम, 1961 (1961 का 43) किंव इसमें इसके करवाद 'उन्दर अधिवियम' कहा गमा हीं, जी भारा 260-स ने वर्षीय क्यान प्रतिभक्ता के वह नियमण अपने का सारग है कि स्थानर बन्धित, जिसका दिवस बाबार मूल्य 1,00,000/- कः से अधिक है

और जिसकों सं० 9 है, तथा जो कमांक स्ट्रीट कलकत्ता-29 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय सीं० प० आई० ए० सीं० अर्जन रेंज-1 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्मित के उपित वाषार बुग्य से काम के करवान प्रतिकास के लिए अंबरिय की नहीं ही गरि भूमें वह कियाब नारने का वारण ही कि वभापुर्वोक्त बंगीत का जीवत करवार पूर्व अबने कावनात प्रतिकास का पान्त प्रविक्र कावनात प्रतिकास का पान्त प्रतिकास से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकास, निकासित उद्देशय से उक्स अन्तरण निकास में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तहम से हुई किसी जान की नानत उनक निम्हितनेन के नशीन कर दोने के अन्तहक के स्विधास में सभी कहने या उसने नकने में स्विधा के जिए; मीक्ष्या
- (थ) एंसे किसी जान ना किसी पन ना नान शतिकारों की, जिन्हों भारतीय लावकर नीभीनवज, 1922 (1922 का 11) ना उत्तर अधिनित्रज्ञ, या धन-कर निधिनयम 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ कुन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया च्या था ना किया बाना चाहिए था, कियाने के ब्याया वी किया

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) डे अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् हे—--

- (1) मैं ० श्रिमिंग इस्टेंट्न प्राइवेट िमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) मैं ० गिस्ट ट्रेंड प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरितीं)

को यह कृषना वासी करके पृथायिक सम्बन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुक करका हुं।

क्या क्रम्मीरक के वर्षण के क्रम्पण में कोई भी मान्नोय :---

- (क) क्षेत्र कृष्ण के उपयुक्त के प्रकारण की सक्तीय से 45 किया की अपनिथ का सरकारणी काविताओं कर सूचना की सक्तीय के 30 किया की अपनिथ, जो भी अपनिथ बाद में सनाना होती हो के भीतर प्रवेदित क्षिताओं में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) एक स्वता के रायपण में प्रवासन की तासीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्बद्धि में द्वित-व्या कियी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए वा तकोंगे।

स्पध्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और वदों का, जो उक्त बीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9, ऋमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति का पहला तल्ला में 238.52 वर्ग मीटर सराह जो पक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायक्षत निरीक्षण) श्रर्जन रेंच-2 के पास सिरियल नं० मी० प० 225 के श्रनुसार 26-22-84 तारीख में रजिस्ट्री हुन्ना।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरोक्षण) श्रर्जन रेज-1, कल उत्ता

दिनांक : 14--8--1985 मो**हर**

अगयकर तिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज−2, क्लक्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 श्रगस्त 1985

निदेश सं० सीं० ए० 116/85-85/िं० 1043/ग्राई० ए० सीं०/एक्पीं० ग्रार०-1/्लक्पांन--ग्रत मुझे, एस० के० बनर्जी

ाष्ट्र र प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त पिधिनियभ' कहा गया है), की भारा 200-स के अधीन नक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तन्त्रीत, जिसका उचित सुधार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 77/2 बीं है तथा जो पार्क स्ट्रीट. शराइता में स्थित (और इससे उपाबंद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकृती ग्रिधिकारी के ार्यालय, सीं० प० ग्राई० प० सीं० ग्रर्जन रेंज-2, कलकृत्ता में स्थित (और इससे उपाबंद ग्रनुसूची में और भ्रण रूप से वर्णित है) तारीख 28-12-1989

को पूर्वोक्त तंत्रीक को उपित वाधार मूख्य से कम के स्वयमान प्रीविक्त के लिए अंकरित की नहीं है जीर मुख्ये यह निश्वास करने का कारण है कि नभापूर्वोक्त संगीत का उपित कथार मूख्य, उसके स्वयमान प्रतिपक्त से, होते स्वयमान प्रतिपक्ष का दुष्या प्रतिशत अधिक ही बीर अन्तरक (मन्तरकाँ) और मन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच होते अन्तरण के लिए तस गया गया प्रविक्रक, निम्नीविक्त उद्वोक्य से उक्त मन्तरण निमित में वास्तिवक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम संहूर मिली काब की बन्तरत., उपल नियमिक्स के बचीन कार दोने के बन्तरक के वामित्व में काबी कारने ना नज़ने बचने में सुविधा के सिए; बरि/वा
- (भा) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय अन्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, (957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता करिहए था किया में पित्रपा के निराह

(1) श्रीं रसेन कुमाः जयसवान एवं श्रीं राजेश कुमार जायसवान ।

(ग्रन्तरक्)

32729

(2) स्टार अक्साइड् एण्ड केमिक्टन प्रामें लिनिटेड । (अस्तरिती)

को यह सूचना चारी करके वृज्ञोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवारियां कुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जन्दिय वा बर्जन्य की व्यक्तियों पर क्वान की तानील से 30 दिन की सविभ , को भी सविभ शव में समाप्त होती हो, को भीतर प्राविश क्वान की से दिक्की स्थानक हुनाया.
- (स) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पीत में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षा के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का को जकतं अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुस्यो

77/2-बीं, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित मकान वा तींमेरा तत्ता में फ्लेट गं० 28 जो सक्षम प्राधिकारीं (सहायक प्रायात प्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, के पास निरिधत गं० सीं प 226 के अनुसार 28-12-89 तारीख में रजिस्ट्रीं हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्रधिवारी सहायक ग्रायः⊽र आयुक्त (निरीक्षण)

> > ग्रर्जन रेंग-2, कलकत्ता

तारींष * 24--8--1985

भारत करकार कार्याक्य, सहायक जायकार जावूनत (नि<u>र्</u>काक्त)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 14 अगस्त 1985

निदेश सं० सी० ए० 117/85—86/सिरियल नं० 1044 आई० ए० सी०/एम्बी०-आर०-1/कल इला--अतः मुझे, एस० के० बनर्जी

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बाद्य 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धा, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 28-बी है तथा जो सेम्सपियर सरणी कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी० ए० आई० ए० स० अर्जन रेंज-2, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 28 दिसम्बर, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित सामार मूल्य में क्रम के रूप्यभाव प्रतिकास के लिए अस्तरित की नहीं ही बीर मूझे वह किस्तास करने का कारण ही कि जमापूर्वोक्त कम्मति का उपित बाजार मूल्य उतने स्थानान प्रतिकास से, ऐसे स्थामान प्रतिकास क्रम पन्त्रह प्रतिकात से अधिक ही और जंतरक (जंतरकों) और बंतरिती (जंतरितियों) के बीच हेसे मंतरण के लिए हम बाया गया प्रतिकाल, निम्मतिनित उद्वेष्य से उत्तर अन्तरण लिजित में वास्त्रविक रूप से कारण कर ही म्यानिक क्रम से कारण कर ही क्रमा बाही है ---

- एक) मन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त नीधनियम को अधीन कर डोने की अन्तरक को दाबित्य में केनी करने वा समसे बचने में शक्तिका के मिन्दु बारि/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भरतीय अध्यक्षण अधिनियम, १०२२ (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिधाने में मिक्र के जिए;

क्दः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अन्सरण में, में उभत अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिक्त व्यक्तियों, अधीस :---

- (1) इण्डियन इन्स्ट्रूमेंट मेनुफैकचरिंग कम्पनी । (अन्तरक)
- (2) मै॰ सहारा अदर्स प्राईवेट लिमिटेड। (अन्तन्रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्स सम्परित के अर्थन के सिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त संपतित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप: --

- (क) इस स्थान के खालका में जनस्थान की तारीच ते 45 दिन की जनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की अनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंबध व्यक्तियों में है किसी न्यक्ति द्वारा;
- (क) इस नुवा के राजवन में श्रकावन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के शंख लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टिकरणः — इसभो प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्रची

28-की, ंक्सि थि भरणे, कलशक्ता में स्थित मकान नीनमार का दूसरा तल्ला में प्लाट नंव जी-48 गैरेज और सरवेंट क्वार्टर्स जो पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, कलकक्ता के पास सिरियल नंव सीव पव 117 के अनुसार 28-12-84 तारीख रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊷1, कलकत्ता

नारीख : 14-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त 1985

निदेण सं० सी० ए० 121/85-86/सिरीयल 1045/ आई० ए० सी० /एम्बी० आर०-1/ङलकला—अतः मुझे, एस० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7 है तथा जो कमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी० आई० पू० सि० अर्जन रेज-1, कलकत्ता में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 जनवरी, 1984

को पूर्वाक्ष सम्पत्ति को जिसत नाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की नाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार भूल्य, उराकं ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और जन्तरिक (अन्तरिकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे जन्तर्ण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निस्ति में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुर किसी बाब की बाबत संबंध किया विवस को बधीन कर दोने के जन्तु के के दायित्व में कमी करने या उतसे बचने में सुविधा के लिए; बौद/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) अजीमगंज इस्टेटस प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(1) श्री जगदीण प्रसाद गुप्त एवं श्री निलेश कुमार गुप्त ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस श्रृंचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच से 4.5 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की बनिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित के हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदी का, वो उपस नीभिन्यम, के मध्याय 20-के मी परिभाषित हैं, नहीं नर्थ होगा को उस नध्याय में दिवा नवा हैं।

जनुसूची

7, कमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित मकाम का ग्राउन्ड फ्लोर एवं फर्स्ट फ्लोर में 180.23 वर्ग मीटर स्पेस जो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, कलकत्ता के पास सिरियल नं० 121 के अनुसार 5-1-85 में रिजस्ट्री हुआ।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजे—1 कलकत्ता

तारीख : 14-8-1985

प्रारूप नाइ .टी . एन . एत . ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

कं धारा 269 ध (1) के अभीन सूचना

अ**१रतः** स्टब्क-र

कार्यासक, सञ्जाबक भायकर जाबुक्स (विरोक्का)

अर्जन रेंज-1 कलकत्ता

जलकत्ता दिनांक 14 अगस्त 1985

निदेश सं० सी० ए० 122-ए/85-86/सि० 1046/ एस० के० बनर्जी

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त निधिनियम' महा गया हैं), की भाष 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापृद्धोंकर संपत्ति का उणित शाबार मृत्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 119 है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सि० द० आई० प० सि० अर्जन रेंज-1 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5 जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने की भारण है कि यश्रामांकित संपत्ति का उनिश्व बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्स (जन्तरकाँ) और अन्तरित (जन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निविद्यक्त उपयोग्यों से दृश्य वासारण कि विद्य में बास्तिवक रूप से कि विद्य नहीं किया गया है है—

- (क) न-श्रम देश दिवा भाग की नावस, उनके निमित्त के न्यीन कर दोने के सम्बद्ध के समित्त में केनी करने टा उनके नमने में स्विधा के सिन्ह; तरिः,
- (ख) ए ती किसी अध्य या विक्री धन या खन्ध आस्तियों को जिन्हों भारतीय साथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्ट स्विधिनयम, स्व अप-कर स्विधिनयम, स्व अप-कर स्विधिनयम, स्व अप-कर स्विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया भा भा किया साना भाहिए था. कियाने में मुविभा से किए;

छत. अब, अबस अतिनियम की २८० २००० है उपराक्त में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के सभीन, निकालिकत व्यक्तियों, ब्रधांत उस्स (1) पार्क चेम्बर्स लिमिटेड ।

(अन्त∵क)

(2) पी० के० कर्माशयल कम्पनी।

(अन्तरिती)

का वह ब्राज्य जारी करके पूर्वोक्त ब्रुम्पीत के वर्षन् के ध्रिष् कार्यवाहियां । करता हुं।

बनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हुनन

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की वर्षीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिथ, को भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबङ्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किस वा सकों ने ।

स्वक्तीकरण:----इसमें प्रमृत्य कर्यों बहु पर्यों का, यो उत्क विभिन्नम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को तस अध्याय में विका प्या हैं।

प्रनुसूची

119 पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित मकान का चौथा ततला में 5643 वर्ग फीट का स्पेम नं० 4ए० एवं 4 कार पार्किंग स्पेस जो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पात सिरियल नं० ए०-122 ए के अनुसार 5-1-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजें⊐1 कलकत्ता

तारीख : 14-8-1985

ब्रह्म. बार्च. टी. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

बार्व तरकार

श्रार्यालयः, सहायक वायकर कायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कुलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त 1985

निवेश सं० सी० ए० 126/85-86/सिरीयल 1047/ आई० ए० सी०/एम्बी०/ आर०-1/कलकत्ता मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा १६९-स के अधीन तक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कंपण है कि स्थाबर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीण जिसकी सं० 334 है तथा जो जवाहर लाल नेहरू रोड कलकत्ता (चौरंगी रोड) में स्थित हैं (ग्रींग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीणपूर्ण कप सर्वाणत हैं) गिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सि० प० आई० ए० सी० अर्जन रेंज-। कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-1-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उधित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार पृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्व) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाय की यावत, उपक विधिनियम के अधीम कर दोने औं अन्तरक की दायित्व में कसी करने या उससे बचने में जुविधा ॐ लिए; बीर∕बा
- (च) एंसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तिवों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन के किया जाना वाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जवाहर लाल आर० जोशी एवं श्री हेमन्त कुमार जोशी।

(अन्तरक)

(2) श्री संजय कुमार गर्ग एवं श्री अजय कुमार गर्ग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यकार्यकार स्थान करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाव में समाण्य होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यपत्र भे प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार हिनीवत में किस जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, यहाँ अर्थ नामा को उस अध्यास में दिया गया हैं।

नन्स्पी

334 जवाहर लाल नेहरू रोड कलकत्ता में स्थित मकान चटर्जी इन्टरनेणनल सन्टर का 7वा ततला में प्लाट नं॰ ए-2 जो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता के पास सिरियल नं॰ 126 के अनुसार 19-1-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—1, कलकत्ता

नारीख : 14-8-1985

मोहर .

त्रका महीत् द्रौत् एक त्रक्तान्यन्यन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त 1985

निवेश सं० सी० ए० 127/85-86/सिरियल 1048/ आई० ए० सी०/एक्वी० आर०-1/कलकत्ता--अतः मुझे एस० कं० बनर्जी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 8 है तथा जो आचार्य जगदीशचन्द्र बांस रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सि०ए० आई० ए० सि० अर्जन रेज-1 कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्रित काजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मभ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे उदयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ब्यूचरण वे हुई जिसी बाब की बावब, क्यू विधिनियुत के ब्यूचिन कर दोने के बावपुरक के दामिरन में कभी करने या उससे व्यूचन में सुनिधा के जिए, जीड़/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ की अन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया या वा किया जाना आहिए था, फिपाने में स्विधा के सिक्;

बतः भुव, उक्त ब्रिविवन की भारा 269-न के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के बधीन, निस्नसिखित व्यक्तियों, अधित्:--- (1) डिलाइट प्रापर्टीज प्राइवेट लिप्टिंड एवं स्टर्न बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) फोरेस इंजीनियरिंग (इण्डिया) प्राइवेट लि॰ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत् सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की नारीख़ में 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित -सूच्य किसी जन्म स्थानित ब्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकेंगे।

वनुसुची

8 श्राचार्य जगदीशन द्र बोस रोड, कल कत्ता में श्रेष्ठ स्थित मकान का 6ठा तल्ला में आफिस ब्लाक नं० 65/6, एवं 68 2400 वर्ग फीट आयतम जमीन का अविभनत हिस्सा जो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सि० ए० 227 के अनुसार 11-1-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 14-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 भ्रगस्त 1985

निदेश सं० सी० ए० 131/85-86/सि० 1049/ग्राई० ए० सी०/एक्बी० ग्रार०/1/कलकत्ता--श्रतः मुझे, एस० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 334 है तथा जो चौरंगी रोड, कलकत्ता-72 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सि० प० श्राई० प० सि० अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 5-2-85

को पूर्णक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ब्रह्मरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का एवह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गम्भ प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्स अन्तरण लिबित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई िकसी आयः की बाबत, अक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/था
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:— (1) श्री देव प्रमाद पाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रयाग दास तुरनित्याल (एच० यू०एफ०)। (म्रनिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण:--इसमें प्रय्वत शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क से परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

334 चौरंगी रोड, कलकत्ता में ग्रब स्थित मकान चैटर्जी इन्टरनेशनल सेन्टर का 25 तल्ला में ग्राफिस स्पेम नं० 4~20 जिसका ग्रायतन 2038 वर्ग फीट जो सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, के पास सिरियल नं० सि० प० 232 के ग्रनुसार 5-2-85 तारीख में रजिस्ट्री हुग्रा।

एम० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

नारीख : 14-8-85

प्र**रू**प बार्ष.टी.एन.एस. ------

कायकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

प्रारत करकास

कार्यालय, सहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 24 श्रगस्त 1985

निदेश मं० मी० ए० 139 ग्रीर 139 ए/85-86 सिरियल 1050/ग्राई० ए०सी०/एक्यू० ग्रार०-1/कलकत्ता— ग्रतः मुझे, एस० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्रत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य १.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 28/34 है तथा जो कनघेत्ट रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विग्रित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सि० प० ग्राई०प० सि० ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरग्र श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23 फरवरी 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रंथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भीगफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितिया) के तीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिकित में वास्तिश्रक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (का) अध्यारण से हुई फिसी जाव की वावस, स्वयत्त अभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की रामिश्व में कमी करने या उसमें अधने में सम्बन्ध के लिए; बीर/या
- (का) एने किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को बधीन, निम्मसिचित्र व्यक्तियमों, सर्वाद्य क्ष--- (1) मैं ॰ माल्लिकान बिलर्स लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमनी सुप्रीति मुखर्जी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किली जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहत्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

ल्मण्डीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बनस्यी

28/3-ए कनवेन्ट रोड, कलकत्ता में 746.9 वर्ग फीट श्रायतन का श्राफिम स्पेम नं० 2 (एक) एवं 90.55 श्रायतन का खाली जगह जो सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, के पास सिरियल नं० सि० ए० 239 एवं 239 ए के श्रनुसार 23-2-85 तारीख में रजिस्ट्री हुग्ना ।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख : 14-8-85

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचज़

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 श्रगस्त 1985

निदेश सं० सी० ए० 141/85-86/सिन्यिल 1051/ म्राई० ए० सी० /एक्यू० म्रार०-1/कलकत्ता--म्रतः मृझे, एस० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० 28/35 हैं तथा जो कनवेन्ट रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, सि० प० ग्राई० प० सि० ग्रार्जन रेंज-1, कलकत्ता में रजिरद्रीकरण श्रिष्ठिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 23-1-85

ा 1908 (1908 का 16) क अधान, ताराख 23-1-85 का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती ∫अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण कि बिद्दारण में अस्तरण के लिए त्य

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दल के अन्तरक के दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

गतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों,, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिसित, व्यक्तियों, अर्थात् :——
19—256GI/85

(1) मै० माल्लिकान बिल्डर्स लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रिबन दस्तिदार।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन को तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

28/34 कनवेन्ट रोड, कलकता 28 में प्रव स्थित मकान का चोथा तल्ला में आफिस स्पेत नं० 2 (डी) जा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण), प्रजेन रेज-1 कलकत्ता के पास सिरियल नं० सि० ए० 141 के अनुसार 23-2-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िररीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

नारीख : 14—8—85

मोहर 🖫

प्रकथ आर्थः हो, एस. ध्रमः ५-----

बावकर क्षितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन स्वता

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरोक्तण) भारत स्रकार

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 252/85-86-- भ्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदमास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार सून्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

सौर जिसकी सं० पलैट है तथा जो श्रमण श्रपार्टमेंटस रेड हीलम में स्थित है (और उपसे उपाबद श्रतुपूची श्रौर पूर्ण रूप से वर्णीप है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्वित्त के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान बितिकस के निए बन्तरित की गृह ते और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से एमे दश्यमान प्रतिकल का गृहह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अत्राग्तों) की र जन्तरितों (अम्बरितियां) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पावा वृद्ध प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखिल ए बास्तिक क्य में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुं इं किसी झाय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर यान के अन्तरक के बायित्व में कसी करते या उससे अचन में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाम मा किसी धन या बन्य अस्तियों की, किन्हों भारतीय आयकर श्रीणांनगम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना काहिए या कियाने में स्विका के लिए:

अत. अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण कें, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तिमाँ, गर्थात हु---

(1) मैमर्स मनराईज बिल्डर्स,11-5-348,रेड हिल्स, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) डॉ॰ एम॰ पांडूरंगा राव, 1/47/10/1, ए ए, सिद्धार्था नगर, वारंगल ।

(श्रन्तरिती)

का यह सुणना आरों करकं पृषांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायभाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क्) इस स्चरा के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाण होती हो, के भीतर पृत्रों कर कारिकतारों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहरसाक्षरों के पास निकार में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नका हूँ।

श्रनुसूची

फ्लैट नं० 108, श्ररूण अपार्टमेंटस रेड हिलस, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत जिलेख नं० 213/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1985

महिर 🗈

धार्व चरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० श्राऱ० ए० सी० नं० 253/85-86--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विष्वास करने का काइण श्रृं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० पर्लंट है तथा जो श्रहण श्रपार्टमेंट्स, रेड हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को भई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बोच एस अन्तरण के लिए तय पाशा नया प्रतिफल, निम्नोलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निधित में शास्तिक रूप से करियत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से सुद्दी किनी अप की बाब्ध, उभक्ष बिधानयम के अधीन कर दान के अन्तरक क बाधिएक में क्यों कि इन दा क्रिक्ट अपने में ब्यांदिकः के लिए; और/या
- ्म) एसी किसी आध या किसी धन या अन्य मास्तिषी

 को, जिन्हीं भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या
 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)

 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में
 सावभा के लिए;

बतः अब, उक्त आधीनयम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैंसर्स सनराइज बिल्डर्स,11-5-348,रेड हिल्स, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रोफेसर एन० सिदेश्वर श्रौर श्रन्य, फ्लैट नं० 208, श्ररूण अपार्टमेंट्स, रेड हिलस, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कांई भी आक्षप .---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांध स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारों कर सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्यिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगत चौ

फ्लैंट नं० 208, श्ररूण श्रपार्टमेंटस, रेड हिलस, रहराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 214/85, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1985ं

प्ररूप बाह्रै, टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेण मं० ग्रार० ए० सी० नं० 254/85-86--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन ब्रायकच अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000∕-रः. से अधिक हैं।

स्रीर जिसकी यं० फ्लैट है तथा जो लैंण्ड मार्क बिल्डर्स, खेरताबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विश्वत है), रिजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हेदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जनवरी, 1985

को पूर्णेक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए बांतियत की गर्ड है और मृभे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्णेक्त सम्मरित का उचित बाजार स्स्य, जमके हत्यमान प्रतिकत में एमे दृश्यमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (सन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एमे अन्तरण के लिए तब णाग गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है!——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, पा भन- कर अधिनियम, पा भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा अकर नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नलिशित अधितयों, अर्थात् अ—— (1) मैसर्स लैण्ड मार्क बिल्डर्स,
 6-2-930,
 खैरताबाद, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० ए० डी० इलियास फ्लैंट नं० 302, शिवास लेन, 6-3-986, सोमाजीगुडा, हैदराबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिसं करता हू।

उथत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नातीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकते।

स्यव्योकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त उधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं., बही अर्थ होगा जो उस अध्याय के विया गया हैं।

अन्सुखो

पलैट एण्ड गैरेज, शिबास लेन, एम० नं० 6-3-986, कपाड़िया लेन, सोमाजीगुडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 140/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद 1

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-1985

प्ररूप बार्ड, टी. एत. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेण सं० श्राप्य ए० मी० नं० 255/85-86--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फर्नेट है तथा ओ श्रष्टण श्रपार्टमेंट्स रेड हिलस, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिलत है), रिजर्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर, 1984

को प्रांक्त सम्पत्ति के उण्यत माजार मृह्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी जाय की साबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्स में कमी करने या उन्नसे वचने में सुविधा क लिए, और√या
- (स) ए'से किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना वाहिए था, जियाने में सुविधा वी सिम्ह

शतः अत्र, उत्स्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उत्स्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मैसर्स सन राइज बिल्डर्म,
 11-5-348,
 रेड हिल्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० गौतम बुद्धा, ए० जी० के० विषार, तेनाली-2, जिला गृंटुर।

(भ्रन्तीर)

को यह)सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्थव्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उकत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाना जा उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अनुसूची

पलैट नं० 501, ग्रहण ग्रिपार्टमेंट्स, एम० नं० 11-5-348, रेड हिल्म, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं०6469/84, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-7-1985

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराजाद

हैदराबाद, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 256/85-86-म्बत मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी मं० फ्लैट है तथा जो गोलकोंडा श्रपार्टमेंस हुमायूं नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में, श्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के रूखमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलंख के अनुसार अन्तरित की गई है और मधी यह विख्वास

करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रष्ठ प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वस में यास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया हैं.—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-ियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ह) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अथ,, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ४

- (1) दी ट्रस्टीज श्राफ तलवार फैमिली ट्रस्ट, तलवार श्रपार्टमेंट्स, चिराग श्राली लेन, हैदराबाद । (श्रन्तरक)
- (2) दी द्रस्टीज श्राफ वैडिंग गिफ्ट्स द्रस्ट, श्राफ एम० ई० एच० वि निजाम, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4: दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसे अन्य व्यक्ति य्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित । से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 2, प्रथम तल, गोलकोंडा भ्रपार्टमेंट्स, हुमायूं नगर, हैदराधाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 296/85, रजिस्ट्री— कृत बिलेख नं० 296/85, रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाब

तारीख : 15-7-1985

ोहमर:

प्ररूप आहु", टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जंद रेंज, है्दराबाद

हैदराबाद दिनांक 15 स्र गस्त 1985

निर्देश सं० द्यार० ए० मी नं० 257/85→86→ श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

शयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फर्नैट है, जो शाहजहां अपार्टसेंट्स खैरताबाद स्थित है (और इन्से उपाबढ़ धनुसूनी में और पूर्णंक्प से चिणित है), रिजस्ट्रीयनी पश्चिमारी के नार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रीवरण अधिरियम, 1901 (1901 ना 16) के हथीन 12/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजा मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकास से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति दद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में गास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में स्विधा के लिए; और/या
- (सं) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था धा किया जाना चातिए था, छिपाने में स्विभा वै किया:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरन में, में, उक्त अभिनित्तम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :—— 1. श्री एम० सी भास्त्रन और श्रीममि चित्रा भास्त्रन् 6-2-1974 शाहजहां श्रपार्टमेंटन खैरना-बाद हैदरादाट ।

(श्रन्तरक)

 श्री के० बी० कूपूस्यामी, फ्लैंट नं० ६, काहिनूर ग्राहिमेंटन, मोतीलाल नगर, बेगमपेट हैदराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीवस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उत्कल अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 308, सींसरा मंजला, णाहजहां श्रपार्टमेंटसे, खैरताबाद, हैंदराबाद, रजिस्ट्रीहन विलेख नं० 6507/84, रजिस्टीक्ति श्रधिवारी हैंदराबाद ।

> एमं जगत मोह्न, स्क्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्थन रेंज, हैदरादाद

दिनांक 15-7-1985 मोहार : ____

प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस. ******

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत २६०-थ (1) के अभीत सुभना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 25 अगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० सीं० नं० 258/85-86---यतः मुझे एम जगनमोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा भ्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकों मं० पलैंट है, जो श्रमण आर्टमेटम, रेड हीत्म में स्थित है (और इससे उपाबढ श्रनुसूचम में और पूर्णमम से बणित है) रिजम्ही तो श्राधितारी के अधित्यम 1908 (1908 ता 16) के श्रधीन 12/1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के एरयमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया भया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिपिनयम के अधीन कार धीने को बंतरक के वायित्व में कमी कारने या उसमे क्वने में सुविधा के लिए: और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

बतः सबः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण बों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीतः, निम्नितित व्यक्तियों, अधीतः (1) मेनर्स सतराईज विलिंडगर्स 11-5-348 रेड हीलन, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री परमेक्षर राघ और श्रीमृति पी० ग्राम्ब्लाधती देवीं 14-11-इ, द्वारका नगर, विशाखापत्तनम ।

(भ्रन्तरिती)

की यह मृष्यता जारी कारके पूर्वोक्त राष्प्रतिस के वर्जन के लिए कार्यकारियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अ--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीकत त्यक्तियों में से किसी अधिकत द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित्बहुस किमी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकाये।

स्मध्दीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदाें का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याप में विका भवा हैं।

अनुसूची

पर्लैट श्रमण श्रार्टमेंटम्, रेड हीत्न, हैदराबाद, रजिल्ट्रीकृत विलेख नं० 6636/84, रजिल्ट्रींकर्ता श्रक्षिः गरी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैंदराबाद

तारींख : 15 - 7-1985

ब्र**रूप बाइ**. टी_. एनः एसः,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदराबाद दिनांक 15 जुलाई, 1985

निदेण सं० श्रार० ए० सी० नं० 259/85-86—श्रतः भुक्ते, एम० अगनमोहन ,

कावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० फ्लैट है, तथा जो ग्रहण ग्रपार्टमेंट्स, रेड हील्स में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराश्राद में रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधींन तारीख 12-1984,

को प्योंक्त संपत्ति के उपित बापार म्ह्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य तसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरसें) और अन्तरिती (अन्तरितिकां) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ्याचा जवा प्रतिफल, निक्तिविक्ति उद्योग से उस्त अन्तरण निवित्त वें बास्तविक रूप से कांचित नहीं किया यथा है कन्न

- (क) जनसरण वे झुड़ी किसी शाय की बाबत उक्त श्रीच-हिनबंध के अभीन कर दीने के बन्धरक के वार्तित्व को कर्नी करने या जबवें बचने में खुविशा के किये: बीर/वा
- एसी किसी आय या किसी धन या कन्य कास्तिनी की. जिन्ही भारतीय वायकर किपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था मिका जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा में जिदा

महः एष, उस्त अधिनियम, की धारा 269-म वी बन्दहरू मा, मी, अस्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन जिल्लीनिक व्यक्तियों, अधीत टे— 20—256GI/85 (1) मेमर्स सनराईज बिल्डर्स 11-5-348 रेड हील्म, हैदराकाद।

(धन्तरक)

(2) श्रीमति ही बालकोटेश्वरी, घर नं० 10-2-289/67, शांतीं नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आर्य करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षन के विष्य कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध ना तत्संबंधी व्यक्तियों वड़ स्वता की ताथीं से 30 दिन की वविध, जो भी वविध नाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (च) इत त्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा ज्योहस्ताक्षरी के पास सिस्थित में किए जा सकींगे।

श्वकाकरण :---इसमें प्रयुक्त श्वकों बीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गवा हाँ।

जसर्ची

पलैट नं० 401, श्ररूण श्रपार्टमेंटस, रेड हीस्स, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत चिलेख मं० 6422/84 रिजस्ट्रीकृती श्रीधकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन मक्षम प्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 1.5-7-1985

महिर:

यसम् मार्चा टौं एन्। एस_{्न} - उ सक्क

गायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

नारत चरका

कार्यालक, सङ्घायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण) हहायक श्रायकर श्रायुक्त त्र निरीक्षण) औ श्रुजैन रेंज, हैबराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 15 जुलाई, 1985

निवेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 260/85-86---- म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

अ। शकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें वस्ता (उक्त अधिनियम का गया है), की भारा 269-च को अभीन बक्रम श्रीभक्षारी को यह विद्यास करूने का कारण है कि स्थल्यर बस्योंक, जिल्ला उच्चित वाकार मध्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो श्रुकण श्रपार्टमेन्ट्स, रेड हील्स, में स्थित है और इससे एपाबद्ध श्रमुख्य में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीवरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन दिनांक 12/84

को पूर्वोक्त हम्बीस के तिकत गाजार बुक्य से कम के स्वयंत्र पिल्लान के सिंग जलारित की गड़े हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वजाएवोंकत सम्बीत का उचित बाजार मल्य, उसके कक्कान प्रीक्षक से, एसे क्ष्यमान प्रीत्रकाल के पंवह प्रतिकात से अधिक ही और जन्तरक (अंतरकाँ) और जंतरितीं (अन्तरितियाँ) के सीच एसे अन्तरण के निए तय पावा गया प्रतिकास निम्नीलियत उप्वेष्य से उक्त अन्तरण सिंग्लिय में वास्थित कम से किया नहीं हैं स्थान का है है स्थान

- (क) बन्तरण हे हुई किसी जाय की बायता, सकता विधितियास की सभीन कर दोने के अन्तरक की विधित्र में कमी करने या उससे युवसे भी प्रविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन वा जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आवक्तर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

ात पत तथा अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरक मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सभीन, निम्मिनियत व्यक्तियों, अधित :— मैनर्स सनराइज, बिल्डम, 11-5-348, रेड हील्स, हैक्राबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मोहम्मद अल्तक हुश्वन, फ्लैंट नं० 111, श्ररुण अपार्टमेन्ट्स, रेड हिल्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुकता आरी करके पृथीनत् सञ्गृष्टि के वर्जन के रिन्य कार्यवाहियां कारता हैं।

उक्ट बज्बत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राज्यक में प्रकशन की सारील से 45 विन की जबीध जा तत्साम्बन्धी स्थिक्तकों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पृजेक्ति जिल्ली में में किसी मांक्त क्वांश
- (च) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताकरी के पास निविद्य में किए जा सकीं

स्वाक्तीकरण :— इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्वो का:, जा जिन्हा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बही अर्थ होंगा जो अस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

फ्लैंट नं ० 111, भ्ररुण भ्रपार्टमेन्ट्स, रेड हील्स, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख, नं ० 6421/84, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्राथुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक: 15-7-1985

मारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 15 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० मी०नं० 261/85-86—श्रतः मुझे, एम० जगन मंहित

ग्रीर जिनकी मं० फ्लैट है तथा जो ग्ररुण ग्रपार्टमेन्ट्म, रेड हील्म, हैदराबाद में प्थित है (ग्रीर इनमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप न विणत है) रुधिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदरानाद में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 12/84

का पूर्विवस संपत्ति के जिथत नाकार मून्य से कम के अध्यमान असिक्त की लिए अंतरित की गई है और मम्मे यह निरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मोत्त का उपित वाचार मून्य अस्मित अस्मान असिक्त का पन्तह भारतिक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और वन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एके जन्तरक (अन्तरकों) और वन्तरिती अन्तरिति में कार्यका मिन्ति ते विवस के अधिक है से से अन्तरित के सिए तक नावा नवा असिक्त , निम्तिनिक्त जुक्कियों है उपल क्यारण विविध्त में सक्तिन्छ कम से काँचत तहीं किया नवा है :---

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाष का बाक्य, उक्स अभिनियम के अभीन कह दोने के जन्तरक के दार्थियम भें कभी करने था उससे वचने में सुनिधा है दिल्हें: भौर/वा
- (थ) एंस्र किसा नाथ या किसा धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ, भ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्हिलिसत व्यक्तियों अर्थात् :— मैसर्स सनराइज बिल्डर्स , 11-5-348,
 रेड होल्स, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

श्री जी० कृष्णामूर्ती,
 93, गाँ तीनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

करों कह क्षणा पारी कारके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही सुरू कारता हुए।

उक्त सम्पर्शि के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं
 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों कर
 स्वना की तामीन से 30 दिन की अविध, था मी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ण) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ल-बष्भ किसी व्यक्ति द्वारा, बधाहस्ताक्षरी के उन्द लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक् अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गवा ही।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 701, अरुण अपार्टमेन्ट्स, घरनं० 11-5-348, रेड हील्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6726/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> ्रम० जगन मोह्न सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, **हैव**राबार

दिनौंक 15-7-1985 मोहर । प्ररूप बार्च, बी.एन. इस ..----

भागभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सहस्त्रर

क्षावालय, सहायक आयकर नायुक्त (निवीकक)

स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनौक 15 जुलाई 1985 निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 262/85-86—श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो श्रारुण ग्रापार्टमेन्ट्स, रेड हील्स, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्याख्य, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक 12/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का जिल्ल बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है जाँए अंतरिक (अंतरिका) और मंतरिती (अंतरितिया) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्मलिबित अष्डिय से जक्त अन्तरण मिचित में बल्बिक स्प बे किश्य महीं किया गया है:—

- (क्क) मन्तरण से इ.इ. किसी नाग की वाबता, उक्त गीभानियाल के अधीन नार दोने के अन्तरक के दायित्व में नानी नावले या उत्तवे सवने में सुविधा के लिक्ष; शॉर/बा
- (वं) ब्रेसी किसी काव का किसी भक्त वा अन्य आस्तियों का, जिल्हों अरसीय बाज-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भवकर अधिनियम, या भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के जिल्ह;

कतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अकुतरण मों, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीर, निम्नीनिवत व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं ससं सन राइज बिल्डर्स, 11-5-348, रेड हील्स, हैक्टराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री जी० एस० एन० मूर्ति, 93, शाँती नगर, हैस्रराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना ज़ारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यगाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में क्यें इंभी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की मनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यास्त;
- (क) इस सूचना के राजवण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्र कि निकार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक निवित्त में किए का सकेंगे।

स्पृष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यी

फ्लैटं नं ० 702, श्रवण अपार्टमन्ट्म, रेड हील्स, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 6727/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम ० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, हैदराबाद

विनाँक: 15-7-1985

अक्ष बार्ड ्र टर्ड हुन हुन हुन हुन व व व व व व व

बावकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-स (1) में वर्षात सूक्ष्मा

SIZE SPAIN

कार्यालय, सहायक बायकर जानूनच (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनाँक 5 अगस्त 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 263/85-86--श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवात् 'उक्त मृथिनियम' कहा नवा है), की धाड़ा 269-स के जभीन सकान प्राधिकारी को, कह विकास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विकास प्रित बाजार कृत्य 1,00,000/- रा. से जिथिक है

श्रीर जिसकी सं० इमारत है, जो पाटामाटा, विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिनिट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 12/84

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उद्भित बाजार मृश्य के कान के करवजान प्रतिकल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते वह किस्साब करने का कार्युष् हैं

करण का काइल हु कि यथापूनों क्त संपरित का उचित नाकार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्त से अधिक हैं हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिबक रूप से कथित नहीं विश्वा गया है क्ष-

- (क) अन्तरण के द्वार्ष किया थान की नागत, जनत निधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक को दावित्थ में कमी कहने ना उत्तर्व वचने में स्विधा को हिनस् कौक्ष/ना
- (क) एसी किसी बाब या किसी भन वा अब्ब अमिन्नयां की, जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनिजम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिजम, का धनकर अधिनिजम, का धनकर अधिनिजम, का धनकर अधिनिजम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोष-नार्थ अन्यद्भिती हवाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था किया में व्यविधा के निज्ञ;

 श्री रिव सुक्रमन्यस्वर राव पिता सत्यनारायण भौर रिव शपारत्नम पित सत्य नारायणा लिम्बिपेट, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरक)

 के० श्रीदेवि पिता दसवापूरनम, गूनधला, विजयवाड़ी श्रीर के० नागरत्नम्मा पति पैदापुन्नया, नंदीवेलगु, जिला गृंदूर ।

(धन्तरिती)

का बह स्थना जारी करके प्रशेक्त संपत्ति के धर्मन के निष् कार्यनहिंद्यां सूक करता हूं।

उपस सम्बद्धि के मधीन के संबंध में कोर्स भी नामाप ह---

- (क्यूँ इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तार्थि वं 45 दिन की नविध या तत्त्वस्थानी स्वक्तियों धर सूचमा की तासीच से 30 दिन की वर्गाभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयस व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वाना को राजपन में प्रकाशन की नारीच के 45 दिन को भीतार उन्ता स्थानर सम्मत्ति में हिंतन क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति व्यक्ष नेपांहस्तासाड़ी के पाक सिविक में किस वा क्षेत्रेंगे।

स्वकास्थ्य — इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जा उक्त विधिनियम के मध्याय 20-फ में परिभावित ही, वहीं मधी होगा, जो उस मध्याय में विदा गया ही।

क्कारी

इमारत, फीटीगसपेट, पाटासाटा, विजयवाङ्गा, विस्तीर्ण 308 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8254/84, रजिस्ट्री-कर्ता ग्राधिकारी, विजयवाङ्गा।

एम० जगन मो**हन** स**क्षम प्राधि**कारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, हैसराबाद

अतः अव, उच्त जीवनियम की धारा 269-ग चै बनुतरण में, में उच्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीक् ः—

दिनौंक । 5-8-1985 मोहर: 我哪只不说,我们,我们,我们,我们

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत तरकाड

कार्यांसय, सहायक वायकर बागुक्त (निर्माणक)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अगस्त, 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 264/85-86---श्रतः, मुझै, एम० जगन मोहन

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पहजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह जिस्लाक करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका अधिन काकार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी तक इमान्य है, जो नल्लापाइ, यूट्रं, में स्थित है और इससे उपावद अनुसूत्री में और पूर्ण क्या से विशित है) रिजस्ट्रीकर्ती यिक हारी के अविधिय, यूट्रं में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के अधिन विशित् के रेक्स्मान

करें पूर्वेक्स सम्पत्सि के उचित वाजार मूल्य से कम के दर्यमान मिलफस के लिए मन्तिरत को गर्ड हैं भीर मूक्ते यह निश्नास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दल्यमान प्रतिफल के पन्ताह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (मंतरकों) और अंतरिती (मंतरितियों) के बीन्त एक बन्तरण के लिए स्थ पासा गया प्रति कन निम्निसित्त उद्योग से उनस बन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्म से किथल नहीं किया गया हैं :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उनत परिचलन ए उन्हेर क्षत्र माने के अन्तरक के बाबितन मानिक कार्य का यहने अपने के नृतिक। के लिए; बीर/या
- (क) एसी किया अभ्य था कियो धन था सन्ध् सास्तिनों को जिन्हों भारतीय साथकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नृभिनियम, वा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीयनार्व अन्तिर्देशी द्वारा मुक्ट नहीं निया नृवा था वा किया थाना वाहिए ना, कियाने में सुनिया से विश्व;

बतः नवं, उन्नतं अभिनियमं की भारा 269-वं के जनसरण कें, मैं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः - 6. श्रीमती एम० जयलमीं, पति जयातमी रेड्डी, और श्रन्य नल्लापाडु, पुटुर ।

(श्रन्त⊽क)

 श्रीमती एन० अंजमम पति कोटेश्वर राव, नल्लापाडू, गृटूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुक्ता जारी करके पूजाकत सक्ष्यारक के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त सम्मतिह के क्योंन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्कर:---

- (क) इस सुभग के राज्यभा मां प्रकाशन की तारोक्ष से 45 दिन की मनिध या तत्संगमा व्यक्तियों पर सूचना की वानील से 30 दिन की अविभृत को सी अविभिन्न याद में समाप्त होती हो, के भातर पृश्विक स्थानित मुंगी से निसी स्थानित इंगारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- किसी बन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव निवित में किए का सकेंगे।

स्थानिकरणः — इसमं प्रमुक्त काव्या वर्षि प्रशां का, जो जनते विश्वाधित विश्वाधित है वही पर्य गुंगा भी उन प्रध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

ग्रार० मी० सी० इमारत सर्वे नं० 365, घर नं० 2-14-113/ए, नल्लापाडू, गुंटूा, रिजम्ट्री∜त घिलेख नं० 14992/84, रजिस्ट्रीहर्ता ग्रिधि∷ारी, गुंटून।

> ्म० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाध

दिनांक 5 8 1985

मांहर 🕉

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियस. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक बायकर बाबुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 स्रगस्त 1985

निवेश सं० ग्रार० ए० सी० 265/85-86—ग्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) विवाह स्वामें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्यकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका उपवाह बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिपकी सं० इमारत जो मुलपुर विलेज, तेनाली में स्थित है (और इपने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, तेनाली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन दिनांक 12/84 को वृबोंक्त सम्पत्ति के डीक्त काकार कूका से काम के दशकान पतिएक के लिए अन्तरित की एवं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्तोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजाए कुन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिकल का सन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्वरण के सिए तब पावा व्या प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखिक से वासरीवक कम से क्षिक ता विश्व वासरीवक स्था विश्व वासरीवक कम से क्षिक ता वासरीवक वासरीवक से वासरीवक कम से क्षिक ता वासरीवक वासरीवक कम से क्षिक ता वासरीवक वासरीवक कम से क्षिक ता वासरीवक वासरीवक वासरीवक कम से क्षिक ता वासरीवक वासरीवक कम से क्षिक ता वासरीवक वासरीवक वासरीवक कम से क्षिक ता वासरीवक वासरीवक वासरीविक वासरीवक वासरीवा वासरीवक वासरीवा वासरीविक वासरीविक वासरीवा वासरीवा

- (क) जन्तरण से हुन्दे किसी आज की बाबस उसस अधि-नियम के बधीन कह दोने के जन्तरक के दाधिस्य औं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्स कारितकों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबल अधिनियम, या प्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुविधा के लिए:

कार अव. उत्त किथिनियम की धारा 269-म के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन;— श्रीमती एम० विरम्मापति पाय्या, मोरीसपेट. तेनाली, गुंटूर, जिला।

(भ्रन्तरक)

 श्री के० वेंकटेण्वरेंशलू पिता वेंशटटप्पाय्या, मूलपुर चिलेक, तेनाली, गुंटूर जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स सम्मित को वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

खबरा सम्पत्ति के बर्चन के संस्वत्थ में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस ब्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की ज्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी जविश वाद में सवाका होती हो, के बीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में त्रकावन की तासीय वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास बिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्विधितियम के अध्याय 20-क में वरिभाषित हैं हैं, नहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत मूलपुर विलेज, तेनालीं तालुक जिला गुंटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 54/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी तेनाली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, **हैदराबाद**

दिनांक: 5-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक नायकर बाद्क्त (रिनर्टीक्न),

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदरबाद, दिनांक 5 श्रगस्त, 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 266/85-86---श्रतः मुझे एम• जगन भोहन

बावकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित नावार मुक्य 1,00,000/- रा. से मधिक हैं

और जिसकी मं० इमारत है, जो लब्बिपेट, विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 12/84

को पृषामित कर्मित के सीचत बामार बृत्य के कान के रवनमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएगों जन सम्मत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके क्यमान प्रतिकत से ऐसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से मिथक है और अन्तरक (जन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरिक के लिए तय पाया नवा प्रतिकल, निम्नसिवित उद्योग्य से उन्तर अन्तरण निवित वे बास्तीवक क्ष्य से कांचल नहीं किया नवा है अ----

- (क) कन्तरण से हुई किसी अपन की बावतं, उपत अधिनियम को अधीन कर दोने को जन्तरक को वाक्तिय में कहीं करने या उससे वचने में सुविधा के सिद्ध; नीद्ध/वा
- (क) एनी किसी काय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधितियन, 1922 (1922 का 11) या उनत निश्चितयम, या धनकर अधितियम, या धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिरा;

चत: अब, उक्त अधिनियम क्षी भारा 269-ग के अनसरण हों, कीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) इं ब्रुभीन, निस्तिसिंखत व्यक्तियों, वर्षात् ं— श्रीमती श्रक्मला सुलताना, बी० पति खरीम साहेब और श्रन्य 7, इस्माइल पेट, श्रिज्यचाडा ।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती जी० रत्नम, पति राम मोहन राघ, सीताराम पूरम, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरिती)

ची यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करला हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीस से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (त) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत् हो 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वय्यीकरण:---इसमें प्रमुक्त शन्यों आरि गर्वों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, खो उस अध्याय में दिया भवा है !

प्रनुसूची

इमारत, लब्दिपेट, जिवालाणा, बिस्तीर्ण 269 चौ० गज, रजिस्ट्रीकर्सा विशेख नं० 8218/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-8-1985

मोहर 🖫

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रा० ए० सी०-267/85ब86--ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन

बावकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतकी इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उकित जाजार मन्य 1,06,000 /-रुत. से अधिक हैं

और जिन्नकी सठ. भूमि है तथा जो घोषूराकरविलेक माडीकोंसा गूटूर में स्थित है (और इनसे उपाबद अनुसूची में और जो पूगरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रींकर्ता ग्रधिकारी के ट्रायलिय, गृद्र में रजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनां रू 12/89

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के करवजान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विक्यास करने का कारण है कि मथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार ग्ल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पतिफल निम्निसित उद्वेश्य से उक्त क्लरण जिल्लित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए: बीर/बा
- (ब) श्रेषी किसी नाम या किसी मन मा मन्य नाहिसकों को, चिन्हें भारतीय जाय-सर विधिवयम, 1922 ं1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या वय-नर व्यक्तिनवय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कुलारियी व्यास प्रकट नहीं किया यथा पा का किया बाना बाहिए वा, कियान में त्विमा के विदः

कतः व्यक्, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन : निम्नसिक्ति स्पवितरों , कर्षात् ः---

- 1. श्री चाई० ईश्वरचन्द्र विद्यालय, पिता रामनाथवाबु, करमचेडू. विलेज, चीराला तालुक, जिला ओंगोल । (भ्रन्तरक्)
- 2. डा० चेन्ता क्रींग्णय्यापिता वेंकगय्या, डी० वेंगल राज पिता वेंत्रदेश्वरलू, डी० रामाकृष्णा पिता वेंकटेश्वरलू, काकुमानुवारी थांटा, गुंटूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्धि के सर्वत के प्रिक् कार्यवाहियां शरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप :---

- (क) इब सूचना के लव्यव में प्रकारन की वार्तीय में 45 विश्व की वयश्यिया उत्स्वान्त्रभी न्यूनिकार्य प्र सूचना की तामील से 30 दिन की वयि।, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकर व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति पुनाराह
- (बा) इस क्वला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विश के भीतर समत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्रथ कियी बन्य असमित हुवारा अभोजस्थाकरी के पाई बिधित में किए या बच्चेंगे।

स्पष्टीक रण:---इसमें प्रयुक्त संख्यों और पद्यों का, भी उक्त विधिनिवस, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी बर्ध होगा, जो उस अध्याय में विदा चना 🗗 🛭

अनुसूची

भूमि ईिस्तीर्ण ए०मी० 5-03, सेंट्स, कोपूराकर वलेज, नाडीकोंडा, गृंदूर, राजिस्ट्री हत विलेख, न० 143/7784, रिकस्दीकर्ना ध्रिधनगरी, गृंटर ।

> एम० जगर महिन सक्षम प्राधिनारी सहायक श्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-8-1985

मोहर 🕄

21-256GI/85

प्रक्ष आहें.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्कर अाप्कत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैद्दर्गबाद

हैदराबद, दिनांक 5 ग्रगस्त 1.985

निदेश सं० ग्रार० ए० मी० 268/85-86---श्रनः मौही एम० जगन मोहन

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसेकी मं० भूमि है जो पिल्लीपाडा बिलेज, गंडावली, में स्थित है (और इतसे उपाबड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में बर्णित है) रिजस्ट्रीयर्ती अधिकारी के कार्यालय,गंडावली, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिक नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपित्तयों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अत: अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभाग (1) के अधिन, निम्नलिक्तित व्यक्तिसयों, अर्थात :--- मैं 4र्स कॉल्लूरू फिशरीज, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

 श्रीमती पी० शिवरत्नम, पती रामी रेड्डी, पिलै तालुब, जिला बेम्ट गोदावरी ।

(अन्तरिती)

को यह बुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्चन के सिए कार्यवाष्ट्रियों के रता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (ख) इस स्चना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पिल्लीपाड् बलेज, मंडाबली, ब्रष्णा जिला, सर्वे नं० 148, और 149, 3-18 एफड, और 4-82 एकर, रजिस्ट्री-जन विलेख में 2214/84, रजिस्ट्रीं क्रांधि गरीं मंडाबली।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रवि ारी हायन श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदगाबद

दिनांक 5-8-1985 मोहर

प्रकप नार्चः टी. एन. ह्या . ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभा

भारत बरकार

कार्यानय, सहायक वायकार जायुक्त (निर्देक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 5 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 269/85-86—श्रतः मेसे एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-वा के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मीत, जिसका उधित नावार मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

भ्रार जिसकी सं० घर है, जो लब्बिपेट, विजयवाडा में स्थित है (ग्रध्नर इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रिजस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक 12/84

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्जेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से एवं ध्रवणान प्रतिकल का बन्तर का विश्व का बन्तर प्रक्रियाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पासा गया प्रतिफल, जिम्मितियित उच्चेंच्य के उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तिक कम वे किंग्न महीं किया क्या है —

- (क) बनायुन वे हुई किसी नाम की नामग्र, बनव नीपितियम के बनीन कर दोने के नम्बरण के शामित्य में कवी करने ना बनवे नमने में सुनिया के स्तिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी थम या जन्म नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मानयम, या धन-कर निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना जाहिए था, ज्याने में स्विया के निष्ठ;

अतः अभ , उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अं , में , उस्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिष्टित व्यक्तियों, वर्णात् :--- श्रीमती ग्रमरपूपापयम्मा, पत्ती ग्रपलसवामी श्रीर ग्रन्य ७ लब्बिपेट. विजयवाडा ।

(ग्रन्सरक)

 श्रीमती पी० इंधिरा देवी, पत्ति भ्रप्पलस्वामी, गाँधीनगर, नागेश्वर, राव पंतलू, रोड, विजयवाडा ।

, (भ्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के हैं तए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के कर्पन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंबारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के गस निवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्वो का, को उक्त श्रीध-निवस के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गयः। हैं।

arrest i

घर लिंब्बिपेट, विजयवाडा, विस्तीर्ण 709 चीं० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7982/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जिल्लावाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, हैदराबाद

दिनौंक 5-8-1985 मोहर: **श्रम्य भाष**े, द्वी । द्वम्, प्रम_ाक्कान्त्रकार

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) ने वधीय सुमना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँ ह 5 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 270/85-86---ग्रतः मुझ एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है"), की भार 269-स के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० इमारत है, जो चौधरी पेट, गूडीवाडा में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गूडीवाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक 12/84 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दूरवमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई हैं जौर मृजे वह विद्यास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार क्रूप, अधुके दूरवमान श्रितफल से, एसे दूरवमान श्रितफल का प्राप्त का प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितिकां) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया श्रीतिका विकास का प्रविकत के स्था का प्रतिकत का का प्रतिकत का प्रविकत का प्रविकत का प्रतिकत का प्रतिकत का प्रविकत का का प्रतिकत का प्रविकत का प्रतिकत का प्रविकत का प्रविकत का प्रविकत का प्रविकत का प्रतिकत का प्रविकत का प्रविक्त का प्रविकत का प्रविकत का प्रविकत का प्रविकत का प्रविकत का प्

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त बीधिन्वम के अधीन कार दोने के बंतरक के वासित्व में कसी कड़ने या उच्च वचने में बृहिनधा के सिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या वन्य जास्तियों को, विन्हें भारतीय आयकर जिपनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिपनियम, या भन-पार जीविस्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

बस: अव. उस्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरक बें, में, उस्त विधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) वो बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षाट :--- श्रीमती एस० सरोजिनी पती राजबाबू,
 17थ वार्ड, गुडीवाडा।

(भ्रन्तरक)

श्री पि० चन्द्रशेखर हनुमंता प्रसाद पिता वेंकटनागभूषनम,
 16 थ वार्ड गूडीवाडा कृष्णा जिला ।

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना जाड़ी कड़के पूर्वोक्ट सम्परित के वर्चन के किए कार्यवाहियां कड़ता हूं।

कारत क्रम्परित की वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप अ---

- (क) इस स्थान के श्वापन में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की सर्वाध ना तत्सन्त्र-भी व्यक्तियों पर स्थान की तासील से 30 दिन की स्वाध, जो भी स्वाध नाद में समास्त्र होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से दिक्ती व्यक्तिय इत्तर्स;
- (क) इस स्थान के एकपन में प्रकासन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी बन्य व्यक्ति क्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकेंगे।

स्वाधिका :---इसमें प्रयुक्त सन्यों नीर पदों का, वा उसस स्विधिनयम, के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही नवीं होता को उस कथ्याय में दिवा क्वा है।

वन्त्र्यी

धार० सी० सी० बिल्डिंग, चौधरी पेट, गूडीवाडा, क्रुष्णा जिला, विस्तीर्ण 553, चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5446/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, मूडीवाडा।

> एम० जगन मो**हन** सक्षम अधिका**री** स**हा**यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक 5-8-1985 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 2/69-ज (1) से अधीन स्कूला

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक भावकर वाज्यस (गिर्याला)

ग्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 5 अगस्त, 1985

निर्देश स० स्रार० ए० सी० 271/85-86--- प्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर समासि, जिसका उजित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय, परीसर है, जो रानीगंज, सिकंदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौक 12/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूस्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके स्थयमान प्रतिफल में, एम स्थयमान प्रतिफल में, एम स्थयमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाबा पवा प्रतिफम, निम्नलिक्ति उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वस है स्

- (क) अन्तरण से हुई किन्दी नाम की बास्ता, उपर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक थे दायित्व में कजी करने का उससे बचने में स्ट्रीयका के जिद्धः जीद/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरित स्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया चाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिक्ट:

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. मैं. उक्त अधिनियम की गारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियन व्यक्तियों, अर्थातु:--- मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
 5-4-86 से 92, रानीगंज,
 सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती फरोदा बादु, और श्रन्य, 1-8-303/33, बाबू खान, हाउस, हरदार पटेल रोड, रसुलपूरा, सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूच्या चारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के श्विध् कार्यगाहियां करता हूं।

जनक इंपरि के मर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (६६) इच सूचना के राज्यक में प्रकासन की तारील के 45 विश की जविष मा तत्संबंधी स्थितयों पर सूधना की तामील से 30 विन की जबिध, जो भी अविध माद में सबाद्य होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध चित्री बन्त् म्यक्ति ब्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास हित्रसिक्त में किए का सकीन।

स्थान प्रमुक्त कर्को और पर्यो का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा प्रमाही।

वर्ह्यी

कार्यालय का परिसर, नं० 402, चौथा मंजिला, घर नं० 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकन्दराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख, नं० 6842/84, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैसराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैसराबाद

दिनौंक 5-8-1985 मोहर् मक्ष्य मार्ड, टी. एच. एस्. ----

बाधकार वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुबना

भान सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 5 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 272/85-86---ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन

षायकर अधिनिश्रम 1961 (1961 क्षा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिनकी सं कार्यालय परितर है जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर इससे वर्णित है) रिजर्स्ट्राकर्सी श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 12/84

को पूर्णेंबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूनोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दर्शमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्निल्जित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्त्रिक रूप से अधिक नहीं किया नशा है

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; को लिए; और/या
- (च) एसी किसा वाय या किसी पन या अन्य अतिस्तरा को खिन्ह भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या अन्त अधिनयम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया व्या का या किया जाना जाहिए था, जियाने में सुविधा के निष्

बत्य बन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, अक्त विधिनियम को धारा 269-व को उनुधारा (१) को विधीन, निम्निस्थिक व्यक्तियों, वर्धात ३मैसर्स बाब्खान बिल्डर्स,
 5-4-86 से 92, रानीगंज,
 सिकदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती नझनीन शरका, पति श्रा निजामुद्दोन, शेरका, नं ० 101, मोगल अपार्टमन्द्य, डेक्कन टावर्स, बसीरबाग, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वान जारी करक प्रवाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीक स 45 विन की अनीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वयिष, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास

स्पद्धिकरण :---प्रसम प्रमृक्त कन्द्रों और प्रयो का,, जो उच्छ अधिनियम, के सकाय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है: -

नन्स्ची

कार्यालय, का परिशर न० 542 ग्राप 543 घर न० -5-4-86 से 92 , रानागंज, जिल्ह्यसम्बद्ध रिजस्ट्रोकृत विलेख नं० 6375/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन माहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राथुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक : 5-8-1985

प्रस्य बाहें, टीं, एन, एक :----

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 की 43) की बारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

बारत चहुना

कार्यालय, सष्टावक जायकर दायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 ग्रगस्त, 1985

निदेश स० श्रार० ए० सीं० 273/85-86—श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसेकी सं० वार्यालय परिसर है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है (रिजस्ट्री इती अधिकारी के कार्यालम, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक 12/84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एमें यन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तविक रूप से कथिय नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाब का शबत. उस्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बीड/क
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यक्षार अधिकार म 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अवस्थिती द्वास सम्बद्ध मही किया गया था या किया बाना चाहिए से किया मैं मुविधा के सिए;

बदः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-१ की उपधारा (1) हे अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात है—

मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
 5-4-86 से 92, रानींगंज,
 सिकन्दराबाद ।

(ऋन्तरक)

 सयींदा बानू और ग्रन्य 1-8-303/34, रसूलपुरा, संकन्दराबाद।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सर्मात्त के अजन के सबंध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यास निज्ञित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्की

कार्यालयका परिसर, नं० 502, घर नं० 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रोतृत विलेख नं० 6848/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

एम० जगत माहन सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक: 5-8-19**8**5

मोहर 🎙

प्रकार नाही हो . पुर . एक . ------

माथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत महाकार

कार्यातन, बहानक भावकार वायुक्त (निश्चर्याण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराघाद

हैदराबाद, दिनोंक 5 श्रगस्त, 1985

निर्वेश सं० प्रार० एस सीं० 274/85-86--प्रतः मुझे एम० जगन मोहन

बावकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पर्यात् 'अक्त विधित्तियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- र. सं अधिक हैं
और जिसकी संं द जन है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित हैं
(और इसमें उपावह अनुसूची में और जो पूण रूप से वर्णित है)
रिजण्ड्री इती अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण
अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1/85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कव के व्यवमान
प्रतिकत के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण हैं कि अधाव्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिकत से, ऐसे व्यवमान प्रतिकत का
पन्द्रह अतिवात से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और अंतरिसी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
अतिकत, निम्मिचित उद्योद्य से उच्त अंतरण जिचित में
पस्तिकत रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (का) अंतरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त श्रीप-प्रियम की अचीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर्ध वचने में सुविधा के लिए; श्रीर/का
- (वा) होती किसी बाब बा किसी धन वा लम्ब कास्तियों को जिन्हों भारतीय जावकर संधिनिवस, 1922 (1922 का 11) वा उन्नत संधिनिवस, वा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जेरिरिती वृंबाच्य प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, छिपान में तृष्टिभा के चिन्ह;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को बन्तरण में, जैं, उक्त अधिनियम की वारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात्— 1: मैसर्स बाबूखाः बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, रानीगंज, शिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तग्क)

2. श्रीं एस० प्रकाण पिता एस० सराभग्रागध्या, दुकान नं० 23, ग्राउन्ड म्लोब्बर, घर नं० 5-4-86 मे 92, रानीगंज, सिकन्दराबाद। (ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के अर्थ कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वात के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अग्रीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वात की तानील से 30 विन की अत्रीध, जो भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुनारा;
- (व) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दितवव्य किती जन्य ध्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कीथ-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं कथे होगा जो उत्त कथ्याय में दिया गया ही।

वनसर्वा

दुकान नं० घर नं० 5-4-86से 92, रानीगंज, सिकन्दराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6841/84, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-8-1985

भाहर 🖫

प्ररूप बार्च हो . एन . एम . 🕒 🕖

आयक<u>र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की</u> भारा 269-म (1) के विभीत सुभन

BISS SERVE

श्रावीवक, सहायक नायकर नाजुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज, हैदराकाद

हैदराबाद, दिनांक 5 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 275/85-86——श्रत मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर क्रिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क की अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिसका उचित वाचार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचीं में और जो पूर्ण रूप से बणित है) रिजिस्ट्रीं हर्ना श्रिध हारीं के कार्यालय, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीं अरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन दिनांक जनवरी 85 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का लाग्य है कि यथापूर्वेक्ट संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पनति का प्रतिफल का प्रतिक्त प्रतिक्ति का प्रतिक्त का प्

- (क) बच्चारण सं क्षुष्टं विश्वी नाम की बाबत उनके विश्वित्वम के बचीन कर दोने के अन्तरक के खनित्व में कनी करने वा स्वक्षे वचने में सुविधा के निए; बीड़/वा
- (ण) श्रेसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों क्या जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जनतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना धाहिए था, जियाने में चुन्थि के सिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनिबम की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 22—256GI/85

1. मैं सर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, रानींगंज, भिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

श्री मीर हारीद, ग्रालद कादरी,
 19-2-19/2, मीं मरींगंज, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को बह तृचना बारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उबस सक्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की अनिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध सन्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस बुकना के शायपण में प्रकारण की तारीज के 45 दिन के शीवर उसत स्थानर सम्मत्ति में हितनक्ष किसी अन्य कानित दुनारा सभोइस्तालरी के पास निविध में किस का मकी ग

स्थव्यक्रिरण:—इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विका गया ही।

वनसंची

दुरान नं० 43, घर नं० 5-4-86 से 92, रानीगंज, सि इन्दराबाद, रजिस्ट्री इत विलेख नं० 220/85, रजिस्ट्री स्ति श्रिधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधि∍ारी सहायक स्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैवराबाद

বিশকি: 5-8-1985

महर

प्रकम बाडी, टी. एन. एस. -----

भायकर रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीर सूचरा

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक **वायकार वाय्क्त (निरीक्षण)** सर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निदेश सं० म्रार० य० सी० नं० 276/85-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क् के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उपित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसको सं० घर है, जो तारनाका सिकन्दराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मारेडपर्ल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12/84

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान ब्रातिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पहल प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ों अंतरण के लिए तय वाया गया प्रतिक कस निम्नलिबित उद्दं है उक्त अन्तर्य निवित में बास्तिबक स्था से कियत नहीं किया गया है रू

- (क) अंधरण से हुई किसी नाम की नामत् , उक्त बीमिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दामित्य में कभी करने या उनमें बचने में सुविधा के लिए; वरि√वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए बा, कियाने में सुविका के शिष्ट:

वृत्तः वर्षः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण कीं भीता बक्त वीधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (१९ वी संधीतः, निम्निनिषट व्यक्तियों, वर्षातः क्रान्तः (1) श्री जेड० जे० मामीबेल, 12-13--357, स्ट्रीट नं० 19, प्रारनाका, सिक्त्यराबाद ।

(मन्तरक)

(2) श्री एस० विजयपाल रेड्डी पिता एस० रामी रेड्डी, घर नं० 3-18-घटकेस्वर, पोस्ट श्रीर विलेज, हायात-नगर तालुक, रंगारेड्डी जिला ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर् सूचना की ताबीख से 30 दिन की वविध, वो भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर अक्स स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी अ पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यी

घर नं० 12-13-357, (ग्रोल्ड 1/342) स्ट्रीट नं० 19, तारनाका सिकग्दराबाद, विस्तीर्ण 500चौ-गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०, 3278/84, रजिस्ढीकर्ता अधिकारी मारेडपल्ली

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुग्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

निदांक: 5 अगस्त 1985

मोक्षर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के बचीन सूचना

भारत सरकार

कामीसय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदराबाद, दिनांक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं० आर० ऐ० सी० नं० 277 85-86 - यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्सें इसके परवात् 'उक्त निभिनायम' कहा गया हैं), की धास 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० घर है, जो भट्टेवाडा वरंगल में स्थित है (श्री इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णं एप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिक (री के कार्यालय वरंगल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिक स्मार्थ के वार्यालय वरंगल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 85 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उच्चित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्म पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तका से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोनें के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उसते सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अगना आहिए था, खिवाने में सृविधा के लिए:

अतः जवः, उक्त अभिनियमं की भारा 269-गं के, अनुसरण कों, मीं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निम्मतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती बि॰ लक्ष्मी कामेस्वरी पति बिश्नरसीम्हा शास्त्री, मेट्टावांडा, बरंगल ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सत्यनारायणा पिता वेकंय्या, घर नं० 13-2-183, मेटटा**वाडा, वरं**गल (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्मित्त के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

घर मेट्रटावाडा, वरगंल, विस्ती गाँ 488 चौ० गण०, (घर नं० 13-2-183, मेट् टाबांडा), राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 262/85, राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वरंगल

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्साबाद

दिनांक : 5-8-1985

प्रकृष बार्ड .टी .एव . एस . ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत बरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 अगस्त 1985

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 278/85-86—यतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,60,300/- रा. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसकी सं० घर है, जो प्लोट नं० 9 पदमारावनगर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में अनुसूची श्रीर पूर्णरूप से वॉणित रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12/84

कां पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य मं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पृष्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितौ (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कीपत स्पार नहीं किया गया है.—

- (क) मन्तरण से हुई किसीं नाय की नावत उक्त निभिनियम के नभीन कर दोने के बन्तरक के दियाल में कभी करने या उससे नभने में सुविभा के लिए मेर/या
- (क) ऐसी किसी बाय मा किसी भन या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर ब्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त ब्रीधिनियम, या भन-कर क्रीधिनियम, या भन-कर क्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविशा के लिए;

क्ता अब उक्त विधिनियम की धारा 269-व के अनुसरक भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के क्यीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, क्यांत् :---

- 1. (1) श्रीमती सी० निलाबाई पति श्री सी० पंवीयर राव घर नं० 6-1-99, पवमारावनगर, (प्लौट नं० 9), सिकन्दराबाद
 - (2) श्री आर० हरी पिता आर० बाबूराव, 4-1-352, अबिटस, हैंदराबाद।

(अन्तरक)

2, श्री ह्वी० एस० रामकृष्णा जीपिए, श्री ह्वी, सिता-रामय्या, 6-1-99ए, पदमारावनगर, प्लाट नं० 9, सिकस्वराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपरिष्ठ के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्कृत के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कृता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपितयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंग।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रमुखी

थर नं० 6-1-99/ए- (प्रथम तल श्रीर दूसरा मंजला, पोरशन ऑफ ए हाऊस) प्लाट नं० 9, पधारावनगर, सिकन्दर।बाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं०, 6621/84, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैंदराबाद

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 5 अगस्त 1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 अगस्त 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 279/85-86—यतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त कथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ज्लाट है, जो लालागूडा, सिकंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है रिजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भारेडपल्लो, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 84 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में तस्त्रीरिक एप से कीयर नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तरण से धूर्ड किसी बाव की बावत, उसत वीभीनयम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए,, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या बन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आवकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिचाने में सुविधा के जिए;

क्तः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण का, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म क्री उपधररा (१) अ अधीन, निम्निसिश्ति व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्रीमती ह्वी० प्रेमा पति ह्वी० क्रीष्णामूर्ति, 12-13-284, रोड नं० 9, तारनाका, सिकंदराबाव।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती के० अखिलांडेस्बरी, पति श्री के० श्रीमन नारायण, 12-13-1162, रोड नं० 11, तारनाका, सिकंदराबाद (अन्तरिती)

का वह चूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् से सिक् कार्यवाहियां करता हूं।

उनक् सम्मत्ति के नुर्वत के संबंध में कोई भी नाक्षेप हु----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित्व से 45 दिन की जबीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिंतसों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाइ निवित में किये वा सकते।

स्वाधिकरण : इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्र अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा वहा है।

नन्स्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 864 घी । गज । रोड नं । लालागूडा, तारनाका, सिकंदराबाद (सर्वे नं । 182/10 ग्रीर 183/14ग्रोल्ड नं । 18), रजिस्ट्रीकृत विलेख नं । 3228/84 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारेडपल्ली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्राबाद

दिनांक : 5-8-1985

प्रकर बाह् .टी .एन् .एस्. -------

लायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (१) के लेथीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद हैंदराबाद, दिनांक 5 अगस्स 1985

आर० ये० सो० नं० 280/85-86---यतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लंट हैं, जो एस० डी० रोड, सिकंद राबाद स्थित हैं (भौर इससे जपाबक अनुसूची में श्रीर पूणं रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जनवरी 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान लिए अन्तरित की गर्द विद्वास करने मुभ्ते यह का कारण कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्य-मान प्रतिफल से, ऐसे इच्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिमत से बाधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-निचित उत्कादिय से उक्त अंतरण सिचित में वास्तविक रूप से क्रभित नहीं किया गया हैं 🏖 —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा में विष्यु; मोड़/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक्ष अधिनियम, या अनक्ष अधिनियम, या अनक्ष अधिनियम, या अनक्ष अधिनियम, विश्व (1957 का 2.7 के प्रयोजनार्थ अन्ति हिर्दी क्षाड़ा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए आ, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्रों सर्पात् हुन्स (1) मैससँ, ऊमाकर ग्रीर तेजकरण, 8-2-547, रोड नं० 7, बंजारा हील्स, हैंदराबाद।

(अन्सरक)

(2) श्रीमति निरमला विष्णुदास, 7112/35, श्रील्ड महाकाली स्ट्रीस्ट, सिकंदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

ष्ठकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन करीं अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पद्ध स्चना की तामील सं 30 दिन की अविधि, को जी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में वे किसी व्यक्ति बुदाराः
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए पा सकोंगे।

अन्त्यी

फ्लैंट, तीसरा मंजला, घर नं० 1-1-101 श्रीर 101ए, सरोजीनि देवी रोड, सिकंदराबाद, रजिस्डीकृत विलेख नं० 11/86, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकंदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 5-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

जासकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन स्वना

भारत बरकार

कार्यांसय, तहायक पायकर पावृक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, धिनांक 5 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 281/85-86——यतः मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उण्जित बाजार भून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० प्लाट हैं, जो इस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाध स्थित है (स्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मारेडपस्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 12/84

को पूर्वोक्स तम्पत्ति के उचित नाचार मून्य से कम के अध्यनाम प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुक्के यह विक्वाच करने का कारण है कि मभावृत्वों क्स संपर्तित का उचित नाचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यनाम प्रतिफल का बंग्रह प्रतिशास से निभक है और नंतरक (अंतरका) और नंतरिती (बन्दरितियों) के बीच एसे बन्तरक के बिए तब शवा बना प्रतिक्वक कि निम्मिसिक्स उक्षरेण से उक्स कन्तरक कि बिन्त में बास्क-चिक्क कर में क्यिन वहीं किया क्या है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किती बाय की बाबत उक्त गणि-णियक की अधील रूर दोने की अध्वरक के दायित्य में राज्यी करने वा तक्षके अवने को सुव्विधा के लिए; जॉर/वा
- (च) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तिवों को, जिन्ही भारतीय वाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ५० उपत अधिनियम, १० भन अन्य अधिनियम, १० उपत अधिनियम, १० भन अन्य अधिनियम, १० उपत अधिनियम, १० प्रत अधिनियम, भन्तियम, विष्या जाना चाहिए था, स्थिमाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम० सूसाई राज, 46, विजयनगर कालौनी, पिकेट, सिकंदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० एम० जैंकप, प्लाट नं० 25, स्रापोजिट दू, टागोर जूनियर कालेज, नियर शेनॉय नरिसंग होम इस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति में अर्थन में अर्थ कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत तम्पत्ति के नर्पन के तस्वत्थ में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस त्वना के रावनक में प्रकाशन की तारींच है 45 बिन की जबिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर त्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त श्रावित्तयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्कान के राजपण में प्रकाशन की सारीं है से 45 विन के धीलर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोइस्ताक्षरी के पाव सिवित में किए वा सकोंने ।

ज्याकारण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को अवक विभिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, को उस अध्याय में दिया पत्रा है।

वपसन्त्री

प्लाट नं० 24, भ्रापोजिट टागोर जूनियर कालेज, इस्ट मारेडपल्जी, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 389 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3154/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मारेडपल्ली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-8-1985

मोहर

प्रकल नाइ", टी. एन. एत. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अधीन स्वना

ब्रारत् प्रम्थार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराक्षाद, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० धार० ये० सी० नं० 282/85-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिस की सं० फ्लैट है, जो महाबीर श्रपार्टमेंटस, कींग कोठी, स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12/84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से काम के क्रयमान प्रतिपत्त के लिए मंतरित की गई है और मुके यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया जवा प्रतिफल, निक्नसिचित उद्देश्यों से उन्तरण के निष्त्र के विचन के बीच प्रतिकार के सामा का मिला के सामा की स्थान के सामा की स्थान के सामा की स्थान के सामा की स्थान के सामा की सामा क

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की वास्तु, उनक अधिनियम के नधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वसने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिल्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) दे अभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, स्थात :--- (1) मैसर्स नटराज बिडर्ल्स, 3-5-796, कींग कोठी रोड, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रार० गिरीशकुमार भ्रीर श्रीभ्रार० भ्रनिल, कुमार, 207, माहासविर भ्रपार्टमेंटस, 3-5-796, कींग कोठी रोड, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबब्ध किसी बन्ध स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निवित में किए वा सकों ।

स्वकाकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दां भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्वा है।

अनुसूची

प्लैंट नं० 207, दूसरा मंजला, माहावीर श्रपार्टमेंट्स, 3-5-796, कींग कोठी, रोड, हैंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6682/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैंदराबाद ।

एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-8-1985

प्ररूप मार्ड. टी. एत. एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ल (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निदेश स० थ्रार० ये० सी० नं० 283/85-86—यतःमुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उधार अधिनियम', कह्म गया है, की भारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट हैं, जो महाबीर श्रपार्टमेंटस, कीं प कोठी स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णेक से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबा^द में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-84

का पूर्वोवत सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निष्; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिस्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, "या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के का का का की किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा खें लिए;

अतः अतः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्षण अभिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—— 23—256GI/85

(1) मैसर्स नटराज बिल्डर्स, '3-5-796, कीग कोटी, रोड हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० ह्वी देसी और श्री ए० एम० दोसी, 103, माहाबीर अपार्टमेंटस, 3-5-796, कींग कोठी रोड, हैंदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्थाना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में थिए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गन्ना है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10, प्रथम तलन, घर नं० 3-5-796, माहावीर भ्रपार्टमेंटस, कींग कोठी रोड, हैक्साबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6677/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैक्साबाद।

> एम० जगन मोहन, मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबा द

दिनांक : 5-8-1985

मोहरः

प्रकप् नार्द्रः टी. एन. एस्. - - - - -

नायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्वासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैक्साबाद हैदराबाद, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निवेध सं० भ्रार० ये० सी० नं० 284/85-86--- श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो महावीर अपार्टमेंट्स, किंग कोठी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12/84 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह बिक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितयाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाना गया, प्रतिफल से जिल्लीकीयत उद्योग से उसल क्रमार क्रीं का निराण के लिए तथ पाना गया, प्रतिफल से क्रींचित उद्योग से उसल क्रमार क्रींचित में वास्तरिक स्थ से क्रींचत वहीं क्रिया क्या है —

- (क) अन्तरण संहुई किसी आग की वायत उक्ता विधितियम के वधींन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिविधा के तिए;

बतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितिबत व्यक्तियों, अर्थात :--- मेमर्स नटराज बिल्डर्स,
 3-5-796, किंग कोठी रोड़,
 हैदराबाष।

(ग्रन्तरक)

7 श्रीमती भानूमती सी० संघोइ, 208, महाबीर श्रपार्टमेंट्स, घर नं० 3-5-796, किंग कोठी रोड, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

की वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्वन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीय से 45 दिन की अविधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षणी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुवा है।

मन्त्रप

फ्लैंट नं० 208, महाबीर श्रपार्टमेंट्स, दूसरा मंजिला, घर नं० 5-3-796, किंग कोठी रोड, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6683/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-8-1985

प्रकृत बाइं, टी.ः एव., एख. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक वायकर वाव्क (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज; हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 286/85-86--- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

शायक अधिनियम, 1961 3961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट है, जो महावीर अपार्टमेंट्स, किंग कोठी रोड में स्थित है (और इसमें उपाब अनुसूची में अप पूर्ण कर से जीगत है), रजिस्ट्रोइको अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजन्द्रोइको 12/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य अन्तरे कारण है कि यक्षापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य अन्तरे कारण है कि यक्षापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य अन्तरे का प्रविक्त को प्रतिफल का प्रविक्त में प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिकल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिकल रूप से क्रियत नहीं विद्या गया है:—

- (क) बन्दाइन से हुई किसी बाद की बादद उक्त श्रीधीनयम के अधीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने वा उत्तवे वचने में तृषिधा के अप्राप्त श्रीद्र/या
- (ज) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा बन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के सिक्;

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जं, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) वै सभीत_ः निम्मीविद्यक्ष व्यक्तित्वा<u>ँ</u>ं सभीत् ह—ः मेसर्स नटराज बिल्डर्स,
 3-5-96 किंग कोठी रोड,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती शाँता बाई,
 3-5-112, नारायणगुड़ा,
 हैदराबाद।

(अन्तरिती)

.को कह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की सर्वाभ या तत्सम्मन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की सर्वाभ, जो भी संबंधि वाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्यारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्ति द्वाः -- इसमे प्रयुक्त व्यक्ते और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के बच्चाय 20 क में परिभावित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्याँ

फ्लैंट नं० 308, तीसरा मंजिला, महावीर ग्रपार्टमेंट्स, घर नं० 3-5-796, किंग कोठी रोड़, हैदराबाद, रजिस्ट्रोक्टत विलेख नं० 6685/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-8-1985

मोहर 🛚

प्रकृत बार्ड. टी. एन. एस. 🕳 - 🧸

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन त्ववा

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 अगस्त 1985

निदेश सं० श्रार० य० सी० नं० 285/85-86--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इरफो पश्यात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से मधिक हैं

जिमकी सं० फ्लैंट है, जो महावीर श्रपार्टमेंट्स, किंग कोठी रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूचीमें श्रीर पूर्ण रूप से, बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री है में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12/1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नंत्रह प्रतिक्षत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ब्यासन के हुई कितीं नाम की बाबत, उन्हें अधिनियम के ज़थीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में किसी करने या उत्तते ब्यने में तृतिया के लिए; और/या
- (सं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थितने में सुधिभा के निरा

कतः अका, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निक्लीलिखर व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मेसर्स नटराज बिल्डर्स,
 3-5-796, किंग कोठी रोड हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती गंगा देवी,
 11-3-928, मल्लेपल्ली,
 हैदराबाव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के जिल् कार्यवाहिया कुछ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में दिया व्याह्ये।

भनुसूची

प्लैंट नं० 207, तीसरा मजला, महाबिर सपार्टमेंटस, घर नं० 3-57-96 कींग कोठी, रोड, हैंदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6684/84 रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी हैंदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-8-1985

अक्ष आर्दं .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थना

नारत तरकार

कार्शालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 5 श्रगस्त 1985

निवेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 287/85-86--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो महावीर प्रपार्टमेंटस, किंग कोठी रोड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख 12/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मृल्य से कम के खर्ममान प्रतिफल की लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह निश्वास करने शर्र का अधिक है कि यथापूर्वोक्त भंपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके खर्ममान प्रतिफल से, एसे खर्ममान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (ग्रीरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण शिवित में वास्तिक स्थान किंथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम मी अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे व्याने में सूबिया के बिंए; और/था
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अपन आस्तिनों की, जिन्हें भारतिय जान-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरेण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीतः, निम्निचिति व्यक्तियों, अर्थात् ः— मेसर्स नटराज बिल्डर्स,
 3~5~796, किंग कोठी रोड़, ' हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमिति पि० एच० शहा, श्री के० एच० शहा, श्रीर श्रार० एच० शहा, घर नं० 1-1-79, बि०-4, एफ-2, एफ-दूसरा, भाग्यनगर बिल्डर्स क्रास रोड़, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशम की तारीस से 45 सिन की जनिम मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स स्वित्यों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किस्बत में किए वा सकने।

स्पस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त वन्तों और वर्तों का, वो उक्त विश्विनयम दे अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

फ्लैट नं 205, दूसरा मंजिला, महावीर ग्रवार्टमेंट्स, घर नं 3-5-796, किंग कोठी रोड़, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 6681/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-8-1985

प्रक्ष बाईं.टी.एव.एस.-----

काणधार मिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ध्रार० ए० सी० नं० 288/85-86—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यब विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० पलैट है, जो महाबीर श्रापर्टमटम, किंग कोठी में, स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रन्मूची में और पूर्ण रूप से बणित है, रजिस्ट्रकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 12/84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की मई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य करी वाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने वा उससे वचन्ने में सुविधा के लिए; वरि/वा
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आगा चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

(1) मेसर्स नटराज बिल्डर्स, 3-5-796, किंग कोठी रोड, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० एम० दोसी और श्री पी० एम० दोसी, 14, महाबीर प्रपार्टमेंट्स, घर नं० 3-6-796, किंग कोठी रोड, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिब्

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ का तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 3% दिन की बविभ, जो भी अविभ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (दा) इस सूचना के राजा कि ती अनाकार का तारीख के 45 दिन के भीतर अकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकी।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन सची

फ्लैंट नं० 104, महाबीर ग्रपार्टमेंट्स, घर नं० 3-5-796 किंक कोठी रोड, हैदरबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 6678/ 84, रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख**: 5-8-1985

प्रस्तप कार्ड. टी एत. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन स्वना

भारत तरकार कार्यासय , सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 288/85-86---अतः मुझे एम० जगन मोहन,

नायंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च औ अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो महाबीर श्रपार्टमेंट्स, किंग कोठी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12/84

की प्रशंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, एसे प्रयमान प्रतिकल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किती शाय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अस्ते या उससे सचने में सुविधा के किए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सर्वेशा के सिए;

बतः जान, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अमूसरण को, मी. इक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।

(1) मेंसर्स नटराज बिल्डर्ा, 3-5-796, किंग कोठी रोड, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) सरदार दलीप मिह, 3-4-421/18, लिगमपल्ली, पोलीस नोनस्, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी जाक्षेप :--

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की सनिध, को भी सनिध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्मना के राषपत्र में प्रकाशन की धारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकींगे।

स्पाब्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनक् जिभितिसम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होने असे उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 108, प्रथम तल, महाबीर अपार्टमेंट्स, घर नं० 3-5-796, किंग कोटी रोड, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6679/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम द्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-8-1985

प्ररूप बाहै. टी. एम. एच.------

शासकर क्रिपिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० ए० मी० नं० 290/85-86—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00 000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट है, जो महाबीर श्रपार्टमेंन्द्रस, किंग कोठी, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12/84

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल, मिन्निविच वे द्रश्यमान प्रतिकत के प्रतिकत है अपन वन्तद्रण कि लिए तथ पाया गया शतिफल, मिन्निविच वे द्रश्यमान स्वीचिच वहीं द्रिया जवा है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कह दोने के जन्तरक के बाजित्य में कनी कर्तने वा उच्छे बचने में सुनिया के लिए; बीड/वा
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सिच्धा के लिए;

नतः स्व, उक्त निर्धानयम, की भारा 269-मुके अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 2**69-म की उपभारा** (1) में अधीय, निर्मालिखित व्यक्तियों, नेमिल् क्र-→ (1) मेसर्स नटराज बिल्डर्स, 3-5-796, िंग कोठी रोड, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विष्णु गोपाल, 16-2-147/1/1, दयानंदनगर, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सुचना चारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख क 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति त्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीखंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किया कम्म क्यां कर क्यां कर किया क्यां क्यां क्यां कर किया क्यां क्या

स्थव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयूक्त गण्यों और पर्यों का, जो उक्क जिभिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, कही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश् गया है।

मन्सूची

प्लैट नं० 204, दूसरा मंजिला, महाबीर श्रपार्टमेंट्स, घर नं० 3-5-796, किंग कोठी रोड, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6680/84, रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एव० जगनमोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-8-1985

ोहर ध

प्ररूप बार्ष: टी. एन एस.-----

जागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- य के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ए० सी० नं० 291/85-86--यतः मुझे एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि आवर सम्प्रीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो वेकटकाा श्रापर्टमेंट्स, स्थित है (शीर इसमें लगाबद्ध अन्सूची में और पूर्णक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय विकडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन टारीख 12/84

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलिबा में बास्तिबक स्प से कथित नहीं किया गया है :—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के प्रेसए; और/या
- (घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की निए;

अतः इ.ब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन, निम्लिखित व्यिक्सियों, अर्थात् :—
24—256GI/85

(1) मेमर्थ प्रवीभीयटम् हैदराबाद 29

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कें राग हेडेवराराव, पिता लेट कें लक्ष्मी-न(रायण, 3-6-108/2, हीमायतनगर, हैंदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के विद् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष ध--

- (क) इस सचना की राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं बें 45 किए की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की ताथीं ने से 30 दिन की नविधि, को भीं अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति को मों के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाब रिसिश में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं-, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुस्ची

फ्लैट नें० 503, पंचवामजला, वेंकटकीपा प्रपार्टमेंद्स, घर नं० 1-2-24, हैदराचाद, रजीस्ट्रीकृत विलख नं० 909/ 84, रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी वीक्कडपल्ली।

> एम० जगम मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-8-1985

प्रकार सार्वः श्रीः पृष् प्रसारकारकारका

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत चरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (जिरक्षिण) अर्जन रेंज,हैदराबाद

हैदराबाध, विनोक 5 अगस्त 1985 निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 292/85-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रक्रको पहचात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की भारा कुछ-म के अधिन क्रियम के तो का अवरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाबार गण्य 1,00,000/- तर से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० घर है, जो हीमायतनगर हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ अनूसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चीवकड पस्ली, में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख 12/84

ती प्रतिकृत संपत्ति के उचित नाजार मृश्य से का के स्वयान गरितका के निए कन्तिरत की भूडी हैं और मृत्ते यह विश्वाद का की का कार्या हैं कि स्थाप्योंक्त संपरित का उचित वाजार अस्य असके क्यमान प्रतिकल में एने स्थापन प्रतिकल का क्लाह प्रतिकत से अधिक हैं और सन्तिक (जन्तरकों) और सन्तिरती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तः ल के लिए तय पाया गया प्रतिक् कन, निकासित्ति उद्वोध्य से उच्न अन्तरण सिखित में बास्त-देशक क्या थे कथित नहीं किया गया हैं ध-

- (क) अंतरण से हुई किसी जाम की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दामित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी इन या बन्य जास्त्यों की, जिन्हों भारतीय बन्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती ब्वास प्रयट नेहीं किया गया वा या किया जाना सहिए था. कियाने में स्विधा के निए

वत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) अबिधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, ज्यांत क्— (1) श्रीमती मधूबता हारडीकर ति लेट जनार्धन चीतामन हारीडीकर, बाई जीकिए, श्री आंचारास जनार्धन हारीडीकर, डी०, 15, अडीएम कॉलनी, हाडाल्को बेनूक्ट, मीर्झापुर, ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित एम०, सूसीताबाई, 3-6-474/7, हीमा-हीमायतनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृश्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध को कोई भी वाक्षेत्र हु----

- (क) इस स्पना के राजध्य में एकाशन को टारांख है 45 विन की स्वीध या तत्वंबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 किन को स्वीध. जो भी जनकि नाइ में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वोसल व्यक्तियों में किनी क्रिकार एका
- (क) इत् सूचना के राजपण में प्रकारन की तारीक हैं 45 विन के भौतर चलत स्थावर सम्मत्ति में हिन्छः बद्ध किसी मन्य व्यक्ति प्रवार, अधोहस्ताक्षरी हैं पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकारणः चार्यसे प्रयुक्त जब्दों और एक्टों का, भी अवस्थ प्रीकृतिस्था, के सभ्यास 20-क स्रा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भवा की।

अनुसूची

घर नं ० 3-6 467/3, हरडीकर बाग, हीमायतभगर, हैवराबाद, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं ० 935/84, रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी चीकक्कडपल्ली।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 5-8-1985

मोहर।

असम बार्र् । हो, बुन , बुन क्रान्य-करकरण

नामका व्हेलरियम्, 1961 (1961 का 43) की पास ३69-थ (1) को नभीन कुसना

भागांसय **सरकात्र कार्यासय तशासक बायकर वास्त्रय (निरोधान)** अर्जान रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिशांक 6 अगस्त 1985

निर्देश र्स० आर० ए० सी० नं० 293/85-86—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अभिजास को धीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके परकान 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की बारा 269-क में अधीन सक्तम प्राधिकारी का., यह विकास करने का कारण हैं कि स्थान संपारित निवसका अभिने संभाद मुंख्य :

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर भिलकी सं० घर है, जो हीमायमनगर हैदराबाद में स्थित है (आर इला उपायस अनुभूचों में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिस्ट्रिकिसी विकासी के सायलिय, चिनकडपरली, में भारतीय रिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनों से 12/84

को प्वाप्तः भागीता के अधित निवार भूम्य सं कम के करवान विश्वपत के मिस कन्तिरिक्त को यव हैं, और मुक्त यह निवसाय क्षण्ये का कारण हैं जि युकापुनीयत संपरित का लिखत नाबार भूग्ये जिस्सा क्षणां जीतपक्ष से शैंसे रक्षणांन प्रतिफल का पंतर प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक -(अंतरकों) नीर नंतरिती (जनार दिस्सी) के बीच क्षण का अध्यक्ष के लिए सन् पाया नया प्रतिवाद , जिस्सीजीयत अक्षणांक्ष के उच्छ कन्त्रक सिविक्त में बास्तीजिक रूप सं क्षणित मही किया मना है क्षणा

- (क) अन्तर स हुई रिक्सी नाम की बाद्य उनक निष-इत्यन की अवीम प्रद वीने के अव्यक्त के वास्तित वी आभी कार्य मा उपसे नवने में नुविधा के लिए; वीर्याना
- अत: अब, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग को, अनुसरण बो, मी, उक्त विधिनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) को कथीन, निक्तृतिसिक्ष व्यक्तिस्मों, अभीत ≟---

- (1) श्री गूलाम जीलानी, पिता गूलाम दस्तगीर, 10-1-18/बि॰ मासाब टैन्क, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री मोहम्मद रसीमुद्दीन पिता मोहम्मद होइनुव्दीन श्रीर मोहमम्द अरीफुहीन, पिता मोइनुहीन, 3बाव 361/10; हीमायतनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

की यह तुष्पा जारी करने पुनोंक्त कल्मीस में सर्वत में हिन्छ कर्मनाहियां गुरू करता हो। उन्नय कल्मीस में सर्वत में सम्बन्ध में मोद्दें ही साम्रोध है—

- ्रिक्क इस्त्रेग के उप्यापन की प्रकाशन की ताड़ीश के 45 विश् की बदिश का एटबंगी व्यक्तिकों पर क्ष्मण की तानीश से 30 विन की संपर्शि, को भी संपर्शित का में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्श क्ष्मुक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वास्तः
- (ए) इच सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नख बिक्ति में किए वा हकोंगे ।

स्वाब्दीकरण :----इसमें प्रमुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त आधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होता, को उस्य अध्याय में दिया गका ही।

अनुसूची

घर नं० 3-6-361/10, हीमायतनगर, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 953/84, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चक्कडपल्ली।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबा**द

तारीख: 6-8-1985

प्रकृष बाह्र . ट्री . एन , प्रस------

नायकरु अभिनियम, 1961 (196:1 का 43) की भाष 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कंगवसित्र, सङ्घावक जामकार जायुक्त (जिरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अगस्त 1985

मिर्बेस सं० आई० सी० नं० 294/85-86—यतः मुझे एम० जगन मोहन,

नावकर निर्मानमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षान प्राधिकारी को यह विस्तास नहने का कारण है कि स्थानर चम्बति, जिसका उचित बाचार मूक्त 1,05,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० घर है, जो यल्जम्यागुटटा, निझमाबाद सिथत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्य से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय विझामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12/84

को पूर्वोच्य सम्मित को विचय काकार गुरुष ने काम के जानकान प्रितिकास के सिए बन्दिक की गर्ड हैं और मुन्ने यह निक्सास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत संपाद्ध वह उपित बाजार मुख्य इसके जावनान प्रितिकास से, एसे ज्यानान प्रतिकास का प्रवाह प्रितिकास से किंदिक हैं और मन्त्रापक (अन्तराह्म) और निक्सीका (अन्तराह्मी) को बीच एसे सम्बद्ध के लिए स्वाहरण के लिए एवं वाया संया प्रतिकास, निक्सीका ज्याके से उस्त स्वाहरण किंदिका में बास्तरिक कप से क्षिय नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्कक की बाविश्व में कमी करने या उससे बचने में कृष्टिया के सिए; श्रीर/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आहिताओं कां, जिन्ही भारतीय आअकर अधिक्रिया, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिक्रिया, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, डिपाने में तृतिथा के जिए;

(1) श्रीमती जी० अनुसूया पित लेट लक्ष्मीनारायण, घर नं० 4-5-106, निज्ञामाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री के० गंगाधर गौषिता वेंकट गौ, िद्दापाल्ली विलेज, तालूका निज्ञामाबाद।

(अन्तरिती)

च्ये स्था प्रमाण अस्ती स्थाने पृथ्वेषक स्न्त्रीयः में स्वान् में दिए कार्यशाहियां करता हो।

उन्ह सम्मरित के भूजीय के सम्बन्ध में आहेर भी आहेर -

- (क) क्य सूचभा के राज्यत्र में श्रक्तश्चन की हारांख के 45 दिन की अविधि का तरसंबंधी व्यक्तिसमें पर सूचना की ताजीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाव में बनायत होती हो. के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी न्यनिस दवारा;
- (ख) इस ब्रुषणा के राज्यन ने प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्क काकर स्थातिक में हित्सक्ष किसी क्या क्षिका द्वारा भागेहरसाकारी के गात निवित्त में किए जा सकेंगे

अनुसुची

घर नं० 5-6-510/4, येन्लम्मागूट्टा, निष्ठामाबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 7922/84, रजीस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी निक्षामाबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

बतः बंब, उक्तं अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मं, मं, उवत अधिनियम की भारा 269-घ की लपभारा (1) के बाधीन, निम्नसिधिक क्रिक्सवी, अर्थात् ु—

तारीख 5-8-1985 मोहर। प्रक्रम नार्द्, टी. एन . एस . ------

जारकार अर्थिनिजन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह्यवक भावकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

ईदराबद, दिनांक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० 295/85-86—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' महा नया हैं), की धारा 269-क के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिबका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

द्यार जिनकी सं० साइष्ट है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12/84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य ते कन के कामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एते दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबिक कप से किशत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की, बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुचिभा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तिनों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्र--- (1) 1. श्री नटबरलाल पिता श्री जीवन दास भीर अन्य, घर नं० 3-5-1141, यडन गार्डेन, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति जता शर्मा पति श्री शिवप्रकाश शर्मा, घर नं० 21-1-436, रीकाब गंज, हैंदराबाद। (अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्जीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतृर नुवें कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक्ष्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पच्छोकरण: — इसमें प्रयुक्त भव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है !

अनुसूची

खुली जमीन, (283.5 चौ॰ गज॰,) एम॰ नं॰ 3-5-874, हैदरग्ड, हैदराबाद, ग्जीस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 6836/84, रजीस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 5-8-1985

प्रकृत आर्थे _सटी, एन*, प्र*त्र, -----

बास्कर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन सुमना

公司第一個東西科學

क्रायांच्य, सहायक नायकर नायुक्त (विरोधाय)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिना र 5 अगस्त 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 296/85-86---यतः मुझे, एम० नगन मोहन,

नासकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परनाएं उत्तर अधिनियमं कहा भया हैं), की भारा 269-च के नभीन तक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, विश्वका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से निधक है

श्रौर जिसकी सं० घर है, जो नूरखा बाजान, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनूस्ती में श्रौर पूर्णका से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि गरी के कार्यात्त्य हैदराबाद में भारतीय रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12/84

का पूर्विषय सम्पादत को लाजर पायर मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्दर्भित का तक है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्या, उसके दश्यमान प्रतिकल साम एसे प्रथमान प्रतिकल का वृद्धि प्रतिकत के वृद्धि है भीर अंतरक (अंधरकों) और अंतरिता (अन्तरितिकों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विकल, निम्मसिसित उद्बोक से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिक स्प से किया नहीं किया नका है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत अक्त अधि-नियंत्र के अधिन कर दोने के अन्तरक के दासित्थ में कसी करने वा उचाचे बचने में सुविधा के दिए; महिर्णवा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जामकर जिन्हें भारतीय जामकर जिन्हें भारतीय जामकर जिन्हें से धनकर (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

सतः गय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण रुमें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिभाग, निम्निनियन क्योंकिक । प्रशुल्ल स्क

- (1) श्री सलीन पिता श्री अब्दुल गकार, घर नं० 22-7-516, पूरानि हादेली, हॅदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री अब्दुल गफार पिता हाजी अब्दुल गफार, 22-7-516 पूरानी हवेली, हैदरावाद। (अन्तरिती)

को यह सुभाना पारण करका पृत्रीयल सम्पत्ति के अधन का लिए कार्यवाहियां कड़ता हो।

उन्तर संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुकात को राजपत्र मों अकायन की तारीच ते 45 यिन की अपित का उत्पादी के जिल्लामां पर सुकात की तामील से 30 पित को जबा र, का भी व्यक्ति बाद मी सकामत झारेरी हुए। को नंशतर प्रवर्णनिक व्यक्तियों में से फिली क्यकित ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में जकालन मा शार्यभा है 45 दिन के भीक्षर उग्हा स्थानर सम्पत्ति में हितनद्रभ किसी अन्य व्यक्ति इतारा अथोहरताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकता।

स्वाचीकरण:---इसमें प्रयानत शब्दों कीए पन्नों का को सबस अधिनियम के अध्याय 20-फ में परिभावित हैं, वहीं अर्थ क्षोगर को उस अध्याय में दिवा बुका हैं।

अनस्यी

घर नं० 22-1-730/1, नूरखं वाझार, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6616/84, रजीस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-8-1985

प्ररूप बार्ष, टी, एन., एक.----

आयक्टर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा ः ए (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयवार आयवत (निरीक्षण) अर्तन रेंज हैदराबाद

हैदःएबध्द, दिलांक 6 अगस्त 1985

निर्देस सं० आर्द० नं० 297/85-86—-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आसकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार जिसे असी आधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० भूमि है, जो जतानण्लाख्ती में स्थित है (श्रीर ध्रममे उपाधव अनूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री हर्ता पिक्षण्टरी के कार्यालय शास्तरण में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 द्या 16) के अधीन दिनांक 12/84

की पुर्वितत गणिति के उचित बाजार मृत्य से कम के देश्यमान श्रीतिफल के निष्ण अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्यास फरने, का कारण है कि यथाप्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का बेबह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितिकों) के दीय एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रति-फल, अस्तरिति में उद्यास से उक्त अन्तरण निचित में बास्त-विक स्थार की स्थान नहीं किया गया है ——

- (का) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्नरक के दारियल में कमी करने वा उससे अचने में सरिधा के लिए; जोड़े/बा
- (ण) एसी किसी भाग मा किसी भन या जन्म जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन जर अधिनियम या भन जर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के का या किया जाना भाहिए था, छिणाने में स्वितिधा की लिए

कतः ४७, ज्यान नाभितियम् की भारा 269-ग की अनुसरकः में, में, उकत निधितियम् की भारा 269-स की उपभारा (1) के नभी। निम्मलिसित व्यक्तियों, अभीत क्ष्मा (1) श्रीमति सीराजूनिआबेगम, घर नं० 5-6-561, धामाल्ली, हारायाय।

(अन्तरक्)

(2) श्रीनिति झकीया सूकनात और अन्य 3, 10-4-42, हुनायुन नगर, हेरनाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंधत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उपत मुम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सम्भग के शबावण में काकान की तारीब से 45 विन की अविभि में उपस्था के कामित पर स्वमा की तारीब से 30 दिन की जबिंध, को भी वबींब बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में जिस्सी व्यक्ति व्यक्तियों में में जिस्सी व्यक्ति व्यक्तियों में
- (च) इस सम्पना के राजण्य में प्रकाशन की तारीच सं दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पाज निस्तिन में किये जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त खब्बों और पदों का, जो उक्त लिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रन्सुची

कृषि भूमि, विस्तीणं 35.31 एकर, चैतन पन्ली, विलेज, शादनरगम साल्क, बहूबबनगर जीला, रजीस्ट्रीकृतौ विलेख नं० 2537/84, रजीस्ट्रजकर्त्ता अधिकारी शादमगर।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीखः: 6-8-1985।

प्रकम भाषी, दी, एन, एस,-----

नावकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीत सुचना

धारत सहकाङ

कार्यातव, सहायक बायकर नायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोंज. हैसराबास

ईवराबाद, दिनांक 5 अगहत 1985

सं० 298/85त85---पतः मृझे एम० जगत मोहन

जायकर लिभिनिजन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्समें पश्चात् 'उक्त अधिनिजम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्रतिस्कारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मोर जिसकी सं० व्लैंट है, जो शाबास ब्लन कपाडीया लन, स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्णक्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदर वाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1/85

को पूर्वोत्रत सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के वरवजान प्रतिफल के लिए अण्डरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है

कि मशापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाकार मूल्य, उसके वर्ध-मान प्रतिकल से, एने व्यवनान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकल से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया पका प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्योच्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गंगा है "—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथानियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बागित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; आंद्व/वा
- (प) एसी किसी नाव वा किसी धन या अन्य न्नास्तियाँ को, जिन्ही भारतीय नाय-कर विधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उच्चा निधिनिवस, या धन-कर निधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नाध जन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा वो निए%

स्तः जब, जब्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिजियित व्यक्तिस्ता, कथितः— (1) मप्तर्स लन्ड मार्क विल्डसं, 6-2-940 खैरनाबाद, हैदराभद-4

(अवतप्रः)

(2) श्रीमित सावित्री मरेंदर, 11, महदीपटलम कांलनी, हैदराबाद-28

(अन्तरिती)

को वह सुचना चारी कड़को पूर्वोक्स सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हो हो

उक्त सन्तीत के बर्जन के सम्बन्ध में कुँही भी बाक्षेप ह--

- (क) इस जुमान के रायमन में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की बनीध का तत्सस्वन्धी व्यक्तियों पार सुमता की तामीश हे 30 दिन की बनिध, जो भी जनिध नाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वोक्त का निसमों में से किसी व्यक्ति दुवाराह
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रवत्तकन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हिस्सद्ध कि वास व्यक्ति व्यक्ति द्वारा वधोहत्वाक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकीने ।

स्थानिकरण: --- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, को अक्त अधिनियम को प्रभाग 20-क में परिभाषित हैं पड़ी कर्ष होगा, जो जस अध्यास में दिया गया हैं है।

नप्तर्जी

आपर्टमेंन्ट नं० 203, दूसरा मजला, शाबास ग्लज, घर नं० 6-3-986, कपाडवा, जलन, सोमाजीगूडा हैदराबाद; रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 511/85, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 6-8-1985 **मोहर** 🖫 प्रस्तृ बाह् ं टी. एत. एत. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकात

कार्यालय, सङ्ग्यक जानकार आक्ष्यस (निर्दाक्षक)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं० 299/85-86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन

ग्रीर जिककी सं० पर्नेट है, जो कपाडीया लेन, सोस ग्रीगूडा, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1/85

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवस्थान प्रतिफल के लिए अंतरित की नहीं ही बीर मुके यह जिल्हान करने का कारण ही कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित काजार मूल्य उन्न एड्डिंग प्रतिप्त को एन्से सम्बद्धा प्रतिप्रक का एड्ड्ड्ड्ड्डिंग प्रतिप्रक का एड्ड्ड्ड्ड्डिंग प्रतिप्रक की कर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए वे अन्तरक के लिए तय क्या गया प्रतिकत निम्मलिखित उक्टबेय से उक्त अन्तरण निम्बन के जिल्हा कर में की का नहीं किया गया है है

- [क] बन्तरम वे हुई किसी बाय की बावत , उनक्ष बिधीनम्ब से बधीन बार होने से बन्तरक से शायतम् में कभी करने सा उससे वचने में सुविधा से निक: प्रीतिक
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्ध वास्तिक की जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया

बल: मन, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अवृत्तरम में, उक्त विधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिल व्यक्तियों, कक्ष्म :----25----256GI/85 (1) में सर्स तेन्ज मार्क बिल्डर्स, 7-2त930 खैरताबाद, हैदराबाद-4

(अन्तरक)

(2) क्लेटरस जे० येलीज, पोस्ट बोक्स नं० 4519, दुवाई, य्०ए०ई०

(अन्तरिती)

को यह मूखना अवही करने पूर्वोक्त हरूपित वे कर्मन के हैंन्द कार्चमाहिको वर्दा हुं।

उन्त रामित में अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के अवस्त्र के अस्तावन की सहाईक की 45 दिन की वर्जीय का सरकारणी व्यक्तियारी पर स्थान की ताजील से 30 दिन की वर्जीय, को भी वर्जीय वाद के समान्य होती हो, के बीसए प्रवेशिय का सिरायों में से किसी व्यक्तिय हवास;
- (ब) इस क्षमा से ह्रव्यम में प्रकारन की तारील है 45 दिन के बीतर उनत त्यापर बन्गीत में हिलक्ष्य किसी क्षम जिन्द द्वाल अवहिस्ताकरी में पास सिविशत में क्षिण जा स्कीने 1

स्वयन्तिकत्त्वः :---इसमें प्रवृक्त सम्बद्धे कीष्ठ पूर्वे का, को उपन्त वहाँधनियम के बच्चाय 20-क में पीड्रभाषिक हैं, वही अर्थ हाँगा वाँ उस मध्याय में दिसा गया हैं।

अनुसुची

अपिटिमेंटस नं० 602, ग्रौर गेरेंज नं० 2; घर न० 6-3त986, से 996, कापाडीया लेंन, सोमाजीगुडा, हैनराबाद रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 544/85, रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैद्राबाद

तारीख: 6-8-1985

मोड्डर 🌣

प्रकृतार्दः हो पुन् पुन् .:----

आयण्डर अधिनियम, 1961 (1961 का 45) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्जानव, सहायक अवकार आवृत्य (गिड्रीक्सण) भर्जन रेंज, हैंवराबाद

हैक्राबाद, विनाँक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 300/85-86---यतः मुझे एम० जगन मोहन

आवक्तर निर्मित्तन, 1961 (1961 स्त 43) (चिक इसमें इसके वश्चात् 'उन्त निर्मितनन' बंदन गवा हो), की धारा 269-स के अधीन तक्तम प्राधिकारी को कह विश्वास करने का कारण हो कि स्थानद सम्बंधि, जिस्सा क्रिक निर्मित निर्मित क्रिक निर्मित क्रिक निर्मित क्रिक निर्मित सम्बंधि हैं।

'ग्रोर जिसकी सं० फ्लैंट हैं तथा जो कोंकोरडे श्रपार्टमेंटस्
येरामंजिल में स्थित है (ग्रांग इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित ई), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय
हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908
का 16) के ग्रधीन, दिनाँक जनवरी 1985

को वृत्तिस्त सम्बर्गिः के उपित नाजार मृत्यः से कम के उपमान प्रतिकल के लिए नन्तिरित की गई ही और मुक्के यह विश्वास करने का कारण ही कि बधा पूर्वित्त नम्पत्ति का उपित नाचार मृत्य, उसके क्रमान प्रतिकल से, एसे व्यमनान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिकात से अभिक है

और अंतरक (अंतरकों) जोड़ अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरक के लिए तब पाया गवा प्रतिकता, निकासिका उद्योग्य से उपत अन्तरण निर्मित में बास्तिक रूप से क्रिया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की शब्स, उच्का अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क्ष) ऐसी किली आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर जीधीनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या धनकर अधिनियन, या धनकर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित एक्तियों, अर्थात् ः— (1) मेसर्स कामिश्रियल फलैटस् बिल्डिंग कार्पोरेशन, ए-102, सत्य भ्रपार्टमेंटस्, मासाब टैंक हैंदराबाद-28।

(अन्तरक)

(2) कुमारी एम० संध्या रेड्डी, 6-2-101, लकड़ी का पुल, हैंदराबाद ।

(अन्तरिकी)

न्छे तह सूच्या पाडी करके पूर्वीकल कर्णांच के कलन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी जाओप :--

- (क) इस बुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविभ या तस्संयं की व्यक्तियों पर तुचना की तामील से 30 दिन की अपिकः को भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस तृष्या के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपीत में हित्बद्ध निम्मी अन्य व्यक्ति व्यास अश्रह्साक्षरी के पास तिकित में किए जा तकोंने।

स्यक्षतिकरण:—इनमें प्रमुक्त शब्दों और धरों का, जो जबका अधिनियम, के अध्याध 20-क में धीरभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याध में दिया गया है।

नम्स्जी

फलैंट नं ० 204,कोंकोरडे श्रपार्टमेंटस्,घर नं ० 6-3-658, यरा मंजिल, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं ० 454/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनौंक: 6-8-1985

मोक्क ध

एस्क **भार³, टी. एन**् पुर_{िय} ०-००

लामाकार अधितिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा १७७५ (1) के अभीन सुमना

भन्द्रभग सरकार

क्ष्मधासक, सङ्घायक कार्यकर कार्यकर (पिरविश्वक) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 6 धगस्त 1985

निर्देश सं० प्रार० ए० सी० नं० 30185-86--यतः मुझे एम० जगन मोहन

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उसत अभिनियम' कहा गया है), की पाछ 260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का अधिक है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृक्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिस्की सं० फलैंट हैं तथा जो रेड हील्स्, हैं दराबाद में स्थित हैं (श्रीर इंससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्जित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, खेंरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 16) के श्रिधीन, दिनाँक जनवरी 1985

भार जुआं का संपर्धित के बिखत वाधार स्ट्य से कम के सरवास प्रितिकत के लिए अंसरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्विकत सम्पत्ति का उपित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे एश्लान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंसरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल दिस्तिविखत उद्वेश्य से उस्त अंतरण निक्ति में वासविक रूप में किशत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी मान की नान्छ, उनक नार्थितक के अधीन कर को के नंतरक को वाजित्व में कनी करने ना सन्दर्ध नजने में मुन्तिया के जिए! और/१०
- (थ) होसी किसी बान वा निक्की भन ना बन्य नारिसकों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनवन, 1922 (1922 का 11) या स्वत्य निविद्यम, वा धन-कर निधिनवम, 1957 (1957 का 27) के लेखनाथ जन्म जिल्हा काला निव्या निवा निवा निवा को सिक्का के निवा निवा निवा ने सिक्का के निवा

अत. अम, उन्हें अधिनियम की भाषा 269-ग के मनुबरण में, में. उन्ते औषिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित स्पंतिसनों, जर्भात क्र-- (1) मेसर्स भागनगर कन्स्ट्रक्यान को० बाइ पार्टनर श्री लक्ष्मीप्रसाद ग्रग्नवाल, 11-4-656/1, रेड हील्स् हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एमं० विजयंद्रा कुमार पिता पोथा राजू, बाग लिंगमपेल्ली, घर नं० 13-3-76, हैं बराबाद। (श्रन्तरिती)

को नह बुधना जाही करके प्रतिकत अध्यक्ति के वर्षन के जिए कार्यनाहिनों करता हुं है

तक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई और वास्तेष ह---

- (क) इस नुषमा के प्रथमित में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिंध ना तत्त्वंवंधी व्यक्तियों पर सृषना की तानील से 30 दिन की वनीध, जो भी वनीथ नाद में तमाप्त होती हो, के शीतर पृष्टित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों।
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किश्वी अन्य ध्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए या सर्कीने।

स्थिकीकरण ए----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विभिनित्रक के अध्याद 20-क में परिधायित हैं, वहीं अर्थ होगा को उच्च अध्याद में दिसा एका है।

अनुसूची

पलैंट नं 312,तीसरा मंजला, घर नं 11-4-656/1, रेड हील्स्, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं 192/85, रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी खेरताबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, हैंदराबाध

दिनाँक: 6-8-1985

प्रकाष बार्च । ती । यस : तुस : --

बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) में कंपीय क्का

कार्कसम्बद्धः तहायक भायकर नायुक्तः (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैसराबाद, दिनाँक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० धार० ए० मी० नं० 302/85-86-यतः मुझे, एम० जगन मोहन

नाशकर निविद्यम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रथम (उपत अधिनियम किए मध्य मध्य हैं). की भाष 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वतास कारने का ब्याहन हैं कि स्थावर सम्बंधि जिल्लाका अधिक बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं ७ फ्लैट है तथा जो रेड हील्स हैंदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, कै ताबाद में भारविषय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी 1908 (1908 कि 16) के श्रिधीन, दिनाँक जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूला से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अस्तरित की नहीं हैं और मूले यह विश्वास कर। या कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आधार मूल्य, उसके उरयमान प्रतिफल से एसे स्थयमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक ही और अंतरका (जंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य में उसत अन्तरण लिखिक में बार्सिक स्प से कांधत नमीं किया गया है:——

- (क) प्रकारत के हुन किया नान की नानक, उनक लिए-निवंत के बंगील कार राष्ट्र के जन्तरक के नायित्व में कार्यी कारणे या उन्नचं नायणे में नृतिभा के लिए; बीक्ट/वा
- (च) प्रेची निवर्ध नाव मा किसी थर्ग मा जस्य व्यक्तिकों को जिन्द्र भारतीय अध्यक्त स्विभित्रक, 1922 (1922 का 11) या उकता स्वितिष्ठक, का भगकर अभित्रियमः 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनाओं करता एकी वनता प्रकट नहीं किया गुरा भा का किया जाता अहिए था, कियाने को विवा के किया?

कतः अव, उक्त जीशिश्यम कर्षे भारत 269-म को अनुस्थरण में, में. स्वत् अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् (1) मेसर्म भागनगर कन्स्ट्रक्यान को० बाइ पार्टनर श्री लक्ष्मीप्रसाद श्रमवाल, 11-4-656/1, रेड हील्स्, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० रामचंद, एच० यू० एफ०, फलैंट नं० 312, फ्लोग्नर 3, घर नं० 11-4-656/1, रेड हील्स् हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना आपी कारके पूक्षेंबस सम्परित को वर्जन के लिए कार्वमाहियां कारता हुं।

उन्त सम्बद्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक को प्रकार की प्रकृतिक से 45 दिन की समित से प्रकार की क्षमित से प्रकार की कामित के 30 दिन की समित जो की समित की समित की समित की सिंग की सीत प्रविक्ष का सिंग की सीत प्रविक्ष का सिंग की की किसी की सिंग की सिंग
- (वं) इत सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारींस से A5 दिन के भीतर उनत स्नामर सम्पत्ति से क्रियनद्वा क्रिक्ट अन्य व्यक्तित स्थार क्रियंक्रशाधारी में प्राप्त सिक्त में क्रियं जा सकीयो।

स्यक्तीकरण ह्र—इतको प्रयूषत अध्यो औह पर्ता का, को उपक वीभीनस्य, को अध्याय 20-क को परिभाषित ही, वहीं नर्य होता को उस अध्याय में दिया सक्ष ही।

म्म संची

फ्लैंट र्न \circ 312, तीसरा मंजला, घर नं \circ 11–4–656/1, रेड हीलस्, हैयराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं \circ 192/85, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी खैरताबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनौंक: 6-8-1985

मोहरः

प्रसंप जाद दृदी एम ्यस ् ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के अभीन सूचना भाषा वहक्षा

कार्याक्षव , सङ्घावक भावकर वाज्यस (गिराधिका)

श्चर्जन रेंज, हैं बराबाद हैंदराबाद, दिनाँक 6 श्चगस्त 1985 निर्देशसं० श्चार० ए० सी० नं० 303/85−86--यतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) विखे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसंका उवित बाज़ार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीन जिसकी सं ० प्लाट है तथा जो खेरताबाद, है दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाँक जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उषित बाजार मृत्य से कन के कमनान प्रतिफल के लिए जन्तद्वित की गई है और न्भे वह विषया करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मित का उषित बाजार मृत्य, उसके उपयान प्रतिफल से, ऐसे ख्रवनान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्त-रिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित व नास्तिक कर से किया नहीं किया नवा है :—

- (स) बन्धरण ते हुवं किसी नाव की बावध उनक बीधनियम के बधीन कर योग के अंतरक के यावित्य में कभी करने या इतने बचने में सृविधा की निष्: बीट्/बा
- ंदों किसी जाम या किसी धन या जन्म वास्तियों को, जिन्हें भारतीय कायकर विधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या अनकर विधिनियम, या अनकर विधिनियम, या अनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ वंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था डिपाने में सुनिधा के निए;
- बसः अवा, उच्य विभिन्नमम की भारा 269-न के कन्सप्त में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, नुर्माद :---

- (1) श्री बी० ऋष्णम राजू पिता सूर्यनारायण राजू, घर नं० 303/बि/तूपे 3, रामचंद्रापूरम, रंगारेड्डी जिला। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती के० राजेक्ष्यरी पति के० केशाव रेड्डी, राजमूंड्री, इस्ट गोदावरी जिला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वृष्यंत्र के निष्यु कार्यवाहियां करवा हुं।

उनत संपर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोडें-श्री आक्षेप ब--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को और
 विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्साक्षरी के
 पास निकित में किए का सकेंगे।

स्पष्ठिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उच्च अधिनियन के अध्याय 20-क में परिभावित हों, वेही अर्थ होना को उस अध्याय में विया गया ही।

वमसनी

प्लाट नं० 54, विस्तीर्ण 444 चौ० गज, खैरताबाद, हैक्स-बाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 465/85, रजीस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी हैक्साबाद।

> एस० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

विनांक: 6-8-1985

प्रकल. कार्यः टी., एतः, एस्. - - - -

भागकर अधिनियात्र, 1961 (1961 का 43) की भाग 260-भ (1) के वशीन सुमना

That is instituted

कार्याजयः, सङ्क्षाक यात्रकार नाम्बन्ध (किरीक्स्स) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हदराबाद, दिनांक 6 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 304/85-86-यतः मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर अभिनियन 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० घर है तथा जो ए० सी० गार्डम्, सहफाबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिजत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिस्त बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए इन्तिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल के, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्दर प्रतिक्ष से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितेयों) के बीच एसे अन्तरम के लिए तय पाना गया मितकल निम्निलिसत उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है ।

- (क) अन्तरम् से प्रार्थ रेपली आक की कार्यस, उक्त अधिरिक्षण की जभीत कर वेते की कम्मस्य में वाक्तिय में क्षत्री करने वा तस्से उभन्ने में द्वीवधा को विद्युः और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-नार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा से लिए;

चतः अव उक्त निभिन्तियम की भारा 269-व वै वस्त्रक्र में, में, अवत निभिन्यम की भारा 269-व की उपभारा (1) के नभीत, निम्नतिचित स्मन्तियों, अवित् क्र--- (1) श्रीमती के० ऊपा राती पित के० सत्यनारायणा राजू, और श्रत्य, 6-3-347/18, द्वारकापुरी कालोनी, पंजागृट्टा, हैंदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स रासी सीमेंट लि०, बाइ मॅनेंजर (प्रडीएम०), श्री वी० ग्रार० के० णास्त्री, 1-10-125, प्रशोक नगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृशक्त सम्पास का जलन के लिए कार्यकाहियां कस्ता हुं।

उमरा सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोए भी आश्रीप र---

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधित पा नक्ति। वार्ष वार्ष पा प्रकार की तारीब से सचना की तामील 2130 है उन्हें अर्थीं के जा भी अवधित बाद में संज्ञानत होती हो तो में तर पूर्व तस व्यक्तिया पा मा भिन्ता वार्ष का १०००
- (क) इस सूचना के राजपत्र की अकाशन की तारीब से 45 विम के भीशार उसत रवायर सम्मित की हित- अवुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

र्वाकोकरण :—हसमो प्राप्तत थळ्ग गरि पर्यो का, यो उक्त अधितियागा, या श्राप्ता (10 -) या विश्वतीत्र हो, वश्यो पर्शादीता, जो पर्श पराव्य में दिया सका हो।

वस्त्रची

घर नं० 11-4-646, ए० सी० गार्डस्, सङ्फाबाद, हैदरा-बाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं क 1368/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-8-1985

मोहर 😉

परूष लाहे ही एन एस .----

बाबकार क्रिकेशिया 1961 (1961 का 43) की धारा १८० छ (1) के बसीब समस्

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्तिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 305/85-86-यतः मुझे एम० जगन मोहन

वावकर गणिनियम, 1961 (1961 का 43) (विक्र इसमें इ

और जिसकी सं० घर है तथा जो सइफाबाद, ए० सी० गार्डस्, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिं रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1984

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते वह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्थित्त बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतर्रकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पावा पया इंडिफल निम्निसित्त उप्रदेश से उसके सम्पर्ण निर्मित्त से मास्त्रिक कर से कीचत वहाँ किया ग्या है

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय का बावता, उत्तर नियम के नधीन कर दोने के जन्तरक के शांवित्य के कमी करने या उससे बचने में सृद्धिया के किए; और/शा
- (च) ऐसी किसी बाब या किसी धन या सम्ब बास्तिवाँ काँ, जिल्हाँ भारतीय वायकर विधिवयन, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के स्वांजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का सिका बाना बाहिए था, कियार को जीवधा के जिल्हा

बत: अब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुतरण को, की उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर जिस्ति विविद्य व्यक्तियों, वर्षात् है—

- (1) श्री एन० कृष्णम राजू, अग्रीकल्चरीस्ट पिता वेंकटपती, श्रमलापूरम, इस्ट गोदावरी जिला।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स सरासी सिकंमेंट, लि०, बाइ अडमीनेस्ट्रेटीव्ह मैनेजर, श्री वी० ग्रार० के० शास्त्री, 1-10-125, ग्रशोक नगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृशांकता संपत्ति के वर्षन के किस कार्यग्रहियां करता हो।

ज्या सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्बंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की सर्वीध या तत्क्षम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लाबीस से 30 किन की सर्वीध, को भी नर्वीध नाद में तमान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी स्थीवत इसारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति वे हिस-बद्ध किसी जन्म स्थावत द्वारा वधोहस्सासरी के यास जिश्वित में किए वा सकोंचे ।

स्वक्ष्मं करणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स व्यक्षितियम् के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

घर नं० 11-4-646/11/1, सङ्फाबाद, हैदराबाद, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 6345/84, रजीस्ट्रीकर्ता ग्रिथकारी हैदराबाद।

एस० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-8-1985

मोहुदु ह

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्यत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० भी० नं० 306/85-86-यतः मुझे एम० जगन मोहन

कायकर लिधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. सं अधिक हैं और जिसकी संवधर है तथा जो एव सीव गार्डस्, सहफाबाद, में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के ग्रधीन, दिनांक जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एमें द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षस निम्नीलिखत उद्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्षेप से कथिश नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुड़ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों कां, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए।

बतः। जब, उत्तर प्रिधिनियम, की भारा 269-ग के बनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारत (1) के अभीन, निक्तिशीचक काँक्तकों, अर्थात् ह—-

- (1) श्रीमती एन० विष्णु राजू पति एन० के० पी० राजू, और अन्य, 1-10-215, ग्रशोक नगर, हैंदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स रासी सिमेंट लि०, बाइ श्रडमीनेस्ट्रेटीव मैंनेजर, श्री वी० श्रार० के० शास्त्री, 1-10-125, श्रशोक नगर, हैंदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त बच्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया ही।

जन्त्रची

घर नं॰ 11-4-646 ए॰ सी॰ गार्डस्, हैदराबाद, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं॰ 394/85, रजीस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 6-8-1985

मोहुर ∎

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदरामाद

हैदराबाद, दिनांक 6 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राप्त ए० सी० नं० 307/85-86--यतः मुझे एम० जगम मोहन

जासकार जिथितियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त जिथितियम' कहा गया है)., की भारा 269-इस के अभीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं घर है तथा जो सोमाजीगुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1984

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके रूयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिचित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्र³ समारण वं हुन्दं किली साम की शावत , स्वतः संधिनियम के सधीन कर दोने के स्वतःक बी दायित्य में कमी करने या उत्तसे स्थाने में सुविधा वे सिए; सौर/का
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर जिथिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, या धनकर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग को जनुसरक मं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ अधार्त्ः— 26---256GI/85

- (1) श्री के॰ श्रनित कुमार, बाइ श्री के॰ सोलोमन जीपिए॰ होल्डर, घडनोकेट, बाइभपेट, गंटूर। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स डेक्सो लेबोरेट्रीज प्रा० लि०, मेसर्स डेक्सो फारमा प्रा० लि०, 6-3-348, द्वारकापुरी कालोनी, हैवराबाद-482।

(प्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां पृष्ट करका हुं।

सकतं सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पच्छीकरण:—-इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

घर नं० 6-3-1102, सोमाजीगूडा, हैदराबाद-4, रजी-स्ट्रीकृत विलेख नं० 6538/84, रजीस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदरा-बाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबार्ष

विनांक: 6-8-1985

मोहर 🚁

प्ररूप बाई हो एन एस ,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प (1) के अभीन त्वना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निज्ञीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 308/85-86-यत : मुझे, एस० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिस्कीं स० घर है तथा जो सोमाजीगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रींकर्त्ता श्रधिनारी के वार्यालय हैदराबाद में रिकस्ट्रींवरण श्रधिनियम 1908 (1908 रा 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1984

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अतिरत्त की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा दायिस्च के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) के॰ मालीनी लाघन्यकुमारी, 49 ए, संजीवा रेड्डी नगर, हैदराबाद ।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स डेक्सो लेबोरेटरीज प्रा० लि०, मेसर्स ेक्सो फारमा प्रा० लि०, 6-3-348, द्वारकापुरी कार्लाती, हैदराबाद-482 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्ये सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अऑहस्ताक्षरी के
 पास शिचित में किए जा सकेंगी।

स्पष्कीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा क्या है।

नन्स्नी

षर न० 6-3-1102, सोमाजींगूडा, हैदराबाद-4, रजीस्ट्री π त विलेख न० 6539/84, रजीस्ट्री π त्ती प्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनीं ह: 6-18-198

मो

प्रथम : बाइं. टी. इस. एड., ----

भायकार निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धादा 269-च (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बाब्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैक्साबाद

- हैदराबाद, दिनांक 6 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 309/85-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन

नामकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीव सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर बाज्यित, विस्ता उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जि की सं० घर है तथा जो सोमाजीगूडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से धर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के वार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के श्रधीन, दिनोश दिसम्बर 1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सममान प्रतिक ल के लिए जतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कक्ष्मे कम कारण है कि समापुर्वोक्त सम्बन्धि का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रस्मान प्रतिकत से, ऐसे स्थममान प्रतिकत का चेत्रह प्रतिकत से बाधक है और बंदरक (बंदरकों) और बंदरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकत्त, निम्निजिबित उद्देश्य से स्थत अन्तरण मिचित में बास्त्विक स्थ से किथा नहीं किया गया है :---

- (क्र) बन्सरण वे हुन्। किसी थाम की वावत उपय गरि-शिवम में बनीन कर दोनें से बन्तरक के दायित्व में करी करने वा उपये बचने में स्तिभा के लिए: बीड्/वा
- (ब) पूरी किसी बाय वा विस्ती भन या बन्न बारिस्पर्यों की, चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा भा का या कियाने में सविधा की जिस्स

- (1) के० शालिनी शोभा मंजरी, रामारावपेट, वाकीनाडा (अवतर्यः)
- (2) मेक्स डेक्झो लेखोराटरीज प्रा० लि०, सेक्स डेक्झी फारमा प्रा० लि०, 6-3-348, द्वारवापुरी ालोनी, हैदराबाद-482।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना पारी करको पुत्राँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हो।

पक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ी भी जाक्रोंप :---

- (क) इत स्वभा के राजपण में श्रकावण की तारीख के 45 विण की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वाध की तामील सं 30 दिन की नवधि, जो भी नवधि शब में समान्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वस्थ किसी बन्य स्थानत द्वारा अभोइस्ताक्षरी से पास निवित में किए जा सकरेंगे।

क्लब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाधित है, क्ट्री अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्ला है।

अनुसूची

घर न० 6-3-1102, सोमाजीगूडा, हैदराबाद, रिजस्ट्री- 2π विलेख नं० 6540/84, रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैबराबाद

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो, मी, धनत अधिनियम की भारा 269-प की उनधारा (1) के बधीन, निक्तिविक्त व्यक्तिकार्य अर्थिक केटन

बिनांक: 6-8-1985

योद्धः ।

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सीं० नं० 310/85-86--यतः मुझे, एम० अगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संव घर है तथा जो सोमाजीगुडा, हैदराबाध में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औय पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक दिसम्बर 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के शर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरितः की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मृल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसते नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्रीमती के॰ मूलानि मृहूला शैलता, सीतम्माधान, विशाख, पटनम ।

(घन्तरक)

(2) मेसर्स डेक्झो लैंबोरोट्रीज प्रा० लि०, मेसर्स डेक्झो फारमा प्रा० लि०, 6-3-348, द्वारकापुरी कालोनी, हवराबाद।

(भन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिश के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 🖚

- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्मान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्षिरणः --इसमें प्रमृततः शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

घर नं 0 6-3-1102, सोमाजीगूडा, हैदगबाद, रजिस्ट्रीइन्ड विलेख नं 0 6541/84, रजिस्ट्रीक्सी श्रीधकारी हैपराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

भतः कव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निस्तित स्वितिश्वर्या, अर्थात् ६—

विनोक : 6-8-1985

मोहर 🛭

प्रकृष बाद् . टी. एम ्ध्याः स्र = = ===

थायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के नधीन वृक्षना

भाइत शहकार

कार्यामय, सहायक बायकर बाय्क्य (निद्रीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 ग्रगस्त 1985

निवेंश सं० झार० ए० सीं० नं० 314/85-86--यतः मुझे, एभ० जगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कर् भारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो भानूगूडी, काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्सा प्रधिवारी के वार्यालय, वाकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीवरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांव दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य मं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर (उन्तरकों) और अन्तर के लिए तय बाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचिक में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) कासरण संहुद कियी जाय की वाबसा, उक्क लिभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मं कमी करने वा उक्क बखने के बृत्विभा की कियु; मोर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट तहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, जिन्मों के सुविधा के भन्ता;

अतः जुनं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे स्थीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, तर्हिक क्रिक्त (1) मेश्वर्स हीपानंध रामसूर, बाइ पार्टनर श्री वेनूगोपाल इनानीं और प्रत्य 2, डीं० न० 2-1-66, नियर प्रानंध थियेटर, वाकींनाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स कर्वसी इंटर प्राइसेस बाइ श्री रौषू वेंव टेश्वर राव, पिता तासालू, कर्वसी थियेटर, राजमृंड्री । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

इन्स सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शासप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हो 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास दिवाल में किए जा सकोंगे।

स्पाधीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

पनुसूची

भूमी विस्तीण 10553 भी० गज्ञ०, मेन रोड भानूगृडी, काकीमाडा, ग्जीस्ट्रीकृत विलेख मं० 12388/84, ग्जीस्ट्रीकृती प्रविकारी काकीनाडा ।

एम० क्थन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंअ, हैंदराबाद

विनोक: 6~6~1985

श्रक्ष नार्द्व हो . एन . एस . -----

नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वंशीन क्षया

Arth Sydne

कार्यातमः, तहायक बायकर कार्यक (विद्यावार्य) धर्जन रेंज, हैवरावाय हैवरावाय, दिनाँक ९ धगस्त 1985

निवेंश सं श्रार ए० सी० न० 315/85-86--यतः मुझे,

एम० जगन मोहन,

मानकर मधिनिनम, 1961 (1961 का 43) विश्व इसमें इसके प्रमास् 'उक्त मधिनिनम' कहा गया ही, की धारा 269-य के मधीन समय प्रतिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्वाचर संज्ञित, जिसका स्वित नाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से मधिक है

भीर जिसकी सं वर है तथा जो माहाराणीपेट, विकाखापटनम में स्थित है (और इससे उपाबद भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, विकाखा-पटनम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को अभिन्न बाकार बृज्य के का को स्वयंक्तन प्रतिपत्ति की नहीं हैं कीर जुनो यह जिन्नका करने का कारण है कि समाप्रकेंक्त तम्मित का उपित बाजार कृत्व, इसके अपनान प्रतिकास के, एके अभवान प्रतिकास का पंध्व प्रतिकास से अधिक हैं और नंतरक (बंतरकों) और नंतरिती (बंतरितियों) को नीच एसे जंतरण के लिए सम पामा नमा प्रतिकास निम्नितिहत उद्वेषम से उक्त बंतरण जिलाहत में बास्तीवक कम से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बलारण वे हुई किंबी बाद की नावक, उनक अधिषयन में वर्षीय कर वेथे में बंधरक में समिल में कभी करने ना उनके नमने में बृधिया में सिंह; बॉर्स्ट क्षेत्र
- (वं) होती किसी भाव वा किसी थन वा कर्ण वास्तिवी को, जिन्ही भारतीय नावकार निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ विधिनियम, वा धनकार निधिनियम, वा धनकार निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती इंगारा प्रकट नहीं जिला गया वा या किया वाना वाहिए था किया में सुविधा के लिए;

भतः वयः, उस्त विभिन्नमं की भारा 289-वृत्त्री अनुवस्त्री हो, हो, उस्त वृभिनियमं की भारा 269-व की उपवास र्राष्ट्री के अभीतः, निम्नीलिखिस स्वित्यों, स्थाद् हु---

- (1) श्रीमती डी॰ पद्मावती पति वेंकटपती राजू, लक्ष्मी-नरसापुरम, रायावरम सालूक, इस्ट गोदावरी जिला। (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती जीव नागमिन, पति रामकृष्णा राव घर नव 14-3-19 विश्वभवन लॉज, विशाखापटनम । (भन्तरिती)

न्त्री यहं सूचना कारी बारंको पूर्वोच्छ सम्मत्ति की नर्पन की विक् कार्यवाहियां करता हुरै।

वयह बंदरित के वर्षप के बन्नप में कोई भी नार्वप:--

- (क) इस प्रचल के रावपन के प्रकाशन की तादीन हैं 45 दिन की शनीं ना तत्त्वप्रतानी न्यन्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की शनीं , यो की अवस्थि बाद के समान्त होती हो, के भीतर प्रविकां व्यक्तिकों के से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (व) इस क्वन के राज्यन में प्रकाशन की ठारीच हैं 45 विन के भीतर उक्त स्थानर तम्पीत में दिखें-बहुष किसी नम्ब न्यवित द्वारी मधोहस्तावारी के क्य जिल्हा में किए का सकीन।

स्वकाकरण:---इसमें प्रवृक्त सन्दों और पदों का, भी अवस सृधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा यो उस बध्याय में दिखा वृद्या ही।

वपूक्ती

पुरानी इमारत, माहाराणीपेट, वार्ड, नियर विश्वभवन लॉज, विशेखायटनम रजीस्ट्रीकृत विलेख नं ० 15598/84, रजीस्ट्रीकृत्ती अधिकारी विशाखायटनम ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनौक: 9-8-1985

मोह्यु 🛭

प्रकृत कार्य्य हो , धूम् , **एक्** , क्कान्य

वावकड व्हेंपरियंत्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के वर्णन व्यान

HILL SERVE

कार्यसम, सहायक नायकार नाम्कत (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 भगस्त 1985

निर्देश सं० मार० ए० सीं० न० 316/85-86---पतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 2.69-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वत करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

बौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो श्रीवांकूलम, बालगा जिलेज, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से चर्णित है), रजिस्ट्रीं क्षा अधिदारी के नायलिय, श्रीदाकूलम, में भारतीय रजिस्ट्रीं उरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, बिनांक दिसम्बर 1984।

की प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के स्थयमार्थ प्रिक्त को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाच करने का कारण है कि यथाप्योंनत सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूब उसके स्थयमान प्रतिफल को बन्द प्रतिकत से बन्दित को स्थाप्यों के बन्द प्रतिकत के किए तम पामा गया प्रतिकत है और अन्तरक के किए तम पामा गया प्रतिकत, निन्नी निवत उद्योग से सन्तरक के किए तम पामा गया प्रतिकत, निन्नी निवत उद्योग से सन्तरक के किए तम पामा गया प्रतिकत, निन्नी निवत उद्योग से सन्तरक क्या से किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बावतः, अक्त अधिभियम के अधीन कर दोने के अन्तरकः खे धायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा से विष्; खोड∕खा
- (च) इसी किसी बाब था किसी थन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या व्यक्तर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निए;

्**ब्रहः बंब, बंबल विधितियम की भारा 269-व कै बल्**तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-कं की उर्ध्धेश्य (1) को अधीन, निम्नमिणित व्यक्तियों अर्थात् एल्ल (1) श्री सी० एच० राजन्ता पिता विरम्या, बालागा पिसेन, श्रीयाकुलम ।

(धन्तरकः)

(2) श्री रेड्डी चीरंजीवलू, पिता शिवनारायणा, बालागा चिलेज, श्रीकाकुलम ।

(धन्तरिती)

को बहु ब्याना जारी करने पूर्वों नत संपृत्ति के नर्यन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

दक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस धूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 4.5 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भी अविभियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त स्पित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वार।,
- (च) इस स्वान को राजपन में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पन्ति में दितववक किसी अन्य व्यक्ति वृतारा, असोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस जा सकोंगे।

क्यक्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शस्तों और पदों का, जो अक्स जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

कुल विस्तीर्ण 1.50 एकड, बालागा विलेज, श्रीहाकूलम रजीस्ट्रीहत विलेख न॰ 198/84, ग्जीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारीं श्रीजाकूलम ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराशाद

- दिनोक: 9--B--1985

मोद्धः ३

प्ररूप आइ⁴.टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराक्षाद

हैदराबाध, दिनोंक 9 प्रगस्त 1985

निर्देश स० घार० ए० सीं० न० 317/85-186--- घतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट है तथा जो हीलाइन अप टेमेंटस्, शरातपुर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रींकर्त्ती श्रधिवारी के वार्यास्य, चींका उपस्ती, में भारतीय रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 के 16) के श्रधीन, दिनोंश दिसम्बर्ग 1984।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृषिया क किए;

नतः नव, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-विकी उपभारा (1) के निधनित ज्यक्तियों, जर्थात् :-- (1) मेसर्स हीं-चाइन बिल्डर्स प्रा० लि०, 1-1-714/ सी/4, गोधीनगर, हैदर मंख ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० वैदोरेयम पति पि० माध्यगाब, श्रींषिचा, ह, नवाब ले शाऊट, तिलक नगर, नागपुर-

(भ्रन्तिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्ते स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किकित में किए जा सकेगे।

स्पृष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वा अवह अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया युवा है।

अनुसूची

पलैट नं ० 3, प्रथम तल, ही-गा.इन, श्रपार्टमेंटस्, गांधीनगर, हैचराबाद, रजीरहीं त विलेख नं ० 923/84, रजीरहीक्सी प्रधिकारी जीवक विस्लीह ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाध

विनोक : 9-9-1985

मंडर :

प्रकृष आहे दी. एन. एम्.-----

बाधकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत वरका

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवनाबाद

हैदराबाद, दिनाँ ? 9 अगस्त 1985

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 31-8/85-86-श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्कात् उकत अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अर्गर जिनकी सं इमारत है तथा जो यूलूक में स्थित है (और इसे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अभियोगि के ज्योगिय, यूलूरू, में भारतीय पित-स्ट्रीयण अधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के अधीन, दिनोड़ दिनम्बर 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क्क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वायत उक्त अधि-मिन्नम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या जससे वचने में सुविधा की किए. शीर/सा
- (ता) एसी किसी बाय का जिल्ली धन वा अध्य आस्तियों कारे, जिन्हीं भारताय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपान में स्विधा के किए;

(1) श्री डी॰ एम॰ के॰ वन्मा, येलूरू, वेस्ट गोदावरी जिला।

(भन्तरक)

(2) श्री द्रोलम राजू, शिवरामकृष्णा श्रीधर पिता वैंवट सीतापूती, क्रांच मैनेजर, एस० बी० धाई० मेलुरू। (ध्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्प्रास्त के अवन के भन्न कार्यसाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के मर्चन के सम्बन्ध में कार्ड मी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारः
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपोत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुस्धी

इमारत, येलूरू, वेस्ट गोबावरी जिला, विस्तीर्ण 600 चौ० गज, और बंध हुआ क्षेत्रफल, 1250 चौ० फुट, रजीस्ट्रीइत विलेख न० 7849/84, रजीस्ट्रींःत्ती श्रधिकारी येलुरू।

> एम० जगन मोहन स्थम प्राधिकारी सहायङ भायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण क, की, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अर्थाय विकति विकास की भारा अर्थात के

विना: 9-8-1985

मोहर:

27-256GI/85

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 अगस्त 1985

दिर्देश सं० आर॰ ए० सी० नं० 319/85-86-अतः मुझे, एम॰ जग. मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य :,00,000/- रु. से अधिक है

और जिपकी सं० घर है तथा जो भूमिनिपटनम बैझाम में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप रे विजत है), एकिस्ट्रीकर्त्ता अधिवारी के वार्यालय, वैझाम, में भारतीय रहिस्ट्री रूपण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, [दिनांक दिसम्बर 1984।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रेती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) इंडियन क्रीस्चर मीर्शन हेडक्वार्टर्स येलूरू, बाइ डारेक्टर श्रीमती ए० एल० डार्गलग, पति ए० डार्रालग, येलुरू।

्(६,√,दक)

(2) श्री यू० काशि विश्वनाधराच पिता सत्यनारायणा पावरपेट, येलुरू ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधि नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

डी० नं० 2-13-1, विस्तीणं 5216, चौ० गज, भूमि-निपटनम, विशाखापटनम, रिजस्ट्रींकृत विलेख न० 14746/84, रिजस्ट्रींकर्त्ता ग्रिधिकारीं वैझाग ।

> एम० जगत मोहन क्ष्यम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, है दराबाद

दिनांक: 9-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई०-3/37-ई० ई०/14931/84-85 अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 9, जो, 2 री मंजित, प्रणाम इमारत, 192, अन्तासागर मार्ग, कुर्ला, बम्बई 70 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कर्ख के अधीन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 दिसम्बर 1984

को पूर्वाक्त नम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके स्वस्मान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहास से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित अधिकत्यों, अर्थात् :----मोहर :

- (1) श्रीमती पी० एन० अम्मा।
- (अन्तर है)
- (2) श्री एम० एम० शेरीगर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पळिष्ठरणः -- इसमें प्रयुवित शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियमः, से अध्याय 20-क में दरिभाषित हों, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 9, जो, 2री मंजिल, प्रणाम इमारत, 192, अन्तासागर मार्ग, कुर्ला, बम्बई 70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई० 3/37 ई० ई०/14931/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 1-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया ई।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, स**हायक श्रायकर श्रायुक्त, (**निरीक्षण) अर्जन रेंज–३, क्रम्ब**र्ड**

दिनांक: 31-7-1985

ोहर :

प्रक्रम आहे, ही, एन, एस, -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वाम

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं ० अई०-3/37-ई० ई०/14925/84-85--अत: मुझे ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो, 2री मंजिल, प्रणाम इमारत, सी० एस० टी० कास रोड़, कुर्ला, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जित्तता हराएसमा आयक्तर अधिनियम की धार 269 हम हे पत्रीम, प्रभाई दिया तक्तम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्यास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से एसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्ताह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तर्श के लिए तय पाम म्या प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखिल में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है है—

- (क) श्रात्यक में हुइ किसी साम की मानत, उपत भी भी नयम के अभी न कर दोने के अन्तरक के बासिरक में कामी करने या उत्तर बचने में सुनिधा के सिह: भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना बाहिए या कियाने में सुविधा के लिए;

बत: बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं सकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीमती पी० एन० अम्मा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मालथी एस० राव।

(अस्तरिती)

को धह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा महा है।

धनुसूची

पलैंट नं 10, जो, 2री मंजिल, प्रणाम इमारत,सी । एस व्ही कास रोड़, कुर्ला, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सठ० आई०-3/37-ई० ई०/14925/84-85 घोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजीस्टर्ड ।कया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्मई

दिनांक: 31-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बावकर बीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के बधीन स्वका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, शम्बद्ध

बम्बई, दिनोक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई०-3/37-ई० ई०/14923/84-85---अस मझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, जो, 2री मंजिल प्रणाम इमारत, 192, सी० एस० टी० कास रोड़, कुर्ला (५०), बम्बई-70 में स्थित है (भार इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिलका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री ई, दिनांक 1 दिसम्बर

करें पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के जिए जन्तरित की गई है और मृक्षे वह विश्वाब करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का दृन्कह प्रतिशत से जिथक है और जंतरक (जंतरका) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय बाबा बवा प्रविक्षक फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्ट- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी अन वा अन्य आस्तिनी कारे, विन्हें प्रारतीय नायकर अधिनिनन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिनन वा अन्यकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, जियाने जे स्विभा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंकत स्थितियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती पी० एन० अम्मा।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० डी उमाकांथ।

(अन्सरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन को विक् कार्यभाइनो करता हुन्।

.उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विक की वर्नीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचका की तामील से 30 दिन की वर्नीभ, जां भी वर्नीभ वास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रनिक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में दिस-बहुभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी भी शक्त निसिद्ध में किए का सकीने ।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वन्स्ची

"फ्लैट नं 0 11, जो, 2री मंजिल, प्रणाम इमारत, 192, सी एस दी कास रोड़, कुर्ला (प०), बस्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-3/37-ई० ई०/14923/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसा**र** सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **सम्बद्ध**

विनांक: 31-7 1985

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्ब**ई**

बम्बई, दिमांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० कई०-3/37-ई० ई०/14924/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
और निर्मा निर्मा निर्मा है नं 12, जो, 2री मंजिल, प्रणाम इमार त
सी । एस । टी । कास रोड़, कुर्ला, बस्बई – 70 में स्थित हैं (श्रीर
इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं),
भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के

कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 दिसम्बर 1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्ममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से ऋषित गहीं किया गया है ध्रान

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पी० एन० अम्मा।

(अम्तरक)

(2) श्रीके० अहमद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिस्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं ० 12, जो, 2री मंजिल, प्रणाम इमारत, सी० एस॰ टी० कास रोड़, कुली, बम्बई-400 070 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई०-3/37-ई० ई०/14924/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्रकथ भार्द ही. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-च (1) के बचीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजेंन रेंजं⊶3, बम्बई बम्बई, दिनांश 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० प्रई०-3/37-ई० ई०/1492:/84-85---**प्र**तः

मुझे, ए० प्रक्षाध

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैट नव 5, जो, पहली मिलिस. प्रणाम इमारत, अन्नासागर मार्ग, बुर्ला (पव), बम्बई-70 192, सीव एसव टींव रोड़ में स्थित है और इसने उपाधन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से दिल्स है), और जिसका वतार नाम बायवर अधिनियम 1981 की धारा 26 हा ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के वार्यालय में एजींस्ट्री है, दिनांक 1 दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितौं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तविक इस्प से कथित महीं किया गया है है—

- (क) जैतरण से हुई किसी आय की वाबरा, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; वार/या
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, कियाने ने सुविभा के तिए।

जतः अवं, जनत अधिनियम की धारा 269-ग की जनसरक मा, मो, तकत अधिनियम की धारा 269-व की जपधारा (1) के अधीन निस्तिवित व्यक्तियों, अधीतः (1) श्रींमतीं पुरावनशारा एन० भम्मा ।

(प्रकरक)

(2) श्री जयराम एन० कामध ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारो करके पृवाँकत सम्परितः के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त कुम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाओप 🥌

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं #5 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्थान्द्रीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ छोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो, पहली मंजिल, प्रणाम इमारत, धन्ना-सागर मार्ग, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है।

श्रृत्मूची जैसे। हि क० स० श्रई०-3/37-ई० ई०/14927/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि गरीं बम्बई क्वाया दिनोरू 1-12-1984 को रजीस्टर्ड िया गरा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि ारी सहाय : भागाऽर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्गन रेंग⊶3, बस्बई

दिनॉङ: 31-7-1985

मोहरः

प्ररूप शाहीं हो, एन पुरा प्रा

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासयः सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजैन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० ध्रई०-3/37-ई०ई०/14929/84-85---ध्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000/-रुपये से अधिक है

जीर जिसकी स० पसैट नं० 7, जो, प्रणाम इमारत, 192, सी॰ एस० टीं० रोड़, जुल, बम्बई-70 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिस्था वरारतामा आयार अधिनियम 1961 की घारा 269 व ख के अशीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रजारही है दिनांक 1 दिसम्बर 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफस के लिए अन्तरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के तीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण संहूर्य किसी बाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बुजने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) चै प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ", म", उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्रींमर्ती पीं० एन० भ्रम्मा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एल० एन० ए० नारायण।

(भन्तिरतीं)

को यह सूचना जारी करको पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आओप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ
- (ण) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीक रणः — इसमें प्रमुक्त शन्यों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्त्वी

"पर्लंट नं० 7, जो, प्रणाम इमारत, 192, सी० एस० टी० रोड़, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थितं है।

अनुसूर्वा जैसा कि ऋ० सं० अई०-3/37-ई०ई०/14929/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निर्राक्षण) स्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 31--7-1985

मोहर 🛚

्प्ररूप आइं.टो.एन.एस.------

(1) श्रामनी पी० एन० श्रम्मा ।

(श्रन्धरक)

(2) डी० राम मोहन।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याग 20-क में यथा परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 8, जो, 1लीं मंजिल, प्रणाम इमारस, ग्रन्स-मागर मार्ग, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि कल संल ग्राई०−3/37-ई० ई०/14930/ 84→85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांत 1-12-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय ६ श्रायक्र ग्रायक्त (निर्देक्षण अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनां पः 31-7-1985

अहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुनता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, वस्वई

वम्बर्ड, दिनां र 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई०--3/37--ई० ई०/1 1930/84--85----श्रन:

मुद्ये, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उनतः अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 8, जो, 1लं: मंजिल, प्रणाम इमारत, श्रन्तासागर मार्ग, कुर्ला (५०), बस्वई-70 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में धौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रोर जिसका तरारनामा भ्रायपण ग्राधित्यम 1961 की धारा 269 ए ख के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजें≀स्ट्रं∷ हैं, दिनाए । दिसस्बर 1984

को पूर्विका संपत्ति के उचित बाबार मुल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एनेसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे इचने में सिवधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--28 -256GI|85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेजि-3, अम्बर्ड

बम्बई, विनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई--3/37--ईई/14928/84--85----श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी मंठ फ्लैंट नं 6, जो, पहली मंजिल, प्रणाम इमारत, सीं एस टीं कास रोड, श्रण्णासागर मार्ग, नुर्ला, बम्बई—70, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधींन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार्य के वार्यालय, में रजिस्ट्रीं है, दिनांक 1-12-1984,

को पूर्णिक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान इतिकास के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती पी० एन० भ्रम्मा

(भ्रस्तरक)

(2) श्री एच० श्रार० आमध

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, बहु। अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट नं० 6, जो, पहलीं मंजिल, प्रणाम इमारत, सी० एय० टी० कान रोड, अण्यानागर मार्ग, कुली, बम्बई- 70 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि क० सं० श्रई-3/37-ईई_/14928/ 84-85और जो सक्षम प्राधिःारी बम्बई द्वारा दिनांक 1--12--1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण), श्रर्जन रेंश--3, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्रकृष बार्च .ट्रॉ. एम .एस्., ------

बायकृत अभिनियम, 1961 (1961 का 43), की थाड़ा 269-क (1) के बधीन ब्यूना

BILL THEFE

श्रायां सम्प्रमा कायकार नायुक्त (निरीस्न)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० अई--1,37-ईई/5053/84-85---श्रतः मुझे, पीं० एन० दुवे,

भाषकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शक्कात 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कांध्रण है कि स्थानर सम्पत्ति, चिसका उपित बाचार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव दुरान संव 68, जो, तल माला, ताडदेव एग्रर कंडिणन्ड मार्केट, 87, ताडदेव मेन रोड, ताडदेव, बस्बई— 34 में स्थित हैं (और इससे उपावड प्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणत हैं), और जिसना हरारनामा प्रायवण प्रधितियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 20-12-84, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिपत बाजार मूला से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्के यह विक्यास करने का कारण हैं कि यभाप्नेंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूला से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विक्यास करने का कारण हैं कि यभाप्नेंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल का प्रसुद्ध प्रतिकत से अधिक हैं बौर अन्तरक (बन्तरकों) और बन्त-रिती (बन्तरितयों) के बौच एसे बन्तरक (बन्तरकों) की वाच एसे बन्तरक किए तय पाना प्राप्तिकस निम्मतिविद्य उद्योग पात की किया करारण कि जिए तमा प्राप्तिक के वास्तिकस निम्मतिविद्य उद्योग की वास्तिक के जिए तमा प्राप्तिक के वास्तिकस निम्मतिविद्य उद्योग की वास्तिक के जिए तमा प्रतिकत की वास्तिक कर से किया पढ़ी किया जाता है है—

- (क) जन्तर्य से शुद्ध किसी आय की शवत उक्त वाधित्रका से स्थीन कह योगे के बन्तर्य के बावित्व में कृति करने वा उच्छे क्यने में बृहित्या के हैंक्स, क्यांत्र/भा
- (क) एरेसी किसी जाय या भन या जन्य जास्तियों श्री, जिन्हें भारतीय जाय-कर जीधनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियस, वा भन-कर व्यक्तियस, वा भन-कर व्यक्तियस, वा भन-कर व्यक्तियस, वा भन-कर व्यक्तियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वास् प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, जिनाने में हिना वी जाए;

चत् अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-न की जमुसरभ जेंद्र में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभित् ्र—् (1) श्री प्रेमचन्द चन्दाजी और श्रब्दुल कावीर जुमाखान ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिनों देवीचन्द ।

(ग्रन्तरिती)

का बहु स्थला भारी करके प्रतिकत सम्पत्ति से वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

हरत बलात्व के वर्षन के बन्नाथ में कोई ही बाखंद्य--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्रूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी स्वृद्धि वाद में बनाय होती हो, के जीतर पृश्वीकर व्यक्तियों में से किसी स्वृद्धि वृद्धाराह
- (च) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के ब्रीतर उथा स्थाप्य क्यारित में हित्यकृष किसी ज्ञा स्थीनत द्वारा न्थोहस्ताक्षरी के पास विचित्र में किए चा सकोंगे :

क्यकीकरणः—इसमें अनुकत शब्दी और पदौ का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वता हैं।

मन्यूमी

दुशान सं० 68, जो, तल माला, ताइदेव एम्रर कंडिकाण्ड मार्केट, 87, ताडदेव मेन रोड, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि श्रई/37-ईई5099/84-85 और सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-84 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> पी० एन० दुबे, नक्षम प्राधिवारी, सहायक श्रायकर भायुक्त निरीक्षण), श्रजैंन रेंज-1, सम्बद्ध

विनांक : 8~8~19**8**5

मोहर 🖫

प्ररूप ' आई' .टी . एन . एस . ------

आवकर निर्धानवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के नभीन सूचका

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, अम्बर्द अम्बर्द, दिनांवः 13 श्चगस्त 1985 निदेश सं० श्चर्ड-1/37/ईई/5025/84--85----श्चतः मुझे, पीं० एन० दुबे,

कारकर शिंपनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिस्के इसमें इसके परवात (उस्ते विश्वित) का गया है), की शास 269-क के निर्मात सक्षेत्र प्राधिकारों को बहु निर्माय करने का कारण है कि स्थावर सम्मित विश्वका उचित गाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से निर्मात है

और जिसकी सं क कमरा सं क 34, जो, दूसेरी मंजिल, त्यू नवयुग को व-ग्रापि हार्जिंग मोनायटी लिंक, 10/1के, आल्ड हनुमान लेन, घिरूभाई पारेख मार्ग, बस्बई-2 में स्थित हैं (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका अरारनामा आयकर श्राधनियम 1961 की धारा 269 व्य के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजिस्ट्रीं हैं। दिनांक 20-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मूल्य से क्षत्र के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की नहीं ही नीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थान्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिकाल के, ऐसे स्थमान प्रतिकाल का पंक्ष्य प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच हो अन्वरण के लिए तब पावा नवा प्रतिक्ष का निम्नीलीयन स्थानिक सं जन्म के लिए तब पावा नवा प्रतिक्ष का निम्नीलीयन स्थानिक सं जन्म के लिए तब पावा नवा प्रतिक्ष का निम्नीलीयन स्थान ही निम्ना नवा ही हिल्ला

- (क) बन्दरण में हुई किसी बाय की नामत उक्त मांभ-मियम में अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, मॉर/या
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य जास्थियों को, जिस्हें भारतीय नाव-कर जीधीनवज्ञ, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधीनवज्ञ, या धन-कर विधिनवज्ञ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए:

भतः अव, उक्त जीभीनमम की भारा 269-ग के अनुसरण भैं. मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिसित व्यक्तियों अभितः :—

- (1) श्री लामलदाय भगनलाल मेहता और भारती शामल-दान मेहता ।
 - (भ्रन्तरक्)
- (2) श्री महुदराय मगनतात्र सेहता, एच० यू० एफ० । (म्रन्तरिनी)
- (3) अन्तरिती । (बह् व्यक्ति, जिल्ले अधिभाग में सम्पत्ति है)

को बह बुचना जारी करके पृत्रों कित सम्परित के अर्जन के लिए कार्ववाहियां बुरू करका हुं।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी अदिधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विसा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्द कित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास प्रकार के निर्देश स्थान

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उन्स गाँधीनवम के अध्यय 20-क में परिभाषित हैं, वहां नर्ध होंगा जो उस मध्यास में विवा गया है।

अम्सूची

कमरा नं० 34, जो, दूसरीं मंजिल, ध्यू नवयुग को०म्राप० हार्जिया सो गयटी, 10/18, ओल्ड हनुमान लैन, घिरूभाई पारेख मार्ग, वम्बई-12 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना ि. क० गं० श्रई- ।/37ईई/5005/84- 85 और जो सक्षम प्राधिनारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 20- 12- 84 को रजिस्टर्ड िया गया है ।

पीं० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारीं, सहायक श्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण). श्रर्जन रेंज- J, बम्बई

दिनांक : 13-8-1985

्रमुक्तभू बार्चा टी मून भूक ---

बावकर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) की पाल

भारा 269-म (1) के सभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, बेम्बई बम्बई, दिनांक 13 ग्रगस्त 1985 निदेणसं० ग्रई-1/37-ईई/4978/854-85--श्चतः

मुझे,, पी० एन० दुवे,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकास 'उध्यः अधिर्यन्तम नहीं गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी सं गैरेज नं० 3ए, जो तल माला नवयुग मेन्शन की-ऑप० हाउमिंग सोसाईटी लि० नौशिर भरूचा मार्ग, ग्रॅंन्ट रोड, बम्बई-7 है तथा जो बम्बई-7 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है (, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राफि गरीं के बार्यालय में रिजस्ट्री है, दिसांक 15-12-1984

का पृथांक्त संपत्ति के उचित आजार मृस्य से कम के क्रायाभाव शितफल के सिए संतरित की गई है और मुद्दे एहं जिल्लास करने करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निचित् में नस्तिवक रूप से काथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुए किसी गाय की धानस, 3 थ्रे अधिनियम के विभीन कर दोने के बन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के बिक्; बाँड/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिव्,

कतः क्षतः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (/) के अभीन निम्निनिश्चत कहिन्त्यों, अभितः--- (1) मेनर्स भगत मोटर स्टोग्रर्म ।

(সংক্রান্ত্র)

(2) मेसर्म शुभदा इलेक्ट्रीवाहम ।

(ग्रन्तिरतीं)

(3) श्रन्तरको । वह व्यक्ति, जिपके श्रीधभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्यक्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोर्च भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन की अवधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है। के भीतर प्रविक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सुचना के राजपाय में प्रकाशन की दारीच स 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पण्ड विचित्त में किए जो सकरिं!

स्वाच्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दा और यथों का, को. उपल लिधिनयम के जध्याय 20-क भा परिशाविक हाँ, वहीं कर्ष होणा जा उस अध्याय में दिया गया हाँ।

गन्स्ची

गरेज स० 8ए, जो, तन साता, तबसुग मन्शन को०भ्राप० हाउसिंग सोथायटीं लि०, गैंकिः शहचा मार्ग, गण्ट रोड, बम्ब६े-7 में स्थित हैं।

अनुसूबी जैंगा कि कर सर अर्थ-ग/37-र्व्ही/4968/84--85 और जो सभम प्राधिकारी, बख़बई द्वारा दिनांक 15-12-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पीं० एन० दुवे, पक्षम प्राधिकारी, सहाया स्रायक्ष स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, वस्बई

दिनांक : 1.3 - 8- 1985

प्रस्थ नाइं, दी, एत., एस.,:-::::::::

बायफर कपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्स (निरीक्सण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 13 श्रगस्त 1985

निदेश सं० अई-1/37/5121/84-85--अंु मुझ; पी० एन० दुव,

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-स वें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

थौर जिसकी सें० श्रीडोगिक माला सं० 110, जो, बुस्सा इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, श्राफ फर्ग्युनन रोड, हनुमान लेन, बम्बई—13 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाँक 28-12-84,

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्त से कम के धरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उपल कि किए तम पाया मासाविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आम की अच्छ उनक बाँच-नियम के अभीन कर दोन के अन्तर्क के दासित्स के कुमी करने या उस्ते अपने में स्विधा के नियो; शीर/या
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी धन बम्बू वास्तिकों को, विन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा धा वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा खें सिद्ध;

शतः वंब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुधरण कों, मीं, उक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को वधीन∡ निम्मीनिक्त व्यक्तियों, शर्भात क्र-- (1) मेसर्स मुरज इण्टरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स विशाल इण्डस्ट्रीज ।

(भ्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरकों । (बद्द व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां काउता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🐅

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

नगृज्ञी

ग्रौद्योगिक गाला सं० 110, जो, बुस्सा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ग्राफ फर्ग्युसन् रोड, हनुमान लेन, बम्बई-13 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि कि सं अई-।/37-ईई/5118/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 28-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० **दुवे** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–1, **बम्बई**

दिनौंक :्रा 13-8-1985

मोधर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोज-1, अम्बई

बम्बई, दिनाँक 13 प्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/4947/84-85----श्रतः म शे पी० एन० दबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- स्त. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं प्रलैट मं 304, जो, तीसरी मंजिल, विकास इमारत, श्रनन्त गणपत पवार लेन श्रीर चिचपोकली कास रोड का अक्शन, भायखला, बम्बई—27, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित हैं), श्रीर जिस्का करारनामा श्रायंकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ही हैं, दिनाँक 10-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय पा किसी धन या कत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंधधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--

- (1) श्री म्रार० टी० मेह्सा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी। (म्रान्तरक)
- (2) श्री महेन्द्र नानजी संघवी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट सं० 304, जो तीरी मंजिल, विकास इमारत अनन्त गणपत पत्रार, लेन और चिचपोक्ष्णो कात रोड का जंकणन भायखला, बम्बई—27 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई—।/37—ईई/5081/84—85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 10−12−1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

भी ० एस० दुबे, सक्षम प्राधि कारी सहायक स्रायक स्मायक स्मायक स्रायक स्रायक स्रायक सर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनाँक : 13-8-1985

जायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के श्रद्धीत सुचवा

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 13 ग्रगरत 1985

निदेश मं० अई--1/37-ईई/4879/84-85---- अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं 5 जमीत ा प्लाटन, स्ट्रेक्चर्स के साथ, जी, फार्यु सरीड, श्राय० ए य० सं० 2/300, लीग्रर परेल डिवीजन, बम्बई -28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है), श्रीर जिसवा करारर नामा श्रायकर श्रीविम्यम, 1961 की धारा 269 कुछ के श्रीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से राजस्ट्री है, दिनाँक 7-12- 1984

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रें हैं, दिनाँक 7-12- 1984 को पूर्वेक्ति संम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गहें हैं और मूम यह विक्वास करने का कारण है कि सभाष्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कारमान प्रतिफाल से, ऐसे दूरमान प्रतिफल का पलाइ प्रतिकृत से सिक्ष है और सन्वरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितं (अन्तरितं) के बीच ऐसे सम्वर्ण के लिए तम बाबा ममा प्रविक्त का विक्वतिकृति उद्देश्य से उन्तर सन्तरण किक्वत में बान्तिकृत कर से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अंतरण सं हुई िक मी आय की बाधता, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्य बास्तियों ही, जिन्हें भारतीय भागकर प्रशिक्षिणम, 1922 (1922 को 11) या उक्त श्रीक्षिणम, वा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं विकास समा पर पर कियाने कि का भागकर महीं विकास का का कियाने कि कियाने के कियाने कि

अतः नमः उक्तः भीशित्यमः की धारा 269-गं के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपशास (1) धं अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, संभाति ह— : (1) श्री ग्रप्पुकुट्टैन चेरीयन कोटटयेल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रिव पुरवनकरा।

(भ्रन्तरिती)

(3) भाडूत । (वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों वर् बूचना की वाजीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वस्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभावित हैं, वहीं वर्ष होना ओ उस अध्याय में किया मुदा है।

अ**नुसूची**

5 जमीन का प्लाटस, स्ट्रक्चर्स के साथ, जो, फर्ग्युमन रोड, श्राय० एस० सं० 2/300, लोग्रंग्य परेल डियीजन, बम्बई—28 में स्थित है ।

श्रनुमूची जैंसा कि कि सं विश्वई-।/37-ईई/4724/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 7-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० ए न० दुवे मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनाँक : 13-8-1985

शक्य बार्ड . हो . एन . एस्

न्द्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यावय, सङ्घायक वायकर नामुक्त (विरोक्तन) मर्जन रेंज-1, बम्बई

षम्बई, विनौक 13 अगस्त 1985

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/5130/84-85---मतः मुझे, पी० एन० वृत्ते,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मृज्य 1.60,000/-रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 210, जो, कैलाश श्रपार्टमेंट, 293, बैलासिस रोड, बम्बई-8 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनौंक 28-12-1984

को ध्वांक्त सम्मति के जीवत वाजार मूल्य से कान के ज्यानान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाच करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बंखह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिकान, निम्निल चित उद्वोच्य से उक्त अंतरण सिकिस में काल्यिक रूप से किया नदा है:---

- (कः) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्ध वचने में जूबिधा के जिए; जर्र/या
- (स) एसी किली जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों वा, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 भी 11) या उकत अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कलारिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा क्लिए कला चाहिए था, छिपाने में सुचिधा के लिए;

वतः कव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, अधित अधिमियम की भाग 269-य की लपभारा (1) वें अधीरः, निम्नलिवित व्यक्तियों, शर्थात् :→─ 29—256GI|85 (1) श्री एम० के० देवदास ।

(म्रन्तरक)

(2) 1. ए० कुशिद श्रन्वर,
 2. एस० हमीद इक्बाल, धौर
 3. एस० महम्द हुसेन।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी अपक्षेत्र :----

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स काक्तिकों में से फिबी व्यक्ति इंगरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीक से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में दिलबङ्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोड्स्ताक्षरी के पास जिल्ला के किस् का सकरेंगे।

स्वक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कंट्यों और पदों का, जो उच्त जिश्वित्यमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा यो उस अध्याय में विका गया है।

धनुषूची

फ्लॅंट सं॰ 210, जो, कैलाश श्रपार्टमेंट, 293, बैलासिस रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि० सं० प्रई-।/37-ईई/5120/84-85 घीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 20-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोज-।, बम्बई

विनौक : 13-8-1985

प्रका गाइ. टी. एव. एच ------

भाधकार जिल्लानसम्, 1961 (1961 का 43) की. भारा 269-व (1) के लगीन सुवना

भारत तरकार

कार्यक जायकर जायकर जायकर (निरीक्तक) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 13 श्रगस्त 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5131/84-85--अप्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

भागकर विधितिसम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसकी स्तक प्रस्ति। 'उस्त अधितिसम' कहा गया हैं), की भारा 269 के नेधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विदेशास करने का आर्ग हैं कि स्थानर संपति, जिसका उचित नामार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जि कि कि सं "तारलीका" इसारत के साथ दो गैरेज जो, प्लाट सं 216, स्कीम सं 5, हादर माँटुगा (दक्षिण), इस्टेट, वेश्रीरंग सी एसर सं 186/10, माटुंगा डिवीजन, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनु मूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रीधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाँक 28-12-84

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से लेशिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तब पावा बबा मितिफल निमानिसित उद्दोष्य से उक्त अंतरण सिविवत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण स ह्यू विकासि लाग की बानस्, इस्स् भाभितियम को नभीन कर धोने को कस्तरक, को दायित्व मों कभी करने वा स्तर्भ नचने में कृतिया क लिए; भारू/वा
- (म) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों के दिन्हों भारतीय अधकार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या अन्यत जीधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था था किया जानां वाहिए जा, जियाने में तृतिथा के लिए;
- त्री अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कं स्थीत, निम्नलिखित स्थिकतमों, वर्धा कि—

- (1) श्रीमती प्रमिला ग्रमृतलाल गाँधी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रामिला प्रविणचन्द्र दोशी। (श्रःतिदिशी)
- (3) 1 बी० एम० क्रुष्णस्वाभी, 2 बी० एन० बोड प, 3. के० जी० शर्मा, 4 श्रीमती मनोरमा फडके,
 - श्रीमती वसुन्धरा पुरेंदर मराठे,
 - 6. मुनी हिरालाल मूलजी, श्रौर
 - 7. गुणवतराय मफतलाल दोशी ।

(बह ध्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस बुजना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अंबिध ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति मों हितकद्रभ किली बन्य व्यक्ति इवारा नभोहस्ताक्षरी के पात विविद्य मों किए जा सकाये।

स्वक्कीकारणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदों का, जो उपत अधिनियम, के बध्याम 20-क में परिशायित हैं नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

"तालिका" इमारत के साथ दो गैरेज, जो, प्लाट सं० 216, स्कीम सं० 5, दाधर माटुंगा (धक्षिण), इस्टेट, बेग्नरींग सी० एम० सं० 186/10, माटुंगा डिवीजन, बम्बई में स्थित हैं।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/512/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 28-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनाँक: 13-8-1985

भोहर:

इक्ट बाह्". टी. एवं . एवं . :------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नभीन सुवना

ETSS COME

कार्यनय, सहावक बायकर वास्कत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 13 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० अई-1/37 ई ई/4996/84-85--- ग्रतः मुझे, पी० एन० दक्षे

नावकर विधित्तिचन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसवें इसकें प्रकात 'उन्त निधित्तिन' कहा गया हैं), की धारा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्नास करने का जारन हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित नाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

भौर जिसको सं यूनिट सं ० 4, जो, तल माला, विना वि त्लेदार सिवस इण्डस्ट्रियल इस्टेट, पाईस स्ट्रीट, श्राफ क्लार्क रोड, भायखला, बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनौंक 15-12-84

कां वृत्रोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के इस्यमान प्रीयफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्दरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किकित में वास्तिक रूप से किशात नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उन्तर अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भल-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

भतः अव, उन्न त अभिनियम की भारा 269-च के अनुसरण भो, मी, सक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्निजिबित व्यक्तियर अर्थात् :--- (1) मेनर्स निर्मल इण्टरप्रायजेस ।

(श्रन्तरक)

- (2) जामेल श्रह्मद नियाझ श्रहमद खान। (श्रन्तरिती)
- (4) ग्रन्सरक । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

स्थे वह सूचना चारी करके पृत्रा कि सम्परित के अर्थन के तिल् कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

वक्त बन्नति के बर्चन के तम्बन्ध में काई जी शाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 विन की अविधि या स्टर्सनंधी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिलत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के अस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमं प्रयुक्त शुन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-का में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

यूनिट सं० 4, जो, तत माला विना किल्लेदार सर्विस इण्डस्ट्रियल इस्टेट पाईस स्ट्रीट, श्राफ क्लार्क रोड, भायखना, सम्बद्ध में स्थित है ।

भनुसूची जैसा कि कि कि प्राई-।/37-ईई/4982/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 15-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-।, बस्बई

विनौक: 13-8-1985

प्रक्य काई - डी., एन., ध्रम - न्यान्तरास्था

कायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भार 269-- (1) के संभीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 13 श्रगस्त 1985

निवेश सं० श्रई-1/37-ईई/5088/84-85--- मतः मृत्ते, पी० एन० दुवे,

नायकार निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिने ध्राने ध्राने ध्राने ध्राने प्रमान उपला उपला मिथिनियम' कहा नवा ही, जी भाषा 269-स के नधीन सम्मा प्रीभिकारी को, वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्मति, जिसका उपित नाथार मुख्य 1,00,000/- रा. से अभिक ही

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 171, जो, 17वीं मंजिल, बीं०- विग, हिरा पन्ना, भुलाभाई देसाई रोड, बय्बई-26 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है), ग्रौर जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाँक 20-12-1984,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के क्ष्ममान शीतकत के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित्र बाचार मूल्य, उत्तके क्ष्ममान प्रतिक्षम से, एसे क्ष्ममान प्रतिक्षम का क्ष्मह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरितीं (अन्तरितिनों) के बीच एसे अन्तरक के विद्यास मूला गया प्रतिकृत निम्नसितित उद्देश के उच्च अन्वरण मिल्या में नास्त्रिक क्या से सम्बद्ध वृद्धीं कि सा क्या है:---

- (क) अन्तरण से हुन कि की बाम की नामध उन्नड करिय-रिवृत्य के ककीर कार गोंने के शत्तरक के कविश्य में कमी करने या उन्नडें नकने में सुनिधा के किए; कहें/का
- (सं) एती किसी नाव वा किसी पर वा बल्द वास्तिकों को, विल्हें भारतीय नावकर वीचिनियम, 1922 (1922 का 11) वा करत वीचिनियम या चन् कुद्र निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीच- वार्च क्लारती कुमार प्रकट नहीं किया क्या वा वा वा किया वाना नाहिए था कियाने में सुविधा के प्रिक्त;

कतः स्था, उत्तत विविद्यम की भारा 269-न के अनुस्रका हो, जी. अस्त विधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) हो वधीन, निम्नोमसित व्यक्तियों, वंग्रीत क्र--- (1) श्रीमती सुरज जैन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कौता सोलंकी ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भी नह सुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्मन्ति के नर्पन के जिल् कार्यगाहियों करता होतुः

जनत सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी बार्बाय हा

- (क) इस ब्रामा को स्वयम में प्रकारन की तारीय से 45 दिश की जयिश या तत्वज्यन्त्री व्यक्तियों पर सुमा। की तामील से 30 दिन की जयिश, को भी अविष शाद में समाप्त होती हो, को भीवर पृथ्विका व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाबन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनस स्थानर सम्बन्धि में हिस्तनपृथ कियी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताकरी के राख विविद्य में किए वा बकेंने।

स्पर्धतिकरणः ----इक्न प्रयुक्त कम्बी और पर्धका, की समय अधिनियम के अध्याय 20-क में परिधायिक हैं, वहीं सर्थ होना, को अस सम्बाह में दिवा स्वाह अ

धनुसूची

फ्लैट सं 0 171, जो, 17वीं मंजिल, बी-विंग, हिरा-पन्ना, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि सं क्षई-।/37-ईई/5.042/84-85 भौर जो सक्तम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनौंक 20-12-84 को राजिस्टर्ट किया गया है।

> पी० एन० हुवे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रजन रेंज-1, वस्मई

विनाँक : 13-8-1985

क्षण नेत्र[ा]ं हो। **न्य**ं **यद**्—

बायकर व्यधितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 13 धगस्त 1985

निर्धेश सं ० धर्ड-I/37-ईई/4975/84-85--- मतः मृत्ते, पी० एन० दुवे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् उन्त अधिनियम कहा यदा हूँ), की भारा २६९-म के अधीन अधाम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिन्ना कृष्यित वाचार मृश्य 1,00,000/- एउ. से अधिक है

भीर जितको सं० पलैट सं० 13, जो, जि व्हयू को० भ्राप० हाउ-सिंग सो तायटो लि०, 515-ए, बोल सामरकर मार्ग, सेंच्यूरी बाजार के सामने, बम्बई-25 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं), भीर जिसका करारनामा भागकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है धिनौंक 13-12-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित्त को उचित बाजार मूल्य से कम को क्षावास शितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाबार सूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल स्था चंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) को बीच ऐसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिक्ति के बास्टिशक एम से कि अधिक नुहीं, किया गया है है—

- (क) जन्तरण में हुई किसी बाय की वाबत, उपन विभिन्निया के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में चुनिया के विद्राः और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारणीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निभानयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना नाहिए भा, स्थिपने में सुविधा के सिए;

कतः सब, उनते अधिनियमं की धारा 269-मं के जन्तरका को, मी उनते अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को सधीन, निम्निशिचित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री ध्याम मुन्धर धनन्तः वर्डे।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रनन्त ग्रात्माराम मुणगेकर।

(अन्तरितो)

को बहु क्षमा कारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

क्क बन्दित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई यो बालेंच हन्न

- (क) इस स्वता के राजभन में प्रकावन की तारीय के 45 विस की जबिन या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 विन की नविध, जो भी जबिन वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति बुवाराई
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर बंपरित में द्वित-वयुध किसी मन्य स्थावत व्यारा वधोहस्ताक्षरी के शक विविद्य में किए का वर्षीन।

रुप्तार्थिकरणः स्मानं प्रवृत्ता सम्बानिय वर्षे का, को स्वर्षे विभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उत्त अध्यान में विश्वा वना है।

अनुसुची

पलेट सं० 13, जो, त्री ब्ह्यू को०~माय० हाउसिंग सोसा-यटी लि०, 515-ए, बीर सावरकर मार्ग, सेंच्यूरी बाजार के सामने, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि अन्न सं० अई-I/37ईई/6450/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक 13-12 84 को रजिस्टर्ब किया क्या गया है।

पी० एन० दुवे सक्तम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-1, बस्बई

विनोक : 13-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत संदुकाद

कार्यास्य, सहायक भायकर नायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिमांक् 13 अगस्त 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/4981/84-85--अतः मुझे पी० एन० दुखे,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाउ 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका सचित बाजार मुस्स 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० आफिस प्रिमायसेस सं० 403, जो, 4थी मिजल, निरंजन इमारत, 99, मरीन ड्इब, बम्बई-2 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची नें ग्रीर पूर्ण रूप से विणक्ष है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांचय में रजिस्ट्री है, दिनांक 15-12-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उक्षके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिक्का निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिबक क्ष से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) सम्परण से हुई किसी जान की वायत, उसत बीधिनियम के सधीन कर दोने के सम्परक के दायित्य में कमी करने या उससे बखने में बुविधा के सिए; बॉर/मा
- (ण) ए'सी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री कुमार कृष्णलाल भौर श्री कमल कृष्णलाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री विष्णुतियंदास मलकानी भौर श्री राजू विष्णु मलकानी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिक्ष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति ने अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासेच मन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिभ, को भी बनिभ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों से वे किसी स्थानित हुनाउउ।
- (क) इस स्थल के राज्यन में प्रकाशन की वार्यक हैं
 45 दिन के शीवर करत स्वादर तम्मरित में हितबहुध
 किया क्या कारित इसाय न्यांहरताल्डी के बाह्र
 विद्वित में किए हा स्कॉर्य अ

स्वयां करणः -- इतने प्रवृत्तः कन्यों नीर वयां का, वा उपन वीधनियज्ञ के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, नहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिवा नवा ही।

जनसूची

आफिस प्रिमायसेस सं० 403, जो, 4थी मंजिल, निरंजन इमारत, 99, मरीत ड्राईव्ह, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-I/37-ईई/4972/84~85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-84 को रजिस्टर्ट किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनोक : 13-8-1.985

माहुर:

प्रकृप आई .टी.एनं.एस .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/4948/84-85-अतः मुझे, पी॰ एम॰ द्वे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वात करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित् बारार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं भीर जिसकी सं दुकान सं 36, जो, पहली मंजिल, मिल मार्केट, नूतन पुष्पक को - आप को सासायटी, लिंव, बम्बई-1, में स्थित हैं (आंप इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत हैं), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। दिनांक 10-12-84,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिषत बाजार मृत्य से कम के स्पयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिषत बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री बीलाल हाजी दादा, ग्रीर अन्वर जनमीहम्मद कपाडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्बुस सत्तार सिक्कद्वी र खन्नी (अब्बुस सत्तार फैमिली ट्रस्ट के ट्रस्टी)

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्यत्ति है)

को यह स्वा जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के जर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का वी 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, तो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूर्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्किष्ण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा पौरभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय ये दिया गया है।

अगुसूची

दुकान सं० 36, जो, पहली मंजिल, मिलिप मार्केट, नूतन पुष्पक को०-आप० सोसायटी लि०, धम्बई-1 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37-ईई/5082/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा विनांक 10-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 13-8-1985

प्रकृप कार्ड . ही . एता . एता . -----

भाषकर भीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अभीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज—1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 13, अगस्त 1985

निवेश सं० अई-1/37-ईई/4953/84-85-अत: मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

कौर जिसकी सं व दुकान सं ० १, जो, कृष्णालया, सायम श्री कृष्णालया को ०-आ५० सोसायटी, एन० एस० मनकी कर रोड, सायन चूनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्ण है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की ारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 10-12-84.

को प्रतिकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दृष्यमान प्रित्तित को लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, एसे दृष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तिल कित उद्वेषय से उक्त अंतरण सिवित में वास्तविक क्ष से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जर/यह
- (अ) एसी किसी काय या किसी धन वा अस्य कास्तियों की, किस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ उन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

क्त: अज, अक्त अधिनिध्य की भारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन विक्रानिसित स्पितायों, सर्थोत् :---

(1) श्री हेमराकुमार कुरवरनी मेहता।

(असरह)

(2) श्री विनोद गोपाल अहुआ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक । (बह ब्यक्ति, जिसके बारे में अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को सिय् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गंपिस में हितब्द्ध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के बध्याये 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

दुकान सं० 9, जो, कृष्तया, सायन कृष्णालया को०→ आप० सोसायटी, एन० एस० मानकी कर रोड, सायन चुना-भट्टी, मिर्डि-22 में स्थित ई।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई—।/37—ईई/6350/84→85 फीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विभांक 10→12→54 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी०एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक अयकर आयुक्त (िरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

विमांक : 13-8-1985

इक्ष बाह् ु टी. एन ु एवं ु-----अल्स्न

बाश्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

सारव संदेकार

क्षावानिक, बहाभक जायकार भाग्यत (निरक्षिक)

अर्जन रॉज-1, **बम्ब**६ बम्ब६, दिनांक 13 अगस्त 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5135/84-85--अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

नाशकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परणात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंध सं० 605, जो, ज्वेलर्स अपार्टमेंध, 56-जी, देशमुख रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत हैं), श्रीर जिसका कराएनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-12-84,

को पूर्वोक्य संपरित के उभित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह निश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाग की वाक्त, उत्स जीभीनगम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बीर/वा
- (अ) इसी किसी जाय या किसी अन या जन्म आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उसतं अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरक बें, में उकतं अधिनियमं की भारा 269-भ की उध्भारा (1) के उधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 30---256GI/85 (1) श्री जितेन्त्र नागजी ठक्कर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती ताराबेत सेवन्तीताल दोशी,
 - 2. श्री अशोक सेवन्तीतात दोसी, घौर
 - श्री अश्विन सेवन्तीलाल दोसी ।

(अन्⊹रिती)

(3) अन्तरक। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो जी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना क राजपक में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्वथ किसी अन्य अपनित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा वका है।

अमम्ची

पसैट सं० 605, जो, प्वेलसं अपार्टह्रुट, 56-जी, देशमुख रोपि, भिद्नि-26 में स्थित हूं।

अनुसूची जैसा ि ऋ० सं० अई-।/37-ईई/5123/84-85 फ्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दितांक 28-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

पी॰ एन॰ वुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आमुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–।, वस्बई

दिनांक: 13-8-1985

सोहरः

प्रकप काई. टी. एन. एस.------

बावकर बॉभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन सूचना

बार्ड बहुकार

ार्यालय, सहायक वावकर वाय्**न्य (निरीक्षण)**

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 भ्रगस्त 1985

निर्वेश सं० श्रई-1/37ईई/5038/84-85—श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

नाधकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें ध्राक्षे पश्चात 'उन्तर निधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नचीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर तंपरित, जिसका उचित नावार मुख्य 100,000/- रु. ते निधक हैं

गौर जिसकी सं आफिम सं 603, जो, 6ठी मंजिल, इमारत मॅजेस्टीक शापिंग सेंटर, 144, जे० एस० एस० रोड, बम्बई-4 में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम , 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 20-12-84, का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उजित बाजाए मृत्य से कम के रूपमान गंतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त समपत्ति का उचित बाजार स्था, असके स्थमान प्रतिकास हो, ऐसे स्थमान प्रतिकास का प्रसाह प्रतिकास से बिथक है और बन्तरक (अन्तरका) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरक (अन्तरका) और वंतरिती क्या निभावितिका उन्नारम स स्वस्थ अन्तरक जिल्ला विश्व के अस्तरिका य से किथत नहीं किया गया हैंड--

- (क) अन्तर्क्ष वं कृषं किसी बाय की बाब्त, उसत वृत्तिविष्यं के स्थीन कर क्षेत्रे के मन्तरक के बाबित्य में कनी करने या उससे बचने के मृतिभा के निष्यः भीर/वा
- (क) श्रेती किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा था वर किया धान वर्षिक्ष को सुविधा के सिए;

बन्ध अब उपन विविद्य की भाग 269-न के अनुसरक मं, भं, उसत विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) रतीलाल कालीदास णहा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मिना बी० मेहता ।

(भ्रन्तरिती)

श्रद्ध यह ब्रुवना बारी करके पृत्रामक सम्पत्ति के वृत्रन के कि। कार्यकाहियां करता हुएं।

उपत राष्ट्रीत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की बनीभ ना बत्तम्बन्धी व्यक्तिकों पृष्ठ वृष्णना की दानीज से 30 दिन की बनीभ, जो भी बनीभ नाद में तमान्त होती हो, के भीतर पृत्रों नव स्वीक्तमों में से किसी न्याभित हुनारा;
- (बा) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीन ते 45 विश्व के भीतर उनत स्थावर स्थाति में हितबद्ध किसी जन्म स्थानत द्वारा अभाहरताक्षरों के पास । सिवित में किए या सकाँने।

रक्षां करनः स्टब्से प्रयुक्त कर्या नीह पूर्वी कर्ता की अवस् विधित्रका, के अध्याम 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिवा नवाडी।

प्रनुसूची

भ्राफिस नं० 603, जो, 65ी मंजिल, इमारत मजेस्टीक शापिंग सेंटर, 144, जे० एस० एस० रोड, बम्बई-4 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० मं० श्रई-I/37–ईर्छ/5081/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20–12–84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (fनरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 13-8-198**5**

प्ररूप साइ . टी. एन . एस . -----

जायकर जिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के ब्रुपीय स्वा

भारत संस्कार

शामानव, तहावक मामकरु भाष्ट्य (निर्वाण)

श्रर्जन रेंज + 1, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 भ्रगस्त 1985

अश्वकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमक पश्चास् 'उन्नस अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उजिस बाजार मूल्य $1.00.000/\sim 75$. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस प्रिमायसेस नं० 120, जो, पहली मंजिल, पारेख मार्केट, 39, केनेडी ब्रिज, बम्बई-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की, धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 15-12-84,

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति को उण्डित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिकल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष सम्पत्ति का उण्डित बाजार मृल्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल क्ष्म पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिक्थित में भास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) अभ्यारण सं सुष्ट जिल्ली मान की नामत, अभ्या नीधनियम के अधीम कर बोचे के सम्मारक के समित्व में कमी करने मा उससे वचने में कृतिधा के लिए; जौर/या
- (क) एसे जिस्सी नाय वा किसी भव वा अन्य जारिताला को जिन्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, वा चक् कर निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया पवा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिध्;

शतः जव. उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरक. जे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जधीन, निम्मिसिस व्यक्तियों, अर्थात् ह

- (1) मेसर्स बेग्नरींग एण्ड मिलस्टोग्नर कारपोरेगन । (भ्रन्तरक)
 - (2) मेमर्स हर्ष बेग्ररींग कारपोरेशन । (श्रन्तरिती)
 - (3) श्रन्तरको । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह त्यान बारी करके वृत्तिक्ष सम्पत्ति के नर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सक्त सम्पत्ति को वर्षन को तस्वन्य में काई भी बाक्षेप :----

- (क) इत स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 विन की सविध या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों दूर सूवना की तात्रील से 30 दिन की सविध, जो भी जविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सण्टीच । 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताक्षरी के पांच सिचित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और वर्षों का, को सक्त वृधिनियम, को अध्याद 20-क में वरिभावित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याद में दिया पत्री हैं

मनु सुची

ग्राफिस प्रिमायसेस नं० 120, जो, पहली मंजिल, पारेख मार्केट, 39, केनेडी ब्रिज, बम्बई-4 में स्थित है।

श्रगुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-I/37ईई/4969/84--85श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त '(निरीक्षण), भ्रजैन रेंज—1, बस्बई

। दर्नाक : 13-8-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 धगस्त 1985

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें इसकें प्रकार जिसे जिसे इसकें इसकें प्रकार (जिसे इसकें विकास है), की धारा 269-चा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,€0€/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट सी-1, जो, 12वी मंजिल, मातृ श्राशिश को०--श्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थत हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामां श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 20-12-

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते रह विश्वाह करने का कारण है कि यथापूर्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रचाह प्रतिकाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) खार अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ नामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित भें वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेन के अंतरक के दायित्व में फमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आरे/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, मा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

कर: वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लिसित, व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक (1) श्रीमती उषाबेन हसमुख शेठ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स प्रोसेस कन्द्रोल एण्ड केमिकल इंजीनियरिंग प्राइवेट लि॰।

(भन्तरिती)

(3) श्रन्तरितियों । (बहु व्यक्ति, जिसके भ्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त कच्चों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्यो

फ्लॅट सं० सी०-1, ओ, 12वीं मंजिल, मातृ भ्राशिश को०-भ्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

भनुसूची जसा।क कर सं० भई-I/37ईई/5052/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-84 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 13-8-1985

पक्ष कार्र टी एन एक

बाबकर अधितियम, 1961 (1961 को 43) की पाछा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याखधः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, बम्बई
बम्बई, दिनांक 13 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० भई-- 1/37ईई/5162/84-85--- भतः मुझे, पी॰ एन॰ दुबे,

शायकर भी भी नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ह के अभीन गंभार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कमर। नं० 17, जो, दूसरी मंजिल, रेक्स चेंम्बर्स प्रिभायसेस को०-श्रॉप० सोसायटी लि०, डब्ल्यू, एच० मार्ग, बेलार्ड, इस्टेंट, इंदिरा डॉक के सामने, बम्बई—38 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्टिन्यमं, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-12-1984

को प्वेंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के धरणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफों यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार बूल्ड, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रविक्षण, निम्नलिखित उद्वेशय से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्जः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ्—

- (1) श्रीमती सविता एन० पारीख, प्रोप्रायटर मेसर्स बोम्बे ग्राइल्स एण्ड केमिकल्स । (ग्रन्तरक)
- (2) कैंटन प्रकाश चन्द्र पी० एस० सेनगर । (भ्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

इयत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पर्धिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पया है।

अन्चची

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई—I/37—ईई/84—85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 24—12—84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, बस्वई

विनांक : 13-8-1985

मोइर:

प्रकल काई, डी. एन. एत. ------

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) करि धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरौक्षण) श्राजेन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनाँक 13 श्रामस्ल, 1985

निर्देश सं० ई-1/37ईई/5007/84-85-- अतः, मुझे, पी० एन० दुबे,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक हो

श्रीर जिनकी सं फ्लेट नं 991, जो, 9श्री मंलिल, उपुपीटर श्रवाहेंमेंटस, ट्वान स्टार, उपुपीटर को 9-श्राप हाउसिंग सोसः यटी लि 9, 1 फ परे, बनवई-5 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावब श्रनुमूनी में श्रीर पूर्ण का से विज्ञत हैं), और जिन्न हा करारतामा श्रायकर अधि- विज्ञम, 1961 की धारा 269 एवं के श्रवीन, बम्बईस्थित सक्षम प्राप्ति होरी है कार्यालय में जिस्ही हैंने वारीख 15-12-1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उणित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्हिलिखत उध्योध से उक्त अन्तरण लिकित से बत्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः कवः, उक्तः अधिनियम को भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) हुटरी मेंघी वालीराम वालवानी, कुमारी खुशाली वालीराम वासवानी, श्रीर श्री घनश्याम वालीराम वासवानी।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमति ग्रारती जगत वासवानी ।

(श्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जन्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एका ठैं।

धनुसूची

फ्लेट नं 91, जो, 9त्रीं मंजिल, ज्यूपीटर श्रपार्टमेंटस, ट्वीन स्टार, ज्यूपीटर को०-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-I/37-ईई/4983/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 15-12-1984 की रजिस्टाई किया गका है।

पी ० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-I, बम्बई

सारी**ख**: 13-8-1985

प्र**क्ष बाइ**ं.टी.एन.एस<u>. =======</u>

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

श्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जनरें ज-, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 13 ग्रगस्त 1985 निदेश सं० अई-1/37ईई/4919/4-85--- श्रतः मुझे, पी०एन० दुवे,

नायकर मिंधनियम, ;961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'च्या अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स क अधीन सका ग्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लॅंट नं० 28, जो, इमात नं० 48, जीनस को०-ग्रांगि० हाउसिंग सोसाइटी लि०, वर्ली, सिफेस, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीरपणं कप से जींगत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की घारा 269 कख के ग्रिथीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 10-12-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ए से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रीतिश्त में किश्व है और अन्तरकारें) और अन्तरकारें और अन्तरकारें और अन्तरकारें और अन्तरकारें के बीच एसे अन्तरण के लिए सभ पाया गम्प प्रतिफल, निय्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण जिल्लेख के बास्तरण किश्व के बास्तरण किश्व के बास्तरण किश्व के बास्तविक क्ष्म से किश्व नहीं किश्या गम्ब है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उक्त जीव-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दारियन में कमी करने वा उबसे स्थान में सविवा के सिए; कीव/बा
- (थ्र) एसी किसी लाय या किसी धन या लम्स वास्तियों की, जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

सतः ज्ञाव, अकत जीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उकत अधिमियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीत, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:⊷⊶ (1) अ स्रेश पुमाय स्यादगी।

(धन्तरक)

(2) श्री बहम प्रकाश एल० गुप्ता सीर श्रीमति सुनीता देवी आर० वैशा।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया ऋरता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनर की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रविक्ष अविधियों में हो किसी रणीवन उपारः
- (स) इस मध्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उपना स्थासर संगीतन में एक्स-बहुध किसी अन्य स्थानत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के 12 किंग्सिट में किए का स्थापः

श्वक्यक्रियण:—इसमें प्रयावक्ष शब्दों और पद्मों का, जो उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हो, वड़ी अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया हो।

बन्स्की

फ्लॅंट नं 028, जो, इमारत नं 048, को 0-आंप-हाउ तिग सोसाइटी लि ० वर्ली तिफेस, बम्बई-18 में स्थित है।

ग्रनुसूचीजैसा कि कि० सं० ग्राई-1/37ईई/5063/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बल्बई द्वारा दिनौंक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , बस्बई

तारीख: 13-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आगकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-I, बबम्धे बम्बई, दिनौक 13 प्रगस्त, 1985

निर्देश सं श्रई-I/37ईई/5014/84-85--- श्रतः मुझे, पी० एन० दुबे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के शधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिनकी संव्यूनिट नंव 102, जो, 1ली मंजिल, बी-विंग, नीलम सेन्टर, हिन्द साईकिल रोड, वर्ली, बम्बई-18 में स्थित हैं (प्रौर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है दिनांक 20-12-1984,

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (उन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित एद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाश्राविक हथ से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर शिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: उम्र, उम्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उम्रत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) भी अधीन, निम्निलास्नत व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) श्री एम० एस० स्वामी

(घन्तरक)

(2) मेहूल ट्रान्सपोर्ट कस्पनी, श्रीं श्रीं चीं चों पड़ा, कस्पनी का प्रमोटर।

(मन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतः ह्ं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त इन्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं ० 102, जो, 1 ली मंजिल, बी-विंग, नीलम सेन्टर, हिन्द साईकिल, रोड वर्ली, बरुबई-18 में स्थित है।

भ्रमुस्ची कैसा कि क० सं० श्रई-I/37ईई/5014/84-85 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनीक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एत० **दुवे** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्र**र्जन रेंज-I, **बस्बई**

तारीख: 13-8-1985.

मोहर ~ः

प्रसम् नाहं.टी.एन.एस.-----

भग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत चेरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 14 श्रगस्त, 1985 निर्देश सं० अई-1/37-ईई/4883/84-85—स्प्रतः, मुझे, ८पी० एत० दुबे

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा . 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लेट नं० 202, जो, 2री मंजिल, रूबी-स्रपार्ट-मेंटम, 253, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में म्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध सन्मूची में स्रौर पर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। तारीख 7-12-1984

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उभित बाजार मृन्य सं काम की दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात कारने को कारण है कि सभापनें कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उभके दश्यमान प्रतिफल सं, श्रेमं दश्यमान प्रतिफल का प्रतिकार प्रतिफल का प्रतिकार प्रतिकार का प्रतिकार प्रतिकार के विष्य तम्म प्रतिकार के विष्य तम्म प्राप्त प्रतिकार के विष्य तम्म प्राप्त प्रतिकार का निम्नलिभित उन्हों किया नवा है द्र--

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करनेया उससे अधाने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया आना घाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६०-ग के उनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६०-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्मलिखित व्यक्तियों, अथित ं—
31—256GI/85

(1) श्रोमनि मोतीबाई श्रानन्दजी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुकॅग जे० शाह श्रीर, श्रीमित स्मिता एम० शाह ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हमेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगतभी

फ्लेट नं ० 2 0 2, जो, 2 री मंजिल, श्रपार्टमेंटस, 2 5 3, वासके-ववर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची ऐसा कि क० सं० श्रई-I/37-ई ई/4846/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 7-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 14-8-1985

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-1, अम्बर्द

अम्बर्द्ध, दिनांक: 13 प्रगस्त 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

और जिसकी सं जिमीन के साथ स्ट्रक्नेंस, जो, प्लाट नं 140 और 145, स्कीम नं 69, नायगांव ईस्टेट, नया सर्वे नं 2030(अंश) और सी एस नं 751, दादर नायगांव डिविजन, नायगांव रोड नं 9, गोधिंदजी केणी रोड, वम्बई में स्थित है (और इससे उपाबंध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री क्रित ग्रिधिकारी के रार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनोंक-1-12-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथपूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिपक्ष से, एसे द्वयमान प्रतिपक्ष का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (कंतरितयों) के बीच एसे बंतरण के पेमए तब पाया नया प्रतिपक्ष में अन्तिस्तियों के बीच एसे बंतरण के पेमए तब पाया नया प्रतिपक्ष में अन्तिस्तियों के बीच एसे बंतरण के पेमए तब पाया नया प्रतिपक्ष में अन्तिस्तियों के बीच एसे बंतरण के पेमए तब पाया नया प्रतिपक्ष में अन्तिस्तियों के बीच एसे बंतरण के पेमए तब पाया नया प्रतिपक्ष में अन्तिस्तियों के बीच एसे बंतरण के पेमए तब पाया नया प्रतिपक्ष के भी का प्रतिपक्ष के बीच प्रतिपक्ष के बीच प्रतिपक्ष के बीच प्रतिपक्ष के पेमए तब पाया नया प्रतिपक्ष के बीच प्रतिपक्ष का बीच प्रतिपक्ष के बीच प्र

- (क) अन्तरण से हुइ' किसी बाद की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्य में कमी कड़ने वा उत्तरे व्यवने में बृदिध. के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनक अधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिया के लिए;

अतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिकां, अधीत्:——

(1) श्रीपी० एन० मिस्त्री।

(अन्तरक)

(2) भै भर्म नेणनल बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

(4) बाम्बे म्युनिसियल कार्परिशन, बम्बई व (बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड हैं)

को नह कुलना प्रदर्भ करके पूर्वोक्य कर्नारक के वर्षन के जिला कार्यवाहियां गुरू करता हुई।

सम्ब कम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी कार्याप :--

- (क) इत सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्यों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इ.स. सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकी।

स्पादीकरणः — इसमें प्रमुक्त सन्दों जहि पदों का, जो उससे वीधीनवस, के बध्याव 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भसा है।

वनसूची

अनुसूची जैसा ि विलेख सं० बॉम्बे-1479/80 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 11-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रज-1, बम्बई

दिनांक: 13-8-1985

प्रकार कार्याः, की. एतः, एवः, ------

भावकार वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के मधीन सूचना

शास्त्र पहुन्तर्

कार्यालय, बाह्यस्क आयकर आवृत्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांच 13 श्रगस्त 1985

निर्वेश सं० **ग्रई-**1/37-जीं/5156/84-85→न्यतः, मुझे, पीं० एन**० दुवे**,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिबे इसमें इसके बहुचात् 'उक्त अधिनियम' सहा गया है), की भारा 269-क के अधीन समान प्राथिकारी की, वह विकास करने का कारण है कि स्वावर सम्पर्णि, जिस्का उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्लॉट नं 108-बीं, सॅडंहर्स्ट रोड (पूर्व), सीं एम नं 438/1721, माडवीं डिवींजन, सॅन्डहर्स्ट रोड, बमबई में स्थित हैं (ऑर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री ति अधिकारी के धार्यात्य, बमबई में रिजस्ट्री अरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनां 5-12-84

को पूर्वेक्त संस्थित के विषत बाजार मूल्य सं कम के छ्यमान असिक्षत्र के जिए अन्वस्ति की नहीं है और मुख्ये वह विक्ताय करने का कारण ही कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उणित बाजार मून्म, उसके सम्बाध अतिकम ने, एसे दरयभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक ही बीर अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतिगितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया असि-ध्रस्थ, निस्मनिवित उद्योक्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तावक इस में किया नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तर्य से हुई जिस्सी बाव की बावस्, उनक बिभिनिष्म में अभीन कर देने के बच्छरक के स्वस्थित में कभी करने या उपसे स्थाने में सुविभा के लिस्ह, बीर/वा
- (थ) एथी कियी शाय या कियी थन वा वन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वानकार वृधिवियम, 1922 (1922 का 11) ना उन्ति व्यथिवियम, या यनकार व्यथिवियम, या यनकार व्यथिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रृत्तिरती बुवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अबं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे क्रमील, विकासिका व्यक्तियों, वर्षात् :-- (1) श्रब्दुल सुचतान मुभाभाई हिरानी और श्रीमती साकेरखान् श्रब्दुल सुलातन हिरानी।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रब्दुल नूरमोहमद वस्तानी और श्रीमती कुलसुमबाई श्रब्दुल वस्तानी।

(भ्रन्तरिती)

(3) भाड्ता

(बहु व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुई।

अवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीच से 30 विन की जवाँच, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, वे भीतर पूचोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के गणपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबव्ध किसी बन्द स्थाप स्थाहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में सिर्फ जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण : --- इसमें प्रयुक्त कव्यों बीर वर्षे का, को कव्य अधिनियम के क्ष्याब 20-क में वृद्धिशिषद् हैं, वहीं वर्ष होगा को उस क्ष्याय में विया नथा है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉम-2272/83 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 5-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पीं० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई।

दिनांः: 13-8-1985

माहर :

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 भ्रगस्त, 1985

निदेश सं० भ्रई-1/37-जी/5162,84-85---भ्रतः, मुझे, पी० एन० दबे,

वावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा समा हैं), की भारत 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं।

और जिसकों मं० शेष्ठ हनुमान टेम्पल में, सी० एस० नं० 2019, भायखला डिचिजन, बम्बई-11 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 18-12-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उरयमान गङ्क प्रतिफल को लिए अन्तरित की _रे कि क्वा⊨ विष्वास करने का यह कारण पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दश्यमान प्रति-फेल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है आरे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया मया 🗗 ः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नामत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसते अपने में क्षिण। के सिन्। औद्ध/या
- (थ) ऐसी किसी गांव या किसी अन या अस्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (19.22 की 11) या उक्त जिथिनियम, या च्य-कर क्षितियम, या च्य-कर क्षितियम, या च्य-कर क्षितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में मुनिधा के लिए।

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की, अनुसरण वा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को मधीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अधीत :—

- (1) श्री रामचरण दास ज्ञानदास बाबू। (ग्रन्सरक)
- (2) बापू धाकू कोरगचकर। (भ्रन्तरितीं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में मार्ह भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त व्हींशनियद्, के व्याय 20 क में परिभाषित इं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

ध्रनुसूची जैमा कि विलेख मं० बीं-1 534/84 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 18-12-1984 को रजिस्टई विया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बग्बई।

दिनांक: 13-8-1985

प्रकप भार्षः ट्री. एव . एस्.,-------

नायकर न्धिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वना

MISO GENTE

कार्याभव, तहावक नायकर बाव्यक (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निवण सं० **ग्राई**-5,37-ईई,13668,84-85---ग्रनः मुझे, ए० प्रशाद,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसम इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाजार स्था

और जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 602, जो, 6ठीं मंजिल, कचनार प्रपार्टमेंट्स, कंदारपाडा, दिहसर (प), बम्बई में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिना करारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम, का धारा 269 के खंके श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनं का 1-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास की मिं का कारण है कि यथाप्यक्ति सर्पात्त को उप्यत बाजार अक्ष्य, अने ध्रयमान प्रतिफल में, असे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रस प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्यिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्विष्य में उस्त अन्तरण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिक नियम के अभीन कर दोने खें बन्तरक के दायित्य में कनी कडुने या अवखे बजने में सडिक्य के जिए; बीड्/बा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अप, उक्त विभिनियम, कौ धारा 269-व की अनुसरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिवित स्थिक्तियों, अधीत ह— (1) श्रीं एस० एल० मेंहरा ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० श्राप्त जगताप।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ज्यत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिमाँ में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास मिस्लित में किए या सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत विधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

अन्स्ची

फ्लैंट नं० 602, जो, 6ठीं मंजिल, बज्जनार श्रपार्टमेंट्स, कंदारपाड़ा, दहिसर (५०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा कि कि मं श्रई-4/37-ईई/13668/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायका श्रायका (निरीक्षण) श्रजीन रेज-4, अम्बर्द

दिनांक: 31-7-1985

प्रकर आहें हो हु एक हु हु हु - - ----

नायकर निविचित्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नेपीय सुवना

बारत बद्रकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/13712/84-85—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूं), की भारा 269 स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उधित शाजार मृज्य 1,00,000/- हा से अधिक है

ग्रौर जिसकी संज्ञ पत्र नं 101, जो, पहली मंजिल, मनहर इमारत, कंदारपाड़ा, भाउमाहेब परव मार्ग, दिहसर (प०), बम्बई-68 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-12-84

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करनं का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निमित के बीच संस्थिक क्ष्य से किया नवा है किया नवा है किया का से किया का

- (क) अन्तरम वे हुई किवी नाम की नामकः, उच्छ विधिनवम के नभीन कर वोने के जन्तरक के बासित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए मीं क्रिया
- (च) एसी किसी नाय वा किसी वन वा कव शास्तिन।
 को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था
 या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के
 किए।

ब्रुत: अकः उत्तर अधिनियम की भारा 269-त के जनुसर्थ कें, में, उत्तर अधिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्नस्थितिक स्थानितयों अधारी ८—— (1) मैं मर्स शहा एण्ड शहा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम एस० जेथवानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के बर्जन के सिए कार्यवाहियं शुरु करता हुं।

उपक सम्पत्तिः के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षर :- ∞

- (क) इस स्थान के राजभन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर नम्पन्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए वा तकेंगे।

स्थक्तीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त जिमिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

अपुसूची

पलट नं० 101, जो, पहली मंजिल, मनहर धमारत, कंदारपाड़ा, भाउसाहेब परब मार्ग, दिहसर (प०), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/13712/84- 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 31-7-1985

भोहर 🍸

प्रकृष बाइ'.टी.एन.एव., =========

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-4, वस्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/14129/84-85—श्रतः—मुझे, ए० प्रसाद,

षायकर मिर्थानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिर्भिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उपित बाबार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 66, एच० नं० 14, सी० टी० एस० नं० 1376, विहलेज एक्सार, दिहसर (पूर्व), बस्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनोक 1-12-1984

को पूर्विकट अन्यिता के उचित बाचार मूल्य से कम के स्ववान श्रीतकास के लिए अन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (गंतरितिवाँ) वे बीच के हुंचे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्बित के बास्तविक कप से किस्त नहीं किया गया है:---

- (%) अन्तरण नं हुन्नं किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में कविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया थया था किया आना चाड़िए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन:. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) (1) सर्वश्री एल० ग्रार० पाटिल (2) जी० ग्रार० पाटिल, (3) श्रीमती एम० ग्रार० राउत, (4) श्रीमती एस० टी० पाटिल, श्रौर (5) कुमारी श्रार० एल० पाटिल।

(भ्रन्तरक)

(2) मेंसर्स एवरेस्ट बिल्डर्स।

(श्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पृथीयत संपरित के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्जन के तंत्रीध में कोई भी वाक्षोप:---

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एइ सूचना की लामीन से 30 दिन की अविधि, को औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूकें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकीं।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुव्द शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियत्र को अध्याय 20-क में परिभावित है, बही वर्थ होगा जो बत अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 66, एच० नं० 14, सी० टी० एस० नं० 1376, व्हिलेज एक्सार, वहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/14129/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई।

दिनांक: 31-7-1985

प्रकप बाह्र : टर्ड , एन . एस .-----

बायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) कीं 269-भ (1) के अभीन स्वना

नारत बहुकाई

कार्याभय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रर्श-4/37-ईई/14143/84-85—श्रतः, मुझे ए० प्रसाद,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं जमीन मर्वे नं 167, एच नं 8, सर्वे नं 167, एच नं 8, सर्वे नं 167, एच नं 8, शाव बल्लभ रोड, दिहसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-12-1984

नां पूर्वीत्व संपर्ति वे गावित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निकार में अस्तिवक कप में कथित नहीं किया गया ही ——

- (क) नन्तरण सं हुइ किसी बाय की वायत, जारूर अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के वादित्व में कनी करने या उससे वचने में सुविधा कं निगः, और र्या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए;

मशः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकासिक व्यक्तियों, अधीन:—

- (।) श्री रामनिहोर सी० नामी ग्रौर श्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमेण एस० माने ग्रौर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविभि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 विन के भीतर उपत स्थाहन संपरित में हितवद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकी।

स्पच्छिकरण:— इसमें प्रयुक्त खब्दों और पूर्वों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के कथ्यास 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विया जवा है।

अन्स्ची

जमीन सर्वे नं० 167, एच० नं० 8, सर्वे नं० 167, एच० नं० 8, शाव वरुलभ रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

ग्रनसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-4/37-ईई/14143/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्रारुप भार्दे, टी. एप. एस..-----

ब्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्मय, सङ्घयक श्रायकर नायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज∗4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई-4/37 ईई/13915/84-85—श्रनः, मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पन्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपंति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० एस० नं० 49, एच० नं० 8 (श्रंग), सी० टी० एस० नं० 1103, विलेज बहिसर, जय जलराम श्रपार्टमेंटस, वामणराव सावंत रोड, बहिसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबख श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिस का करार-नामा श्रायंकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-12-1984

कां पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने की अस्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के अगए; और/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अदः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप्धारा (1) के अधील, निम्नलिखिल पक्तियों, अर्थात् :—
32—256GI/85

(1) मैसर्स राजदीप इन्टरप्राइजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हीरालाल डी० पटेल।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

जनत सम्परित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यच्छिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्लाट एस० नं० 49, एच० नं० 8 (श्रंश), सी० टी० एस० नं० 1103, व्हिलेज दहिसर, जय जलराम श्रापर्टमेंट्स वामणराव सामन्त रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/13915/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-121984 को रजिस्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बम्बई

सारीख: 31-7-85

प्ररूप आहे. टी. एनं. एसं. ------

नामभार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई०-4/37-ईई/13916/84-85--श्रत:, मुझे, ए० प्रसाद नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

1,00,000/- रङ से अधिक है

269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मृत्य भ्रौर जिसकी संव प्लाट एसव नंव 49, एचव नंव 8 (श्रंग), सी० टी० एस० नं० 1103, जय जलराम ग्रपार्टमेंट्स विलेज दहिसर, वामणराव सावंत रोड, दाहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रााधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-84 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान क्रीतिफर्ल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापृत्रीक्त सम्परित का उचित बाजार भस्य, उत्तक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का क्न्य्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अमर्तरती (अन्तरितियाँ) के भीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में कस्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अंतरक के वायित्व में कमी करने या उसमं अभने में स्विधा है तिए: और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) न प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) मै० राजदीप इन्टरप्राइसेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीपी० श्रार० पटेल।

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्ध स्पक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्मक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों नौर पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्वाद में विशा गया है।

प्रनुसूची

प्लाट एस० नं० 49, एच० नं० 8 (ग्रंग), सी० टी० एस० नं० 1103, जय जलराम ग्रपार्टमेंट्स, विलेज दहिसर वामणराव सावंत मार्ग, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित ਵੈ।

ग्रन्सूची जैसा कि ऋम सं० ग्रई-4/37 ईई०/13916/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-84 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-7-1985

मोहर 🛮

भक्तक वार्ष*्की हुन् हुस*् <u>-----</u>-----

क∖थ्कार जभिनियम्, 1961 (1961 का 43) क3}) भारा 269-च् (1) के जभीन सुचना

बार्क बहुकार

कार्यास्य, शहायक आयकर जायुक्त (निर्धिकाण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० म्रई०-4/37-ईई/13708/84-85---श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्लामें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गठा हुँ), की धारा 269- ख से अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह कियास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, श्राम्य पाली, एस० नं० 291, एच० 7 (श्रंग), सी० टी० एस० नं० 146 (श्रंग), वामण भोडर रोड, कन्दारपाड़ा, दिहमर (प०), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राप्तिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-12-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरका (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्घेदिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने का उससे बचने में सुविधा क निष्य, और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया। था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में सिएए।

अतः जब उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इं अधीन, निम्निनिस्ति स्यक्तिस्तों, वर्षात हे—

- (1) मैंसर्स म्हात्रे एण्ड महात्रे डेवलपमेंट कारपोरेशन। (भ्रन्तरक)
- (2) कमील मोन्टेरो।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता 💓 ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इत् सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख़ हैं 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्टु सूचना की तामील से 30 दिन की मगींध, धो औी अगींध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीच वी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दा और पवाँ का, जो उक्त जीभीनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या भया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, भ्राम्प्रपाली, एस० नं० 291, एच० 7 (श्रंग), सी०टी० एस० नं० 146 (भ्रंग), वामण भोईर रोड, कन्दारपाड़ा, दहिसर (प०), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०-4/37—ईई/13708/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 31-7-1985

४क्षण कार्षे . टी . एनं . एनं . →-----------

भायकर विधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

32844

गारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) म्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई०-4/37 ईई०/13707/84-85--- श्रत:, मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके पक्ष्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है**), **की धारा** 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार शुरुव 1,00,000/- र_ि. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 101, जो पहली मंजिल, म्राम्प्रपाली, एस नं० 291, एच ७ (ग्रंश), सी०टी० एस० नं० 146, (श्रंश), वामण भोईर रोड, कन्दारपाड़ा, दहिसर (प), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्राधीन, अम्बई में स्थित है, सक्षम प्राप्धकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-84

को पूर्विक्स सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम को अध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरममान प्रतिकल से, एसे दूरममान प्रतिकल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्य निम्नसिवित उद्योग्य से सनत मन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क), मृत्यूरण, वं इप्टं किसी बाव की वायत , उनत् अधिनियम की सधीन कर दोने के बन्हरक के बाबित्यु में कमी करने वा उन्हें वचने में सुविधा न सिए; गर/का
- (क) ऐसी किसी माय या किसी भन वा अन्य आस्तिया का, जिन्ही भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या बनकर विधिनियम, 1957 (1957 रा 27) क्षे प्रयोजनार्थ बन्त्रिती दूवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए जा, छिपाने परें ब्दिया में विष्

बक्त वर्ग, अक्त विभिनियम, की भारा 269-ग के वनकारण वो, मो, उक्त विभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) 🕏 कथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 💵

(1) मैंसर्स म्हाले एण्ड म्हाले डेवलपमेंट कारपोरेशन ।

(भ्रन्तरक)

िश्चाम III--खण्ड 1

(2) श्री सुन्दर राज चुनी लाल गुप्ता । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वेदित सम्परित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर **भूचनाकी तामी**ल से 30 दिन की अविधि, जो भी वंगीप बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मा हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या सर्कोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों अप**र पदों का, जो उक्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मंदिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 101, जो पहली मंजिल, श्राम्प्रपाली, एस० नं० 291, एच० नं० 7 (ग्रंग), सी० टी० एम० नं० 146 (श्रंग), वामण मोइर रोड, कन्दारपाड़ा, बहिसर (प), बम्बई-68 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-4/37 - ईई०/13707/ 84-85 म्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड (कया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायकत (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख 31-7-985 मोहर 🛚

इंदन नाई. टी. एन एस. -----

शायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के अभीन क्षता

बारत चरकार

कार्याजन, सहायक भायकर बायूक्त (निर्देक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निवेश सं० म्राई०-4/37-ईई०/13975/85-84---श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतर्म इतके परभात् 'उक्त अभिनियम' काह्य गवा ही, की भारा 269-स के अभान सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, जो तीसरी मंजिल, हेरमेस ग्रपार्टमेंट स, मूलजी नगर स्कीम, एस० वी० रोष्ट, कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनाम ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 1-12-84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम के क्ष्ममान प्रतिकाल के निए मंतरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके क्ष्ममान प्रतिकाल से, एसे क्ष्ममान प्रतिकाल का बन्धह प्रतिकात से मिक्त है बार मंतरक (मंतरका) जार मंत-रिती (मंतरितियाँ) के बीच ऐसे मंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नितियाँ उद्विषय से उक्त मंतरण लिखित में बास्तिक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) बंदरण सं हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक कं दायित्व में कभी करने या उससे अचने मा श्रीविज्ञ. ई निए; और/या
- (क) एंडी किसी अग्य मा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उचत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उमत अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के बधीन निम्नतिविध व्यक्तियों, वर्षात् ध---- (1) कर्नाटक द्रेडर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी सुन्दा नेहरू।

(अन्तिरिती)

को का बुखना भारी करके पूर्वीक्य सम्पृतिस के वर्षय के विव कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्पन्ध में कोर्ड भी बाओं :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीय वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी वविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्योक्त स्वीकतयों तों से किसी व्यक्ति हवारा;
- (च) इस सूचना के गलपत भा प्रकाशन को नारोच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताशारी के पांच लिखित में किए प्रामकार।

त्यश्वकरणः—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उद्दे व साय में विकर गया में।

अन् पुषी

पर्लंट नं० 4, जो तीसरी मंजिल, हेरभेस श्रपार्टमें स मूलजी नगर, स्कीम, एस० नी० रोड, कांविश्रली (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-4/37-ईई०/13975/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-84 को रिजस्टड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

सारीख : 31-7-198**5**

प्रकम जाहाँ _व दौ<u>ः पुनः **एय**ः - - - --</u>

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) আ
।
धारा 269-গ (1) ফ লখীন ম্বনা

शारत बर्जाह

कार्यासय, सहायक आयकर बाबुक्त (रिनरीक्षण)

अर्जनरेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31, जुलाई 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/13904/84-85-- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्नां इसके परपाद 'जनत' अधिनियम' नहा गना है कि भारत 269-च के सभीन बसन प्रतिभूकारी को वह निकास करने का कारण है कि स्थानर कन्मीक, जिसका जीवत नाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से नीभक है

श्रीर जिसकी सं ० दुकान नं ० 3, जो, तलमाला, हस्तिगरी है। मेंटस, चक्रवर्ती अशोक ग्राम, विहले ज वाधनान, एस नं ० ७ (श्रंश), 12-ए, /1 (श्रंश), 3 (श्रंश) श्रीर 6 (श्रंश), चक्रवर्ती अशोक रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णच्य में विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भें रजिस्ट्री हैं तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उनित बाबार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिभाव के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्बद्धित का उनित बाबार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकान से, इसे दश्यमान प्रतिकास के पन्द्रह प्रतिश्व से वृधिक है और वंतरक (बंदरकों) और वंतिहर्ती (बंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिक् कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) मंतरण से हुई किसी नाम की नाम्य, उक्त बीधिन्युत् के स्थीप कुट की भे मंत्रुक के दायित्व में कमी करने था उससे वचने में सुविधा क लिए; कॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधांजनार्थ अंतुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय. या वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्षेत्र, में इंजिक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) ऋक्षेत्रकाल कुल्लिका कुल्लिका कुल्लिका कुल्लिका (1) मेसर्स गुडविल बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीष कुमार परमेश्वरन नायर।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्द सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के ग्रावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के सम्मन्त्र में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त सम्बद्धें और पर्दों का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अधें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्भूकी

दुकान नं 0 3, जो, तल माला, हस्त गिरी, अपार्टमेंटस, चक-वर्ती अशोक ग्राम, विहले ज वाधवान, एस० नं ० 7 (श्रंण), 12-ए/ 1 (शश्रं), 5 (श्रंण), श्रीर 6 (श्रंण), चक्रवर्ती अशोक रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित हैं।

अनुसूचों जैसा कि कि० सं० अई- 4/37-ईई/19804/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज⊶4, बम्बई

तारीख: 31-7**-**1985

प्रकम् आहे हि, हम्, एस , -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/14172/84-85 ——अत: मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स में अधीन सक्तम प्राधिकारी को वह जिल्ला करने का कारण है कि स्थावर सम्पीध, जिसका उचित साम्राप्त मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रांगर जिसकी सं० दुवान नं० 2, जो, तल माला, तिरूपित अपारं में इस, प्लाप्ट नं० 99, एच० नं० 1(ग्रंश), आकूली कास रोड़ कांदिवली (पूर्व), बम्बईन 101 में पिथत हैं (ग्रांग इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांग पूर्णरूप से बिणत हैं) ग्रांग जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क्या के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-12-1984,

को पूर्वेक्स संपन्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नीलिक्त उच्चेक्स से अक्त अंतरण लिकित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) डे ब्राधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधित:— (1) श्रीमित ताराबाई तुलसीदास ।

(अन्तरक)

(2) खमिर द्रेडमं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख् कार्यगाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकालन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस तुषमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्मीत में हित-नव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ---- इतमे प्रयुक्त सम्यों और पदों का, जो उक्त अधि-निवस के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, बहुरी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

श्रनुसूची

दुकान नं० 2,जो, तलमाला, तिरूपित अपार्टमेंटस, प्लाट नं० 99, एच० नं० 1 (ग्रंश), अकूषी क्रास रोड, कांदिवली (पूर्व) बम्बईर 101 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-4/37-ईई/14172/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-4, बम्बई

नारीख: 31-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्यही

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 प

निदेश सं० अई-4/37-ईई/13801/84-85--- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), करिया 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, विस्ता उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन श्रीर इमारत, जो, 110-ए, गवर्नमेंट इन्डिस्ट्रियल इस्टेट, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य से वर्णित है), श्रीर जिसका कराएनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 1-12-1984

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उपिक बाजार मृल्य सं कम के क्रममान प्रतिष्ठल के लिए अन्तीरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिष्ठल म, इस्यमान प्रतिष्ठल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया रया प्रतिष्ठल, निम्मीलिकत उक्षेत्रय से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से किथत विशेष गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर पेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिका के लिए;

कतः जाज, उकतं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकतं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) अरूण बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) अरूण मणीन्स एण्ड डाइज प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन करी अविभि सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीकार उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य ध्यिकत ब्बारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

जमीन श्रौर हमारत, जो, 110-ए, गवर्नमेंट इन्डस्ट्रियल इस्टेट, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-4/37-ईई/13801/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) [अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 31-771985

ब्रक्ष्य आहें, टी. एन. एस.,------

म्प्यकश् विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निवेश सं० अई-4/37ईई/1399/84-85-- अत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-च भे अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, स्ट्रकचर के साथ, जो कांदि-बली, शालुका बोरिवली, सर्वे नं० 38, एच० नं० 8, मीर सर्वे नं० 88, एच० नं० 3, कांदिवली, बम्बई में स्थिन हैं (मीर इससे उपाबद अनुभूची में मीर पूर्ण रूप से विणा है), मीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। हारीख 1-12-1984

को पूर्वोश्य सम्पर्णन के उचित बाबार मूल्य से कम के प्रतिकन के लिए **अ**न्तरित की गह और विष्यास करने का कारण पूर्वोक्त शम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसें एश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सी अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेचय से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ः---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तिवाँ की. जिन्हें श्रातीय आय-कर किसीनयम, 1922 (1.922 का 11) या जक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिष्ण;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 33---256GL/85

(1) प्रेमराज हजारी मल ग्रीर अन्य।

(अन्सरक)

(2) मेसर्स दर्शन इन्टरप्राईजेज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन को निष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप उ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर समानि में हिन्त्र्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसल किपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है!

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जो, कादिवली, तालुका बोरिवली,सर्वे नं० 38, एघ० नं० 8, ग्रीर सर्वे नं० 88, एच नं० 3, स्ट्रक्चर के साथ कांदिवली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं अई-4/37ईई/13992/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

सा**रीख**ः ३!: 7-1985

मोह्यु 🛭

(जिसे इसमें

प्ररूप बाइँ. टी. एन. एस.

बायकर व्यप्तितवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 = (1) से मधीन स्थन।

मारत बरकार

कार्याचय, सङ्घायक आयक्तर गायुक्त (निडुकिन)

अर्ज म रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देण सं० अई-4/37-ईई/13751/84-85--अतः मुझे

ए० प्रसाध बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **इतके परचार् 'उक्त अधिनियम' बाहा गया है**), की **धारा** 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य

1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं० 2डी-404, जो, 4थी मंजिल, पारस नगर, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ो वर्णिन है), ग्रीर जित्रहा करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, नारीख 1-12-1984 की

को पृथींकत सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमाव र्णातफल के लिए अन्तरित की गढ़ है और भूझे यह विस्वास करन का कारण है कि यथाएवींक्त सम्पत्ति का अकित बाजार मृत्य, असको दश्यमान प्रतिफल से, एोसे इत्यमान प्रतिफल का पंचाह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिशियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तारण सं शुर्ध किसी नाथ की बाबत, उक्त अरिपनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक की वाधित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के जिए; और/या
- **(क) एसी किसी आय या किसी** धन ६६ जन्य असम्बद्धाः को, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा 🗯 सिए;

इस्त: अन्न , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरक मा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 26**?-म** की उपधारा (1) अ अधीन, निम्ननिश्चित व्यक्तियों, वर्षात् ३---

- (1) श्रीमती हिराक्षलमी वामोवरवास उपाध्याय । (अन्तरक)
- (1) 1. श्री बी० एल० शहा धौर 2. श्रीमती ताराबेन बी० शहा

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए। कार्यवाहियां शरू करता हुई।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संज्ञाय मा कोई भी आक्षप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्यारा अक्षोहरलाक्षरी के **पास** सिवित में किए जा सकों में।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मां परिभाषित समाहरी।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 2डी-404, जो, 4थी मंजिल, पारस नगर, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37--ईई/13751/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारण सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 31-7-1985

अक्य बाह्" , की . युद् , एव , ------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बरकाह

अध्यक्तियः, सञ्चयक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13763/84-85-अत: मुझे, ए प्रसाध,

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) जिसे इसकों इसको परणात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च में अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201⊸बी बी-विंग जो वर्शन अपार्टमेंट, शंकर लन, कांविधली, बम्बई-67 में स्थि है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), मौर जिलका करारनामा आयकर अधिक्यिम 1961 को धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984 को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाबार मूल्य है कम के अस्यमान प्रतिफल के मिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रीतफल से एोसे धत्र्यमान प्रीतफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उच्त अंतरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुए किसी नाम की वानत, अच्छ विभागम के सभीन कर दोने के जन्तरक के दासित्य में क्रमी करनेया उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (व) एसी किसी नाथ या किसी धन या जन्य जास्तियां का जिल्हा भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना काहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री रमेशभाई सी० शहा।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० एन० दोषी

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां फरता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, ओ में बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पर्तित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकः मधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुग्र है।

मन्त्र की

फ्लैट नं० 201-श्री जो, बी-विंग, दर्शन अपार्टमेंट, शंकर लेन, कांदिवली, बम्बई-67 में स्थित हैं।

अनुमूची जैसा कि क॰ सं॰ अई-4/37-ईई/131763/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन **रेंज**-4, बम्ब**र्**

विनांक: 31-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश र्स ॰ अई-4/37-ईई/13765/84-85--अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी/104, जो बर्गन भ्रपार्ट-मेंट, र्गकर लेन, कांदिबली, बम्बई-67 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है) भ्रौर जिसका करारनाना आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के श्रुरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रुरमान प्रतिफल से, ऐसे श्रुपमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के यीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती एन० सी० मोदी, 1. श्री बी० सी० मोदी, ग्रीर 3. श्री पी० सी० मोदी।

(अन्तरक)

(2) श्री आर॰ सी॰ ग्रहा भीर श्रीमती सो आर॰ ग्रहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्थळांकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं॰ बी/104, दर्शन अपार्टमेंट, एंकर वेन, कादि-वली, बम्बई-67 में स्थित है। जैसा कि क॰ सं॰ अई-4/37-ईई/13765/ 84-85 मीर जो सक्षम प्राधिनारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, सम्बद्ध

विमोक: 31-7-1985

प्ररूप आहूं.ठी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभ्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→4, बम्बई बम्बई, विनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14094/84-85--अत: मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 28, जो, 2री मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (५०), बम्बई- 67 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबंध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से इणित हैं), ग्रीर जिसका करारमामा आयम अधितियम 1961 की धारा 2(9 क ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिरही है, सारीख 1-12-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चे से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्ष रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्न में कमी करने या उससे स्कने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यह धनकर अधिनियम, यह धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अपृत्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, वर्भातः ३(1) श्री एच० ए० मेहता।

(अन्तरक)

(2) श्री कें अगर० संघवी।

(अम्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति स्म्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबवृध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ जिस्ति में किए का सकेंगे।

स्यस्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हो।

मन्स्यी

क्लैंड नं० 28, जो, 2री मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 है स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/14094/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा वितांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए ० प्रसाद सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

विमांक: 31-7-1985

मोहरः

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (विरोक्षण)

धर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांतः 31 जुलाई 1985

निदेश सं० प्रई--4/37-ईई/13758/84-85---मतः, मुझे, ए० प्रसाद,

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिलकी सं० फ्लैट नं० 69, जो 4थीं मंजिल, सस्यम इसारत एस०वी० रोड, फतेहबाग, व्यविधालीं (प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूनी से और पूर्ण रूप से धणित है) के और जिस्ता व्यापनामा मायवार महिन्यम 1961 की धारा 269 व, छ के मधीन, बहबई स्थित सक्षम प्राधिवारीं के कार्याज्य में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1985

को पूर्वोक्ष्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में बुस्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दासित्व में कमी करने या उससे बज़ने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ं बंद: अबं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निस्तिविध व्यक्तियाँ, वर्षात् द— (1) मैसर्स विलोक वनस्ट्रमशन्स वन्पनी ।

(मन्तरक)

(2) श्री विजय एन० वेरागीवाला।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करते पृथांक्त सम्पत्ति के वर्णन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यमसूची

पर्णेट नं ० ६९, जो 4थी मंजिल, सत्यम इमारत, एस० बी० रोड, फसेहबाग, कांधिवली (प०), बम्बई--67 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि० सं० धाई-4/3 क् ईई/1375 87-84-85 जीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जनरेंज-4, सम्बद्ध

तारीख: 31-7-1985

ं प्रथम नाई. टी. एन. एवं. न स स न सन् बावकार विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की बाडा 269-व (1) के बधीन बुच्या

भारत सरकार

कार्यास्त्र , सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशिण)

धर्जन रें ज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० **मई**-4/37-ईई/14118/84-85---- मतः, मुसे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की सं ० प्लेट नं ० की-12ए, जो, बी-विंग, 3री मंजिल, विया तिकेशन को ०-प्राप्त हाउ किंग सोसाइटी लिए, अवेरी बाग, एस० बी० रोड, वांचिक्ली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध इनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञ है), और जिस्ता इपायरामा हायद्य इिविष्म 1961 की धारा 269 व, स के इपीन, बम्बई स्थित स्थम प्रिधारी के स्थार दिन राजिस्त्री है तारीख 1-12-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में. बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के समित्व बेंकिसी करने या उबसे बचने में त्विधा के मिल्; ब्रीड/वा
- (च) ऐसी किसी जाब वा किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसंजनार्थ अन्तरिसी ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सृतिभा वी जिन्हा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क्षे अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्रींपी० वी० ठक , र।

(अन्भेरः)

(2) श्री धन्दुल स्यू० मोहमम्द हुसेन घाडा।

(भ्रन्तिःतीं)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पत्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (क) इस स्वाना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षांहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकोंगे:

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्राचिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चया है।

बनुसूची

फ्लैट नं बी-12ए, जो बी-विंग, 3री मंजिल, बिरा निकेतन को-म्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, झवेरी बाग, एस० बी० रोड, वादिगली(प०), बम्बई-67 में स्थित है।

भनुसूची जैसा ि क० सं० भई--4/37-ईई--14118/84--85 और जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1--12--1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> ए० प्राद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 31-7-1985

धुरुष् नाद्द^{*}, टी. एन्. एस् .-------

जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व(1) के सभीन स्वान

भारत सरकार

कार्यासव, सहायक नायकर नायक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रें ज-4, बम्बई

बम्बई, विनां र 31 जुलाई, 1985

निवेश सं० मई-4/37-ईई/14180/84-85---मत:, मुझे, ए० प्रसेद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मार जिसकी सं ० पलेट नं ० 4, जो, 4थीं मंजिल, हे रमेस अपार्टमेंटस, प्लाट नं ० 7, मुलजी नगर, ए० कीं ० रोड, नांदिइली (प०),
अम्बई- 67 में स्थित है (अंतर इससे उपायत इत्सूची में और
पूर्णक्ष्य से विजित है), और जिला द्वारामामा आरहार इक्षिनियम 1961 की धाना 26 रख के अधीन, बम्बई स्थित स्थमप्राथितारों के किसीलय में जिस्ट्री हैं। शारीख 1-12-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान
प्राथितारों के किसीलय में जिस्ट्री हैं। शारीख विचात के दश्यमान
प्राथितारों के किसीलय में जिस्ट्री हैं। शारीख विचात के दश्यमान
प्राथितारों के किसीलय में जिस्ट्री हैं। शारीख विचात के दश्यमान
प्राथितार के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विच्वाद
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
प्रस्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(बंतरितियाँ) के बीज ऐसे बंतरण के लिए तय पावा
पवा प्रतिफल निम्नलिबित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण शिवित में
वास्तिक हम् से कथित नहीं किया गया है अन-

- (क) अन्तरण से हुद्दे निज्ञी साथ की बावता, उपक अभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कानी करने वा उबसे नचने में बृद्धिशा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-विमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिये था, किया में सुविधा में लिए;

बतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बन्सरक के बी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के बाधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती रूबी जे० ईरानी और स्त्रीं जे० ए० इरानी।

(भन्तरक)

(2) श्री प्रवींण चन्द्र वीं०ठकरा।

(मन्तरितीं)

को वह तूचना बारी करके पूर्वोक्त सभ्यति के बर्धन के बिख कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

बन्द संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी मार्क्ष :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी नर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्थाबिकरण:----इसमें प्रयुक्त कक्यों और पदों का, को उक्त किंध-नियम के अध्याय 20 ∻क में परिभाषित हैं, वहाँ कर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

पलैट नं ० 4, जो, 4धीं मंजिल, हैरमेस श्रमार्टमेंटस्, प्लाट गं ० 7, मुलजी नगर, कांदिवलीं (प), बम्बई-67 में स्थित है।

धनुसूबी जैसा कि कि के सं० भई-4/37ईई/14180/84-85 कीर जो सक्षम प्राक्रि∷ारङ, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भायुक्त** (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-4, बस्**ध**ई

तारीख :31--7-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्नर्जनरें ज-4, बम्बई बम्बई दिनांक 31 जुलाई, 1985

निदेश सं० ग्रई--4/37 ईई/13816/84-85--श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिस इसमें सिक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उपित बाजार अल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं अधिशिक्ष यूनिट नं व सी ०-- ६, जो, तल्माला, बोनान्झा इन्डस्ट्रियल इस्टेट, अणो चन्नवर्ती रोड, नादिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प में विणित है), और जिसवा राग्नामा आयवार प्रधिनियम 1961 की धारा 26 वृद्ध के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी, के वार्यालय में रिजन्द्री है। तारीख 1-13-84 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिकत के निए बलारित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिकत से, एसे इत्यमान प्रतिकत का पन्दह प्रतिकृत से किथ करारित की की करारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिकत से, एसे इत्यमान प्रतिकत का पन्दह प्रतिकृत से किथ करारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिकत की करारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिकत की सम्तरक का करारण है किया गया है करारण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निकरित उद्वेच्य से उक्त अन्तरण निवत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत., उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन अन्य आस्तियों कई धिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के सिए;

बत: जब, जरूर अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त आधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीत: रैनम्बालियत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 34—256GI/85

(1) श्री छगन लाल एस० केरिंग (लार्जर एच० यू० एफ०)।

(भ्रन्तरक्ः)

(2) मेमर्स के०ए०ए० इन्टरप्रायजेज।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की जबिंध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थित दुवाय;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उजस जिम्मिन के जभ्याय 20-क में परिभागित्र हैं, बही वर्ष होगा को उस अभ्याय में दिए। मया है।

जन्स्ची

औद्योगिक यूनिट नं० मी-तल. जो, तल माला, बोनान्झा इन्डस्ट्रियल ।इस्टेट, प्रामोक चक्रचर्ती रोड, सांवियली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

यनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्राई-4/37-ईई/13816/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज⊶4, बम्बई

तारी**ख** : 31—7--1985

प्रकप आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, बिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/14165/84-85--श्रत: मुझे, ए० प्रसाद

काय कर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ज के अधीन मध्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने ना कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 26, है जो, 2री मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई—67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रोंक्त सम्पत्ति का उचित काज़ार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीर एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायत्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) ऐनी किसी भाग या किसी धन या जन्य जास्सिय। करें, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिम्मियम, या भनकर भाभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ती रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा चे सिंग्रं;

अत: जंब, उक्त अधिनियम, की बारा 269-ग के अनुसरणी हैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीक, निम्निवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हिमत ए० महता।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० एस० सोनी (झवेरी)

(भ्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिकों करता हूं।

उमत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण को प्रकाशन की तारीख सं क्ष्म 45 दिन करी अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद को तमान्य होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस. तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पर्वेकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, को उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

बन्त्ची

पर्लंट नं० 26, जो, 2री मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 2, गंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

प्रमुस् जैसा कि क० सं० ध्रई-4/37-55/14165/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 31-7-1985

प्रस्तु बाइं.टी.एन.एक. - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्वमा

भारत सरम्बद्ध

कार्यासय, बहायक नामकर नामकर (निर्मान)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देग सं० श्रई--4/37-ईई/14020/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-7 है, जो तल माला, जनसुख सागर को-श्राप० हार्कामग सोसायटी लिमिटेड, सी० टी० एस० नं० 396, कस्तूरबा रोड, कांदिवली (पाण्चम), बम्बई-67 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्राय कर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्गे) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया क्या कितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया मथा है :---

- (क) बन्धप्रश हं हुए किसी बाव की बाबसा करका बीधनियम के अभीन कर बावें के अन्तरक के सामित्व में कमी करने वा उससे बजबे में मृद्धिक क लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्व में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) कु विधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, विधीत हिल्ल (1) श्री महेन्द्र नानालाल शहा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हेमलता एन० धनेक।

(भ्रन्त।रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप 🎥

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीक्षर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचेना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्लाय अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का सकेंगे।

रूपक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, को उपस अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० ए--7, जो, तल माजा, जनसुख सागर को आपलेटिय हार्डांनग सोमायटी लिमिटेड, सी० टी० एस० नं० 396, कस्तूरबा रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-4/37—ईई/14020/84—85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वःरा दिनांक 1-12—1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रमाद पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

•दनांक : 31-7-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-व (1) के बधीन बुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/13976/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लैंट नं० 11, जो, 5वीं मंजिल, हेरमेस अपार्टमेंटस, मुलजी नगर, एस० वी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई—67 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्राय-कर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्रत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा छिपाने में के किए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनिय की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स कर्नाटक ट्रेडर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमणिकलाल पी० मोदी श्रीर श्रीमती श्रार० ग्रार० मोदी

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्थन संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (उ) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गदा हैं।

श्रनुसूची

पर्लैट नं० 11, जो, 5वी मंजिल, हेरमेस श्रपार्टमेंटस, मुलजी नगर, एस० वी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई— 67 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि क० सं० श्चई-4/37-ईई/13976/ 84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ् ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (।नरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्रकृप आहू". टी. एन. एस. - - •

नायकर विधिनयन, 1961 (1961 का 43) की भाडा भारा 269-व (1) के सभीत सुभना

<u>पाउत संस्कृत</u>

कार्यांक्य, सहायक कायकर कायुक्त (निर्द्रोक्क)

श्रजन रेंज-4, बम्बर्ध बम्बर्स, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रर्ड-- 4/37--ईई/14179/84--85---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं दुकान नं 5, है, जो प्लाट नं 7, मुलजी नगर स्कीम, एम वी रोड, कांदिवली (पाश्चम), बम्बई – 67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 7–12–1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार बृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और बृक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वे अत सम्पंति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से फिथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाथ की यावत, उक्त निर्मानवम की स्थीन कर दोने के मन्तरक हो श्रीबल्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा भी किए; नार्ट/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

अतः अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अनीन, निम्हीलखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- 1. रमेण कन्स्ट्रवणन कम्पनी (बम्बई)

(भ्रन्तरक)

2. ।जन्ननेभ प्लायवूड ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई वाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के रंजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विभ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कथोहल्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनस्ची

दुकान नं० 5, जो, प्लाट नं० 7, मुलजी नगर स्कीम, एस० बी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बर्ड-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-4/37-ईई/14179/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बम्बई

विनोक: 31-7-1985

त्रकप बार्ष, टी. एवं. एस्., ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० भ्रई-4/37-ईई/13974/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रमाद

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिक्जास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी सं पलैट नं 2, जो, पहली मंजिल, हेरमेस प्रपार्टमेंट्स, मुलजी नगर, एस० बी० रोड, कांदिवली, बस्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिजत है), ग्रीर जिसका करा तामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-12-84 को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रई प्रतिकात से अभिक है बौर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बौच एसे अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बौच एसे अन्तरक (अन्तरका) बौर अन्तरिती (अन्तरितीं) के बौच एसे अन्तरक (अन्तरका) बौर अन्तरिती (अन्तरितीं) के बौच एसे अन्तरक (अन्तरका) बौर अन्तरितीं (अन्तरितीं के स्थाप का इंदरितीं का उचित का स्थाप का इंदरितीं के स्थाप का इंदरितीं के स्थाप का इंदरितीं का स्थाप का इंद

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के बयीन कर दोन के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उसने वचने में बृविधा के निए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 जा 11) या उसत अधिनियम, शा धन-रूप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त जीभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) मैं सभीन, निम्मनिविक व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री धिरेन डी० मेहता

(ग्रान्तरक)

(2) श्री त्रिजमोहन डी० श्रगरदाल श्रीर श्रीमती ए० बी० श्रगरवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्क के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जकिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रहस्तार के पाम निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लैट नं० 2, जो, पहली मंजिल, हेरमेस श्रपार्टमेंट्स, मुलजी नगर, एस० बी० रोड, कॉदिवली, ब्रम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि मं श्राप्ट-4/37—ईई/13974/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद पक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेज–4, बस्बई

दिनौंक: 31-7-1985

प्रकृष साई. टी. एस. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

नारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश मं० ग्रर्ह-4/37-ईई/14167/84-85--ग्रतः मुझे,

भागकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर स्मात्ति, जिसका उक्ति वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से विभिक्त है

ग्रीर जिसकी संव श्राफिए प्रिमायसेस तंव 204, जो, इमारत लक्ष्मी शापित सेंटर, बीव एलव लेन, काँदिबली (पिष्टिम), बम्बई-6क में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विकास है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित एक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

की पूर्विक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम से दरयमानं अतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण ही कि यथापृत्रीकन सम्पत्ति का उचित त्राजार भून्य, उनके सम्प्रान प्रतिफल, से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का भन्मह प्रतिकात से अधिक ही और कंतरक (अंतरकार) जौर कंतरिती (अंतरितिकोर) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नोलिंदात उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित्त के सम्स्रीक रूप भे कथित नहीं किया गया है हम्म

- (क) मंतरण वं हुइं किसी बाब की बाबत, उक्त की कियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दार्शियक के कभी करने या उत्तस वचने में स्थिधा के लिए; और/वा
- (क) ऐनी किसी बाव वा किसी धन मा अन्य आस्तिव की जिन्हों भारतीम सायकर अधिनियन, 1922 11922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के ब्योजनाथ अन्याजिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया यह या किया जाना एसहिए था, क्रियाने में मुलिक्स खेलिए।

कतः वस, उक्त विधिनियम की भाष 269-व की वस्तरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की भाष 269-व की उपभार (1) क्रिवधीन र पनिस्थित, व्यक्तियाँ, अर्थात् :---- (1) श्री मन्यूरम्रली श्राय० भांमानी।

(अन्तरकः)

(2) मैं सर्म जय बेने फीट ट्रस्ट ट्रस्टी।

(भ्रन्तरिती)

कां वह तृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भूजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच रे 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (कां) इस सूचना को राजवल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पल्नीकरणः ---इसमो प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को जध्याय 20-क मों परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मों दिया गका है।

धनुसूची

श्राफिस प्रिमायसेस नं० 204, जो, इमारत लक्ष्मी शापिंग सेंटर, बी० एल० लेन, कांदिबली (पण्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37–ईई/14167/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 1–12–1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरिटीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्पई

दिनौंक: 31-7-1985

प्रकृत वार्रं,ही,एन,एस.,-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) जो अधीन सुभना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक नावकार आयुक्त (निर्दाक्तक)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/14166/84-85--श्रतः मुझे, ए ० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मस्ब 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० आफिन प्रिमायमेस नं० 205, जो, इमा-रत लक्ष्मी शाषित मेंटर, बी० एल० लेन, कांदिबली (पिष्चम), बम्बई-67 में स्थित हैं (ग्रीट्र इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया पया प्रतिफस निम्नसिवित उब्बोस्य से अक्त अन्तरक सिवित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया वया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नौभनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने वा उत्तवे बच्च में तृषिधा के सिए; बार/वा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य शास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के जिए;

जतः संग, उक्त जिधिनिसम की धारा 269-ग के अनुसरण जै, जै, उक्त जिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अर्धान, निम्निल्खित स्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री उस्मान कासम चोहान।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भारती भरत दात्तानी।

(श्रन्तरिती)

का वह सूचना चारी करके प्वानित सन्पत्ति के वर्षन् के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियां पर व्यक्तियां में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यूभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वाकिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उत्र प्रिक्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया विश्व है।

ग्रनुसूची

श्राफीस प्रिमायसेस नं० 205, जो, लक्ष्मी शार्पिग सेंटर, इमारत, वी० एल० लेन, कॉदिवली (पश्चिम), अम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-4/37—ईई/14166/84—85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजं⊶4, बस्बई

दिनौक: 31--7-1985

प्ररूप **भार**ि टॉ. एन. ग्रुस_ः --४------नागकर मंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-4, **बम्बई** बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई 1985

निर्वेश सं० श्रई-4/37-ईई/13680/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

ग्रौर जिसकी दुकान नं० 4, जो, लक्ष्मी ग्रापिंग सेंटर, वसनजी लालजी रोड, कांदिवली (पिश्चम), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उसते अन्तरण सिवित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) बुन्तरुण से हुइ किसी बाब की बाबस, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को रायित्व में कमी करने या जससे बजने में सुविधा क जिस्, आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकत्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा के जिए;

बर; अब, उन्तर अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भाँ, मी, उन्तर अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत. निम्निश्चित व्यक्तियों, अभिति क्र— 35—256GI/85 (1) कुमारी मुक्ताबेन हरशी छडा।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स होटेल लता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में क्रोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवाँ का, भ्रा उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्त्य

दुकान नं० 4, जो लक्ष्मी शापिग सेंटर, वसनजी लालजी रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-4/37–ईई/13680/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1–12–1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसा नक्षम प्राधिकारी सहायक्रॄ्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज−4, बम्बई

दिनौंक: 31**-**7-1985

प्रसम् बार्ड . टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन सुचना

बारत रहका

कार्यालयः राष्ट्रावक वायकर वायुक्त (निद्धीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 31 जुलाई 1985निर्वेश सं० श्रई-4/37–ईंडि/13867/84–85–-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

करमकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिंबे इतनें इसकें पश्चात् 'उक्त सिपिनियन' महा नया है), की भारा 269-च से सपीन तक्षम प्रापिकाही की यह किस्साप करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धित, जिसका उचित्र नाजार मुन्व 1,00,000/- रा. से जिथक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, तल माला, शिवम इमारत, एस० बी० रोड, फतेह्बाग, कांदिवली (पिष्चम), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिन्ना इरारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 26 द ख के शर्धीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रीं है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वे विश्व सम्पत्ति के उचित बाबार जुल्ब से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्धे हैं और जुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वे कित संपत्ति का उचित बाबार शृह्य, उसके करवजान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचात से जिपक है और बन्चरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के निष्द तय पाया गया प्रतिफल, निक्निएसिया उच्चे क्या ये उचत अन्तरण कि चित

- (का) कर्णार्ज हो हुन् किसी जाय की बावत अक्ट विधिनसम्बद्धे सभीन कर दोने के अन्तरक के अधिक्ल मों कभी करने या उत्तरसे बचने मों सुविध्य के लिए; विश्व/या
- (स) एँसी फिसी जाय या किसी भन वा जन्य आस्थियों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अभिनियम, एए भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था मा किया जाना चाहिए था, खिवाने में सुविधा के सिक्ध।

कतः इतः, उक्तं विधिनियमं की धारा 269-ग के बन्सरक कों, मैं, डक्तं विधिनियमं की धारा 269-गे की उपधारा (1) कों संधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः (1) मैसर्स राजलक्ष्मी वन्स्ट्रकशन।

(श्रन्तरकः)

(2) श्रीं और श्रीमती विनोद एन० शहा। (धन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्बद्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकासन की ताद्रीस से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ते 30 दिन की जबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दनार;
- (क) इत चुक्ता के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध कि कि कि क्या क्यांकित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए आ सकोंगे।

स्वस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बां और ववां का, जो उक्त अर्डीवरिन्यम, को अध्यास 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया। गया है।

मनसम्ब

प्लैट नं० 4, जो, तल माला, शिवम इमारत, एम० बी० रोड, फतेहबाग, इदिचर्ली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसा ि क० सं० श्र\$-4/37-\$\$\$/13867/84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी बस्ब\$/13867/84-85 और को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद ःक्षम प्राविःारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज--4, बस्बई

दिनांच: 31 7--1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहीयक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जं. रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निर्वेश सं० ग्रई-4/37-ईई/14062/84-85---ग्ररे: मुझे, ए० प्रसाद

नायकर निष्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन स्थ्रम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर बज्यित, जिसका स्टिन्त बाजाड मून्य 1,00,000/- रा. से निधक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 1, जो, तल माला, शिवम इमारत, एस० बी० रोड, फतेहबाग, कांदिबली (पश्चिम), बम्बई में स्थिमे हैं (और इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप, से वर्णित हैं(, और जिसवा करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-12-1984

को प्राचित तम्पति के उचित नामार मून्य है कम के क्रवजान प्रतिफल के लिए जन्ति ति गई है और मूफे यह निश्वास करने का कारण है कि संभापना मित ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रवमान प्रतिफल से, एसे क्रवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत ने अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक किए तब पाना गया प्रति-फल, निम्निलिंबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-निश् क्ष्य से कृष्यित नहीं क्रिया ग्वा है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाक्सिय में कमी करने या उत्तवे बचने में सूर्तिया के लिए; आहे/बा
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी थम या अन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिज्ञम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनीय अन्ति द्विती ह्वाद्वा प्रकट नहीं द्विक्या गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुन्विधा को जिए;

नृतः । कथ, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग की सनुतरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निरुत्तिक्किस स्वीकत्वों, अर्थात् :— (1) मैं सर्स राजलध्मी कन्स्ट्रमणन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रशोक जे० संघवीं और श्रीमती एस० ए० संघवीं।

(भ्रन्तरिती)

की वृद्ध सुधना आरी कर्रके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के मुर्जन के सिद्ध कार्यवाहियां कर्रका हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई वाक्षेप अ--

- (क) इस स्वना के द्वाजनत में प्रकाबन की तारींब के 45 दिन की अविभ वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाडा;
- (म) एवं सूथना के हरमपूत्र में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 दिन के श्रीतूर स्वयत् स्थापर स्थारित में हिर्मसूथ किसी अन्य स्थापत स्थारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में निरुद्धा सकेंगे।

ल्बब्दीकरणः --- इसमें प्रथुक्स शब्दों और पर्दों का, थो उत्कर बिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वृद्धी अर्थ होगा. यो उत्त अध्याय में दिल प्या है है

अनुसूची

पलैट नं० 1, जो, तल माला, शिवम इमारत, एस० बी० रोह, फतेहबाग, कांदिचली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋं० सं० श्रई-4/37—ईई/14067/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1989 को रजिस्टर्ड किया गया ई।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज4-, बम्बई

दिलांक: 31-7-1985

प्रक्य ब्राष्ट्रं टी. एव. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन त्लाना

धारव संदुकार

कार्यांतय, सहायक वायकर वायुक्त (भिर्मुक्तक)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/13759/84-85---म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-क के अभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर तस्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृस्य 1,00,000/- क से जुभिक हैं

और जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट नं० डी-के, जो तल माला, बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्रशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है और इससे पाबबढ़ प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रिजस्दी है, तारीख 1-12-1989 को

को पूर्वेक्त सम्मित को उचित बाजार मून्य से कम के क्रवमान इतिफल को निए अन्वरित की गई है और कुको वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मून्य, उसको क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का प्रवास का प्रतिफल का प्रवास का प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का प्रवास का प्रतिफल से विकास का प्रतिफल से विकास का प्रतिफल तम् विकास प्रतिफल, निम्निवित उद्देविय से उक्त अन्तरण निम्निवित उद्देविय से उक्त अन्तरण निम्निवित उद्देविय से उक्त अन्तरण निम्निवास में वास्तिवक रूप से का का महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली जाब की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की विष्युः
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अभ्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयंकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनवस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अत: शन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तिसों, वर्षात् है— (1) श्रीमती ए० श्रार० ग्रगरवाल।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स प्रणांत इंजीनियरिंग वर्ष्स।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जाही करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्थन के सिष्ट् कार्यवाहियां करवा हुने।

उन्त तम्बद्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी बाध्रेप :---

- (क) एक अवना के सम्बन्ध के प्रकार की बार्टीय हैं 45 किया की अवस्थि वा क्लान्त्रकों न्हें करने पूर क्ला की बार्टीय हो 30 दिन की बन्धि, हो भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वित करिक्षों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस सूचना के राथपण में प्रकाशन की तारील से 45 चिन के भीजर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकांगे।

स्थळकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

जन्सूची

औद्योगिक युनिट नं० डी-8, जो, तल माला, बोानन्सा हंडस्ट्रियल इस्टेट, ध्रमोक चऋवर्ती रोड, कॉदिवली (पूर्व), बस्बई-101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कं० सं० श्रई-4/37-ईई/13759/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकय ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

विनांक: 31--7--1985

प्रस्पु कार्ड्ुटी, एन., एस., ५०००००

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संशयक आवकर आवृक्त (निर्धाभाग)

ग्नर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, बिनांक 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्नई-4/37-ईई/13778/84-85--ग्नतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-स के अधीन सक्षम प्राध्कितारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर समास्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से विधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 16, जो, पहली मंजिल, जीं० के० नगर इमारत नं० 2, गंकर लेन, कांदिवली (पिष्चम), बम्बई-67 सें स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं(, और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-12-1989 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिसत्त से अधिक हा और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिक (अंतरितवाँ) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिस उद्विचय ने उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कांत्रित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्य में कनी करने या उत्तरी बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (च) एती किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कों, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निरुम्णिसित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

- (1) मसर्स जी० के० डेंचलपर्मेट कारपोरेशन। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भरत कुमार डी० देसाई और श्री डी० पी० देसाई और श्री श्रार० डी० देसाई।

(भ्रन्तरिती)

को यह तृषमा जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां सूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन करी अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भग्स्ची

फ्लैंट नं 16, जो, पहली मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं 2, शंकर लेन, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित हैं।

श्रनुमूकी जैसा कि कं० सं० श्रई-4/37–ईई/13778/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12–1989 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 4-, बस्बई

दिनांक: 31-7-1985

मोहर 🕄

प्रकल जाई. डी. एम्. एड.

नामकर निभृतिसम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) से स्पीन सूचना

भारत सम्बद्ध

कारी तथ, सहायक भागकर भागवत (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० 4/37—ईई/14156/84—85——अतः मुझे ए० प्रसाद्य

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० फ्लैंटनं० 8, जो, 6ठी मिंजिल, हेरमेस श्रपार्टर

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंटनं० 8, जो, 6ठी हैं मंजिल, हैरमेस ग्रपार्टर मेंट, प्लाटनं० 7, भूलजी नगर, एस० बी० रोष्ठ, कांदिबली (प) बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के अधीन, बम्बई स्थित सक्ष म प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है तारीख 11-2-1984

को धर्मोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए **जन्तरि**त की गर्द करने का विष्वास यह कारण कि यथाप्वा कत संपरित का उचित बाजार मूख्य, उसके एरयमान शितफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक 🗲 और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के **बीच ए**से अन्तरण के लिए तय भाषा गया प्रतिफल. निम्नलि**सित** उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कश्यित न्हीं किया गया है ू——

- (क) बन्तरम वं हुई किसी शाव की बावत , उसत बिधिवियम के बधीन कर दोने में बन्तरम की सर्विद्य में कमी करने या उससे बचने से शुविधा के सिए; क्षरि/वा
- (व) एसी किसी बार मा किसी धन का अन्य बास्तिमों करो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनका अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना बाहिए था कियाने से स्विया की जिल्हा

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरकः कै, भैं, इक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधितु :—

- (1) कुमारी पी०पी०ठनकर,(2) कुमारीए०पी०ठनकर,ग्रौर (3)श्रीमती पूर्णिमा पी०ठनकर
 - (अन्तरक)
- (2) श्री एम०डी० शहा।

(अन्तरिती)

को बहु बूचना चारी कारकं पृश्विक्ट सम्मोरल हैं अर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधाँग हा---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील हो 20 गिल की अवधि , को शी अवधि , को भीतर पूजांबर व्यक्तियों में से किसी कारिक्त हुआ हा.
- (च) इस सुम्मा के राजपण भा अव्यक्षय की सारीस से 45 दिन की बीलप अवस्य काजर स्वयंत्व में हितवत्य किसी जन्म व्यव्या स्वयंत्र क्षेत्रस्य को हस्याक्षरी के पाव सिचित में किए चा यकींगे।

स्वाकरणः -इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदां का, वो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को एक अध्याय के दिया गमा

असम्बद्धे

फ्लैंट नं० 8, जो, 6ठी मंजिल,हेरमेस अपार्टमेन्ट, प्लाट नं० 7, मुलजी नगर, ए स० बी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अं० सं० अई-4/37-ईई/14156/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनां हु 1812-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4 बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्रस्प बाई . ही . एन ह एक

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

मार्ख तरकार

कार्यांचय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13844/84-85--अतः मुझें, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 2, जो, मोहोर अपार्टमेन्ट, प्लाट बेअरिंग सी० टी० एस० नं० 71, ग्रौर 221, पेणकर वाडी, बाभई, एल० टी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाचार मून्य से कम के क्यवान प्रतिफल के लिए बन्तिरित की नई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निचित में बास्त- विक रूप से कथित हतीं किया नवा है हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं सर्स बिल्ड नवीक।

(अन्तरक)

(2) श्री भास्कर शेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बादी करने पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन से लिहु कार्यवाहियां कृष्ट करता हुं।

उक्त संपरि के मर्बन के संबंध में कोई भी कालें :---

- (क) इस बूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीखें से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिर्तबर्ध किती जन्म व्यक्ति द्वारी अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकोंगे।

रचेष्किक्ष्ण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, को अध्याय 20-के में पिरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिशा गया है।

अन्सूची

फ्लैंट नं० 2, जो, मोहोर अपार्टमेन्ट, प्लाट बेआरिंग सीटीएस नं० 71 ग्रौर 221, पेण्करवाडी, बम्बई, जएल० टी० डि, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं० र्स० अई-4/37-ईई/13844/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्रस्य नाइ ै हो , पुग, एस, हरार---

जायकार जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्याक्षय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13921/84-85—अप्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्य 269-स के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का क्षारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो, तल माला, "सिल्वेरीन" इमारत, एस० नं० 110 (ग्रंश), सी० टी० एस० नं० 1128 व्हिलेज एक्सार, बोरियली (प), बम्बई-103 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची ग्रीर पूर्णरूप सेविणत) है,/ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-12-1984

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के रूपकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके उर्यमान प्रतिफल से एंखे अवमान प्रतिफल का गन्तह अतिकृत से विभक्त है जोर यह कि बंदरक (वंतरकाँ) जीर बंबाँरती रिती (अन्तरिविवाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकृत, निम्निसिंबत उद्देश्य है उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथिल नहीं किथा गया है है—ो

- (क) अन्तरक से हुई किशी बाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी भाग यह किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्तिचित व्यक्तियों. अर्थात :--- (1) मैसर्स बी० आर० इंटरप्रायजेम।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० जे० हरीया ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को वह बूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काकोप ह---

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन की जनिए या संत्यान्ति की व्यक्तियों पर स्वता की हाजील से 30 दिन की अवीध, को भी जनिए वह में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनात;
- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किस वा सकींगे।

स्वक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिशावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

अनुसुची

दुकान नं० 5, जो, तल माला, "सिल्वेरीन" इमारत, एस० नं० 110 (श्रंण), सी०टी० एस०नं० 1128, ब्हिलेज एमासर बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋं० सं० अई-4/37-ईई/13921/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्रकल नाह् . टी. एन. ऐत. अ - -

माय्कर शोधनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धरा 269 म्(1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37हईई/13920/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रमाद,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं उ दुकास नं अगीर 10, जो, तल माला, "सिल्वेरीस" इसारत, एगा नं 110 (ग्रंग), मी टी एम जां 1128, व्हिलेंग एक्सार, बोरिवली (प), वस्बई-103 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिलेंका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क के अधीत, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, जारीख 1-12-1984 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और एमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्तुह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल

मिन्मलिखित उद्देष्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तविक उप

रूप से कथित नहीं किया गया है डे---

- (अ), अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधे। के लिए: और/वा
- (ख) एसी किसी बाय वा किसी धन का अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया नया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए!

अत: अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, तिस्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :----36—256GI/85 (1) मैसर्स बी० आर० इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री अभील वी० गाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्राक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त जिम्हित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

शन्त्वी

दुकान नं ० 9, श्राँर 10, जो, तल माला, "सिल्वेरीन" इमारत, एस०नं ० 110 (श्रंग), सी०टी० एस०नं ० 1128, ब्हिलेज एक्सार, बोरिवली (प), बम्बईत 103 में स्थित ई।

अनुसूची जैसा कि कं लं अई-4/37-ईई-13920/84 85 घौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां क 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई ।

दिनांक: 31-7-1985

प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 ज्लाई, 1985 निर्देश सं० अई-4/37—ईई/13651/84-85—धतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-ख कै अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 1 जो, जमुना दर्शन, प्लाट बेअरिग भ्रो० टी० पी० एस० 752, नाटकवाला लेन, आफ स्वामी विवेकानन्द रोड, बोरिडवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिड्याने में सुविधा के लिए।

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) जै०एम० सी० एण्ड मेथानी विडल्सं। (अन्तरक)
- (2) कार्तिक एल० जोशी श्रीर रवी एल० जोशी। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकां से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- धर्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं 0 1, जमुना दर्शन, प्लाट नं 0 बंअरिंग घो 0 टी 0 पी 0 एस 0 752, नाटकवाला लेम, आफ स्वामी विवेकानस्व रोड, बोरियवसी (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं० सं० अई-4/37-ईई/13651-84/85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

नोहर 🚁

प्रकार बाहु के की प्रकार प्रकार

कायकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-म (1) को अधीन सुचना

GET SETTE

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जमरेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37/13739/84—85——यतः मुझे ए०प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-ख को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रः. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, तेल माला, बेलाव्हिस्टा होली कास रोड, आई० सी० कॉलनी, बोरिवली (प), बम्बई में स्थिन है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है),/भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूर्फ यह निश्चास करने का कारण हैं कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्विषय से उसते अन्तरण निवित में नास्त्रिक क्य से कथित नहीं किया पना है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कड़ दोने के अन्तरक के शाबित्य में कभी करने वा उच्छे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना जाहिए था, छिपाने में बुनिया में विष्

अतः अव, उक्त जिन्नियम की धारा 269-ग के अमृतरण जें, में, धनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्तों, स्थादि क्र— (1) रेनबां कन्स्ट्रशभन्स।

(अन्तरक)

(2) फुलमती एम० कनोजिया श्रोर श्री एम० कनोजिया।

(अन्तरिती)

की यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निव कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इ.स. सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन का नारक 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो क्रित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षर को पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्मध्दौकरणः ---- समर्गे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का वो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्थ होगा वो उस अध्याव में विया गया हैं।

वनसमी

दुकान नं 0 1, जो, वल माला, बेला विहस्टा इमारत, होली कास रोड, आई 0 सी 0 कालनी, बोरिवली (प), वम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-4/37-ईई/13739/84त 85 ग्रीर ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, *बम्ब*ई ।

दिनांक: 31-7-1985

नोहर 🛭

प्रारूप आर्ष: टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13896/84-85--पत: मुझ, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित शाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 5, जो, 3री मंजिल, सिद्धार्थ आहंमेन्ट्स, प्लाट नं० 3, राजिन्दर नगर, कुनूरवारी रोड, जें णा पार्क के पास, बोरिवली (प), बम्बई 65 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी हैं तारीख 1-12-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ख्रमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और पूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के थिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक हप से किश्त नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्ष्म अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अस्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है निक्राः

नतः ाव, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री कीस्टोफर वर्मा।

(अन्तरक)

(2) श्री महाबीर प्रसाद आई० जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्स सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का ताराल ने 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्याक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

'ज़ब्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गध्र हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो, उरी मंजिल, सिद्धार्थ अपार्टमेन्टस, लाट नं० 3, राजिंदर नगर, कुलू ाडी रोड, नेशन गपार्क के पास, बोरिवली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैना कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/13896/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनां र 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिमांक: 31-7-1985

मोहर 🗈

प्रकृष् वाद्^र्टी<u>ः एष् , पृत्र_ा , प्र</u>कृ

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अरा 269-क (1) के जधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकार वायुक्त (निर्दाक्तक)

अजेन रेंज-4, धम्बई

बम्बई, विभांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14090/84--85---अत: मुझे ए० प्रसाद

कायकार किर्िन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंदि जिसकी सं० पलैट तं० 101, जो, ए-विंग, 1ली मंजिल, जानदीप सभागत, सी० टी० एस० नं० 471 और 473, व्हिलेज कान्हेरी, फायमल प्लाट नं० 78 ए और 798, टी० पी० एस० 2, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और ्रैंजिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण चे हुई किसी आय की बावस, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने से जन्तरक औ राजिस्य में कभी करने वा उत्तरों वचने में सुनिधा के निष् बार/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः क्या, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वन्सरण ग्रें, ग्रें दक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीग, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैसर्स मंकु बिरुडर्स ग्रीर कान्स्ट्रेक्टर्स

(अन्तर्क)

(2) श्री ग्रांरश्रीमती बी०सी० हाथी।

(अन्तरिती)

को नह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिक कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वही अर्थ झांगा जो अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

फ्लैट नं० 101, जो, ए-विंग, 1ली मंजिल, ज्ञान धीप इमारत, सी०टी० एस० नं० 471, और 473, व्हिलेज कान्हेरी फायनल प्लाटनं० 78ए और 798टी०पी० एस० 2, बोरिबली (पूर्व), बम्बई-66में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/14090/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, **य**म्बई

दिनांक: 31-7-1985

शक्त कार्_ल को_ड पुत्र ु पुत्र ± ± ± ± ====

आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन स्जाना

STATE OF THE PARTY

कार्याभव, बहायक शायकर बाबुक्त (हिन्द्रांक्राम्)

अर्जनरेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14191/84-85---यतः मुझे, ए०प्रसाद,

कायकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाकर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्राँर जिसकी सं० पलैंट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, गोमती समृती, जांबली गक्ष्ली, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रींर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्र बाकार मूल्य से कम के दस्यमान वितफन के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से ए ते दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिवात से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरका के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नतिवित उद्देश से उक्त अम्तरण जिविद्य भें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुद किसी शाव की वाजत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के बागिरण में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के सिष्ट; बाह्र/वा
- (क) एंसी किसी बाज का किसी धन या अस्य जास्तियों को हिलाई मास्तीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उस्त जीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति हिलाई बुवाइर अकट नहीं किया गया का वा किया जाना आहिए था, छिपाने में सुनिधा के विद्या।

वतः वदः, उक्त विधिनियम की धास 269-ए के बनुसरण हैं, मैं उक्त विधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के वधीन, निम्निविक्त व्यक्तिव्यों क्रिक्टी क्रिक्ट

(1) मैससं पारस बिरुडर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश एन० सोनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्मत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीता से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (वा) इस सूचना को राजपन में प्रकासन की तारीन से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी कन्य व्यक्ति दुक्तरा, अधाहस्ताक्षरी के पाम निर्मित में किए जा सकेंगे।

धनुसूची

फ्लैटनं० 401, जो. 4थी मीजिल, गोमती समृती. जॉिली गरूली, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-4/37-ईई/14191/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी जम्बई द्वारादिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर <mark>आयक्त (निरीक्षण)</mark>

अर्जन रेंज-4, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निर्देण सं० अई-4/37-ईई/14019/84-85---यत: मुर्झे; ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1 00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, जो, पहली मंजिल, बोरिकली आनन्द मंगल को-आग० हाउसिंग सोसाईटी लि०, सर्वे नं० 75, जांगली गस्ली, बोरिकली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुपूची में श्रर श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को प्रवीक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह धिश्वास करने का कारण है कि यथापूवांकत सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल सें, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंसरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया मृतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिता में बायरित्व कर में कार्यरित्व कर में बायरित्व कर में कार्यरित्व कर में बायरित्व कर से बायरित्व कर सित्व कर से बायरित्व कर से ब

- (क) अंतरक से हु**ड किसी आय की बाबत, उक्त अधि-**नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ल्लंग/गा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य वास्तियों का जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जामा चरिहए था, स्थिमने में मुक्थि के किया जामा चरिहए था, स्थिमने में मुक्थि के किया है किया था

नत: अब. उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधारा :---

(1) श्री रणछोड़दास जी० कगाडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एल ० पी० मेहता श्रीर श्री पी० पी० मेहना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अग्रीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त नायकर सिंभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा । इस गया है।

जन्सूची

पर्लंट नं० 12, जो, पहली मंजिल, बोरियली आनन्द मंगल को-आप० हार्जेसग सोसाइटी लि०, सर्वे नं० 75, जांबली गरूली, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/14019/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायकआयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई ।

दिनांक: 31-7-1985

प्ररूप आर्ह, टौ. एन. एस.-----

TT 4064 (4064 T 40) T2

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शाउर 269-भ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/13723/84-85---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं • फ्लैंट नं० 4, जो, 3री मंजिल, फेअरी अपार्टर् मेंट, सी० टी० एन० नं० 1010, एक्सार व्हिलेज, होली काम रोड, आई० मी० कालनी, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकच अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1984

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित स्व्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आक की बाबत, उक्त निक्रम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाबित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा को किए;

अतः अभ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभोन, निक्निजिशित व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) फेअर फास्ट कन्स्ट्रमगन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री डब्बू खान छोटाखान।

(अन्तरिती)

को यह स्चना आरी करके प्रविक्त सम्पत्ति के नर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्घन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---(क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेचित व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रय्वतः शब्दां और पक्षों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-कः में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ कृोगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसुची

पलैट नं० 4, जो, 3री मंजिल, फेअरी अपार्टमेन्ट, सी० टी० एस० नं० 1010, एक्सार व्हिलेज, होली कास रोड, आई० सी० कालनी, बोरिवली (प), बम्बई-103में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई- 4/37-ईई/13723/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद स**क्षम** प्राधिकारी सहायक आयकर आयुषत (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

मोहरः

प्ररूप बाई, टी. एन. एस. ---- ===

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर नायुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ध, दिनौंक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14095/84-85--यत: मुझे, ए० प्रसाव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै।

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 1708, जो, इमारत नं० 57/58, योगी नगर, प्लाप्ट नं० 57/58, एच०नं० 5, 3, 14, 17 (ग्रंघः) सर्वे नं ० ६६, एन पार रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (फ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में फ्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), धौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपन्त के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्परित का उचित **बाजार** म्स्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण **सिचित में** बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया **है:—**

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :---37-256GI/85

(1) मैसर्स विजय नगर कार्पोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्री शेवगूर जी० भंडारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्थन के लिए। कार्यवाहिया करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🖈 ।

अनसची

फ्लैटनं० 1708, जो, इमारत नं० 57/58, योगी नगर, प्लाट नं० 57/58, एच० नं 5, 3, 14, 17 (श्रंश), सर्वे नं 0 56, एक्सार रोड, बोरियली (प), धम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/14095/84--85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ाअम प्राधिकारी चेहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

प्रकथ बाह्र टी. एन एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

मारत सूत्रकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदश सं० अई-4/37-ईई/13786/84-85-अत: मुझे, ए० प्रसाद,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इक्समें स्थान इपान जन्म अधिनियम कहा गमा है), की भारा 269 था को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हे कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रहत से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो पहली मंजिल, राम कृष्ण अवार्टमेंट्रस, एल० टी० रोड, बाभई नाका, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद अनुसूवी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिनका करार-सामा आयजर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

- ं) असरण संहुर्ण किसी आव कर बानर, उनस ेश्रीनयम के अभीन कर दोने के अंतरक के शिश्रिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
- ंक) श्रंसी किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों औ, जिन्हों भारतीय नाथकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गा धा या किया शाना चाहिए था, खिपानं में सर्विधा के निष्ट;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण কি ক', उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (।)

1. मेसर्स आर० डी० कन्स्ट्रवशन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री महेंद्र देवजी गणाता।

(अन्यरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में धकाधन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वस्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनस्थी

फ्लैंट नं० 3, जो, पहली मंजिल, राम क्रुण्ण अपार्ट-मेंट्रम, एल० टी० रोड़, बाभई नाका, बोरिवजी (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37—ईई/13786/84—85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-4, बम्बई

दिमांक: 31-7-1985

प्ररूप मार्च टी. एन. एस. -----

बायक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रंधीन सूचवा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० अई 4/37 ईई/13834/84-85---अत: मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो प्लाट नं० 9, जीवन ज्योत इमारत, जीवन-मंगल को०-आप० सोसायटी लि०, दौलत नगर, बोरियली (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी हैं, तारीख 1-12-1984

को पृबंकित संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृबंकित सपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का नल्द्र बतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पावा पदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योक्य से उच्त अन्तरण जिल्ला में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनिय्व के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायिष् में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के निध्; और/या
- (क) प्रेती किसी नाय या किसी भन वा नाय वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभास्त (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अधीत ६1. श्री मनोहरलाल राधोजी सालोट।

(अन्तरक)

2. श्री मनोहरलाल नरोत्तमदास भाम्भ।

(अन्तरिती)

को वह स्वान वारी करके पूर्विक्त सम्पर्ति के अर्थन् के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी वाक्षेप रू---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , आ औ। अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर प्रशंकण स्पृतितयों में से किसी स्थितस द्वाय:
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रुष् किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 6, जो, प्लाट नं० 9, जीवन ज्योत इमारत, जीवन मंगल को०-आप० सोसायटी लि०, दौलत नगर, बोरिवली (पू०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई 4/37-ईई/13834/ 84-85 भीर भो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 31-7-1985

मोहर 🕄

व्रक्त बाह्य हो , एन , एक ,------

नाथकर निधित्यसं, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-न् (1) के नुधीन समया

बार्य सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

सम्बर्ध, दिनांक 31 जुलाई, 1985 निवेश सं० अई-4/37-ईई/13565/84-85---अतः,मुझें, ए० प्रसाद,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति, विक्का उच्छि वादार कृष्ट 1,00,000/- रु. से अधिक है

सौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, पतकेश्वर अपार्टमेंट्स, फायनल प्लाट नं० 224, टी॰ पी॰
एस॰ 3, एक्सार, बोरिवली (प॰), बम्बई-92 में स्थित
है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित
है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की घारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984
को पूर्वोक्त संपृत्ति के जीवत बाजर मृत्य में का के क्यावाव
प्रतिकास से सिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्त का जिल्ल बाजर
बुख उसके क्यामान प्रतिकल से, एसे क्यामान प्रतिकल का
बन्द प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकार) आहे
कन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तम
बन्दा मृतिकल निम्निवित क्यूवरेस से उसके अंतरक
विद्या व्या मृतिकल निम्निवित क्यूवरेस से उसके अंतरक
विद्या व्या मृतिकल निम्निवित क्यूवरेस से उसके अंतरक

- (क) अन्तरक ते हुई किसी बाव की वान्त, उच्छ अभिनियब के नभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके ब्यूने में सुविधा के निष्; श्रीद्व/या
- (व) एती किसी नाव वा किसी पत वा अन्य आस्तियों को, चिन्ही भारतीय जावकर जीपनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ जीपनियम, या अनकर जीपनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया अला चाहिए था जिनारे वे द्विया के जिय:

बात अब उपल जीधीनवन की धारा 269-म की जम्बरक जो, जो, अबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. मेसर्स चितालिया बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्रीमती एल० एल० हरसोरा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

बक्त बल्लीत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नामेंचू ह---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकातन की तारी क्ष के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों दर स्वान की तामील से 30 दिन की नविषे, को बी बादि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस त्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की सार्रीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी नन्य स्थावत द्वारा, वध्रोहस्ताकरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्वाधिक द्रमः ----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, भी अस्व अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वृष्ट होगा भी उस्त बध्यार में दिवा गया है।

नन्सूची

फ्लैंट नं॰ 401, जो, 4थी मंजिल, पतकेश्वर अपार्टमेंट्स फायनल प्लाट नं॰ 244, टी॰ पी॰ एस॰ 3, एक्सार, बोरिवली (प॰), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/13665/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> **ए० प्रसाद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज**∽4, यम्बई**

दिनांक: 31-7-1985

मोहर 🛭

प्रका बाह् , टी. एन्, एच्,-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के वधीन स्था

सारत वरकाडु

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त ([नर्रास्त्र])

झर्जन रेंज-2, **बम्बर्ध**

बम्बई, विनोरु 19 प्रगस्त, 1985

मिदेश सं० अई-4/37-ईई/14076/84-85--अत:,मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 2, जो, पहली मंजिल, इमारत नं० 1, मयूर पंख को०-आप० हाउसिंग सोझायटी लि०, मयूर पंख इमारत, दतपाडा रोड़, बोरिवली (पूर्व), बम्बई— 66 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है). ग्रीर जिसका करारमामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के बंशहरू के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/का
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तिवीं को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सृविधा औं सिए।

बतः थव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म को बनुसर्क को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) को वधीन, निम्निल्डिक व्यक्तियों, वर्षात स— 1. श्रीमती कें एल मोरकर।

(अन्तरक)

2. श्री सी० आर० महा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सुम्पृत्ति के मूर्चन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हुते ॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित् में किए जा स्कॉंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 2, जो, पहली मंजिल, इमारत नं० 1, मयूर पंख को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, मयूर पंख इमारत, दसपाडा रोड़, बोरियली (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/14076/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनीख 1-12-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, यम्बई

दिनोक: 31-7-1985

मोहर ः

प्ररूप आर्च, टी. एव. एसः -----

भाषकरु मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुवना

सारव बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बस्बई, दिनौंक 31 जुलाई 1985 निदेश सं० ऋई-4/37-ईई/13914/84-85-- अतः, मुझ

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृत्व 1,00,000/- रत. से अधिक है

भीर जिसकी सं० द्रकान नं० 3, जो, एस० टी० श्रपार्टमेंट्स, साईबाबा नगर, बें।रिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित काजार मूल्य से कम को प्रस्थमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई 🧲 और मुभ्ने यह विख्वास करने का कारण है कि. यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ए से इप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफला, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्व नहीं किया गया ह्°ः---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधि-मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या कसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अपिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा ष्टे ेलए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 2,69-व की उपभारा (1) 📽 अधीग, गिम्नलिस्ति व्यक्तियों वर्षात् 🖫 🗕

1. श्री रमेशचन्द्र कातीलाल धांधरा।

(धन्तरक)

2. श्री राजन एस० भ्रार०।

(मन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुई।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्मन्ध से कोड् भी बाक्षेप 🖫 🗕

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, फ्रो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

अनुस्ची

बुकान नं० 3, जो, एस० टी० भपार्टमेंट, साईबाबा नगर, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

मनुस्ची जैसा कि ऋ० सं० **मई-4/**37-**ईई/**13914/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 1-12-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनौंक: 31-7-1985

प्ररूप बार्ड - टी - एन - एत ..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन सुभना

प्रारत सरका

कार्यासयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनौक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० भ्रई-4/37-ईई/13853/84-85--श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० जी-5, जो, पहली मंजिल, साईबाबा धाम, बोरिवली (पू०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पद्द प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया महा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक से बायित्व में कमी करने या उग्रमें बच्चने में मुधिभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरियों द्यारा पर्यंत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने हो मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधार गृहा के अधीन, निमनलिख्ता ध्यक्तयों, अर्थात् :---

1. श्री ए० एस० एच० डिसंजा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री लासजीभाई जे० पटेल।

(धन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुएं 🕦

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस न्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति ग्वारा अधाहम्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्यकिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

अनुसूची

पलैट नं० जी-4, जो, पहली मंजिल, साईबाबा धाम, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। भनुसूची जैसा कि क० सं० भई-4/37-ईई/13853/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्ट कें किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निर्रक्षण) भर्जन रेंज-4, बस्बई

िमांक: 31-7-1985

प्ररूप बार्-टी. एन. एस. । =-=-==

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सुम्बा

नारुत सरुकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 31 जुलाई 1985

निवेश सं॰ भ्रई-4/37-ईई/14092/84-85--- महो, ए॰ प्रसाद.

बायकर अधिनियम - 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जितकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, तल माला, "हरी दर्शन", रोड नं० 4, दौलत नगर, बोरियली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जितका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 है, ख के प्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-84

को पर्वोक्त सम्परित से उचित बाजार मृल्य से कम कै इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाग्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से बीधक है और अंतरक (अंतरकों) बौर अंतरितौं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्तिलियत उददेष्य से उक्त अन्तरण किस्तित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है ध—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्व में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के निए और/वा
- (क) ध्रैकी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा चे सिधाः

भार: क्षार, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अकी, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती रामदेवी भगवानदास वालेचा श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सरोज भोगीलाल जैन भौर भन्य। (भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित से बर्जन के सिए कार्यशाही करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास तिचित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, तहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अन्स्ची

पलैट नं 1, जो, तल माला, "हरी दर्शन", रोड नं 4, दौलत नगर, बोरिवली (पूर्व), बस्बई-66 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि कि सं धई-4/37-ईई/14092/84~85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा धिनौक 1-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-4, बस्बई

विनौक: 31-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप वार्.टी.एन.एस. ------

1. श्री हर्षद फुमुद्दभाई दवे।

(ग्रन्नरक)

यः श्री विधिनचंद्र हरगोविन्द शहा। आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43)

(श्रन्तरिती)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अस्बर्ध

प्रारत सरकार

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० मई-4/37-ईई/13722/84-85--म्ब्रतः मुझै, ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिल्लाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पलैट नं 10, जी, प्लाट नं 89, भागीरथी की - श्राप ही से सीरायटी, दीलत नगर, रोड नं 8, बीरिदली (पूर्व), बरबई-66 में रियत है (श्रीर इनसे उपाबद्ध श्रन्गूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 है, ख के श्रिधान, बरबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984 को पूर्वीवत सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मृत्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्रियमान प्रतिफल से, एमे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निवित के कार्यित का से श्रीपन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से धुर्द किसी बाय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभोन कर दाने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (॥) एसे किसी बाप या किसी धन या जन्य आस्तियाँ की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 जा 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः शव, उक्त ऑधनियम् कौधारा 269-ग को बनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बन्नील जिल्लाकिस्सित व्यक्तियों, अर्थात :—

38-256 GI|85

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के वर्णन के निए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी अधिकतयों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उचन स्थादर मम्पन्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्परदीकरण: -- -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

aves of

फ्लैंट नं० 10, जो, प्लाट नं० 89, भागीरथी को०-भ्राप० हाउसिंग सोनायटी, दौलत नगर, रोड नं० 8, बोरियली (पूर्व), बस्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० मं० श्रई-4/37—ईई/13722/84–85 श्रीर जो पक्षम प्राधिनारी, त्रम्बई द्वारा दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद नथम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रार्थन रेंज-4, बस्बई

दिनौक: 31-7-1985

प्रकप भार्षे . दी . एन . एस . ------

भागकर मृथिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन र्रेज-4. वस्बई बस्बई, दिनींक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/13864/84-85--- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकार, 'उमरा अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विख्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित शाजार भूला 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 45, जो, 4थी मंजिल, निर्माणा-धीन इमारत, 'दि मुम्बई पोस्टल कर्मचारी की०-श्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, विलेज एक्सार, तालुका कोरिवली सर्वे नं० 163, एच० नं० 1 (श्रंभ), बोरिवली, बम्बई-92 मे स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विण्त है), श्रांर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से. एसे क्रयमान प्रतिफल का पंतरका बार अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नालिखत उद्योध्य से उच्छ जंतरण निच्छित में कार्यविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) सम्बद्ध व हुई किसी बाव की बाधक अवस्थ बाधानसम्बद्ध को वाधीन कर होने के बन्सहरू के वाधित्य में कभी करने या उसके बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एखी किसी बाब या किसी धन वा बन्ध जास्तिको की, जिन्हों भारतीय जाय-कर किमिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने बें सुविधा के सिए;

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की, अनुसरण में, भी, अन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, वर्षीत :—

 दि सेकेटरी, दि मुंबई पोस्टल कर्मचारी को०-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पाँडुरंग नारायण जाधव।

(प्रस्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्धारा अश्रोहस्ताक्षरी के पाम लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है.

अनुसूची

पर्लंट नं० 45, जो, 4थी मंजिल, निर्माणाधीन, इमारत, "दि मुंबई पोस्टल कर्मचारी की०-ग्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, विलेज एक्सार, तालुका बोरिवली, सर्वे नं० 163, एच० नं० 1 (भ्रंश), बारिवली, बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/13664/84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज्-4, बस्बर्ध

दिनौंक: 31-7-1985

बाहर 🥲

प्रकंप आई. टी. एन. एस. ------

 मे तर्स पटेल एण्ड कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड। (श्रन्तरक)

2. श्री पंकज बाबूसाल शहा।

(ग्रन्तरिती)

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीम सुमना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्र्रांत रेंज-4, बम्बर्ध बम्बर्ड, दिनौंक 31 जुलाई 1985

निदेश स ० मई-4/37-ईई/13860/84-85--मत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 404-बी, जो, नंद धाम-बी, 4थी मंजिल, एल० टी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से यणित है), श्रौर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उथके रश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नल में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

् अतः अवः, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूक करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख़ में 45 विन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

श्रन सुची

फ्लैंट नं० 404-बी, जो नंद धाम बी, 4थी मंजिल, एल० टी० रोड़, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37—ईई/13860/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

, ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनौक: 31-7-1985

माहर ः

प्रारूप आई.टो.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई 1985

निर्वेश सं० श्रई-4/37-ईई/13724/84-85-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं प्लैट नं 8-बीं, जो, नंद धाम, तल माला, एलं टो॰ रोड़, बोरिवली (प॰), बम्बई-92 में स्थित है (भीर इतसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, खं के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ट्स है, कारीख 1-12-1984

को प्नोंक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंजह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मेसर्स कें पटेल एण्ड कम्पनी प्रायांकेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती जयश्री एम० कोठारी श्रीर झन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा उक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

पलैट नं० 8-बी०, जो नंद धाम, तल माला, एल० टी० रोड़, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। मनुसूची जैसा कि क० सं० धई-4/37-ईई/13724/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनौक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बर्ष

विनांक: 31-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रई--4/37-ईई/13874/84--85---श्रतः मृत्रे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के शधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चिल बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं पलैट नं ए-10, जो, 4थी मंजिल, दि हरी सप्त सिंधु को न्ध्राप हाउसिंग सोसायटी लिंग, एस वी पी रोह, बोरिवली (प०), बरबई-92 में स्थित है (प्रोर इनने उत्तबद्ध प्रनुसूची में घीर पूर्ण रूप से वींगत है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की घारा 269क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनौंक 1-12-1984 को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मृसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से एसे खर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिख उद्वेश्य से उक्त अन्तरण हिस्हा में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः इ.स., उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री पदुबाबी सुरेश राज।

(श्रन्तरक)

2. श्री रमेश हरकचंद मेहता श्रीर 2 श्रन्य। (श्रन्भेरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद यों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों मो से फिनी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त इथ्वों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं॰ ए-10, जो, 4थी मंजिल, दि हरी सप्त सिंधु को॰-म्राप॰ हाउसिंग सोसायटी लि॰, एस॰ वी॰ पी॰ रोड़, बोरिवली (प॰), बम्बई-92 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सै० धई-4/37-ईई/13874/ 84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा धिनाँक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनौंक: 31-7-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बांही . टी . एन . एस . -------

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं (1) के जभीन सुभना

गडव व्यक्त

क्षार्थालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनाँक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० म्रई-4/37-ईई/13784/84-85--श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दूकान नं० ए०, जो, तल माला, प्रभू निवास इमारत, प्लाट नं० 166, श्राफ फैक्टरी लेन, बोरि-वली (प०), बस्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की घारा 269क, के 37 अधीन बस्बई ल्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्री हैं, तारीखा 1-12-1984

की पूर्विक्स संस्पित के उचित बाजार मृत्य से काम के स्वयमान प्रतिफर्स के सिए अन्तरित की गई है और मंक्षी वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित का उचित बाधार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण विजिबत में बास्त- दिन रूप से कि भित्त नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अक्त बॉध-नियम के अभीन कर योगे के अन्तरक के दावित्य में कमी करने यो उससे बर्चने में सुविधा के सिए: अहि/वा
- (त्र) एसी किसी आयं या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकार अधिनियम, 1922 (1922 ता 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (१९५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गंधी था या किया जाना जाहिए था, किया स्विधा के लिए;

नतः जन, उन्त अभिनियम की भारा 269-व के जनसरक को, मी, उन्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, न्मिनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1. मेतर्से हिमांशु इंटरप्राईज।

(भन्तरक)

2. श्रीमती नाजली एन० चंदूभाई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं 1.

उस्त संपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी **वा**क्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सै 45 दिन की अविध या तत्संबधी स्थितत्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित स्थितत्यों में से किसी स्थित प्रारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, भी उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गमा है।

ग्रनुसूची

दुकान नं ए०, जो, तल माला, प्रभू निवास इमारत, प्लाट नं 166, ग्राफ फैक्टरी लेन, बौरिकली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० सं० भई-4/37-ईई०/13784/ 84-85 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

विनौक: 31-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

सायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के अभीन सुचना

मार्थ सरकार

कार्यालय, बहायक खायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनौक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० घाई०-4/37 ईई०/13863/84-85--- घतः मझे, ए० प्रसाद

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 401, जो नौषी मंजिल, रायानी ग्राम 8, सिम्पोली रोड, बोरिवेवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-85

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के ध्रामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और जिन्तिशिया) के बीच एसे बन्तरण के बिए तब बाया च्या प्रतिफल, निम्नसिखित उद्वश्य से उचत जन्तरण लिखिक शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त बृधि-नियम के अधीन कर दोने के जुन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृत्रिधा के निए, नौर/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, दिन्हें भारतीय आध्यार आधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनयम, वा पर- कर अधिनयम, वा पर- कर अधिनयम, वा पर- कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

सतः जन, उकतं विधिनियम की भारा 269-ग को बन्तरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री एम० डी० बाब्रेकर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० सी० गहा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ई 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी . व्यक्तियों क्रिस्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्वव्यक्तिकव्यः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियभ के अध्याय 20-क मा पोरश्याप्तक है, वहीं नर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा वेदा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 401, जो चौथी मंजिल, रायानी ग्राम 8, सिम्पोली रोड, बोरीवली (प), बस्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-4/37 ईई०/13863/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बण्बई: ारा विनांक 1 विसम्बर, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 31-7-1985

मोहर ः

प्रकृष काइ^च. की. एन. एस.-- - = ====

बावकर अभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुवना

माइव सुरुक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० ऋ६०-4/37 ईई०/13661/84-85-- अतः मृक्षे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति , जिसका उचित वाकार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० डी-9/304, जो योगी नगर, एक्सार रोड, बोरीवली (प), बरबई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),

श्रीर जिसका करारेनामा श्राय र श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कथ के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्न संपत्ति का उभिन्द बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण में लिए तय बामा गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उपल बन्तरण मिजिय के गर्मिक के पसे किवत नहीं किया हवा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किन्सी आयं की बावसं, उपस्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; खार/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, श्र अनकर अधिनियम, श्र अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं सिरा गया था या किया जाना नातिए था छिपान में सुविधा के निए:

कतः स्व, अकत अधिनियमं की धारा 269-ए क सम्सरण क, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के उपधारा, (1) के अफ़ीन निम्निलिधित व्यक्तियों, समृद्धिः (1) श्री राणाभाई एम० पटेल।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती स्टेस्ला पसान्ना ।

(भन्तरिती)

को यह स्वाना कारी करको पूर्वोक्त सम्पृत्ति को अर्थन के हैं कर् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस सूच 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यवितयों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हु है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिक्षित में किस आ भकों ने।

स्वश्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

बगत्त्रकी

पलैट न'० डी-9/304, जो योगी नगर, एक्सर रोड, बोरीवली (प०), बर्ज्यई-92 में रियत है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-4/37-ईई०/13061/. 84-85 श्रोर जो सजम प्राधिकारो, बस्बई द्वारा दिनौंक 1-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रजाद सञ्जाम प्रांधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निर्दाक्षण) स्र्जन रेंज-4, बज्बई

तारीख : 31-7-1985

श्वम बार् हो पुन एस

नावकर निभीनवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

श्रारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (विरीक्षण) मर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, विनांत 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० मर्६०-4/37ईई०/13719/84-85-मतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, तथा जो दूसरी मंजिल, एक्बीरा नगर नं० 2, एस० नं० 72, एच० नं० 3, सी० टी० एस० नं० 1823, विलेज बोरीवली, तालुका बोरीवली सम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधि-नियम, 1961 की घारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-12-84

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इंद्यमान प्रतिफल से ऐसे इद्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित को अधिक है और अन्तरण के सिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेष से उक्त अन्तरण कि सिल में बास्तिक क्ष से कथित नहीं किया गया है हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वानत, जन्त निभिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक बी दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण के, संकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
39—256GI/85

- (1) मैसर्स एकवीरा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री रिवन्द्र एस० हवलबार भौर मन्य। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब गं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वक्तीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, अही अर्थ होगा, थो उस अध्याय में विका पदा है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 202 जो, दूसरी मंजिल, एकवीरा नगर इमारत नं० 2, एस० नं० 72, एस० नं० 3, सी० टी० एस० नं 1823, विजेज बोरीवलो, तालुका बोरीवलग, बम्बई-92 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्राई०-4/37 ईई०/13719/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 1-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-4, बस्बर्ष

तारीख : 31-7-84

मोहर 🛭

प्रक्रम नरहाँ, टी. एन., एस. --------

नाम्कर वृधिनियन, 1961 (1961 का 43) कीं भारत 269-न्(1) के सभीन स्पना

प्राप्ता सरकार

कार्याजयं, सहायक नामकर नामुक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाँक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० ग्रई०-4/37-ईई०/13767/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थाधर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 41 जो एविंग, ड्रिमालैण्ड सी० टी० ए त० नं० 1838 (अंग), विलेज एक्सार, 120, लिंक रोड, बोरीवली (प०), बम्बई—92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांक्य में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के बद्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच द्से अन्तरण के लिए तम पाता गया प्रदिफल, निम्नलिखित उत्द्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी अाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने वा उससे व्यने में बुविधा के किए; आहेर/वा
- (च) ऐसी किसी नाम या किसी धन वा जन्य गास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः वन, उक्त अभिनियम की भारा 269-त के अनुसरक काँ, माँ, उक्त अभिनियम की भारा 269-त की क्पशारा (१) के नमीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं बी ० एन ० इन्टरप्राइसेस।

(ग्रन्तरक)

(2) बा॰ एस॰ डी॰ नाडकर्णी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध जो भी अविध वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (च) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अभ्य ध्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पाकरीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हुँ , यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

भनुत्वी

यूनिट नं० 41 जो, ए विंग, ड्रिमलैंग्ड, सी० टी० एस० नं० 1838 (ग्रंश), विलेज एक्सार, 120, लिक रोड, बोरीवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० प्रई०-4/37-ईई०/13767/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वाराधिनौक 1-1 2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-4, सम्बर्ध

तारीच : 31--7-1985

प्रक्ष बाई. ही. एन. एस्. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 भगस्त 1985

निवंश सं॰ प्रई॰-4/37 ईई॰/13676/84-85-प्रतः मुझे, ए॰ प्रसावा

बायकर विधिन्यत्र, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रूट. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं पर्लंट नं 12 (ए), जो पहली मंजिल 'शांति धाम' इमारत प्लांट 'ए' बेमारिंग सी व टी व एस व नं 1508, विलेज एक्सार, बोरी वली (प व), बम्बई – 103 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है (भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1–12–84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए कृत्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिद्ध, और/वा
- (च) एसी किसी नाम या किसी धन वा नन्य नास्तियों को, चिन्हों भारतीय नायकर निधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाता चाहिए था, कियाने में सुविधा के शिए;

बादः वय, शक्तः विधिनियमं की धारा 269-ग को अनुसरण वो, भी अक्त विधिनियमं की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिसिक्क व्यक्तिकों, वर्षात् क्षान्त (1) मैंसर्स बिल्ड घाटंस।

(श्रन्तरक)

(2) एम वि० नारायण।

(अन्तरिता)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके मुधिभाग में संपत्ति हैं)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत बंगरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाय निक्ति में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शृब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यादः मंदिया गया है।

दरस्यी

प्लैंट नं० 12 (ए), जो पहली मंजिल, 'शांति धाम', इमारत, प्लाट 'ए' बेम्रॉरंग सी० टी० एस० नं० 1508, विलेज एक्सार, बोरीवली (प०). बम्बई-103 में स्थित है। धनुसूबी जैसा कि कम सं० पई०-4/37 ईई०/13676/ 84-85 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-84 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) सर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख : 31--7-1985

अस्य बाइं, टी. एन्, एच्.,≅ त - -- ७ ७

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के विभीन स्पना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्रई०--4/37ईई०/14-37/84--85---मतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए--3 जो पहली मंजिल, चन्त्रमुखी प्लाट नं० बेग्नरिंग नं० 1, सर्वे नं० 225, एच० नं० 10, सीं० टी० एस० नं० 2211--ए, एक्सार विलेज, बोरीवली (प), बम्बई--92 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसुची में और पूर्ण कर से विणित हैं), ग्रीर जिसका करार्रिनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रिजस्ट्री हैं तारीख 1-12-84

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयान प्रतिपन्न के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मरित का उन्तित बाबाड़ भूका, उसके स्वयान प्रतिपन्न से, एसे स्थामान प्रतिपन्न का पंक्र प्रतिसाथ से अधिक है और अंतरिक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तर्देशियों) के बीच एसे अन्तर्म के निए तब पावा स्थाप्रतिपन, निम्नितिस्त उद्योश्य से उसत अन्तरण निम्नित से वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बच्चमे में हुविधा के चित्रहः कांप्र/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थं अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्याः धवः, उवतः अधिनियमं की भारा 269-ए के अनुसर्ख में, में, उवते अधिनियमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निखिकित व्यक्तियों, अर्थात हु---- (1) मैसर्स मंगल बिल्डर्स ।

(मन्तरक)

(2) कुमारी नृतन बी० नायडु और श्रोमती पा० बी० नायडु।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उबत सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपण के प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारों जे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा कथाहस्ताक्षरी के वाण दिल्ला में किए जा सकर्ष।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हर्ट, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्यी

फ्लैट नं॰ ए→3, जो पहली मंजिल, चन्ध्रमुखी, प्लाट बेम्नरिंग नं॰ 1, सर्वे नं॰ 225, एव॰ नं॰ 10, सी॰टी एस॰ नं॰ 2211-ए, एक्सार विलेज, बोरोबसी (प॰,) बम्बई-92 में स्थित हैं।

धनुसुनो जैसा कि ऋम सं० धाई०-4/37 ईई०/14137/ 84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-84 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रॅंग-4, बस्बई

तारीख: 31-7-1985

मोहरु 🛮

ं प्ररूप नाई. टी. एन. एत.-----

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्य 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० मई०-4/37 ईई०/13922/84-85---मतः मुक्तो, ए० प्रस्तद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 7, तथा जो 'सिद्धार्थ' प्ला नं०
34, भाई० सी० कालोती, बोरीवली (प), बम्बई— 103 में
स्थित हैं (भीर इसने उपाबद भतुसूची में भीर पूर्ण का से
विजत हैं), भीर जिसका करारनामा भागकर भिवित्यम,
1961 की धारा 269 क ख के भधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरट्री हैं तिरिक्ष 1-12-84
को प्रविक्त संपरित के उचित बाबार सुरूष से कम के दुवसमाव

को प्रोक्त संपत्ति के उचित बाबार मुख्य से क्रम के द्वसमाय प्रितफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा प्रोक्त सस्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे अपमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण, के लिए तब पाया प्रतिफल किम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त सन्तरण जिक्कित में बास्तविक क्य से किथित नहीं पाया गया है :—

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्न अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी कियी आय या किसी थन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निष्

बत: बय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैंसर्स श्रेयस कन्स्ट्रक्यान्स ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती विल्ला फर्नाडीज गौर भ्रन्य। (भन्तरिती)

को यह त्यना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां र-क करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की नविभ या तत्सवधी व्यक्तिमां पद सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, को भी कविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवाँक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्य स्थावत द्वार, अधोहस्ताक्षरी के बाध सिचित में किए का सकेंगे।

स्वकास्य :--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विका सवा है।

वनुसूची

बुकान नं० 7 है तथा जो 'सिद्धार्थ', प्लाट नं० 34, भाई० सी० कालोनी, बोरीयली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० धाई०-4/37 ईई०/13922/ 84-85 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 1-12-1984 को राजस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेज-4, बम्बई

सारीख: 31-7-1985

मोहर 🖫

प्रकर्, कार्ब , टी , एन , एक , ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातव, सहायक बायकर बायुक्त (विराज्ञिक)

प्रजंन रेज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 31 जुलाई 1985

निर्वेश सं० **शर्६०-4/37ईई०/14075/84-85**-- शतः मुक्ते, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाधार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

माँद जिसको सं० पलैंट नं० 2 है तथा जो इमास्त नं० वाई 36, सर्वे नं० 60, एच० नं० 2, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरोवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (भीर इससे उपाबढ़ मनुसूची में मौर पूर्ण कर से विणित है), भीर जिसका करारनामा मायकर मधिनियम, 1961 की घारा 269 के ख केम्रवीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्ष्य में रिजस्ट्री है तारीख़ 1-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम को स्थमान इतिकल को सिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपितित का उपित बाजार बृत्य, उसको स्थमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकत से बिथक है और अन्तर्क (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क को सिए तब स्था वथा प्रतिक्रम, निम्मीसिया ब्रह्मदेख से अन्तर् अन्तर्ज किंचित में बास्त्विक कम से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) नंतरण से हुई किसी जाम की वावत, उपत विभिन्तिया के नभीत कर योग के नगरक के वादित्य में कभी कड़ने वा उसने वसपे में ब्रुविशा में सिप्त; बाड़/वा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धून या नम्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धव-निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के सिए;

बतः अव, उचत विशिवयम की भारा 269-व के बन्तरण वी, मी, उचत विशिवयम की कांस 269-व की उपभारा (1) के वधीन, निम्तनिचित व्यक्तिकी, क्यूबि :--- (1) मैंससं विजय नगर कारपोरेशन ।

(मन्तरक)

(2) श्रो प्रदीप कुमार जीव सोनी मौर श्रो जीव दोव सोनी ।

(मन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ट्राजप्त में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अधीं , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकक्ष किसी जन्म स्थक्ति ब्वास अभोहस्ताकारी के वास लिक्ति में किए जा सकते।

स्वच्याकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, या उक्त विधानयन, के वश्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा, को उन्त अध्याय में विचा नवा हैं।

वन्स्वी

पलैट नं 2 है तथा जो इमारत नं वाई/36, सर्वे नं 60, एच । नं 2, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरीवसी (प), बम्बई-92 में स्थित हैं।

मनुसूत्रों जैसा कि कम सं० भई०-4/37 ईई०/14075/ 84-85 मीर जो सक्षम प्राधि हारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रापुक्त (निरोक्षण) प्रजन रेज-4' बम्बई

तारीब : 31-7-1985

प्रक्य बाई.टी.एन.एस------

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन स्वना

भारत सर्कार

कार्यानय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) गर्जन रेंज-4, बस्बई बस्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० मई०-4/37 ईई०/13705/84-85---मतः

मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 क्य 43) (जिले इसकें इसकें प्रकात (जिले वसकें मिनियम) कहा गया हैं), को ध्रय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को कह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० फ्लैट नं० है/1 है तथा जो जो पहली मंजिल मंगल कुंज, यनिट नं० 1, एस० विं० रोड, बोरीवर्णः (प), बम्बई—92 में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा भायकर मिंधि— नियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1—12-:84 को वृबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खबमान प्रतिकत के सिए बन्तरित की गई है और मुक्ने यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खब्यमान प्रतिकत सं, एसे ख्यमान प्रतिकत का बन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया क्या प्रतिकल, निम्नसिवात उद्विध्य से उक्त बंतरण कि बिवार में बाखाविक कर से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाव की शावत उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक करे वायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के सिए; और/या
- (व) एसी किसी आप या किसी अन या केल आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किस जवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिष्;

जतक जब, उक्त अधिनियम की गारा 269-न के जनुसरक की, जी, उक्त जिधिनियम की धार 269-च की वेचधारा (१०) को जधीन, निस्तमिणित व्यक्तित्यां, ज्ञात 않— (1) श्री एस० के० शहा।

(पन्तर ह)

(2) श्रांमती के० के० सयानी।

(घरतरिती)

न्ध्रे यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्थन के तिथ् कार्यवाह्यां सूक करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्ड व्यक्तियों में बे किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी जन्म स्थित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:---६समें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, जो अक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं वर्ध होंगा, जो उस अध्याय में दिवा प्रकृत हैं।

प्रनुसूची

पलैट नं र्ह/1, जो पहलें। मंजिल, मंगल कुंल, सूनिट मं 1, एस० वें।० रोड, बोरं/वर्ला (प), बम्बई-92 में स्थित हैं।

भनुसूत्रं जैसा कि कम सं० भई०-4/37 ईई०/13705/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधि हारों, बम्बई द्वारा दिनां क 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरःक्षण) प्रजैन रेंज⊶4, वस्बई

सारीच : 31-7-1985

प्ररूप बाह्रां दी एत , एस , ---------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत खरकार

कार्यालय, सहावक बाधकर बायुक्त (निरीक्षक) धर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनोक 31 जुलाई 1985 निदेश सं० भई०-4/37ईई०/14160/84-85---**म**तः

मुझे, ए० प्रसाद

नारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 403 है तथा जो जीयी मंजिल, भमृत सागर, विलेज मागठांजे, हरी धोम धपार्टमेंट के पास, एस० वी० रोड, बोरीवर्ली (प) बम्बई-92 में स्पित है (भीर इससे उपाबद धनुसूची में धीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भायकर धिर्मियम, 1961 की धारा 269 क ख के भधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-12-84

को पृशांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के खिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) कलारण संहुई फिसी क्रम की बाबत, उक्त कांध-विश्वम से अधीन कर दोने से बंतरक के स्ववित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा हो सिंद्र; बील/बा
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या नत्या जासित्यों की, जिन्हें भारतीय नायकर विभिन्नित्रों, 1922 (1922 का 11) ना उन्तर नोभनियम, ना चुन-कर विभिन्नित्रम, 1957 (1957 का 27) के बनोचनार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा ना किया नामा वाहिए था, कियाने में बुनिया की विविद्ध

सत: जब, उक्त किंपिनियम की पारा 269-ग के अनुसरक ते, में, उक्त अधिविश्वम की धारा 269-म की उपभास (1) हे स्थीन, निम्नसिवित स्थितियों, जर्थात् ।—— (1) श्रो सागर निल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती चिश्रमा जार्ज ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुरे।

जनत सम्पत्ति के मूर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इत्तरा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वयक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, वो उस वध्याय में दिक् वया हैं।

अनुस्ची

पर्लंट नं० 403 है तथा जो चौथों मंजिल, ग्रमृत नगर, सागर, विलेग मागठाणे, हरी श्रोम श्रपार्टमेंट के पास, एस० वी० रोड, बोरावली (प), बम्बई-92 में स्थित है। भनुसूबा जैसा कि कम सं० श्रई०-4/37 ईई०/14160/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निर/क्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 31-7-1985

मोहर 🚁

प्रकश बाइँ.टी.्यन.एस.,------

नायक र नाभनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन स्थना

गारत तरकार

कार्यालय, सञ्चयक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज--4, बम्बई

बम्बई, दिनां र 31 जुलाई 1985

निदेश सं० ऋई०--4/37 ईई०/13894/84--85---ऋतः मुद्ये, ए० प्रशद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का खारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृस्य ४,00,000/- क से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 203 है तथा दूसरी भंजिल, अमृत सागर, विलेज मागठाणे, हरी श्रीम श्रपार्टमेंट के पास, एन० वा० रोड, बोर वर्ला (ए), बस्बई-92 में श्रिमत है (और इससे उपाबद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप के विणित है), और जिस न करारनामा श्रायहर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कु ख के श्रदीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में सारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि अभाप्बोंयत सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखिक में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण स हुद्दै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (६) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विमा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--40-256GI/85

(1) श्रा सागर बिल्डमं श्राइवेट लि।मटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रामर्ता एन० एन० पारीख ।

(अन्तरितं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्द सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी आक्षप:---

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ; जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्व किन
- (स) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पार निसित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इस में प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूचीं

प्लैट नं० 203 हैं तथा जो दूपरी मंजिल, अमृत सागर विलेज मागठाणे, हरो स्रोम अपार्टमेड के पास, एपा बंग्० होड, बोरीवला (प), बस्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि क्रम सं० श्रई०-4/37 ईई०/13894/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, त्रस्वई द्वारा दिनां , 1-12 1984 को रजिस्टर्ड िया गया है ।

> ए० प्रसाद पञ्जम प्राधि प्रारी सहायक स्रायक्क (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-4 बम्बई

त(र)खा : 31-7-1985

भोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० श्रर्ड०-4/37 ईई०/13848/84-85---श्रतः मझे, ए० प्रशाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उनन अधिरियम', नहा गया है), की भारा 260-र के अधीर स्क्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० जमीन, जो, सार्टर रोड नं० 8, सर्थे नं० 5 (श्रेण) ज्याट नं० 23-ए, मी० टा० एम० नं० 37, बोरीयली बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसी, उपावक श्रापुत्ता में श्रीर पूर्ण क्य से विणित हैं), श्रीर जिन मा क्यारपाना आयार प्रधिनियन, 1961 की धाला 369 एक के अवीत वम्बई स्थित सक्षम प्राधिमारी के सार्यानय, में रजिल्ड़ा है तारीक्य 1-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों की बिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अस्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा एफ़० ई० दिसास वेरिटीज ग्रीर श्रा एस० एस० वाडिया, एडिमिनिस्ट्रेटर ग्राफ़ दि इस्टेट ग्राफ़ ई० एफ़० दिनशाल ।

(भ्रन्तरङ्)

(2) श्री वरतभ भाई वार गोहील और अन्य । (अन्यस्ति)

का यह मुचना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के वर्षम के लिए i कायवाहियां करता हां।

तकत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपप्त में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीक छैं 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति मां हितनद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिमित मां किए जा सकोंगे।

स्थरित करण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उम सभ्याय में विका

अनुसूची

जम∄ा जो ाटिए रोड नं० 8, पर्वे नं० 5 (अंश) पताट नं० 23लए, सं३०ट:० एग० नं० 37, बोरीवली बस्बई में स्थित है ।

श्रानुसूत्रा जैसा ि क्रम सं० श्राई०-4/37 ईई०/13848/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रिजस्टई क्रिया गया है ।

ए० प्रसाद नक्षत प्राधिकारः सहायक त्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेज-4 बस्बई

तार[्]का : 31--7--1985

माहर:

प्रकृष बाइ^{*}. ट. एन. एस. ----

न्नत्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातव, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनाक 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० ग्रई-4/37ईई/13672/84-85---ग्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बादार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं० जमीन का हिस्सा, बेग्ररींग सी० टी०

एस० नं० 136 और प्लाट नं० 814, टी० पी० एस०
3 (नियोजित) नाटकवाला लेन, बोरिवली (प), बम्बई-92
में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयर र अधिनियम की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को इश्यमान इतिफल इं लिए इन्तरित की वहुं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का डिव्हास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का डिव्हास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का डिव्हास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का डिव्हास का पन्द्र प्रतिकात से डिव्हा है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय वावा गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक अन्तरक

लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य अगस्तियों को बिन्हें भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अग्रेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा ना किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के बनुबद्ध कें, कें, उक्त विधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के कधीन, निरागिसित व्यक्तियों, वर्धात् :—

- (1) श्रो सुमंत जे० क्पाडिया ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सतिष जमनादास दात्तानी । (ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचल व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्यादत द्यार;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाइरदाक्षरी के प्रस्ति लिखित में किए जा सकेंसे।

स्वाच्डीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखा भया है।

वगुसूर्य

र्जमिशन का हिस्सा, बेश्वरींग सी० टी० एस० नं० 136 ग्रौर प्लाट नं० 814 टी० पो० एस० 3 (नियोजित) नाटकवाला लेन, बोरिजली (प), बम्बई-92 में स्थित

ग्रनुसूर्च) जैसा कि कि से सं $2\sqrt{37}$ की सिंह कि से प्रिक्ति वस्त्र की सिंह प्रिया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, वस्बई

दारी**ख**: 31--7--85

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस-------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजंन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985
निर्देश मं० श्रई--4/37ईई/13679/84-85--श्रत:मुझे
ए० प्रमाद,

आमकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विशास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनके सं जंभीत का हिस्सा स्ट्रेक्बर्स के साथ, जो विलेज एक्कार, जालका बोक्सिली सिटी सर्वे नं 2156, 2156 (1), (2) श्रीर (3), बोक्किली बस्बई में स्थित है (श्रीर इक्का कावड़ अनुसूचा में श्रीप पूर्ण रूप के विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम की धारा 269 क्ख के श्रवान बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, में रिकस्ट्रें, है, कार्येख 1-12-1984

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रोजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्ति की की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 20) के प्रयोजनार्थ जन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुनिधा के लिए;

जत: जब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण जो, भी, अभत अधिभियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के जभीश्र निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित ः--

- (1) श्रीमतं। क्रिस्ता दत्ताचंद्र मिवंड इर ग्रीर ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
 - (2) मैसर्स राठोड़ और परमार । (अन्तरितो)

का यह सूचना जारी अरक पृष्टिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी स्विक्तमों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी स्विक्त द्वारा;
- (श) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. बहा अर्थ होगा, चो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, स्ट्रक्चर्स के साथ, जो विलेज एक्सार, तालुका बोरिवली सिटी सर्वे नं० 2156, 2156 (1) (2), और (3) वोरियली यामी में स्थित है। अनुसूची जैसारि क० सं० श्रई-4/37ईई/13679/

श्रमुमुर्चi जैसारि क० सं० श्रई-4/37ईई/13679/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि गरi, बम्बई द्वारा दिनां ए 1-12-1984 को रजिस्टई िया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर:क्षण) ग्रर्जन रेंज⊶4, बम्बई

तार**ेख: 31-7-198**5

प्रसम बार्ड .टी.एन.एस. -----

बायकर जीभनिसम, 196। (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बंधीन सूचना

EIGO STREET

कार्याक्य, महायक कायकर माम्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बर्ड दिलां 31 जुलाई 1985 निर्देश सं० श्रई-4/37ईई/:3730/84--85--- श्रतः मझे, ए० प्रकाद,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसं इसम् इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जिमीन के माथ इमारत श्रीर स्ट्रक्चर्स, जो, विलेश पोईगर, तालुपा बोएिनला, बेग्रेपिन सिटा सर्वे नं 112, बोरिनला (प), तम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णेच्य से विणित है), श्रीर जिसका राज्यनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 एख के श्रवान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रिजस्ट्र हैं। ताराख 1-12-84

सक्षम प्राधि तरि के त्रियालय में राजस्तु है। ताराख 1-12-84 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके एस्ममान प्रतिफल को, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से कथित नह किया गया है:--

- (क) बन्तरुभ संहुदं किसी शाय की शावत, उपल अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक अं दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अकोचनाथं जन्तिरती कृषारा अकट नहीं किया ने भा वा किया चाना वाहिए वा किया में स्विधा के लिए;

धार: अब, उपन कविष्यम की वारा 289-य के अनुवरम में, मं, उपन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) जॉन विकटर गोननाल्यान ।

(धनारक)

(2) मेसर्स सुशाल बिल्डर्स ।

(श्रन्थरित्रें∤)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंग करता हूं।

उक्त तम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेष :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अधि अधि भाष में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी है पास निवित में किए वा सकीने।

स्पक्कीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकक अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

*यन्*पुच}

जनीत के साथ इमारत और स्ट्रक्चमं, जो, विलेश पोईनर, लूपा बोरिवली, वैश्वरिंग भिटी, भर्वे नंश 112, बीरिवली (प) बमबर्ड में स्थित है।

ं श्रनुसूचं जैसा ि क्र० सं० श्रई-4/37ईई/13730/84-85 श्रार जो सक्षम प्राधिकार्ः, बम्बई द्वारा दिनाःः 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिः,तरा सहायक द्रायकर श्रायुक्त (निर∷क्षण) द्राजन रेंज--4, बस्बई

हारीख : 31--7-1985

भोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31जुलाई, 1985

निदेश सं० श्र $\hat{\mathbf{x}} = -4/37\hat{\mathbf{x}} + \frac{1}{3}766/84 - 85$ — श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसका सं० फ्लेट नं० ए-202, जो, 2रो मंजिल, "रोटा पेलेंस को०-श्राप० हाउसिंग सोसाइटा ल०" चन्दावर गर रोड, बीरिवला(प), बम्बई-92 में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपावड़ श्रमुपूर्वा में भ्रौर पूर्णक्य से विणित है), प्रोर जिसका करारनामा स्रायकर प्राधिनियम 1961 का धारा 269 कुछ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के वार्यालय में रजिस्ट्रा है वारीख 1-12-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक हो और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्ति सित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तिक रूप सकि विद्या नहीं किया नवा है —

- (क) अन्तरण से इन्हों किसी जाय की बासत, उक्ष्य जिमिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक जै दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा अपित्य वार/मा
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उत्तर विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण को, मी. अवत विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रे/मित दोनाबेन हसभुख भाई रूपानी । (अन्तरक)
- (2) श्रा रमणिकलाल प्ताःलाल मेहता ग्रीर ग्रन्य । (श्रन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त कम्पीत्त के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस ब्रामा के राजपत्र में प्रकासन की तारींच ई 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बचित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोबद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास ।
- (ख) इ.स. सचना के र∤जपत्र में प्रकाशन की टारीश र 45 किन के नीतर उन्त स्थावर सम्पर्ति में हितनकुथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए आ अलेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनसर्ची

फ्छेट नं० ए–202, जो. 2 रो मंजिल, ''र्राटा पळेस को०− श्राप० ह।उसिंग सोसाइटा लि०'', चन्दावरकर रोड, बोरविली(प) बम्बई–92 में स्थित है ।

श्रमुस्त्रों जैसा हि क० सं० श्रई-4/37ईई/13766/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1--12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारा सहायक ग्राय हर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्ब**ई**

हार दि : 31-7-1985

बरूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

बाधकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक जायकर अन्युक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/14080/84-85-- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव्यक्ति नंव 35, जी, जीवन आराधना कीव-आप हाउक्षिम सोसाइटी लिव, बोर्स्वली (प), बम्बई-103 में स्थि है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णकप से विणित है), श्रीर जिसला करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धार 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। हारीख 1-12-1984,

को पूर्वोस्त सम्पत्ति के उचित राधार मृत्य में यस के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझ प्रध्न पिरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के निष् तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निष्टित में बास्तिबल हम से किया नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करों, जिन्हें भारतीय आसंतर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए:

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 260-ग **के अनुबरण** ८, चैं तथन कोधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री एस० एन० लाल।

(अन्दरक)

(2) श्रीमितः अभागर्गश्रीर श्रीवी०के०गर्ग।

(श्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितबहुध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 35, जो, जीवन आराधना को ०-आप० हाउमिंग सोसाइटी लि०, बोलरियली (प), बम्बई-103 में स्थित है। अनुमूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37ईई/14080/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांत 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दारीखा : 31−7−1985

प्रारूप आई¹.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जाल रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० अई 4/37ईई/**1/10**33/84 85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस, इतम, इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. स अधिक है

र्थार जिसकी सं० पलैयनं० 52, जो, 5वी मंजिन, अजूरा, मणिक भगर, चन्दाव आर गोड, बोरिबली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण कर ने बणित है), श्रीर जिसका असरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिन्द्री है तारीख 1-12-1984

का पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है जौर अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया समा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियस के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अध्यो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभीवनार्व कर्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

लतः स्वा, अवतः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अर्धाः जिल्लासिक कोल्लामां, स्वर्धात एक्ता (1) श्री पी० ए५० नायडू।

(अस्टारक)

(2) श्रीमिति नृतद आए० एहा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्घाचनातृया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स्ममधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में स्थापन होती हो, के भीतर पृथाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 15 दिन के भीतर उक्त स्थापर सपित्त में हिस्स-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विभिन्न ना किए शा सर्वारा।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उपन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही अधे हुना जो उस अध्याय वी दिया दवा है।

अनुसूची

क्लैट नं० 52, जो. 5 वी मंजिल, अज्या, मणिक नगर, चन्दावरकर योड, बोरीज्यी (८), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37ईई/14033/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 1-12-84 को रिजस्टर्ड किया गया है!

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राधिकर भ्रापुक्त (निरीक्षण) भ्राजीन रेंजि—4, अस्बर्ध

ता**रीख**: 31—7—1985

प्रकर् नारं.टी. एन. एस. ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के मभीन सुमना

भारत सरकार

भायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, मिबई बम्बई, दिमांक 31 जुलाई 1985

निर्वेश सं० अई-4/37ईई/13836/84-85--यत: म्झे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं उ दुशान नं 1 स्रीए 2, जो, आकांगा, एस० बी० पी० रोड, भगवती हास्पीटल के सामने, बोविवली (प), बम्बई—103 में स्थित हैं (स्रोप इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीप पूर्ण रूप से बणित हैं), स्रीप जिसका करारमामा आयफर अधिनियम 1961 की घारा 269 वस्त के अधीन, बम्बई व्यित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी हैं। सारीख 1-12-1984,

को पर्वोक्त सम्पत्ति को उ<mark>षित बाजार मृल्य से कम को र</mark>ज्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की ग**र्द**

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके रूश्यमान प्रति-कल सें, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; आरि/बा
- (ब) ऐसी किसी काय या किसी धन या अस्य बास्तियों को बिन्हों भारतीय बायकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मित्रमा, या धन-कर बीधनियम, या धन-कर बीधनियम, 1957 (1957 को 27) में प्रवोधनार्थ जन्तरिती बचारा प्रकट नहीं किया यथा था वा किया बामा चाहिए चा, किया में सुविधा के खिए;

जत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अगसरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ■ अधीन निम्नितिवत स्थितिस्में, जर्यात् :---

- (1) बोनान्सा बिल्डर्स प्रा० लि० ।
- (अन्तरक)
- (2) श्री साधू बी० शेटटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षक के किए कार्यकालिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की दानील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम निवित में किए वा मुकरंगे।

स्वाहिक्य १ --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को अपन्य विविवयं के बध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष द्वांगा वा उस न्ध्याय में दिका गया है।

अंुर्ी

दुकान नं 1 और 2, जो, आकाशा एस० वी० पी० रोड, भगवती हास्पीटल के सामने, बोर्जिली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि सँ० अई-4/37ईई/13836/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां ह 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्∷ (निरीक्षण) अर्जनरें जेंच4, बम्बई

सारीख: 31-7-1985

श्रम्य वाद¹.टी.य्न.एव_ं -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

आर्याजय, सहायक नायकर वाय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, वम्बई सम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निषेश सं० अई-4/37ईई/14102/84-85--अनः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उभित बाबार मूर्व

1,00,000/- रह. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी मं० बुकान नं० बी, जो, तल माला, ए विंग, प्रभू—
निवास, एक्सार, बिलेज बीरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं
(श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर्ण से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कृष्य के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-12-1984,

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्व हुँ और मफ्ते यह विश्वास करने का समरण है कि सभाप्वेक्ति सम्परित का उचित भाषार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से जिभक है और अंतरक (वंतरकाँ) मार अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे वंतरक के सिए तय पाना बना प्रतिक कन निम्निनिस्ति स्वयंदिक से उक्त करतरण सिनिस्त में वास्तिविक स्प से कथित महीं किया गया है:—

- (क) कलारण के हुई जिली जान की नामल उसत विजियन के अभीत कर दोने के अन्तरक दासित्व में कभी करने ना उससे नफने में तृतिका के सिए; कोंद्र/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, चिन्हीं भारतीय आयकार बांधानस्थ, 1972 (1922 को 11) वा अक्त बाँधानस्थ, या धन कर जाधानियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जामा चाहिए था, क्रियाने के सुविधा को लिए;

कतः वक, उक्त विधिविषयं की भारा 269-व की अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित अधिकत्यों, अर्थात् :---- (1) मेसर्स हिमाश्र इन्टरप्राईजेज।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति स्नेह राम अडवानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान चारी करके पूर्वोक्त संपर्धि के वर्षण के सिक कार्यनाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़" भी बाहोप :---

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जबिध, को औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शिनर पूर्वो उठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति इवारा जभाहरताकरी के पान सिचित में किए वा सकेंचे।

स्पष्टीकरण: --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा सवाहै।

अनुसूची

दुकात नं० बी, जो, तल माला, ए-विंग, प्रभ् निवास, एक्सा विलेज, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37ईई/14102/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिशांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम घाविकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज−4, बम्बई

तारीख : 31-7-1985

प्रारूप आर्धः टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269% (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिमांक 31 जुलाई, 1985

सं॰ अई-4/37ईई/13809/84-85:--अतः मुझे, ए, प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सके प्रथात उनत अधिनियम कहा गया है) की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उपित शाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 3. जो, तल माला, "बी", ब्लाक, इमारत नं० 1, न्यू प्रेम नगर, प्लाट नं० 24/बी (1), टी० पी० एस० नं० 1, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ब्रांर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 69 क ख, के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-12-1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति को उभित बाजार मृत्य से कर को कामाब मितफन के लिए नन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मिति का उभित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकत्त्व से, एसे क्यमान प्रतिकत का पेड्ड प्रतिकत से अभिक है और स्थारक (नन्तर्कों) और बंदरिकी (सन्तरितिकों) के बीच एसे बन्दरण के निए तब पाना स्था प्रतिक कर निक्निचित उद्देश्य से अभित बन्दरण कि जिस से वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुन्दं किती बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अंतरक के बाबित्य में केनी करने या उच्च बचने में सुनिधा के चिए; अधि/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी अन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नट अधिनियम, या भनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती ब्याय प्रकट नहीं किया गया था यह जिला जाना चाहिए था, कियाने में भविधा के सिक्ष;

बतः बदः, अक्त विधिनियम की भारा 269-म की जन्तरण वः, माँ, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वर्धारे नित्वितिषय व्यक्तियाँ, वर्षात् :--- 1. श्रीमती भूपिन्दर कौर।

(अन्तरक)

2. श्री उमेग एल० भावसार।

(अन्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के नर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेतृ:---

- (क) इब सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावत सम्पत्ति में हिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शर्गे और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 3, जो, तल माला, "बी", ब्लाक, इमारत नं० 1, न्यू प्रेम नगर, प्लाट नं० 24/बी (1), टी० पी० एस० नं० 1, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि क सं० ई-4/37ईई/13809-84-85 फ्रॉर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सञ्जम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाक: 31-7-1985

मोहर 🛭

प्रकप् बाह् 🚉 टी, एष् ु एस्, ----

कायकर शिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-4, अम्बई

बस्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

सं॰ अई-4/37ईई/13934/84-85:—अतः मुझे, ए प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी दुकान नं० 1, जो, तल माला, पुष्पा अपार्टमेंट, एस० नं० 208, एच० नं० 15, एनपार विलेज, साईनाथ नगर, बोरिवली (५०), बस्बई-92 में स्थित हैं (श्रोर इससे करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बस्बई स्थित सजन प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का पन्द्रह् भिताबत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्यों से उक्त अन्तर्म विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अस्तर्भ से हुए किसी जाय की बावस्त, जनस अभिनिय्त्र के अभीन कर दोने के अन्तरक के स्वीयत्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के खिए; और/धा
- (च) प्रेसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :— श्री सी० एम० पटेल मैसर्स पुष्पा बिल्डर्स के भागीदार।

(अन्तरक)

2. श्री ईश्वरा कुंदापूरा।

(अग्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिएबब्र्ड किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए पा सकींगे।

स्पन्नीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उपत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विया भवा हैं शि

अनुसूची

दुकान नं 1 जो, तल माला, पुष्पा अपार्टमेंट, एस० नं 208, एन० नं 15, एक जार विलेज, साईनाथ नगर, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-4/37ईई/13934/84-85 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्तम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जंभ रेंज-4, सम्बर्ध

विमांक: 31-7-1985

प्रकप बाह् ं दी , एवं , एस ,-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

शारत तरमार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4. बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1985

निदेश सं० अई-4/37-जी/83/84-85:--अतः मुझे, ए०, प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर गितकी संख्या गर्ना। का हिस्ता वेअरिंग सर्वे० नं० 56, एस० नं० 9वी, दिहरार, बम्बई-68 में स्थित हैं तथा जो बम्बई-68 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, मेरिजस्ट्री हैं तारीख 19-12-1984।

कां पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत उक्क अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक वं वायित्य में कमी करने या उससे शकने में धृविश्र के 'सए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया 'का चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसराल को, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित् व्यक्तिसत्यों, वर्षात् ह— 1. श्रीमती एल० एम० कामध।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रावती आए० यावव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के इं 45 दिन की नवीं भाग तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाझ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असुची

अनुमूची जैसा कि विलेख सं० 2425/84 झाँर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 19-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रनाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4 बम्बर्ड

तारीख: 31-7-1985

मुक्त वार् . टी . एन् . एवं , न्यान्यप्रस्तरप्रतात

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाव 269-म (1) के नभीन स्थान

भारत तरकार

कार्यासव, सङ्घायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्त्र) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1985

निदेश सं० अई-4/37-जी/81/84-85:--अत मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित साकार मृज्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक **है** श्रीर जिसकी संख्या खाली जमीन बेअरिंग सर्वे नं० 50, एचं नं 0 3, सी० टी० एस० नं 0 1078, रामकुंबर रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-400068 है तथा जो सम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्व रूप से वर्णि है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-12-1984। को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुसंयह जिल्लास करने का कारण है कि स्थापुर्वों क्स संपरित का उचित बाजार शृत्य, तसके स्वयमान प्रतिकास से, एसे अवस्थमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिपात से मधिक है और मंतरक (मंतरकों) बीर मंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एंडे बन्दरन के खिल तय पामा गमा प्रति-फल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (का) अप्तरण से हुई किसी जाय की वावक, इक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में केनी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंबो किसी बाब वा किसी वन वा बन्य बास्त्रकों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवार्ण बन्धिक्ती ब्वारा प्रवस्त नहीं स्थान क्या वा विद्या का वाहिष्ट् वा, कियाने में खबिशा के निर्देश

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाग (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् ६--

1. श्रो गोपाल नारायण सांन्टे।

(अन्तरक)

 श्री आत्मा राम शानू मुलगांवकर श्रीर श्रीमती माधवी शरव सुखटनकर,
 श्री गुरूत्रताद अच्यूत सुखटनकर।

(मन्तरिती)

को बहु स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सिक कार्यवादियों करता हुं।

तक समिति के बर्च के तकाम में मोई भी नामोप्त--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तरकारनामी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर मुनांकिए व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित सुनारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की बारीय से 45 दिन के शांसर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य स्थानित द्वारा नृशोहस्ताक्ष्री के पास निधित में किस वा बकेंगे।

स्वाधिकरणः--इसमें प्रमुक्तः सन्धां भीर पद्धां सा, जो उपस् अधिनियम्, के सभ्याय 20-क में प्रिशापित ही, यही सर्थ होगा को उस सभ्याय में दिशा पत्रा ही।

अमृसुची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 473/83 धौर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दितांक 4-12-1984 को रजिस्ट**र्ड** किया गया है।

> ए० प्रसाद, सञम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीखाः 31-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 7 ध्रगस्त, 1985

निवेश सं० ग्रई-1/37ईई/5119/84-85---ग्रवः मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परकात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीग सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 82, जो, हिरा पन्तः शापिय सेंटर, हाजी श्रली श्रीर काइदेव रोड का कार्नर, मुलाभाई देसाई, रोड, बम्बई-26 में स्थित है तथा बम्बई-26 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है, श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29-12-1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या. धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स पूरन इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नूरमोहम्मक भ्रालीजी घोरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 82, जो, हीरा पत्ना शार्पिग सेन्टर, हाजी ग्रली ग्रीर ताडदेव रोड का कार्नर, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई--26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1/37ईई/5117/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-8-1985

मोहर 👍

श्रुप वादै, दी_ं एम् व प्रस<u>ा</u>न - अ अन्यन

भागकर ज़िभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुमना

भारत सर्कार

कार्याक्षय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 7 श्रगस्त 1985

निवेश सं ॰ श्रई-1/37ईई/4983/84-85--श्रतः मुझे, पी॰ एन॰ युवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जित्तकी संख्या पत्तै ट नं० 12, जो, इमारत क्यू, 2री स्कीम, एवराड को० ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, एवराड नगर, इस्टर्न एक्सप्रैस हायके, साथन, बम्बई—22 है तथा जो बम्बई—22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सू की में श्रीर पूर्ण रूप से विशत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 15—11—1984

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान कृषिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रेक्षो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावस, बक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के ब्रन्तरक के दायित्व में कमी करने के उससे ाचने में बृविधा के जिए; बॉर/बा
- (भ) एसे किमी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की सिए;

नतः नन, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरक के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती गौरी सूभाष पावसे।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्रीमती एस० डिमेलो, भौर श्रीमती पी० पिन्टो। (भ्रन्तरिती)
- 3. भ्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके ध्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यृति के अर्जन के लिए कार्यशिह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का क्षेत्र 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस्सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वास हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनिसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

पलैट नं 12, जो, इमारत क्यू, 2 री स्कीम, एवराई को बाप हाउसिंग सोसाईटी लिं, एवराई नगर, इस्टर्ड एक्स प्रैस हायवे, सायन, बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्र $\frac{1}{37}$ क्हें $\frac{4573}{84}$ 85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) श्रर्जन रेंज-I बस्बई

तारीख: 7-8-1985

मोहर 🔅

प्रका बाह्ये, टी. एन. एस., ५-----

हासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० प्रर्द-1/37र्दर्ष/5070/84-85—अतः मुझे, पी० एन० दुबे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलंट नं ए 4, जो, तल माला, पूनम श्रपार्टमेंट, वरली, वस्वई—18 में है तथा जो बस्वई—18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20—12—1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के ध्रयमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्रयमान श्रितफल से, एने दश्यमान श्रितफल का पन्त्रह श्रितशत से विधिक है और अन्तरक (वंतरकों) और खंतरिती (वंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के मिए तय पामा गया श्रीतफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की धावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा सतसे बचने में नविधा के सिछ: वरि/वा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने से सुनिया के निए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्तिल व्यक्तियों, अर्थात् :--42-256 GI|85

1. श्रीं चन्द्र कान्त एच० पारीखा।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स प्राचिन इन्टरनेशनल ।

(अन्तरिती)

भ्रन्तिरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्णि के वर्षन के संबंध में कोई भी माक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्योक्तयों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताकारी के पास सिचित में किए जा सर्कोंगे।

स्वच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भाँर पर्वों का, भो उक्त लिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या भवा हाँ।

ग्रनुसूची

फ्लैट नं 0 $\sqrt{4}$, जो, तल माला, पूनम श्रपार्टमेंट, वरली, बम्ब ξ -18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37ईई/5050/84- 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12- 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

भारीख: 7-8-1985

मांहर :

प्ररूप आहूर.टी.एग.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 ग्रगस्त 1985

निवेश सं० ग्रई-1/37ईई/5098/84-85--ग्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु से अधिक है

भीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 16, जो घामत टेरेम, गणनाथ की ज्याप हार्डीमंग सोसाईटी लि०, 218, सेनापित बापट मार्ग, दादर (प०), बम्बई—28 में है तथा जो बम्बई—28 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), शीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की घारा 269 के खे के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 20—12—1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपमान मितफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान मितफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितमी) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितमी) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नसिखत उद्वेष से उक्त अन्तरण लिखित व वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त जिस्तियम को अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

जतः जग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निस्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—— 1. श्रीमती श्ररूणा महेन्द्र कुमार भोजक।

(भ्रन्तरक)

(भाग III---खण्ड 1

2. श्री पवमणी श्रस्भाई गाला।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 16, जो, घामत टेंरेस, को० ग्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 218, सेनापित बापट मार्ग, दादर (प०), बम्बई-28 में स्थित है।

श्रमुस्ची जैसा कि करु मंश्र श्रई-1/37 ईई 5031/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे, सक्ष्म प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्राय्क्न, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

ताीख: 7-8-1985

भोहर 🦠

प्रकृष अर्थं, टी. एन. एस. ------

आयकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के सभीन सुभना

भारत सङ्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/4938/84-85—अतः मुझें, पी० एन० दुबें,

आसकार कांधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर यूनिट नं० 423, ए०, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड बहार, इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड लोअर परेल, बम्बई-13 हैं तथा जो बम्बई-13 में स्थित, हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयज्ञर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-12-1984

का पूर्वाकर सम्पत्ति के उचित बाबार मूक्य से कम के द्रवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वाक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रवमान प्रतिफल से एस द्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए द्रय पाया ग्या प्रतिफल, निम्मीसिय उद्देश्य सं उक्त स्पर्ण निस्तित म नास्त्रिक रूप सं काथत नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की शवत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के सिए; और/सा
- (थ) एसी किसी अथ वा किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारती दुकरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में जुविधा के निए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निरुत्तिखित व्यक्तिमां, अधीन क्षाना 1. शहा एण्ड बहार असोसियेशन।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कान्सूमर मेल्स।

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्घन के निष् कार्यवाहिया शुरू करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण मा प्रकाशन की तारीस स 45 विन के भीतर उन्हें स्थाधर सम्पत्ति में हिनबद्ध जिसी अन्य अभिक्त द्वारा अधेहरताक्षणी के पाण विक्षित में विकास का निर्णात

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिष्ट सं० 423 ए जी, 4थी मंजिल, शहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेप्ट, ए-1, धनराज सिंह, कम्पाउण्ड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/5073/84- 85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12- 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी०एन० दवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्ब**६**

तारीख: 7-8-19**8**5

प्ररूप जाइ.टी.एम.एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अपी धारा 269-थ (1) के अधीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/4867/84-85--अतः मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह शिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

यूनिट नं० 332, जो 3री मंजिल

शाहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए०-2, ए.५० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 हैं, तथा जो बम्बई-13 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्ष मं प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 7-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पारत का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अरि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धम या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया चया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विका की स्वारः

बतः बदः सदः, सदः विभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उदर अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलिखत व्यक्तिसमें, सभात हु— 1. मैसर्स शहा एण्ड बहार एसौसियेटस।

(अन्तरक)

2. वेस्टर्न गार्मेंटस सिन्धु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्यीकरणः--हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

यूनिट नं० 332 जो, 3री मंजिल, शहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट-ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई 13 में ल्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-1/37ईई/5144/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारीं सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-8-1985

प्ररूप वार्ड .टी .एन . एस . ------

नाथकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के निधीन सुचना

शास्त्र चरव्यत

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1985

निवेश मं० अई-1/37ईई/4942/84-85—-अतः मुझे, पी० एन० दुबे,

नायकर मिंगियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इत्वें इसके प्रवाद 'उक्त निभिन्यम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम निभक्तरी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से मधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 208, जो, 2री मंजिल, ग्रहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में है श्रीर जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 10-12-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मृत्य सं कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उपित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे क्यमान प्रतिफल का नंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किन निम्नलिसित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दिन

- (क) जनसरण सं हुई किसी बाद की बावत उचत विभि-निव्य के क्षीन कर दोने के बन्तरक के दादित्व में कमी करने या उबसे बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत विधिनियम, भा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उचत जिथिनियम की धारा 269-ग के जन्तर्य भे, भे, उचत जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अधीत ः— 1. मैसर्स पहा एण्ड बहार एसोसियेटस।

(अन्तरक)

2. मैसर्स ज्युलिएट अपारेल्स।

(अन्तरिती)

को बह सुचना चा<u>टो करक पृथांक्त सम्मात्त्र क</u> अअन क किए कामकाह्या **करता ह**ै।

बन्ध राज्यति के अर्थन के सम्बन्ध में के ही भी आक्षंपहरू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

यू।नष्ट नं० 208, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ अई-1/37ईई/5077/84-85 भीर ज. सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-12 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० **दुबे** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-8-1985

हक्त बाद् ुं डी . एन . एव . ------

भागमार निधानियम् । 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुधीन सुचना

ग्राहत बहुन्तह

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 7 अगस्त 1985 निदेश सं० अई-1/37ईई/5074/84-85—अतः मुझें, पी० एम० दुबे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,90,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 230, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेटए-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण का से विणित है), और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20-12-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दे हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक क्षे दायिस्य में कामी करने या उससे बचने में सूबिश् के निए; औड़/मा
- (ख) एसी किसा नाम या किसी धन या नत्म नास्तिमी को, चिन्ही भारतीय नाम-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कार निधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति रिधी ह्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिया के स्थि;

कतः जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण थाँ, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को वभीन, निम्मसिखित म्यक्तियों, वभीत ख— 1. शहा एण्ड बहार एसोसियेटस।

(अन्तरक)

2. इण्डस्ट्रियस एण्ड बिजनेस मणीन्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाश्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया

अनुसूची

यूनिट नं० 230, जी, 2 री मीजिन, शहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/5053/84-85 और ज सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, मक्षम प्राप्धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख: 7-8-1985

मोहर 🔞

प्ररूप आहूँ.टी.एन.एस.-----

बायकर गाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाष्ट्रक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 श्रगस्त, 1985 निर्देश सं० श्राई-1/37ईई/4911/84-85:—श्रत मुझे, पी० एन० दुबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या यूनिट नं० 329, जो, 3री मंजिल, शहा एण्ड बहार इण्डिस्ट्रियल इस्टेट-ए.2, एस० जे० मार्ग, लोश्रर परेल, बम्बई-13 में है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबंख अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-12-1984

का पृथांक्स सम्मान के उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्ठनास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल पिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से किथत नहीं किया गया है:—

- (का) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वावल उक्त जिथ नियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिएमने में मुनिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

ा. शहा एण्ड बहार एसोसियेटस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री किगोर बहारीसाल छोत्रीया (एच० यू० एफ०) श्रीर श्री यश किगोर लाल छात्रीया (माइनर) वेंकटेश कें ० छात्रीया (माइनर) मुकुल किशोर लाल छात्रीया (माइनर)। (श्रन्तरिर्ता)

की वह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की सबिधि या तस्प्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 तिन की सबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा मकेंगे

स्वाब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त काम्यों और पर्वो का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया भवा है।

वगतपी

युनिट नं० 329, जो. 3री मंजिल, शहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए--2, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई--13 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37ईई/5076/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 10-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे, सक्षमप्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बस्बई

तारीख: 7-8-1984

मोहर 🖫

प्रकार कार्याः द्वीत् एकतु एकतु स्टब्टन्ड

माययार मधितियम, 1961 (1961 का 43) कौ भाष 269-म (1) के मधीन सुचना

शास्त्र परकार

कार्यात्व, सहायक वायकर वायक्त (निर्काण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनाँक 7 श्रगस्त 1985

निर्वेश सं० ग्रई-1/37ईई/4974/84-85---ग्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

कानकर मिश्रित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके परचात् 'उक्त मिश्रित्यम' कहा गया हैं), जो कि भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी मंख्या यूनिट नं 151, जो, पहली जिल शहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड एस० जे० मार्ग, लोग्रर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई, स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूक्य से कम के दश्यमाध अतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दंश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ते हुई जिल्ली जाय की बावतः, अक्त जिल्लीनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक कें क्रियत्त्र में कमी करने या उसके वचने में स्विधा के निष्; और/वा
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या नम्स नास्तिकों को, जिन्हों भारतीय नास-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीर, निम्नलिकित व्यक्तियों अभात क्ष- 1. पाहा एण्ड बहार एसोसियेटस।

(भ्रन्तरक)

2. एच० के० प्रिन्टर्स।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी। अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीका व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितहक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हूँ, वहीं पर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया वता है।

अनुसूची

यूनिट नं० 151, जो, पहली मंजिल, शिहा एण्ड बहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, धनराज मिल कम्पाउण्ड, एस० जे० मार्ग, लोश्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुमूती जैसा कि कि सं अई-1/37ईई/6433/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनाँक 4-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1; बम्बई

नारीख: 7-8-1985

मोहरः

प्ररूप आर्च-टी, एन . एस . ------

आयवार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

माइत तर्कापु

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, बम्बई

वस्वर्इ, दिनौंक 7 ग्रगस्त 1985 निर्देश सं० ग्राई-1/37ईई/5063/84-85—ग्रतः मुझे पी० एन० दुवे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है वि. स्थानर संपत्ति, जितका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 205, जो, 2 री मंजिल, इमारन नं० 1, मुमेर टावर्स, लब लेन, णेट मोतिशा रोड, माझगाँव, बम्बई—1 है तथा जो बम्बई—10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20—12—1984

को पूर्वोक्स कम्परित के उपित बाकार मूल्य से कम के स्वयंत्राप्त प्रतिफल के लिप् अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मित्स का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, पूंचे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नसिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिद्ध; बाँड/बा
- (व) एसी किसी जान मा किसी धन वा नस्य आस्तिनों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जान। चाहिए था, छिपाने में सुविधा में सुविधा में सुविधा में सुविधा में सुविधा में सुविधा में सुविधा

अतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में उक्त अधिनयम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन किन्निमित व्यक्तियों, वर्धात् :----

1. मैंसर्स सुमेर एसोसियेटस।

(भ्रन्तरक)

2. निखरा नन्द किशोर बाफना।

(भ्रन्तरिती)

3. बिल्डर

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुई।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आरहेंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबड़ भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं!

अनुसुची

फ्लैट नं० 205, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 1, सुमेर टावर्स, लब लेन, शेठ मोतीशा रोड, माझगाँव, बम्बई 10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-1/37ईई/5054/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनौंक 20-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख 7-8-1985 मोहर: प्रकल बाह् : टी. एम. एस. -----

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में नभीन सुमना

STEE SETTE

कार्यासय, बहायक वात्रकर बायुक्त (पिरीक्राम)

प्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 श्रास्त 1985 निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/4906/84-85--श्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

नावकर निश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त निश्वितयम' कहा गया हैं), की भाष 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का धरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका रिश्वत वीचार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या पर्लैट नं० 306, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 1, मुभर टावर्स लव लेन, णेट मोतीशा रोड, मांझगाँव, बम्बई-10 है तथा जो बम्बई-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विशित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 10−12−1984

को पूर्वेशित सम्परित को उचित बाबार बूक्य से कम के अस्यमान शितक से को सिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास रहन को कारण है कि सभापुर्वेवित सम्बद्धि को उचित बाबार अस्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एस अस्यमान प्रतिफल को अन्तर्भ प्रतिचत से अधिक हैं और अंतरक (अंधरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिस् क्षय पाया सभा शितफल, निम्नलिखित उद्वर्थिय से अव्यक्त अम्बरण मिणिल में पास्तिक रूप से कवित नहीं किया ग्या है के

- (क) अन्तरण सं हुई किती अप की वाबत, उक्त विभिन्न के विभीन अस् वेदे के अप्तरक के शावत्व में कमी करने या उससे विचने में सुविधा के लिए; केन्द्र/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के तुविधा वी किए;

कतः मच, उस्त विधानयम की भारा 269-म के अनुकरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स सुमर एसासियेटसा

(ग्रन्तरक)

 श्री मुरेश कुमार वालचन्द्र जैन श्रोर श्रीमती रमीला मुरेश कुमार जैन।

(ग्रन्तरिती)

3 अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना **थारी करके** पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के मंत्रंथ में कोई भी आश्रोप-

- (क) इत तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर, सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ब) इस सूचना के राभपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बहुभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

•नष्टीकरण : इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नदा है।

पन्स्ची

फ्लैंट नं० 306, जो, 3 री मंजिल, इमारत नं० 1. सुमेर टावर्स, लव लैन, णेठ में तिशा रोड, माझगाँव, बम्बई— 10, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० मं० ग्रई-1/37ईई/4910/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 10-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एत० दुबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 7-8-1985

प्रकृत आहे. की. इन . एस् . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 7 श्रगस्त, 1985

निर्देश सं० अई--1/37ईई/5006/84~85---श्रतः मृझे, पीं० एन० दुबे,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्रारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या श्रारं नं 119, जो, पहली मंजिल, हिन्द राजस्थान इमारत, बादर क्रमणियल प्रमायसेस कोठ श्रापं सासाईटी लिंठ, बादा गाहेब फालके रोड, बादर, बम्बई-14 सं स्थित हैं (और इससे उपाबंध श्रमुख्नी में ओर पूर्ण रूप से पणित हैं), और जिसना करारनामा श्रायकार प्रधित्तयम, 1961 की धारा 269 एखं के श्रधीन, बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्टी हैं, तारीख 15-12-1984

को पृथीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्या से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्यास करने का कारण है कि सथा पृथीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण विकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी भन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनिम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधः के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मो, मी उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :--- 6. श्री बी० सी० सत्यनारायणन ।

(भ्रन्तरक्)

7. श्रीं पारसमल बुधमल मोदीं।

(अन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना चारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के नर्धन के सिध् कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में क्यं ई भी गाओप :--

- कि अब सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का अबिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सुमान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हानेती हो, के भीतर पूर्वोक्स का कितयों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भौतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार्श लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जे उस अध्याद में विका गया है।

अनसची

त्रारं नं 119, पहली भिजल, हिन्द राजस्थान इमारत, दादर क्रमणियल प्रिमधायसेम को० प्राप० सोलाईटी लि०, दादा साहेब फालके रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई- 1/37ईई/4982/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिलाक 15-12-84 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> र्पा० एन० **दुबे,** नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्ब**ई**

भारीख - २--8-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातरः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां र 7 प्रगस्त, 1985 सं० अई--1,37ईई,4963,48--85 ---अत: मुझे, पीं० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिन्हीं सख्या ब्लाउ नं० 70/3, जो न्यू सायन की-श्रापि हाउलिंग सांसाईटी, साय (प०), बम्बई-22 में है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है)और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिमान कारार-नामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 बख के श्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के बायलिय में रिजस्ट्री है, तारीख 15-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः ६वः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्हालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती मनजीत कौर और हरजीत कौर । (अन्तरक)
- श्रीमती मंजुला मनसुख लाल पारेख और
 श्री मनसुख लाल प्राण लाल पारेख
 (ग्रन्तरिती)
- 3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दूवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, तो अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

ब्लाक नं० 7ए, 3, जो, त्यू सायन को-आप० हाउसिम सोसाइटी, सायन (प०), बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अ० सं० श्रई-1,32ईई,5018,84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक <math>15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवय श्रायुक्त (निरक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीकः : 7--8--1985

माहर :

श्रुक्त नार्दः टीः एतः एसः -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

नारत श्रदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज्-1, वस्वर्द्ध

बम्बई, दिनांबः 7 श्रगण्त 1985

निदेश सं० अ**ई**—1,37ईई,5017,84--85 -- इत: मुझे. पी०

एन० दुबे, शायकर अधि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाइ 'उक्त निधिनियम' कहा भवा हैं), की भारा 269-ख के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ओर जिन्नीं संख्या यूनिट नं 110, जो प्लाट नं 109 सीं, तिर्मल इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, सायन (पूर्व), बम्बई-22 है और जो बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से विणित है), और जिम्हा दारार-नामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 वख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रिकस्ट्री है तारींख 20-12-1984।

का पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान क्रियान के एक प्रशासन की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितर्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्निचित उच्चवेष्य से उच्त अंतरण जिल्ला में वास्तिक रूप से किथा गया है अन्तरण

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाक्छ, उपस अधिनियम के सभीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्व में कभी करने वा उत्तर वचने में सुविधा के सिए; बार्ड्/बा
- (भ) एंसी किती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-सन्द अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्शृ

अति विकृष्टकत अभिनियम की भारा 269-ग के अन्मरण कों, यों , उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अभील, निकासिखित व्यक्तिवां , अथित ध~~ 1. मैं नर्स मिकानिक डेबिसस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पांडुरग नायायण ताऋवाटे।

(अन्तरितीं)

4. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसक सम्पत्ति के वर्षन के प्रशंभ में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वका के ट्रायस्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, को भी अविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को श्रीदर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- ब्रुथ किसी जन्म व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकेंथे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, मो उस अध्याय मा दिया गया है।

यनुमुची

यूनिट न० 110, जो, प्लाट न० 109सीं, निर्मल इण्डस्टियल इस्टेट, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अ० स० ग्रई-1/37ईई/5017/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 20-12-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

भीं० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख 7--8-1985 **मोहर**ध

प्रस्प बार्ड , टी , एव , एस , ------

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

अधालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) यार्जन रेजा-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 श्रगस्त, 1985

निदेश मं ० श्रई - 1/37ईई/4992/84 · 85 -- अत मुझे, पीं ० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परकाल् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

आरि जिमकी संख्या फ्लैटनं० 1.7—1.7/ए, जो, अरी मंजिला मंजर क्टीर, प्लाट 54, स्कीम 6, रोड नं० 4, सायन (पूर्व), बम्बई- 22 है तथा जो बम्बई- 22 में फ्थित है (और इनमें उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित है), और जिस्ता दाराजामा आर 🤊 अधिकियम, 1961 की धारा 269 व ख है। प्रजीत बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के दार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 15-12-1984

कां पूर्वीकत संपरित के उभित बाजार मूला से कम के इश्यमान अन्तरिक्ष लिए को करने विश्वास का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इदयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दूरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माथ की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (का) एोसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जा। स्टामां को, बिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, गा भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 कर 2**7**) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया शाबाकिया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 —

1. बैल्लूर नारायणस्यामी दत्ताविय।

(ऋन्तर्स्तर्

- 2. श्री हरी राम नरसी दाय गियासीठा और श्रीमती गुणावन्ती हिंगया राम सीट्टा। (श्रन्तारती)
- ग्रन्तर्शतयों

(जह ब्रापित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुां।

उन्दर्ध संपत्ति को अर्बन को सब्ध मा व्हाइन स्था काउस .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तार्राख सँ 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेतिक व्यक्तियां में सं किया व्यक्ति ब्याराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवसुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए भा सकती।

म्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और **पदों** का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ द्वांगा जो उस अध्याद में दिया गया हु^।

अनुगुषी

फ्बैंट नं \circ 17/1.7 ए. जो. 3री मंजिल, अंब्र्स कुटीर प्लाट 54 स्कीम 6, रोड नं० 4, सायत (पूर्व), तम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैया कि ऋ० स० अई--1/37ईई/4978/84---85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई हरा विहोद 15-12-1984 को रिजस्टर्ड विधा गया है।

> पी० एन० दुबे, नक्षम प्राधि ारीं, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बन्बई

तारीख 7-8-1985 मोहर

श्रक प बाई . टी. एन . एस .-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 ग्रगस्त, 1985

निदेश सं० ग्रई-1-37ईई/4897/84-85--ग्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ने इसमें इसमें इसमें प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिल्लि संख्या फ्लैंट नं० 6 जो, तल माला, सुखसदन को ग्राप हाउसिंग सोसाईटी लि०, प्लाट नं० 86, सायन (प०), वस्वई-22 है, तथा जो वस्वई-22 में रिथत

है (और इस्ते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बण्ति है), और जिन्हा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अबीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के हार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 10-12-1984।

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने दी कारण है कि प्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान करने दी कारण है कि प्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य दसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक ल का पन्यस्कापित गत से प्रधिक है भीर अन्तर के (अन्तर कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल के जिल्ल समिति उद्देश्य से उच्त धन्तरण निचित में वास्तिवक उप से कवित वहाँ किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की कार्यक्य में कभी करने या उससे वचने को सुविधा के लिए: बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, डिपाने के सिवधा के निस्; और/वा

भूत अब, उक्त अधिनियम की भाष 269-न के वनुकरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री रेवाचन्द चाटोमलसदातंगानी।

(श्रन्तरक)

2. मैसर्स लक्ष्मी कार्ड क्लोथिंग मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लि०

(अन्तरिती)

3. ग्रन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. सुख सदन को भ्राप हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को बह स्चना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उच्छ सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास निषित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो जनक वीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नुर्ण होगा जो उस अध्याय में विशा यवा हैं।

मन्त्रकी

फ्लैट नं० 6, जो, तल माला, सुख सदन को ग्राप हाउसिंग सोसाईटी लि०, प्लाट नं० 86, सायन (प०), बम्बई-22में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-1/37ईई/4867/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिर्धाक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,बम्बई

तारीख: 7-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त, 1985

निर्देश सं० अई-1/37ईई/4905/84-85:--अत, मुझे, पी०एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या श्रीद्योगिक यूनिट नं० 109, जो, 1ली मंजिल, "शहा नहार (वरली) लाईट इण्डस्ट्रियल इस्टेट आफ डा० ई० मोजेस रोड, वरली, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थिप है (श्रीर इसमें उग्रबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण क्य में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राप्तिक रो के कर्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 10-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्ति उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथौत्:— 1. जयमुख एल खोणिया फैमिली ट्रस्ट (1972) श्रीर शालिनी बजाज ट्रस्ट।

(अतरह)

2. मैंसर्स जिन्दल एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे,हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शक्षों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में रिशाधित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

श्रीद्योगिक यूनिट नं० 109, जो, पहली मंजिल, "शहा नहार (वरली) लाईट इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, आफ डा० ई० मोजेस रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के सं० अई-1/37ईई/4909/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे, सक्षम प्राधिकारी सह।यक अ।यकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 7-8-1985

प्ररूप शार्षः, दी. एनः एस्., ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भावकर वामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त, 1985

सं० अई-1/37ईई/4877/84-85:—अत मुझे, पी० एन० दबे.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 9, जो, तल माला, स्टेंण्ड हाउस, स्टेंण्ड सिनेमा के सामने, प्रेम रामचन्दानी मार्ग, कुलाबा, बम्बई-5 है तथा जो बम्बई-5 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रिजिन्दी है, तारीख 7-12-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और सन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा चया प्रतिफल, निम्मिसिस उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखा में शास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है —

- क्रिंक) कलाइन हो हुई किसी नाय की बावत उनत अधिनिवस के वधीन काट दोने के बन्ताइक की दायित्य में कानी करने या उत्तरों कमने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सृविधा के लिए;

1. श्रीमती इश्वरी आर० सूजान।

(अन्सरक)

2. जे० ए० डायम।

(अन्तरिती)

3 अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिमबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकांगे।

स्पष्टिशकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर स्पिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होग्रेग, को उसे अध्याय में दिया गया है।

अ**नुसूची**

दुकान नं 9, जो तल माला, स्टॅण्ड हाउस, स्ट्रण्ड सिनेमा के सामने, प्रेम रामचन्दानी मार्ग कुलाबा, अम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-1/37ईई/4722/84–85 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 7-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

सारीख: 7-8-198**5**

प्रक्ष आहें.टी.एन.एस------

नायकर अधिनियन, 1961 (19⊕1 का 43) की भाग 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्याजय, सहावक आयक्तर जायुक्त (तिरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त, 1985

्सं० अई-1/37ईई/4753/84-85:---अतः मुझे, पी० एन० दुवे,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया है'), की भाक 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 4, जो, 2री मंजिल, इन्द्रायणी फ्लैट योनर्स को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 61 डी, सोफीया कालेज, लेन, श्राफ भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 है सथा जो बम्बई-26 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 10-12-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजर मूच्य से कम के दरवमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्थित का उचित बाजार मूख, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का नन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतिस्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय बाया गथा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दर्वस्य से उन्तर अंतरण बिचित्त में बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. श्रीमती शकुन्तला मिनोचर मसानी । •

(अन्सरक)

 श्री हरी सिंग श्याममुख ग्रीर श्रीमती आरती हरी सिंग श्यामसुख।

(अन्सरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

का गइ सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्क सन्दक्षि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की सारीस से 45 विम की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यूचना की साजील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शब में सभापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस क्षमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के नाव विवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसने प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनेयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

नम्पूर्ण

फ्लैट नं० 4, जो 2री मंजिल, इंब्रायणी फ्लैट श्रोनर्स को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 61डी सोफीया कालेज लेन, आफ भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-1/37ईई/6347/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पीं० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-8-1985

प्रकम्, बाह्यं, दी, एवं , एवं , -----

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं अर्६० - 1/37-ई ई/5157/84-85—यतः मुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उन्त जिभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ० फ्लैटनं ० 66, जो 7वीं मंजिल, मलबार अपार्टमें टस नेपियनसी रोड , तथा बम्बई- 6 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रौर जिसका करारनाम आपकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 28 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा भया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश से उक्क बंतरण सिविच्य में भास्तिवक रूप से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण तं हुई किसी बाय की बाबत , उक्त बिधिनबब के बृधीन कर दोने के बन्त एक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अर्थः उक्त विधिनियम कौ भारा 269-न कै अनुसरण मैं, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) ब वधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्रीमती सतिंदर कौर दुग्गल।

(अन्तरक)

2. मैसूर टिम्बर मार्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया भूरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह----

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस के 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मां हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का, जो उक्त जिमियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

धनुसूची

फ्लैंट नं ० 66, जो, सातवी मंजिल, मलबार अजार्टमेंटस, नेपियन सी रोट, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ई ई/5023/84-85 .श्रौरजोसक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-12-84को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० **दुबें** सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्ब**र्ध**

तारीख: 7-8-1985

मो**हर**

प्रकम बाह्य हो , एन , एस , कार्यकारक

नावकर निर्मायन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ए (1) के नधीन तृष्ता

भारत सरकार

कार्यामय, सङ्गनक आवकर भावृक्त (रिनरीक्रण)-

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1985 निर्देश सं० अई-1/37-ईई/4943/84-85---यतः मुझे, पी० एन० दुबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी संव यूनिट नंव 334, जो, तीसरी मंजिल, शाहा एण्ड नहार इन्डस्ट्रिल इस्टेट-ए-2, धनराज मिल कम्पाउंड, एसव जेव मार्ग, लोअर परेल, तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से विणत), और जिसका करार-नामा आयकेर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क खके अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांलय रिजस्ट्री है तारीख, 10 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रातिकल अ लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह निश्नास का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके नश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिकत्त से विधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितिकों) के कीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तविक रूप से कथित गड़ी किया गया है है—

- (क) अन्तरिण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शाहित्य के कभी करूपे या उससे वसने के सृदिधा के सिन्द; भीड़/या
- (क) देवी किसी बाप या किसी वन या बन्न बालियों को, जिन्हों भारतीय बायकर वीयनिवस, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियस, या धनकाड अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरियी द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किना बाना चाहिए था, कियाने वें बृद्धिया के थिए।

जलः वर्षः, उत्तरं अधिनियमं की धारा 269-ग में जनुबरण में, में, उत्तरं अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के बस्तेन, निम्मीनियसं व्यक्तिसम्हें असूत् म—— 1. शाह एण्ड नहार एसोसिएटस

(अन्तरक)

2. श्री रक्षदीमखलीजुम्मा लालानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थना के राधपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की मधीं ना सरसम्बन्धी न्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के उपचपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के नीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवष्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

ल्यव्यक्तिरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. शा उपल अभिनियम, के शब्दाय 20-क में पीरभाषिष्ठ ही, यही वर्ष होगा तो उस अध्याप में दिया क्या ही।

प्रमुख्या

यूनिट नं० 334, जो तीसरी मंजिल, शाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिलकम्पाउंड, एस०जे० मार्ग, लोअर परेल बम्बई-13 में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/5078/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।.

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 7-8-985

प्र**कप, बाह**्र, टी., एन्., **एक**्,------

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

नाइत बुहकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयंक्त (निर्दाक्षक) अर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ई ई/4881/84-85---यतः मुझे, पी० एम० दुने,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हस के पश्चात् 'उक्तं अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,050/-स स अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4बी, जो, 2री मंजिल, संजय को-आप० हाउसिंग सोसायटी, विर साधरकर मार्ग, बम्बई-25 है, तथा जो बम्बई-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है तारीख 7 दिसम्बर, 1984 को पूर्वोंक्त सम्पर्शित के उणात बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुके वह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोंक्त सम्पर्ति का उणात बाजार मूल्य, असके ध्यमान श्रीतफल से एसे ध्यमान श्रीतफल का पंद्र श्रीतखत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकार्ग) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्राया श्रीतफल, निम्नलिखित उप्यक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बंतरण से हुई किसी शय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, लिन्हें भारतीय आयक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ बन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अतः अव, ॐक्ते वाँधीनयम की धारा 269-ण के अनुसरण पं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा— 1. श्री राजेश रसिकलाल शहा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जिन्नी सिमम ।

(अन्तरिती)

को सह सूचना बादी करके प्योंक्त सम्पृतित के वर्षम् के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त कमिति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए--

- (स) इत बुचना के रायणत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विम की अविध ना तस्त्रस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जविध, का भी नविध बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीस् स 45 दिवं के भीतर दक्त स्थावर सम्पन्ति में हिनबद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकोंगे।

स्वक्यकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वृद्धिनिसन्, के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, वहीं वर्ध हिता जो उस अध्याय में विया ग्याही।

अनुसूची

फ्लैट नं०4-बी, जो, दूसरी मंजिल, संजय का-आप० हाजासग सोसायटी, विर सावरकर मार्ग, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क सं० अई-1/37-ई ई/4844/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-12-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी०एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-1, बम्बई

नारीख : 6-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/4998/84-85—-यतः मुझे, पी० एभ० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 256, जो, दूसरी मंजिल, गहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेटए-2, धनराज मिल कम्पार्जंड, एस० जे० मार्ग, लोअर रेल, बम्बई-13 है, तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15 दिसम्बर, 1984

को प्यंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

1. शहा एण्ड नहार एसोसिएटस ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रिज

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 256, जो. दूसरी मंजिल, ग्रहा एण्ड नहार इन्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2,धनराज मिल कम्पाउंड, एस० ऐ० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ई ई/4987/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख : 7-8-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एव.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) स्री धारा 269-च (1) के अभीत स्चना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण)

अर्जम रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिमांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ई ई/4959/84:85----श्रतः मुझे, पी०एन० दुबे

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं यूनिष्ट नं ० 118, जो, पहली मंजिल, श्रीएटीह्व इंडस्ट्रियल सेंटर प्लाट नं ० 12-सी, एस० नं ० 72, एन० एम० जोशी मार्ग, आफलोअर परेल; डिबीजन बम्बई-11 है, जथा जो बम्बई-11 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा स्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 15 दिसम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हुए में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में बृषिधा के लिए; और/बा
- (स) एमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्योजनार्थ अंतरितों दुआरा प्रकट नहीं किया गणा का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिद्;

लतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कों, औं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के शधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाक् :---

1. विनाका इनवेस्टमेंटस

(अन्तरक)

2. मैं मसं गलक्सी कर्माणयत्स लिमिटेड

(अन्तरितो)

को यह म्थना जारी करके पृथीवस सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किये जा सकी।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

यूनिट नं ०118, जो, पहली मंजिल, कीएटी ह्व इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लाट नं ०12सी, एम० नं ०72, एन०एम० जोशी मार्ग, आफ लोअर परेल डिविजन, बम्बई-11 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० नं० अई-1/37-ई ई/4997/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी०एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रोज-1, बस्बई

तारीय 7-8-1985 मोहर प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/4873/84-85—-यतः मुझे, पी० एन० दुवे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त 'धिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं यूनिट नं 421, जो, 4थी मंजिल, ए-विंग, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोअर परेल, बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विंगत है), औरजिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अंधिनियम को अभीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वच्चे में सूविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः स्रथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियाँ, अधित् ः—- 1. मैसर्स केवल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

- 2. (1) मास्टर मुकुल बी० गुप्ता
 - (2) मास्टर अविनाश बी०गुप्ता मायनर एम० जी० ब्रह्मप्रकाश एल० गुप्ता
 - (3) मास्टर आनन्द आर० कनोरिया, श्रौर (4) कुमारी सीमा आर०कनोरिया--माइनर एम० जी० राधा भ्याम बी० वैश (अन्तरिती)

को य**ह सूचना जारी करके पूर्वोक्त** सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्किरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया हैं।

भ्रनुसूची

यूनिट नं ० 4 2 1, जो, चौथी मंजिल, ए-विंग, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोअर परेल, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/7 ई ई/4713/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई द्वारा दिनांक 7-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 7-8-1985

प्ररूप वा<u>र्षः टी. एन. एस. -----</u>--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० न्नाई-1/37र्ह् \$/4903/84र85—यत:, मुझे, पी० एन० दुव,

- मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' महा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का काएण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उफ्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- ल. से अधिक है
- श्रीर जिसकी संव्युनिष्ट नंव 516. जो 5वीं मंजिल, मिलन इंडस्ट्रियल इस्टेट कोरव आपव सोसायटी, काटनग्रीन, बम्बई-33 है, तथा जो बम्बई-33 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड शनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), थाँर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क खू के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के सार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 10 दिसम्बर, 1984

को पृथिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वीवित सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्दृह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्शेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाक्त, उकत अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

अतः अत्र , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में में, उक्त प्रितिस्स की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन कि क्षित व्यक्तियों, अर्थात् :----45—256GI/85 1. श्री डी० एम० दत्तानी

(अन्तरक)

मैससं भाषाश प्लास्टिक्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अभोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया या है।

समस्य सी

यूनिट नं ०516, जो, पांचवी में जिल, मिलन इंडस्ट्रियल इस्टेट को० गाप० सोलायटी ,काटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है। जैसा कि ग्रनुसूची ऋ० सं० अई-1/37-ईई/4902/84-85

जसाक अनुसूचा क० स० अइ-1/37-इड/4902/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-84 को रिपस्टर्ड किया गया है ।

> गी० एन० दुबे मक्षम प्राधिकारी महायक्ष आयक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

टारीख: 7-8-1985

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना 1. मैसर्स धनराज मिल्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

2. मैसर्स चन्दूलाल एच० मेहता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिमांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं आई-1/37ई ई/4986/84-85—-श्रतः मुझे, पी० एन० दुबे,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परणात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूम्प् 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं औद्योगिक यूनिट नं ० 24, जो, तल माला, धनराज इंडस्ट्रियल इस्टेंट, सन मिल रोड, लोजर परेल, बम्बई-13 है, तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (स्रीर इसने उपाबद अनुमूची में स्रीर पूर्ण रूप में विणित है), स्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 15 दिसम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार सूक्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शक्तिक एस ने किया महा किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी अन या बन्य आस्थियां को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, खिपानं से सुविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— कारे यह सूचना बारी करके पृथीं क्या सम्पत्ति के अर्थन के सिक् कार्यनाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध, किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निज्ञित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयक्त भव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

श्रौद्योगिकयूनिट नं० 24, जो तलमाला, धनराज इंडस्ट्रियल इस्टेट, सन मिल रोड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है। अनुसूची जैसा ऋ० सं० आई-1/37-ई ई/4977/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

सारीख : 7-8-1985

त्रक्त वार्ड .टी .एन .एस . ------

1. भाहा एण्ड नहार एसोसिएटस

2. श्री हुलास चन्द घोरारीया

(ग्रन्तरक)

(अन्तरिती)

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 7 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37-ई ई/4997/84-85—श्रतः, मुझे, पी० एन० दुबे,

माक्कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संयूनिट नं० 320, जो, तीसरी मंजिल, णाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउन्ड, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है, तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि यम 1961 की धारा 269 की क, ख के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है तारीख 15 दिसम्बर, 1984

का पूर्विक्य सम्मित के उचित बाजार मृत्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक रूप से कथित नहीं किया गया था था है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वाक्ति में कमी करने या उसते बचाने में सुविधा के सिग्र; और/बा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अभा, उक्त अधिनियम की धारा 269- व के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) कु अधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— का यह सूचना जारी करके पूजें क्स सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाश्रेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताथील से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हैं।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त याध्यों और वडों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ है, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्द्र भी

यूनिट नं० 320, शो तीसरी मंजिल शहा एण्ड हार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1,धनराज मिलकम्पाउंड, एस०जे० मार्ग, लोग्रर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसुर्वा जैमा कि क० सं० ग्रई-1/37-ई ई/4986/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> पीं ० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी महाय १ प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-8-1985

प्रकृप नाईं.टी.एन.एस. -----

बावकड़ विधिनिम्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ए (1) के अधीन पंचतः

शास्त्र सरकार

मार्थाणयः, सहायमः आयकार आयुक्तः (जिन्दीक्षणः)

र्जन रेज-1, त्रम्बई

बम्बई, दिनांक 7 भगस्य 1985

निर्देश सं धर्ड-1/37-ईई/5353/84-85---पन: मुझे, पी रुपन दुवे,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके पहलात 'उकत अधिनियम' कहा थया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से जिथक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 जो, पहला मंजिल, इमारत नं० 3, एस० पा० एस० बीट अवार्टमेटस, बीट जीट खेर रोड़, बस्बई-18 तथा जो बस्बई-18 में स्थित हैं (श्रीर इसम उपाबद्ध अनुपूर्व में श्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं) श्रीर जिम हा करारतामा श्रायकर श्रीध-नियम 1961 का श्रारा 269 जाब के श्रिशीत बस्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के कार्यालय में रिजस्ट हैं, तारी का रिवस्त में 1984 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विखेख के अनुसार जंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चवेय से उक्त अन्तरण निखत में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय का किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीचनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ किए;

गतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधील, निम्नुतिश्वित व्युक्तिकों, अधित क्ष्र-- 1. श्रो जे० के० भसान , एच० यू०ए फ०

(ग्रन्तर ह)

श्री दी(पक कांतिलाल पारेख

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिहिश्त में किए जा सकेंचे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो अस अध्याम में दियः स्वा हैं।

वर्स्ची

पलैट नं 1, जो, पहलो भंजिल, इगात नं 3,पं ए एन वि श्रिपार मेंटम, बं र जी र खेर मार्ग, बम्बई-18 में स्थित है। अनुसूचा जैमा कि कर मंद्र श्री उत्तर है ई/5179/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनों ह 7-12-1984 को रिजस्ट डं किया गया है।

पंश्वित एत**् दुने** नक्षन शक्षितारी महायक आकर ऋत्युक्त (निराक्षण) श्रजन रोज-1, **बम्बर्ध**

नारं/ख : 7-8-1985

महिर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 ग्रगस्त 1985

निर्वेश सं० अई/37- ईई/5062/84-85——यतः, मुझे पी० एन० दुबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्राफित श्रिमायं ते नं 12, जो, पहली मंजिल, महावी रेदर्णन इमानत. 412, जरमी नाथा स्ट्रीट, वस्वई-9 है, तथा जो वस्वई-9 मं स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण क्य विकार है), श्रौर जिपना करारनामा श्रायकर श्रिवियम 1961 का धारा 269 ख़ के श्रिकी वस्वई स्थित सक्षम श्रिकरी के वार्यालय से कि स्टूर है, तारीख 20 दिसम्बर, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ६य पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अचने में सृविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान आहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए:

अक्षः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निंगिंखन व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रामती लिला जया पात्र श्रौरिनमोहन बी॰ तिनेदी (श्रन्तरक)
- 2. किंग्जवे कटेनर्स

(ग्रन्तरिता)

अन्तरकों (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिक, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अथोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

ग्राफ़िश प्रिमायसेस नं० 12. जो, पहलंः मंजिल, महावीर दर्शन इमारत. 412. नरसी नाथा स्ट्राट, बम्बई-9 में स्थित है।

त्रितृपुर्वा जैसा ि क० सं० श्रई-1/37- ईई/5056/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिक्तरी, बम्बई द्वारादिनांक 20-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पीर एन दुबे सक्षम प्राधिकारी पहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, बम्बई

तारीख ं 7-8-1985 मोहर ⊾ प्रारूप आहु².टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 7 ग्रगस्त 1985

निर्देण सं० श्राई-1/37-ईई/4940/84-85----vतः, मुझे, पी० एन० दुखे,

कायकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है और जिसकी सं.

पूर्निट नं० 316, जो तीसी मंजिल, णाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल स्टेट ए-2 एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रिवित्यम, 1961 की धारा 269 क्ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रजिस्ट्रीहै तार्राख 10 दिसम्बर, 1984

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्ति को कई हा चीर कुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृज्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही थेड़ अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए क्ष्य पाया चया हित्रफका, निम्नितिचित उच्चेष्य से उक्ष अन्तरण किवित हो बास्तिका क्य ये क्रियत नहीं किया पया है है—

- [क) अन्तरक थे हुई किसी आब की बावध उक्त विध-निवत के अधीन कर बोने के अंदरक के वाधित्त में कमी करने या उससे बखने में बुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आव सा किसी भन या जन्य आर्न्सियों को, चिन्हीं भारतीय भाय-कर विधिनवम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर, वृधिनिवम, वा धन-कर विधिनवम, वा धन-कर विधिनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ध्या था था किया खावा आहिए था, कियाने में वृद्धिया ही विद्धा;

चणः वन, उस्त अधितियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन्, निम्ननिचित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. भाह एण्ड नहार एसो निएटस

(भ्रन्तरक)

2. श्री रिचर्ड एम० डिहोजा,

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना आर्रा करक पृशीयत सम्मास्त के व्यान के विष्य कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिए को अवधि पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिस के भोड़ र सका स्वाबर संपरित में हित-नद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के अस स्विक्ति में किया आ स्वाबर ।

स्प्रक्षीकरुका ----इछल अल्का जांद्री लोक वर्षी करा, आं उपले जीपनियम, इ. तथ्यान 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष हांगा को उस अध्यास में दिया गया हैं।

अनुसूची

यूनिट नं 316. जो 300 मं। जल, पाखा एण्ड तहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एल्डिंग्जेश मार्ग, लोशर परेश, बम्बर्ध-13 में स्थित है। अनुसुर्धा जैमा हिन्कर सं श्राई-1/37-ईई/5075/84-85 और जो सक्षम प्राधि अपरे, बम्बई द्वारा दिलांक 10-12-84 को राजस्टर्ड किया गया है।

> पत्र एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहस्य ३ ग्राहर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 7-8-1985

प्ररूप आडे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ओयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई . बस्बई, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/4937/84-85—ग्रतः, मुद्ये; पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं यूनिट नं 209, जो, दूसरी मंजि है, हि एएड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउंड, ए स० जे ० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 है, तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः दब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. शहा एण्ड नहार एसोसिएटस

(म्रन्तरक)

 श्री रजनीकांत भगवान दास भगत ग्रौर श्री प्रवीण चन्द्रभगवान दास भगत

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

यूनिट नं ० 209, जो दूसरी मंजिल, शाहा एण्ड नहार इंडिस् यल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कम्पाउंड. एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई में स्थित हैं।

स्रनुसूर्ची जैसा कि के० सं० स्रई-1/37-ई ई/5072/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-8-1985

मुक्तर् मार्डः टी . एस् . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

नारक सरकाड

कार्यालय, सहायक आयक्त अग्रक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, तम्बर्ध बम्बई, दिनांक 7 श्चरस्त 1985 निर्देश सं० श्चर्र-1/37 ई ई/5093/84-85---यतः, मुझे पी० एन० हुबे.

षायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव यूनिट नंव 217, जो, 2सरी संजित् शाहा एण्ड नहार डंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराजमिल कम्पाउंड, एसव जेव मार्ग, लोश्नर परेल, बम्बई-13 है, तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबंड अनुसूर्यों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिनका करारनामा श्रायन्त्र श्रविनियम, 1961 की धारा 69 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के लायों लय में रजिस्ट्री है तारीख 20 दिसम्बर, 1984

को पृथाँ यत संपरित को उचित बाजार मृस्य सं कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई ही और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार ब्रूब, उसको द्रश्यमान प्रतिफल की पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश से उक्त अस्तरण निवित को बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण सं हुई किसंश्वास को बाबत, उक्त श्रीवित्रियम, जो बातेत कर दोन के बन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आध-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) को उन्ते अधिनियम का धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजपार्थ अन्तरितों क्वारा प्रकट नहीं किए। गया था ो किया जाना चाहिए था, खिपाने में कृतिका की लिए।

बतः अब, उक्त बॉब्रियम की धारा 269-म के बनुसरण कें,में उक्त अधिनियम को धारा 269-म की टपधारा (1) कें अधीन जिम्मलिखित व्यक्तियाँ, अधीत :--- शाहा एण्ड नहार एकोखिएटस

(ग्रन्तरक)

2. प्रेस्टिज पेपर प्राह्म्बटस

(श्रन्तिरिती)

की वह सूचना कारी करके पूर्वाक्त क्याणि के अर्लन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उन्त संपृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विष् की अवधि या तरसम्बन्धी स्यक्तियों पर स्वान की तामीन में 30 विन की जन्धि, को भी विष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (व) इक् ब्लान के राज्यम में प्रकासन की तारीय हैं
 45 बिच में श्रीवर उक्त स्थानर सम्पर्ति में हितनहथ्
 हैं का बच्च कॉन्स्ट ब्राया वशोहस्तासङी में नास
 हैव्यास्त् में किए का उन्होंने।

स्यष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धरिष्ठिवन, के बच्चाय 20-क में परिभाषिक है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा कुमा है !

धनुसूची

यूनिट नं० 217, जो, धूनरों मंजिल, शाहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल वस्पाउंड, एस० जे० मार्ग लोग्नर परेल, बम्बई-13 में रिधन ।

श्रनुसूर्यः जैसा कि क्रमाँ ० सं०श्रई-1/57-ई ई/5033/84-85 श्रीर जो सञ्जम पाधि अरी, बस्बई हाए। दिनां . 20-12-84 को रिजस्टर्ड विया गया है ।

> पंति एत० दुवे ाशम श्राधि तरः सहास राज्याशाल्य आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रोज-1, बम्बर्य

तारीख : 7-**8**-95

प्ररूप बाइं. टी. एन. एक, ------

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

त्र १४ तः । १९ १ तः । १५ <u>- १</u>३ - १५ तः १५ स्थानामा **व्यक्तिकार** स्थान

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 धगरत 1985

निर्देश सं० म्राई-1/37-ई ई/5099/84-85---यतः, मुझे, पीं० एन० हुबे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का भारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रूट से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी से फ्लैट नंज 4, जो, पूसरी मंजिल, इमान्त लोटस कीर्ट, प्लाट नंज 12-ए, ड्रा० ग्रन बेसंट रोड़, वर्ष, दर्दा-18 है, तथा जो बस्बई-18 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्राधवर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 का के ग्रामन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में स्थित है तारीख 20 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसको दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बवा प्रतिफल, निम्निलिखत उच्च देश से उक्त अन्तरण लिख्नि में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है द्

- (क) बन्तरम् सं हुइं किसी थाय की नावत, उपत सिंपिनियम के सभीन फर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुनिधा के लिए; सार/या
- (व) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवल आभानयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वर्तः जब, उक्त अभिनियमं कौ धारा 269-ग के अनसरक में, में उक्त अभिनियमं की धारा 269-च की उपभारः (1) के अधीर निम्निलिबित स्यिक्तियों, अर्थात् :-----46----256 GI|85 1. भैसर्स भाग्बीत कार्पोरे**श**न

,我们就是我们的,我们就是我们的,我们就是我们的,我们就是我们的,我们就是我们的,我们就是我们的,我们就会会会会会会会会。我们就是这个人,我们就是这个人,我们就

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सुरिमता दिनेश शाहा,
 श्री दिनेश यू० शाहा मास्टर रुतेश डी० शहा, श्रीर मास्टर ब्रिजेश डी० शहा,

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

· उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्मबन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्रं। किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाए लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों आरै पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 4, जो, दूसरी मंजिल, इमारत लोटस कोर्ट, प्लाट नं० 12-ए, डा० अनी बेसंट रोड़, बरली, बम्बई-18 में स्थित है अनुसूर्वी जैसा कि क० सं० अई-1/37-ई ई/5032/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-84 को रिजस्ट डे किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

तारी**ख** : 7-8-1985

प्ररूपं आई. टी. एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म(1) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 ग्रगस्त 1985 निर्देश सं० ग्रई-3/1/37-ई ई/4928/84-85----यतः, मुझे पी० एन० दुवे,

रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि संभावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिमकी सं व्यक्ति नं 5, जो पांचवी मंजिल, मिलन इंड स्ट्रियंच इस्टेट प्रिमायसेस को - स्राप्त सोमायटी, श्राफ्र ठोकरणं जीवर ज रोड़, स्रभ्युदय नगर, काटन प्रीन, वस्वर्ड-33 में है, तथा जो बस्बई-33 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण का से विणा है) श्रीर जिल्ला करारनामा श्रायकर श्रधि- नियम 1961 को धारा 269 के खे के श्रिशेन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा है तार्राख 10 दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की मई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्शय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सावभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, या अनक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

खतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण । मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु—— 1. श्री इन्नाहीम इस्माइल ऐबानी

(धन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती शांताबेन एच० कारीया,
 - (2) श्रामती गौरीबेन मुरजीधारिया श्रीर
 - (3) श्रीमती मंजुलाबेन मुर्जाः मोटा

(श्रन्तिरती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उनत सन्यति के अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं
 45 फिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 बुचना की कामीज से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में बजाक होती हो, के भीतर प्रवेक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (5) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- धर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिकित में किह जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं 5, जो, पांचवीं मंजिल, मिलन इंडस्ट्रियल इस्टेट प्रिमायसेस को-आप सोसायटी, श्राफ़ठो रखाः जीवराज रोड, श्रम्यद्वय नगर, काटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है ।

श्रनुसूर्वी जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ई ई/4154/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांदा 10-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रोज-1, बम्बई

तारीख: 7-8-1985

प्रकम आई.टी.एन.एस.-----

क्राक्क समितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजन, दहामक आयक्त आयुक्त (निरंकिण) श्रेजन रेंज-1, बम्बंई बम्बई, दिनाँक 7 श्रास्त 1985

निवेश सं० अई-1/37-ईई/3752/84-85---श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित याश्वार बृष्ण 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० यूनिट सं० 19, जो, 4थी मंजिल, मिलन इण्ड-स्ट्रियल इस्टेट, ठांकरणो जीवराज रोड, काटन ग्रीन बम्बई-33, में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावस अनुसूची में ग्रौर ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनाँक 27-12-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कब के करवान वितफल के लिए जन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृल्य, उसके इश्यभान प्रतिफल से, एसे इश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की, वास्त, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में तुनिधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी अस्य या किसी अस या अस्य वास्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना-वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

.बत: जब, उक्त जिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण बँ, मैं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, जिस्तिविद्या स्थितकार्यों, व्यक्ति :.— (1) श्री कियोर डी० झें छग ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स इसडी डाय ग्राक्स।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्बंति के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी अक्क्षेप :---

- (क) इस त्यना के राष्पण तें प्रकाशन की तारीक से 45 किन की बविभ मा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कर व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा निभोहस्ताक्षरी के शोच जिवित में किए जा सक्ति।

स्पन्नीकरण: ---इसमें प्रयुक्त घट्यों और वर्षे का, वा उनव अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा थीं उस अध्याय में विका वर्षा ही अ

अनुसूची

यूनिट सं० 19, जो, 4थी मंजिल, मिलन इण्डस्ट्रियल इस्टेट, टोकरशी जीवराज रोड, काटन $\frac{1}{6}$ ग्रीन, बम्बई-400~033 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० संब्ध्रई-1/37-ईई/4267/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 27-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक : 7-8-1985

बहेरु 😗

अरूप भार्चे. टी. एन. एस्.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ्झर्जन रेंज-1, बम्बई

बस्बई, विनान 7 प्रगस्त 1985

निर्देश सं॰ श्रई-1/37-ईई/5028/84-85---श्रतः मृझे, पी॰ एन॰ दुबे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारन हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं गाला न 20, जी, तल माला, सॉडवे सार्पिग सेंटर, डा० प्रांबेड कर रोड, दादर टा० टी०, बस्बई—14 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबब श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा श्रीय कर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रीधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 20-12-84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएं वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शासिण क रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरन वे हुई किसी बाय की बायत, उपल बीधनियन के अधीन कर दोने के जन्दरक बी वाजित्य में कभी करने वा उसवे वचने के बुन्धि। के लिए; बीट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया धा ना किया जाना चाहिए था, डिप्पाने के सुविधा के बिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण, जैं, चक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) जभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) मेसर्स बाय्चे द्रेष्ठर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स वेलकम इण्टरप्रायजेस ।

(भ्रन्तरिती)

(3) घन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) 1 श्री जितेन्द्र एम० धारिया, 2 निरूपमा जि० धारिया, 3 प्रफुल एम० धारिया, श्रीर 4. श्रीमती पूर्णिमा एम० धारिया, मेसर्स बाम्बे ट्रेडर्स के ट्रस्टी । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ध्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्शित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उनल संपत्ति को अर्जन को संबंध में काहे भी बाह्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कबीध या तरमंगी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूजना को राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतार उक्क स्थाबर संपत्ति में हिसब्द्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वाय अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकीने।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिवा वया हैं ॥

बत सची

गाला सं० 20, जो, तल माला, आँखवे शार्पिंग सेंटर, डा॰ श्रीबेडकर रोड, धावर टी॰ टी॰, बम्बई-14 में स्थित है ।

श्रनसूची जैसा कि क० सं० श्रई-I/37-ईई/5029/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां र 20-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंजे-।, वस्त्रई

विनांक : 7-8-1985

प्रस्प नाइं.टी.एम.एस. -----

कायभर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनौंक 7 श्रगस्त 1985 निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/5090/84-85--श्रत- मुझे, पी० एन० दुबे,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं यूनिट सं 404, जो, 4थी मण्डिल, बुस्सा इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, हनुमान लेन, लोग्रर परेल, बर्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे पाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, चिनौंक 20-12-84,

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफ ल से एसे दृश्यमान प्रतिफ ल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि सिविद में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए।

बर्ख: शव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के व्यवस्थान की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, वर्धात् :---

(1) कमला पीं० मेंघानी ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शिनेवेल प्रोडक्टस ।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिष्ठ के अर्जन के निए कार्यनाहियां कुरू करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याया;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किमे जा सकती।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाें का, औ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया हैं।

<mark>श्रनुसूची</mark>

यूनिट सं० 404, जो, 4थी मंजिल, बुस्सा इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, बम्बई में स्थित है।

श्रन्सूची जैसा कि कं० सं क्राई-1/37-ईई/5039/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० बुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-1, बम्बई

विनाँक : 7-8-1985

मोहर 🏨

प्रकप करहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन सुपना

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक **नायकर माय्क्त (निरक्षिक)** श्रर्जन रेंज--1, बस्बई

बम्बई, दिनौंक 7 श्रगस्त 1985

निदेश सं ॰ ऋई-1/37-ईई/4982/84-85--- ऋतः मुझे, पी ॰ एन ॰ दुबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० श्राफित श्रिमायसेस सं० 412, जो, 4थीं मंजिल, व्यापार भवन, प्लाट सं० 49, पी० डिमेली रोड, कर्नीक बन्दर, बर्म्बई-9 में रियत हैं (श्रोर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा, 269 क्ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनौंक 15-12-84,

को पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वनित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (जंतरकों) और अन्तरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पामा ग्या प्रतिक्ष का विम्मलिखित उद्योग से उसके बन्दरण विविद्या में वास्त्रिक क्या विम्मलिखित उद्योग से उसके बन्दरण विविद्य में वास्त्रिक क्या विम्मलिखित उद्योग से स्था है के—

- (क) अन्तरक से हुई किसी नाय की वावत उक्त विभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कर्तने वा संस्थे अक्ते में स्विधा के सिए? सीर/मा
- (व) एसी किसी अब या किसी भन या अन्य आस्तियों की, विन्हें भारतीय सामकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरियी ख्वारा प्रकट नहीं किया गम। भा गोकना जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविभा के सिए;

बतः जब, उक्त अभिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अधार्तः—— मोहर :

- (1) श्री बी॰ टी॰ शिवदासानी श्रीर श्रीमती बिना श्रीय रामचन्दानी, श्रीमती श्ररुणा श्रार॰ मनसुखानी। (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रश्विन ए० भूषा । (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों मत सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृजना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी वचीं बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वाइप्र
- (ष) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

रम्बर्गकरमः -- इसमें प्रभूतत शब्दों और पदों का, था उत्तर अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उन्न अध्याय में दिया भवा है।

वनुसूची

श्राफित प्रिमायसेस सं० 412, जो, 4थो मंजिल, व्यापार भवन, प्लाट सं० 49, पी० डिमोलो रोड, कर्नाक बन्दर, बम्बई— 9 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/4972/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन **रेंज-**1, बस्ब**र्ध**

दिनौक: 7-8-1985

प्ररूपः अर्द्धः दीः एनः एकः , ततः - ततः

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बाभीद सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बर्ध, दिनांक ७ श्रगस्त 1985

निदेश सं० ऋ**ई**--1/37-ईई/51.69/84-85----ऋतः मुझे, पीं० एन० दुबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं पलैट सं 23, जो, 65ों मंजिल, सेंट्रल कोर्ट इमारत, 18, मोतीबाई द्वींट, बम्बई-11, में रियत हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका वरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 वस्त्र में अधीन बम्बई रियत सक्षम प्राधिवारी के वार्यलय में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्र कल निम्निसित तथ्यदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक्क कप से कथित नहीं किया नया है :—

- पुँक) कलाउन से हुई जिल्ली बाग की बाबत, संबंध अभिनियम के लभीन कर दोने के जलारक के शामिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए. कौर/दा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों और जिल्हा भारताय लाय-कर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, व्यिपान प्रविचा औ विका:

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जें, पै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ६—

- (1) श्री किरन चिमणवाल मेहता। (भन्तरक)
- (2) श्री खलिलूल रेहमान और श्रींमतीं जूबेदा छातून। (ग्रन्तरितीं)
- (3) श्रन्तरितियों । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

खबत सम्पर्ति के वर्षन् है संबंध में कोई भी बारूप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्विकाश में में किसी स्विक द्वारा;
- (स) इस स्वता क राजपथ मों प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबस्थ किसी अन्य स्थावत द्वारा, वभोहस्ताक्षरी के पास जिक्कि मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 23, जो, 6ठीं मंजिल, सेंट्रल कोई इमान्त, 18, मोतीबाई स्ट्रींट, बम्बई-11 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-1/37-ईई/5132/34~ B5 और जो सक्षम प्राधिनारीं, बग्दई द्वारा दिनांदा 28-12-B4 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पीं० एन० **दुवे** सक्तम प्राधिवारी सहायक्ष श्रायवण श्रायुक्त (सिरीक्षण) **श्रजन रॉफ--I**, बस्ब**ई**

दिनांक ' 7-8-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

धम्बर्ध, दिनोक 7 श्रगस्त 1985

निवेश सं० भार्ष-1/37—र्ष्ट्री/4939/84-85--- मतः मुझे, पी॰ एन॰ दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट नं० 324, जो, तीसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, एस० जे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं (और जिसना करारतामा श्रायक्तर प्रधितियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय, में रजिस्ट्री हैं। दिनांस 10-12-84,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएटस ।

(भ्रम्तरकः)

(2) मेससँ नितील जाय-केम इण्डस्ट्रिश । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा रिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं 324, जो, तीतरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डिस्ट्रियल इस्टेट ए-1, धनराज मिल कम्पाउण्ड, एस० जे० मार्ग, लोधर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37ईई/5074/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्ब**र्ध**

तारीख: 7-8-1985

प्ररूप आर्द्धः टी. एन. एस.-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ के अधीन सचना

भारत शरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-1, बस्बई

बम्बर्ध, दिनांक 5 श्रमस्त, 1985

निदेश सं० प्रई-1/37ईई/5148/84-85-- अत: मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमः' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित∷ बाजार मृल्य 1.,00,0∪0/- रु. से अधिक हैं

अर जिसकी सं० ग्राफिस प्रिमायर्सस नं० 114, जो, मित्तल-कोर्ट, बीं-विंग, नरीमान पाइन्ट, इम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसवा करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 वख के श्रधींन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के गर्याव्य में रिजर्स्टी है तारीष्ट 28-12-1984,

को पूर्णोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्इ है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह ऽतिशत स अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच गुरेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मो बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मीं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्त) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अस: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मै., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधादा (1) वं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---47-256GI/85

1) श्री उम्राभाई एचं पटेल और श्री गौतम श्रार० पटेला।

(अन्तरहा)

(2) पावरींका सेल्य एण्ड सर्विसेज प्रा० लि०। (ग्रन्यिती).

(3) अन्तरको ।

(बड व्यक्ति, जिसके ब्रिधिमांग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पुर्शिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी उनक्षेप : --

- (क) इस सचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पोस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का अधिनियम, के अध्याद 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राफिस प्रिमायनेज नं० 114, जो, मित्तल कोर्ट, बी-विग, नरीमान पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूबी जैसा ि क०। गं० श्रई-1/37ईई/5128/84-85 और जो ाक्षम प्राधिशारी, बस्बई इ.सा दिलांक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भी ० एस० दुवे ःक्षम प्राधिकारी महायक आयभर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1. बम्बई

ारीख: 5-8-1985

प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें च-- 1, बन्दई

बम्बई, दिनों : 5 धागस्त. 1985

पनिश्या ग्रं० हाई-७४/३५६ईहि/८१४०/४४-४5— हाःः मुझे , पीं० ए (० दक्के,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धित किसका उन्ति वाजार सृत्य 1,00,000/- कि. भे अधिक है

और जिमकी सं० अभिति विमायसेच नंच टी-त्युं, जो, इतर्डं-ट्रेड सेटर, एक रोड, परेड, गुलावा, कर्कं- इसे व्यवहरी (और इससे उपाबड़ अनुसूर्वा से और पूर्ण रूप से प्रणित हैं), और जिसता गरा-तारा आयात विशिधिक 1901 की धना 269 वर्षा ् के श्वीत, दश्वई स्थित रक्षम प्रतिगारी के वायित्य में रिजस्ट्री हैं तारीख 10-12-1984

को पूर्थोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गद्द हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में धास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह⁵ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिस्माने में सुविश्या के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा २६०-ग के अववरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ए नी एण्यान (४) के अधीन, निम्नोलिनित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैंद भाश्ता

(ग्रन्तरक्)

(2) भनर्भ विवा एस्टरनेशमध ।

(भ्रन्तरितीः)

(3) अन्तरको ।

(वह व्यक्ति, किनके <mark>प्रधिक्षोग में</mark> सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पृत्नीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी जावित दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुम् भी

श्राफित जिसायकेज नं ० टी०--1/4, जो, वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर, इ.फ. परेड, तुलावा, बरूई--5 में स्थित है ।

अनुसूची जैना ि ऋ० सं० आई -1/37ईवी/4153/84-85 और जो जजम प्राधिारों, बम्बई द्वारा दिनांः 10-12-1984 कीं जजस्टबं िया ग्या है।

> पी० एन० दुने संक्षम प्राधिशारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजें 1, वस्बई

नारीखः: 5--8·19**8**३

मोहः :

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचक

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 5 स्रगस्तः 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान सं० 2ए, जो, क्रायस्टल इमारत, ग्रल्टा-माउण्ट रोड, बम्बई-26 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनु-सूची में ग्रीर पूर्णरूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनाँक 7-12-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक क्ष्य से किथत नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित, व्यक्तियों, अर्थाप् ---

- (1) श्रीमती उमिला लक्ष्मीकाँत मेहता ग्राँर ग्रन्य ।
 2. श्रीमती कविता नारायणदास चेंटलानी,
 3. रामचन्द इशरदास चेंटलानी, 4. श्री बन्सी
 मूलचन्द चुगानी, 5. श्री गुल्लोलाराम चुगानी,
 6. श्रीमती गोपी भगवानदास चुगानी, 7. श्रीमती जिता
 दयालदास चुगानी, 8. श्री प्रेम लिलाराम चुगानी,
 9. श्री सुन्दर बेहरूमल चुगानी 10. श्री गुल
 एच० चुगानी ग्रीर 11. विष्णू जेथामल चुगानी।
 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रामचन्द हसनदास श्रीमायसेस प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरको । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

दुकान नं० 2ए, जो, कायस्टल इमारत, अल्टामाउण्ट रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37ईई/5142/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 7-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पो० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक : 5-8-1985

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयक्टर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज--1, वस्बई

बम्बई, दिलांब 5 श्रगस्त 1985

निदेश सं० अर्ध-1/37-ईई/5040/84-85--- प्रतः मुझे, पी० एन० दुवें,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दिनात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिलकी सं० कमरा नं० 505, जो, श्रनन्त दीप का०-श्राप० प्रिमायसेस मोसायटी, 273/77, नरसीनाथा स्ट्रीट, बस्बई-१ में स्थित है (श्रीर इतमे उपात्र अनुसूर्व) में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रं।र जित्तका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की घारा 269 कख ने प्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्द्री है, दिनांक 20-12-84, के पूर्वावश सम्पत्ति के उभित यात्रार मृत्य से कम के दश्यमान प्राप्तिक के लिए अन्तरित को गइ है और मुश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा भूर्योक्त संपत्ति का उसके स्वयमान प्रतिफल बाजार भूल्य, एभं से, इत्यकान प्रतिफल के पन्द्रष्ट प्रतिकृत से अधिक है बोर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निनिसित उदद रथ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:----

- (क) जन्तरण सं हुई किमी आय की बायत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सृविधा के निष्; और/या
- (ध) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

हत: १६, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसर्य मो, मो, अका अधिजियम को बारा 269-भ की उपधारा (1) के सधीन जिम्मलिसित व्यक्तिस्यों, अधात :--- (1) श्री प्रतापत्तन्द डी० मोथा धौर श्री प्रविणचन्द्र डी० माथा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रतिभाषी० शहा।

(श्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरकों । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जाशी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाध्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्षित मों किए जा सकोंगे।

स्पळकेकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका गया है।

श्रनुसूची

कमरा सं० 505, जो, श्रनन्त दीप को०श्राप० श्रिमायसेस सोसायटी, 273/77, नःःसंःताथा स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37ईई/5088/84-85 श्रीर जिल्साम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाँक 20-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनौक : 5-8-1985

मेहर:

प्रस्थः नाइं.. दर्रः, एनः, एसः व्यावनाया

क्षायकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-या (1) का अभीन स्वना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई,दिनौंक 5 श्रगस्त 1985

मित्रेश सं० श्रई-1/37/ईई 5055/84-85--श्रतः मुझे,
 पी० एन० दुबे,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परंजात 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 260-क के अधीन सक्ष्य प्राधिकाण को यह कि जाम करने का अरण है कि स्थापर सम्मातित, जिसका उचित वाजार मूल्य कि,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० कमिशिता विमारित ये । 1, जी, तल माला. त्यू नवयुग की ० - श्राप्त हार्जा पत्र सीतास्टी लि०, 10/18, श्रील्ड हनुमान लेख, पिष्टभाई पारिश्व मार्ग, विन्तेन स्ट्रीट, बम्बई - 2 में स्थित है (श्रीर इकी उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका कराणनामा श्रीसकर, श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 केख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जायित्य में विजित्हों है, दिनाँक 20-12-1984.

को पूर्नोक्स सम्पत्ति के उभिन्न बाजार मृन्य में कम के इच्छमान श्रीतफल के निए अन्तरित की रई हैं उसे मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण हैं कि यभाप्यिक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके इद्यमान प्रतिफल का व्यक्त उद्यमान प्रतिफल का व्यक्त प्रतिकार अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पक्ता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त बंतरण निसित में वास्तिविक रूप में की भत्त नहीं किया गया है :——

- (क) जनसरण से हुई किसी जाए की बाबत, उक्त अधिनिया के अभीत धार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य असित्यों की जिन्ही आएतीय अस्तकार अधितियम, 1922 (1922 का 11) या अन्यत अधितियम, दा धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी वृत्तर प्रत्य प्रति भ्या था या किया जाना चाहिए था. छिपान भी सृविधा के लिए,

भ्रतः अन्त, उच्त अधिनियम् की धारा १६९-ग के अन्सरण भी, भी, उन्त अधिनियम् की धारा १६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्यामभुन्दर एस० स्ट्रिया।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1 श्री मनोज श्रारीरा,
 - 2. श्री ललित ग्रारोरा, ग्रीर
 - श्री राकेश ग्रारांग।

(श्रन्तरितो)

(3) ग्रन्तरित्तीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रीध भीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हा।

टक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्थन्धी व्यक्तिया ए स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी क्यकित द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

प्रदुश

कर्माश्यल प्रिमायसेय नं 11, जो, तल माला, न्यू नवयुग को ०-आप० हाउरिंग सोमायटी लि०, 10/18, श्रोल्ड हनुमान लेन, विस्थाई पारीख मार्ग, प्रिन्सेस स्ट्रीट, बम्बई--2 में स्थित है।

श्रनुसूची जैया कि ऋ० सं० श्राई-1/37ईई--5101/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बब्बई द्वारा दिनाँक 20-12-84 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनौंक : 5-8-1985

क्रमान सामा ही, एम. एस. ० ०००० ००००

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1985

निदंश सं० भई-1/37-ईई/4912/84-85--श्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- हैं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रोर जिनकी सं० ग्राफिस सं० 3, जो, पहली मंजिल, महावीण दर्शन इमारत, 412, नरसी नाथा स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध श्रमुस्ती में ग्रोर पूर्ण रूप से विजित है), श्रोर जिल्ला करारनामा श्रायकर श्रविजियम, 1961 की बाल 269 अब के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 10-12-84,

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के लोचत नाजार सृद्य सं आम के राजान प्रशिक्त को निए जन्तिरत की गर्ड हैं और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण हूँ कि अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाबार मृत्य, उत्तक व्यथमन प्रतिकृत से एसे व्यथमन प्रतिकृत का अनुद्ध कि अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाबार मृत्य, उत्तक व्यथमन प्रतिकृत से पांचे व्यथमान प्रतिकृत का अनुद्ध प्रतिकृति के बीच एसे जम्बरण के जिए स्य बादा कथा प्रतिकृति का विश्वति उद्देशक में उत्तर संवरण विश्वति से प्राप्ति का प्रतिकृति का स्थापन के प्रवास का प्रतिकृति का प्रतिकृति का स्थापन के प्रवास का स्थापन का प्रतिकृति का स्थापन का स्थापन का प्रतिकृति का स्थापन क

- (क) मन्तरण सं कृष्ट किसी आध की सलक इंग्लं क्रीच-नियम के अधीन कर दोने के अलस्क के दर्गियण की कमी कारत या उपम प्रकार में स्तिवल, कर्मिन्स् बीद/धा
- (थ) स्क्री केशनी बाध वा भिन्नती अस वा बन्ध अस्तिक्षी की की किन्ति कार्यांव बाककर मधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उपल व्यक्तियम, १९ धनकर बिचिनमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरियो वृतारा प्रकट नहीं किया गरा वा वा विक्रा जाना चाहिए जा, कियान में सुविधः के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उरधारा (1) के अधीन, निम्नानिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेनमं आरोरा एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स ग्रार० के० एजेंसीज।

(अन्त(रती)

(3) ग्रन्तरितियों । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वान जारी करके पूर्वीक्त सपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हैं--- 🖈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पूर- सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस मुभना ने राजपण में प्रकाशन की तारीख में में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोह्स्ताक्षरी के पास विविधत में किए जा मकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रयाभत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, कहीं कर्ष हाला जा उस अध्याय भी विया नगहरी

अन्सूची

श्राफित सं 3, जो पहली मिजिल, महाबीर दर्शन इमारत, 412, नरता ताया स्ट्रीट, जई 9 में स्थित है। श्रनुसूची जैना कि क्रम सं श्रई-1/37-ईई/5062/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 10-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक : 5-8-1985

६.हर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयजर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बन्बई

वम्बई, दिसी है । अगस्त 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/4895/84-85-- अमे मुझे पी० एन० दुबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अोर जिसकी सं० आफिस समारिसं० 3/1404, जो नवजीवन संसायटी, लिमिका रोड, बम्बई-8, में स्थित है और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से दिएत है), और जिसका रारास्थामा आयशण अधिनियम, 1961 की धारा 268 इख के अजीन वम्बई स्थित संबम् प्राधितारी के बार्यात्य में रिजर्स्ट्री है दिनांक 20-12-84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान के लिए अन्तिरत की गइ है भुभो विश्वास करने यह का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है नौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंसरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वित नहीं किया गया **ह**ै:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय गा किसी धर्ग या उन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नित्सित व्यक्तियो, उक्त :--

(1) श्रीं प्रतापराय रति लाल मेहता और श्री पंक्ष प्रतापराय मेहता।

(अन्तरक)

- (2) श्री ग्यानचन्द सी० ऋप्रवाल । प्राप्नाइटर, मेन्तर्स जी० सी० इण्टरप्राईजेस । (ऋन्तरिती)
- (3) अन्तरको । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किती उन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राफिस वमरा सं० 3/1404, त्वजीवन सोसायटीं, लर्मिगटन रोड, वग्वई—8 में स्थित है ।

ग्रनुसूचीं जसा कि ऋं० सं० ग्रई-/137-ईई/4866/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-12- 84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे रक्षम प्राधिनारी सहायन ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राजैन रेंज-1, बस्बई

दिनांक : 5-8-85

प्रसम बाइ'. टी. एन. एस. ------

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत गरकार

भागां नव , महायक हाइकर बायक्त (निरीक्षण) श्राजीन रज-1, बम्बई बस्बई, दिनां ् श्रागस्त 1985

निदेश सं० ऋई-1/37-ईई/25& . . 4-85-स्रत मुझे, पी० एन० दुबे,

बायकार अधिनियाम, 1961 (1961 का ८०) हो हो इत्यों इसके पश्चात् 'उन्तन अधितियम' व हा गाम हो, हो अहरा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी कही, यह विश्वास करने का बारणां हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,90,000/- रहा से अधिक हो

और जिसकी गंव इमा ता संव 41% जो, गोहार इमाएत, 4थीं मंजिल, 80ए, बरोडा, स्ट्रींट, यक्दई— में स्थित है (और इस्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्य से वर्णित है), ओर जिसका करार्तामा याय हर इधिनियम, 1961 की बारा 269 इक्ट के अवीत बन्दई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-12-84.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान वृतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृम्में मृद्र विश्वास करमा का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल तो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए अय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखत उददृश्य से उक्त अन्तरण निस्तित्त में बास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 47 कन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्ति रेनी इवारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) को अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री देवेन्द्र एन प्रालाल दोशी ।

(मतरह)

(2) श्री भतगीरातः एमः शहा ।

(अन्तिनती)

को यह सूचना जारों करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कायवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्मिक्तयों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख उन्हें 45 दिन के भीतर उन्कत स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित् में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिसरणः—इसमो प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित ही, वहां अधि कृष्यम् जो उस अध्याभ में दिया सवा हो।

ग्रन्सूचो

यमरा सं ० 411, जो. गाकुल इमारत, 4थीं मंजिल, 80-ए, बरोडा स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है।

प्रमुक्ती पौता ि ंक० सं० अई-1/37अईई/2584/84- , 85 ओर जा अम आधि अरी, अम्बई द्वारा पिनास 22-12-89 को प्रक्रिस्टर्ड िया गया है ।

> पीं० ए५० दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाःः 5- 8-1985 मोहर प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.; =======

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 प्रगग्त 1985

निदेश मं० ऋ**ई**-1/37-ईई/5064/84-85----श्रतः मुझे, पीं० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

जीर जिसकी मं ० फ्लैंट मं ० 506, जो, 5वी म जिल, , इसारत सं ० 1, ''सुमर टावर्स, लव रेन, शेठ मोतीणा रोड, माझ गांग, वम्बई-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिन्हा कररारनामा प्रायक्तर श्रीध-नियम, 1961 की धारा 269 रूख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 20-12-84, का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रममान प्रतिक्त का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और मंतरिक (अंतरकों) जीर अंतरिती अस्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरक (अंतरकों) जीर अंतरिती अस्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरक के निए क्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दर्शय से जक्त अन्तरण सिवित में स्थाविक रूप से काथत नहीं किया बचा है है—

- (क) अन्तरण के हुए किसी भाग की नानतः, अनक वीधीयवह के भूधीन कर दोने के नन्तरक के दावित्व में कनी करने या जबने वचने में दुनिया के लिए; बीट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रहा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने भी विषया के निया की

अतः अवः तस्त विधितियम् करी धारा 269-गं **कै नेन्दरन** में, में, उक्त अधितियम् की धारा 269-**गं की उपधारा (1)** के अधीनः, निम्तिविश्वितं व्यक्तियों, अर्थात् :—-48—256GI/85 (1) मेसर्स सुमेर एसोसिएटस

(श्रन्तरकः)

(2)जश्रीमगज उषा प्रविणक्रमाय धोका ।

(श्रन्तरिर्ताः)

(3) मेतर्स सुमेर एसोसिएटस । (वह व्यक्ति, सिसके क्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना चारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवादियां करता हूं।

वक्त बन्मतित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षपः---

- (क) इस क्ष्या के राज्यन में प्रकारन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में दमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्ष व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इब स्थान के राजपन में प्रकावन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थानत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये जा सकेंगे।

स्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वतः अभिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

पर्लंड सं० 506, जो, 5वी मंजिल, इमारत सं० 1, सुमेर दावसं'', लेन बेन, शेठ मोतीशा रोड, माक्षगांग, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुसूचीं जैसा कि कि के सं श्रई-1/1/37—

पीं० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी स**हामक** आयकर अत्युक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंअ-1, बम्ब**र्**ह

दिनांक : 5--8-1985

मोहर 🗓

प्रकल बार्च . टी. एन्., एक्.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निदेश सं० श्रई-1/37ईई/4977,84→85→अत: मुझे, पी० एन० दुबे,

अगयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ∠69-४ को अधीन सक्षम प्राधिकाणी को, यह विश्वास कारने के काएण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1 00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी सं० ध्राफिन सं० 33, जो, पहलीं मंजिल, तादेव एध्ररकंडिशण्ड ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित हैं और इनसे उपाबद्ध प्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),)और जिसान करारनामा ब्रायकर ब्रिधिनियम , 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है दिरीक 15-12-84

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्ययमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकत से अध्य है और अंतरक (अंतरकों) और बंदरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिकित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बायत, उक्त किपिनिकास के कथीन कार दोने को सम्सरक सें दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के निष्: करि/स।
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विविवयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना वाहिए था कियाने में सविधा से जिए:

डत: अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण कों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) झें अधीर निम्निलितित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीं हरगोविंद के० ठक्कर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विरेंद्र जी० भट्ट और कुमारी ग्राई० एच० जवेरी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूजन। बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्द इम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्त्वं नंभी व्यक्तियों पर स्वा की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकसों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी

स्मष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त -अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

श्राफिस सं० 33, जो, पहली मंजिल, ताडदेख एश्रर-कंडिशण्ड मार्केट, ताडदेख रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूचीं जैमा कि ऋ० सं० ऋई—1,37ऋईई,4961,84→ 85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-- रै 1984 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज⊶1, बम्बई

दिनांक ' 5-8-1985 मोहर प्रकर्प भार्ड, टी. एन. एस. -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 ग्रगरत 1985

निदेश मं० श्रई-1/37श्रईई/4864/84-85--अतः मुझे, पीं० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें किस पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्याल करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

क्योर जिसकों सं० श्राफिस सं० 30, जो, 8वी मंजिल, इमारत सं० 3, नवजीवन को०-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, लॉमस्टन रोड, बम्बई-के में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनु-सूचीं में और पूर्णक्ष से विणित हैं), और जिस्ता करारनामा श्रायकर अधितियम, 1961 की धारा 268 कल के श्रधींन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रीं है, दिनांक 7-12-84,

को पूर्वोक्स सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया क्रितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) श्रेसी किसी बाय या किसी धन या जन्य शास्तियों को, पिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोधनार्थ अस्तिरंती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता शाहिए था, स्थिपने में सुविधा के सिए;

अतः अय, उक्त वृधिनियम् को भाग 269-ग के अनुसारण को, मी, उक्त वृधिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) को बाधीन किस्ति विक व्यक्तियों. व्यक्ति ७(1) श्री सतीण कुमार एस० सोमानी और श्रीमती अमृना एस० सोमानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीं देवेन्द्र कुमार बादेरा।

(ब्रन्तरितीं)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा संधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्पर्वश्चीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्पी

श्राफिस सं० 30, जो, 8वी मंजिल, इमारत सं० 30, जनवजीवन को०श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, लिमंग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

श्रनुसूचीं जैसा कि कि सं श्रई । /3 7ईई/47 09/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बरबई द्वारा दिनांक 7-12-84 को रजिस्टर्ड शिया गया है

पीं० एन० **दुबे** नक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायक्ष श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-।, बम्ब**ई**

दिनां*नः* : 5-8-1985

मोहर 🎍

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आवकर आंयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंण-1, बम्बई बम्बई, दिनांकः 6 श्रगस्त 1985

निदेश मं० ऋई-1/3ईई/5190/84-85→-ऋतः मुझे, पीं० एन० दुबे,

आयक श्रापक भी भी नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 1, जो, पहली मंजिल, इमारत दीपक महल को०-आप० हाउनिंग सोसायटी लि०, प्लाट सं० 31, बंग्ली हिल रोड, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका कंगरनामा आयसर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख, के अबीन बम्बइ स्थित सक्षम प्राधिनारी के वार्यालय में रिश्स्ट्रीं है, दिनांक 28-12-84,

को पूर्वोकण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करवजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूज वह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके करवमान प्रतिफल से, ऐसे करवजान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण में हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर को के अंतरक के वायित्व के कभी करने या उससे बचने में त्विभा के लिए; गौर/या
- (क) एंसी किसी आंग या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-केर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पदमा के० लल्ला ।

(अन्तरक)

(2) श्रींमतीं महरूनिया मोहम्मद लोखण्डवाला। (श्ररान्ति।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबिध का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत के व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इत तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल के बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकी गे।

स्वव्धीकरण:—-इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियक, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-वित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पजैट सं० 16, जो, पहलीं मंजिल, "दीपक महल" इमाध्या, दीपक महल को०-श्राप० हाउधिंग मोसायटी लि०, प्लाट सं० 31 वर्ती हिल रोड, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुसूची कीं कां मं० श्रई-1/37-ईई/5028/84 85 और जी सक्षम प्राधिकारी, दम्बई द्वारा दिलांं 28-12-84 को रजिस्टई दिया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिशासी स**हायक भागकर भागुक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बर्ष

दिनांक : 6-8-1985

प्रका वाह्ं ही. एन, एस . -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नभीत सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंग-1, बस्बई

जबण्बई, दिनाक 6 अगस्त 1985

निदंश सं० श्रई-1/37ईई/5156/84-185---%तः मुझे. पीं० एन० दुवे,

जायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

जोर जिसकी सं० पर्लंट सं० 201, जो, दूसरी मंजिल, इमारत है, विशा बिना अनार्टमेंटस, श्राचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी, वस्बई— 15 में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्णकप में विश्वत है), और जिसा करारनामा श्रायदार अधिनियम 1961 की धारा 269 शख़ के श्रधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधि-कारी के नार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनां 28-12-84.

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्तित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, चिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

ल्यः त्रव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-न की अनुसरक तो, यो उक्त जिथिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) को जयीन, निस्तिविधिक व्यक्तिकों, अर्थाद का (1) श्री वसंत में ारजी माकाङा और रमेण में राग्जी माकाङा ।

(ग्रन्तरक्)

- (2) श्रीमती सफीयाबायी इस्माईल श्रागबोटवाला । (श्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरिती ।(वह व्यक्ति, जिनके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

कांयह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हो संबंध में कोई भी बाधांप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भे अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति व्वाय अपोहस्ताक्षरी के पाझ निकास में किए जा सकोंगे :

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषिष इं, वहीं अर्थं श्रोगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

फ्लैंट सं० 206, जो, दूनरीं मंजिल, इमारत सं० ई, विना बिना अपार्टमेंटस, श्राचार्य दोदे मार्ग, क्विरी, बम्बई— 15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-ा/37ईई/5029/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-12-84 को रजिस्टई किया गया है ।

> पीं० ए⊓० दुवे सक्षम प्राधिकारी सह।यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, बम्बई

दिन्छ : 6-8-1985

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-6, बम्बई

बम्बई, दिनांपः ६ श्रगस्त 1985

निदेश म० श्रई--1/37ईई/5065/84-85---अत मुझे, पीं० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकीं संव पर्लंड संव 806, जो, 8वी मंजिल, इमारत संव 1, मुमेर टावर्स, लव लेन, शेठ मोडौंशा रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है (और इससे उपाबक श्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से बिजत है), और जिसना करारनामा श्रायकर अधिनियम कीं 1961 कीं धारा 209 रुख के श्रधींन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीं है, दिनांक 20-12-84,

को पृबेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्नह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उत्रं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु—

(1) मेनर्स सुमेर एमासिएटस ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री पुष्पमनुमार मोह्नलाल अंबावत (मायन्तर)

(श्रन्तिनितीं)

(3) मेसर्म सुमेर एसोसिएटरा । (वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैट सं० 806, जो, 8वी मंजिल, इमारत सं० 1, "सुमेर टावर्स", लब छेत, शेठ मोतींगा रोड, माझगाव , बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमािक ऋ० सं० $\xi-1/37-\xi\xi/5055/84-85$ और जो सक्षम प्राधिकारीं, वम्ब ξ द्वारा दिनांक 20-12-84 को रिजस्टिं किया गया है ।

पीं० एउ० दुवे लक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 6-8-1985

भोहर 🚁

त्ररूप नाहाँ दी, एन . एत ु------

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक सायकर नावृक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 6 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/5115-84-85--- प्रतः मुझे पी० एन० दुबे

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- व के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 504, जी पर्ल हार्बेर, नुलसीं वाडीं, माझगाँव, बम्बई-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-12-1984

को पूर्वे विध संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफाल के लिए जन्ति कि गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वशापूर्वे कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से एसे दश्यमान प्रितिफल का बन्द्रह प्रितिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तिरती (अन्तिरितिशों) के बीच एसे बन्तरण के लिए सम पामा गया। प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेष ते उच्त जन्तरण निम्निलिख से वास्तरण में वास्तियक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की वाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के निष्णः और/बा
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य असित्यों को जिन्हों भारतीय अगवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए।

जतः जाज, उक्त गाँधनियम की भारा 269-ग के जनूसरण में मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क्रे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स बॉन्नो इन्टप्राइसेस।

(भ्रन्भरक)

(2) श्रो नजुमुदीन एफ० इलेक्ट्रीक वाला श्रीर श्री मुस्तानसिर एफ० इलेक्ट्रीकवाला । (श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वास्तेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध सोद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्थितियों में से किसी स्थिति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य क्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगें।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नमृत्यी

फ्लैट नं० 504, जो पर्ल हार्बर, तुलसीवाडी, माझगाँव बम्ब $\hat{\mathbf{z}}$ -10 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैंसा कि क्रम स० श्रई-1/37ईई/5114/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनौंक : 6-8-1985

प्रकल नाहें, दी, एत., एस्.

मानकर मामितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) में मुनीन सुमान

नारत सरकार

भार्यानय, सहायक वायकर बायकर (निर्द्रीकाण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बस्बई, दिनाँक 6 अगस्त 1985

निवेश मं० ग्रई-1/37ईई/5108/84-85--श्रतः मुझे, पी० एन० दुबे

न्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ह"

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 102, जो 1ली मंजिल, प्लाट दं० 58, स्किम नं० 60, एस० एस० वाघ मार्ग, नायगाँव, वस्त्रई-15 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के काय लिय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-12-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिकल के लिए सम्बर्गित की गई है और मुख्ये यह विश्वास करने व्या कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उनित बाजार मृत्य उनक क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और संतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्दर्शितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि कि विश्व के कि विश्व कि विश्व

- (क) अन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीभीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यादित्व में कमी करूने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एची किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उच्च अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया वाना वाहिए वा, क्रियाने में सुविधा के सिए;

अतः बतः, उक्त अभिनियमः, की भारा 269-न में अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्याभितमां, अधोत्:—— (1) में तर्भ सुगंधा बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो कोरागा एल० पै स्रोर श्रा पौडरंग के० पै।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना नारी करकं पूर्वीक्त संपृक्ति के वर्षन् के निए कार्यनाहियां करता हूं।

वका बन्दरिए में वर्तन के बन्दन्य में कोई' ही बार्कास्त्र-त

- (क) इत ज्या के एक्सम में प्रकाशन की तारीय सं 45 विन की अविध्या तत्संबंधी कवित्रयाँ पर ज्या की समील वे 30 विन की अविध्या भी स्वृद्धि कार्य के सकत्य होती हो, के नीतर पृवाँक्स व्यक्तियों ने वे किसी कवित्र बुदारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितमबूध किसी बन्म व्यक्तित ब्वारा, मधोहस्ताक्षरी के गास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

फ्लैट नं० 102, जो 1ली मंजिल, प्लाट नं० 58, स्किम नं० 60, एस० एम० बाघ मार्ग, नायगाँव, बम्बई—14 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-1/37ईई/5112/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौं π 28-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुब सक्षम प्राधारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-1, बम्बई

दिनाँक : 6-8-1985

THE RIE OF SE ..

कार्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्वन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेंज-1, बम्बर्ध

बम्बई, दिनाँक 6 श्रगस्त 1985

निदेश र्सं० प्रई-1/37ईई/5114/84-85---श्रतः मुझे पी० एन० दुब

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को कह किस्ताध करने का कारण है कि स्थावर संगीता, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस प्रिमायस तं० 114, मित्तल कोर्ट, बी विग, नरीमन पाईन्ट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीत्त 28-12-1984

ा पूर्वोक्त संपर्ति के उपित बाजार मृख्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त अन्यति का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिकास ते, एसे अव्यक्तन प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकात से विधिक है और अंतरक (अंवरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पावा गवा प्रतिक्त कल निम्नलिखित उद्वरेग से उच्य अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरम् ते हुई सिकी नाम की धावह, उनक निविद्य के वर्णीन् कर दोने के नक्तरक के सादित्य के क्यी कहने न उन्हें वर्ण में सुविधा के लिए: क्षडि/वा
- (वं) एसी किसी नाय या किसी थय या नायं नास्तिनों को, जिन्हें भारतीय नाय-कड़ निर्मानियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत निर्मानियम या थन्-कर निर्मानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजगाय जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नामा चाहिए था, ज्याने में सुनिधा के लिए:

भक्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अन्सरण में, में, उदत अधिनियम की धारा 269-ति की उपधारा (1) अं अधीर्य विम्नलिखित व्यक्तिकां, अधृति क्ष-

- (1) श्री रमनभाई एचे० पटेल ग्रीर गौतम ग्राप्टिन, (ग्रन्तरक)
- (2) पावरोका सेत्स एन्ड सर्विस प्रा० लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरकों।

(बह व्यक्ति जिसके <mark>घ्रधिभोग</mark> में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी वर्षी वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उच्च स्थावर संपत्ति में द्विसवर्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान सिवित में किए वा सकींगे।

स्वच्दिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाें का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया हैं।

भ्रनुसूची

श्राफिस प्रिमायसस नं० 114, मित्तल कोर्ट, की विंग, नरीमन पाईन्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-1/37ईई/511484-85 सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाँक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुर्बे सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बस्बई

विनौक : 6-8-1985

मोहर :

49-256GI/85

प्रक्षं, बाद^{*}, टी. एन. एस्. ४०००

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक वायकर वायकत (निर्धाश)

म्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 5 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/4896/84-85—श्रतः मुझे पी० एन० दुबे

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ह्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्राफिस नं० 209, जो, 2री मंजिल, "तुलसीयानी चेंबर्स", नरीमन पाँन्ट, बम्बई-21 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिस्थि में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया बसा है —

- (क) अन्तरण सं क्ष्मुं किसी भाग की वास्त, जलत अभिनियम के अभीन कर दोने के अभारक के वासित्य में कीमी करने या उससे अचने में सुनिश्रा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इतारा प्रकट हिंदि किया गया था या किया जाना काहिए था। स्थिपाने उपाधिधा के लिए:

बतः अब, उक्त श्रीभनियम की धारा 269-ग के बन्सरण को. मी. उक्त श्रीभनिवम की धारा 269-भ की उपभोदा (1) के अधील निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हम्म

- (1) श्रो राधाक्तिशन वेइमल मंघनानी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमता रेण्मा ग्रार० दरयनानी। (भ्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तिगतो । (बह व्यक्ति जिसके श्रधिभाग में सम्पति है) ।

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वस्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सब्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के भास निर्धित में किए वा सकती।

स्वध्यक्तिकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20 क म परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

भ्राफील न० 209, जो, 2री मंजिल, "तूलसीयानी चेंबर्स" नरीमन पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्र ξ -1/37 ξ ξ /48968/84-85 श्रीर जो अक्षम प्राधिकारी, बम्ब ξ द्वारा दिनौंक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

र्गा० एन० दुबे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)
स्रजन रेंज-1, बस्बई

दिनांक : 5-8-1985

मोहर 🛚

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रगस्त 1985निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/5116/84-85—श्रतः मुझे पी० एन० दुवे

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 505, जो पर्व हार्बर तुलसं/वाडी, मासगांव, बम्बई-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच/ में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिंग है) श्रीर जिसका करारानामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 का धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यक्य में रजिस्ट्रा है, तारीख

28-12-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उण्यात बाजार मूल्य से काम के काजमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह दिश्वास करने का कारण है

ंक यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके अस्यमान प्रतिफल से, एसे अस्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिमत से अधिक हैं और वंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिसित उक्षेप से उन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से कथित नहरें कमा गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुं किसी आय की बाबत, उबस अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उत्तसे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या जन्म जास्सिमों कां, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, भ्रिपाने में सूत्रिभा के लिख;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निकासिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) मेसर्स बान्नी इन्टरप्राईसेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मदी एफ० इलेक्ट्रीकवाला, भ्रोर श्री कुतबुदीन एफ० इलेक्ट्रीकवाला।

(ग्रन्तरिती)

नक्षेत्र अञ्चल जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन को लिख् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपर्धि के अर्थन के तंबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्पित्तयों पर सुभना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्स्ची

पर्लंट नं० 505, जो पर्ल हार्बर, तुलसीवाडी माभगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुसुची जैमा कि क्रम सं० श्र ξ -1/37 ξ ξ /5115/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब ξ द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ℓ

पी० एम० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज--1, बम्ब**र्ड**

दिनांकः : 6-8-1985

वारकार विभिन्नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्वता

नारत चरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षक)

भ्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 ग्रगस्त 1985

निदेश मं० श्रई--1/37ईई/5180/84--85---श्रतः मुझे पी० एन० दुबे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इस्में इसके पश्चार 'उकत मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० वन हाफ, एन डिवायडेड इन पलेट नं० 101, इ विग, सिमला हाउस, लेड, जगमोहनदास मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुस्बं। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अर्धन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार्ग के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारी ब 28-12-84 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के खबमान शितकत के निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके द्वयमान प्रतिकत के पित ब्रायक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके द्वयमान प्रतिकत के पित ब्रायक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके द्वयमान प्रतिकत के पित ब्रायक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पामा गया प्रतिकत , निम्निकांवत उद्वयम से उसत बन्तरण सिवित में बास्त- विक रूप से क्रीयत बहाँ किया वसा है:----

- (क) जनारक वे हुई किसीं जान की वाबसा, अन्य जिमित्रक के अधीन कर बोने के अन्यरक की व्यक्तिक में सभी करने वा वसको वसने में सुनिधा के लिए; जॉर/मा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना चाहिए था खियाने में स्विभा के लिए;

ब्रुक्त, ब्रुब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व भी अनुस्थक कं् में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अभीत, निम्नीसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्रो चंपकलाल मफ़तलाल शहा।

(श्रन्तरक)

- (2) श्रीमती कलावती कातीलाल गहा । (ग्रन्नरिती)
- (3) श्री मुकेश के० शहा । (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्क संपृतिक के वर्षण के संबंध में कोई भी जाओए :----

- (क) इत ज्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 3.0 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (व) इस सूजना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिचित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्योक्ता, को उसत विभिन्निम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं , अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

वन हाफअन डियायडेड शेग्रर इन फ्लट नं० 101, इ विंग, सिमला हाउस, लेडी जगमोहन दाम मार्ग, वस्वई-36 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-1-37ईई/5140/ 84-85 भ्रौर जो सक्षम प्रािकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-12-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> पं:० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 6-8-1985

माहर 🕸

क्ष्म बार्स् दरी एन एस. ------

नायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43),की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक शायुक्त (निद्धीसण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ए० श्राप्त० -1/37 ईई०/5158/84-85--अत: मुझे, पी० एन० दुबे

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें परभात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, विसका जवित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 23 है तथा जो 4थी मंजिल, गिरी छाया, दादी शेठ रोड, चौपाटी बस स्टैण्ड, बभ्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कवा के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 28-12-84

को पूर्वेक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वसमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त बन्दरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया यथा है ---

- (क) जन्तरण से हुन्दें किसी जाय की बाबत उपक अधिनित्तम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कभी करने वा उड़के बचने में सुविधा के डिक्ट; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आब-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अभिनियम, या भनकार विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के अयोध-नार्थ करतिरती ब्वाच प्रकट नहीं किया नया था ना किया थाना चाहिए का कियाने में धृविभन के निक्या

बतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जमुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित् व्यक्तित्यों, अधीत् ⊯—

- (1) श्रामता विमला बेन चन्दूलाल भावसार । (अन्तरक)
- (2) श्री किरीट कुमार मथुरा दास मुछाला ग्रीर गोता किरीट कुमार मुछाला। (ग्रन्सरितो)
- (3) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के तिय कार्यनाहियां सूक्त करला हो।

बनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर तक ल्यावर सम्पत्ति में हिराबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के पार्क जिस्ति में किए जा स्केंगे।

ह्मब्दिकिरणः----इसमा प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उन्न अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं० 23 है तथा जो 4थीं मंजिल, गिरी छाया, दादी घोट रोड, खौपाटी बस स्टैण्ड, बम्बई-6 में स्थित है ।

श्रानुसूचों जैमा कि क्रम मं० श्रई०-1/37 ईई०/5025/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-12-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पो० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 6-8-1985

म्हिर 🤢

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज--1, बम्बई बम्बई, धिनांक 6 ग्रगस्त 1985 .

निदेश सं० श्रार्ह०--1/37 ईई०/5105/84-85---श्रतः मुक्को, पं१० एन० दुवे

वायकर अधिनियम 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ४ जा आप०, जो 23 वीं मीजिल, मोन्ट ब्लैंग श्रपार्टमेंट, दावाणेट हिल, बम्बई में स्थित है (आर इससे उपावड अनुसूचा में और पूर्ण रूप स विणित है), श्रार जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 का धारा 269 केख के श्रिधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 28-12-84

को पूर्विक्स संस्पीत के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के । लए अहिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपीत्त का उचित बाजार मुल्य, उसक इस्थमान प्रतिफल से, एांसे इस्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अत्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निश्निलिखत उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक क्ष्य से क्षित नहीं किया गया है ं—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिधा के लिए।

अतः अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उस्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अभीन, निम्हिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- माउन्ट ब्लैंक प्रापर्टी एण्ड इण्डस्ट्रांज प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) रचना बेनेफिणें परी ट्रस्ट, पंकज बेनेफिसरीज ट्रस्ट, ग्रीर पूजा बेनेफिसरीज ट्रस्ट ।

(ग्रनारिती)

कां यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टींकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 4 बी ब्रार०, 23 वी मंजिल, मोन्ट ब्लैक ब्रापार्टमेंट, दादी णोट हिल, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-1/37 ईई०/5022/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 28-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> पाठ एनठ दुबे सक्षम प्राधि हारी तहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 6-8-1985

माहर ः

प्रका नाह'. डी. एन एस. -----

भावकर वाँधानयम, 1961 (1961 का 43) की कास 269-व (1) के वधीन स्वता

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 श्रगस्त 1985 निदेश सं० श्राई०-1/37 ईई०/4909/84-95—श्रत: मुझे, पी० एन० दुबे

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कर्त धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 4 बी ग्रार० जो 21वी मंजिल, मोन्ट ब्लैक ग्रपार्टमेट, दादी शेठ हिल, बम्बई-6 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूए से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 268 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अविण्य के विण्य सकति व जी गर्री हो और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एके दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के यीच एसे अन्तरण हो निए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशके से उसत अन्तरण निकास में वास्तिक रूप से किथा नहा किया गया की

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म क्सों अरमेदा देश वर्ष में स्वीवस के लिए और/सा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के खिए;

अत अब, रक्त लीधी नयम का तार, 269-ग के अन्यरण में, मैं, उक्त अधिरियम की धारा 269-च की उपधारा '1' के जथीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मोन्ट ब्लैक प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रामरती देवी महानसारिया श्रीर संदीप कुमार महानसिरया, श्री ज्याम सुन्दर महानसिरया (एच० यू० एफ०) श्री बनवारी लाल महानसिरया, श्री प्रतीप कुमार महानसिरीया, श्रीर गणेश महानसिरया।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जागी करके उद्योजन संबंधित के जर्मन की लए

उक्त सम्मित के अर्बाद के मंबंध में कोई' भी आसीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचवा की शाबील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाब औं समान्त हाती हो, के भीतर प्रकेषत लाकितयों में से किसी स्वक्षित प्रकास
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी की सस निवित में किए वा सकेंगे।

स्थानिकरण क्रम्बा प्रमन्त क्रम्बा सीर पदा कर, जो स्थान अधिनियम के अध्याय 20-क में मधा परिभाविक है बहा अर्थ होगा, जो उस क्रथाय में दिका गण है।

श्रमसची

फ्लैट नं० 4 बी० ग्रार०, 21वीं मंजिल, मोन्ट ब्लैक ग्रपार्टमेंट, दादी शेठ हिल, बम्बई-36 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-1/37 ईई०/4913/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-

12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-8-1985

प्ररूप आई टी.एम एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1. बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रगस्त 1985

निदेश मं० भ्राई०-1/37 ईई०/3034/84-85--- भ्रतः मुझे, पी० एन० दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सध्यक्ति, जिसका उचित बाजार सस्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 6 जो तल माला, नवयुग इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, ठाकरसी जिवराज रोड, सिवरी (प) बम्बर्ड मे स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रौर जिसको करारनामा भ्रायकर भ्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के फ्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15-12-84 को पूर्वेक्ति रम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास क रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य., उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) मौर अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिक्ति उद्दर्शय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है:----

- (क) बन्तरम चे हुइ किसी नाव की नावत, अभिनियम के सभीन कर देने के बनारक की दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अपन या किसी धन या बन्य अस्तिवाँ को, चिन्हें भारतीय नाय-कार निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) 🖣 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा गोधभाकी सिद्ध,

क्षप: अजः, संकत अधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क्षे बधीत, निस्तिसिंखित व्यक्तियों, वर्षाय 🌤

(1) मैं सर्स श्री गणेश भ्रायल मिल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कर्माणयल एस० सूर।

(श्रन्तरिती)

(3) मैसर्स नवयुग त्रिल्डर्स ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी अपरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के सिए कार्यवाद्यिमं बुक्त करता हु ।

जनत सन्तरित के नर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिष, जा भी न बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंचे।

ल्पच्यीकरणः--इसमें प्रयुक्त सन्यों भौर पदों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ध होगा, जो उस वभ्याय में दिया नया है।

अनुसूची

युनिट नं० 6, जो तल माला नवयुगइण्डस्ट्रीयल इस्टेट, ठाकरसी जीवराज रोड, सिवरी (प), बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० भ्राई० – 1/37 ईई० /4994/ 84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 15-12-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 6-8-1985

माहर :

प्रकृप भार्षः ही ् एन , एस , -----

आयकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

नारंप सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 6 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्राई०-1/37 ईई0/4963/84-85—ग्रतः मुझे पी० एन० दुबे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 4/28-ए, जो पार्क को० भ्रापरेटिव सायन, बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में श्रौर रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारीके कार्यालय, बम्बई में श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है तारीख 15-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दत्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियारें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा बक्त बिभिनियम, या धनकर बिभिनियम, या धनकर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा अकट नहीं किया बया वा किया बाना चाहिए था, कियाने में मुनिभा के सिए;

बत: बब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की बन्तरण में में जक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन नियमिलिखित व्यक्तियों, अभित् क्ष-50-256GI/85 (1) श्री एन० सी० किरन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एन० सी० सिथादेवी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्मा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधीनयम, के वश्याव 20-क में परिभाषित है, वही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में थिया प्याहाँ।

अन्यूचा

फ्लैंट नं० 4/29-ए, जो पार्क व्यू को० श्रापरेटिय सोमाइटी लि०, सायन बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम स० श्राई०-1/37 ईई०/5009/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 6-8-1985

माहर:

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज-।, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 भगस्त 1985

निदेश सं अर्ध-1/37ईई-4924/84-85--म्रतः सुझे, पी ० एन ० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें श्रमकें परभारत् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैट सं० 124, जो, इमारत, सं० 1, दूसरी मंजिल, न्यू सिंध मेवा समिति को०-शाप० हाउसिंग सोसायटी लि०, फर्लैन्फ रोड, वस्वई-37 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध सन्सूची में श्रीर पूण रूप में बिंगत ई), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम , 1961 की धारा 2609 कख के श्रधीन बस्धई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाँक 10-12-84;

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स्रो कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास एने का कारण है

कि यथा पूर्विक्त सम्पिति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एेस दृश्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से अधिक हैं भीर अंतरित (अंतरितयों) के भीप एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित कहों किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण ■, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीयः, जिस्तिविक्षम व्यक्तियों, अभितः :— (1) श्री रामचन्द्र होतचन्द्र लल्ला और श्रीमती मिता रामचन्द्र लल्ला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रार० के० रामचन्द ।

(ग्रन्तिरती)

(3) ब्रार० के० रामचन्द । (वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्वाध, जरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बक्ध किसी व्यक्ति क्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची 🚦

प्लैंट सं० 124, जो, इमारत सं० 1, दूसरी मंजिल, न्यू मंजिल, न्यू सिंध सेवा समिति को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, फर्मैन्क रोड, बम्बई-37 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/5066/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनाँक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज–1. बस्बई

दिनौंक : 6-8-1985

प्रकप मार्चः टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 **वा 43) व्यौ** भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यातय. सहायक वायकर वायुक्त (निद्धीक्षण)

ध्रजन रेज-i, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 6 ग्रगम्त 1985 निवेश सं० श्रई-॥/37-ईई/4927/8;85--श्रत सुझे, पी० एन० दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पणि, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. स अधिक है

ग्रीर जियकी स० फ्लैंट स० 206, जो, दूनरी मजिल, इमारत स० 1, "मुमेर टावस", लव लेन, शठ मोतीशा रोड, माझगाँव, बम्बई—10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारतामा श्रायकर ग्रिधिनियम की 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजेस्ट्री है, दिनाँक 10-12-1984,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का अद्रह प्रतिक्षत स आधक है और अत्तरक (अत्रक्ते) और संतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्सरण के लिए एस पावा गया प्रतिफल का निम्निलिसित उद्देश्य स उक्त अत्रण लिखित में वास्तिक क्ष्म से किथा नहीं किया वया है .---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में एकिथा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी अग्य या विसी धन या अन्य जास्तियः। का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दिज्याने में सुविधः। के सिए;

भतः वयः, उक्त विधिनियमं की धारः 269-ग कै बनुसरण भो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बुधीन्, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) मेसर्स सुमेर एसोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) शहा धनराज भायुतमलजी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) बिल्डर ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए जा सर्कोंगे।

प्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा कै।

अनुसूची

फ्लैंट स० 206, जो, दूसरी मजिल, इमारत स० 1, "सुमेर टावर्स", लब लेन, शठ मोतीशा रोड, माझगाँव, बम्बर्श-10 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-1/37ईई/5069/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 10-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे लक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनौक · 6-8-1985

प्रचल बार्च . हो . एव . एव . -------

भारत सरकार

भायकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के मधीन सुवना

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निस्रीक्षण) अजन रेंज-1 बस्वर्ड

बम्बई, दिनाँक 6 भगस्त 1985

निवेश सं० ग्रई-1/37/ईई/5109/84-85--ग्रतः मुझे, पी० एन० दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसको स० फ्लैट सं० 14, जो, दूसरी मंजिल, पिटर मार्केल इमारत, फायनल प्लाट सं० 941-ए भौर 941, टी० पी० एस० 4 (माहिम विभाग), प्रभादेवी, बस्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूणरूप से विण्त है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनाँक 28-12-84,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एवरमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एवरमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुंड किसी आय की बाबत, उम्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् ः— (1) मेसर्स काझीहोम बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गणेश दयाराम राजाध्यक्ष ग्रौर श्रीमती उषा गणेश राजाध्यक्ष ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट सं० 14, जो, दूसरी मंजिल, पिटर मार्केल इमारत, फायनल प्लाट सं० 941-ए श्रीर 941, टी० पी० एस० 4 (मिह्नम विभाग), प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं धर्ध-1/37-ईई/5109/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 28-12-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज–1, बस्बई

दिनाँक : 6-8-1985

प्रकप बार्ड . दी . इन . एस . ------

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज,पूना

पूना, विनांक 29 अगस्त 1985

निर्वेश सं० 37-जी/1125/84-85---यतः मुझे, अनिल कुमार,

बायैकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधी- तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्ष्मरण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- ं. से अधिक हैं

श्लौर जिसकी सं० सर्वे नं० 728 (1 से 5) प्लाट नं० 62 नासिक, त्रीम्बक रोड़, नामिक है, था जो नासिक में स्थित हैं (श्लौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्लौर पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामिक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पृषंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृषंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक े और अंतरिक (अंतरिको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि सित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के डाधित्व मा कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जोर/या
- (क्क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अक्ष, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मैं, रातत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमति कलावसी मन्दलाल केला नन्दादीप, नासिक रोड़, जिला मासिक

(अन्तरक)

2. श्रीमति कीर्ति ई० आर० पारिख 8 सुमती कोआपरेटिव हासिंग सोसायटी नासिक जिला-नासिक

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिए की बन्धि, वांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 46 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

जैसा कि स्ट्रिकिस कि॰ 37-जी/1125/84-85 जो अप्रैल, 85 को सब रजिस्ट्रार मासिक के आफिस में वाखिल किया गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सद्भायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूमा

तारीख: 29-8-1985

मोहर:

SUPREME COURT OF INDIA

No. F.14/85-SCA(I)

New Delhi, the 19th September 1985

The following is published for general information .-

In exercise of the powers conferred by Article 146 of the Constitution of India, the Hon'ble the Chief Justice of India hereby makes the following amendments to the Supreme Court Officers and Servants (Conditions of Service and Conduct) Rules, 1961, namely:—

I. For the existing rule 7, the following shall be substituted:

Rule 7. Probation (1) Every person appointed to a post by direct recruitment shall be on probation for a period of two years;

(ii) Every person of the Court appointed to a post by promotion shall be on probation for a period of one year:

Provided that the period of probation may, in the case of any particular person, be extended or reduced by order of the authority competent under rule 6 to make appointment to the post for the time being held by each person.

Explanation

If a Court servant competes with outsiders pursuant to a general advertisement and is appointed to the post he shall for the purpose of probation, be deemed to have been appointed by direct recruiment and shall be on probation for a period of two years.

II. In set the following as rule 24 A below rule 24 of the Supreme Court Officers and Servants (Conditions of Service & Conduct) Rules, 1961:

Rule 24 A. Consumption of intoxicating drinks and drugs.

- A Court Servant shall:
 - (a) Strictly abide by any law relating to intoxicating drinks or drugs in force in any area in which he may happen to be for the time being;
 - (b) not be under the influence of any intoxicating drink or drug during the course of his duty and shall also take due care that the performance of his duties at any time is not affected in any way by the influence of such drink or drug;
 - (bb) refrain from consuming any intoxicating drink or drug in a public place;
 - (c) not appear in a public place in a state of intoxication;
 - (d) not use only intoxicating drink or drug to excess.

Explanation :-

For the purpose of this rule 'public place' means any place or premises (including a conveyance) to which the public have, or are permited to have, access whether on payment or otherwise.

H. S. MUNJRAL Joint Registrar (Admn. J).

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110 003, the 3rd September 1985

No. 18|8|85-Adm. II.—Shri C. V. Sudhakara Rao, an Inspector from Andhra Pradesh Police, is appointed as Deputy Supdt. of Police (Instructor) on deputation in the Central Detective Training School, Hyderabad with effect from 1st June, 1985 (AN) for a period of one year in the first instance.

No. 18/13/85-Adm. II.—Shri B. Vasudeva Reddy an Inspector of Police in the Anti-Corruption Bureau, A.P. Hyderabad is appointed as Dy. S.P. (Instructor) on deputation in Central Detective Training School, Hyderabad with effect from 27-6-85 (FN) for a period of one year in the first instance.

S. K. MALLIK Director General MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING

ADMINISTRATIVE REFORMS AND PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delni-110 003, the 2nd September 1985

No. S|t|/3|AD. V.-.On his repatriation from Central Bank of India|Chandigarh Shri S. K. Bhatnagar, Dy. Supdt. of Police|CBI joined CBI in the same capacity in the forenoon of 16th July, 1985.

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

The 3rd September 1985

No. 1-27[81-CFSL]7326.—In continuation of notification No. 1-27[81-CFSL] dt. 14-5-54 the President is pleased to appoint Dr. S. K. Lahri, Senior Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, CBI, New Delhi as Senior Scientific Officer (Gr. II), (Lie-Detector) in the Central Forensic Science Laboratory, CBI, New Delhi w.e.f. 1-7-84 (FN) on ad the basis for a further period upto 30-9-1985 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E), C.B.I.|New Delhi

DRM CHORATE GENERAL, CRPF

New Delh-110003, the 30th August 1985

No. O. II-925/72-Esti(URPF).—The Government of India have accepted resignation of Shii Sunii Kapoor, Assistant Commandant, CRIF with effect from 29-9-1984. Accordingly, the officer is stuck off from the strength of the force with effect from the forceoon of 29-9-1984.

No. D. I-13/85-Estt-I.—The services of Shri J. P. Dube, Commandant, 27th Bu. CRPF are placed at the disposal of Lok Sabha Secretariat, New Delhi on his appointment as Watch and Ward Officer on deputation basis with effect from 25-7-1985 (AN).

No. D. I-22|85-Esti t-Vol.II. The services of the following officers are placed at the disposal of S.P.G. (Cabinet Secretariat), Government of India, New Delhi on deputation basis from the dates as noted against each:—

- Shri T. S. Sethuraman, Asstt. Comdt. GC, CRPF, Avadi—29-7-85 (AN).
- Shri Antony Tharakan, Asstt. Comdt, 62 Bn, CRPF.— 31-7-85 (AN).
- Shri N. P. Singn, Jr. Asstt. Director (General), Dte. Genl., CRPF, New Delhi.—31-7-85 (AN).
- Shri A, K. Tyagi, Dy. S. P., GC. CRPF. Bantalab— 10-8-85 (AN).

No. O. II-2006[85-Fst.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. S. Sidhartha Rao as J.M.O. in CRPF with effect from 6-6-85 (FN) on all hoc basis for a period of three months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 2nd September 1985

No. O. U-1466 80-Fstt(CRPF).—Consequent upon his appointment by Directo, General, C.I.S.F., Shri D. M. Misra, IPS (Oriesa: 1952) handed over charge of IGP (HQrs) CRPF as well as additional charge of DG, CRPF on 31-8-85 (FN).

2. Shri O. P. Bhutani. IPS. (U.P.: 1952), Director General, I.T.B.P., took over additional charge of Director General, CRPF on 31-8-85 (FN).

The 4th September 1985

No. F. 8/3/85-Lstt(CRII).—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. S. N. Jayaprakash, GDO, Grade-I (Assistant Commandant) in the CRPF with effect from the afternoon of 31st August, 1985.

No. O II-2046|85-Estt—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. V. P. Narang as J.M.O. in the CRPF on ad hoc basis with effect from 21-8-85 (FN) for a period of three months of till the recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 3rd September 1985

'No. E-16013(1)|6|83-Pers. I.—Consequent upon his repatration to State Cadre, Shri M. K. Raju,. IPS (UP: 65) relinquished charge of the post of Deputy Inspector General (Prov.) CISF HQrs., New Delhi with effect from the afternoon of 31st August 1985.

Sd. ILLEGIBLE Director General

MINISTRY OF FINANCE

and desired a second second section of the second section of the second section sectin

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas (M.P.), the 4th September 1985

F. No. BNP|C|57|85.—Shri B. R. Choudhary, Section Officer of the Office of the Accountant General (Audit) I, Madhya Piadesh Gwalior, is appointed on deputation as Administrative Officer in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 28-8-85 (F.N.) to 27-8-86 (A.N.).

M. V. CHAR General Manager

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTPAL REVENUES-I.

New Delhi, the 6th September 1985

No. Admn. I/O.O. No. 239.—Consequent on his attaining, the age of superannuation, Shri S. K. Jain, a permanent Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 30th September, 1985. His date of birth is 8th September, 1927.

No. Admn. I/O.O. No. 240—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri D. P. Devgun, a Permanent Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 30th September, 1985. His date of birth is 20th September, 1927.

M. L. KHURANA Dv. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderahad the 5th September 1985

No Admn. II8 132185-86188.—Shri S. Paramasivan, Shri T. S Devaraian and Shri P. Kotaswara Rao, I, Audit Officers, Office of the Accountant General (Audit), Andhra Pradesh,

Hyderabad retired from service on the (A.N.) of 31-8-1985.

No. Admn. 1/8-132/85-86/86-87—The Accountant General (Audit)-I, Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the following Assistant Audit Officers to officiate as "Audit Officers' in the Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against their names, until further orders.

Name Date of assu of charge					tion	
S/Shri.						
1. B. Ramabrahmam				30-8-1985	F.	N.
2. N.P.B.L. Sarma .				30-8-1985	F.	N.
3. B. Srirama Murthy				30-8-1985	A.	N.
4. K. Rammohan Rao-I				29-8-1985	A.	N.

The promotions ordered above are without prejudice to the claims of their Seniors, if any and also subject to the result of the writ petitions pending in the A. P. High Court/ Supreme Court. They should exercise the option within one month of their date of promotion in terms of the Govt. of India O.M. No. F. 7/1/80-Estt. (Pt. I), dt. 26-9-81.

Sd. ILLEGIBLE Senior Deputy Accountant General (Administration)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I, MAHARASHTRA Bombay-20, the 28th August 1985

No. Admn I/Audit/Genl/AAO/2(1)/7—The Accountan General (Audit) I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoin the following Section Officers to officiate as Assistant Aud Officers (Group-B-Gazetted), with effect from the dates men tioned against their names, until further orders:—

Sr. No.	Name		Date of appointment as A.A.O.			nt	
1. Shri C.K	. Padmanabh	n	•		10-6-1985	F.	N.
2. Shri S. S	. Menon .				16-5-1985	F.	N.
3. Shri D.	M. Dhapre				16-5-1985	F.	N.

The 29th August 1985

No. Admn I/Audit/Genl /AO/1(1)/8—The Accountant General (Audit) I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers with effect from the dates mentioned against their names, until further orders:—

Sr. No.	· N ·mc	Date of appointment as A. O.			ent	
1. Shri	N.D. Pandit .			2-8-1985	Α.	N.
2. Shri	V. N. Norgundkar			2-8-1985	F.	N.
3. Shri	B. R. Datar .			2-8-1985	F.	N.
4. Shri	S. D. Kulkarni			5-8-1985	F.	N.

The 3rd September 1985

No. Admn. I|Audit|Genl|AAO|2(1)|9.—In partial modification of this office Notification No. Admn. I|Audit|Genl|AAO|2(1)|9 dated 14-1-1985. it is notified that Shri Y. R. Rangari, whose name appears at Sr. No. 2, has been appointed to officiate as Assistant Audit Officer in the Office of the Accountant General (Audit) I, Maharashtra, Bombay, on 24-7-1984 (Forenoon). until further orders.

P. K. RAMACHANDRAN Senior Deputy Accountant General (Administration)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

DEFENCE SERVICES

New Delhi The 6th September 1985

No. 2555/A-Admn/130/82-85—The Director of Audit Defence Services is pleased to appoint the under-mentioned officiating Assit. Audit Officers to officiate as Audit Officers, until further orders, from the date noted against each:—

Sl. No.	Name & Designation	Office in which appointed	Date from which appointed	
S/Sh	ri			
1. 5	S.S. Gupta A.A.O.	. Jt. DADS (Air Force) Dehra Dun	31-7-85	
2 . J	P.C. Mitra A.A.O.	. Jt. DADS (EC) Patna	19-8-85	
3.]	D. N. Pant, A.A.O.	. DY. DADS (NC)	31-7-85	
4.]	K.A. Divasia A.A.O.	Jt. DADS (SC) Pune	22-7-85	
5. I	K. Sethumadhavan A.A	.O. Jt. DA (OF) Kanpur	22-7-85	
		BS TILE	I. It Director	

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 2nd September 1985

No. AN-I/1183/1/I—Reference this Department's notification No. AN-I/1183/1/I dated 16-6-83 regarding continuation of Accounts Officers to officiate in the Junior Time Scale (scale Rs. 700-1300) of the regular cade of the Indian Defence Accounts Service, on adhoc basis for further Period noted against each, and subsequently allowed to do so till their date of retirement. The President is now pleased to appoint the undermentioned Accounts Officers to officiate in the above scale of the aforesaid Service on a regular basis with effect from the dates shown against their names:—

Sl. Name of the Officers		 -	ar	Date of
S/Shri		 		
1. S. BHAGEERATHAN				28-1-85
2. L.D. GAMBHIR .				28-1-85
3. K.L. MAKIN .				28-1-85
4. MANMOHAN SINGH			,	28-1-85

No. AN-I/1419/4/Vol. I—The following officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from the dates shown against each:—

SI Name No.				Date of confirma- tion
1. Kum S. Veena	Panicker		~~	01-9-84
2. Shri Umang M	ohan			01-9-84
3. Kum. Madhuli	ka Prasad			01-9-84
4. Shri Dinesh Cl	andra Singh	Negi		13-12-84
5. Shri T. S. Krip	anidhi .			01-9-84
6. Smt. Sanhita k	ar			01-9-84
7. Shri Devondra	Kumar Sha:	rma		04-1-85
8, Shri Gur Saroe	p Sood			31-12-84
9. Shri Prashant !	Narain Suku	1.		03-12-84
10. Shri P. C. Biak	siama .			01-9-84
11. Shri W. L. Hai	gshing .			18-12-84

A. K. GHOSH Additional Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 2nd September 1985

No. 31|G|85.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri P. S. Narayanaswamy, Offg. WM (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 30th June 1985 (A.N.).

The 3rd September 1985

No. 32|G|85.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri B. B. Ghose, DDGOF Level-I retired from service w.e.f. 31st Aug., 1985 (A.N.).

V. K. MEHTA DDGOF Est.

MINISTRY OF COMMERCE & SUPPLY

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi-110011, the 28th August 1985

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6|1178|77-Admn(G)|314.—On attaining the age of superannuation, Shri D. S. Mongia, Assistant Chief Controller of Imports and Exports in the office of Joint Chief Controller of Imports and Exports (Central Licensing Area), New Delhi has retired from Government service with effect from the afternoon of 31-7-1985.

Dy, Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

(DEPTT. OF COMMERCE) DEVELOPMENT COMMISSIONER KANDLA FREE TRADE ZONE

Gandhidham-370 230, the 29th August 1985

No. FTZ|Admn|7|2|79|13980.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham-Kutch, hereby appoints Shri T. S. A. Pillai, Appraiser, Madras Custom House, Madras, as Appraiser, Kandla Free Trade Zone on usual deputation terms in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10(24)60.E.III dated the 4th May, 1961 as amended from the time to time in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200|- with effect from forenoon of 20-8-1985 for a period of one year in the first instance.

T. C. A. RANGADURAL Development Commissioner,

DEPARTMENT OF TEXTILES OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 29th August 1985

No. FST. 1-37(9)|65|3563.—The President is pleased to appoint with effect from the 22nd of May 1985 and until further order Shi V. B. Verma, an ad hoc Adviser (Cotton) in the Office of the Textile Commissioner, as regular Senior Enforcement Officer on transfer from the category of Director (NT) in the same office.

S. RAMAMOORTHE Textile Commissioner

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES) DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS & FATS

New Delhi-110 003, the 29th August 1985

No. A-11013|1|79-Estt.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated 23rd February, 1985, the appointment of Shri P. S. Rawa. Officiating S.n or Hindi Translator in the Department of Civil Supplies, as Assistant Director (Official Language) is further continued in the Directorate of Vana pati, Vagetable Oils & Fats in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200|- on purely temporary and ad hoc basis with effect from 1-1-1985 (FN) to 31-8-1985 (AN).

K. M. SAHNI Chief Director

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 28th August 1985

No. 12(452) 64-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri B. S. Lall, Asstt. Director (Gr. I) (M taillurgy) at Extension Centre, Baiala under Small Industries Service Institute, Indhiana to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31-7-1985.

The 2nd September 1985

No. 12(212)|61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri J N Bhakta. Director (Gr. I) (M-tallurgy in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30-6-1985.

The 3rd September 1985

No. A-19018(177) 75-Admn.(G).—The President regrets to announce the d ath of Shri P. C. Bansal, Asstt. Director (Gr. I) (Mechanical) in Small Industry Development Organisation on 13-5-1985.

C C. POY Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL, MINES & COAL DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 3rd S ptember 1985

No. EI-12(69)|85(.).—On attaining the age of superannuation, Shri P. I. Mondal, Assistant Iron & Steel Controller has relinquished charge of the post w.e.f. 31-8-1985 (AN).

S. K. SINHA. Dy. Iron & Steel Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA KHAN VIBHAG

Calcutta-700 016, the 4th September 1985

No. 8906B|A-19012(1-DP)|84-19A.—Shri D. Purushathaman is appointed by the Director General as an Assistant 51—256 GI|85

Geologist in the Geological Survey of India on initial pay of Rs. 650]- per month in the scale of ray of Rs. 650 30—740—35—810--LB-35—880-40—1000—EB —40—1 00]- in an officiating capacity with effect from the forenoun of 17-6-1985 until further orders.

No. 8881B|A-320°3(AO)|85|19A.—The following Superintendents. Geological Surv y of India have been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200|- in a temporary capacity with effect from the date shown against, each until further orders.

Date of appointment

- J. Sri Indrajit Ram-16-7-1985 (FN).
- 2. Sri Chandrabali Prasad-16-7-1985 (F.N.).

A. KUSHARI Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 4th September 1985

No. A-19011(27)|84|Estt.A.|PP.—On his retirement after attaining the ag of superannua ion the U. N. Sarkar, Chief Mining Geologist (ad hoc bass) is relieved of his duties in the Indian Buteau of Mines with effect from the forenoon of 1st September, 1985 and accordance his name has been struck off the strength of establishment of the Department

P. P. WADHI Administrative (fficer for Controller General Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 30th August 1985

No. A. 19012(214)|85-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. V. Ramanan, Senior Technical Assistant (Ge.), Indian Bureau of Mires has been promoted to efficiate in he post of Assistant Miring Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 14th August, 1985, until further orders.

G. C. SHARMA Asstt, Administrativ Officer Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL ALL: INDIA RADIO New Delhi, the 26th August 1985

No. 1/9/35-SII—The Directorate Gener I All India Radio is sole sed to propint the following Head Clerks/Accountents/

ple sed to proint the following He'd Clerks/Accountents/ Sr. Store keepers to the post of Administrative Officer on a regal r b sis in the pay so le of Rs. 650-30-740-35-880-LB-40-96) with effect from the dates shown a linst each until further orders:—

	N no of the Heal clark Account nt/Sr. Store keeper		D to of pr dat- ment s Admini- strative Officer		
1	2	3	4		
1.	Shri S.S. R. Anj: neynlu	AIR, P tna	25th July, 1985 (Afternoon)		
2,	Shri K.S. Kharsika	AIR, Ahmedaba	1st Aug. 1985		

2. The bove montioned persons assumed the rge s Administrative Officer on the dates as mentioned g insteach in column, 4.

MOHAN FRANCIS

Dy. Director of Administration

for Director General

New Delhi, The 12th August, 1985

No. 17/17/85-SIV—Consequent upon their promotion the undermontioned Senior Engineering Assistants have assumed the great of Assistant Engineer in a temporary condition at different Stations/Offices of All India Radio and Doord reshandrous teaching the shown gainst cachtill further orders:—

Sl N me No.	St tions/ Offices	D to d joining	
1. Sh. M. Am 1 th s	HPT, AIR, Av di, M.dr s	18-6-85	(FN)
2. Sh. B. C. Singh .	CE (EZ)	10-6-85	(FN)
3. Sh. S. V. Iyer .	HPT, AIR. Allerre	y 9-7-85	(FN)
4. S'1. G. S. Mathur	T.V.R.C. Mussoorie	30-5-85	(FN)

The 26th August, 1985

CORRIGENDUM

No. 17|31|85-SIV.—In partial medification of this Directorate's Notification of even number dated 12th July, 1985, the name of the Station|Cfffce against the name of Shri D. Bhatnagar at Sl. No. 17, may be read as 'LPT, TV, RC, Bilaspur' instead of 'MC, Doordar han, Bilaspur.'

B. S. JAIN

Dy. Director of Administration (E)

for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Eombay-26, the 3rd September 1985

No. 17/75/49-Est-I.—Consequent of attaining the age of superannuation Shri G. K. D. Nag, relinquished charge of the post of Branch Manager in Films Division at Lucknow in the afternoon of 31st July, 1985.

N. N. SHAPMA Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th September 1985

No. A-120°6|2|85-Admn-I.—The President is pleased to appoint Smt. Debi Mukheriee, Assistant Secretary (PFA) to the rost of Assistant Director General (PFA) in the Directorate General of Health Services number on address with effect from the forenoon of 13-8-1985 and until further orders.

P. K. GUAI Deputy Director Administration (C&B)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 3rd August 1985

No. DPS|41|5|85-Adm |6162.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Fnergy appoints Shri C. S. Monon, a permanent Assistant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-880-ER-950 from 8-5-1985 (FN) to 7-8-1985 (AN) in the same Directorate.

P. GODATAN Administrative Officer

CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 4th September 1985

No. C&SG|A|2(6)|5437.—The Director, Construction & Services Group Department of Atomic Fine go hereby appoints Shri K. Karanan, a temporary Scientific Assistant 'C' in Heavy Water Plant (Kata) as Scientific Officer|Ingineer Grade 'SB' in Construction & Services Group in a temporary caracity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810. "Be 35 880 40 1000-58-40-1200 with effect from 12-8-1985 (FN) until further orders.

No. C&SG|A|2|16|5438.—The Director, Construction & Services Shri A. D. Patankar Section Officer (Accounts) of Constal Ranway as Assignit Accounts Officer in Construction & Services Group on deputation basis for a period of two years in the first instance w.e.f. the forenoon of August 1st. 1985.

D. N. SHETTI
Admin'strative Officer II

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 26th August 1985

No. NFC|PAR|0703|1628.—Further to this office notification No. NFC|PAR|0704|1059 dated May 21, 1985, the appointment of Shri C. R Prabhakaran, As istant Ac ourtant, as Assistant Accounts Assistant Accounts

G. G. KULKA[¬]NI Manager, Personnel & Admn.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 8th August 1985

No. A 32023 | 1 | 85-R | 429.—Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Bidhan Bihari Ray a temporary Sub Officer of this Research Centre as Station Officer in the same Centre for the period from 8-7-85 to 7-12-85 in an officiating capacity on an ad-hor basis vice Shri S. Royappa, Station Officer proceeded on training.

Kum. S. GODAT AKR'SUNAN Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRFCTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 29th August 1985

No A 32013 14 84-21.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Gunta. Scientific Officer to the grade of Senior Scientific Officer (Pav scale of Ro. 1109-50-1500) with effect from the 20th August, 1985 (forenoon) on a regular basis and until further orders,

The 30th August 1985

No. A.32013|13|82-EI.—In continuation of this Office Notification No. A.32013|13|82-EI, dated the 8th April, 1985, the President s pleased to approve the extension of ad-hoc appointment of Shri M. Sinha in the grade of Director of Aerodromes, for a further period from 15-8 85 to 30 11-85 or till the date the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A.32013|17|82-EI.—In continuation of this Office Notification No A.32013|17|82-EI, dated the 17th November, 1984 the President is pleased to approve the extension of ad-hoc appointment of Shri J. N Mookherjee in the grade of Debuty Director (Regulation & Information) for a further period of six months beyond 21-4-85 (from 224-85 to 21-1085) or fill the date the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

J. C. GARG Joint Director of Administration

CENTRAL EXCISE OF CUSTOMS, COLLECTORATE

Vadodara, the 29th August 1985

No. 7|1985 [F. No. 39|22|85-Estt.].—Shri S. P. Yadav, Senior Superintendent of Central Excise and Customs, Group 'A' (Stat. Branch) Hdqrs. Office Vadodara will attain the age of 58 years on 27-8-1985. He shall accordingly retire on superannuation pension in the AN, of 31-8-85.

A. M. SINHA
Collector
Central Excise and Customs

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 4th September 1985

No. A-19012|1101|85-Estt.V.—In supersession of Commission's Notification No. A-19012|1101|85-Tstt V. dated 13th June, 1985, Chairman, Central Water Commission, hereby

appoints Shri Suresh Kumar Mutreja, Design Assistant to the grade of Extra Assistant Directorlessistant. Engineer (Civ.l. M. chanical) on ad-hoc basis in Central Water Commission in the scale of Rs. 650-30 740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 18-5-1985 for a period of one year.

MEENAKSHI ARORA Under Secv. Central Water Comm.ssion

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi-110003, the 30th August 1985

No. 1|350|69-EC.IX.—Shri M. M. L. Sharma, Assistant Architect of this Department retires from Government service on attaining the age of surgrammuation with effect from the afternoon of 31st August, 1985.

PRITHVI PAL SINGH Deputy Director of Administration-I

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REDISTRAR OF COMPANIES, MADHYA PRADESH

Gwal'or-474009, the 5th September 1985

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Jan Dharam Prakashan Limited, Bhopal (M.P.)

No. 1782|PS|CP|1258.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Ac., 1956 that the name of M[s Jan Dharam Prakashan Limited, Bhogal (M.P.) has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

Y. M. DEOLIKAR Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior

FURM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 26th August 1985

Ref. No. IAC ACO CA-5|37G|1985-86..84--Whereas, I, ANLL RUMAR, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to be the Said Act), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing 100. Against that and mitted at virin, Id. Vasai, Survey No. 23, Hissa No. 4.

si nated at Nasik

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of he Rogiste ing Officer at S. R. Vasar on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair natket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no, been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respon of any incomie arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concentment or any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Jagdish Bhaskar Raut,

2. Smt. Pumpa R Chuchi,

3. Smt. Snakumala H Gharat,

4. Anibai B Kaut,

A, & Post Vihor, Fil. Vasi.

5. Smt. Jayanti H Raut, 6, Bharati H Raut.

8. Indumate S Vort,
At & Post Vasar.
9. Kusum V Raut, Nale,

Tal. Vasai.

(Transferor)

(2) 1, Shri V. G. Vartak.
2. Shri A. G. Vartak.
3. Shri D. G. Vartak.
4. Smt J. G. Va tak.
At Tarkhad, Tal. & Post. Vasai.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immedable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said As shall have the same meaning as given that chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vitar, Jal. Vasat, Survey N 23, Hissa No. 4.

(Property as Jescribed in the sale feed registered in a office of the Sub-Register, Vasai, under Document No. E 1985-86 in the month of May 1985.

ANIL KUM/ Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of Income-t Acquisition Range, Poc

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 26-8-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 29th August 1985

Ref. No. IAC ACO|CA-5|37G|27|1985-86,--Whereas, 1. AXIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]and bearing No.

Plot No. 29, out of S. No. 295/A/1,1A/29B in Panchvati,

situated at Nasik
(and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Nasik on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mrs. Kamlabai Prabhakar Takle. Mangala Bungalow, Hotel Green View, Trimbak Road, Nasik.

(Transferor)

(2) M/s. M. K. Paria & Sons. 7 Trimurti Apartments, Shivajioath. Kalyan, Dist. Thanc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 29 out of S. No. 295|Al1J1A|29B in Panchavati,

(Property as described in the ale deed registered in the office of the Sub-Registrar Nasik, under document No. 27, 1985-86 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissional of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 29-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 29th August 1985

Ref. No. IAC ACO|CA-5|37G|1122|1984-85.—Whereas, 1, ANIL KUMAR,

being the Competen. Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

S. No. 703 1-1/2 at Kasba, Tal. Nasik.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Nasik on April 1985

S. R. Nasik on April 1943 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceafment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under ub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nimely:—

 Smt. Shaila Shashikant Patankar, 1029 B Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Hemant Keshaviao Wugh, Wagh Bungalow, Gangapur Road, Nasik, Dist. Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 703|1-1|2 at Kasba Nasik, Tal. Nasik. (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 1122|1984-85 in the month of April 1985).

ANII. KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commiss of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 29-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 3 /61)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE 106[107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 29th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|23|1985-86,—Whereas I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000!- and bearing No.

Open plo at Village Panchapakhadi, Tal. and Dist. Thana S. No. 349 H. No. 5 part bearing C. No. 1077.

situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of he Registering Officer at S. R. Thane on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Miss Arene Annie D'Cunha
 - M's Eva Joseph D'Camba
 Mrs. Christable Winstone Fernandes

 - Miss Coral Joseph D Cunha
 Miss Maria Joseph D Cunha
 - Mos pa Cyra D Cunha all of Charai, Joe Vill No. 3, Charai-Thane.

('Frausferor)

- (2) 1. Shii Pradip C Kutkarni,
 2. Smt. R. M. Vaidya,
 3. Smt. S. V. Parulekar
 - - Clo Moseph Cyril D Cunha, Joe Villa No. 3, Charai, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot at Village Panchapakhadi, Tal. and Dist. Thana.

S. No. 349 H. No. 5 part bearing C. No. 1077.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar. Thana, under document No. 23 1985-86 in the month of April 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date : 29-8-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Nanesha Promoter: & Builders. 549 Guruwar Peth. Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Canshmal C Jain, 740 Bhavani Peth, Chudaman Talim. Pune-2.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 29th August 1985

Ref. No IAC ACQ|CA 5|37EF 10348|1985-86.--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and pearing No.

CTS No 389/B Bhavani Peth, Pune 2.

situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune on Feb 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matriagent. of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfers and /ur

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which highly to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). THE SCHEDULE

C.T S. No. 389 B Bhavani Peth, Pune-2.

(Area 6380 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed registered in the Office of the IAC. Acquisit on Range, Pune under document No. 10348/1984-85 in the month of February 1985).

ANII, KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 29-8-1985

NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE 106|107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 22nd August 1985

Ref. No. IAC ACO|CA-5|37G|92|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersable property having a fair market value exceeding

Lay out plots of land heating Plot No. 18, Plot No. 19, Plot No. 20, of Survey No. 57A, H. No. 15, 20, 21, & S. No. 57B at Virar, Tal. Vasai.

situated at Vasai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred unde 1908) in the office of the \(\frac{1}{2}\) 1908 (16 of S R. Vasai on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely :-52-256GI/85

(1) Shri Valji Kala Tank. Residing at Virar. (E) Tal. Visai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shii Nandlal R Gupta, Shri R. S. Gupta,
3. Shri A. R. Gupta,
All residing at Dube Chawl,
Tulini, Tal. Vasai,
Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Lay out plots of land beating Plot No. 18, Plot No. 19, Plot No. 20, of Survey No. 57A, H. No. 13, 20, 21, & S. No. 57B at Virar, Tal Vasai.

(Area 1756 sq. meties)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub Registrat. Vasai under document No. 92| 1985-86 in the month of Tay 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisi ion Range, Poona

Date: 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE 106 107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 21st August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|71|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Lay out plot No. 24, bearing S. No. 30, 31 (P) and 35 (pt) of Village Navahar (E) Tal. Vasai, Dist. Thane, situated at Thane (and more fully described in the schedule below) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Vasai on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 117 of 1922) is the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initially proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Manjulaben Mauji Vikmani, Bhajpat Niwas, Jawaharlal Nehru Road, Mulund (W), Bombay.

(Transferor)

(2) Mis Gayatri Construction Co. 17/31 Gayatri Industrial Estate, Navghai, Vasai (E) Dist. Thanc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lay out plot No. 24 bearing S. No. 30, 31 (P) and 35 (pt) of Village Navghar (E) Fal. Vasar. Dist. Thane (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar Vasar, under document No. 71 1985-86 in the month of April 1985).

ANII KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisi ion Range, Poora

Date: 21-8-1985

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE 106 107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 26th August 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|60|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Is. 1,00,000- and bearing Nanik Co-operative Housing Society, Trimbak Road, Nasik S. No. 728, I to 10 and 13 B to 25 A Plot No. 158A. situated at Vasa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Nasik on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fiftsen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Ramdas Laxman Thakare, Raja Bahadur Wada, Near Nasik Muncipality,

(Transferor)

(2) Shri Ramesh V Devi, Power of attorney holder for V. S. Enterprises, Block No. 15, Shri Yash mandir Society, College Road, Nasik

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter,

THE SCALDULE

Natural Coop array from the Coop from the Road S. No. 728, 1 to 10 and 13 B to 25 A Plot No. 158A. (Proposition of the Sul-Registrar, so the under document No 1985-86 in the rionth of May 1985)

> ANIL KUMAR Competent At thorsty Inspecting Assistant Commissioner of Inc ma-lax Acquisition Range, Poona

Date: 26-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KORLGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 22nd August 1985

Ref. No. 11/2 ACQ/CA 5 37(, 75/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and beging Plot No. 4, S. No. 7 (Pt) 3 to 5 and 17 (Ft) 11 & 12

situated at Visai (and more fully, described in the Schedule unjexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Vasat on April 1935 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hemby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Admath Buillers, K. T. Chamber, Vasai (W), 1st Floor, Station Road. Dist. Thanc.

(Transferor)

(2) M/s. Amar Jyot Builders, Near S. T. Stand, Vasai Road. Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 4, S. No. 7 Pt. 3 to 5 and 17 (Pt) 11 and 12.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, V., at under document No. 75 1985-86 in the month of April 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 22-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE 106 107, KOKEGAON PARK, PUNE-1.

Fune, the 22nd August 1985

Ref. No IAC ACQ CA-5|37[1 7 1935 86 -- Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mrke value exceeding Rs 1,00,000 - and bearing

Flat Nos 31, 82 and 1983 on 3th door of the building to be called "Vidham Mount View" Plot No. (8, Sector 17, Vashi, New Bombay

situated at Vashi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subaforesaid property by section (1) of Section 269D of the said Act to the followpersons namely

(1) M/s Vidnani inu Private Limited. 1006 Rahera Centre, 214, Nariman Point, Bombay

(Transferor)

(2) M. Yashbusacah Kiroalsingh Makkad, Smt Rum Yas abusang Makkat, Stude Sawan Stores, 12,13 Ashirwad Building, Govar di Road, Bombay

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as oven in that Chapter

THE SCHEDULF

Flat Nos 81 82 and 83 on 8th floor of the building to be called 'Vid an Mount View' Plot No 68, Sector 17, Vashi New Bolnbay

(Area 2315 (ft)

(Property is lescribed in the ide led egistered in the Office of the 1 VC. Acquisition Rapite, Plane and 1 document No. 751, 385-86, in the point of fune 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Insvecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

22-8-1935 Date Seal

FORM ITNS----

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE 106[107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 22nd August 1985

Ref. No. IAC ACO/CA-5/37FE/732/1985-86 -- Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.

Flat Nos. 71, 72 and 73 on 7th floor of the Building to be called Vidham Mount View Plot No. 68, Sector 17, Vashi, New Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acur. Range. Pune on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ar∉d /or
- (b) facilitating the concealment of any in ome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tait Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Ax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— (1) M/s. Vidhani Inn Private Limited, 1006 Raheja Centre. 214, Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Kulbusiagh Kupal Singh Makkad, Mrs. Harsharan Kun Kulbusingh Makkad, Shree Sawan Stores. 12/13 Ashirwad Building. Govandi Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 71, 72 and 73 on 7th floor of the building to be called Vidhani Mount View Plot No. 68, Sector 17 Vashi, New Bombay.

(Area 2315 sq. ft.)

(Property as described in the sile deed registered in the Office of the LAC. Acquisition Range, Pune, under document No. 752[1985-86 in the month of June 1985).

ANII KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inco ne-tax Acquisition Range, Poona

Date: 22-9-1935

FORM ITNS----

(1) Thiru Pethannasamy, 59 T.B. Kodambakkam Saidapet Road, Vadapalani, Madras-26

(Transferor)

Smt. R. Kanthimathi,
 Solaiyappa Mudali Street Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006,

Madras-600006, the 8th August 1985

Rtf. No. 1/Dcc. 84.—Whereas, I, MRS. M, SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 59 1B Kodambakkam Saidapet Road, stuated at Vadapalani Madras-26 (and more fully described in the schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam Doc No. 3278/84 on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated In the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- EXPLANATION: —The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Land and Building No. 59'1B Kodambakkam-Saidapet Road, Vadapalani, Madras-26.

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuan e of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

Date: 8-8-1985

Seal .

FURM ITYS ---

NOTICE UNITY R SECTION 269D (1) OF THE (NOOME-1 X) ACT, 1961 (43 OF 1961)

GCVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF II + OME 1 AX ACQUISITION RANGE II

MODRAS-600 006

Madras 600 MC the 8th August 1985

Ref No 2/Dec 84 --- Whereas I MRS M SAMUEI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'sud Act') have reason to believe that the immovable property, haven that the immovable property, haven the income.

Rs 1,00 000 - and b atm 7 No

No 11, IV Cross Street Tristrum situated at Madia 21 (and more fully described in the Schedule arnexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 ct 1961) in the Office of the Pognering Officer t Kodambakkam/Doc No 33 13 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the iforesaid property and I has a reason to believe that the fair market value of the property as aforestic exceeds the apparent consideration therefor by more than filtern per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfers, so a edito between the parties has not been truly but did to be such a filtern of transfer with the object of the consideration and the parties has not been truly but did to be such a filtern of transfer with the object of the consideration and the filtern of transfer with the object of the consideration and the fair transfer with the object of the consideration and the fair transfer with the object of the consideration and the consideration and the fair transfer with the object of the consideration and the considerati

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arisin, from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be listlosed by the transferee for the purposes of the Indian Income to Act 1922 (11 of 1922) or the Sail Act of the Westernax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the could be following persons, namely:—

(1) ? 3 1 Sikki pa Chettiar, 1 14 1005 103 Itustpuram, M h is '4

(Transferor)

(2) S. W. K. Moor i Shah,
2. S. F. Istrith Anned
6. Para nurthy St. et. Follamb skam,
M. d. s. 24

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovible property with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said at that the tree same meaning as given

THE SCHI DUIT

Land and building 11, IV Cross Street Trustpuram, Madrae 24 Kodambakkam Doc No 3303/84

MRS M SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assist at Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Madres-600006

Date 8-8 1985 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006,

Madras-600006, the 8th August 1985

Ref. No. 6/Dec. 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMULL,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. 6, S.V. Nagarathinammal Colony,

situated at Kodambakkam, Saidapet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in tht Office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No 3308/84

on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

53-256GI/85

(1) I. Smt. Kanakambujam, 2. V. Namasiyayam, Minor Vetrikumaran, No. 6, S. V. Nagarathinammal Colony, Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Meenakshi Marimaran, USA, Represented herein by power agent, M. K. Murugayya Mudaliar, 15, Krishnappa Naicken Agharam Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nodes in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 6, S.V. Nagarathinammal Colony, Kodambakkam, Saidapet.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-500006

Date: 8-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006.

Madras-600006, the 8th August 1985

Ref. No. 9/Dec. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000]—and bearing No. No. 14, R. K. Shanmugham Salai, K. K. Nagar, situated at Madras-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in th Office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. No. 3343/84) on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) factionsing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Sri B. Krishnamurthi,
 14, R. K. Shanmugham Salai,
 K. K. Nagar,
 Madras-78.

(Transferor)

(2) Sti M. K. Saroja, 2, HI Cross Street, Trust Puram, Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of not.ce on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 14, R. K. Shanmugham Salai, K. K. Nagar, Madras-78.
S.R.O. Kodambakkam Doc. No. 3343/84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madrav-600006

Date : 8-8-1985 Seal : NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006.

Madras-600006, the 8th August 1985

Ref. No. 10/Dec. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Block 7, T.S. No. 21 sinated at 1, Sannadhi Street, Kodambakkam Village, Madras-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 3364/84

on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Sri L. Raju Chettiar, Sannadhi Street, Madras-26.

(Transferor)

33011

((2) Sri V. V. Krishna Rao and Sri T. Sarasuba, 1, Bagirathy Ammal Street, Madras-17.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building: Block 7, T.S. No. 21, Kodambakkam Village, 1, Sannadhi Street, Madras-26. Kodambakkam/Doc. No. 3364/84

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600006

Date: 8-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (1) Shri M. Santhanam and 4 others, 88, Dr. Redhakiishnan Road, Mylapore, Madras-4

(Transferor)

(2) Shri P Mangilal, 15, Kondampuram Street, Thruvellore, Changleput Dist.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, MODRAS-600 006,

Madras-600006, the 8th August 1985

Rcf. No 15/Dec 84—Whereas, I, MRS. M SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No R.S No 313/3, Patta No. 415 situated at D. No. 68, Saryamuithy Street, Thiruvellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Right ration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machas North Dec No 3312/84 on December, 1984 'tor an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period e pires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE 3CHEDULE

Land and building: R.S. No. 313/3 D. No. v8, Satyamurthy Street, Thiruyellor.

Madras North Doc. No. 3512/84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-iI,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006,

Madras-600006, the 8th August 1985

Ref. No. 19/Dec. 84.—Whertas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|+ and bearing No. T.S. No. 4810 R.S. No. 41 D. No. 12B situated at (New No. 13) Habibullah Road, Madras-17 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 1436/84) on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any nature or other assets which have not been are which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Krishnaveni Enterprises,
Rajaji Street, Nellore,
A.P. State
By its partners
P. L. Subbarami, M. Sudhakar and M. Srinivasulu.
(Transferor)

(2) Sri Motilal Nahar, P. V. Dyer Street, Madras-1.

(Transferee)

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Building vacant site T.S. No. 4810 R.S. No. 41 at T. Nagar. T. Nagar (Doc. No. 1436/84)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under. subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006,

Madras-600006, the 8th August 1985

Ref. No. 27/Dec. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the 'mmovable property, having a fair market value exceeding Ks. 1,00,000 and bearing No.

27, Motilal Street situated at T. Nagar, Madras-17

27, Motilal Street situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North, Madras (Doc. No. 1417/84) on December, 1984 for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hy more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald acceds the apparent consideration therfor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. J. Singari Ammal, No. 22, Bank of Baroda Colony, Kamaraj Salai, K. K. Nagar, Madras-78.

ri S. Ananthanarayanan,

 Sri S. Ananthanarayanan, 28, Padmanabha Chetty Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 27, Motilal Street, T. Nagar, Madras-17. S.R.O. Madras North, Doc. No. 1417/84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons namely:—

Date: 8-8-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri K. Mohamed Ishaq, 118, Verery High Road, Periamet, Madras-3.

(Transferor)

(2) Prof S. Shakur Hameed & Others. New College, 49, Peters Road, Madras-14

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006,

Madras-600006, the 8th August 1985

Ref. No. 28/Dec. 84.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 155, Mambakkam Village, situated at Sriperumpudur T.K. Chingleput (and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North Doc. No. 3463/84

on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating, the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid promatic by the large of the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands No. 155 Mambakkam Village Sriperumpudur T.K. Chingleput.

Madras North Doc., No. 3463/84

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006,

Madras-600006, the 8th August 1985

Ref. No. 35/Dec. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

transfer with the object of :-

33016

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000|- and bearing
O.S. No. 30/1 T.S. No. 97 situated at Puliyur Village Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Madras Central Doc. No. 1174/84

on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. B. Sharma, No. 42/11, VI cross Cambridge Layout, Bangalore-8.

(Transferor)

[PART III—SBC. 1

(2) Smt. Sudanthiravalli Narayanan and another, 22, Coats Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 97 Block No. 12 Plot No. 143 Pulyyur Village, Madras, Madras Central Doc. No. 1174/84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11,
Madras-000006

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MODRAS-600 006,

Madras-600006, the 8th August 1985

Ref. No. 36/Dec. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') has region to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing Rs. No. 553 situated at D. No. 42 Muthial Naicken Street,

Purasawalkam, Madras

(and more fully de cribed in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam Doc. No. 2078/84

on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per c. n. or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evas on of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shanthi Devi and Dhdrai Jain. 8, Dr. Gurusamy Road, Madras-31.

(Transferor)

(2) Shri S. Parthasarathy, 23, Muthu Mudali Street, Puraswalakam, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, walchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The *erms and expressions used herein as are defined if Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at D. No. 42, Muthial Naicken, Puraswalakam, Madras-7. Puraswalkam Doc. No. 2078/85

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, mereiore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personal namely:—

54-256GI/85

Date: 8-8-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MO PAS-600 006.

Madras-600006, the 8th August 1985

Ref. No. 38/Dec. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income to Act, 1961 (43 of 1961) hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000; and bearing RS No. 2953/ and 2953/5 situated at Breach Re'd Madras-10 (and more fully described in the Schidule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam Doc No 2114/84 on December, 1984

on December, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be e e that the fair market value of the property as aforesaid lexceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sad Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Miss Mary Janet James, 162, Beracah Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) The Pentecostal Mission, 45A, 5th Street, Padmanabha Nagar, Adyar, Madras-20.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE | SCHEDULE

Vacant land at Breach Road, Madras-10, R.S. No. 2953/14 K 2953/5. Purasawaikam Doc. No. 2114/84

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set. I hereby intrate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:-

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri P. Venkatachalam, No. 6, V St., Dr. Thiru moorthi Nagar, Madras-34.

(Transferor)

(2) Sri Raja Rathinam Vittal, No. 428, I Stage, Indira Nagar, Bangalore-560 038.

(Transperce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 48|Doc. 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. 6, Vth st., Dr. Thirumoorthi Nagar situated at Madras

34. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

tand more tury described in the schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Rigistering Officer at Thousandlights Doc. No. 578/84 in December, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influent per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and Building: No. 6, Vth street, Dr. Thirumoorthi Nagar, Madras-34.
Thousandlights|Doc. No. 578|84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax het, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUi-L Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II MADRAS-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, assuely:—

Date: 8-8-1985

Scal:

CHORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri.D. V. Krishnamurthy, 26, II St., Lake Area, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) Smt. R. Saraswathy, No. 335-E, Thadagam Road, Coimbatore-40.

(Transperee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 8th August 1985

..Ref. No. 49|Doc. 84|R.II.—Wehreas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and

No. 26, II st., Lake Area, Nungambakkam situated at Madras 34.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 549 84 in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (13) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period, of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building: No. 26, II St., Lake Area, Nungambakkam, Madras-34.
Thousandlights|Doc. No. 549|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-It MADRAS-600 006

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 49A|Doc. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000|- and bearing No. 3, Old No. 7, O. S. No. 96 situated at Azizmulk 9th street, Nungambakkam Thousandlights Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. 579'84 in December, 1984 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Sri K. B. Marium Bee and others, 7, Aziz Mulk 9th Street, Madras-6.

(Transferor)

 Sri A. Velavudam.
 Aziz Mulk 9th Street, Madras-6.

(Transperee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building R. S. No. 44|1, O. S. No. 96 Nungambakkam Thousand lights Madras-6.
Thousand lights Doc. No. 579|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600 006

Date: 8-8-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 50|Dec. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing D. No. 44 Old No. 59.60 situated at Nungambakkam Village Road, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 567|84 in December, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ianab P. S. M. Buhari, 11, Appu Maistry Street, George Town, Madras-1

(Transferor)

 Shri C. Selvaraj, 11, Sarojini Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transperce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 43 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

..Land at Nungambakkam Village Road, D. No. 144 Old 59.60 R. S. No. 509.
Thousandlights Doc. No. 567/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
MADRAS-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 8-8-1985

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 68|Doc. 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

T. S. No. 8, Site No. 47 situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at Coimbatone Doc. No. 5493 to 550 1/34 in Dec. 84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (3) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri C. V. Thirugnanam,
(1) Sri T. Vijayaraghavan,
Sri C. V. Venugopal,
Sri C. V. Kannappan,
Sri Sankaranarayanan,
Sri S. Ragunathan,
Power Agent Sri C. V. Venugopal,
and others, No. 227, Puliakulam Road,
Coimbatore

(Transferor)

(2) Sri R. Govindasamy
 Slo Shri Rangasamy Naidu,
 D. No. 16|34, Verivadachettiar Lay out,
 R. S. Puram,

(Transperce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestal persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective octaons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 da s ito the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: T. S. No. 8/1364/1A part—Site No. 47, Coimbatore Town.

Coimbatore Doc. No. 5498, 5501 84.

MRS: M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II MADRAS-600 006

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 73|Dec. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000]- and bearing T. S. No. 10 557 D. No. 257 to 61 situated at Pappanaicken-palayam Coimbatore Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. 5255'84 in December, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or an, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Sri P. S. Rengarajan and others, 2|62, Perumal Koil Street, Coimabtore.

(Transferor)

(2) Shri S. Kandaswamy and others, 2|62, Perumal Koil Street, P. N. Palayam, Coimbatore.

(Transperce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date, of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at T. S. No. 10|557 D. No. 2|57 to 61 at Pappnaickenplayam Coimbatore (Coimbatore Doc. No. 5255|84).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> MADRAS-600 006 Acquisition Range-II

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-8-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACI 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-JI MADRAS

Madras-600 005, the 8th August 1985

Ref. No. 75|Dec. 84.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
T. S. No. 7|15, 16, 17 New T. S. No. 8|1364|5 situated at
Shanmugha Theatre Road, Coimbatore
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Coimbatore Doc. No. 5191|84 in December, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 55-256GI/85

(1) Smt. Sayurabala Wio Nagin Dass Dolla, 3, Shanmugha Theatre Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. S. Lakshmi Wo Nanchukutty Gr., 601, Edayar Veedhi, Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION :-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

LandY and Building T. S. No. 7|15, 16, 17 New T. S. No. 8|1364|5 Shanmugha Theatre Road, Coimbatore. Coimbatore Doc. No. 5191|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 005, the 5th August 1985

Ref. No. 89 Dec. 84 R.H.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Vellanoor Village, Singanallur situated at Coimbatore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur Doc. No. 2457 to 2461, 2463 to 2493 84 in

December, 1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the hunsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Sri Kaantheeswaran, Kadiravan, Minors: Ravichandran, Srinivasan, Kamaraj, by guardian Kandeeswaran, T. V. Krishnavelu and others, General Power Agent : Kandecswaran, Konavaikal Palayam, Kurichi, Coimbatore.
- (Transferor) (2) The Sakthi Coop. House Building Society Ltd., No. CBE HSG. 3, 73A, Race Course Road, Coimbatore-641 018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: S. No. 533/2, Vellanoor Village. Singanallur Doc. No. 2457 to 2461, 2463 to 2493 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-8-198

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11 MADRAS

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 94]Dec. 84.-Whereas, I,

transfer with the object of :-

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Peria Negamam Pollachi T. K. situated at Pollachi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Negamam (Doc. No. 644, 645 & 646|84) in December,

1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be displayed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri Kannikaparameswari Ammam Koil, Arangkavalarkal Sri S. Sakkarapani, Sri V. Jaganathan, Sri V. Srinivanan, Peria Negamam.

(Transferor)

(2) Sri K. V. Kandaswamy, Kaliappanpalayam. Peria Negamam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Peria Nagamam, Pollachi T.K. Doc. No. 644, 645, 646 84 (Negamam).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Madras-600 006

Date : 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri N. Lakshmanan and others, 32A. Methu Theru, Perianatham, Chengalpathi.

(Transferou)

Smt. R. Vijayalakshmi
 Wo Shri A. Radhakrishnan,
 Raja St.,
 Nagar,
 Madras-17.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 1|Dec. 84|R.II.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Edayankuppam village situated at 8.37 acres of land in

Edayankuppam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupporur Doc. No. 2403 84 in December, 1984

nt Thirupporur[Doc. No. 2403|84 in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market—value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor—by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay cax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 8.37 acres of land in Edayankuppam village. SRO Thirupporur Doc. No. 2403|17-12-84.

MRS. M. SAMULL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 23td July 1985

Ref. No. 55|Dec. 84|R.II.--Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

transfer with the object of :-

G. S. No. 559, Site No. 3, T. S. No. 12|5 port situated at D. No. 15|65, 7tb cross Bharathi Park Road, Coimbatore-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore Doc. No. 4758 84 in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Sri P. I. Mathew So Shii Itti Avira, now officer, State Bank of Travancore, Shanthi Nagar, Trivandrum.

(Transferor)

(2) Mr. N. Shanmughasundaram son of Shri A. Nanjappa Chettiar, 813 West Porto Bello, MESA, Anizona, USA.
Rep. by Regd. Power of Attorney Agent,
Mr. A. Nanjappa Chettiar
So Shri Ankanna Chettiar,
20, Fast Thiruvenkataswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: T. S. No. 12|52, part D. No. 15|65 J 4, 7th Cross Bahrathi Park Road, Telungupalayam village, Coimbatore-11. Coimbatore-Doc. No. 4758|84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 23-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri R. J. Baritto and another. 49. Bharathi Nagar, III St., Ramanathapuram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. Sakthi Wo Shri Rumakrishnan, 18/2, Bethavar St., Coimbatore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 59 Dec. 84 R.II.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000- and bearing No.

No. T.S. 373|2, 374|1 situated at Ramanathapuram, Coim-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 5522 84 in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of unafer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) e rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: S. No. 373/2, and 374/1, Ramanatha-puram, Coimbatore Taluk. Coimbatore Doc. No. 5522 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferenaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269Q of the said Ast. is the fellowing

Date: 23-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 62 Dec.84.R-II.—Whereas, I.
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,0000 and bearing
Ramanathapuram Village. T.S. No. 10|1756|1C, 1B situated at Coimbatore Town
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering Officer at
Coimbatore Doc. No. 5557|84 on Dec. 1934
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitioin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

1. Sri S. Sundararaj,
 2. S. Raghunathan,
 So late Sadagopalachariar,
 D. No. 6]145,
 Trichy Road,
 Coimbatore Town.

(Transferor)

(2) Smt. S. Andal,
Wo P. V. Subramanian,
D. No. 27, Vennianaida St.,
No. 1. .
Coimbatore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Land and Building: Ramanathapuram Village: T.S. No. 10 1756 C, 1B, Coimbator Town. Coimbatore Doc. No. 5557 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 23-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 63|Dec.84|R-II.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority undar section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

and bearing No. T.S. No. 2418, T.S. Ward No. 7, Block No. 32 situated at Thiagaraya New St., No. 3. Combutore 1. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore Doc. No. 5570/84 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following perst ns, namely :-

 Sri V. Kandaswamy,
 Slo N. S. Vellugiri Chettiar,
 Ramachandra Chettiar Road. R.S. Puram. Coimbatore-1.

(Transferor)

(2) 1. Sri Kishore Doulatram, Stichand & sons of Doulatram,
 Thiagaraya New St.,
 No. 3, Coimbatore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: T.S. No. 2418, T.S. Ward No. 7, Block No. 32, Thiagaraya New St., No. 3, Coimbatore-1. Coimbatore Doc. No. 5570 84.

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 23-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 64|Dec.84|R-II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding *Rs 1.00.000|- and bearing

Rs 1,00.000]- and bearing
T.S. No. 6[78, Sullivan St. situated at Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the Pegisterial Officer at
Coimbatore Doc. No. 5593[84 on Dec., 1984]

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferorandior
- (i) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 195/ (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56—256GI/85

 Sri M. Vengadasamy and another, K. P. Maruthachalanaicken Garden, Laun amuthur.

(Transferor)

(2) Sri B. S. Venkataraman and others. 263, Sullivan St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Sullivan St., Coimbatore Town. Coimbatore Doc. No. 5593 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 23-7-1985

FORM ITHS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 67|Dec.84|R-II --Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing

No. 10 1718 Ramanathapuram situated at Coimbatore (and none fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

for an apparent consideration which is less than the fair an apparent consideration which is less than the fair an apparent the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which coght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Y. Stella, Wo Rajendran, 8/7. Padma Iyer Lay out, Ramanthapuram.

(Transferor)

 Smt. R. Malathi,
 Wo J. Kannappan,
 Arts College Road, Coimbatore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Vacant Land Ramanathanuram Town, Coimbatore. S. No. 10[1718-G.S. No. 42, Coimbator|Doc. No. 5637|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref No 83|Dec 84|R-II—Whereas, I, MRS M, SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000 and bearing No Sanganur Village S F No 160A|2B situated 161A|1A part (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Gandhipuram|Doc No 4579|84 on Dec, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in trate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Sri G Venkatachalam,
 Govindatajulu Naidu,
 Venka ammal,
 Wlo G Venkatachalam
 V Nagendran,
 V Lakshmi Pathi,
 V Yuvaraj sons of G Venkatachalam,
 22 NSR Road,
 Saibaba Colony,
 Coimbatore-11

(2) M|s Sakth, Murugan Transports (P) Ltd, M D Su S V Arumugam, 15|1, Mettupalayam Road,

Combatore-43

(Transferee)

(Transfero

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building Sanganur Village, SF No 160A|2B, 161A|1A part, Coimbator Taluk,. Gandhipuram|Doc No 4579|84

MRS M SAMUFU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range II
Madras 600 006

Date 23-7-1985

33036

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE II, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 23rd July 1985

(1) Sri George Thomas, Slo K E Thomas, Kolanchery, Kerala

(Transferor)

- (2) 1. Sri C Ranganathan, So Chinnappa Naidu, A-4 Nazeer Villa, Mulund West, Nazeer Road, Bombay 400 080.
 - 2. Sri Dhamedaran, Slo Mu hukushna Naidu, 605, Balaji Apartment, Mulund West, Devidayal Road, Bombay-80.

(Transferce)

Ref. No 84|Dec 84|R-II -- Whereas, I.

Ref. No 84|Dec 84|R-11—Whereas, 1,
MRS M SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000|- and bearing No
TS No 12|122, Site No 5 situated at Door No 43, Sanganov Village Candbring CBE.

noot Village Gandhipuram, CBF

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at
Gandhipurani Doc No 4636 84 on Dec 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as airoresaid exceeds the apparent consideration therefore by more
than facety are control such consideration therefore by more
than facety are control such construction therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afores iid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective , ersoure which ver period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in our of of an uncome arising from the transfer; ead/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) rightnin the concalment of any income of any righthin the call cathlett of any income of any incomes or other a ets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act 1922 (II of 1922) or the ind Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 43 F S. No. 12|122, Sanganur, Village, Gandhipuram, Coimbatore. Gandhipuram Doc. No 4635|81

> MRS M SAMUEL Computent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras 600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby unitate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ----

Date : 23-7-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 88|Dec.84|R-II.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Agri. lands at S.F. No. 158, 163, 164, 156 and 157 situated at Uppilipalayam Village, Coimbatore Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur Doc. No. 2509 84 on Dec., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Smt. Beema, Dlo R. Santhuram, Race Course, Coimbatore, 2. R. Santharam, So B. Rang isamy Naidu, Raco Course. Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri P. L. Subbiah President, B. Rangasamy Naidu, Nagai Bldg. Society, Trichy Road, R. N. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands: S. F. No. 153, 163, 164, 156, and 157
-uppilipalayam Village, Coimbatore Taluk.
Singanallur|2509|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :--

Date: 23-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri K. Govindaraju Reddiar, So Kasthuri Reddiar and others, Malaiyahdipattinam, P.O., Pollachi, Taluk.

(Transferor

(2) Sri M. Atunachalam and others, Malaiyandipattanam P.O., Pollachi,

(Transferce)

OFFICII OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 95 Dec. 84 R-II. -- Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Land a.: S. No. 931, 932|1C, 932|3, situated at 935|937|1, 2A, 2B

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred inder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at

Anaimalat Doc. No. 1422/84 on Dec 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :-

THE SCHEDULE

Land: Agricultural—S. No. 931, 932/1C, 932/3, 935, 937/1, A, 2B, Analmalai/Doc. No. 1422/84. Analmalai/Doc. No. 1422/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-law
Acuisition Range-II. Madras-600 006

Date: 23-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd July 1985

Ref. No. 101 Dec.84 R.II.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing No.

Land at situated at Ootacamund Town, R. S. No. 3953| 2 B1A1A1

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagamandalam Doc. No. 1013 84

on Dec., 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sri V. O. Wanshare and others, European, Res ding at Competon Estate, Naduvattam, The Nilgirls.

(Transferor)

(2) M|s. Adroits Trades (P) Ltd., 1432, 17th Main Road, Anna Nagar, Madras-40. represented by its Director Mr. Javid Pasha.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 3.05 acres comprised in R.S. No. 3953|2B, 1A, 1A1, of Ootacamund Town.
Uthagamandalam|Doc. No. 1013|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 22-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri R. Veluchamigounder, Slo Ramasamygounder, 39, Kottukarar Veethi, Vadugapalayam.

(Fransferor)

(2) M|s. Nagappa Chettiar, Slo Nagappachet iar, 9, Muthusamy Mudaliar Lay out, Coimbatore.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 109|Dec.84|R-II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing Town Survey No. 4, Pollachi situated at Thiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Pollachi|Doc. No. 2521|84 on Dec., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent of such apparent consideration and that than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land: T.S. 25|1, 25|2, 25|5, 16|4 Pollachi, Gaspa Pollachi Town, Survey Ward No. 4, Thiruppur, Pollachi|Doc. No. 2521|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :--

Date: 23-7-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 114|Dec. 84|R-II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. RS. No 571|1-11.44-3|4 acres of teasituated at Jagathala Village (Aruvankadu) Nilgiris (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor|Doc. No. 1735|84 on Dec., 1984
for an apparent consideration value is less thant the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and o
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
57—256G1/85

(1) Sri R. Sampathlal Jain, Slo Rathanlal Jain, 'Rathan Bagh' Coonoor.

(Transferor)

(2) Sii T. Balan and T. Samraj, So B. Thimma Gowder, 158, Manjunatha Nilayam, Thalayatimund, Ootacamund.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: R.S. No. 571/1—11.44—3/4 acres of tea—Jagathala Village, Aruvankadu, Nilgiris. Coonoor[Doc No. 1735]84.

MRS. M. SAMUEL Acquisition Range-II Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax MADRAS-600 006

Date: 23-7-1985

FORM TINE

(1) Sri M. Nanjappa Managing Director, Dhanalakshmi Mills, B. S. Sundaram Road, Thiruppur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri N. Rajan & others 3C, Bethlchettipuram, Thiruppur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 119|Dec. 84|R. II—Wereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Agrl. land .0.73 cents.

Tiruppur. Doc. No. 2517 84 to 2520 on Dec., 1984
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land: 0.73 cents Thiruppur Doc. No. 2517/84. to 2520/84.

MRS. M. SAMUEL
Acquisition Range-II
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
MADRAS-600 006

Date: 23-7-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madias-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 129|Dec. 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

peing the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000,- and bearing No. 15, Chengalpattu, situated at No. 37, Athimarchery Pet,

Pallipattu, Bazaar S., (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Pallipet (Chinglepet Dist.) Doc. No. 998|84 on Dec 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the ward Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. T. Rukmini Sujatha, wo T. Scetharamaiyah, No. 7, Lakshmi Colony, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mettupalayam Munusamy Mudali, alo Seshappa Mudali, Athimancherry pettai, P.O. Pallipattu Vattam, Chengaimavattam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: At Athimancheripettai, Bazaar St., No. 15, Pallipattu, Chengalpattu.
Pallipattu (Chinglepet Dist.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 23-7-85

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 186 Dec. 84 R.H.-Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1000001- and bearing No. 62, Ellaiamman Koil St., situated at West Mambalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1522 84 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any saoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sri Kannan Naidu, s o Shanmugham, 2. Sri K. Selvaraj, so Kannan, 59, Perumai Mudali St., Madras-14.

(Transferor)

Sri A. Radhakrishnan, s|o G. Arumugham, 17, Raja St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 62, Ellaimman Koil St., West Mambalam, Madras. T. Nagar|Doc, No. 1522|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 23-7-85.

Ceal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 51|Dec. 84|R.II.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the innovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Kuniamuthur village S. No 61|2 situated at As specified in schedule to Doc. No. 4965|84 (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 4965 on Dec. 1984

Coimbatore Doc. No. 4965 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ant, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) SriA. Maruthachalam, sjo Arumugakkonar, 6|24B, Muthusamy Servai St., Badrakalaimman Pudur, Kuniamuthur.

(Transferor)

(2) Sri A. Meyyappan, Angappamudaliar, 11 147, Padasalai St., Kuniamuthur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Property as specified in schedule to Doc. No. 4965 84. Coimbatore Doc. No. 4965.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 23-7-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 65|Dec. 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Sri Ramanathapuram village situated at T.S. No. 10|2919|8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 5600 84 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Sri M. Subramanian, s.o Mahadevan, Power Agent, 52, Mahadevapuram, Mettupalayam Town, Sikkadasam Palayam 2. Sri M. Natarajan, s o Sri Maruthachalathevar 6 70, Trichy Road, Ramanathapuram, Coimbatore-45.

(Transferor)

(2) M|s Electronics and Control Corpn., Partners: T. N. Sivakumar, s|o T. N. Natesan, Ragothama Rao, s|o Madhava Rao, 7|177, Nanjundapuram Road, Ramanahapuram, Coimbatore-45.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given Act. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Sri Ramanathapuram village in T.S. No. 10|2919|2. Coimbatore Doc. No. 5600 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 23-7-85. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS 600 006.

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref No 76|Dec 84|R II --- Whereas, I. MRS M SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Door No 27, 29, East Sambandam Road, situated at Coim-

(and moe fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office 1 the Registering Officer Combatore Doc No. 5166 84 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

 Smt T V. Parvathi Ammal, w|c T N. Devaraja Iyer, 37, Kılakkusambandam Road, Coimbatore.

(2) Mls White Rose Builders, 59, Merkuramalingam Road, R S Pulam. Combatore

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze te

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building 27, 29, Fast Sambandam Road, Combatore, Combatore Doc No 5166 84

> MRS. M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 23-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Maniam and Sri M. Vijayasama, sons of Late G. Muthusamy Naidu, 168. Thani Road, Udumalai.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 96|Dcc. 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Udumalai situated at Thiruppur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Udumalpet Doc. No. 2857 and 2858 84 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sri V. Kandakumar, s|o R. Vengadasubbu Marimuthu, Thani Road, Udumalai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Thenpudinatham Village, Udumalai, Thiruppur. Udumalpet | Doc. No. 2857 | 2858 | 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 23-7-85

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 104|Dec. 84|R.II.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. D. No. 15 3, Vannerpet R.S. No. 4221 2C situated at Vannar-

pet Ooty

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transiented and registered under the toxistration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at Uthasamandalam Doc. No. 1036 84 on Dec 1984

which is less than the fair for an apparent consideration market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforewaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trapsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

58-256GI 85

(1) Sri S. Unnikrishnan, blo V. Ittirarichan, Door No. 78-4, Glen Rock Road, Vannarpet, Ooty.

(Transferor)

(2) K. Mathan, slo Kulla Gownder, Mukkimaini Yeddakkadu, Ootv.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building: Vannarpet R.S. No. 4221/2C D. No. 15 J. Ooty Town.

Uthagamandalam Doc. No. 1036 84.

MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax. Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 23-7-85

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 105|Dec. 84|R.II.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Veeralpatti village, Follachi Taluk, situated at Thiruppur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been mansferred under the Registerton Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer Registrar SubPollachi Doc. No. 2346|84 on Dec. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferces for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of \$957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Kandasamysounder, Veeralpatti, Pollachi Taluk.
 Sri Mayılsamy, slo Kulanduivelgounder, Veeralpatti, Pollachi.

(Transferor)

 Sri K. Natarajagounder, s|o Kandasamy Gounder, Veeralpatti, Pollachi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Vecralpatti village, Pollachi, Thiruppur, Pollachi Doc. No. 2346 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 23-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri N. Duraisamy, s|o Nach.muthugounder, 1C(24) Lakshminagar, 50 Road, Thiruppur.

(Transferor)

(2) Sri A. K. Natarajan, s|o A. Krishna chetti 36, Kaliamman Koil St., Gugai, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- GOVERNMENT OF INDIA ER SECTION 269D(1) OF T
- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 120|Dec. 84-R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the Income tax Act, 1961 (143 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the Income tax Income

than fifteen per cent of such apparent consideration and that this consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) familitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Acr, in respect of any income arising from the trainfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building: 9th ward, Lakshminagar, Thittipalayam villages. Door No. 1C—21 T.S. No. 1158 | 1 | 28 | 2, Asst. No. 8623.

Tiruppur Doc. No. 2543 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-7-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd July 1985

Ref. No. 122|Dec. 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Inceme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Door No. 1B (1) Manadam Road Chinna amy situated at Gounder Lay out Palladam, Thiruppur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thiruppur Doc. No. 1951 84 on Dec. 1984

to an opparent consideration which is less than the Loir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trips as accord to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tracers with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri A. N. Somasundaram, 1B(1), South Garden, Chinnasamygounder Layout, Karuvampalayam, Mangalam Road, Thirupur.

(Transferor)

(2) Sri A. Ravichandran, elo Sri Arunachala Mudaliar, 901, Kamatuj St., Thiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 1B(1), Mangalam Road, Chinnasamygounder Layout, Palladam, Thiruppur.

Tiruppur Doc. No. 1951 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madray-600 006

Date: 23-7-85

 Sri S. M. Syed Mohideen, Managing Director, Moulana and Co. P. Ltd., No. 169, Angappa Naicken St., Madras-1.

(Transferor)

 Sri S, Kumar, (2) Vasudevan, No. 10, Mallan Ponnappa Mudali St., Madras-5.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th August 1985

Ref. No. 25|Doc.84|R.II.-Whercus, I.

MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and hearing No.

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

No. 79, Mallen Ponnapa Mudali St., situated at Triplicane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 159.84 in December 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building No. 79, Mallan Ponnappa Mudeli St., Triplicane. R.S. No. 1056.
Triplicane. Doc. No. 336884.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely:—

Date: 7-8-1985

FORM NO. I.T.N.S.——

(1) Stat. C. Suseela and I. R. Chockalingam. 2, III Main Road, Alwarpet, Madies-18.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Komalam Mukundan, 21, Thyagaraja Pillai St., Seven wells, Madras-1.

(Transferee)

THE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Madras-600 006, the 7th August 1985

Ref. No. 133|Doc.84|R.II.—Wheroas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market less 1,00,000 and bearing No. No. 2, 111 Main Road, Seothernmis Colony, having a fair market value exceeding

situated at Alwarpet, Madras,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North|Doc. No. 3368|84 in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Land and Building 2, III Main Road, Seethamma Colony, Alwarpet. Madras Central Doc. No. 1159 84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-8-1985

Sent:

(1) Smt. Rukmani Natuyanasamy, 57, III Main Road, Bangalore-560018.

(Transferor)

(2) Sri Riyaz Samad, 8. Samy Reddy St., Madras-8.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th August 1985

Rcf. No. 136|Doc. 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 8, Big St., Madras-10, situated at

transfer with the object of :--

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Register Officer

1908) in the office of the Register Officer
Madras Central|Doc. No. 1180|84 in December 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (10) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Land and Building 8, Big St., Madras-10, Madras Central Doc. No. 1180|84,

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th August 1985

Ref. No. 140|Doc.84|R.II.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 1116th undivided interest in the land with first floor

No. 1/16th undivided interest in the land with first floor flat in 1370 sq. ft. Plot No. 30, D. No. 8, Kasthuri Estate,

Madras-86.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer Madras Central Doc. No. 1192/84 in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa d exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following parsons: namely:—

- (1) The United Nilgiri Tea Estates Co. Ltd., having its office at No. 8|23-24 Race Course Road, Coimbatore-18.
- (2) Trust Properties Development Company,
 Private Limited, having its Registered
 Office at No. 8|1, Third St., Kasthuri Estates,
 Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Door No. 8, Kasturi Estates, Madras-86. Madras Central Doc. No. 1192 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE VNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th August 1985

Ref. No. 143|Doc. 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

No. Door No. 209, R.S. No. 69/1, 87/1, and 67/73) I loyds Road (Now Avvai Shanmugham Road), Madras.

Road (Now Avval Shanmugham Road), Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 1215 84 in December 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following paraces unmerly:—

59---256GI|85

 Mrs. Shobalatha Devi, 209, Old No. 115-A, Lloyds Road, Now Avvai Shanmugham Road, Madras-86.

(Transferor)

(2) Mrs. Lily Swamy, No. 54/6A, Bhimanna Mudali Garden St., Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Door No. 209 (R.S. No. 69|1, 87|1 and 67|73) lloyds Road, (Now Avvai Shanmugham Road) Madras. Madras Central|Doc. No. 1215|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. A. Hymavathy, Road No. 3, 120, Srinagar Colony, Bansara Hills; Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Shyamsunder Goanka, Smt. Usha
 Goanka, Master. Ashutosh Goanka,
 26, Jeypur colony, Gopalapuram, Madras-86.
 (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th August 1985

Ref. No. 144|Dec. 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

door No. 9A (Plot 11B & 11C) in R.S. No. 1553|1, Teynampet—Murrays Gate Road Venus Colony, stuated at Madras-18,

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Madras Central Doc. No. 1217 84 in December 1984,

Madras Central Doc. No. 1217 84 in December 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land and Building Now door No. 9A (Plots 11B and 11C) in R.S. No. 1553|1, Teynampet Murrays Gate Road, Venus Colony, Madras-18.

Madras Central Doc. No. 1217/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th August 1985

Rcf. No. 145 Dec. 84 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 31. Ratna Chetty St., formerly known as
Thundavarayan, St., Royapettah, Madras-4.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Madras Central|Doc. No. 1220|84 in December 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

(1) Sri Dhananjayan, Rajendran alias Velayutham, (3) Naveen, (4) Smt. D. Ezhilarachi, 64, V.M. St., Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri A. Champalal Jain. 104, Bazar Road, Royapettah, Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 24, Now Door No. 31, Ratna Chetty St., formerly known as Thandaverayan St., Royapettah Modras.

Madras Central Doc. No. 1220 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-8-1985

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th August 1985

Ref. No. 150|Dec. 84|R.Π.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovunder Section 269B of Rs 1,00,000|- and bearing
No. 37, First Cross St., Kasturibai Nagar, situated at Adyar, Madras-20,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Adayar Doc. No. 3372 84 in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better the parties has not been truly extend in the consideration. ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Shanthi Natarajan, No. 5, 4th Main Road, Gandhinagar, Adyar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Sri M. S. Mani, so S.R.S. Muthiah, Pillai, No. 20, Andiappa Gramani St., Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building Plot No. 37, First cross St., Kasthuribai Nagar, Adyar, Madras-20.

Adyai [Doc. No. 3372]84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-8-1985

- (1) Smt. Ponnammal, and S. Ponnuswamy,
 - (Transferor)
- (2) Mrs. Noorjahan Begum.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th August 1985

Ref. No. 156|Dec. 84|R.II.—Whereas, J. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.
No. 22, Lal Mohamed St., situated at Chopauk,

Madras-600 005.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Triplicane Doc. No. 857 84 in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any any memoys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Ast, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Oficial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezatta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building Now No. 22, Lal Mohamed St., Chopauk, Madras-5, Triplicane|Doc. No. 857|84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Alladi Sitaram, Co Alladi Kuppuswamy, 3-6-226 1. Himayathnagar, Hyderabad, Andhra Pradesh.

(Transferor)

(2) Sri N. Thanu, 11, Karpagambal Nagar, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th August 1985

Ref. No. 167|Doc. 84|R.II.-Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. 64, Luz Church Road, R.S. No. 1652[2, 1652]4, Parts-10925 sq. ft.

and/or

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 1604 84 in December 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing door No. 64, Luz Church Road, Madrus. Mylapore|Doc. No. 1604|84. Date: 7-8-1985

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2690 on the said Act, to the following persons, mamely :-

Date: 7-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th August 1985

Ref. No. 168|Doc. 84|R.II.-Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

No. Plot No. 5, Door No. 33 C. In Tiruvangadam St., situated at Madras-28, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mylapore Doc. No. 1606 84 in December 1984. For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income asising from the trans

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Smt. Brinda and 2 others, Nataraja Nilayam, No. 329, Thambu Chetty St., Madras-1.

(Transferor)

(2) Sri N. Viswanathan, 3. Madha Church Road, Mandavalipakkam, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land and building Plot No. 5, Door No. 33, C. In Tiruvengadam St., Madras-28.

Mylapore|Doc. No. 1606|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th August 1985

Ref. No. 169 Doc. 84 R II.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEI,

MRS. M. SAMUEI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]- and bearing No.
No. Flat—Aaiti Arcate No. 14, II Floor, No. 86, Di. Radhakrishnan Road, Mylapore, Madras-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mylapore Doc. No. 1638 84 in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Sri P. T. Sampath Kumartan, HUF, 48, First Main Road, CJT Colony, Mylapor, Madras-4.

(Trunsferor)

(2) Mrs. M. D. Thangamani, 7|3, 6th Cross Road, Murti Extension Sri Ramapuram, Bangalore.

(Transferce)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from, the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, No. 86, Dr. Radhakrishnan Salai, Mylapore, Madras-4.

Mylapore|Doc. No. 1638|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 7-8-1985

FORM NO. ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sai Hayath Busha, 19, Rajah St., Mandaveli, Madras-600 028.

(Transferor)

(2) Smt. M. Lakshmi, wo M. Muthu, 39, Bunder St., Madras-1,

(Cransferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th August 1985

Ref. No. 170 Doc. 84 R.H. - Whereas, f,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing

No. 19. Raja St., Bradies Road, Madras situated at Plot No. 23, old door No. 2/27—Madras. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Art 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Mylapore Doc. No 1645 84 in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration interest by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building Door No. 19, Raja St., Bradies Road,

Mylapore Doc. No. 1645/84.

MRS. M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madra, 600 006

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely :-60-256GI|85

Date: 7-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006 the 7th August 1985

Ref. No. 178|Doc. 84|R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding No. Agrl, land—51 cents in S. No. 15, m 146, Injambakkam Village, Saidapet Taluk, Chingleput Dist (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Adayar|Doc. No. 3288, 3289, 3290|84 in December 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, a pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons. **samely;**—

 Sri Ramji Subramanian, "Sankaram", 116, Kutcherry Road, Mylaore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri Lavchand K. Shah, Mrs. Chandan L. Shah, and Sri Chandresh L. Shah, Plot No. 18, Sri Labdhi Colony, C. V. Raman Road, Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land extent 51 cents in S. No. 15, in 146, Injambakkam Village, Saidapet taluk, Chingleput district. Adayar Doc. No. 3288, 3289, 3290 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Madras 600 006

Date: 7-8-1985

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref No. 106 Dec. 84 R.H.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|—and bearing No.
T. S. Ward 3 S. S. Koil Veedhi, T. S. No. 253, situated at Pollechi

Pollachi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi Doc. No. 2388 84 in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fmi market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not betn truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sections 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) 1. Sri C. Ramanathan, 2. C. Lakshminarayan,

Prasad,
3. Sri C. Balasubramaniam,

89, S. S. Koil Street, Pollachi.

(Transferor)

(2) 1. Sri S. Manoharan, 2. S. Mahondran, sons of Sri M. Sundaram Chettiar, 64, Arokkianatha Pillai, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: T.S. Ward 3, S. S. Koil Street, Pollachi|Doc. No. 2388|84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 151 Dec.84 R.II.—Wheres, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. 37, II Main Road, Gandhinagar, situated at Adyar, Madras-20 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Adayar Doc. No. 3398 84 in December, 1984 for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per pent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. B. R. Moorthy and others, Second Main Road, Gandhinagar Adyar Madras-20,

(Transferor)

(2) Sri M Chandar, 22, Mahalaxmi Avenue, Madras-41

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat: No. 37, II Main Road, Gandhinagar, Madras-20. Adayar Doc. No. 3398 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date · 8-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Rcf. No 160 Dec. 84.—Whereas, I, MRS. M. bAMUFL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000 and bearing flat at 3|4, Anthu Street situated at Santhome (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at MylaporetDoc. No. 1657,84 in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tag Act, 1920 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. R. Govind, so Late S. Ramasamy, Flat 4, 16th. Road. Shivkey, Chembur, Bombay-71.

(Transferor)

(2) Mr. S. P. Sarathy, Door No. 3|4, Old No. 5, Clifton, Anthur Street, Santhome, Madras.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov, able property within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat: 3|4, Anthu Street, Santhome, Madras. Mylapore|Doc. No 1657|84.

MRS. M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suksection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 8-8 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMM SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Rcf. No. 161 Dcc.84 --- Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 3586|3, 3586|10, 3585|11, 3585|4 situated at Warram

Road, Mylapore Madras-4

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Mylappore Doc, No 1695|84 in December, 1984

for an apparent consideration which is teen than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or eve of the transferor to pay tax under the sa of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii C Rammohan, So Chandiamohan 53, 4th Main Road, R A, Puram,

(Transferor)

(2) Mr. A. Sahastanaman, I A.S., Managing Director. Handlooins Coip. J. & K. Govt., Jammu.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of v 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes the
- (b) by any other person inerested in the said immovable property, within 45 lays from the date of the publication of the equation in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning an given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Biulding R S No 3586[3, 3586]10, 3585[11, 3585[4

D. No. 8 (Old No. 6) Wairan Road, Mylapore, Madras-4. (Mylapore Doc. No. 1658|84).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-8-1985

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (%) OF THE INCOMP-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 162 Dec 84 --Whereas, I, MRS M SAMU! I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (here mafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing exceeding Rs. 1,00,000; and bearing RS. No. 631/3 situated at New No. 14 Balaji. Nagai. 2nd

Street, Royapetta'ı Madras-14

(and more full, assembed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 1656/8 in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income at sing feet, the transfer endior

(b) facilitating the concentmen of any meome or any moneys or other arsets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Fax Act 1957 (27 of 1977):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the end Act to the following orisons namely :--

(1) Shra Syed Baseer Ahmed, 15, Balaji Nagar Street, Royapettah, Madras-14

(Transferor)

(2) Mrs Tasneem Roquia, 3, Abdulkaraım Sahib Lane, Triplicane, Madras-5.

! Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expares later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act thall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant I and R S. No 631|3 part at Balaji Nagar 2nd street, Madras-14.

(Mylapore, Doc No. 1660|84).

MRS. M SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Medras-600 006

Date . B-8-1985

FORM NO. 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D[1] OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sti B Krishnakumar, 101, Royapettah High Road, Mylapore, Madras-4

(Transferor)

(2) Sathyabama Parthasaiathy, 28, 11th Avenue Ashok Nagar, Madias-83,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 164|Dec 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.0001- and bearing No.

1,00,000|- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Rs. No. 1832 situated at Mylapore, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1903 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer

at Mylapore Doc. No 1695/84 in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building R.S. No. 1832 Mylapore, Madras Mylapore Doc No 1695|84.

MRS. M. SAMULL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Malias-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 177 Dec.84.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00 000]- and bearing Plot No. 166 situated at Muthupandian Avenue, Santhome,

Madras-4

and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Adayar, Doc. No. 3279/84 in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atolesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) Smt. Latha Ramakrishnan, 9, Doraiswami Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri N. Shanthilal, 19, Muthupandian Avenue, Santhome, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site, Plot No. 166 in Nehru Nagar, Kottıvakkam Village.

Adayar Doc. No. 3279 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons papely: 61-256GI|85

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (47 OF 1961)

AKINI 40 THEMNSYOD

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 180|Dec.84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under sction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R: 1,00,000|-and bearing

and bearing S. No. 261|B|2C, Patta No. 236 s'tuated at No. 2, Otterivandalur Village, Chingleput T.K. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tambaram Doc. No. 7772 84 in December, 1984

at Tambaram Doc. No. 7772/84 in December, 1984 for an apparent consideration which is issue than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between this parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Rajammal and Others,
 67/4, GST Road, Kannappa Mudaliar Thottam,
 Otteri-Vandalur Village, Madras-48.
 (Transferor)
- (2) M/s Padma Chemicals Pvt. Ltd., rep. by Director Krishnamurthy Rao, Abhishekapakkam Punnakuppa Post, Pondicherry 605 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of agricultural land No. 2, Otterivandalur, village, Chingleput T.K.

Tambaram Doc. No. 7772|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 8-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th August 1985

Ref. No. 183 Dec. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing No. 24, Bajanai Koil Street, situated at Nandambakkam,

Madras
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the ooffice of the Registering Officer at Madras, Alandur, Madras, 3773 84 in December, 1984 for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Prabha Chakravarthy, No. 20, Bathanai Koil Street, Nandambakkam, Madras.

(Transferor)

(2) Sri Abhay Batra, Clo Standard Packanium, 20, Race Course Road, Guindy, Madras-32.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and percel land at No. 24, Bajanai Koilstreet, Nandambakkam, Madras.

S.R.O. Alandur, Madras. Doc. No. 3773 84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 7-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 190 Dec.84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Conapetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 17. Valmiki Street, T. Nagar, situated at Mudras-17 (and more fully described in the Schedule americal hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the ooffice of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1558 84 in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Sri M. S. Janakiran and others, No. 17, Valmik Street, T. Nagar, Mad.as-17.

(Transferor)

(2) Sri Y. Shabba and Jameela, No. 3, B & C 32, Corner Estates, 2nd Floor, Sembudoss Street, Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 17 Velmiki Street, T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar Doc. No. 1158 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice uder sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Rof. No. 192 Dec.84.---Whereas, I,

Rot. No. 192/Dec.84.—whereas, 1,
MRS. M. SAMUEL,
heing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
T.S. No. 4810, R.S. No. 41, Door No. 12B, Now 13, situated
at Hab'ballah Road, Madras-17
(and more fully described in the Schedule approved bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at T. Nagar Doc. No. 1437 84 in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- .(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mls. Krishnaveni Enterprises. By partners: Sri M. Sujhakar and others, Rajaji Street, Nellore, Andhra Pradesh.

(Transferor)

(2) Mrs. Chandra Bai and Chandrakumari, 26, P. V. Iyer Street, Madres-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site: T.S. No. 4810 R.S. No. 41, door No. 12B New No. 13, Hab bullah Road, Madras-17.

T. Nagar Doc. No. 1437 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 200|Dec.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. BAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

T.S. No. 8482/A, T. Nagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 1467/84 in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any scome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri B. K. Mardi and 6 others, No. 32, 8th Cross Street, West, Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferor)

(2) Sri A. Balavelayudham, No. 16|D, Kama Hodi Flat, Murugesan Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferce)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given up that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building: T. S. No. 8482 A. T. Nagar. T. Nagar Doc. No. 1467 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-8-1985

Scal :

FORM ITPIC-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras, 'he 8th August 1985

Ref. No. 201|Dec.84|R II.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing No. 6, Tilak St. Extension, situated at T. Nagar, Mndras-17. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at T. Nagar|Doc. No. 1471'84 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act. in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. P. R. Vijayalakahmi, Wlo Mr. L. M. Krishnan, (2) Mr. L. M. Krishnan, Slo Mr. L. V. Mayuranathiar, 6. Tilak St. Extension.
T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

(2) Mr. K. R. V. Acharya, Slo Late K. Rajacharya and Mr. V. Shyara, Slo Mr. K. R. V. Acharya, 6, Rujambal St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 6, Tilak St., Extension, T. Nagar, Madras-17. T. Nagar Doc. No. 1471 84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority mapecting Assistant Commissi ner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date : 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras, the 7th August 1985

Ref. No. 203 Dec 84.--Whereas, I MRS. M. SAMUEL.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs 1,00,000]- and bearing No. 44, Swaminaicken S reet, situated at Chindadripet, Madras-2 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at T. Nagar, Madras-17. (Doc. No. 1478184), on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration fo, such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Sri M S. Sambandappa, No. 44, Swaminaicken Street. Chindadi ipet, Madras-2.

(Transferce)

 S. Chandra, 2. S. Ragini,
 S. Maheswari, 4 S Mallika,
 and 5. S. Dhanalakshmi, 44. Swaminaicken Street, Chindadripet, Madras-2.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sant Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 44, Saminaicken Street, Chindaripet. Madras-2.

S. R. O. T. Nagar, Madias-17. Doc. No. 1478/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mattate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, namely:---

Date : 7-8-1985 Seal :

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF THE INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th August 1985

Ref. No. 204|Dec. 84.—Whereas, I, MRS. M SAMUEL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (beceive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing No. 5. New No. 7|2. Daniel St. Madias-17. situated at I. Nagar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar|Doc. No. 1486|84 in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of t

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facellinating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°P of the said Act, to the following persons, namely:—62-256G1[85]

 Mrs. C. Sarojini, Old No. 5, New No. 7/2. Daniel St. T. Nagar, Madras-17.

(Transferce)

(2) Mrs. Anjana Devi, Wlo Rao Shiva Kumar, Old No. 5, New No. 7/2, Daniel St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building · New No. 7/2. Daniel St., Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 1486/84.

MRS. M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madias-600 006

Date : 8-8-1985

(1) Sri K. Chakaravarthy, Prasanthiudayam, A. P.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Getha Ganesan and Rajagopalan, No. 9, Gopalakrishnau Road, T. Nagai Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 7th August 1985

Ref. No. 206 Dec 84. -- Whereas, I.

Ref. No. 206 Dec 84.—whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, Joing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

9. Habibullah Road, T. Nagar,

situated at Madras-17.

situated at Madras-17.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Madras 17. (Doc. No. 467/84), on Dec, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Vat, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No 9, Habibullah Road, T. Nagar, Madras-17. S. R. O. T. Nagar, Madias-17. (Doc. No. 467/84).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rerious, namely:-

Date: 7-8-1985

FORM NO. IT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 8th August 1985

Ref. No. 215 Dec. 84.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and beating No.

D. No. 31 part 1 situated at Villupuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Villupuram Doc. No. 2014/84 on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sold Act, in suspect of stay become unicing from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manager or other assots which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Smt. Meenal Wlo Sabarathinam, Ms. Murugan Enterprises Co., Karamarajar Street, Villupuram Town. 2. Smt. Santhi, Wlo Thiyasigamanı Tkambaram Mudali Street, Vedachalam Nagar. Chengalput.

(Transferor)

(2) Smt. Gurulakshmi and Smt. K. Latha 52, Kamarajar Street, Villupuram.

(l'innsferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and and Building at Villupuram Town Kamarajar Street. (Villupuram Doc No. 2015 & 2016/84).

MRS. M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range- 1 Madras-600 006

Date : 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 219|Dec. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₃. 1,00,000 and bearing No.

Tanjore situated at Ramanathapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karunthatankudi/Doc. No. 1358/84 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isr of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act to the following personnamely:—

 Sri M. Joseph Nadar, s|o P. A. Mariadoss Nadar, Arulnursory Garden, Arulananda Nagar, Tanjore.

(Transferor)
(2) Southern Railway Workers' Cooperative Society Ltd.,
President,
Sri T. R. Sampath,
slo Ranganatha Iyer,
Railway Colony, Tanjore Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are degreed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land: Ramanathapuram Valtam, Tanjore, Karunthatankudi Doc. No. 1358/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Madras-600 005

Date . 8-8-85. Seal :

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No 221|Dec 84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Property as specified in schedule to situated at Doc. No.

1951, 1952, 1953|84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddalore Doc. No, 1951, 1952, 1953 [84 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the angressid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers are cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Smt. Dhanabagyam, Parasuraman, S. Rajaratnam and others, No. 52, Aravin veedhi, Pendicherry State.

(Transferor)

(2) Sii Natasagounder So Muthukrishna gounder, Pudukuppam, Kilinjakuppam, Madur, Cuddalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Property as specified in schedule to doc. No. 1951, 1952 and 1953 84. Cuddalore.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-8-85.

FORM NO ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSIST AT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref No 222|Dec 84 —Whereas, I, MRS M SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No

Kaspa Pattukottai Siechivasapuiam situated at Tanjoie and more fully described in the schedule annexed heieto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

1908) in the office of Registering Officer at Pattukottai|Doc No 776|84 on Dec 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties Lis not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sii K. R. Purushothaman, s|o Ramasami Iyei, 51, Siinivasapuram, Pattukottai

(Tiansferor)

(2) Sri Samiappan, so A R Marimuthu, Smt S Indra woo Samiappan, 11, Siinivasapuram, Pattukottai

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said proper to may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atorcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building: Kaspa Pattukottai Siinivasapuram Tanjore Pattukottai]Doc No 776|84

MRS M SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Madrus-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date 8-8-85 Scal.

FORM ITNS

(1) Mis. Garbet Tilaga, Wo Late Faure Eugene Raymond, 27, Aurobindo Street, Pondicherry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Jagir Singh Riar Rep. by power agent Prabhat M. Poddar, Aurobindo Ashiam, Pondicherry,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 224|Dec. 84 -- Whereas, I,

MRS. M SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing No

TS. No. 82, R.S. No. 216 situated at Tillai Nattar Street,

Kurusukuppam Pondicherry-12 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating officer at Pendicherry Doc No 2966 84 on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a said exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Tillai Nattar Street, Kurusukuppam Pondicherry-12. Pondicherry Doc. No. 2966 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-8-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 226|Dec. 84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Oulgaret commune. Saram Village, situated at Venkata Nagar Extension Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1408) in the office of the Registering Officer Ozhugarai|Doc. No. 2563|84 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subgersons, namely:—

 Smt. K. Suguna, Pandian St., Kamaraj Nagar, Pondiche:1y.
 Sri P. Ramamurthi, 18. Ambom Salai, Pondicherry:1.

(Transferor)

(2) Sri R. Ramanathan, Kuruvinatham, Bahour Commune, Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Oulgaret Commune, Saram village, Vengata Nagar Extension, Pondicherry. Ozhugarai Doc. No. 2563 84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-8-85.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 227 Dec. 84 R.II.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000[- and bearing No.

No. 70 Samiappa Nagar situated at Thiruthuraipoondi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the registraction, has been transferred and registered under the registraction of the Registering Officer at Thiruthuraipondi Doc. No. 1710 84 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(!) Sri Appathurai Mudaliar, slo Choppayya Mudaliar, Daniel Thomas Nagar, Tanjore.

(Transferor)

(2) Sri R. Narayana Iyer slo Ramasamy Iyer, Agaramanaikal, Thiruthuraipoondi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

Land and building: No. 70, Samlappanagar, Thiruthural, poondy.

Thiruthuraipoondi Doc. No. 1710|84.

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—63—256G1|85

Date: 8-8-85.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 230|Dec 84|R,II.—Whereas. I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

T.S. No. 36 Ganapathypuram situated at D. No 30, Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Erode Doc. No. 256/84 on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislessed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) Sri V. Rajendran and others Slo Sri M. Sitaramachettiar, Karungalpalayam, Ganapathypuram, Frode Town.

(Transferor)

(2) Sri R. Manickam, Slo Sri L. Ramalingam, 6, Ganapathypuram, Karungapalayam, Erode Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the eaid immov-property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Ganapathypuram Veedhi Karungal-palayam, TS No 36. Erode Doc. No. 256|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-85.

FORM I.T.N.S.

- (1) Sri P. Govindasamykonar so Ponnusamy Konar and sons, Gopalasamudram, South St., Mannargudi. (Transferor)
- (2) Sri R. S. Uthirapathy Chettiar slo Saminatha Chettiar and another Madukkar, South Part, Pillayar Koil St., Pattukodai.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 233|Dec. 84|R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land and building. T.S. No. 1457[1, situated at T.S. No. 1456. Gopalasamudram, Mannargudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the ooffice of the Registering Officer Mannargudi/Doc. No. 2386|84 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and build ug: South St., ward no. 1, Block No. 2, T.S. No. 1456, Goralasamudram, Mannargudi Town. Mannargudi 2386/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-8-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1985

Ref. No. 181|Dec. 84|R.II.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

and bearing No.

8, Ayyancheri-4 acres and 84 cents situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Tambaram Doc, No. 8189, 8190, 8191 84, 8230 to 8235 84;
8291 8292 84 on Dec. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following jersons, namely:—

Sri Padamchand Samdaria,
 Sri Rikabchand Samdaria and others,
 Veerappan St.,
 Sowcarpet, Madras-1.

(Transferor)

(2) The Shastri Bhavan Staff House Site and Welfare Society, 26, Haddows Road, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 116,—8, Ayyancheri—1 acre and 35 cents. Tambaram|Doc. No. 8189, 8190, 8191|84; 8230 to 8235|84; 8291|8292|84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 8-8-85. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQCISITION RANGE, ROHFAK

Rohtak, the 12th August 1985

Ref No DLI₁5|84-85—Whereas, I, S K SHAPMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing Plot No 50, Mewla Maharajpur situate at Mewla Maharajpur (Distr Faridabad) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi under Pegistration No 1131 dated 1-12-84

1908) in the Olfice of the Registering Officer at Delhi under Pegistration No. 1131 dated 1-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—
59—246GI/85

(1) Smt Parbha Dargan woo Hall Pal, Smt Nee, a Dargan woo Shri Yashpal Dalgan, roo 12 B, Rajinder Park, New Delhi (Transferor)

(2) M|s Delhi Piess Patar Paikashan Pvt Ltd c|o Association Secretary Shri Rukesh Nath s|o Vishavnath r|o F-3, Jhande Walan Estate, New Delhi

(Transferee)

Objections, it may to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No 50 situated in Mewla Maharajpur Disti., Faridabad as more mentioned in sale deed registered at S No 1131 dated 1 12 1984 with he Sub Registrar, Delhi

S K SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date 12 8 1985 Seal

FORM ITHS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985

Ref. No. SPT [25]84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

House situated at Geeta Colony, Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Sonepat under Registration No. 3892 dated December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Atam Parkash so Sidhu Ram ro Geeta Colony, Sonepat.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chand so Lal Chand ro Ganaur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house situated at Gecta Colony, Sonepat and as more mentioned in the sale-deed registered at S. No. 3892 dated December, 84 with the Sub-Registrar, Sonepat.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-8-85.

the object of :-

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri R. R. Bhareja s|o Shri R. K. Bhareja, resident of H. No. 24, Sector 16, Faridabad.

(Transferor)

(2) Shri Ghau Ram slo Shri Iatoo Ram resident of 3-G-197 Township, Faridabad.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985 Ref. No. FBD|10|84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. (Plot) in Sector 16, Faridabad situated at Sector 16, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 1861 dated 12-12-1984 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned):—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being plot situated in Sector 16, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at S. No. 1861 dated 12-12-1984 with the Sub-Registrar, Faridabad.

THE SCHEDULE

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date): 9-8-85.

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985

Ref. No. Jund 20 84-85.—Whereas, I, R K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No. land measuring 4 kanals 5 marks situated at Jind

land measuring 4 kanals 5 marlas situated at Iind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sect on 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Iind on 19-12-984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt Lajwanti Dlo Sh, Pyare Lal,
 Rubby Dlo Sh, Pyare Lal Mittal,
 Through Sh, Pyare Lal Charitable Trust, lind.
 (Fransfejor)
- (2) Sh. Raunder Pal, Slo Nohar Chand, Satwinder Paul, Slo Sh. Madan Lal, resident of Jind (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being land measuring 4 kanals 5 marlas situated at Jind and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4088 dated 19-12-1984 with the Sub-Registrar, Jind

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Rohtak.

Date 9-8-1985 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 13th August 1985

Ref. No. PNP|111|84-85 --Whereas, I. S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Land 8 Kanal situated at Vill. Siwah

No. Land 8 Kanal situated at Vill. Siwah (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Panipat on 30-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfery and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manch:—

64-256GI]85

(1) Sh. Sardara Singh. Slo Mada, Slo Ghasi, Rlo Vill. Siwah, Teh. Panipat.

(Transferor)

(2) Sh. Vinit Khanna, Soo Rajinder Krishan Khanna, Soo Radha Krishan Khanna, Roo. Krishan Pura Teh. Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 8 Kanal situated at Vill, Siwah and as more mentioned in sale deed registered at S. No. 4750 dated 30-12-1984 with the sub-Registrar, Panipat.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 13-8-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUILITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985

Ref No AMB|114|84-85—Whereas, I, S K SHARMA being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the maid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing

and bearing
No 375-375-A, B, C, situated at Dev Samai College Road,
Ambala

(and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala under Registration No 5697 in 19-12 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (I the said Act, to the following persons, namely:

(1) Smt Pritam Kaui, Wdlo Dalut Singh Gurmeet Keur Dlo Chat i Singh Rlo 6, Adaish Nagar, Model Town, Ambala City

(Transferor)

(2) Smi Sulaksina Rani Juin Wo Subhash Chander lain Parveen Kumar Jain, So Raj Kumai Kulbhu shan Jun So Darshan I d. So Pare I al fain, Hashaid Jun So Darshan I d. So Pare I al fain, Hashaid Jun So Darshan I d. Jain, Ro Anaj Maudi near Old Post Office, Ganesh Bhawan, Ambala City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No 375-375, A, B, C, 380 Sq yards situated at Dev Samaj College, Road, Ambala and as more mentioned in the sale died registered at S No 6697 dated 19-12-84 with the Sub-Registral Ambala

S & SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition R unge Roblak

Date : 9 8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHIAK

Rohtak, the 13th August 985

Ref. No KNL|139|84-85 - Whereas I, S K SHARMA, being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax at, I'll (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said A.t.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Shop No. XVII|668 situated at Purana Sarafa Bazar, Kanal

Karnal

Nagai, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59. Nagai, Marol Maroshi Roid, Andheri (E), Bombay-59. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been ton terred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computent Authority at Karnal ander Registration No 7075 dated 17-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property

as aforesa d exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such arparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ci
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Tirath Singh, Slo. Sh. Gian Chand, Sl. Sh. Satram, Rlo House No G-225 Char Chaman, Karnal City. (Transferor)
- (2 S|Sh. Ram Lal, S|o Sh. Darbari Ram, S|o Buta Ram, Amathit, Darshan Lal, Ss|o. Ram Lal S|o Sh Parbari Ram, R|o Baba Malak Bazar Nakodar, D J dandnar (Pb.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichev i period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLY CHON—the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being Shop No XVII|668 situated at Purana Sarafa Bazar, Karnal Cit/ and as more mentioned in the sale-deed registered at S. No. 7076 dt. 17-12-1984 with the Sub-Registrar, Karnal.

> S K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak.

Date: 13-8-1985

(1) Major L. C. Khurana, So. Sh. R. D. Khurana, resident of K. M. 12, Kavl Nagar, Ghaziabad (U.P.). (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sub. Major Chaman Lal Anand, Slo. Sh. Ram Lubhaya, resident of 189-B, New Colony, Gurgaon.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985

Ref. No. GRG|565|84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|and bearing No.

No. House No. 2039, 500 Sq. Yds. situated at Sector 4. Urban Estate, Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

Gurgaon under Registration No. 6733 dated 12-12-84 for an apparent consideration which is less can the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being House No. 2039 on plot measuring 500 Sq. vds. situated at Sec. 4. Urban Estate, Gurgaon and as more mentioned in the vale Jeed registered at Sr. No. 6733 dated 12-12-1984 with the Sub Registrar, Gurgaon.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely:—

Date: 9-8-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak the 9th August 1985

Ref. No. GRG 568 83 85.— Whereas, I. S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property have a few reason to be set to the said Act. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. House No. 69-R situated at New Colony

Gurgaon

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerd under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Connectent Authority

Competent Authority,

Competent Authority, at Gurgeon under Registration No. 6760 dated 13-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any the conceanment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957); (1) S|Sh. Gulshan Kumar, Anil Kumar, Ashwani Kumar, Sslo Shri Lachhman Dass Mehndiratta. Rlo D-22, Vijay Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Malik, Slo. Mitwal Chand, Rlo. 68, New Colony, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No 69-R, situated at New Colony, Gurgaon and as more mentioned in the sale-deed registered at St. No. 6760 dated 13-12-1984 with the Sab Registrar, Gurgaon.

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date - 9-8-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985

Ref. No FBD|9|84-85.—Whereas, 1, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000| and bearing

No. H. No. 1A|86 situated at N I I. Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Faridabad under Registratio No 1814 dated 10-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nonce under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:-

(1) Shri Madan Lal, Slo Najain Dass, Rlo Faridabad (Transferor)

(2) Smt. Sushila Kumari, Satish Kumar, Gagan Kumar R[o 5-K]61 NIT, Faridabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being H. No. 1-A|86 NIT', Faridabad situated at Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at S. No. 1814 dated 10-12-1984 with Sub Registrar, Faridabad.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 9-8-1985

(1) Smt. Raj Wanti, Wio Sh. Pinas Ram, Slo Kala Ram, Rlo 1-E, 38, New Cownship, Faridabad. (Transferor)

(2) Shii Chander Shekhai Sharma, Slo Shankar Lal Sharma, Rio 3-A-28, New Fownship, Paridabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

SIONER OF INCOME-TAX

Rohtak, the 9th August 1985

Ref. No. FBD|22|84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Plot No. B-49 stunted at New Township, Faridabad

No Plot No B-49 stunted at New Township, Faridabad stand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Faridabad under Registration No. 2397 dated 26-12-1984

at Faridabad under Registration No. 2397 dated 26-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other awets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 [11] of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person intersted in the said immov-Able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. B-40 situated at Faridabad and as more mentioned in sale deed tegistered at S. No. 2397 dated 26-12-84 with Sub-Registrar, Faridabad.

S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Robtak the 9th August 1985

Ref No Sonepat/97/84-85.—Whereas, I. S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No 1165. Sector 14, Sonepat situated at Sonepat (and more fully described in the Schedule appeared berefo).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat under Registration No 3884 dated Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shii Mohan Lal Khurana, Slo Sh. Ram Sarup, Machine Designing Officer, Hindustan M. chine Tools Factory Pinjore Haryana)

(Fransferor)

(2) Smt. Neclam Anand, Wo Kidai Nath Anand, Shri Sant Rum, Kidai Nath Resident of 39, Housing Colony Phase No. 1, Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing H. No. 1165, Sector 14, Sonepat situated at Sonepat and as more mentioed in the sale deed registered at Si. No. 3884 dated December, 84 with the Sub-Registrart Sonepat.

S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitom of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 9-8-1985 Seal:

FORM ITNE----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985

Ref. No. AMB|160|84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to not the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Shop No. 5222 situated at Ambala

(and more fully described in the Schedule annual herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala uder Registration No. 6559 dated 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fake market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that somsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said PAct, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--- 65—256GI|85

(1) Asa Ram Dharmarth Trust Regd. Saralia Vaish Hindi Mahajani School, Shahpur Teh & Distt. Ambala Clo Shri Hitabhilashi, Slo Ram Parshad, Honorary Secretary. Trust & Shri Amar Chander. Slo Shri Munshi Ram Trustee Rlo Dev Samai Road, Ambala City

(Transferor)

(2) M/s, Harender Scientific Works, Gur Mandi, Opp. Jain Mandir, Ambala Cantt,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop No. 5222 situated at Ambala Cantt. and as more mentioned in sale deed registered at S. No. 6559 dated 14-12-1984 with the Sub-Registrar, Ambala.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 9-8-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985

Ref. No. KNL | 144 | 84-85,—Whereas, I, S. K. SHARMA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Shop No. 11|511 situated at Chora Bazar, Karnal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Karnal under Registration No. 7128 dated 21-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Harbans Singh, So. Dewan Singh, Ro. L-275, Model Town, Karnal.

(Transferor)

(2) S|Shri Lahori Lal, S|o Sunder Dass, Jai Gopal Kanwal Narain, Shiv Narain, Ss|o of Lohari Lal R|o. 53-54, Mohalla Kasban, Kapurthala (Pb.).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being shop No. 11|511 situated at Chowra Bazar, Karnal and as more mentioned in the sale-deed registerat S. No. 7128 dated 21-12-1984 with the Sub-Registrar, Karnal.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985

Ref. No. SPT 108 84-35,—Whereas, I. S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. land 28 kanals 4 marlas situate at Bahalgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Sonepat uder Registration No 4189 dated December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S|Shri Lachhmi Naram S|o Chotu Ram S|o Tulsi Dass, R|o 697 P Estate Colony, Sector 14, Sonepat. (Transferor)

(2) S|Shii Ravinder Kumar Sareen, Surinder Kumar Sareen, Kaushal Kumar Sareen Ss.o Ram Sahai Sareen, R|o O-11, Indl. Area, Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 28 kunal 4 marlas situated at Vill. Bahalgar and as more mentioned in the sale deed registered at S. No. 4189 dated December, 84 with the Sub-Registrar, Sonepat.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-8-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985

Ref. No. FBD|84-85.—Whereas, I. S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. B. Plot G-49 situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule appared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Faridabad under Registration No. 2396 dated 26-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Raj Wanti, Wo Paras Ram, Rlo IE-38, NIT, Faridabad. (Transferor)

 D1. Veena Gupta, Wlo D1. S U Gupta, Rlo. 1H-60, B, T Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. G 49 measuring 264 Sq. yds. situated at Faridabad and as more mentioned in the sale-deed registered at S No 2396 dated 26-12-1984 with the Sub-Regisıar, Paridabad

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-8-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

RAC. No. 265|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompeter Act 1961 (42 of 1961) (1) Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-und bearing No.

Building situated at Mulpur village, Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali in 12-1984

at Tenali in 12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said that the consideration with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Magapati Veeramma Wo Shri Pattayya, Morrispet, Tenali. Guntur Dist.

(Transferor)

(2) Sri Kolluru Venkateswarlu Slo Shri Venkatappayya, Mulpur village, Tenali. Guntur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building situated at Mulpur village, Tenali Tq. registered with the SRO, Tenali vide Document No. 54|1985.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-8-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985

Ref. No. JDR | 101 | 84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269b of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Pr. 100 000 and bearing.

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing. No. land 28 Land 5 mails situated at Vill. Gulabnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of at Jagadhri under Registration No. 5339 dated 12-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Pawan Kumar, So Balwant Rai, Ro Jagadhri, Member Arihant Coop. Housing Society, Gulabnagar Teh. Jagadhri.

(Transferor)

(2) Arthant Coop. Housing Society. Gulabnagar (Jaga-thri).

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being land 28 kanals 5 marlas situate at Gulabnagar and as more mentioned in the sale-deed registered at S. No. 5339 dated 12-12-1984 with the Sub-Registrar, Jagadhri.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-8-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985

Ref. No. GRG|560|84-85.--Whereas, I, S. K. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

House No. 1052 situated at Sector 14, Gurgaon, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 6628 dated 4-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ashok Yadav Slo Sh. J. N. Singh, Rlo S-370, Greater Kailash, Phase-II, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Kanta Yadav Wlo Major Genl. M. L. Yadav, Clo M.G. A O.C., Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being House No. 1052, Sector 14, Gurgaon and as more mentioned in the sale-deed registered at Sr. No. 6628 dated 4-12-84 with the Sub Registrar, Gurgaon.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985

Ref. No. SPT|107|84-85.--Wheras, I, S. K. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the iransevable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

land measuring 123 kanals 3 mails situated at Village Jhundpur Distt Sonepat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonept under Registration No. 4184

December, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sarasvati Devi Wo Sh. Phool Chand, Sonepat
 - (Transferor)
- (2) Dev Raj Slo Bodha Ram, Rlo Vill. Jhundpur Distt, Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being land 123 kanals 3 marla situated in Village, Jhundpur Distt, Sonepat and as more mentioned in sale deed registered at S. No. 4184 dated December, 1984 with the Sub-Registrar, Sonepat,

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-8-1985

(1) Shri Sat Pal Slo Ram Pal, Kio 5-A-48, New Town Ship Faridabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Sl. kuntia Devi 5,0 Sh. Mahu Ram Kapoor, Slo Shii Tera Chand Kapoor, Rlo 5-P-43, New Township, Faridabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985

Ref. No. FB Γ |11|84-85.—Whereas, I, S. K. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

House No. 5-A|48 situated at Faridabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad under Registration No. 2323 dated 21-12-1984 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such a gardent consideration and that the consideration for such a gardent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being plot No. 5-A-48, measuring 240 sq. yards situated at Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at S. No. 2323 dated 21-12-1984, with the Sub-Registrar, Faridabad.

S. K. SHARMA Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the vaid Act, to the following

Date: 9-8-1985

Scal:

rersons namely : - 66-256GI[85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1941 (43 OF 1961)

COVERYMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUIS TION RANGE, ROHTAK

Right ho 9th August 1985

Ref No GFC 561 81 85 - Whereas, I, S. K SHARMA b ing the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value excersing Rs (100,00) and having No House to 457 time that Sec or 14, Urban Estate, Gurgaon, h s b in transf med ander the Registration Act, 1908 (16 of has he mediated the trace the Registration Act, 1906 (10 or 12 or fair merket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ironsfer with the object of :-

- fa) 140 litating the reduction or evagion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any mounte arising from the transfer and/or
- The facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, 27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. D. Dhawan So Sh. Topan Dass, Ro 192, Sarojini Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Parveen Kumar Vashisht S|o Sh. Ram Kishan Vashist, Smt Rekha Vashist, W|o Sh. Parveen Kumar Vashist, R|o V & P O Gharat Garh, Distt. Una (H.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being House No. 467, Sector 14, Urban Estate, Gurgaon and as more mentioned in the saledeed registered at Sr. No. 6632 dated 4-12-84 with the Sub Regular, Gurgaon.

S. K. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-8-1985

The second of the control of the con

FORM ITNS-

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1985

Ref. No. HSR|78|84-85.-Whereas, I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 176 situated at Anaj Mandi, Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 4108 dated 3-12-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) S|Shri Ram Parshad.

(2) Sita Ram Ss|2 Sh. Bala Ram S|0 Rudh Ram, (3) Bhagwan Dass S|0 ko han hai S|0 hata Ram, R|0 Kath Mandi, Hissar.

(2) Smt. Raj Ram Wlo Vijay Rumar Slo Unitanji Lal Aggatwa, Smt. Devki Devi Wlo Sulesh Romai Slo Chiranji Lal Aggarwal, Shop No. 34, Mandi Adampur Distt. Hisar. (transfere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions the district are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop No. 176 situated at And Mandi, Hissar and as more mentioned in the sale died registred at S. No. 4108 dated 3-12-1984 with the Sub-Registred, His dr.

> S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range, Robink

Date: 9-8-1985

33116

FORM ITNS-

(1) Shri Rabindra Nath Dutta & Mohan Murali Dutta (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(2) Mls III tino Estates Private Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. TR-12|85-86|St. 1036 J.A.C.|Acq. R-J|Cal.— Whereas, 1.S. K. BANLRJIL being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have 'cason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

53, situated at Syed Amir An Avenue, Cabutta (and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred

and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesind property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uanster with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immova-.bl.; p.cp., ty, within 45 cays from the date of the publication of this notice in the Oilicial Gazette

EXPLANATION; -The terms and expressions used hirein as or Confin XX votate said Net shall have the same meaning as given in that < hapte

THE SCHEDULE

All that property, 17 Cottabs, 1 Chittack and 8 sft. together with building thereon at pressives No. 53, Syed Amir All Avenue. Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances Calcutta vide Deed No. I-15186 dated 15-12-84.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1985

(1) Ms. Kali Durga Estate

(Transferor)

(2) Mis. Sujata Enterprises

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. TR-14|85-86|Sl. 1037 I.A.C.|Rcq. R-I|Cal.--Whereas, I S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the and Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000, and bearing

No. 158, situate at Lenin Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 16 of 1908

in the office of the Registering Officer at

R.A., Calcutta under registration No. I-15559 dated 21-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the consealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :-

THE SCHEDULE

All that Room No. 2 on 1st floor admeasuring 693 sft. at 158, Lenin Sarani, Calcutta. Registered before the Registrar Assurances, Calcutta vide Deed No. I-15559 dated 21-12-84.

> S. K. BANERJEB Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Dato: 14-8-1985

(1) Sm. Panbai Patodia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Radhay Shyam Agarwalla & Smt. Triveni Devi Agarwalla

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. TR-16|85|86|Sl. 1038 I.A.C.|Acq. R-I|Cal.-Whereas, I S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/-

and bearing
No. 58, situate at Ratan Sarkar Garden Street, Calcutta-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the

has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer R.A., Calcutta under registration No. 1-15694 dated 26-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filter near cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that partly four and partly five storeyed brick built dwelling house, area 4 Cottahs, 2 Chittacks and 41 sq. ft. at 58, Ratan Sarkar Garden Street, Calcutta-7. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-15694 dated 26-12-84.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1985

has been transferred

FORM ITNS-

(1) Mr. Pooran G. Dudani

(Transferor)

(2) Mrs. R. M. Bathija

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. C.A. 105A[85]86[Sl. 1039 I.A.C.]Acq. R-I]Cal.-Whereas, I.-S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 61B, situated at Park Street, Calcutta.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

and registered with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read under registration with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962
No. C.A. 105A dated 7-12-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inflinte proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 2G in 'Neelam Apartments', 61-B, Park Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 105A, dated 7-12-84.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. C.A. 109|85-86|Sl. 1040 I.A.C.|Acq. R-I|Cal,—Whereis, I.—S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 24, situated at Park Street, Calcutta-16.

Nagar, Malad, Bombay-68.

(and more fully described in the Schedule below) has been transferred and registered with the Competent Authority us 269AB of the

with the Competent Authority ups 209AB of the

said Act read under registeration with

rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962

No. C.A. 109 dated 18-12-1984 for an for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Md. Shahid, Md. Ahid, Md. Asif & Md. Arif (Minors) So Sk. Md. Abbas

(Transferor)

(2) M|s. Calcutta Credit Corporation Limited. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisit on of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that office room No. 4D, containing a covered area of 1300 Sft. in 'Park Center' building at 24 Park Street, Calcutta. Registered before the Competnet Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 109 dated 18-12-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-8-1985

 Sri Sudarshan Kumar Jalan & Smt. Minakshi Jalan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. C. I. Private Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the imp with property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. 33A, situate at Chowringhee Road, Calcutta-16 (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered with the Competent Authority u|s 269AB of the said Act read under registration with rule 48DD(4) of Income-tax

Rules, 1962 No C.A. 114 dated 22-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the tradestigued:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that apartment flat No. A-2 on the 11th floor of "Chatterjee International Centre" at 33A, Chowringhee Road, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 114 dated 22-12-84.

S. K. BANFRIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of Income-tak
Acquisition Range-I
54, Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

67---256GI|85

Date: 14-8-1985

FORM NO. LT.N.S.---

(1) M|s. Azimganj Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mls. Wist Trade Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GUALLY ALIND OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. C.A, 115|85-86|Sl. 1042 I.A C.|Acq-R-I|Cal,—Whereas, I.—S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000|- and bearing
No. 7, situate at Camac Street. Calcutta-700017
(and more fully described in the schedule annxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at No. C.A. 115 dated 26-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inverested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that space admeasuring 138.51 sq. mts. approx, on First Floor off 7, Camac Street, Calcutta-700017. Registered before the Competent Authority, J.A.C. Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. CA. 115 dated 26-12-84.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acq uisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1985

(1) Shri Ramesh Kumar Jaiswal & Shri Rajesh Kumar Jaiswal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Star Oxide & Chemicals Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. C.A. 116|85-86|Sl. 1043 I.A.C.|Ocq. R-I-Cal.-Whereas, I

K. BÁNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 77 1-B, situated at Park Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at No. C.A. 116 dated 28-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that Flat No 18, on the third floor of premises No. 77|1 commonly known as 77|1-B, Park Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I Calcutta vide Serry No. 116 dated 28-12-84.

S. K. BANERJEE

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-I

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-8-1985

FORM ITNS-

(1) Ms. Indian Instruments Mfg. Co.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shahra Bros. Pvt Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. C.A. 117|85-86|Sl. 1044 1.A.C.|Acq. R-I|Cal.---Whereas, I

S. K. BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 28-B, situate at Shakespeare Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

No CA 117 dated 28-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

Objections, if any, to the acquisition of the said property

from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as able property, within 45 days from the date shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. G on the 2nd floor together with garage on the basement and one servant quarter in the building known as Neelamber at 28-B, Shakespeare Sarani, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acquition Range-I, Calcutta vide Serial No. 117, dated 28-12-84.

> S K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref No CA 121|85 86|S1 1045 1 AC |Acq R-I|Cal -Whereas, 1 S K BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1.00,000/- and bearing No 7, situate at Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), thas been transferred and the agreement as registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at No CA 121 dated 5-1 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Azımganj Estates Private Limited

(Transferor)

(2) Shri Tagdish Prashad Gupta & Shri Nilesh Kumar Gupta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unsarrigued :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that space 180 23 Sq mts approx on the the Ground and First floor of 7, Camae Street, Calcutta Registered before the Competent Authority, 1 A C Acquisition Range-1, Calcutta vide Setial No C A 121 dated 5-1 85

S K BANERJEE Competent Authority Inspecting Assirtant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the se Act, I fereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely .--

Date: 14-8-1985

(1) M/s. Park Chambers Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. F. K. Commercial Co.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I, CALCUITA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. C A 122A|85-86|Sl. 1046 I.A.C.|Acg. R-1|Cal.— S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'Said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market, value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 119, situate at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oliner of the Registering Officer at No. C A 122A, dated 5-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have research

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income armong from the transfer: end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said & Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that space No. 4A on 4th floor measuring about 5643 Sq. ft. and 4 Car Parking space in basement at 119, Park Street, Calcutta Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 122A, dated 5-1-85.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-8-1985

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

*FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. C.A. 126|85-86|Sl. 1047 I.A.C.|Acq. R-I|Cal.-S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000]- and bearing No. 33A, situate at Chowringhee Road, (Jawaharlal Nehru Road), Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at C.A. 126 dt. 19-1-85

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:—

(1) Mr. Jawahar Lal R. Joshi & Mr. Hemant Kumar Joshi

(Transferor)

(2) Sii Sanjay Kumar Garg & Sri Ajay Kumar Garg

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. A-2, on 7th floor 'Chatterjee International Centre', 33A, Jawahar Lal Nehru Road, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 126 dated 19-1-85.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-8-1985

(1) Deliti Properties Pvt. Ltd. & Eastern Builders.

(Transferor)

(2) Fouress Engineering (India) Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. C.A.127|85-86|Sl. 1048|IAC|cq.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. 8, situated at Acharya J. C. Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred and registered with the Competent Authority u|s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. C.A. 127 dated 21-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair Ref. No. C.A.127|85-86|Sl. 1048|IAC|cq.R-I|Cal.for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Office Block No. 65, 67 & 69 admeasuring 2,400 Sft. approx on 6th floor an undivided proportionate share in the land comprised in premises No. 8, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Scrial No. C.A. 127 dated 21-1-1985.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :--

Date: 14-8-1985

(1) Sri Debaprasad Pal.

(Transferor)

(2) Prayagdas Tusnial (HUF).

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ΛCQUISITION RANGE-I CALCUTTA-16

Calcutta 16, the 14th August 1985

Ref. No. C.A.131|85-86.Sl. 1049|IAC|Acq.R-I|Cal,—Whoreas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 33A, situated at Chowringhee Road, Calcutta-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority us 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. CA. 131 dated 5-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiese of transfer with transf

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) farilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons warmely

68-256GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immershie property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that office space No. A-10 on the 15th floor of the multi-storeyed building 'Chatterjee International Centre', Covered area 1038 Sq. ft. at 33A, Chowringhee Road, Calcutta-71 Registered before the Competent Anthority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C A. 131 dated 5-2-85.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-8-1985

FORM I.T.N.S.—--

(1) Mis. Multicon Builders Limited.

(Transferor)

(2) Mrs. Supriti Mukheriee.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th August 1985

Ref. No. C.A.139 & 139A185-86|S1.1050|IAC|Acq.R-I|Cal.-Whereas, I. S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

to as the said Act') have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.
No. 28/3A, situated at Convent Road, Calcutta-14 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. C.A. 139 & 139A dated '23-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this noticein the Official Countre or a period of 30 days from the survive of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that office space No. 1 (one) measuring 746.9 Sft. and an open terace—90.55 sft.—at 28|3A, Convent Road, Calcutta-14, Registered before the Competent Authority, IAC, Acquisition Range-, Calcutta vide Serial No. C.A. 139 & 139A dated 23-2-1985.

S. K. BANERJFF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1985

(1) MJs. Multicon Bhilders Limited.

(Transferor)

(2) Sri Rabin Dastider.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA-16

Calcutta 16, the 14th August 1985

Rcf. No. C.A.141|85-86|SI.1051|IAC|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. 28 3A, situated at Convent Road, Calcutta-14 (and more fully descirbed in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u|s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No (A. 141 dated 23-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Office Space No. 2 (two) on 4th floor, admeasuring 514 Sft. at 28|3A, Convent Road, Calcutta-700014. Registered before the Competent Authority, IAC, Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 141 dated 23-2-1985.

S. K. BANFRJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Ran Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

17at - 14 3-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th July 1985

RAC. No. 252|85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

RS. 1,00,000; and bearing No.

Flat situated at Alun apartments, Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed heroto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s, Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

1

(2) Dr. M. Panduranga Rao, 1-47]10[1, AA Siddhartha Nagar, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 108, Arun apartments, Red Hills, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 213/85 in the month of January, 1985.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 15-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th July 1985

RAC No. 253|85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereignafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs, 1,00,000], and bearing Flat situated at Arun apartments, Red Hills, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1|1985 for an apparent consideration which is less then the fair

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the property for such apparent consideration and the property as a parent consideration for such apparent consideration and the property as a parent consideration an the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferoe (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937); (1) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Prof. N Siddeswar & Others, Flat No. 208, Arun Apartments, Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette

l-YPLANATION: The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208, Arun apartments. Red Hills, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 214[85 in the month of 1]1985.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-7-1985

 M|s. Landmark Builders, 6-2-930, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P A. D. Ellis, Flat No. 302, "Shibas Glen" 6-3-986, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 15th July 1985

RAC No. 254|85-86—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat situated at Landmark Builders, Khanatabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1|1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Flat & garage in 'Shibe, Glen' in M. No. 6-3-986, Kapadia Lane, Somajiguda, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 140|85 in the month of 1|1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sand Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-7 1985 **Seal :**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th July 1985

RAC. No. 255[85-86,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and beating

filat situated at Aiun apartments, Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registering Officer at Hyderabad on 12 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than influence percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Sumise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(2) Sti A. Goutam Buddha, AGK Vihar. Tenali-2, Guntur Distt. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Carette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, Arun apartments, M. No. 11-5-348, Red Hills, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6469 84 in the month of 12 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Atuhority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 15-7-1985

(1) The Trustees of Talwar Family Trust. Talwar Apartments, Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Trustees of Wedding Gifts Trust of H.H.H. the Nizam Hvderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 15th July 1985

RAC. No. 256 85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing I lat Golconda apartments, Humayun Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instancement of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this netter under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 in I Floor, Golconda Apartments, Humayun Nagar, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 296|85 in the month of 1|1985.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 15-7-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th July 1985

RAC No. 257|85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat situated at Shahjehan apartments, Khairatabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 12|1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay mx under the said Act, in ericing from the ot of nev income
- b) facilitating the concealment of any facouse or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following penkins namely:---69---256GI|85

(1) Sti M. C. Bhaskaran and Smt. Chitra Bhaskaran, 6-2-974. Shalijeban apartments, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. B. Kuppuswamy, Flat No. 8, Kohinoor apartments, Motilal Nagar, Begumpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308 in III Floor of Building, "Shahjehan Apartments", Khairatabad, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6507/84 in the month of December, 1984

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 15-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AP)

Hyderabad the 15th July 1985

Ref No RAC No 258 85 86 -Whereas, I, M JEGAN MOHAN

M Jl:GAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]- and b aring No Flat situated at Arur apartments, Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 12|1984

Hyderabad on 12|1984

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mau/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Sunrise Fuilders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad

(Tiansferor)

(2) Sii P Paimeswaia Rao & Smt P Aiundhati Devi, 14 11-7, Dwaiaka Nagar, Visakhapatnam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fram the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Arun apartment, Red Hills, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No 6636 84 in the month of 12 1984

> M IFGAN MOHAN Competent Authority In pecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (AP)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow ing persons namely '---

Date 15-7 985 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th July 1985

RAC No. 259 85-86 - Whereas, I,

M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat situated at Arun apartments, Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 12|1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent midoration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or thesaid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(1) Smt. V. Balakoteswari, H. No. 10-2-289|67, Shanti Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said acoparty ay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 401, Arun apartments, Red Hills, Hyderabad registered with SRO. Hyderabad vide Document No. 6422 84 in the month of 12 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date : 15-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Srl Mohd Altaf Hussain, Flat No. 111, Arun Apartment, Red Hills, Hyderabad.

(1) M|s. Sunrise Builders,

Hyderabad.

11-5-348, Red Hills.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th July 1985

Ref. No. RAC No. 260[85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No.

Flat situated at Arun apartments, Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 12|1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor bv more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if use, to the acquisition of the unid property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 111, Aiun aparments, Red Hills, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6421 84 in the month of 12 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 15-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

RAC. No. 261|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immuvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat situated at Arun apartments, Red Hills (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad in 12 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M|s. Sunrise Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. Krishna Murthy, 93, Santinagar, Hyderabad.

(Transperce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, Arun apartments, H. No. 11-5-348, Red Hills, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6726|84 in the month of December, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 5-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

RAC. No. 262|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat situated at Arun apartments, Red Hills

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 12-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Sunrisc Builders, 11-5-348, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

Sri G. S. N. Murthy,
 Santi nagar,
 Hyderabad.

(Transperee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officia. Gazatte.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, in Arun apartments, Red Hills, Hyderabad registered with SRO, Hyderabad vide Document No. 6727 84 in the month of 12 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 5-8-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

RAC. No. 263|85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act) have reason to believe that the immovrble property, having a fair market v. Rs. 1.00,000- and bearing No. Building situated at Patamata Vijayawada market value exceeding

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in 12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has been truly stated in the said intrussent between the transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; end /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the aequicition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Ravi Subrahmanyeswara Rao and Slo Shri Satyanarayana, Ravi Sesharatnam Wo Shri Satyanarayana, Labbipet, Vijayawada

(Transferor)

(2) Smt. Kanneganti Sri Devi Do Shri Basavapooranam, Gunadala, Vijayawada and Kanneganti Nagaratnamma Wo Shri Pedapunnaiah, Nandivelugu, Guntur Dist.

(Transperee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable resuperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A storeyed building situated at Fittingspet, Patamata, Vijayawada, area of the site 308 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. §254|84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 5-8-1985

FORM I.T.N.S.—

NGTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

RAC. No. 264|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Building situated at Nallapadu, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in 12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the rane of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. M. Jayalaxmi Wo Shri Jayarami Reddy & Others, Nallapadu, Guntur.

(Transferor)

(2) Smt. Nallapati Anjamma Wo Koteswara Rao, Nallapadu, Guntur.

(Transperee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RCC building, Survey No. 365, bearing Door No. 2-14-113|A, Nallapadu, Guntur registered by SRO, Guntur vide Document No. 14992|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 5-8-1985

FORM ITNS----

 Mls. Popular Animal Works (P) Ltd., E-34, Indl. Area Sonepat. Clo N. K. Chugh, Liquidator 157 A Block, Anaj Mandi, Sirsa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Aroma Colours (P) I td. C/o Shu Ravinder Seth Director, Indl. Area, Sonepat. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Robtak the 9th August 1985

Ref. No. SPT198/84-85. --Whereas, I, S. K. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ref. 100 0001, and having No.

Rs. 1,00,000 - and bearing No.

No. E-3! 2|f mu situated at Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Sonepast under Registration No. 3891 dated December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) fucilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property being factory E-34, Indl. Unit situated at Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at S. No. 3891 dated December, 84 with the Sub-Registrar, Sonepat.

S. K. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
75—256Gt|85

Date: 9-8-1960

(1) Smt. Akumalla Sultan Bee Wo Kharim Saheb & 7 Others, Ismailpet, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gondi Ratnam Wlo Shri Rammohan Rao. Seetharampuram, Vijayawada,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

Ref. No. RAC. No. 266|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Building situated at Labbipet, Vijayawada (and more fully described in the Schelule approach harato).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Building situated at Labbipet, Vijayawada area 264 sq. yds., registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 8218 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Date : 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

RAC. No. 267|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land situated at Koppurayur Tadikonda, Guntur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Guntur in 12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Yarlagadda Eswarachandar Vidyasagar S|o Shri Rumanatha Babu, Karamchedu village, Chirala Tq., Ongole Dist.

(Transferor)

(2) Shri Darapaneni Chenna Krishnayya Slo Shri Vengayya, Shri D. Vengal Rao Slo Shri Venkateswarlu, Shri D. Ramakrishna Slo Shri Venkateswarlu, Kakumanuvari Thota, Guntur.

(Transferce)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring AC. 5-03 cents situated at Koppuravur village, Tadikonda, Guntur registered by the SRO, Guntur vide Document No. 14377/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.)

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

RAC. No. 268|85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000|- and bearing
Rs. 1,00,000|- and bearing
Land situated at Pillipadi village, Mahadavalli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
at Mandavalli in 12-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s Kolleru Fisheries, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Pulagam Sivaratnam Wo Shri Rami Reddy, Pileru, Tanuku Tq., W. G. Dist.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of: 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Pillipadu Village, near: Mandavalli Krishna Dist., in Survey Nos. 148 & 149, Ac 3-18 & Ac 4.82 respectively registered by the SRO, Mandavalli vide Document No. 2214|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

RAC. No. 269|85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act') have reason to be exceeding the immovable
property having a fair market public exceeding the

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000[- and bearing
House situated at Labbipet, Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred unler the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in 12-1984

for an apparent consideration hich is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Smt. Amarapu Papayamma Wo Shri Appala Swamy & 7 others, Labbipet, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Poodi Indira Dev i Wlo Shri Appala Swamy, Gandhi Nagar, Nageswararao Panthulu Road, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Labbipot, Vijayawada, area of the site 709 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 7982 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

New therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 5-8-1985

N()TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HŸDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

RAC. No. 270|85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing

Building situated at Chowdaripet, Gudivada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gudivada in 12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 249D of the said Act, to the following рогоонь, памоју :-Seal:

(1) Smt. Surapaneni Sarojini Wo Shri Raja Babu, 17, Ward, Gudivada,

(Transferor)

(2) Sri Kurucheti Chandra Sekhara Hanumath Prasad, So Shri Venkata Nagabhushanam, 16-Ward, Gudivada, Krishna dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immove property, within 45 days from the date of the pention of this notice in the Official Country.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chaptet.

THE SCHEDULE

RCC building situated at Chowdaripet, Gudivada, Krishna dist., area of the site 553 sq. yds. registered by the SRO, Gudivada vide Document No. 5446/84.

M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

RAC. No. 271|85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00.000 - and bearing

Office premises situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad in 12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid and the consideration that the property as aforesaid. said exceeds the apparent consideration therefor by тоге than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M's Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92. Ranigunj, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Farida Baun & Others, 1-8-303|33, Babu Khan House, Sardar Patel Road, Rasoolpura,

(Transperce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 402, on 4th Floor of H. No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, Sccunderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 6842/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

RAC. No. 272|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Office premises situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad in 12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

 M|s Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Naznech Sherza Wlo Sri Nizamuddin Sherza, No. 101, Mogul apartments, Decean Towers, Bashir bagh, Hyderabad.

(Transperee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises Nos. 542 & 543 situated at H. No. 5-4-86 to 92, Raniguni, Secunderabad, registered by the SRO, Hyder bad vide Document No. 6375|84.

M. JEGAN MOHAN
Competen Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 5-8-1985

33153

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M|s Babu Kban Builders, 5-4-86 to 92, Raniguni, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sayeeda Eunu & Others, 1-8-303|34, Rasoolpura, Secunderabad,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

Ref. No. RAC No. 273|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 |43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Office premises, Ranigunj, Situated at Secunderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). THE SCHEDULE

Office premises No. 502, situated at H. No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 6843 84.

M. JÈGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persone, namely 77 71—256GI|85

Date: 5-8-1985

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

Rcf. No. RAC. No. 274|85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. Shop situated at Raniguni, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

(1) M/s Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92. Ramguni, Secunderabad

(Transferor)

(2) Sti S. Prakash, Slo S. Sarabharadhya, Shep No. 23. on Ground Floor, at H. No 5-4-86 to 92, Ranigun, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Explanation: - The terms and expressions Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 23, situated at H. No. 5-4-86 to 92, Ranigunj Secunderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 6841 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (Λ .P)

Date 5-8-1985 Scal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M|s Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sti Mir Harid Ali Quadri, 19-2-19|2, Misriganj, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

Ref. No. RAC. No. 275 85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Shon situated at Raniguni, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 43, situated at H. No. 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 220|85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :-

Date: 5-8-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri Z. J. Samuel, 12-13-557, Street No. 19, Tarnaka, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Master S. Vijayapal Reddy, So S. Rami Reddy H. No. 3-18, Ghatkesar P.O. & Village, Hayataagar Tq., RR Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

Ref. No. RAC No. 276|85-86.-Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - an bearing

Nc. House situated at Tarnaka, Secunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mariedpally in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; andlor
- moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

II. No. 12-13-357 (Old 1|342), Street No. 19, Tarnaka, Secunderabad, admeasuring 500 sq. yds. registered with the SRO, Marredpally vide Document No. 3278 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sction 2690 of the said Act, to the following persons, namely :--

Dato: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. B. Laxmi Kameswari, Wo B. Narasimha Sastry, Mettewada, Warangal.

(Transferor)

(2) Sri S. Satyanarayana, So Venkaiah, H. No. 13-2-183, Mattewada, Warangal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

Ref. No. RAC; No. 277|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fail market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. House situated at Mattewada, Warangal,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; icil/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Mattewada, Warangal, admeasuring 488 sq. yds. (H. No. 13-2-183, Mattewada), registered by the SRO, Warangal vide Document No. 262 85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

Ref. No. RAC. No. 278|85-86.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. House situated at Plot No. 9, Padmarao Nagar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Smt. C. Neela Bai W|o C. Pandir Rao, H. No. 6-1-99, Padma Rao Nagar (Plot No. 9), Secunderabad. 2. Sri R. Hati So R. Babu Rao, 4-1-352, Abids, Hyderabad.

(Transfetor)

(2) St. V. S. Ramakrishna, GPA: Sri V. Sita Ramaiah, 6-1-99A, Padma Rao Nagar (Plot No. 9), Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 6-1-99|A (First Floor and Second Floor portion of a house) situated at Plot No. 9, Padmarao Nagar, Secundera-bad registered by the SRO, Hyderabad vide Document, No. 6621 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

Ref. No. RAC. No. 279|85-86,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Plot situated at Lallaguda, Secunderabad,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mariedpally in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. V. Prema, Wlo V. Krishna Murthy, 12-13-284, Road No. 9, Tarnaka, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kota Akhilandeswari, Wo Sri Kota Suman narayana, 12-13-1162, Road No. 11, Tamaka, Secunderabad.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 864 sq. yds. at Road No. 9, Lallaguda, Tarnaku, Secunderabad (Sy. No. 182]10 & 183[14, Old No. 18) registered by the SRO, Marredpally, vide Document No. 3228[84.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-8-1985

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

Ref. No. RAC. No. 280|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. Flat situated at S.D. Road, Sccunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Secunderabad in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any faceure or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s Uma Karan & Tej Karan, 8-2-547, Road No. 7, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmala Vishundas, 7112|35 Old Mahakali Street, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 3rd Floor bearing H. No. 1-1-101 & 101A, Sarojinl Devi Road, Secunderabad, registered by the SRO, Secunderabad, vide Document No. 11|1985.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (Λ.Ρ.)

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

Ref. No. RAC. No. 281|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000- and bearing No. Plot situated at East Marredpally, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Marredpully in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any nonevs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 265 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-72-256GI|85

(1) Sri M. Susai Raj, 46, Vijayanagar Colony, Picket, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. M. Jacob, Plot No. 25, Opp: Tagore Jr. College, near: Shenoy Nursing Home, East Marredpalle, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24, Opp: Tagore Jr. College, East Marredpalle, Secunderabad (admeasuring 389 sq. yds.), registered by the SRO, Marreapally vide Document No. 3154|84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad A.P. 1

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

RAC. No. 282/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. Flat situated ut Mahaveer, apartments, K. Koti,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Hyderabad in December 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s Natraj Builders, 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. R. Girish Kumar & Mr. R. Anil Kumar, 207, Mahaveer Apartments, 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207, on II Floor, Mahaveer Apartments, 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 6682|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Natraj Builders, 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. V. Doshi & Sri A. M. Doshi, 103, Mahaveer Apartments, 3-5-796, King Koti, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

RAC. No. 283|85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]- and bearing No. Flat situated at Mahaveer apartment, King Koti,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, on I Floor, H. No. 3-5-796, Mahaveer Apartments, King Koti Road, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 6677 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-8-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th August 1985

RAC. No. 284|85-86,-Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

No. Flat situated at Mahaveer Apartments, King Koti, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section 249AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of section (1) of Section 269B of the said Act, to the following

(1) M|s Natraj Builders, 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Bhanumati C. Sanghoi, 208, Mahaveer Apartments, H. No. 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208, Mahaveer Apartments, II Floor, H. No. 5-3-796. King Koti Road, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 6683|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Natraj Builders, 3-5-796, Klng Koti Road, Hvderabad.

(2) Smt. Ganga Devi, 11-3-928, Mallepalli, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th August 1985

Ref. No. RAC. No. 285|85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat situated at Mahaveer Apartments, King Koti (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the property as a property of the period of the property of the period of t between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 307 on III Floor of Mahaveer Apartments, H. No. 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 6684 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

Date: 5-8-85 Seal:

FORM ITNS----

 M|s. Natraj Builders, 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Shanta Bai, 3-5-112, Narayanaguda, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th August 1985

Ref. No. RAC. No. 286|85-86,---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Plat situated at Mahaveer Apartments, King Koti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of:—

- (a) facilitating the reduction or eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been see which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undandgated:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308, on III Floor, Mahaveer Apartments, H. No. 3-5-796, King Koti, Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 6685 84.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269U of the asia. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th August 1985

Rcf. No. RAC. No. 287|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

MI. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat situated at Mahaveer Apartments, King Koti (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred as per deed registered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Natraj Builders, 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P. H. Shah, Mr. K. H. Shah & R. H. Shah, H. No. 1-1-79, B4, F2, F-II, Bhagyanagar Builders, X-Roads, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, on II Floor, Mahaveer Apartments, H. No. 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 6681 84,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-8-85

NOTICE UNDER SICTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

(1) M|s. Natraj Builders, 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. S. M. Doshi & Sri P. M. Doshi, 104, Mahaveer Apartments, H. No. 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th August 1985

Ref. No. RAC. No. 288|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN_MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat situated at Mahaveer Apartments, King Koti (and more fully described in the Schedule annexed berto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been Of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, Mahaveer Apartments, King Koti Road, Hyderabad, registered Hyderabad vide Document No. 6678|84. H. No. 3-5-796, with the SRO,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

Date: 5-8-85 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Natraj Bullders, 3-5-796, King Koti, Road, Hyderabad.

(Transferor)

 Mr. Sardar Dalip Singh, 3-4-421|17, Lingampalli, Police Lines, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th August 1985

Ref. No. RAC. Uo. 289|85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat situated at Mahaveer Apartments, King Koti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 108, on I Floor, Mhaveer Apartments, H. No. 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 6679 84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-73---256GI|85

Date: 5-8-1985

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th August 1985

Ref. No. RAC. No. 290|85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Flat situated at Mahaveer Apartments, King Koti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of between the transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s. Natraj Builders, 3-5-796, King Koti, Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Vishnu Gopal, 16-2-147|1|1, Dayanand Nagar, New Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, II Floor of Mahaveer Apartments, H. No. 3-5-796, King Koti Road, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 6680 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-8-1985

(1) M|s, Eskay Associates, Hyderabad-29.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri K. Ramakoteswara Rao, So Late K. Laxminarayana, 3-6-108/2, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad (AP.), the 5th August 1985

Ref. No. RAC. No. 291|85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat situated at Venkatal Kripa Apartments

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chikkadpally on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 503, V Floor, "Venkata Kripa Apartments", H. No. 1-2-24, Hyderabad registered by the SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 909 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, parely:—

Date: 5-8-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Sm1. Madhuvrata Hardikar, Wo late lanardhan Chintaman Hardikar, by GPA holders. Sri Avinash Janardhan Hardikar, D-15, Admn. Colony, Hindalco, Renukoot,

(Transferor)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th August 1985

Ref. No. RAC. No. 292 85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable according property having a far market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. House situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at
Chikkadpally on December 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
bolieve that the fair market value of the property as aforesaid
bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, i respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Smt. M. Susheela Bai, 3-6-474/7, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

H No. 3-6-467|3, Hardicate Bagh, Himayatnagar, Hyderabad registered with the SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 946 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate preceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

Date: 5-8-85

FORM LT.N.S.

(1) Sri Gulam Jeelani, s o Gulam Dastagir 10-1-18|B, Masab Tank, Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Md. Raheemuddin soo Md. Hoinuddin & Md. Arifuddin so Moinuddin, 3-6-361 10, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ASSISTANT COMMIS-HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th August 1985

Ref. RAC. No. 293|85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1,00,000|- and bearing No. House situated at Himayatnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian elementary of the Registering Officer at Chikkadpally on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-6-361/10, Himayatnagar, Hyderabad registered by the SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 953/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

arrow, increfere, in pursuance of Section 269C of the said exct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th August 1985

Ref. RAC. No. 294]85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. House situated at Yellammagutta, Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. G. Anasuya, Wo late Laxminarayana, H. No. 4-5-106, Nizamabad.

(Transferor)

 Sri K. Gangadhar Gowd, Solo Venkat Gowd, Suddapalli village, Nizamabad Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by they other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5-6-510|4, at Yellammagutta, Nizamabad registered by the SRO, Nizamabad vide Document No. 7922|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Income-tax Act. (43 of 1961) to the following persons, namely:-

Date: 5-8-85

FORM ITNS----

(1) 1. Sri Natwarlal Slo. Sri Jeevandas, & 2. Smt. Chandrika, Wlo. Sri Natwarlal, H. No. 3-5-1141, Eden Garden, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Lata Sharma Wlo. Sri Shivptakash Sharma, H. No. 21-1-436, Ricab Gunj, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th August 1985

Ref. No. RAC. No. 295/85-86.—
Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00.000|- and bearing No.
site situated at Hyderguda, Hydergabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad on December 1984

Hyderabad on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open site (283.5 sq. yds.) M. No. 3-5-874, Hyderguda, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 6836]84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri Saleem,
 S|o. Sri Abdul Gaffar,
 H. No. 22-7-516, Purani Haveli,
 Hyderabad

(2) Sri Abdul Gaffar, Slo. Haji Abdul Shukoor, 22-7-516, Purani Haveli, Hyderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th August 1985

Ref. No. RAC. No. 296|85-86.—
Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|
and bearing No.

House situated at Noor Khan Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) iscalitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- may be made in writing to the undersigned:-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of House No. 22-1-730 1, Noor Khan Bazar, Hyderabad registered by thee SRO, Hyderabad vide Document No. 6616 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1985

Beal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th August 1985

Ref. No. RAC. No. 297|85-86.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Land situated at Chaittanpalli

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed regi tered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than utteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties I as not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following rersons namely:—

74-256GI|85

(1) Smt. Sirajunnisa Begum, H. No. 5-6-561, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Zakia Sultana & 3 others, 10-4-32, Himayun Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands Ac 35-31 Guntas at Chaittan Palli village, Shadnagar Tq. Madboobnagar Dist., A.P. registered by the SRO, Shadnagar vide Document No. 2537 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A P.)

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ms. Landmark Builders, 6-2-930, Khairatabad, Hyderabad-4.

(2) Mrs. Savithri Narendar, 11, Mehdipatnam Colony, Hyderabad-28. (Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th August 1985

Ref. No. RAC. No. 298|85-86.—
Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at 'Shabas Glen', Kapadia Lane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at

Hyderabad on 1 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195° (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 203, on II Floor in 'Shabas Glen', H. No. 6-3-986, Kapadia Lane, Somajiguda Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th August 1985

Ref. No. RAC. No. 299|85-86.

Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovement of the income that the immovement of the said Act.)

as the said Act) have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No.
Flat situated at Kapadia Lane, Somajiguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Landmark Builders, 6-2-930, Khairatabad, Hydereabad-4.

(Transferor)

(2) Clarence J. Fllis, Post Box No. 4619, Dubai, U.A.E.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 602 and garage No. 2 at House No. 6-3-986 to 996, Kapadia Lane, Somajiguda, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 544|85.

M. IEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M|s. Commercial Flats Building, Corporation, A-102, Satya Apartments, Masab Tank, Hyderæbad-28. (Transferor)

(2) Miss Singi Sandhya Raddy, 6-2-101, Lakdikapool, Hyderabad,

(Transferee)

OF FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th August 1985

Ref. No. RAC. No. 300|85-86.—
Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Is 1,00.000|- and bearing No.
Flat situated at Concorde apartment, Erra Manzil,
(and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed regi.tered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Concorde Apartment, H. No. 6-3-658, Erra Manzil, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 454 85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 6-8-1905 Scal:

FORM I.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th August 1985

Ref. No. RAC. No. 301|85-86. Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat situated at Red Hills Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed regi tered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairatabad on 1 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) M|s Bhagyanagar Construction Co., Rep: by its partners, H. No. 11-4-656 1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Seethak Vijayendhra Kumar, Slo Potharaiu. Bagh Lingampalli, H. No . 13-3-76, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 707, Floor No. 7, at H. No. 11-4-656 1, Red Hills, Hyderabad registered by the SRO, Khairatabad, Hyderabad, vide document No. 191 85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th August 1985

Ref. No. RAC. No. 302|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and btaring No. Flat situated at Red hills,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed regitered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairatabad on 1|1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said out, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sucressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—

(1) M|s Bhagyanagar Construction Co. Rep: by its partner Sri Laxmi Prasad Agarwal, 11-4-656|1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri S. Ramchar HUF, Flat No. 312, Floor-3, in H. No. 11-4-656[1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 312, Floor-3, in H. No. 11-4-656[1, Red Hills, Hyderabad, registered by the SRO, Khairatabad, Hyderabad vide Document No. 192]85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-8-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri B. Krishnam Raju
 Suryanarayana Raju,
 H. No. 303|B|Tupe 3, Ramachandra puram,
 RR Dist.

(Transferor)

(2) Smt. K. Rajeshwari, W|o K. Kesava Reddy, Rajahmundry, F. G. Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th August 1985

RAC. No. 303|85-86.—
Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Plot situated at Khairatabad, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 54 area 444 sq. yds at Khairatabad, Hyderabad registered by the SRO Hyderabad vide Document No. 465|85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-rax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date : 6-8-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th August 1985

RAC. Nofi 304|85-86.—
Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing

No. House situated at A C Guards, Saifabad, Hyd'bad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed regi tered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1/1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. K. U3ha Rani, Wo K. Satyanarayana Raju & Others, 6-3-347/18, Dwarkapuri Colony, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M!s. Raasi Cement Ltd., Rep: by its Manager (Admn.) Sri AVRK. Sastry, 1-10-125, Ashok Nagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here'n as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 11- 4-646, A. C. Guards, Saifabad, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1368|85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (AP.)

Date: 6-8-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri N. Krishnam Raju, Agriculturist, So Venkataputhi, AMALAPURAM, E. G., Dist.

(Transferor)

(2) Mis. Rausi Cement Ltd., Rep: by its Administrative Manger, Sri AVRK Sastry, 1-10-125, Ashok Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th August 1985

Ref. No. RAC. No. 305|85-86.& Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No.

No. House situated at Saifabad, A. C. Guards Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arking from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 11-4-646|11|1, Saifabad, Hyderabad registered by the SRO, Hyderebad vide Document No. 6345|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

owing

Date: 6-8-1985

Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
75—256GI|85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AP)

Hyderabad (AP) the 6th August 1985

Ref No RAC No 306|85 86 — Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No House situated at

Λ C Guards Saifabad

(and more fully lescribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt Vishnu Raju, W|o NKP RAJU & Other, 1-10 215 Ashok Nagar, Hyderabad

(Transferor)

(2) M/s Ransi Cement Ltd Rep by its Mangei (Admn) Sii AVRK Sastry, 1-10-125, Ashok Nagai, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the s publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No 11-4 646 A C Guards, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No 394|85

M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (AP)

Date 6-8-1985 Scal:

FORM I.T.N S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGQE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th August 1985

Ref. No RAC No M. JEGAN MOHAN, RAC No. 307|85-86.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imbeing the Competent movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. House situated at Somjiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderalond on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(1) Sn K. Anii Kumar, Rep. by Mr. K. Solomon, GAP, Hoolder, Advocate, Brodicpet, Guntur.

(Transferou)

(2) M|s Dexo Laboratories (P) Ltd., M|s. Dexo Pharma (P) Ltd., 6-3-348, Dwarakapuri Colony, Hyderabad-482.

(Transletce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazcite.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Part of Door No. 6-3-1102, Somajiguda, Hydebarad-4 registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 6538

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-8-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 X ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) K. Malini Lavanya Kumari. 44A, Sanjiva Reddy Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M|s. Dexo Laboratories (P) Ltd. M|s. Dexo Pharma (P) Ltd., 6-3-348, Dwarakapuri Colony, Hyderabad-482.

(Transferce

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th August 1985

Ref No. RAC No. 308|85-86.-Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]—and bearing No.

House situated at Somaiiguda, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as pet deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Bombay on 22-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Door No. 6-3-1102, Somajiguda, Hyderabad-4, rcgistered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 6539

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dute: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITON RANGQE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th August 1985

Ref. No. RAC No. 309|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Rs 1 00,000]- and bearing
No House situated at Somanguda, Hyderabad
land more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been tran ferred as per deed registered under the Indian
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer

at Hyderabad on December 1984 at Hyderadad on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K. Shalini Shobha Manjari, Ramaraopet, Kakinada

(Transferor)

(2) M/s Dexo Laboratories (P) Ltd., M/s. Dexo Pharma (P) Ltd., 6-3-348, Dwarakapuri Colony, Hyderabad-482.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Part of House No. 6-3-1102, Somujiguda, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No 6540 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-8-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) k. Mrunalini Mridula Shailaja, Seethammadhara, Visakhapatnam

(Transferor)

(2) Mis. Dexo Laboratories (P) Ltd. Mis. Dexo Pharma (P) Ltd., 6-3-348, Dwarakapuri Colony, Hyderabad-482.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th August 1985

RAC. No. 31085-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public

cation of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have teason to believe that the to as the Sand Act.), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

No. House situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 1984 at Hyderabad on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Part of Door No 6-3-1102, Somajiguda, Hyderabad-4, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 6539

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Seal .

Date: 6-8-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s Heeranand Ramsuk, Rep.: by partner St. Venugopal Irani & 2 others, D. No. 2-1-55, near: Anand Theatre, Kakinada

(Transferor)

(2) M/s. Utvasi Enterprises, Rep: by Sri Routhu Venkateswara Rao, Slo Tatalu, Urvasi Theatre, Rajahmundry

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th August 1985

Rcf. No. RAC No. 314|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing

No. Site, situated at Bhanugudi Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefer to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Site admeasuring 10553 sq. yards on the main road near: Bhanugudi, Kakinada registered by the SRO, Kakinada vide Document No. 12388 84 in the month of December, 1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C (. hs wid Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following unisous namely:

Date: 6-8-1985

Seal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 6th August 1985

Ref. No. RAC. No. 315|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. House situated at Maharanipet, Visakhapatnam (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Vizag on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1987 (27 of 19.3);

(1) Smt. Datla Padmavathi, Wlo Venkatapathi Raju, Laxminarasapuram, Ravavaram Tq. F. G. Distt.

(Transferor)

(2) Smt. Godavarthi Nagamani , Wo Ramakrishna Rao, H. No. 14-3-19, near : Viswabhavan Lodge, Visakhapatnam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old building at Maharanipet Ward, near: Viswabhavan Lodge Visakhapatnam, registered by the SRO, Visakhapatnam vide Document No 15589 84 in the month of December, 1984.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 6-8-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Chitti Rajanna, Slo Vceraiah, Balaga village, Srikakulam.

(Transferor)

(2) Sri Reddy Chiranjeevulu, Slo Sivanarayana. Balaga village, Srikakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th August 1985

Ref. No. RAC No. 316|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Lands, situated at Siikakulam, Balaga village

And more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Srikakulam on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the state of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

THE SCHEDULE

Total area: about Acres 1.50 at Balaga village, Srikakulam registered by he SRO, Srikakulam vide Document No. 198|84 in the month of 12|1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

76-256GI[85

Date: 9-8-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th August 1985

Ref. No. RAC No. 317|85-86.—Wherens, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat situated at III-line appartment, Barkatpura

No. Flat situated at Hi-line apartment, Barkatpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chikkndapally on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1757 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Hi-line Builders (P) Ltd. 1-1-714/0/4; Candhinagar Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. P. Vaidoreyam, Wo P. Madfrava Rao, "Sri Vidya" 8 Nawab Layout, Tilak Nagar, Nagpur-400 010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this we notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on I Floor of Hi-line apartment, Gandhinagar, Hyderabad registered by the SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 923|84 in the month of December, 1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-8-1985

(1) Sri D. M. K. Varma, W. G. Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Dionamraju Sivarama Krishna Sridhar Slo Venkata Šcethapathi, Branch Manager, S.B.I., Eluru,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th August 1985

Ref No. RAC No. 318/85-86,-Whereas, I.

Ref. No. RAC No. 318|85-86.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' I have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No Building structed at Fluru
(and more fully described in the schedule appeared berefo)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Fluru on 12 1984

for an appurent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Official Gazette.

FAPLANATION .-- the terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

Building at Eluiu, WG Dist. (total area 600 sq. yds. and built up area 1250 sq. ft.) registered by the SRO, Eluru vide Document No. 7849|84 in the month of 12|1984.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (Λ. P.)

Hyderabad, the 9th August 1985

Ref. No. RA No. 319|85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing No.

House situated at Bheemunipatnam, Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on 12|1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaden of the Mihility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any basens arising from the transfer; and/or
- (b) Iscalitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afercand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Indian Christian Mission Headquarters Yeluru, Rep. by its Director Mrs. E. L. Darling Wlo A. Darling, Yeluru.

(Transferor)

 Sri Uppalapai Kaiviswanadha Rao, Sjo Satyanarayana, Power Pet, Yehru.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D. No. 2-13-1 admeasuring 5216 sq. yards at Bheemunipatnam, Visakhapatan registered by the SRO, Vizag vide document No. 14746|84 in the month of 12|1984.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-8-1985

AN THE SECOND OF THE SECOND CONTROL OF THE SECOND OF THE S

FORM TINS-

- (1) Mrs. P. N. Amma.
- (2) M. M. Sherivar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III]37EE|14931|84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

Flat No. 9, second fl. Pranam Bldg., Annasagar Marg, Kurla, Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority ut

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 9, second fl. Pranam Bldg., Annasagar Marg. Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|14931|84-85 dated dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. P. N. Amma

(2) Mrs. Mathe M. S. Rao

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14925|84-85.--

Whereas, I, A. PRASAD, being the Composent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing

Flat on 2nd Fl. Pranam Bldg., 192, CST Cross Road,

Kurla, Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of: instrument of transfer with the object of :-

- (a) factilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Adj. in regrest of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-use Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 2nd Fl. Pranam Bldg., CST Cross Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR III 37EE 14925 84-85 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 31-7-1985

FORM ITNS ___

(1) Mrs. P. N. Amma

(Transferor)

(2) N. D. Uma Kanth

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(!) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

> Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14923|84-85.—

Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomo tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat on 2nd Fl. Pranam Bldg., 192, CST Cross Road
Kurla, Bombay-70.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aut. respect of eay income arising from the transfer; and /ar
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act 1957, (27 of 1957);

now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- other person interested in the said (b) by any immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in the the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, that have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 2nd Fl. Pranam Bldg. 192, CST Cross Road. Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 14923 84-85 dated 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 31-7-1985

- (1) Mrs. P. N. Amma
- (2) Mr. K. Ahmed

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III|37EE|14924|84-85.--

Ref. No. AR-III] 37EE 14924 84-85.—
Whereas, I, A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing
Flat on 2nd Fl. Pranam Bldg., 192, CST Cross Road,
Kurla Rombay 70

Kurla, Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office

of the Competent Authority at
Bombay on 1-12-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 2nd Fl. Pranam Bldg., 192, CST Cross Road, Kurla, Bombay-70.

Tre agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III|37EE|14924|84-85 dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 289C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 31-7-1985

(1) Mrs. P. N. Amma

(Transferor)

(2) Jayaram N. Kamath

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.III|37EE|14927|84-85,— Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 5. 1st Fl., Pranam Bldg., 192 CST Rd., Anna Sagar
Marg. Kurla(W), Bombay-70.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the !iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
77—256GI[85]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 uage from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st Fl., Pranam Bldg., 192 CST Rd., Anna Sagar Marg, Kurla(W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III|37EE|14927|84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 31-7-1985

FORM IINS-

(1) Mrs. P. N. Amma.

(2) Shri L. N. A. Narayan

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

CT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III|37EF|14929|84-85.—

a orti diagni francisco de Librario de Librario de Carte de Carte

Whereas, I. A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 7, Pranam Bldg., at 192 CST Road, Kurla, Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds t heapparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following or saids, namely in

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Pranam Bldg., at 192 CST Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-111[37FE+14929]84-85 dated 1-12-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 31-7-1985

FORM ITNS-----

(1) Mrs. P. N. Amma

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) D. Ram Mohan

(Transferee '

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III|37EE|14930|84-85.-

Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 8, 1st floor, Pianam Bldg., Annasagar Marg, Kurla (W), Bombay-70.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid groperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

fixplanation :- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 1st floor, Pranam Bldg., Annasagar Marg, Kurla (W), Bombay-70.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III 37EE 14930 84-85 dated 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. P. N. Amma

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) H. R. Kamath

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-III|37EE|14928|84-85.--

Whereas, I. A. PRASAD, being the Compet n. Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001- and bearing No.

Flat on 1st floor, Pranam Bldg., Annasagar Marg, Kurla,

Rombay-70, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; an flor

Flat on 1st floor, Pranam Bldg., Annasagar Marg. Kurla, The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-III|37EE|14928|84-85 dated 1-12-1984.

(') faillitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely :-

Dato: \$1-7-1985

PORM ITNS --

(1) Mr. Premchand Chandaji & Mr. Abdulkadır Jumakhan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mohim Devichand Seth.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1985

Ref. No. AR 1/3/EE/5053/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Shop No. 68, ground floor, Tardeo Air-Conditioned Market enturied at Taideo, Bombay

(and more ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesai! exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties ha not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlet

THE SCHEDULE

Shon No. 68, ground floor, Tardeo Air-Conditioned Market, 87, Tardeo Main Road, Tardeo, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serlal No. AR-1|5099|84-85 on 20-12-1984.

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-L Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date . 8-8-1985 Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Shamaldes M. Mehta & Bhatati S. Mehta.

(2) Makundrai M. Mehta, HUF.

(Transferor)

(Transferce)

(2) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5025|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBLY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income to Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/an Ub.a.ing

Room No. 34, New Navyug CHS, Old Hanuman Lane Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB or the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid enceeds the apparent consideration therefor by more than fliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) factorating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1322) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26 D of the said (vet. to the following pertons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 34 on 2nd floor in New Navyug Co-operative Housing Society, 10/18, Old Hanuman Lane, Dhirubhal Parckh Marg, Bombay-400002.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5005|84-85 on 20-12-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 13-8-1985

FORM ITNS----

- 1 T----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-I|37EF|4978|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000|- and bearing Garage No. 3A, Navyug Mansion CHSL Grant Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Ciffice of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as ifor said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act to the following persons, namely -

(1) M/s. Bhagat Motor Stores.

(Transferor)

(2) M/s. Shubha la Electricals.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning on given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garage No. 3A, Ground Floor, Navyug Mansion Co-op. Housing Society Ltd., Naushir Bharucha Marg, Grant Road, Bombay-400007.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4968|84-85 on 15-12-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 13-8-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Suraj Enterprises,

(Transferor)

(2) M/s. Visual Industries.

(Transferce)

(3) M/s. Surai Enterprises.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5121|84-85.-Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Industrial Gala No. 110, Bussa Industrial Estate, Off Fer-

gussion Road, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as ptoresaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used litrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-bax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Industrial Gala No. 110, Bussa Industrial Estate, Off Por-

gussion Road, Hanuman Lane, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Ruge-I, Bombay, under Serial No. AR-I[5118]84-85 on 28-12-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1985

(1) M/s, R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mahendra N. Gangai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4947|84-85.--Whereas, I,

N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 304, Vikas Building, situated at Byculla, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the !lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--78—256GT 85

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor in Vikas Building at the junction of Ananat Ganpat Pawar Lane and Chinchpokli Cross Road, Byculla, Bombay-27.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombav, under Serial No. AR-I|5081|84-85 on 10-12-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-8-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) Shri Appukuttan Cherian Kottayil.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravi Puravankara.

(Transferee)

(3) Tenants.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4879|84-85.-Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Plots of land alongwith the structures standing thereon

situated at Fergusson Road, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, fa respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

5 plots of land alongwith the structures stauding thereon lying being and situated at Fergusson Road, I.S. No. 2/300, Lower Parel Division, Bombay-28.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4724|84-85 on 7-12-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-8-1985

(1) Shri M. K. Devadas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Kursheed Anver,2. Shri Hameed Iqbal,3. Shri Mohmood Hussain,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5130|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Flat No. 210, Kailash Apartment situated at Bellasis Road,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market vaue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1924 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 210, Kailash Apartment, 293 Bellasis Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|5120|84-85 on 20-12-84

P. N. DUBEY

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-1[37EE]5131[84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

A building with 2 garages now known as 'Tarlika' at Dadar

Matunga (Sput Estatt), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afare-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: nad/cr

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following - vlomes senere

(1) Smt. Piemila Amratlal Gandhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ramila Pravinchandra Doshi.

(Transferee)

(3) 1. Shii B M Kiishnaswamy,
2. Shri V. N. Bodas,
3. Shii K G. Shama,

4 Mrs. Manorama Phadke,

5. Mrs. Vasundhara Purender Marathey,

6. Shri Muni Hiralal Mulji,

Shii Gunavatiai Mafatlal Doshi.

Objections, if any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building with two garages now known as 'Tarlika' on Plot No. 216, Scheme No. 5. Dader Malunga (South) Estate, bearing C.S. No. 186/10 of Malunga Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Rombay, under Serial No. AR-I|5121|84-85 on 28-12-1984

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,, Bombay

Date: 13-8-1985

(1) M/s. Nirmul Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transletor,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(2) Shri fameel Ahmed Nayaz Ahmed Khan.

Bombay, the 13th August 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref._No. AR-1/37EE|4996|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

> EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined at the part LAA of the said shall have the same incaning as given in that Chapter

Rs. 1.00,000]- and bearing Unit No. 4 Veena Killedar Service Industrial Estate, Byculla, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than, fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; MDG/OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 4, Ground from Veen, Struce Industrial Estate, Pias Street, Off Clerk Road, Byculla, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/4982/84-85 on 15-12-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 13-8-1985

(1) Smt, Suraj Jain

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Solanki.

(Transferee)

(3) Transfeior.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1,

BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref No AR-1|37LE|5088|84-85---Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fan market value

exceeding Rs 1,00,000|- and bearing

Hat No. 1/1, Heera Panna situated at Bhulabh ii Desai Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 NB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competing Authority at Bombay on 20-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traffy estated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 171, 17th floor, B Wing, Heera Panna, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5042|84-85 on 20-12-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 13-8-1985

eal:

FORM ITNS-

(1) Shii Shyam Sunder Anant Barde.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anant Atmaram Mungekar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-I]37EE]4975]84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

Flat No. 13, Three View CHSL situated at Veer Saverkar Marg, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competint Authority at Bombay on 13-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Clapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Charles.

THE SCHEDULE

Flat No. 13. Three View Co-operative Housing Society Ltd., 515-A, Veer Savarkar Marg, Opp. Century Bazaar Bombay-25.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6450/84-85 on 13-12-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J,
Bombay

Pate: 13-8-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-I|371-F|4981|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBFY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Office No. 403, Niranjan Building situated at Marine Drive, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compettnt Authority at Bombay on 15-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) incilitating the reduction or evenion of the iletality of the transferor to pay tax andor the said Act, in respect of any mesons arising from the transfer; प्रथते /धाः
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Kumar Krishnalal and Shri Kamal Krishanlal.

(Transferor)

(2) Shri Vishnu Tirathdas Malkani & Shri Raju Vishnu Malkani.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 403 on 4th floor, Niranjan Building, 99, Marine Drive, Bombay-400 002.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4972|84-85 on 15-12-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

AR-I[37L]+[4948]84-85. --Whereas, I. Ref. No. F. N. DUBLY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R., 1,00,000/and bearing No.

Shop No. 36, Nutan Pushpak Pre. CSI Manish Market and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, et Bombay on 10-12-84

for an apparent con ideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to ray tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the disclosed by transferce for which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or 1 e and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 1957).

sow, mererore, in pursuance of Section 269C of the said sait. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :-- 79---256GI[85]

(1) Bilal Haji Dada, Anwai Janmohammad Kapadia

(Transferor)

(Transferce)

- (2) Mr. Abdus Sattar Siddick Kharri. Trustee of Abdus Sattar Family Trust
- (3) Transferge.

(Person in occupation of the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the soft Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 36, 1st floor, Manish Murket, Nutan Pushpak Co-

ep Soc. I td., Bombay-400 001.

The datement has been registered by the Competent Authoray Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5082|84-85 on 10-12-84.

> P. N. DUBFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Rombay

Date: 13-8-1985

(1) Shri Hemantkumar Kunverji Mehta.

(Transferor)

(2) Vinod Gopal Ahuia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I. BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-I]37EE[4953]84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) /hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 9, Krishnalaya Sion Chunabhatti. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority.

at Bombay on 10-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or

Shop No. 9, Krishnalaya, Sion Shree Krishnalaya Co-op. Society, N. S. Mankikar, Road, Sion Chunabhatti, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|6350|84-85 on 10-12-84

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

Date: 13-8-1985

PORM ITNS -

(1) Shri Jitendra Nagji Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Taraben Sevantilal Doshi, Shu Ashok S Doshi and Shri Ashwin Seventilal Doshi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5135|84-35.--Whereas, I, P. N. DUBEY.

r. N. DUBEY, temg the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding \$1,00,000|- and bearing Flat No. 605, Jewellers Ant. situated at G Deshmukh Road, (and more fully described in the Schedule appared beauty)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a, by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sais Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 605, Jewellers Apartment, 56-G, Deshmukh Road,

Rombay-400 026.
The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-\R-1|5123|84-85 on 28-12-84. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.

> P. N. DUBEY Compelent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this otice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 13-8-1985

FORM ITNS----

(1) Ratilal Kalidas Shah.

(Transferor)

(2) Mrs Moena B Mehta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-I | 37EE | 5038 | 84-85 .-- Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Office No. 603, Majestic Shopping Centre situated at 144 J. S. S. Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 20-12-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable present, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the cone alment of any meome or any mon vs or other assets which have not been or me purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Office No. 603, on 6th floor in the building known as Majestic Shopping Centre, 144, J. S. S. Road, Bombay-400 004. The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-IJ5087/84-85 on 20-12-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mls. Bearing Millstone Corporation.

(Transferor)

(2) Mls. Harsh Bearing Cornoration.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Rel. No. AR-I/37EE/4979/84 85.--Whereas I. P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 1,00,000|- and bearing No. Office No. 120, Parckh Market Kennedy Bridge (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Incometer Act. 1961, in the Office of

section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the safe Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λc^{ϕ} or the Wentth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Premises No. 120, 1st floor, Parekh Market, 39 Kennedy Bridge, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4969|84-85 on 15-12-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely,:-

Date . 13-8-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5072|84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. C-1, Matru Ashish CHSL situated at Natiman Point Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 20-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandler.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) M19. Ushaben Hashmukh Sheth.

(Transferor)

- (2) M|s Process Control & Chemical Engg. Pvt. Ltd.
 (Transferees)
- (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Geneta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-1, 12th floor, Matru Ashish Co-op. Housing Society Ltd., Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5052|84-85 on 20-12-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref No AR-1|37FF|5162|84-85 --- Whereas, I, N DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

able property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing Room No 17, Rex Chambers situated at Ballard Fstate Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28 12 1984

at Bombay on 28 12 1984
to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1', of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

(1) Mrs Savita N Parikh Prop M/s Bombay Oils and Chemicals

(Transferor)

(2) Capt Prakash Chandra P S Sengar

(Transferec)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No 17, 2nd floor, Rev Chambers Piemises Co-op Society Itd W H Mang Ballard Estate, Opp Indira Dock, Bomba, 38

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I Bombay, under Serial No AR J 6130 84 85 on 28 12 1984

P. N DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date 13 8-1985

(1) Miss Menghi Valitam Vaswani, Miss Khushali Valitam Vaswani & Shri Ghanshyam Valitam Vaswani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Aarti Jagat Vaswani,

(3) Transferee.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

NIED

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 13th August 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Ref. No. AR-I|37EE|5007|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBFY,

whichever period expires later;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta

Flat No. 91, Jupitar Apartments situated at Caffe Parade (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

Flat No. 91, 9th floor, Jupitar Apartments of Twin Star Jupitar Co-op. Housing Society Ltd., Cuffe Parade, Bombay-400 005.

(b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ough, to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) (1) 1922) or the wild Act or the Wea'th tax 5-t 1957 (27 of 1957);

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I[4983]84-85 on 15-12-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1985

(1) Suresh Kumar Saraogi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Brahmprakash L. Gupta and Smt. Sunitadevi R. Vaish.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, HOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-1|37EE|4919|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat No. 28, Venus CHSL situated at Worli Sea Face (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; under

(b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 28, Building No. 48, Venus Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Worli Scaface, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-115063[84-85 on 10-12-1984.

P. N. DUBFY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
80—256GI'85

Date: 13-8-1985

(1) Mr. M. S. Swamy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5014|84-85.-Whereas, I. P. N. DUBEY.

p. N. DUBEY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Unit No. 102, Neelam Centre situated at Worli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferi and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Mohul Transport Co., Mr. D. Chopra, as Promoter of Thrains Consultancy Services.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official, Gezette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 102, 1st floor, B Wing, Neelam Centre, Hind Cycle Road, Worli, Bombay-18,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I | 5014 | 84-85 on 20-12-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons marnely :-

Date: 13-8-1985

(1) Smt. Motibai Anandii.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mukesh J. Shah & Another.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-1|37EE|4883|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 202, Ruby Apts, situated at Walkeshwar Road (und more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Ruby Apartments, 253, Walkeshwar Road, Bombay-6.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 4846 84-85 on 7-12-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1985

(1) Shri P. N. Mistry.

(Transferor)

(2) M s National Builders.

(3) Bombay Municipal Corpn.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-I|37-G|5152|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]- and bearing No.

Lend with structures being Plot Nos. 140 & 145 of Scheme

60 Naigaum C.S. No. 751 of Dadar Naigaum situated at

Naigaum Estate, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 11-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(Person whom the undersigned knows to

be interested in the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION:—The Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM-1479 80 and registered on 11-12-1984 with the Sub-registrar, Bombay,

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-8-1985

(2) Abdul Sultan Musabhai Hirani and Smt. Sakerkhanoo Abdul Sultan Hirani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-I|37-G|5156|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Land bearing Plot No. 108-B of Sandhurst Road East, bearing C.S. No. 438|1721 of Mandvi Division situated at Sand-

hrust Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Abdul Noormohamed Vastani and Smt. Kulsumbai A. Vastani,

(Transferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-2272 83 and registered on 5-12-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-8-1985

FORM ITN9-

(1) Ramcharandas Gyan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bapu D. Gaonkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1985

Ref. No. AR-I|37-G|5162|84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1,00,000|- and bearing

Shed at Hanuman Temple, C.S. No 2019 of Byculla Division (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Compatent Authority.

the Competent Authority at Bombay on 18-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act 1957 (27 of 1957).

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. B. 1534|84 and registered on 18-12-1984 with the Sub-registrar. Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 13-8-1985

(1) Mr. S. L. Mehia.

(Transferor)

(2) Mr. P. R. Jagtap.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13668|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,09,000|-and bearing No.

Flat No. 602, on 6th floor, in the building Kachnar Apart-

ments, Kandarpada, Dahisar (W).

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; limit/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206, on 6th floor, Kachnar Apartments, Kandarpada, Dahisar (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bornbay under No. ARIV|13668|84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 31-7 1985

33232

FORM ITNS-

(1) Mls Shah & Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1 AX .ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. N S. Jethwani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION KANGE-IV. BOMBAY

Bombay the 31st July 1985

Ref No ARIV|37 EE|13712|84 85 - Wholeas I, A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereitafter refirred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing

101, Manhar Kandarpada, Bhaushaheb Parab Marg Dahisar (W), Bomb iy 68

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ----

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the convalment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (2/ of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the asue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the efficial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used nersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

101 Manhai, Kandar Pada Bhaushab Parab Marg, Dahisar (W), Bombay 68

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV 13712 84 85 on 1 12-84

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Rombay

Date : 31-7-1985 Scal 1

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. L. R. Paril,

2. G. R. Patil, 3. Smt. M. R. Raut, 4. Smt. S. C. Patil

5. Kum. R. L. Patil

(Transferor)

(2) M/9. Everest Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14129|84-85.---Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing S. No. 66, Hissa 14 of Dahisar (E) Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as attoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficient per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chanter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S. No. 66, Hissa No. 14, C.T.S. No. 1376, lying at Village Eksar, Dahisar (E). Bombav.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14128 84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said 9ct, to the following persons, namely :-81-256GI|85

Date: 31-7-1985

Seal .

(1) Shri Ramnihor, C. Nabhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh S. Same & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-JV. BOMBAY

> Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14143|84-85 -- Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
Lend at S. No. 167 H. No. 3, and S. No. 8, Shav Vallabh

Road, Dahisar (E), Bombay-68. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Eombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as after said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the altocata periods which a points of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Serial No. 167, H. No. 8, Shav Vallabh Road, Dahisar (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV|14143|84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-7-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Mis. Rajdeep Enterprises.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hiralal D. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-IV|37-EF|1315|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and beaung Jai Jalram Apartments, plot S. No. 49, H. No. 8 (pt) C.T.S. No. 1103, Village Dahisar at Wamantao Sawant Rd. Dahisar

+E), Bomba√-68.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to as the consideration for such transfer as agreed to as the consideration for such transfer as agreed to as the consideration for such transfer as agreed to as the consideration for such transfer as agreed to a such transfer as a such trans between the parties has not been truly stated in the said in the s

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARIANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jai Jalram Apartments, Plot S. No. 49, H. No. 8 (pt) C.T.S. No. 1103, Village Dahisai at Wamanrao Sawant Rd, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 13915 84-85 on 1st December 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 31-7-1985

FORM I.T.N.S .--

(1) Mls. Raideen Enterprises

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shii P. R. Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE IV. BOMBAY

Bombay the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37-LE|13916|84-85.-Whereas, 1 PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Jai Jalram Apartments, Plot S No. 49, H. No 8 (Pt) C.T.S. No. 1103, Village Dahisar at Wamamao Sawant Rd, Dahisai (E) Bombay-68.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market vilue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in transfer: respect of any income arising from the arad /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jai Jairam Apartments, Plot S. No. 49, H. No. 8 (pt) C.T.S. No. 1103, Village Dahisar at Wamannao Sawant Rd. Dahisar (E) Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bom December 1984. Bombay under No ARIV 13916 84-85 on 1st

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-JV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV|37-EE|13708|84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value asserting Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, Amrapali, S. No. 291 H. V (pt) C.T.S. No. 146, Pt. Waman Bhoir Rd., Kandarpada Dashirai (W), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), have been troughtered and the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority in Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferciald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **1866 /187**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tune Act, 1957 (77 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Mhatre & Mhatre Development Corporation. (Transferor)

(2) Kamal Mointeiro.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION .--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Amrapali S. No. 291 H. 7 (pt) C.T.S. No. 146 Pt. Waman Bhoir Rd., Kandarpada, Dahisar (W) Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent' Authority, Bombay undtr No. AR.IV/13708/84-85 on 1-12-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 31-7-1985

(1) Ms. Mhatre & Mhatre Dev. Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. C. Gupta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 31st July 1985

kef. No. AR.IV|37-EE|13707|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Flat No. 101, ist lioor, Amrapali on S. No. 291, H. No. 7 (pt) C.T.S. No. 146 pt, Waman Bhoir Rd., Kandarpada, Dahisar (W), Bombay-68 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the redustion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the treat

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the West Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Canette or a period of 30 days from porvice of natice on the respective persons over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Amrapali C.T.S. No. 146 S. No. 291 H. 7 pt Waman Bhoir Rd., Kandarpada, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|13707|84-85 on 1-12-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subacction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 31-7-1985

(1) M|s. Karnatak Traders

(Transferor)

(2) Miss Sunanda Nehru

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV37-EE|13975|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and Flat No. 4, 3rd floor Hermes Apartment, Mooljee Nagar Scheme, S.V. Road. Kandivli (W), Bombay situated at

Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 3rd floor, Hermes Apartments, Mooljee Nagar Scheme, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 13975 84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 31-7-1985

(1) Goodwill Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Satishkumar P.S. Nair

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV|37-FE|13904|84-85.—Whereas, I. Λ. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding. Hasta Givir Apartment in Chakravarty Ashok Village Wudhwan, Kandivli (E) S. No. 7 pt 12 A pt and 6 pt, at Kandivli (E), Bombhy-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or (b) facilitating the compactment which ought to be disclosed by the transferse for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned ;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanatean: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hasta Giri Apartments in Chakravarty Ashok Village Wadhwan, Kandıvli (E), S. No. 7 pt 12-A|I pt, 5 and pt 6 at Chakravarty Ashok Road, Kandıvli (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.IV|13904|84-85 on 1.12.84

1-12-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this saids under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 31-7-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Smt. Tarabai Tulsidas

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) OF THE

(2) M[s. Khamir Traders

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV37-EE 14172 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Tirupati Apartment Shop No. 2 ground floor, flat No. 99, Hissa No. 1, (Pt) Akruli Cross Rd., Kandivli (E), Bombay-101 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such temperature consideration for such temperature. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tirupati Apartment Shop No. 2, ground floor, plot No. 99, Hissa No. 1 (pt) Akruli Cross Rd., Kandivli (E), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV|37-EE|14172|84-85 on dt. 1-12-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pagedy:— 82-256G1|85

Dated: 31-7-1985

(1) Mls Arun Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Arun Machines & Dyes Pvt. Ld. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. IV|37-EE|1380|84-85.--Whereas, I, AL PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing land and building situated at 110-A Govt. Industrial Estate, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under 120-40 of the Income-tax Act. 1961 in the Office of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid oncomed the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the one ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chepter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 116-A, Govt. Industrial Estate, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 13801 84-85 on 1-12-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Dated: 31-7-1985

FORM I.T.N.S .---

(1) Premraj Hazarimal & Ors.

(Transferor)

(2) M|s. Darshan Enterprises.

(Transferee)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. IV|37-EE|13992|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing No. Plot of land S. No. 38, H. No. 8 & S. No. 88, Hisa No. 3, at Taluka Borivli, B.S.D. Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consinderation theregfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-ax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the sale all have the same meaning as give

THE SCHEDULE

Plot of land at Kandivli Taluka Borivli, S. No. 38, H. No. 8 & S. No. 88, H. No. 3, B.S.D., Bombay.

The agreement has been registered tfy the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|13992|84-85 on

 Λ . PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this action under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 31-7-1985

(1) Smt. Hirulaxmi Damoderdas Upadayay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2)1. B. L. Shah 2. Smt, Taraben B. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13751|84-85.-Whereas, I,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing Flat No. 2D-494, 4th floor, Paras Nagar, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: -- The terms Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

THE SCHEDULE

Flat No. 2D 404, 4th floor, Paras Nagar, Shankar Lane, . Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 13751 84-85 on \$\dagger\$ 1-12-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the saaid Act, to the following persons, namely:--

Dated: 31-7-1985

(1) Shri Rameshbhai C. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. N. Doshi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR. IV|37-EE|13763|84-85.-Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing Flat No. B[201, B-Wing, Darshan Apartment, Shankar Lane, Randivili Bombay-67 situated at Bombay (2014) more fully described in the Schedule approved bereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201-B, B-Wing, Darshan Apartment, Shankar Lane, Kandivili, Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 13763 84-85 on 1-12-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated: 31-7-1985

(1) (1) Mrs N C Modi & (2) Mi B C Modi, (3) Mr P C Modi

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1, Mr. R C Shah 2, Mrs. C R. Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref No AR IV|37-EE|13765|84-85 -- Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]—and bearing Flat No B 104, Darshan Apartment, Shankar Lane, Kandivli, Rombays 67 stunted at Rombay.

Bombay-67 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 VB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer. end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No B|104, Daishan Apartment, Shankar Lane, Kandıvli, Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR IV 13765 84-85 on 1-12-84.

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 31-7-1985

FORM ITNS ----

(1) Mr H A Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr K R Sanghavi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No AR IV|37-EE|14094|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs 1.00,000|- and bearing
Flat No. 28, on 2nd floor, G K. Nagar Bldg No. 2, at
Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office the Competert Authority at

Bombay on 1-12-1984

consideration which is less than the fair for an apparent market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe with the object of :-

- w) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concerlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of

 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 28, 2nd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14094|84-85 on 1-12-84

> PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat: proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 31-7-1985

M|s. Trilok Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijav N. Veragiwala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONED OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37EE|13578|84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 '-

Flat No. 69, 4th floor, Satyam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W). Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 69, 4th floor, in Satyam Building, S. V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 13758 84-85 on 1-12-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 31-7-1985

FORM ITNS----

(1) Sh. P. V. Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Abdul Quayum Mohammed Husain Dhoda,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37FE|14118|84-85.--Whereas, J. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. B-12, A in B-Wing, third floor, Veera Niketan

Co-op. Hsg. Scty. Zaveri Baug, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer. instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. B-12 A in 'B-Wing', 3rd floor, Veera Niketan Co-Op. Hsg. Scty. Zaveri Baug, S.V. Road, Kandıvli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14118|84-85 on 1-12-84.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acqn. Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 7 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons annely '-

Date: 31-7-1985

Seal:

83--256GI|85

FORM ITNS -----

(1) Mrs. Ruby J. Irani & Mr. J. A. Irani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pravinchandra V. Thakkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37EE|14180|84-85.-Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Apartments, Plot No. VII, Moolji Nagar, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the outposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 4th floor, at Hormes Aartments, Plot No. VII. Moolji Nagar, S. V. Rd., Kandivli (W), Bornbay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14180 84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqn. Range-IV, Bombay.

www, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ract, I heraby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 31-7-1985

Scal;

(1) Chaganlal S. Kering (larger HUF).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. K. A. A. Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV[37EE]13816[84-85.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the "Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Industrial Unit No. C-6 on ground floor, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarti Rd, Kandivli (E),

situated at Bombay

namefor with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days frem the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. C-6, on ground floor, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarti Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 13816 84-85 on 1-12-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Acqn. Range-IV. Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Himat A. Mchta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV 37EE 14165 84-85,-Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 26, 2nd floor, G, K, Nagar Bldg No. 2, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12,1984 the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 situated at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as nforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid aforeset of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(2) Mr. N. S. Soni (Bhaveri).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of n fice in the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 26, 2nd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2 at Shankar Lane, Kandıvli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14165|84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acqn. Range-IV, Bombay.

Date: 31-7-1985

(1) Mahendra Nanalal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hemlata N. Dhanek.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37EE|14020|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD

A. PKASALI
being the Competent Anthority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Flat No. A-7 ground floor, Jansukh Sagar Co.op,
Hsg. Scty. Ltd. C.T.S. No. 396, Kasturba Rd.,
Kandivli (W), Bombay-67.
situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A-7, ground floor, Jansukh Sogar Co.op, Hsg. Scty. Ltd., C.T.S. No. 396, Kasturba Rd, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14020 84-85 on 1-12-84.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqn. Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, manely :-

Date: 31-7-1985

FORM I.T.N.S.———

(1) Mis. Karanatak Traders.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37EE|13976|84-85.—Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 11, 5th floor, Hermes Apartments, Mooljee Nagar, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Mr. Ramniklal P. Mody & Mrs. R. R. Mody.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 5th floor, Hermes Apatrements, Mooljee Nagar S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|13976|84-85 on 1-12-84.

A. PASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

FORM TINE-

(1) Ramesh Construction Co. (B'bay).

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37EE|14179|84-85.-Whereas. I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 5, plot No. VII at Mulji Nagar Scheme S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferre adnd the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitaing the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Jignesh Plywood,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the attorogate persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, plot No. VII at Mulji Nagar Scheme, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 14179 84-85 in December 1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) Sh. Dhiren D. Mehta.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Brijmohan D. Agarwal & Smt. A. B. Agarwal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV[37EE[13974]84-85.--Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 2, First floor, Hermes Apartments,

Moolji Nagar, S.V. Road, Kandivli, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferre adnd the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natios in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Hermes Apartments, Mooljee Nagar, S.V. Road, Kandivli Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 13974 84-85 on 1-12-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 31-7-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Mansurali I. Bhamani.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Jay Benefit. Trust

(Transferee)

(3) Trustee.

(Person in occupation of property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37EE|14167|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and hearing

Office premises No. 204, Laxmi Shopping Centre, at V.L. Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombayon 1-12-84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the caid instrument of transfer with the object of :-

(a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 204, building Laxmi Shopping Centre at V.L. Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay vide serial No. ARIV|37EE|14167|83-84 3ated 1-12-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-7-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 778 ns. namely :- 84-256GI 85

(1) Mr. Usman Kasam Chohan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Bharti Bharat Dattanı,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37EE|14166|83-84.---Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Office premises No. 205, Laxmi Shopping Centre Bldg. at V.L. Lane, Kandivli (W), Bombay-67. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 205, building Lami Shopping Centre situated at V.L. Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV|37EE|14166|83-84 dated 1-12-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

Sen1:

PART III-SEC. 1]

FORM ITNS----

(1) Kum. Muktaben Harshi Chheda.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hotel Lata.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37EE|13680|84-85.-Whereas, I. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 4, Laxma Shopping Centre, Vasanji Lalji Road, Kandivli (W), Bombay-67

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Come-tent Authority at Bombay on 1-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the paid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Laxmi Shopping Centre Vasanji Lalji Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered Authority, Bombay under No. ARIV 13680 84 85 on 1-12-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of me said Act to the following persons, namely :--

Date: 31-7-1985

FORM ITNS ...

(1) M/s Rajlaxmi Construction

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh & Smt Vinod N Shoh

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref No ARIV 37EE | 13867 | 84 85 - Whereas, I, A PRASAD

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have leason to believe that the immovable Rs 1,00 000 and bearing No Flat No 4 on ground do a Shivam B'dg SV Ro d Fatching Kandi la (W) Bomb ty 67

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB at the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bourbay on 1 12 54 tor an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lift in per cent of such apparent consideration and that the collection of the first as aged to between the parties he not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act.
respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1057)27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Expianation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Flat No. 4. ground floor. Shivam Bldg. S.V. Road, Fitchbung. Kand vli. (W). Bombay 67

115 agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV 13867 84-85 on 1 12-84

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2600 of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

Date 31-7-1985

Scal.

FORM ITNS-

(1) M/s. Rajlaxmi Constitution Co.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok J. Sanghavi and Smt S A Sanghavi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ret No AR 1V[37FE]14062[84-85.—Wheeras I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000|- and bearing

Hait No. 1, ground floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Flatehag, Kandiyli (W), Bombay.

tind more fully discribed in the Schedule annexed hereto), his been transferred and the agreement is registered under so tion 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

tor an ephatent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the ran market value of the property as aforesaid e ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in putsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days 1 om the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cycette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the solid Act, shall have the stree meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombav,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR IV 371-114062 84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 31-7-1985

Seal ·

(1) Mrs. A. R. Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Prashant Engg. Works.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR, IV | 37EE | 13759 | 84-85,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Industrial Unit No. D-8, Gr. floor, Bonaza Industrial Estate Ashok Chakravarti Road, Kandivli (E), Bombay-101, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or waich ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

lndustrial Unit No. D-8, Gr. fleor, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarti Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|37EE|13759|84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 31-7-1985

(1) M|s. G. K. Development Corpn.

(2) Mr. Bharatkumar D. Desai

Mr. D. P. Desai and Mr. R. D. Desai. (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR, IV | 37EE | 13778 | 84-85.—Whereas, I, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Flat No. 16, 1st floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been trathsferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has net been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 1st floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|37EE|13778|84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 31-7-1985

(1) 1. Miss P. P. Thakkar, 2. Miss A. P. Thakkar,

3. Mrs. Puinima P. Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. D. Shah

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV[37EE]14156[84-85.—Whereas. I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Ps. 1 00 0001 and bearing Flat No. 8, Sixth floor, Hermes Apartment, Plot No. VII, Moolee Nagar, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been 1 in fested on 1 the agreement is registed under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object cel:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Sixth floor, Hermes Apartment, Plot No. VII, Mooljee Nagar, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|14156|84-85 on 1-12-84, 1-12-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acquisition Range-1V
Bombay

Now, therefore, in pursus met me Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 31-7-1985

FORM ITNS-

(1) M|s. Build Quick.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhaskar Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|13844|84-85.—Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fau market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Plot bearing CTS No. 71,221, Penkar Wadi, Babhai L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92 Aohor Apartments (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), thus been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot bearing CTS No. 71&221, Penkar Wadi, Babhai Flat No. 2, mohor apartment L.t. Road Borivli (W) Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|37EE|13844|84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
85—256GI|85

Date: 31-7-1985

33200

FORM ITNS-

(1) M|s. B. R. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX A(T, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. J. Haria and Mr. J. J. Haria and

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|13921|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 110 (pt.) C.T.S. No. 1128, Village Ksar, B. S. C. Boriyli (W), Bombay-103.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that sald, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 110 (pt.) C. T. S. No. 1128, Village Ksar, B.SC Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV|37EE|13921|84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1v
Bombay

Date: 31-7-1985

FORM ITN9-

(1) M|s. B. R. Enterprises.

(Transferor)

AND THE PERSON NAMED IN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anil V. Gada.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. Nol ARIV|37|13820|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

S. No. 110 (pt) C.T.S. No. 1128, Village ksar, B.S.D. Borivli (W), Bombay-103.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

S No. 110 (pt) C.T.S. No. 1128, Village ksar, B.S.C. Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IV|37EE|13920|84-85 on 1-12-84.

(5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

FORM ITNS----

(1) J. M. C. Meghani Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kartik L. Joshi, Ravi L. Joshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/13651/84-85.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000'- and bearing No.

Shop No. 1, Jamuna Darshan, plot No. bearing OTPS. 752 at Natakwala Lane, Off Swami Vivekanand Rd., Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the taker market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 1, Jamuna Darshan, plot No. bearng OTPS, 752 at Natakwala Lane, Off Swami Vivekanand Rd., Borivli (W) Bombay192.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IV|37EE|13651|84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the soid Act. I hereby initiate proceetings for the acquisition of the accressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269DL of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

FORM ITNS----

(1) Rainbow Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Phulmati M. Kanojia & Mr. M. J. Kanojia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV. BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13739|84-85.-Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of me Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred was the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 1, ground floor, Bella Vista Bldg., Holly Cross Rd. I. C. Colony Borivli (W), Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the raduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; inf/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 1, ground floor, Bella Vista, Holly Cross Rd. I. C. Colony, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|13739|84 85 on 1-12 84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, f, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-7-1985

FORM I.T.N.S. 187-

(1) Shri Christopher Verma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahavir Prasad I, Jain

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV]37EE|13896|84-85.--Whereas, J.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Sidharath Apartments, Flat No. 5, 3rd floor, Plot No. 3, Rajinder Nagar, Kulupwadi Rd, Near National Park, Borivli

(E), Bombay-68. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matra-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Sidharath Apartments, Hat No. 5, 3rd floor, Plot No. 3, Rajinder Nagar, Kulupwadi Rd, Near National Park, Borivli (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV|13896|84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV **Bombay**

Date: 31 7-1985

_ , ==== FORM I.T.N.S. 187----

(1) M/s. Mankoo Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri & Smt B, C. Hathi.

(Transferæ)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RAUGE IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37-107|14090|84-85 Whe cas, 1, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding R, 1,00,000 and bearing

Flat No. 101, A-Wing Li floor Gyan Deep Bldg. C.T.S. No. 471 and 472 of Villace Is have it final plot 7A 798 of T.P.S. II Borelle (1) Borelle (and more fully described to the schedule annexed hereto),

has been transferred and the arrement is registered under section 269AB of the Income tax Net 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market "lue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- red facilitating the extuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- to, facilitating the concenhment of any income or any stioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);
- herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act to the follow ing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, A-Wing, 1st floor, Gyan Deep Bldg. C.T.S. No. 471 and 473 of Village Khaneri final plot No 7A, 798 of T.P.S. II Borivli (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14090|34 85 on Dec. 84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 31-7-1985

Seal ·

FORM 1.T.N.S.—

(1) M/s. Paras Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dinesh N. Soni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37 EE|14191|34-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,600/exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 401, 4th floor, Gomti Smiuti, Jambli Galli, Borivli
(W), Bombay-92.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the

Section 269AB of the income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration in therefor by more than the fair market of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401. 4th floor, Gomti Smruti, Jambli Galli Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV|14191|84-85 on 1-12-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 31-7-1985

(1) Shij Ranchhoddas G, Kapadia,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. L. P. Mehta & Shri P. P Mehta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay the 31st July 1985

Ref. No ARIV|37-EE|140!9|84 85,-Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing
Flat No. 12, Ist floor Borivir Anand Mangal Co-on
Society Itd. Survey No. 75, Jambli Galli, Borivir Gallı, Borivli (W),

Bombay-92

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tay Act 1951 in the office of the Competent Authority it Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Ist floor, Borivli Anand Mangal Co-op Hsg. Society Ltd., Survey No. 75, Jambli Galli, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV|14019|84-85 on 1-12-84.

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, o the following persons namely ---86 -256GI|85

Date: 31-7-1985

(1) Fair Fast Construction Co.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Babbu Khan Chhotakhan,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Ref. ARIV|37-FE|13723|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25...|- and, bearing No. Flat No. 4, 'Third floor, Fairy Apartment, C.T.S. No. 1010 ksar Village Holv X road, ICC Colony, Borisli Bombay, 103

Borivli, Bombay-103,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which, is less than the fur market value of the afavoratid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per count of such apparent consideration and that the consideration for such imaging as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concentment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 195 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Third floor, Fairy Apartment, C.T.S. No. 1010 Eksar Village, Holy Cross Rd., I.C. Colony, Borivil, Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV]13723[84-85 on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1' of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 31-7-1985.

(1) M|s Vijay Nagar Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shavgoor G. Bhandary.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. ARIV[37-EF]14095[84-85 —Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Ks. 1,00,000/and bearing
Bldg. No. 57|58, Flat No. 1708, Yogi Nagar Eksar
Road, No. 66 Borivli (W), Bombay-92.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as efforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg No. 57|58, Flat No. 1708, Yogi Nagar Plot No. 57|58, Hissa No. 5, 3, 14, 17 (pt) S. No. 66, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Comuthority, Bombay under No. ARIV 14095 84-85 Competent Authority, 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985.

FORM I.T.N.S.---

(1) M|s R. D. Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahendra Devii Ganatra.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13786|84-85.--Whereas, I, Λ. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001- and hearing No.

mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Flat No. 3 1st floor, Ram Krishna Apartments L.T. Road, Babhai Nake, Borivli (West), Bombay-92. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Ram Krishna Apartments, L.T. Road, Babhai Naka, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombuy under No. ARIV|37-EE|13786|84 85 on 1-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date: 31-7-1985.

FORM I.T.N.S .-

(1) Shri Manoharlal Raghoji Salor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Manharlal Narottamdas Bhambh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF DIDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-JV

BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV[37-HE]13834[84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]-and bearing No.
Flat No. 6 Plot No. 9. Jivan Jyot Building, Jivan Mangal Co-operative Sec. Ltd., Daulat Nagar, Borivli (E),

(and more fully described in the Schedule annexed here to),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evanion of the H respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Plot No. 9, Jivan Jyot Building, Jivan Mangal Co-operative Soc. Ltd., Daulat Nagar, Borivli (East), Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV]37-EE|13834|84-85 on 1-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or in moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985.

(1) M/s Chitalia Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt L L Harsora.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref No ARIV|37 | E|13665|84 85 — Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

relate No. 401, 4th fixer Patkeshwar Apartments Final plot No. 244 of TPS III Eksar Borreli (W), Bombay 92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1 12 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 401 4th floor, Patkeshwar Armstments, Final plot No. 244 of T Γ S III Fksar, Borryli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under No ARIV|13665|37LF|84-85 on 1 12 1984

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionel of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said act, to the following persons, namely:—

Date . 31-7-1985.

Seal.

FORM !TNS-

(1) Smt. K. L. Morkar.

(Transferor)

(2) Shri C. R. Shah.

(Fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE PNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-IV ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14076|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immercial property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000]- and bearing No. 1-lat No. 2, 1st floor, Bldg No. 1 Mayur Pankn Co-op Hsg Sety I td. Mayur Pank Bldg., Dattapada Read,

Borivli (-), Bombay-400066,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparaent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t-

- (a) facilitating the redunction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Ludian Income-tax Act, 1922 the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons mannely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

= __----= _ _ = _----------

- (a) by any of the afamounid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Bldg. No. 1, Mayur Pankn Co.op. Hsg. Scty Ltd., Mayur Pankh Bldg. Dattapada Road, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14076|84-85 on 1 - 12 - 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-7-1985.

FORM I.T.N.S.-

(1) R. C. Kantilal Dhandhara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajan S. R.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|13914|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000- and bearing No. No Shop No. 3, Sistee Apartment, Saibaba Nagar,

Borivli (W), Bombay-92,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racintating the reduction or evasion of the habitaty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Estee Apartment, Saibaba Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|13914|84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV Bomb w

Date: 31-7-1985.

(1) Mr. A. L. H. D'souza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lalji bhai J. Patel,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. ARIV|37-EE|13853|84-85,-Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. G-4, First floor, Saibaba Dham, Borivli (W),

Bombay-92, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than iffeen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. G-4, 1st floor, Saibaba Dham, Borivli (W), Bom-

bay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 13853 84-85 on

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the ward Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—87—256 GI/85

Date: 31-7-1985.

FORM I.T.N.L.

(1) Smt. Ramdevi Bhagwandas Valecha & Another. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt, Saroj Bhogilal Jain & Another. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|14092|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 100,000% and beginn No.

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Ground Floor, 'Hari Darshan', Road No. 4, Daulat Nagar, Borivli (East), Bombay-400066

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed Lereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the spiri instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; under
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, 'Hari Darshan', Road No. 4, Daulat Nagar, Borivli (East), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|37EE|14092|84-85 on 1-12-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

- (1) Shri Harshad Kumudbhai Dave.
- (Transferor)
- (2) Shri Bipinchandra Hargovind Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, ROMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|13722|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R. 1,00,000-Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 10, Plot No. 89, Bhagirathi Co-operative Housing Society, Daulat Nagat Road No. 8, Borivli (E), Bombay-66.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of i--transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said proper. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 10, Plot No. 89, Bhagirathi Co-operative Housing Society, Daulat Nagar Road No. 8, Borivli (E), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|37EE|13722|84-85 on 1-12-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) The Secretary, The Mumbai Postal Karamchari Co-operative Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Shri Pandurang Narayan Jadhav.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

No. AR.IV|37EE|13664|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 45, 4th floor, Building Under Construction, 'The Mumbai Postal Karaamchari Co-operative Housing Society Ltd., Village Eksar, Tal. Borivli, Survey No. 163, Hissa No.

1 (Part), Borivli, Bombay-92. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ta respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 45, 4th floor, Building Under Construction, 'The Mumbai Postal Karamchari Co-operative Housing Society I.td., Village Eksar, Tal. Borivli, Survey No. 163, Hissa No. 1 (Part), Borivli, Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|37EE|13664|84-85 on 1-12-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 31-7-1985

Seal .

FORM ITNE

(1) M/s. K. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri Pankai Babulal Shah,

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

No. AR.IV|37EE|13860|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 404B, Nand Dham-B, 4th floor, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent ogsaideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability and or
- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-text Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

THE SCHEDULE

Flat No 404B, Nand Dham B 4th floor, L.T. Road, Botivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR IV 37EE 13860;84-85 Authority, on 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-7-1985

(1) M/s. K. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Javshree M. Kothari,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-JV, BOMBAY

> Bombay, the 31st July 1985

No. AR.IV|37FE|13724|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the ancome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 8-B, Naud Dham, ground floor, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transletted and the agreement is registered under section 269AB of the I neome-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax iuc. 1947 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8-B, Nand Dham, ground floor, L.T. Road, Borivli (W) Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.IV 37EE 13724 84-85 Authority, Bo on 1-12-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-7-1985

(1) M/s. Himanshu Lnterprise.

(Transferor)

(2) Mrs. Nazlı N Chandoobhov.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|13784|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'Said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 100,000/- and bearing No.

Shop No. A, ground floor Prabhu Nivas Building, Plot No.
166, Off Factory Lanc, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. A, ground floor Prabhu Nivas Building, Plot No. 166, Off Factory Lanc, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.IV|37EE|13784|84-85 on 1-12-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-7-1985

(1) Mr. C. M. Patel, Partner of M/s. Pushpa Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Eshwara Kundapura

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR IV|37FF|13934|84-85.—Whereas, ſ, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000[- and bearing No.

Shop No. 1, Ground floot, Pushpa Apartment, S. No. 208, H. No. 15, Eksar Village, Sainath Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1761 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, Pushpa Apartment, S. No. 208, H. No. 15, Fksar Village, Sainath Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV[37EE]13934|84-85 on 1-12-1984

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-IV,

Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 31-7-1985

(1) Mr. Padubidri Suresh Rao.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramesh Harakchand Mehta & 2 others. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBΛΥ

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|13874|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding value exceeding Rs. 1.00.|00|- and bearing

Flat No. 10, 4th floor, The Hari Sapta Sindhu Co-operative Housing Society Ltd., S.V.P. Road, Borivli (West), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on \(\begin{align*} -12-1984 \end{align*} \)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 4th floor, The Hari Sapta Sindhu Co-operative Housing Society Ltd., S.V.P. Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No] AR.IV[37EE]13874|84-85 on 1-12-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act(I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

88—256 GI|85

Date: 31-7-1985

(1) M. D. Babrokar.

(Transferor)

(2) B. C. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|13863|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsiter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 401, Raiyani Gram-S, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of samsfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days frozz the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable presenty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, Raiyani Gram-S, Shimpoli Road, Borivli

(W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 13863 84-85 on on 1-12-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in partitioned of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

(1) Shii Raanabhai M Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Stella Pasanna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref No AR IV 37LE 13661 84-85 —Whereas, 1, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No Flat No D 9/304 at Yogi Nagai Eksar Road, Bolivli (W), Bombay 92

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 \B of the Income (ax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have room is believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

LXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No D-9/304, at Yogi Nagar Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR IV 13661 84-85 on 1-12-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date 14-8-1985 Seal .

(1) Ms. Ekvira Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravindra S. Havaldar & Ors.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bembay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|13719|84-85.--

whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, Evita Nagar Building No. 2, S. No. 72, H. No. 3, C.T.S. No. 1823, Village Borivit, Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of:

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Evira Nagar Building No. 2, S. No. 72, H. No. 3, C.T.S. No. 1823, Village Borivli, Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13719|84-85 on 1-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

(1) D. N. Enterprise

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. S. D. Nadkarni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bembay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|13767|84-85.— Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Unit No. 41, A-Wing Dreamland, C.T.S. No. 1838(p) of Village Eksar, 120. Link Road, Borivli (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The forms and expressions used herein as are defined in Chapter AAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 41, A-Wing Dreamland, C.T.S. No. 1838(p) of Village Eksar, 120, Link Read, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Computent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13767|84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV.
Bombay

Date: 31-7-1985

FORM ITNS-

(1) Mls, Build Arts

(Transferor)

(2) M. V. Narayan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Rcf. No. AR-IV|37EE|13676|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Compount Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1351 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable roperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 12-A, first floor, Shanti Dham, Bldg. on plot 'A' bearing C.T.S. No. 1506 village Eksar at Borivli (W). Bom bay-103.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforest id property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any meome arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Flat No. 12-A, first floor, Shanti Dham, Bldg, on plot 'A' bearing C.T.S. No. 1506 village Eksar at Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13676|84-85 on 1-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferre for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

FORM ITNS-----

(1) M|s. Mangal Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME 14X ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Nutan B. Naidu Mrs. P. B. Naidu

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIO NRANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|14137|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000[- and bearing No Flat No. A-3, 1st floor. Chandramukhi. Plet bearing No. 1, S. No. 225, H. No. 10, C.T.S. No. 2211-A, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the suid Act, in respect of any income arising from the transfer: and/ore

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as green that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-3, 1st floor, Chandramukhi. Plet bearing No. 1, S. No. 225, H. No. 10, C.T.S. No. 2211-A, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 37EF 14137 84-85 on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiato proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 31-7-1985

(1) M/s. Shreyas Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vilma Fernandes & Another

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|13922|84-85.-Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Shop No. 7, 'Siddharth', Plot No. 34, I.C. Colony, Borivli (West), Bombay-103, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) hus been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: ment of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 7, 'Siddharth', Plot No. 34, I.C. Colony, Borivli (West), Bombay-103,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13922|84-85 on 1-12-1984.

(11) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax by 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

How therefore in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Ast, to the fellowing cersons, exmely ?--

Date: 31-7-1985

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) M|s. Vijay Nagar Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|14075|84-85.— Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible in the said Act'), have reason to believe that the impossible in the said Act. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Bldg. No. Y|36, Flat No. 2, Yogi Nagar Eksar Road, H. No.
2, S. No. 60, Borivi (W), Bombay-92,
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under rection 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ev

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

89-256 GI|85

(2) Mr. Pradip Kumar G. Soni & Mr. G. D. Soni

(Transferce)

Objections; if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Cazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. No. Y|36, Flat No. 2, S. No. 60, H. No. 2, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|14075|84-85 on 1-12-1984,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-7-1985

(1) Shri S, K. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. K. Sayani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|13705|84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. I, 1st Floor, Mangal Kuni Unit No. 1, S. V. Road, Borivli(W), Bombay-92,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office o' the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) lactifuling the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. I, 1st Floor, Mangal Kunj Unit No. 1, S. V. Road Borivli(W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|13705|84-85 on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-7-1985

Seal ;

FORM FINE-

(1) Shree Sagar Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Chinnamma George

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|14160|84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000, and bearing Flat No. 403, 4th floor, Amrut Sagar, Village Magthane, Near Hariom Apartment, S. V. Road, Borivli (W), Bembay-92.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre fur the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Amrut Sagar, S. V. Road, Village Magthane, Near Hariom Apartment Borivli (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|14160|84-85 on 1-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV.
Bombay

Date: 31-7-1985

Seal *

(1) Shree Sagar Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mrs. N. N. Parikh

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV. **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Rcf. No. AR-IV|37EE|13894|84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 203, 2nd floor, Amout Sagar, Village Magthane,
Near Hariom Apartment, S. V. Road, Borivli (W). Bom-

(and more fully described in the Schedule Annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning gives in that Chapter.

(a) incilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Amout Sagar, Village Magthane Near Harrom Apartment, S. V. Road, Borivli (W). Bors bay-92.

1-12-1984.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bomay under No. AR-IV|37EE|13894|84-85 on

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

(b) incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, to the following port sons, namely :--

Date: 31-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IC 37-FE 13848 84-85.—Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000| and bearing Land situated at Carter Road No. 8, S. No. 5 (part), C. I.S. No. 37, Flot No. 23A, Borivli, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), his been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) F. E. Dinsha, Charities & Shri N. N. Wadia, Administrator of the Estate of E.F. Dinashas. (Transferor)

(2) Shii Vallabhbhai B. Gohil & Others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice fathe Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Carter Road No. 8, Survey No. 5 (part), Plot No. 23A, C.T.S. No. 37, Born li, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|37-EE|13848|84-85 on 1-12-1984.

> Λ. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 31-7-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the followaforesaid property by the issue of this notice under subrersons, namely :-

(1) Sri Sumant Jeshtaram Kapadia & Ors.

(Transferor)

(2) Sri Satish Jamnadas Dattavi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV|37-EE|13672|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

and bearing No.

All that piece or parcel of land with structures, Bearing C.T.S.

No. 136, Plot No. 814, T.P.S. III (Proposed)

Natakwala Lane, Bonvli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market falue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land, Bearing C.T.S. No. 136 and Plot No. 814, T.P.S. III (Proposed) Natakwala Lane, Borivli (West), Bombay-400 092.

The agreement has been registede by the Competent Authority, Bombay under No. AR IV 37-EE | 13672 | 84-85 on 1-12-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-7-1985

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-IV EOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref No ΛR IV|37 FE|13679|84 85 --- Whereas, I, A FRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000 and bearing

that that poice or parcel of land with structures at Village than Thinky Bourds, City Survey No. 2156, 2156 (1), (2) & (3) Bourds Bombay

(and more tuliy d scribed in the Schedule annexed hereto), he been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the only of the Competent Authority at Bombay or 1 12 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said χ^{-1} belief in the proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Mrs Chusta Dattachandia Bhivandkir & Others (Transferor)
- (2) M/s Rathod & Paimar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land with structures, at Village Eksar Taluka Bonvli, City Survey No 2156, 2156 (1), (2) & (3), Bonvli, Sombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IV 37-EE 13679 84-85 on 1-12-1984

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date 31-7 1985 Seal:

(1) John Victor Gonsalves.

(Transferor)

(2) M/s. Shushil Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.IV|37-FE|13730|84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

I and with building and structures standing thereon Village Poiser, Taluka Bonvli bearing City Survey No. 112,

Borivli (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the temperature of the property as aforesaid to be the property as a second to be the per the per the second to be the per the second consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

THE SCHEDULE

Land with Building and Structures standing thereon at Village Poiser, Taluka Borivli Bearing City Survey No. 112, Borivali (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|37-EE|13730|84-85 on 1-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following

Date: 31-7-1985

(1) Smt. Dinaben Hasmukhbhai Rupani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramniklal Ratilal Mehta & Another.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV 37-FE 13766 84-85.—Whereas, I.

Ref. No. ARATYLE.

A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding.

Hsg. Society

movable property. having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No. A-202, 2nd floor, 'Rita Palace Co-op. Hsg. Society Ltd. Chandavarkar Road, Borivli (West), Bombay-92 fand more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair marker vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A6202, 2nd floor, "Palace Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Chandavarkar Road Borivli (West), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bernbay under No. AR.IV 37-EE 13766 84-85 on

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: 90-256 GI|85

Date : 31-7-1985

1-12-1984.

FORM ITNS----

(1) Mr. S. N. Lal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Abha Garg & Mr. V. K. Garg.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. ARJV|37- Γ E|14080|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000L and hearing

Rs. 1,00,000 and bearing Flat No 35, Jeevan Aradhana Co-op. Housing Society Borivli (West), Eombay-103

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and cr
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said turnovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 35, Jeevan Aradhana Co-op. Housing Society, Borivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|37-EE|14080|84-85 on I-12-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-7-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. P. S. Nandu

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME FAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Nutan R. Shah

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV|37-EE|14033|84-85.—Whereas, I, A. PKASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Aci, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the income.

o as the said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat No. 52, 5th-floor, Ajura Nanek Nagar, Chandavarkar Road, Bonvin (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority. of the Competent Authority Bombay on 1-12-1984

for an applient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION ~ The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightly, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ind/or
- (b) (actinating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 52, 5th floor, Ajura, Manekh Nagar,, Chandavar-kar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 14033 84-85 on 1-12-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-7-85

A TOTAL STATE OF THE PERSON OF

FORM ITNS----

. .

(1) Mls. Bonaza Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SUCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE PROPERTY OF THE PROPERTY O

(2) Shri Sadhu B. Shetty

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGL-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR IV[37-EC]13836]84-85 -- Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the sail Act) had reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing Shop No. 1 & 2, Aakasa in, S. V. P. Road, Opp Bhagwati Hospital Borivi (W), Foldbry-103 situated at Bombry and more fill I send I in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreem at a resistered under

has been transferred and the agreement's registered under Section 260AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

to the Competent Authority at Eomony of 1-12-1984 for an practical at the watch is less than the fair market value of the clote all projectly, and I have reason to believe that the learning translative are of the property as aforesaid evecels the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration. instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. b respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other as ets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind. 32 Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 & 2, Aakansha 5, V P. Road, Opp Bhagvati Hospital Borivli (W), Bombay-103

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV[13836]84-85 on 1-12 84.

> A PRASAD Compotent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
> Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-7-85

Seal .

(1) Mls. Himan hu Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrr. Sneh Ram Advani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.1V[37-EE]14102[84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property baving a fair market value

that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000]- and bearing No. Shop No. 3, Ground floor, A-Wing, Prabhu Nwias, Eksar Village, Borreli (W), Bombay-92 attuated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Shop No. B, Ground floor, A-Wing, Prabhu Niwas, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 37-EE 14102 84-85 1-12-94.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby institute proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the usur of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 31-7-85

FORM ITNS----

(1) Mrs. Bhupinder Kaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M1. Umesh L. Bhawsat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. A.R.IV 37-EE 13809 84-85 .-- Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Flat No. 3, Cround ficor. 'B' Block, Bldg. No. 1, New Premnagat, Plot No. 24 B(1). Town Planning Scheme No. 1, Borteli (A), Bomb y-42 stated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been honsterred and the agreement is registered under Section 269AE of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at of the Competent Authority at Bombay on 1-12-1984 which is less than the fair market value of the aforesaid pro-

on the property as cloresaid exceeds the apparent considera-consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor, '5' Block, Bldg. No. 1, New Premnagar, Plot No. 24|B(1), Town Planning Scheme No. 1, Borivii (West), Bombay-400 092.

The agreement has been egistered by the Competent Arthority, Bombay under No AR.IV[37-EF]13809[84-85 on 1-12-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated 31-7-85 Scal .

FORM ITNS----

(1) Smt. L. M Kamdar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. ВОМВАУ

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR IV $^{1}37G|83|84-85 =$ Whereas, I. P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No Piece of land bearing S. No 56, Hissa No 9B, Dahisar, Darshau 68

Bombay 68

Bombay 68
(and more fully described in the Schedule armexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 19 12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to occure that the his market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fift on par cent of such apparent consideration and that than fift en per cent of such apparent consideration and that the con detation for such transfer as agreed to between the parass has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. C R. Yadav.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used merem as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No 2425|84 and registered on 19-12-84 with the sub-registrar, Bombay.

> P. N. DUBEY, Competent Auring my Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby injuste proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date · 31-7 1985

FORM NO. I.T.N.S.

- (1) Shri Gopal Narayan Zantye.
- (2) 1. Shri A. S. Mulgaonkar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Smt. Madhavi Sharad Sukhtanka-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1985

Ref. No. AR.IV|81-37G|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and beating No.

Land bearing Survey No. 50 hissa No. 3 C.T.S. No. 1078 at Dahisar, Ramkoonval Rd., Dahisar (E), Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 4-12-84

for an invatent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) fa: illitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Schedule as mentioned in the registered died No. 473|83 and registered on 4-12-84 with the sub-registrar, Bombay.

THE SCHEDULE

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Comm'ssioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely the

Date: 31-7-1985

(1) Pooran Investment Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR.1|37-EE|5|19|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, havin a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]- and bearing No. Shop No. 82, Heera Panna Shopping Centre, Bhulabhai Desai Road, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269AB of the

and the Agreement is registered under section 269AE of the Income-tax Act, I 61 in the Office of the Competent Authority Bombay on 28-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. Nootmohamed Aliji Vora,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 82, Heera Panna Shopping Centre, Corner of Haji Ali & Tardco Road, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5117/84-85 on 28-12-84,

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
91—256 GI|85

Date: 7-8-1985

Seat :

VERNIA CE PARTA

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs Gaun Subhash Pawse

(Transfevor)

(2) 1 Mrs Sewrephine D'Mello(Mrs Pauline Pinto

(Transferee)

(3) Fransferees

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGF-IV, BOMBAY

Bombay the 7th August 1985

Ref No AR-1|37EE-4983|84-85 -- Whereas, 1, P N DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No

Flat No 12, Everard CHSL situated at Sion (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-12 84

for an apparent consideration which is jess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION —The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SHFDULE

Flat No. 12, Building Q, 2nd Scheme, Everard Co-op Hsg. Soc Ltd Fverard Nagar, Eastern Express Hilghway, Sion, Bombay 22

The tatement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I Bombay, under Serial No AR-I 45/3 84-85 on 15 12 84

P N DUBEY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income law
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores iid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 7-8-1985

(1) Mr. Chandrakant H Parikh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls Prachin International

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bompay, the 7th August 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-1|37EE|5070|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY ket. No. AR-1|3/EE|5070|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

(2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Flat No. Al4, Poonam Apartment situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act shall have the same meaning as given

un that Chapter

Bombay on 20-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more sain exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to say tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEPULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakk-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A|4, Ground floor, Poonam Apartment, Worli, Bombay-18

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range I, Bombay, under Serial No. AR-1|5050|84-85 or 20-12-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Sestion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 7-8-1985

Scal:

(1) Mrs. Aruna Mahendrakumar Bhojak.

(Transferor)

(2) Shri Padamshi Asoobhai Gala.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR-I|37EH|5098|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 10,000]- and bearing No. Flat No. 16, Ghamat Terrace situated at Dadar (W).

Flat No. 16, Ghamat Terrace situated at Dadar (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 16, Ghamat Terrace, Gananath Co-op. Housing Soc. Ltd., 218, Senapati Bapat Marg, Dadar West, Bombay-400 028.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5031|84-85 on 20-12-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-8-1985

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis Consumer Mails

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

AR-I[37LE]4938]84-85.—Whereas I, Ref. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding. Rs. 1,00,000 and bearing No. Unit No. 423-A, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, Lower Parel,

Bombay-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been a austrated and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 10-12 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ADD DE
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Unit No 423-A, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-I[5073[84-85 on 10-12 84]]

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date 7-8 1985

Scal:

(1) Shah & Nahai Associates.

(Transferor)

(2) Western Garments Sindhu.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

AR-I|371.E|4767|84-85.---Whereas Ref. No. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Unit No. 332, Shah & Nahar Indl. Estate A-2, Lower Parel,

Bombay-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) nas been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 7-12-1984 has been transferred and the Agreement is registered under

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 332, Shah & Nahat Indl. Estate A-2, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5144/84-85 on 7-12-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1985

FORM I'INS-

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Juliet Apparels.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Boinbay the 7th August 1985

AR 1|37FF|4942|84-85 --- Whereas 1, Rcf. No P N. DUBLY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000 and bearing No.
Unit No 208 Shah & Nahai Indl Estate A-2, Lower Parel,

Bombay-13

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid erceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ganafer with the object of ...

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 208 on 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhaniaj Mill Compound, S J. Marg. Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|5077|84-85 on 10-12-1984

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Competent Authority Inspecting Assistant Commissionei of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

P N DUBEY

Date: 7-8-1985

Scal:

PORM ITNS--

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Industrial and Business Machines.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay the 7th August 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5074/84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000 - and bearing

Unit No. 230, Shah & Nahar Indl. Estate A-2, Lower Parel,

Rombay-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 20-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 230 on 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, S J. Marg, Lower Parel, Bombay-13

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5053|84-85 on 20-12-84.

P. N. DURFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 7-8-1985

FORM ITNS——

(1) Shah & Nahai Associates.

(1) Mr. Kishore Beharilal Chhabria and

Mukul K Chhabria (Minor)

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

AR-I|3711 |4941 |84-85 — Whereas 1. P N DUPEY,

to meeting Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act') have reason to believe that the immovacle property, naving a fair market value exceeding

Rs. 1,00 000|- and bearing No Unit No. 129, Shah & Nahar Indl Estate A-2,

situated of Lower Patel tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under so those 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

B mbay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the tor market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by note than filteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of "—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- by the litating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 +27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Mi. Yash Kishorelal Chhabria (Minor), Venkatesh K Chhabria (Minor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 329, on 31d floor in Shah. & Nahar Industrial listate A-2, S.J. Marg. Lower Parel, Bombay-13.

The datement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-f Bombay, under Serial No. AR-4|5076|84-85 on 10-12-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ato esaid property by the issue of this notice under subso con (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :— 92—256GI/85

Date: 7-8-1985

Scal .

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) H K. Printers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 7th August 1985

Rei. No. 7 P. N DUBEY, AR-I[37EE]4794[84-85.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing No.

Unit No. 151 on 1st floor in Shah & Nahar Industrial Estate Bombay-13.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 4-12 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to b heve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thu notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The t-rms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 151 on 1st floor in Shah & Nahari Industrial Estate A-2, Dhaniaj Mill Compound, SI Marg, Iowci Paiel, Fombay-13

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I/6433/84-85 on 4-12-84

P N DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-8-1985

າເal ∸

FORM ITNS-- -

(1) Ms Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Neera Nandkishore Bafna.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISTION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

AR-I[37] E[5063]84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

novable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No.

Flat No. 205. Sumer Towers s'tuated at Mazgaon can't more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority. of the Competent Authority Bombay on 20-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made n writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205 on 2nd floor, Building No. 1, Sumer Fowers, ove Lanc, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-J\(^{5057}\)\[84-85\] on 20-12-1984

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heteby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 7-8-1985

PART III—SEC. 1

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS ----

(1) M/s Sumer Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shi) Saicshlumai Walchand Jain, Smt. Ramila Suicshkumar Jain,

(Transferce)

(3) Transferor.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Rombay, the 7th August 1985

AR-I 37EE 4906 84-85.—Whereas I. P. N. DUBEY,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 304, Sumer Towers, situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AR of the Incomestax Act. 1961, in the Office

section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall be the same with great state. n the Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 306, 3rd floor in Building No. 1. Sumer Towers, Love Lane, Seth Metisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4910|84-85 on 10-12-84

P N DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 7-8-1985 Scal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Shri B. C. Satyanarayana.

(Transferor)

(2) Shir Para mal Budhmal Modi

may be undern writing to the undersigned --

(Transferee)

SOLICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UICOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1,

Bombay, the 7th August 1985

BOMBAY

Ref No AR-J[37FL]5006]84-85 —Whereas 1, N DUBLY,

be ng the Component Authority under Section 269AB of the Income ax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the the raid Act'), have reason to believe that the immerproperty, having a fau market value exceeding

R₃ 1,00,000|- and bearing No.
R No 119 Hind Raja-than Building, Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Olince of the Competent Authority at

Bombay on 15-12-1984

Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- In facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, it any, to the acquisition of the said property

(b) by any other reison interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAINATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R No 119 in Hind Rajasthan Building of Dadai Commercuil Piemises Co op Society Ltd., first floor, Dadasaheb Phalke Road, Dadai Bombay-400 014

The statement has been registered by the Competent authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I|4982|84-85 on 15-12-84.

P N DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons a mely:—

Date 7-8 1985 Seal :

IORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

AR-J|37EL|4963|84-85 --- Whereas I. Nο P. N. DÜREY.

being the Connetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,

have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Block No. 7A|3. New Sion CHS, situated at Sion(W) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or al) moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Manjit Kaur & Harjit Kaur.

(Transferor)

(2) Smt. Manjula Mansukhla! Parekh & Shri Mansukhlal Pranlal Parekh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoviable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 7A/3 of New Sion Co-op. Housing Society, Sion West, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Eembay, under Serial No. Ak-I 5018 84-85 on 15-12-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:--

Date: 7-8-1985 Seal:

FORM ITNS-

(1) M/s Mecronic Devices,

(Transferor)

(2) Mt Pondurang Narayan Takbhate.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferces

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. ΔR -1|37EF|5017|84-85.—Whereas I, 1' N DURLY,

being the Competent Authoriy under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 24 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Unit No. 110, Nirmal Indl. I state, situated at Sion (E)

Unit No. 110, Nirmal Indl. l'state, situated at Sion (E) tand more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Computent Authority Bombay on 20-12 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of pay income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Unit No. 110, Plot No. 109-C, Nirmal Industrial Estate, Sion Fast, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5017/84-85 on 20/12/84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1985

(1) Bellur Narayanaswamy Dattatreya.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

. - == ...

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No AR 1/371 E/4992/84-85.—Whereas I, P. N. DUBLY.

being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 18 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rain market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.
Flat No 17-17A, Shankar Kuth, situated at Sion (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Comp-tent Authority at Bombay on 15-12 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of consider with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tix 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1937);

(2) Mı Harifam Narsıdas Giasotta & N. s. Gunavantı H. Giasotta.

k

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 17-17A, 3td floor, Shankar Kutir, Plot 54, Scheme 6, Roof No. 4. Ston East Bombay-22

The st tement has been registered by the Competent Nutbertty Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. 4 F I+1978 1 84-85 on 15-12-84.

P N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under makes section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

Date · 7-8 1985

(1) Rewachand Chatomal Sadarangani.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. Lakshmi Card Clothing Manufacturing Company Pvt. Ltd.
- (3) Transferees.
- (Person in occupation of the property) (4) Sukh Sadan CHSL.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR-I|37FE|4897|84-85.—Whereas I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 6, Sukh Sadan CHSL, situated at Sion (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration interests by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given un that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Ground floor, Sukh Sadan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 86, Sion West, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4867/84-85 on 10-12-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
93—256GI/85

Date: 7-8-1985

(1) Jaisukh L. Raveshia Family Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls Jindal Exports Fvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR-1|37EE|4905|84-85.--Whereas, I

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Indl. Unit No. 109, Shah-Nahar (Worli) Light Indl. Estate,

Worli situated at Worli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that The consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument f transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property very be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

THE SHEDULE

Industrial Unit No. 109 on 1st floot, Shah-Nahar (Worli), Light Indl. Estate, Off Dr. E. Moses Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4909|84-85 on 10-12-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1935

Ref. No. AR-I|37EE|4877|84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs 1 00 000 - and bearing No. Shop No. 9, Strand House situated at Colaba (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been trinsferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tha Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

Bompay on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Ishwati Ram Sujan,

(Transferor)

(2) Mr. Jancirio Anthony Dias,

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property) (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9 on the ground floor, Strand House, Opp. Strand Cinema, Prem Ramehandam Marg, Colaba, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4722|84|85 on 7-12-1984

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 7-8-1985

(1) Smt. Shakuntala Minochar Masani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE'4753!84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 4, Indrayani Flat Owners CHSL, Sophia College

Lane situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Shri Harisingh Shyamsukha & Smt. Arti Harisingh Shvamsukha (Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the 2nd floor, Indiayani Flat Owners Co-op. Housing Society Ltd., 61-D, Sophia College Lane, Off Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Seral No. AR-I [6347]84-85 on 10-12-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Combay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dute: 7-8-1985

Scal:

(1) Satinder Kaur Duggal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mysore Timber Mart.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No AR-I|37FE|5157|84-85,-Whereas, I,

P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No 66, Malabai Apaitments situated at Napean scu

Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 28-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

THE SCHFDULE

Flat No. 66. 7th floor, Malabar Apartments, Napean sea Road, Bombay-6.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|5023|84 85 on 28-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons parally: following persons, namely:--

Date 7-8-1985

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Khadimali J. Lalani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR-I]37EE[4943]84-85.---Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Unit No. 334, Shah & Nahar Indl. Estate A-2 situated at

Lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authorny at Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in reacute of any income arising from the

(b) fusilitating the concealment of any incorse or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforemid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 334 on 3rd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been egistered by the Competent Authority, Acquisition Range I, Bombay, under Scrail No. AR-I|5078|84-85 on 10-12-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I. Bombay.

Date: 7-8-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) Mr. Rajesh Rasiklal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jeny Simon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMP-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-1/37EE/4881/84-85.—Whereas, I.

P. N. DUBEY. being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove the content of the content of

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovvable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000; and bearing
No. Flat No. 4-B. Sanjay CHSL situated at Veer Savarkar Mark (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bumbay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is taken the state of the s

for an apparent consideration which is less than the thir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957):

Flat No 4-B, 2nd floor, Sanjay Co-op, Housing Society, Veer Sarvarkar Maig, Bombay 25.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bomboy, under Scrall No. AR-I]4844|84-85 on 7-12-1984

P. N DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-8-1985

- (1) Shah & Nahar Associates.
- (Transferor)
- (2) M/s. Laxmi Idustries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No AR-I/37EF/4998/84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Unit No. 256 in Shah & Nahar Indl. Estate A-2, situated

nt Lowe: Parel

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act: or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 256 on 2nd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay, under Serail No. AR-1|4987|84-85 on 15-12-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 7-8-1985

(1) Binaka Investments.

(Transferor)

(2) M|s. Galaxy Comercials Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4959|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Unit No. 118, Creative Industrial Centre lower Parel (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-12-1984

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

---256GI/85

Objections, if any, to the acquisitions of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 118 on the 1st floor, Cicative Industrial Centre, Plot No. 12C S. No. 72, NM. Joshi M rg, Off Lower Parel Division Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I] 4997[84-85 on 15-12-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Against Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-8-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Mls. Kewal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Master Mukul B. Gupta, &

6. Guardian Radhashyam B. Vaish.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Rel. No NR-I|37EE|4873|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market valu exceeding

No. Unit 421, Kewal Indl. Estate situated at Lower Parel fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the competent Authority at Bembay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for the transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between b parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 421 on 4th floor, A Wing, Kewal Industrial Estate, Lower Parel, Hombay.

The statement has been registered by the Competent Authonity. Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I| 4713|84-85 on 7-12-1984.

P. N. DUREY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followirg persons, namely :--

Date: 7-8-1985

FORM ITNS----

(1) D M Dattanı

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ashish Plastic

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

AR-I|37EE|4903|84-85 -- Whereas, 1, P N DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00 000]- and beging No Unit No 516, Milan Indl Fetate situat dat Cotton Green NO Unit No No, Milan Indl. Fetate situat dut Cotton Green (and more fully described in the Schedule annexed hereto), rapun parasitasi si matta duy aqu pur pariasitasi unaq situ Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by min than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-
 - (a) by any of the aforesaid persons with'n a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer
- and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the gurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No 516, 5th oor, Milan Industrial Estate Co-op Society, Cotton Green, Bombay-33

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay under Settal No AR-I 4902 84-85 on 10-12 1984

P N DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

7-8-1985 Date

Seal .

(1) Mis. Dhanraj Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Chandulal H Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No AR-I|37EE|4986|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Indl. Unit No 24, Dhanraj Industrial Estate situated at I ower Parel

lower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombuy on 15-12-1984

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maners or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I have by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 24, Ground floor, Dhanraj Industrial Estate, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I| 4977|84-85 on 15-12-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-8-1985

FORM ITNS ...

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

NCOME-

(2) Hulaschand Choraria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4997|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. Unit No. 320, Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Lower Furel situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evastion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-in: Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sand Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 320 on 3rd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel. Bombuy-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay under Serial No. AR-I 4986 84-85 on 15-12-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-8-1985

(1) J. K. Bhassin, HUF.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Deepak Kantilal Parckh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5353|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 1, PSB Apartments situated at B. G. Kher Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betaute the person has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concenhment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1, 1st floor, Building No. 3, P.S.B. Apartments, B. G. Kher Road, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I| 5179|84-85 on 7-12-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Actt to the following persons, namely :---

Date: 7-8-1985

- (1) Lalita Jaya Raj & Manmohan B Trivedi (Transferor)
- (2) Kingsway Containers.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferors. (Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACCUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5062|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and burring No. Office No. 12, Mahavir Darshan situated at Naisi Natha

(and more fully described in the schedule annexed hereto).

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 12, 1st floor, Mahavir Darshan Building, 412, Narsi Natha Street, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I; 5056[84-85 on 20-12-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesall property by the saue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-8-1985

(1) Shah & Nehar Associates

(Transferor)

(2) Mr Richard M. D'Souza

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICH OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. N o. AR-I]37EE|4940|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit No. 316, Shah & Nahar Indl. Estate A-2, Lower Parel

Bombay-13

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority
Bombay on 10-12-1984
for an expectation of the content of the Competent activities and the content of the

for an apparant consideration which is less than the faor market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 316 on 3rd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Compe-

tent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5075|84-85 on 10-12-84.

P. N. DUBEY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-8-1985

(1) Shah & Nahai Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajnikant Bhagwandas Bhogat & Pravinchandra B Bhagat

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT GOMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ret. No. AR-I|37EE|4937|84 85 -- Whereas, 1, P. N. DUBLY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 0001 and bearing No Unit No. 209, Shah & Nahar Indl. Estate A-2, Lower Parel

Bombay 13

(and mo e fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair naiket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion at one liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Offic al Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chaster.

THE SCHEDULE

Unit No 209 on 2nd floor in Shah & Nahai Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, S.I. Marg, Lower Parel.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisit on Parge-I, Bombay, under Serial No AR-I|5072|84-85 on 10-12-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the safersald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namedy:—

95-256GI/85

Date 1 7-8-1985

FORM TINS-

(1) Shah & Nahar Associates

(2) Prestige Paper Products.

(Transfe or)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CCMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR-I 37EE 5093 84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter reterred to as the sad Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

No. 217, Shah & Nahar Industrial Estate A-2 Lower

Parel Bombay-13.

and more fully described in the Schedule annexed herew) has been transfered and the agreement is registered under Section 269AB of te Income-tax Act, 1961, in the Office of the Com etent Authority at Bombay on 20-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 43 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 217 on 2nd floor in Shah & Nahar Indl. Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5033|84-85 on 20-12-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 7-8-1985

Scal :

(1) M/s Ambit Corporation.

(2) Mrs. Susmi a Dinesh S.ah, Mi Dinesh U Shah

Master Reetesh D Shah & Master Brijesh D. Shah

may be made in writing to the undersigned :-

(Transfe: or)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGT-J. BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5099|84-85.—Whereas, 1, P. N. DEVEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Incom.-tax Act 1961 (43 or 1961) (hereinalter referred to property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 4, Lotus Court Bldg. s tuated at Worli

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 20-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid roperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pe cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chupter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chausa

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 2nd floor in Building LOTUS COURT, Plot No. 12-A, Dr. Annic Besant Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisit on Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I|5032|84-85 on 20-12-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 7-8-1985

(1) Shri Ibrahim Ismail Aibani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Smt. Shantaben H. Karia,2. Smt. Gomben Murji Karia and3. Smt. Mangulaben Murji Mota

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE DISPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR-I]37EE|4928|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinstter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing
Unit No. 5, Milan Ind. Estate situated at Cotton Green (and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

Unit No. 5, Mitan Inul. Estate situated at Cotton Green (and more fully described in the Schicduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Autho ity at Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect or any income arising from the transfer;
 and/or
- (t) Identitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ual Act, 1957 (27 of 1947);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said i-movable property within 45 days from the Jate of the publication of this nouce in the Official Cazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5, 5th floor, Milal Indl. Estate Premises Co-op. Spc. Off Tokershi Jivraj Road. Abhyduya Nagar, Cotton Green, Bombay-33.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I|4154|84-85 on 10-12-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the anid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 7-8-1985

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Kishore D.Zodge

(Transferor)

(Transferce)

(2) M s Fsdee Dye Aux

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. 4 to. AR-I 37EE 3752 84-85.—Whereas, I,

P. N. DUBEY, being the competent being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property between the competence of th

le as the said Act) have reason to believe that the infinovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Unit No. 19, Milan Indi. Estate situated at Cotton Green (and more fully desc ibed in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the agreement is registered under Section 269AB of the Incorporator Act. 1961 in the Office of Section 269AB of te Income-tax Act, 1961, in the Office of the Com etent Authority at Bambay on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property 26 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made to writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any thoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit_No. 19, 4th floor, Milan Industrial Estate, Tokarshi Jivraj Road Cotton Green, Bombay-33.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|4267|84-85 on 27-12-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-8-1985

FORM LINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR-I/37LE|5028|84-85.— Whereas, I. P. N. DUBLY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceedings Rs. 1,00,000|- an J bearing Gala No. 20, Breadway Shopping Centre situated at Dadar TT

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 20-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tus Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

(1) M/s. Bombay Traders.

(Tran.fe or)

(2) Mis Welcome Enterprises

(Transfe ec)

(3) M/s Bombay Traders.

(Person in occupation of the property)

(4) Trustees of M s Bombay Traders:

1. Jitendra M Dharia, 2. Nirupama J Dharia (Mrs)

3 Praful M Dharia, 4. Mrs. Poornima M Dharia.

(Poison whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein 44 are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning, as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Gala No. 20, Ground floor, Broadway shopping Centre, Dr. Ambedkar Road, Dadar TT, Bombay 400 014.

The statement has been registered by the Competent Authority, Ac wisition Range-I, Bombay, under Senal No. AR-I | 5029 | 84-85 on 20-12-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-8-1985.

FORM NO. I.T.N.S.——

(1) Kamla P Mcnghani

(Transfero :

(2) M/s Shinewell Products

(Transfe.ee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref No. AR-I|37EE|5090|84-85.—Whotens, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (because referred to as the 'said Act'), have reason to b lieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1 00.0007- and bearing

Unit No. 404, Bluss, Indl. Estate situated at Lower Parel has been transferred and the Agreement is registered under tana name fully decribe and the encure an exect her to), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 20-12 F4

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afores id property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are d in d in Chapter XAX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 404 on the 4th floor, Bussa Industrial Estate,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5039/84-85 on 20-12-84.

P. N. LUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission in all Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

Date: 7-8-1985,

Seal .

menter i mente i mente i iliani. Vili mit

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. B. T. Shivdasani, Mrs. Bina I Ramchandani, Mrs. Atuna R Mansukhani

(fransferor)

(2) Mr. Ashvin A Bhuva,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ret. No. AR-1/371°E/4982/84-85.— Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs 100,000 and bearing No.

Office No. 412, Vyapar Bhavan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 15-12-84

33352

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemed exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appa ent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nunsfer with the object of -

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazeite.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation

whichever period expires later;

in the Official Gezette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

تلها المارات

THE SCHEDULE

Office Premises No. 412, 4th floor, Vyapar Bhavan, Plot No. 49, P D'Mello Road, Carnac Bunder, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-14972[84-85] on 15-12-84.

(b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of generally by the issue of the notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 7-8-1985

FORM ITNS----

(1) Kiran Chimaulal Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Khalilul Rehman & Mrs. Jubeda Khatun (Transferee)

(2) Transferees

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

Bombay, the 7th August 1985

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

Ref No. AR-I/37EE/5169/84-85— Whereas, I. P. N DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-Rs 1,00,000 and bearing
Flat No 23, Central Court Bldg situated at Motlibai St.
(and smore fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 28-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfers

THE SCHEDULE

Flat No. 23 on the 6th floor, Central Court Building, 18 Motlibal Street, nombay-11.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5132|84-85 on \$28-12-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, the efore in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
96—256 GI|85

Date: 7-8-1985.

Scal ;

FORM ITNS

(1) Shah & Nahai Associates

(Transferor)

(2) Nitin Dye Chem Industries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th August 1985

Ref. No. AR 1|37EE|4939|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Unit No. 324 in Shah & Nahar Indl. Estate A-1 situated at Lower Parel

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 324 on 31d floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1, Dhanraj Mill Compound, S1. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Setial No. AR-I|5074|84-85 on 10-12-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1985.

FORM ITNS-

(1) Shri Ramanbhai H. Patel & Shri Gautam R. Patel. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGEI, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5148|84-85.---Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

No. Office No. 114, Mittal Court situated at Natiman Point (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bor-say on 28-12-84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mls. Powerica Sales & Services Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferois.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in the Chapter.

THE SHEDULE

Office Premises No. 114, Mittal Court, B Wing, Narlman Point, Bombay-21,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5128/84-85 on 28-12-84.

P. N. DUEEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 7-8-1985

FORM I.T.N.S. 187----

(1) MAINLINE.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) M|s Sheeba International.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4946|84-85.---Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing
Office No T-1/4, World Trade Centre situated at Cuffe

Parade

33356

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10 12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consider from for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter ΧΧΛ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office Premises No T-1/4, World Trade Centre, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5

statement has been registered by the Competent ty, Acquisition Range-l, Bombay, under Serial No. Authority, Acquisition Range-IAR-I/4153/84-85 on 10-12-1984.

> P. N. DUBFY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:-

Date 5-8-1985 Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5009|84-85.--Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 500,000- and bearing Shop No. 2A, Crystal Bldg, situated at Altamount Road (and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Urmila L. Mchta, Mrs. Kavita N. Chettani, Ramchand I. Chatlani, Mr. Bansl M. Chufani, Mr. Gul Lilaram Chugani, Mrs. Gopi Bhagwandas Chugani, Mrs. Jeeta D. Chugani, Mr. Prem L. Chugani, Mr. Sunder B. Chugani and Gul H. Chugani and V. J. Chugani.

(Transferor)

(2) Ramchand Assandas Premises Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sho p No. 2A in the building known as 'CRYSTAL' Altamount Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5142|84-85 on 7-12-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-8-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR-I]37EE|5040|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Room No. 505, Anant Deep Co-op. Soc. situated at Narsi natha Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Pratapchand D. Motha and Mr. Pravinchandra D. Motha.

(Transferor)

(2) Mrs. Pratibha P. Shah.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said in hovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 505, Anant Deep Co-op Premises Society, 273|77, Narsi Natha Street, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I]5088|84-85 on 20-12-1984,

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Date: 5-8-1985

Seal ·

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I. BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref No AR-I|37EE|5055|84-85 --- Whereas, I, P N DUBFY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

Commercial Premise No II New Navyug CHSL situated at Pringers Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority 4 Bomba on 20-12 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in two pect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Said Act of the Wealth lax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely -

(1) Shri Shyamsunder S Ruia

(Trinsferor)

(2) ! Shri Manoj Arora, 2 Shri Laht Arora and 3 Shri Rakesh Arora

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property).

(4) Transferees

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial Premises No 11, Ground floor, New Yavyug Co-op Hsg Soc Ltd 10/18 Old Hanuman Lane, Dhirubhai Patikh Marg Princess Street Bombay 400 002

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR I | 5101 | 84-85 on 20-12-1984

P. N DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

5-8 1985 Date Seal:

FORM ITNS-

(1) M s Arora & Co.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/9 R. K. Agencies.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. AR-I 37EE 4912 84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovexceeding Rs. 1.00,000 and bearing Office No. 3, Mahavir Darshan Bldg, situated at Narsi Natha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-12-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 3 on 1st floor, Mahavir Darshan Building, 412 Narsi Natha Street, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5062|84-85 on 10-12-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 5-8-1985

FORM ITNS-----

(1) Shri Prataprai Ratilal Mehta. Shri Pankaj P. Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. AR-I|37EE|4895|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

exceeding Rs. 1.00,000 and bearing

Office No. 3 1404, Navjivan Society situated at Lamington

Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has ben transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—97—256 GI|85

(2) Shri Gianchand C. Agarwal, Prop. of M/s G. C. Enterprises.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Room No. 3|1404, Navjivan Society, Lamington Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I | 4866 | 84-85 on 10-12-1984.

P. N. DUBFY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-8-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Devendra Kanhaiyalal Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Bhogilal S. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|2584|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Room No. 411, Gokul Bldg. situated at Baroda St.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 22-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 411, Gokul building, 4th floor, 80-A, Baroda Street, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4315|84-85 on 22-12-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 5-8-1985

FORM I.T.N.S. 187----

(1) M|s. Sumer Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Usha Pravinkumar Dhoka.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M|s. Sumar Associates.
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Bombay, the 5th August 1985

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as

1

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I|37EE|5064|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the

the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1-00,000], and bearing Flat No. 506, Sumer Towers situated at Mazgaon (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269AB of the

Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Flat No. 506, 5th floor, Building No. 1, 'SUMER TOWERS' Love Lane, Motisha Road, Mazagaon, Bombay-10. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-I|5054|84-85 on 20-12-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1985

FORM ITNS-

(1) Mr. Hargovind K. Thakkar.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4970|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rt. 1,00,000|- and bearing Office No. 33, Tardeo Air-Cond. Market situated at Tardeo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) Mr. Virendra G. Bhatt & Miss I. H. Javeri.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 33, 1st floor, Tardeo Air-Conditioned Market, Tardeo Road, Bombay-400 034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I | 4961 | 84-85 on 15-12-84.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 5-8-1985

FORM NO. I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMSSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR-I]37EE|4864|84-85.-Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing Office No. 30, Navjivan Society situated at Lamington Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-12-84

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect at any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Satish Kumar S Somani & Smt. Jamuna S Somani.

. Transferor)

(2) Shri Devender Kumar Vadehra.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the sale property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 30, 8th floor, Building No. III, Navjivan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Lamington Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I | 4709 | 84-85 on 7-12-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-8-1985

FORM ITNS-

(1) Smt. Padma K Lalla.

(2) Mrs. Mehrunisha M Lokhandwala.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5190|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 16, 'Deepak Mahal' CHSI situated at Worli Hill Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 28-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 cays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta-

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 1st floor in the building known as 'Deepak Mahal' Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 31, Worli Hill Road, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5028|84-85 on 28-12-84.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vasant Morarji Makada, Ramesh Morarji Makada. (Transferor)

(2) Smt. Safiabai Ismail Aagboatwala.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

33367

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 5th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5756|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. [0.000] and Flat No. 201, Veena Beena Apts. situated

at Sewri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 28-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immov-

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons.

EXPLANATION: -The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Building E, Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri, Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5029|84-85 on 28-12-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date: 5-8-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5065|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to m the 'said Act'), have reason to believe that the immovable groperty having a fair market value exceeding Re. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 806, Sumer Towers situated at Mazgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Bombay on 20-12-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) M|s Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Pushpakkumar M. Ambawat (Minor).

(Transferee)

(3) Mis Sumer Associates.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 806, 8th floor, Building No. 1, 'Sumer Towers' Love Lane, Seth Motisha Road, Mazagaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5055|84-85 on 20-12-1984.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-8-1985

FORM TINS-

(1) M|s Bonny Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Najumuddin F Electricwala & Mr. Mustansır F Electricwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 6th August 1985

Ref No AR-I|37EE|5115|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
No. rlat No 504, Pearl Harbour situated at Mazgaon,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority Pombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /orz
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flm No. 504 at Pearl Harbour, Tulsiwadi, Mazgaon, Bombay-1

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-I|5114|84-85 on 28-12-1984.

P. N. DUBFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeusid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nessona romely 98--256 GI 85

Date: 6-8-1985

Seal ;

FORM I.T.N.S.-

(1) M|s Sugandh Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Koraga 1 Pai & Mr. Pandutang K Pai. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE !NSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-I[37EL|5108]84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 12 Plot No. 58, situated at Naigaum,

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred

and the Agreement is registered under section $269\Lambda B$ of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Äuthority.

Bembay on 28-12-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the enid Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1t of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Plot No. 58, Scheme No. 60, S.S. Wagh Marg, Naigaum, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-J|5112|84-85 on 28-12-1984,

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-8-1985

FORM ITNS-

- (1) Shri Ramanbhai H Patel & Shri Gautam R Patel. (Transferor)
- (2) Powerica Sales & Services Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. ΛR -1|37EE|5114|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Office No. 114, Mittal Court situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

Eombay on 28-12-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovab)c property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 114 Mittal Court, B. Wing, Nariman Point, Bombay-21,

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Runge-1, Bombay, under Serial No. AR-I;5113'84-85 on 28-12-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-8-1985

FORM ITNS-

(1) SShri Radhakrishen G Manghnani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-1]37EE|4896|84-85.-Whereas, I,

Ref. No. AR-13/EE 4030 04-03.— Whereas, 4, I'. N. DUBEY, weing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Office No. 209, Tulsiani Chambers situated at

Nariman Point.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority.

Bombay on 10-12-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any meonic or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Mrs. Reshma R Daryanani.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 209 on 2nd floor of "TULSIANI CHAMBLES" Natiman Point, Bombay-21

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4898|84-85 on 10-12-1984.

> P. N. DUBFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-8-1985

Seat:

FORM ITNS----

(1) Mls Bonny Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Mohammadi F Electricwala and Mr. Kutubuddin F Electricwala

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5116/84-85.—Whereas, 1, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as #= 'said Act'), have reason to believe that the kramovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beating

No. Flat No. 505, Pearl Harbour situated at Mazgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

Bombay on 28-12-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tay 'Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 505 at Pearl Harbour, Tulsiwadi, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|5115|84-85 on 28-12-1984

P. N. DUBLY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-8-1985

FORM ITNS

(1) Mr. Champaklal Mafatlal Shah

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kalayati Kantilal Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Mukesh K Shah (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5180|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

oeing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immersble property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 101, Simla House CHSL situated at L Jagmohandas

Marg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 28-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trutister with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sais Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share in the Flat No. 101, E Wing, Simh House, I ady Jagmohandas Marg, Bombya-400 036. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-I/5140/84-85 on 28-12-1984.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the selfewing persons namely :-

Date: 6-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 6th August 1985

AR-I|37EE|5158|84-85.--Whoreas, I, Ref. No.

P. N. DUBEY, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovement of the property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing Flat No. 23, Giri Chhaya Bldg, situated at Chowpatty Band Clark.

Stand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 28 12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Vilmalaben Chandulal Bhavsar

(Trensferor)

(2) Kiritkumar Mathuradas Mychhala & Geeta K Muchhala

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 4th floor, Giri Chhaya, Dady Seth Road, Chowpatty Band Stand, Bombay-6.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5025/84-85 on 28-12-84.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-8-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mont Blanc Properties & Industries P. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rachna Benefiniary Trust, Pankaj Beneficiary Trust and Pooja Beneficiary Trust

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5105/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 4 BR, Mont Blanc Apartment situated at Dadyscth Hill

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bornbay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of vansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chester.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 4 BR, 23rd floor, Mont Blanc Apartment, Dadyseth Hill ,Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-I|5022|84-85 on 28-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-8-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

AR-I/37EE/4909/84-85.---Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing Flat No. 4 BR, Mont Blanc Apts. situated at Dadyseth Hill (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Mont Blanc Properties & Industries P. Ltd. (Transferor)
- (2) Smt. Ramrati Devi Mahansaria, Sandeepkumar Mahansaria, Shyamsunder Mahansaria, HUF, Banwarilal Mahansaria. Pradeepkumar Mahansaria, Ganesh Mahansaria.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Explanation :—The Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 BR, 21st floor, Ment Blanc Apartment, Dady Seth Hill. Bombay-36.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|37EE|4913|84-85 on 10-12-1984,

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-8-1985

FORM ITHE-

(1) Ms Shree Ganesh Oil Mill

(Transferer)

(2) Shri Karmsingh S Soor

(Transferce)

(3) Transferor

The base of the same of the sa

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5034|84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Unit No. 6, Navyug Indl. is state situated at Sewree (and property) and in the Schedule appeared beauty)

Unit No. 6, Navvug Indl. Estate situated at Sewree (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of zotice on the respective period, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FIGUREAU :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 6, Ground floor of Navyug Industrial Estate. Tokershi Jivraj Road. Sewree West. Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|4994|84-85 on 15-12-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1985

FORM ITNS

(1) Shri B. C. Kiron

(Transferor)

(2) Smt. N. C. Seethadevi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref.~No. AR-J|37FF|4964|84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 4|29A, Park View CHSL situated at Sion (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a, willitating the reduction or evasion of the liability of the ... edelor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, nad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the radian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4|29A, Parkview Co-op, Society Ltd., Sion, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-I|37EE|5000|84-85 on 15-12-1984,

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid procerty by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-8-1985

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS-

(1) Shri Ramchand Hotchand Lalla & Smt. Sita R. Lalla.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. K. Ramchand

(3) Transferee

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4924|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs 1 00.000 and bearing No Flat No. 124, New SSS Nagar situated at Koliwada (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforepaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferandior

(b' facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 124, Building No. 1, 2nd floor, New Sind Sewa Samiti Co-op. Housing Society Ltd., Flank Road, Bombay-400 037.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|37EE|5066|84-85 on 10-12-1984,

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dai : 6-8-1985 Seal :

FORM I.T.N.S .---

(1) M|s Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Shah Dhanraj Bhabutmalji.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mis Sumer Associates.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SCONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4927|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-ble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

"Int No. 206, Sumer Towers situated at Mazgaon and more fully described in the Schedule annoxed hereto),

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the timbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 206 on 2nd floor, Building No. 1, Sumer Towers' Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-I|37EE|5069|84-85 on 10-12-1984.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1985

FORM JTNS ----

(1) Mls. Cozyhome Builders

(Transfere

(2) Shri Ganesh Dayaram Rajadhyaksha & Smt. Usha Ganesh Rajadhyaksha

(Transferee

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th August 1985

Ref. No. AR-J|37EE|5109|84-85.--Whereas, 1,

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000- and bearing

Flat No. 14, Peter Marcel Bldg, situated at Prabhadevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said prope, may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons with a period 45 days from the date of publication of the notation the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of L publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 2nd floor, Peter Marcel Bldg., Final Plot No. 941-A & 941, T.P.S. IV (Mahim Area) Prabhadevi, Bomba

The statement has been registered by the Competen Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-I/37EE/5110/84-85 on 28-12-1984,

P. N. DUBE'
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in thate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person pamely:—

Date: 6-8-1985

FORM ITNS--

(1) Sart, Kalavati Naadlal Kela, "Nandadeep" Nasik Road, Nasik,

8 Sumati Co-operative Housing Society, Nasik,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Dist. Nasik.

Dist. Nasik.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE 106|107. KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 29th August 1985

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expire later:

(2) Shri Kurtbhri R. Parikh,

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|1125|1984-85.--Whereas, I. ANIL KUMAR,

vring the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Property, having a fair market value exceeding

1. 1.00.0001- and bearing

2. 1.00.0001- and bearing

2. vey No. 728, (1 to 25) Plot No. 62, Fal. Nasik, Trimbak

Kord, Nasik.

situated at Nasik and more fully described in the Schedule annexed hereto),

maind more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 6.908) in the office of the Registering Officer at 3. R. Nasik on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to octween the parties has not been truly stated in the said strument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 728, (1 to 25) Plot No. 62, at Trimbak Read, Nasik.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik, ander document No. 1125, 1984-85 in the month of April 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Acquisition Range, Peone

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the alteresaid property by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-8-1985